# भड़कीली रातें

## डोरोथी एल. सेयर्स

# Gaudy Nights

## Dorothy L. Sayers

# Table of Contents

लेखक
विषयसूची
लेखक का नोट
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
अध्याय 22
अध्याय 23

डोरोथी एल सेयर्स

ऑक्सफोर्ड से शिक्षित डोरोथी ली सेयर्स (1893-1957) स्वर्ण युग की सबसे लोकप्रिय लेखिकाओं में से एक थीं। 1893 में इंग्लैंड में जन्मीं डोरोथी सेयर्स ने मध्यकालीन साहित्य में विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक होने के बाद, कविता के दो संग्रह प्रकाशित करने के अलावा, उन्होंने पैसे कमाने के लिए जासूसी कहानियां लिखना शुरू किया।
उनका पहला उपन्यास, "हूज बॉडी?" (1923), लॉर्ड पीटर विम्सी के चरित्र से परिचय कराता है, जिसके लिए वे सबसे अधिक जानी जाती हैं। विम्सी, अपने विशिष्ट मोनोकल और कुछ हद तक दिखावटी अंदाज़ के साथ, ग्यारह उपन्यासों और कई लघु कहानियों में दिखाई दिए। अपने मित्र, स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर पार्कर के साथ काम करते हुए, विम्सी ने आमतौर पर रिश्तेदारों या करीबी दोस्तों से जुड़े मामलों को सुलझाया।
डोरोथी एल. सेयर्स "जासूसी लेखन को उपन्यास लेखन की कुशलता के साथ मिलाने" और अपने उपन्यासों में पीड़ितों को मौत के घाट उतारने के कल्पनाशील तरीकों के लिए प्रसिद्ध थीं। उनके उपन्यासों में मृत्यु के कई कारणों में से कुछ प्रमुख कारण थे, जैसे ज़हर लगे दांतों की फिलिंग, ज़हर लगे पंजों वाली बिल्ली और बर्फ से बना खंजर! (द व्होडुनिट)
डोरोथी सेयर्स ने "द ओम्निबस ऑफ क्राइम" (1929) शीर्षक के तहत संकलित कई रहस्य कथाओं के संकलनों का संपादन भी किया, जिसमें रहस्य शैली के इतिहास पर एक उल्लेखनीय प्रारंभिक निबंध शामिल था।
बाद में, डोरोथी सेयर्स ने जासूसी उपन्यास लिखना छोड़कर अपनी अन्य रुचियों को आगे बढ़ाया। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष दांते की डिवाइन कॉमेडी के अंग्रेजी अनुवाद पर काम करते हुए बिताए, क्योंकि उनका हमेशा से मानना था कि जासूसी कहानियां लिखने की तुलना में धर्म और मध्यकालीन अध्ययन उनके समय के अधिक योग्य विषय थे।

# डोरोथी एल. सेयर्स
# भड़कीली रात

(1936)

विश्वविद्यालय स्वर्ग है। यहाँ ज्ञान की नदियाँ बहती हैं। कला और विज्ञान यहीं से प्रवाहित होते हैं। परामर्श सभाएँ (जैसा कि भजनों में कहा गया है) चारदीवारी वाले उद्यान हैं, और वे गुप्त कुएँ हैं; वहाँ अथाह ज्ञान का भंडार है।

—जॉन डोने

**विषयसूची**

लेखक का नोट
अध्याय 1
अध्याय दो

अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
अध्याय 22
अध्याय 23

# लेखक का नोट

यह मानने से इनकार करना व्यर्थ होगा कि ऑक्सफ़ोर्ड शहर और विश्वविद्यालय (अनंत काल तक फलता-फूलता) वास्तव में अस्तित्व में हैं और उनमें कई कॉलेज और अन्य इमारतें हैं, जिनमें से कुछ का उल्लेख इस पुस्तक में किया गया है। इसलिए यह ज़ोर देकर कहना और भी ज़रूरी है कि मैंने इस सार्वजनिक मंच पर जिन पात्रों को प्रस्तुत किया है, उनका वास्तविक जीवन में कोई समकक्ष नहीं है। विशेष रूप से, श्रूस्बरी कॉलेज, अपने प्रोफेसरों, छात्रों और स्काउट्स के साथ, पूरी तरह से काल्पनिक है; न ही इसकी दीवारों के भीतर घटित होने वाली दुखद घटनाओं का वर्णन किसी भी वास्तविक घटना पर आधारित है। जासूसी कहानियों के लेखकों को अपने अप्रिय पेशे के कारण चौंकाने वाली और अप्रिय घटनाओं और पात्रों का आविष्कार करना पड़ता है, और (मेरा मानना है) उन्हें यह कल्पना करने की स्वतंत्रता है कि यदि ऐसी घटनाएं और पात्र किसी निर्दोष और सुव्यवस्थित समुदाय के जीवन में हस्तक्षेप करें तो क्या हो

सकता है; लेकिन ऐसा करने से यह नहीं माना जाना चाहिए कि वे यह सुझाव दे रहे हैं कि वास्तविक जीवन में किसी भी समुदाय में ऐसी कोई गड़बड़ी कभी हुई है या होने की संभावना है।

हालांकि, मुझे कुछ बातों के लिए माफी मांगनी होगी: सबसे पहले, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से, क्योंकि मैंने उसे अपने द्वारा नियुक्त चांसलर और वाइस-चांसलर दिए और कॉलेज में निर्धारित सीमा से अधिक 150 महिला छात्राएं दीं। इसके बाद, अत्यंत विनम्रता के साथ, बैलिओल कॉलेज से - न केवल पीटर विम्सी जैसे मनमौजी पूर्व छात्र को नियुक्त करने के लिए, बल्कि इसके विशाल और पवित्र क्रिकेट मैदान पर श्रूस्बरी कॉलेज का निर्माण करने की मेरी घोर गुस्ताखी के लिए भी। न्यू कॉलेज, क्राइस्ट चर्च और विशेष रूप से क्वीन्स कॉलेज से, मैं कुछ युवा सज्जनों की मूर्खताओं के लिए, ब्रासेनोस से एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति के मज़ाक के लिए और मैग्डेलन से एक काल्पनिक प्रो-प्रोक्टर को जिस शर्मनाक स्थिति में मैंने डाल दिया है, उसके लिए माफी मांगता हूं। दूसरी ओर, कॉर्पोरेशन डंप एक वास्तविकता है, या थी, और इसके लिए मुझे कोई माफी नहीं मांगनी है।

सोमरविले स्थित मेरे अपने कॉलेज के प्रिंसिपल और फेलो को, मैं प्रॉक्टोरियल नियमों और सामान्य कॉलेज अनुशासन के मामलों में उदारतापूर्वक दी गई सहायता के लिए धन्यवाद देता हूं - हालांकि श्रूस्बरी कॉलेज में अनुशासन के विवरण के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, जिनमें से कई मैंने अपने स्वयं के उद्देश्यों के अनुरूप बनाए हैं।

कालक्रम में रुचि रखने वाले लोग चाहें तो विम्सी परिवार के बारे में अपनी पूर्व जानकारी के आधार पर यह अनुमान लगा सकते हैं कि पुस्तक की कहानी 1935 में घटित होती है; लेकिन यदि वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें इस बात पर नाराज़ नहीं होना चाहिए कि राजा की जयंती का उल्लेख नहीं है, या मैंने मौसम और चंद्रमा के परिवर्तन को अपनी कल्पना के अनुसार समायोजित किया है। क्योंकि पृष्ठभूमि चाहे कितनी भी यथार्थवादी क्यों न हो, उपन्यासकार का एकमात्र मूल देश काल्पनिक दुनिया है, जहाँ वे केवल मज़ाक करते हैं, मज़ाक में ज़हर घोलते हैं: दुनिया में कोई अपराध नहीं।

## अध्याय 1

हे अंधे का निशाना, हे मूर्ख का स्वयं चुना जाल,
मनमोहक कल्पना का मैल, और बिखरे हुए विचारों का अवशेष,
सभी बुराइयों का बंधन; अकारण चिंताओं का पालना;

हे इच्छा का जाल, जिसका अंत कभी नहीं होता:
इच्छा! इच्छा! मैंने बहुत महंगे दामों पर खरीदा है
क्षत-विक्षत मन की कीमत पर, तेरा बेकार माल।

—सर फिलिप सिडनी

हैरियट वेन अपनी लेखन-मेज पर बैठी मेक्लेनबर्ग स्क्वायर की ओर देख रही थी। स्क्वायर के बगीचे में देर से खिले ट्यूलिप बड़ी खूबसूरती से खिल रहे थे, और टेनिस के चार खिलाड़ी जोश से एक अनियमित और अनुभवहीन खेल का स्कोर बता रहे थे। लेकिन हैरियट को न तो ट्यूलिप दिखाई दे रहे थे और न ही टेनिस खिलाड़ी। उसके सामने सोख्ता कागज पर एक पत्र खुला पड़ा था, लेकिन उसकी छवि उसके मन से धुंधली होकर एक नई तस्वीर में बदल गई थी। उसने एक पत्थर का चौक देखा, जिसे एक आधुनिक वास्तुकार ने ऐसी शैली में बनाया था जो न तो नई थी और न ही पुरानी, बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास कर रही थी। उसकी दीवारों के भीतर एक सुव्यवस्थित घास का मैदान था, जिसके कोनों पर फूलों की क्यारियां थीं, और जो एक चौड़े पत्थर के चबूतरे से घिरा हुआ था। कॉट्सवोल्ड स्लेट की समतल छतों के पीछे, पुरानी और कम औपचारिक इमारतों के एक समूह की ईंटों की चिमनियां दिखाई देती थीं—एक तरह का चौकोर परिसर, लेकिन फिर भी श्रूस्बरी कॉलेज के पहले शर्मीले छात्रों को आश्रय देने वाले मूल विक्टोरियन घरों की घरेलू यादों को संजोए हुए था। सामने जोवेट वॉक के पेड़ थे, और उनके पार, प्राचीन छज्जों का एक समूह और न्यू कॉलेज का टावर था, जिस पर कौवे हवा से भरे आसमान के नीचे चक्कर लगा रहे थे।

स्मृतियों ने चौक को गतिशील आकृतियों से भर दिया। विद्यार्थी जोड़ों में टहल रहे थे। विद्यार्थी व्याख्यानों के लिए दौड़ रहे थे, उनके गाउन हल्के ग्रीष्मकालीन फ्रॉकों के ऊपर जल्दी से खींचे जा रहे थे, हवा उनकी चपटी टोपियों को झटककर कई मसखरों की कलगी जैसी हास्यास्पद आकृति में बदल रही थी। कुली के कमरे में साइकिलें ढेर थीं, उनके कैरियर किताबों से लदे थे और गाउन उनके हैंडलबारों पर लिपटे हुए थे। एक अधेड़ उम्र की महिला प्रोफेसर धुंधली आँखों से मैदान पार कर रही थी, उसके विचार सोलहवीं शताब्दी के दर्शन के पहलुओं पर टिके हुए थे, उसकी आस्तीनें हवा में लहरा रही थीं, उसके कंधे अकादमिक कोण पर झुके हुए थे जो प्लीटेड पॉपलिन के पीछे की ओर खिंचाव को स्वतः ही संतुलित कर रहा था। दो आम आदमी कोच की तलाश में थे, नंगे सिर, हाथ पतलून की जेबों में, नावों के बारे में ज़ोर-ज़ोर से बातें कर

रहे थे। वार्डन—धूसर और गंभीर—और डीन—मोटा-ताज़ा, फुर्तीला, चिड़िया जैसा, एक छोटा रेडपोल—पुराने चौक की ओर जाने वाले मेहराब के नीचे जीवंत चर्चा में मशगूल थे। धूसर रंग के बीच डेल्फ़िनियम के ऊंचे-ऊंचे फूल, ज्वालाओं की तरह नीले रंग में झिलमिला रहे थे, मानो वे बेहद नीले रंग के हों। कॉलेज की बिल्ली, मग्न और दूर कहीं, पूंछ सीधी करके मक्खनखाने की दिशा में दबे पांव चल रही थी।

यह सब बहुत पहले की बात है; इतना सजीव और पूर्ण; मानो तलवारों से उन कड़वे वर्षों से अलग हो गया हो जो बीच में गुज़रे थे। क्या अब कोई इसका सामना कर सकता है? वे औरतें उससे क्या कहेंगी, हैरियट वेन से, जिसने अंग्रेज़ी में प्रथम स्थान प्राप्त किया और रहस्य कथाएँ लिखने के लिए लंदन चली गई, एक ऐसे व्यक्ति के साथ रहने लगी जिससे उसकी शादी नहीं हुई थी, और बदनामी के शोर के बीच उसकी हत्या के मुकदमे का सामना करने लगी? यह उस तरह का करियर नहीं था जिसकी उम्मीद श्रूस्बरी अपने पुराने छात्रों से करता था।

वह कभी वापस नहीं लौटी; पहले तो इसलिए कि उसे वह जगह बहुत प्यारी थी और धीरे-धीरे अलग होने की बजाय एकदम से अलग हो जाना बेहतर लग रहा था; और इसलिए भी कि जब उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई और वह बेसहारा हो गई, तो जीविका कमाने के संघर्ष ने उसका सारा समय और ध्यान ले लिया था। और उसके बाद, फांसी के फंदे की काली छाया उसके और उस धूप से सराबोर हरे-भरे चौक के बीच आ गई थी। लेकिन अब—?

उसने दोबारा पत्र उठाया। यह एक बेहद ज़रूरी गुज़ारिश थी कि वह श्रूस्बरी गौडी में ज़रूर जाए—ऐसी गुज़ारिश जिसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था। एक दोस्त जिससे वह तब से नहीं मिली थी जब वे साथ गए थे; अब शादीशुदा और उससे दूर, लेकिन बीमार पड़ गई थी, और एक नाज़ुक और जोखिम भरे ऑपरेशन के लिए विदेश जाने से पहले हैरियट से एक बार फिर मिलने के लिए बेताब थी।

मैरी स्टोक्स, द्वितीय वर्ष के नाटक में मिस पैटी के रूप में इतनी सुंदर और आकर्षक; इतने मनमोहक और शालीन व्यवहार वाली; अपने सहपाठियों की चहेती। यह अजीब लगता था कि वह हैरियट वेन को इतना पसंद करने लगी, जो कि खुरदरी, अनाड़ी और आम तौर पर लोकप्रिय नहीं थी। मैरी आगे रहती और हैरियट उसका अनुसरण करती; जब वे स्ट्रॉबेरी और थर्मस फ्लास्क लेकर चेर नदी में नाव चलाती थीं; जब वे मई दिवस पर सूर्योदय से पहले एक साथ मैग्डेलन टॉवर पर चढ़ती थीं और घूमती हुई घंटियों की झंकार से उसे अपने नीचे झूलते हुए महसूस करती थीं; जब वे देर रात आग के पास

कॉफी और पार्किन के साथ बैठती थीं, तो प्रेम और कला, धर्म और नागरिकता के बारे में सभी लंबी चर्चाओं में हमेशा मैरी ही आगे रहती थी। मैरी के सभी दोस्तों का कहना था कि वह प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होगी; केवल मंदबुद्धि, रहस्यमय प्रोफेसर ही तब आश्चर्यचकित नहीं हुए जब सूची में हैरियट का नाम प्रथम श्रेणी में और मैरी का नाम द्वितीय श्रेणी में आया। और तब से, मैरी की शादी हो गई और उसके बारे में शायद ही कभी कुछ सुना गया हो; बस फर्क इतना था कि वह कॉलेज में एक अजीब सी ज़िद के साथ आती-जाती रहती थी, पुराने छात्रों की कोई भी सभा या कोई भी भव्य कार्यक्रम कभी नहीं छोड़ती थी। लेकिन हैरियट ने अपने सारे पुराने रिश्ते और आधे से ज़्यादा नियम तोड़ दिए थे, अपनी इज़्ज़त को मिट्टी में मिला दिया था और खूब पैसा कमाया था, अमीर और मनोरंजक लॉर्ड पीटर विम्सी उसके कदमों में थे, अगर वह चाहे तो उससे शादी कर सकती थी, और वह ऊर्जा, कड़वाहट और शोहरत के अनिश्चित पुरस्कारों से भरी हुई थी। ऐसा लगता था जैसे प्रोमेथियस और एपिमेथियस ने अपनी भूमिकाएँ बदल ली हों; एक के लिए मुसीबतों का पिटारा था और दूसरे के लिए नंगी चट्टान और गिद्ध; और हैरियट को लगता था कि वे अब कभी किसी आम सहमति पर नहीं मिल पाएंगे।

"पर, भगवान की कसम!" हैरियट ने कहा, "मैं कायर नहीं बनूंगी। मैं जाऊंगी और चाहे जो हो जाए सो हो जाए। मुझे पहले ही जितना दर्द सहना पड़ा है, उससे ज्यादा दर्द और कुछ नहीं दे सकता। और आखिर इससे क्या फर्क पड़ता है?"

उसने अपना निमंत्रण पत्र भरा, उस पर पता लिखा, उस पर जोर से मुहर लगाई और अपना मन बदलने से पहले उसे जल्दी से खंभे में लगाने के लिए नीचे भागी।

वह धीरे-धीरे चौक के बगीचे से वापस आई, अपने फ्लैट तक जाने वाली एडम स्टोन की सीढ़ियों पर चढ़ी और एक अलमारी में व्यर्थ खोजबीन करने के बाद बाहर निकली और धीरे-धीरे घर के सबसे ऊपरी तल पर बने चबूतरे पर फिर से चढ़ गई। उसने एक पुराना संदूक बाहर निकाला, उसका ताला खोला और ढक्कन पीछे की ओर फेंक दिया। एक घुटन भरी, ठंडी गंध। किताबें। पुराने कपड़े। पुराने जूते। पुरानी पांडुलिपियाँ। उसके मृत प्रेमी की एक फीकी टाई—यह कितना भयानक था कि वह अभी भी वहाँ लटकी हुई थी। उसने ढेर के नीचे तक हाथ डाला और एक मोटा, काला बंडल धूल भरी धूप में बाहर निकाला। गाउन, जिसे उसने केवल एक बार अपनी एम.ए. की डिग्री लेते समय पहना था, इतने लंबे समय तक एकांत में रहने के बावजूद बिल्कुल भी खराब नहीं हुआ था: उसकी कड़क तहें बिना किसी सिलवट के ढीली हो गई थीं। हुड का गहरा लाल रेशम चमक रहा था। केवल फ्लैट कैप पर ही कीड़े के दांतों के

हल्के निशान थे। जैसे ही उसने उस पर से ढीली रुई को झाड़ा, कार के ट्रंक के ढक्कन के नीचे शीतनिद्रा में सो रही एक कछुए के खोल जैसी तितली विचलित होकर खिड़की की रोशनी में उड़ गई, जहां वह एक मकड़ी के जाले में फंस गई और वहीं अटक गई। हैरियट को इस बात की खुशी थी कि इन दिनों वह अपनी छोटी सी कार खरीद सकती थी। ऑक्सफ़ोर्ड में उसका प्रवेश उन लोगों के ट्रेन से आने के तरीके से बिलकुल अलग था जो पहले वहाँ पहुँचते थे। कुछ घंटों के लिए वह अपने बीते हुए बचपन के सिसकते भूत को भुला सकती थी और खुद को यह यकीन दिला सकती थी कि वह एक अजनबी और मुसाफिर है, दुनिया में अपनी जगह बनाने वाली एक संपन्न महिला। गर्म सड़क उसके पीछे दूर तक फैली हुई थी; हरे-भरे परिदृश्य से कस्बे उभरते हुए दिखाई दिए, अपने सराय के साइनबोर्ड, पेट्रोल पंप, दुकानों, पुलिस और बच्चों की गाड़ियों से उसके चारों ओर भीड़ उमड़ती हुई, फिर पीछे हटते हुए भुला दिए गए। गुलाबों के बीच जून ढल रहा था, झाड़ियाँ गहरे हरे रंग में बदल रही थीं; राजमार्ग के किनारे फैली लाल ईंटों की भव्यता इस बात की याद दिला रही थी कि वर्तमान अतीत के खाली मैदानों पर लगातार निर्माण करता रहता है। उसने हाई वायकोम्ब में दोपहर का भोजन किया, आराम से, पूरी तरह से, आधी बोतल सफेद वाइन मंगाई और वेट्रेस को उदारतापूर्वक टिप दी। वह उस पूर्व स्नातक छात्रा से खुद को यथासंभव अलग दिखाने के लिए उत्सुक थी, जिसे किसी गली में पेड़ के नीचे बैठकर सैंडविच के पैकेट और कॉफी की थर्मस से ही संतोष करना पड़ता था। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, जैसे-जैसे व्यक्तित्व स्थापित होता है, औपचारिकता में एक नया आनंद जागृत होता है। गार्डन पार्टी के लिए उसकी पोशाक, जिसे उसने पूर्ण अकादमिक पोशाक के साथ उपयुक्त रूप से चुना था, उसके सूटकेस में करीने से तह करके रखी थी। यह लंबी और गंभीर थी, सादे काले जॉर्जेट की, पूरी तरह से और त्रुटिहीन रूप से उपयुक्त। इसके नीचे एक भव्य रात्रिभोज के लिए शाम की पोशाक थी, गहरे पेटूनिया रंग की, संयमित रेखाओं पर उत्कृष्ट रूप से कटी हुई, पीठ या छाती का कोई अनुचित प्रदर्शन नहीं; यह हॉल के धीरे-धीरे परिपक्व होते ओक के पेड़ से नीचे देख रहे मृत वार्डनों के चित्रों का अपमान नहीं करेगी।

हेडिंगटन। अब वह बहुत करीब थी, और खुद पर काबू न रख पाने के बावजूद उसके पेट में एक अजीब सी बेचैनी होने लगी। हेडिंगटन हिल, जिस पर वह अक्सर एक खस्ताहाल साइकिल धकेलते हुए चढ़ती थी। अब यह कम ढलान वाली लग रही थी, क्योंकि चार लयबद्ध रूप से धड़कते सिलेंडरों के पीछे धीरे-धीरे नीचे उतरना आसान था; लेकिन हर पत्ता और पत्थर किसी पुराने सहपाठी की तरह सहजता से स्वागत कर

रहा था। फिर वह संकरी गली, अपनी तंग, अव्यवस्थित दुकानों के साथ, किसी गाँव की मुख्य सड़क जैसी; एक-दो हिस्सों को चौड़ा और बेहतर बनाया गया था, लेकिन वास्तव में कोई खास बदलाव नहीं था जिसमें सुकून पाया जा सके।
मैग्डेलन ब्रिज। मैग्डेलन टावर। और यहाँ, कोई बदलाव नहीं—केवल मनुष्य के हाथों की निर्मम और उदासीन निरंतरता। यहाँ किसी को सचमुच में खुद को मजबूत करना होगा। लॉन्ग वॉल स्ट्रीट। सेंट क्रॉस रोड। अतीत का लोहे का हाथ किसी की अंतःक्रियाओं को जकड़ रहा है। कॉलेज के द्वार; और अब किसी को इसके साथ ही आगे बढ़ना होगा। सेंट क्रॉस लॉज में एक नया पोर्टर था, जिसने हैरियट का नाम बिना किसी भाव के सुना और उसे सूची में अंकित कर दिया। उसने उसे अपना बैग दिया, अपनी कार को मैन्सफील्ड लेन के एक गैरेज में ले गई, [1] और फिर, अपने गाउन को हाथ में लिए, न्यू क्वाड से ओल्ड क्वाड में प्रवेश किया, और फिर एक बदसूरत ईंट के दरवाजे से होते हुए बर्ले बिल्डिंग में दाखिल हुई।
गलियारों या सीढ़ियों पर उसकी मुलाकात अपने बैच के किसी भी सहपाठी से नहीं हुई। जूनियर कॉमन रूम के दरवाजे पर उससे कहीं वरिष्ठ पीढ़ी की तीन सहपाठी एक-दूसरे को बड़े उत्साह और देर से आई बचकानी अदाओं से अभिवादन कर रही थीं, लेकिन वह उनमें से किसी को नहीं जानती थी और चुपचाप, बिना कुछ बोले, एक भूत की तरह आगे बढ़ गई। उसे आवंटित कमरा उसने थोड़ी देर सोचने के बाद पहचाना, क्योंकि उसके समय में यह वही कमरा था जिसमें एक ऐसी महिला रहती थी जिसे वह बिल्कुल पसंद नहीं करती थी, जिसने एक मिशनरी से शादी कर ली थी और चीन चली गई थी। वर्तमान मालकिन का छोटा गाउन दरवाजे के पीछे टंगा था; किताबों की अलमारियों को देखकर लगता था कि वह इतिहास पढ़ रही थी; उसके निजी सामान को देखकर लगता था कि वह आधुनिकता की चाहत रखने वाली और स्वाभाविक रुचि से रहित एक नई छात्रा थी। संकरा बिस्तर, जिस पर हैरियट ने अपना सामान फेंका, भद्दे हरे रंग के और बेतरतीब ढंग से डिज़ाइन किए गए भविष्यवादी पैटर्न वाले पर्दे से ढका हुआ था; उसके ऊपर नव-पुरातन शैली की एक खराब तस्वीर टंगी हुई थी; कोणीय और असुविधाजनक डिज़ाइन वाला एक क्रोमियम-प्लेटेड लैंप कॉलेज द्वारा उपलब्ध कराई गई मेज और अलमारी पर तीखी टिप्पणी कर रहा था, जो आमतौर पर टॉटेनहैम कोर्ट रोड से जुड़ी शैली की थीं; वहीं, दराजों वाली अलमारी पर एल्युमीनियम से बनी एक विचित्र मूर्ति या त्रि-आयामी आकृति की उपस्थिति ने इस बेमेलपन को और भी बढ़ा दिया, जो एक विशाल और टेढ़े-मेढ़े पेंच के समान दिखती

थी और जिसके आधार पर 'आकांक्षा' लिखा था। हैरियट को अलमारी में तीन काम के कपड़े टांगने वाले हैंगर देखकर आश्चर्य और राहत दोनों हुई। कॉलेज के प्रचलित चलन के अनुसार, दर्पण लगभग एक फुट चौकोर था और कमरे के सबसे अंधेरे कोने में लटका हुआ था।

उसने अपना बैग खोला, कोट और स्कर्ट उतारी, ड्रेसिंग गाउन पहना और बाथरूम की तलाश में निकल पड़ी। उसने कपड़े बदलने के लिए पौने घंटे का समय रखा था, और श्रूस्बरी की गर्म पानी की व्यवस्था हमेशा से ही इसकी सबसे सराहनीय छोटी-मोटी सुविधाओं में से एक रही थी। वह इस मंजिल पर बाथरूम कहाँ थे, यह ठीक से भूल गई थी, लेकिन निश्चित रूप से वे यहीं बाईं ओर होंगे। एक पेंट्री, दो पेंट्री, जिनके दरवाजों पर नोटिस लगे थे: रात 11 बजे के बाद बर्तन धोना मना है; तीन शौचालय, जिनके दरवाजों पर नोटिस लगे थे: कृपया जाते समय लाइट बुझा दें; हाँ, वह यहाँ पहुँच गई—चार बाथरूम, जिनके दरवाजों पर नोटिस लगे थे: रात 11 बजे के बाद स्नान करना मना है, और, प्रत्येक के नीचे, एक झुंझलाहट भरा अतिरिक्त नोट: यदि छात्र रात 11 बजे के बाद स्नान करने की ज़िद करते हैं... रात 10:30 बजे शौचालय बंद कर दिए जाएंगे। सामुदायिक जीवन में दूसरों के प्रति कुछ सम्मान दिखाना आवश्यक है। हस्ताक्षर: एल. मार्टिन, डीन।

हैरियट ने सबसे बड़ा बाथरूम चुना। उसमें एक सूचना लगी थी: आग लगने की स्थिति में नियम, और बड़े अक्षरों में छपा एक कार्ड: गर्म पानी की आपूर्ति सीमित है। कृपया अनावश्यक बर्बादी से बचें। एक परिचित अधिकारिक भावना के साथ, हैरियट ने कूड़ेदान का प्लग दबाया और नल चालू कर दिया। पानी उबल रहा था, हालाँकि बाथटब को नए इनेमल की सख्त ज़रूरत थी और कॉर्क का गद्दा भी पुराना हो चुका था।

नहाने के बाद हैरियट को बेहतर महसूस हुआ। सौभाग्य से वह अपने कमरे में लौटी तो वहाँ कोई परिचित नहीं था। ड्रेसिंग गाउन में बैठकर गपशप करने का उसका मन नहीं था। उसने अपने कमरे से ठीक बगल वाले दरवाजे पर "श्रीमती एच. एटवुड" लिखा देखा। दरवाजा बंद था, और उसे इस बात की तसल्ली थी। बगल वाले दरवाजे पर कोई नाम नहीं था, लेकिन जैसे ही वह वहाँ से गुजरी, अंदर से किसी ने हैंडल घुमाया और दरवाजा धीरे-धीरे खुलने लगा। हैरियट झट से कूदकर अंदर चली गई। उसे लगा कि उसका दिल असामान्य रूप से तेजी से धड़क रहा है।

काली फ्रॉक उस पर एकदम फिट बैठ रही थी। इसमें एक छोटा चौकोर योक और लंबी, चुस्त आस्तीनें थीं, जिन पर कलाई तक लटकती झालर से कोमलता झलक रही थी। यह कमर तक उसके शरीर को उभार रही थी और नीचे ज़मीन तक फैली हुई थी, जिसमें मध्ययुगीन पोशाक की झलक थी। इसकी फीकी सतह अकादमिक पॉपलिन की फीकी चमक को फीका नहीं कर रही थी। उसने गाउन की भारी तहों को अपने कंधों पर आगे की ओर खींचा, जिससे सामने के सीधे हिस्से शॉल की तरह शांत और सौम्य लग रहे थे। हुड को पहनने में उसे थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी, फिर उसे गले के पास सही मोड़ याद आया जिससे चमकदार रेशम बाहर की ओर मुड़ गया। उसने इसे अपनी छाती पर इस तरह पिन किया कि यह दिखाई न दे, और इस तरह संतुलित हो गया - एक कंधा काला और दूसरा लाल। अपर्याप्त शीशे के सामने खड़े होकर और झुककर (कमरे की मालकिन जाहिर तौर पर बहुत छोटी कद की महिला थी), उसने मुलायम टोपी को सीधा और सपाट रखा, जिसका ऊपरी हिस्सा माथे के बीचोंबीच था। शीशे में उसका अपना चेहरा दिखाई दिया, जो कुछ पीला-सा था, काली भौहें एक मजबूत नाक के दोनों ओर फैली हुई थीं, जो सुंदरता के हिसाब से थोड़ी चौड़ी थी। उसकी अपनी आँखें उसे ही देख रही थीं—कुछ थकी हुई, कुछ विद्रोही—वे आँखें जिन्होंने डर देखा था और अब भी सतर्क थीं। होंठ ऐसे लग रहे थे जैसे कोई उदार रहा हो और फिर अपनी उदारता पर पछता रहा हो; उसके चौड़े कोने अंदर की ओर दबे हुए थे ताकि कुछ भी ज़ाहिर न हो। काले कपड़े के नीचे घने, लहराते बालों के साथ, चेहरा मानो किसी काम के लिए तैयार था।

उसने खुद को देखकर माथे पर शिकन डाली और अपने गाउन पर हाथों को थोड़ा ऊपर-नीचे किया; फिर शीशे से चिढ़कर वह खिड़की की ओर मुड़ी, जो भीतरी या पुराने चौक की ओर खुलती थी। दरअसल, यह चौक कम और एक आयताकार बगीचा ज़्यादा था, जिसके चारों ओर कॉलेज की इमारतें बनी हुई थीं। एक तरफ, पेड़ों की छाँव में घास पर मेज़ें और कुर्सियाँ सजी हुई थीं। दूसरी तरफ, लगभग पूरी हो चुकी नई लाइब्रेरी विंग की नंगी छतें मचानों के बीच दिखाई दे रही थीं। कुछ महिलाओं के समूह लॉन पार कर रहे थे; हैरियट ने चिड़चिड़ाते हुए देखा कि उनमें से ज़्यादातर ने अपनी टोपियाँ ठीक से नहीं पहनी थीं, और एक ने तो मलमल की झालरों वाली हल्के गुलाबी रंग की फ्रॉक पहनने की मूर्खता की थी, जो गाउन के नीचे बेमेल लग रही थी। “वैसे भी,” उसने सोचा, “चमकीले रंग मध्ययुगीन काल के लिए काफी उपयुक्त हैं। और वैसे भी, महिलाएं पुरुषों से कमतर नहीं हैं। मैंने एक बार बूढ़े हैमंड को एनकेनिया जुलूस में

म्यूजियम ऑफ डॉक्टरेट गाउन, ग्रे फलालैन सूट, भूरे जूते और नीली धारीदार टाई पहने देखा था, और किसी ने भी उनसे कुछ नहीं कहा।"

वह अचानक हंस पड़ी और पहली बार आत्मविश्वास से भर उठी। "वे इसे मुझसे छीन नहीं सकते, चाहे कुछ भी हो जाए। मैंने इसके बाद जो कुछ भी किया हो, यह पद तो बना रहेगा। विद्वान; कला स्नातक; प्रधानाध्यापिका; इस विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सदस्य (statutum est quod Juniores Senioribus debitam et congruam reverentiam tum in private tum in publico exhibeant); एक ऐसा स्थान जो प्राप्त किया जा चुका है, अविभाज्य है, आदर के योग्य है।"

वह दृढ़ता से कमरे से बाहर निकली और अपने कमरे के ठीक बगल वाले दरवाजे पर दस्तक दी।

चारों महिलाएं धीरे-धीरे बगीचे की ओर चल पड़ीं, क्योंकि मैरी बीमार थी और तेज़ी से चल नहीं सकती थी। चलते-चलते हैरियट सोच रही थी:

"यह एक गलती है—बहुत बड़ी गलती—मुझे नहीं आना चाहिए था। मैरी प्यारी है, हमेशा की तरह, और मुझे देखकर वह बड़ी खुश है, लेकिन हमारे बीच कहने को कुछ नहीं है। और मैं उसे हमेशा याद रखूंगा, अभी जैसी वह है, उस थके हुए चेहरे और हार के भाव के साथ। और वह मुझे मेरे असली रूप में याद रखेगी—कठोर होकर। उसने मुझसे कहा कि मैं सफल लग रहा हूँ। मैं जानता हूँ इसका क्या मतलब है।"

उसे खुशी थी कि बेट्टी आर्मस्ट्रांग और डोरोथी कॉलिन्स ही सारी बातें कर रही थीं। उनमें से एक मेहनती डॉग ब्रीडर थी; दूसरी मैनचेस्टर में एक किताबों की दुकान चलाती थी। जाहिर है, वे एक-दूसरे के संपर्क में थीं, क्योंकि वे चीजों पर चर्चा कर रही थीं, लोगों पर नहीं, जैसा कि समान रुचियों वाले लोग करते हैं। मैरी स्टोक्स (अब मैरी एटवुड) उनसे कटी हुई लग रही थीं, बीमारी से, शादी से, या फिर—सच को छुपाने का कोई फायदा नहीं—एक तरह की मानसिक सुस्ती से जिसका न तो बीमारी से कोई लेना-देना था और न ही शादी से। "मुझे लगता है," हैरियट ने सोचा, "उसका दिमाग उन छोटे, गर्मियों वाले दिमागों में से एक था जो जल्दी खिलते हैं और फिर सूख जाते हैं। यहाँ वह—मेरी घनिष्ठ मित्र—मेरी किताबों के बारे में मुझसे एक दर्द भरी प्रशंसात्मक विनम्रता से बात कर रही है। और मैं उसके बच्चों के बारे में एक दर्द भरी प्रशंसात्मक विनम्रता से बात कर रही हूँ। हमें दोबारा नहीं मिलना चाहिए था। यह भयानक है।"

डोरोथी कॉलिन्स ने प्रकाशकों के अनुबंधों के बारे में एक प्रश्न पूछकर उनके विचारों को भंग कर दिया, और इस प्रश्न के उत्तर से उन्हें चौक में पहुँचने तक तसल्ली मिली।

तभी एक फुर्तीली आकृति रास्ते पर तेज़ी से आती हुई दिखी और स्वागत की आवाज़ के साथ रुक गई।
“अरे वाह, ये तो मिस वेन हैं! इतने लंबे समय बाद आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।”
हैरियट ने कृतज्ञतापूर्वक डीन द्वारा उठाए जाने की अनुमति दी, जिनके प्रति उसके मन में हमेशा से बहुत स्नेह था और जिन्होंने उन दिनों में उसे स्नेहपूर्वक पत्र लिखे थे जब एक प्रसन्नमिजाज दयालुता ही दुनिया में सबसे अधिक सहायक चीज हुआ करती थी। बाकी तीनों, अधिकार के प्रति आदर का ध्यान रखते हुए, आगे बढ़ गए; उन्होंने दोपहर में पहले ही डीन को अपना सम्मान व्यक्त कर दिया था।
आपका आना बहुत अच्छा रहा।
"काफी बहादुरी का काम किया, है ना?" हैरियट ने कहा।
“अरे, बकवास!” डीन ने कहा। उन्होंने अपना सिर एक तरफ झुकाया और हैरियट को अपनी चमकीली और चिड़िया जैसी आँखों से घूरने लगीं। “तुम्हें इन सब बातों के बारे में नहीं सोचना चाहिए। किसी को भी इसकी परवाह नहीं है। हम उतने भी बेजान नहीं हैं जितना तुम सोचती हो। आखिर, जो काम तुम कर रही हो वही तो मायने रखता है, है ना? वैसे, वार्डन तुमसे मिलने के लिए बेताब हैं। उन्हें 'द सैंड्स ऑफ क्राइम' बहुत पसंद आया था। चलो देखते हैं कि क्या हम वाइस-चांसलर के आने से पहले उनसे मिल पाते हैं... तुम्हें क्या लगता है स्टोक्स कैसे दिख रहे हैं—मेरा मतलब एटवुड से है? मुझे उनके शादी के बाद के सारे नाम याद नहीं रहते।”
"मुझे डर है कि यह बहुत बुरा है," हैरियट ने कहा। "मैं वास्तव में उससे मिलने ही आई थी—लेकिन मुझे लगता है कि यह मुलाकात सफल नहीं होगी।"
“आह!” डीन ने कहा। “लगता है उसकी लंबाई बढ़ना बंद हो गई है। वह तुम्हारी दोस्त थी—पर मैं हमेशा सोचता था कि उसका सिर एक दिन के चूजे जैसा है, बहुत होशियार, लेकिन टिकाऊ नहीं। खैर, मुझे उम्मीद है कि वे उसे ठीक कर देंगे... इस हवा से तंग आ गया हूँ—मैं अपनी टोपी नीचे नहीं रख पा रहा हूँ। तुम अपनी टोपी बहुत अच्छे से संभालते हो; कैसे? और मैंने देखा कि हम दोनों काफी कमज़ोर हैं। क्या तुमने ट्रिमर को उस भयानक फ्रॉक में देखा है जो कैनरी लैंपशेड जैसी दिखती है?”
“वो ट्रिमर थी, है ना? वो क्या कर रही है?”
“हे भगवान! मेरी प्यारी, वह मानसिक उपचार के लिए गई है। चमक, प्यार और वह सब... आह! मुझे लगा था कि वार्डन यहीं मिलेंगे।”

श्रूस्बरी कॉलेज अपने वार्डन के मामले में सौभाग्यशाली रहा था। शुरुआती दिनों में, एक प्रतिष्ठित महिला ने इसे गरिमा प्रदान की थी; महिलाओं की डिग्री के लिए संघर्ष के कठिन दौर में, एक कूटनीतिज्ञ ने इसका मार्गदर्शन किया था; और अब जब इसे विश्वविद्यालय का दर्जा मिल गया था, तो एक प्रभावशाली व्यक्तित्व ने इसके व्यवहार को स्वीकार्य बना दिया था। डॉ. मार्गरिट बेरिंग ने लाल और फ्रेंच ग्रे रंग की वर्दी को शान से पहना था। वह सभी सार्वजनिक अवसरों पर एक प्रभावशाली व्यक्तित्व थीं, और वह कठोर और अपमानित पुरुष प्रोफेसरों के आहत मन को बड़ी चतुराई से शांत कर सकती थीं। उन्होंने हैरियट का विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया और उनसे पूछा कि नए पुस्तकालय विंग के बारे में उनका क्या विचार है, जो पुराने चौक के उत्तरी भाग को पूरा करेगा। हैरियट ने इसके आकार की प्रशंसा की, कहा कि यह एक बड़ा सुधार होगा, और पूछा कि यह कब तक बनकर तैयार हो जाएगा।

“हमें उम्मीद है कि ईस्टर तक। शायद हम आपको उद्घाटन समारोह में देख सकें।”

हैरियट ने विनम्रता से कहा कि वह इसका इंतजार करेगी, और दूर से कुलपति का गाउन लहराता हुआ देखकर, चतुराई से पूर्व छात्रों की मुख्य भीड़ में शामिल होने के लिए चली गई।

गाउन, गाउन, गाउन। दस साल या उससे ज़्यादा समय बाद लोगों को पहचानना कभी-कभी मुश्किल हो जाता था। नीले और खरगोश की खाल वाले हुड में वो ज़रूर सिल्विया ड्रेक होंगी—आखिरकार उन्होंने बी.लिट. की डिग्री ले ही ली थी। मिस ड्रेक की बी.लिट. कॉलेज में मज़ाक का विषय थी; उन्हें इसमें इतना समय लग गया था; वो लगातार अपनी थीसिस को दोबारा लिखती रहती थीं और उससे निराश होती रहती थीं। उन्हें हैरियट मुश्किल से ही याद होगी, जो उनसे काफ़ी छोटी थीं, लेकिन हैरियट उन्हें अच्छी तरह याद रखती थीं—अपने रेजीडेंसी वर्ष के दौरान जे.सी.आर. में आती-जाती रहती थीं और मध्ययुगीन प्रेम-प्रधानकथाओं के बारे में बकबक करती रहती थीं। हे भगवान! ये रही वो भयानक औरत, म्यूरियल कैम्पशॉट, जान-पहचान जताने आ रही थी। कैम्पशॉट हमेशा से ही नखरे करती थीं। वो अब भी नखरे करती थीं। और उन्होंने हरे रंग का एक भद्दा सा गाउन पहना हुआ था। वो कहने वाली थीं, "आप अपनी कहानियों के कथानक कैसे सोचती हैं?" उन्होंने कह भी दिया। धिक्कार है उस औरत पर। और वेरा मोलिसन पर भी। वह पूछ रही थी: "क्या आप आजकल कुछ लिख रहे हैं?"

“जी हां, बिल्कुल,” हैरियट ने कहा। “क्या आप अभी भी पढ़ाते हैं?”

“हां—अभी भी उसी जगह पर हूं,” मिस मोलिसन ने कहा। “मुझे डर है कि आपके मुकाबले मेरे कारनामे बहुत छोटे हैं।”

इस सवाल का एकमात्र जवाब तिरस्कारपूर्ण हंसी ही थी, इसलिए हैरियट ने भी तिरस्कारपूर्ण हंसी हंस दी। हलचल मच गई। लोग नए चौक की ओर बढ़ने लगे, जहां एक प्रस्तुति घड़ी का अनावरण होना था, और फूलों की क्यारियों के पीछे बने पत्थर के चबूतरे पर अपनी-अपनी जगह लेने लगे। एक आधिकारिक आवाज सुनाई दी जिसमें मेहमानों से जुलूस के लिए रास्ता छोड़ने का आग्रह किया गया था। हैरियट ने इस बहाने का फायदा उठाते हुए वेरा मोलिसन से खुद को अलग किया और एक समूह के पीछे जाकर खड़ी हो गई, जिनके चेहरे उसके लिए अनजान थे। चौक के दूसरी ओर उसे मैरी एटवुड और उसकी सहेलियां दिखाई दीं। वे हाथ हिला रही थीं। उसने भी हाथ हिलाकर जवाब दिया। वह घास पार करके उनके साथ शामिल नहीं होने वाली थी। वह अलग-थलग ही रहेगी, आधिकारिक भीड़ में एक इकाई की तरह।

झंडियों के पर्दे के पीछे से घड़ी, सार्वजनिक रूप से अपने आधिकारिक प्रदर्शन की प्रत्याशा में, तीन बजने की आहट के साथ बजी। बजरी पर कदमों की आहट सुनाई दी। मेहराब के नीचे जुलूस दिखाई दिया; बुजुर्ग लोगों का एक छोटा समूह, जो एक अधिक भव्य युग की बेमेल चमक से सजे हुए थे, और इंग्लैंड में विश्वविद्यालय समारोहों की विशेषता वाली सहज गरिमा के साथ आगे बढ़ रहे थे। वे चौक पार कर गए; वे घड़ी के नीचे बने चबूतरे पर चढ़ गए; पुरुष प्रोफेसरों ने कुलपति के सम्मान में अपनी ट्यूडर टोपी और मोर्टार-बोर्ड उतार दिए; महिला प्रोफेसरों ने प्रार्थना सभा का आभास देते हुए श्रद्धापूर्ण मुद्रा अपनाई। एक पतली, कोमल आवाज में, कुलपति ने बोलना शुरू किया। उन्होंने महाविद्यालय के इतिहास के बारे में बात की; उन्होंने उन उपलब्धियों का सुंदर उल्लेख किया जिन्हें केवल समय बीतने से नहीं मापा जा सकता; उन्होंने सापेक्षता के बारे में एक व्यंग्यात्मक चुटकुला सुनाया और उसे एक शास्त्रीय संदर्भ से सजाया; उन्होंने दाता की उदारता और दिवंगत पार्षद के प्रिय व्यक्तित्व का उल्लेख किया, जिनकी स्मृति में यह घड़ी भेंट की गई थी; उन्होंने इस सुंदर घड़ी का अनावरण करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की, जो प्रांगण की सुंदरता में चार चांद लगा देगी—उन्होंने आगे कहा कि यह प्रांगण, यद्यपि समय के हिसाब से नया है, फिर भी उन प्राचीन और भव्य इमारतों में अपना स्थान पाने के योग्य है जो हमारे विश्वविद्यालय की शान हैं। कुलाधिपति और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की ओर से, उन्होंने अब घड़ी का अनावरण किया। उनका हाथ रस्सी की ओर बढ़ा; डीन के चेहरे पर एक उत्तेजित भाव आया, जो

पर्दे के बिना किसी अप्रिय रुकावट या गड़बड़ी के हटते ही विजय की एक विस्तृत मुस्कान में बदल गया; घड़ी का अनावरण हुआ, कुछ उत्साही लोगों ने तालियाँ बजानी शुरू कर दीं; वार्डन ने एक संक्षिप्त, सुस्पष्ट भाषण में, आने की कृपा और उनके मैत्रीपूर्ण भावों के लिए कुलपति को धन्यवाद दिया; घड़ी की सुनहरी सुई आगे बढ़ी, और चौथाई घंटी मधुरता से बज उठी। सभा ने संतुष्टि की एक गहरी साँस ली; जुलूस ने खुद को व्यवस्थित किया और मेहराबदार रास्ते से होते हुए वापसी की यात्रा की, और समारोह खुशी-खुशी समाप्त हो गया।

भीड़ के साथ चल रही हैरियट को यह देखकर बहुत हैरानी हुई कि वेरा मोलिसन फिर से उसके बगल में आ गई थी और कह रही थी कि उसे लगता है कि सभी रहस्य कथा लेखकों को घड़ियों में गहरी दिलचस्पी होती है, क्योंकि बहुत से बहाने घड़ियों और समय-संकेतों पर आधारित होते हैं। एक दिन उसके स्कूल में एक अजीब घटना घटी थी; उसे लगा कि यह किसी भी चतुर व्यक्ति के लिए जासूसी कहानी का एक शानदार कथानक बन सकता है जो ऐसी चीजों को सुलझाने में सक्षम हो। वह हैरियट से मिलने और उसे इसके बारे में सब कुछ बताने के लिए तरस रही थी। जलपान की मेजों से काफी दूरी पर, ओल्ड क्वाड के लॉन पर मजबूती से बैठकर, उसने उस अजीब घटना का ब्योरा देना शुरू किया, जिसके लिए काफी प्रारंभिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता थी। एक व्यक्ति चाय के प्याले लेकर आगे बढ़ा। हैरियट ने एक प्याला ले लिया, और तुरंत ही उसे पछतावा हुआ कि उसने ऐसा क्यों किया; इससे उसकी फुर्ती कम हो गई और ऐसा लगा जैसे वह हमेशा के लिए मिस मोलिसन के बगल में बंध गई हो। फिर, कृतज्ञता से भर कर उसने फोबे टकर को देखा। प्यारी फोबी, बिल्कुल पहले जैसी दिख रही थी। उसने जल्दी से मिस मोलिसन से माफी मांगी और उनसे विनती की कि घड़ी वाली घटना को वह किसी शांत समय पर सुनें, गाउन पहने लोगों के बीच से रास्ता बनाते हुए बोली, "हैलो!"

“हैलो?” फीबी ने कहा। “अरे, तुम हो! शुक्र है! मुझे तो लगने लगा था कि ट्रिमर और उस भयानक मोलिसन नाम की औरत के अलावा हमारे बैच का कोई भी यहाँ नहीं बचा है। आओ और कुछ सैंडविच खा लो; सच में बहुत अच्छे हैं। आजकल तुम कैसी हो? सब ठीक चल रहा है ना?”

"इतना बुरा भी नहीं।"

आप वैसे भी अच्छा काम कर रहे हैं।

“तुम भी। चलो बैठने के लिए कुछ जगह ढूंढते हैं। मैं खुदाई के बारे में सब कुछ सुनना चाहता हूँ।”

फीबी टकर इतिहास की छात्रा थीं, जिनकी शादी एक पुरातत्वविद् से हुई थी, और यह जोड़ी बेहद सफल साबित हुई। वे दुनिया के भूले-बिसरे कोनों में हड्डियाँ, पत्थर और मिट्टी के बर्तन खोदकर निकालते थे, पर्चे लिखते थे और विद्वान समाजों को व्याख्यान देते थे। कभी-कभी उनके तीन हंसमुख बच्चे भी होते थे, जिन्हें वे खुशी-खुशी अपने दादा-दादी के पास छोड़कर वापस हड्डियों और पत्थरों की खुदाई में जुट जाते थे।

“हम अभी-अभी इथाका से लौटे हैं। बॉब नए कब्रिस्तानों को लेकर बेहद उत्साहित है और उसने अंत्येष्टि अनुष्ठानों के बारे में एक बिलकुल मौलिक और क्रांतिकारी सिद्धांत विकसित किया है। वह एक ऐसा शोधपत्र लिख रहा है जो पुराने लैम्बार्ड के सभी निष्कर्षों का खंडन करता है, और मैं उसके विशेषणों को नरम करके और निंदात्मक टिप्पणियाँ जोड़कर उसकी मदद कर रहा हूँ। मेरा मतलब है, लैम्बार्ड शायद एक सनकी बूढ़ा मूर्ख हो, लेकिन सीधे-सीधे ऐसा न कहना ही बेहतर है। एक मंद और घातक शिष्टाचार ज़्यादा असरदार होता है, है ना?”

“असीम रूप से।”

कम से कम यहाँ एक ऐसा व्यक्ति था जो बढ़ती उम्र और शादी के बावजूद जरा भी नहीं बदला था। हैरियट को इस बात पर गर्व महसूस हुआ। अंत्येष्टि की रस्मों के बारे में पूरी जानकारी लेने के बाद, उसने परिवार के बारे में पूछा।

“ओह, ये तो काफी मज़ेदार होते जा रहे हैं। रिचर्ड—जो सबसे बड़ा है—कब्रिस्तानों को देखकर बहुत खुश है। उसकी दादी ने उसे कुछ दिन पहले बड़ी मुश्किल से देखा कि वह बड़ी धैर्य से और सही तरीके से माली के कूड़े के ढेर को खोदकर हड्डियाँ इकट्ठा कर रहा है। उनकी पीढ़ी के लोग हमेशा कीटाणुओं और गंदगी को लेकर इतने परेशान रहते हैं। मुझे लगता है कि वे सही ही हैं, लेकिन बच्चों में तो कोई कमी नहीं दिखती। इसलिए उसके पिता ने उसे हड्डियाँ रखने के लिए एक अलमारी दे दी। माँ ने कहा, बस उसे प्रोत्साहित कर रहे हैं। मुझे लगता है कि अगली बार हमें रिचर्ड को भी साथ ले जाना पड़ेगा, बस माँ को चिंता होगी, ये सोचकर कि वहाँ कोई जल निकासी नहीं है और कहीं वो यूनानियों से क्या न सीख ले। शुक्र है, सारे बच्चे काफी बुद्धिमान लग रहे हैं। मंदबुद्धि बच्चों की माँ होना कितना उबाऊ होता, और ये तो बिल्कुल अनिश्चित बात है, है ना? अगर कोई किताबों के किरदारों की तरह मंदबुद्धि बच्चों को गढ़ सकता, तो एक समझदार दिमाग को कहीं ज़्यादा संतोष मिलता।”

बातचीत स्वाभाविक रूप से जीव विज्ञान, मेंडेलियन कारकों और 'ब्रेव न्यू वर्ल्ड' की ओर मुड़ गई। तभी हैरियट की पूर्व शिक्षिका पुराने छात्रों की भीड़ से निकलकर आईं और बातचीत बीच में ही रुक गई। हैरियट और फोबे ने उनका अभिवादन करने के लिए दौड़ लगाई। मिस लिडगेट का व्यवहार बिल्कुल वैसा ही था जैसा हमेशा से रहा था। उस महान विद्वान की भोली और स्पष्ट दृष्टि में कोई नैतिक समस्या कभी सामने नहीं आती थी। अत्यंत ईमानदार और निष्ठावान, वह दूसरों की कमियों को भी खुले दिल से स्वीकार करती थीं। साहित्य के किसी भी विद्यार्थी की तरह, वह दुनिया के सभी पापों को नाम से जानती थीं, लेकिन यह कहना मुश्किल था कि वास्तविक जीवन में उनका सामना होने पर वह उन्हें पहचान पाती थीं या नहीं। ऐसा लगता था मानो किसी परिचित व्यक्ति द्वारा किया गया दुराचार उनके संपर्क से बेअसर और शुद्ध हो जाता हो। इतने सारे युवा उनके मार्गदर्शन में आए थे, और उन्होंने उन सभी में इतनी अच्छाई पाई थी; यह सोचना असंभव था कि वे रिचर्ड तृतीय या इयागो की तरह जानबूझकर दुष्ट हो सकते हैं। दुखी, हाँ; गुमराह, हाँ; हाँ, मिस लिडगेट को कठिन और जटिल प्रलोभनों का सामना करना पड़ा था, जिनसे वे सौभाग्यवश बच गई थीं। अगर उन्हें किसी चोरी, तलाक या इससे भी बुरी बातों के बारे में पता चलता, तो वे भौंहें चढ़ाकर सोचतीं कि अपराधियों ने इतना घिनौना काम करने से पहले कितनी दयनीय स्थिति का सामना किया होगा। हैरियट ने उन्हें केवल एक बार ही किसी परिचित के बारे में खुलकर नापसंदगी जताते हुए सुना था, और वह भी अपनी ही एक पूर्व छात्रा के बारे में, जिसने कार्लाइल पर एक लोकप्रिय किताब लिखी थी। मिस लिडगेट का फैसला था, "बिल्कुल भी शोध नहीं किया, न ही आलोचनात्मक दृष्टिकोण अपनाया। उसने बिना किसी बात की पुष्टि किए सारी पुरानी गपशप को ही दोहरा दिया है। लापरवाही से लिखी गई, दिखावटी और कंजूस। मुझे उस पर सचमुच शर्म आती है।" और तब भी उन्होंने कहा था, "लेकिन मुझे लगता है, बेचारी, वह बहुत तंगहाली में जी रही है।" मिस लिडगेट ने मिस वेन के प्रति शर्मिंदगी का कोई संकेत नहीं दिखाया। इसके विपरीत, उसने उसका गर्मजोशी से स्वागत किया, उससे रविवार सुबह आकर मिलने का अनुरोध किया, उसके काम की सराहना की और रहस्य कथाओं में भी अंग्रेजी के विद्वतापूर्ण स्तर को बनाए रखने के लिए उसकी प्रशंसा की।

उन्होंने आगे कहा, "आप एस.सी.आर. में बहुत आनंद प्रदान करते हैं, और मेरा मानना है कि मिस डी वाइन भी आपकी एक उत्साही प्रशंसक हैं।"

“मिस डी वाइन?”

“अरे हाँ, आप उन्हें नहीं जानते होंगे। हमारी नई रिसर्च फेलो। वह बहुत ही अच्छी इंसान हैं, और मुझे पता है कि वह आपकी किताबों के बारे में आपसे बात करना चाहती हैं। आपको उनसे मिलने जरूर आना चाहिए। आपको पता है, वह तीन साल के लिए हमारे साथ हैं। मतलब, वह अगले सत्र से ही कॉलेज में आएंगी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों से वह ऑक्सफोर्ड में बॉडली में काम कर रही हैं। वह ट्यूडर काल के राष्ट्रीय वित्त पर बहुत अच्छा काम कर रही हैं, और इसे इतना दिलचस्प बना देती हैं कि मेरे जैसे लोगों को भी, जिन्हें पैसों की ज्यादा समझ नहीं होती, समझ नहीं आती। हम सभी बहुत खुश हैं कि कॉलेज ने उन्हें जेन बैराक्लॉ फेलोशिप देने का फैसला किया, क्योंकि वह एक बहुत ही प्रतिष्ठित विद्वान हैं, और उन्होंने काफी मुश्किल समय देखा है।”

“मुझे लगता है मैंने उसके बारे में सुना है। क्या वह किसी बड़े प्रांतीय कॉलेज की प्रमुख नहीं थी?”

“जी हां; वह तीन साल तक फ्लैम्बोरफ की प्रोवोस्ट रहीं; लेकिन यह वास्तव में उनका काम नहीं था; बहुत ज्यादा प्रशासनिक काम था, हालांकि वित्तीय मामलों में तो वह वाकई बहुत कुशल थीं। लेकिन वह बहुत ज्यादा काम कर रही थीं, अपने निजी काम, डॉक्टरेट की परीक्षा लेने आदि के साथ-साथ छात्रों को संभालना—विश्वविद्यालय और कॉलेज दोनों ने मिलकर उन्हें थका दिया था। वह उन लोगों में से हैं जो हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देती हैं; लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें व्यक्तिगत संपर्कों से परेशानी होने लगी। वह बीमार पड़ गईं और उन्हें कुछ वर्षों के लिए विदेश जाना पड़ा। दरअसल, वह अभी-अभी इंग्लैंड लौटी हैं। बेशक, फ्लैम्बोरफ छोड़ने से वित्तीय दृष्टि से काफी फर्क पड़ा; इसलिए यह सोचकर अच्छा लगता है कि अगले तीन साल वह अपनी किताब पर ध्यान दे पाएंगी और इन सब बातों की चिंता नहीं करेंगी।”

"मुझे अब याद आ रहा है," हैरियट ने कहा; "मैंने कहीं न कहीं चुनाव की घोषणा देखी थी, शायद पिछले क्रिसमस के आसपास।"

“मुझे उम्मीद है कि आपने इसे श्रूस्बरी ईयर-बुक में देखा होगा। हमें स्वाभाविक रूप से उसे यहाँ पाकर बहुत गर्व है। उसे वास्तव में प्रोफेसरशिप मिलनी चाहिए, लेकिन मुझे संदेह है कि वह ट्यूटोरियल वाले हिस्से को संभाल पाएगी। उसके जीवन में जितनी कम परेशानियाँ हों, उतना ही अच्छा है, क्योंकि वह वास्तव में एक विद्वान है। वह रही, उधर—और, हे भगवान! मुझे डर है कि वह मिस गुबिन्स के हाथों पकड़ी गई है। आपको मिस गुबिन्स याद हैं?”

"थोड़ा-बहुत याद है," फीबी ने कहा। "जब हम फ्रेशर्स थे तब वह थर्ड ईयर में थी। एक बेहतरीन इंसान, लेकिन कुछ ज्यादा ही गंभीर और कॉलेज की मीटिंग्स में बेहद उबाऊ।"

“वह बहुत कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति हैं,” मिस लिडगेट ने कहा, “लेकिन उनमें किसी भी विषय को नीरस बनाने की एक बुरी आदत है। यह बड़े अफ़सोस की बात है, क्योंकि वह असाधारण रूप से समझदार और भरोसेमंद हैं। हालांकि, उनकी वर्तमान नियुक्ति में यह बात ज़्यादा मायने नहीं रखती; वह कहीं पुस्तकालय अध्यक्ष के पद पर हैं—मिस हिलयार्ड को याद होगा कहाँ—और मुझे लगता है कि वह बेकन परिवार पर शोध कर रही हैं। वह बहुत मेहनती हैं। लेकिन मुझे डर है कि वह बेचारी मिस डी वाइन से जिरह कर रही हैं, जो इस मौके पर उचित नहीं लगता। क्या हम उनकी मदद करें?”

जब हैरियट, मिस लिडगेट के पीछे-पीछे लॉन पार कर रही थी, तो उसे अतीत की याद सताने लगी। काश, कोई इस शांत जगह पर लौट पाता, जहाँ केवल बौद्धिक उपलब्धि ही मायने रखती थी; काश, कोई यहाँ एजेंटों, अनुबंधों, प्रकाशकों, विज्ञापन लेखकों, साक्षात्कारकर्ताओं, प्रशंसकों, ऑटोग्राफ मांगने वालों, प्रसिद्धि चाहने वालों और प्रतिस्पर्धियों से बेपरवाह, किसी गहन और गहन चिंतन पर लगातार और एकांत में काम कर पाता; व्यक्तिगत संपर्कों, व्यक्तिगत द्वेषों, व्यक्तिगत ईर्ष्याओं को त्यागकर, किसी नीरस और टिकाऊ चीज़ में लीन होकर, श्रूस्बरी के बीच वृक्षों की तरह ठोस रूप धारण कर पाता—तब शायद अतीत की तबाही और अराजकता को भुला पाता, या कम से कम उसे अधिक सटीक रूप में देख पाता। क्योंकि, एक अर्थ में, यह महत्वपूर्ण नहीं था कि किसी ने प्रेम किया, पाप किए, कष्ट सहे और मृत्यु से बच निकला, यह तथ्य किसी धुंधली अकादमिक पत्रिका में पांडुलिपि की प्राथमिकता स्थापित करने वाले या खोए हुए संक्षिप्त उपलेख को पुनर्स्थापित करने वाले एक फुटनोट से कहीं कम महत्वपूर्ण था। दूसरों के दबदबे और प्रसिद्धि पाने की होड़ में लगे रहने वाले लोगों के साथ चल रही जद्दोजहद भरी जद्दोजहद ने ही निजी रोमांच के आकस्मिक अनुभवों को जीवन के परिप्रेक्ष्य में इतना महत्वपूर्ण बना दिया था। लेकिन उसे संदेह था कि क्या वह अब इस तरह पीछे हटने में सक्षम है। उसने बहुत पहले ही वह कदम उठा लिया था जिससे ऑक्सफोर्ड का नीरस स्वर्ग उसके पीछे छूट गया था। कोई भी एक ही नदी में दो बार स्नान नहीं कर सकता, यहाँ तक कि आइसिस नदी में भी नहीं। वह उस संकीर्ण शांति से ऊब जाएगी—या कम से कम उसने खुद से यही कहा।

अपने बिखरे विचारों को समेटते हुए, उसने पाया कि उसका परिचय मिस डी वाइन से कराया जा रहा है। और, उन्हें देखते ही, उसने तुरंत महसूस किया कि वह एक ऐसी विद्वान थीं जो मिस लिडगेट से बिल्कुल अलग थीं, और हैरियट वेन कभी भी ऐसी नहीं बन सकती थी। वह वास्तव में एक जुझारू महिला थीं; लेकिन जिनके लिए श्रूस्बरी का मैदान एक स्वाभाविक और उचित अखाड़ा था: एक ऐसी सैनिक जो किसी व्यक्तिगत निष्ठा को नहीं मानती थी, जिसकी एकमात्र निष्ठा वास्तविकता के प्रति थी। मिस लिडगेट, जो दुनिया से अप्रभावित, शांत खड़ी रहती थीं, उसे उदारता और प्रेम की गर्मजोशी से घेर लेती थीं; यह महिला, दुनिया के बारे में कहीं अधिक ज्ञान के साथ, इसका उचित मूल्यांकन करती और यदि यह उसे असुविधाजनक लगती तो इसे अपने रास्ते से हटा देती। पतले, उत्सुक चेहरे पर, मोटी चश्मे के पीछे धंसी हुई और चमकती हुई बड़ी भूरी आँखों में, भावों के प्रति संवेदनशीलता थी, लेकिन उस संवेदनशीलता के पीछे एक ऐसा मन था जो ग्रेनाइट की तरह कठोर और अडिग था। हैरियट ने सोचा, एक महिला महाविद्यालय की प्रमुख के रूप में उनका कार्य अरुचिकर रहा होगा; क्योंकि वह ऐसी लग रही थी मानो उसके शब्दकोश से "समझौता" शब्द गायब हो गया हो; और हर तरह की राजनीति समझौता ही होती है। वह अपने उद्देश्य में किसी भी तरह की डगमगाहट या निर्णय में अस्पष्टता को बर्दाश्त नहीं करती। अगर सत्य की सेवा में कोई बाधा आती, तो वह बिना किसी द्वेष या दया के उसे पार कर जाती—चाहे वह उसकी अपनी प्रतिष्ठा ही क्यों न हो। अपने लक्ष्य को पाने के लिए वह एक बेहद प्रभावशाली महिला थी—और यह प्रभाव और भी बढ़ गया क्योंकि वह किसी भी ऐसे विषय पर बात करते समय, जिस पर उसे महारत हासिल न हो, धोखे से संयम और विनम्रता का प्रदर्शन करती थी। जब वे पास आए, तो वह मिस गुबिन्स से कह रही थी:

मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि एक इतिहासकार को विवरण में सटीक होना चाहिए; लेकिन जब तक आप सभी संबंधित पात्रों और परिस्थितियों को ध्यान में नहीं रखते, तब तक आप तथ्यों को नजरअंदाज कर रहे हैं। चीजों का अनुपात और संबंध उतना ही महत्वपूर्ण तथ्य है जितना कि वे चीजें स्वयं; और यदि आप उनमें गलती करते हैं, तो आप पूरी तस्वीर को गंभीर रूप से बिगाड़ देते हैं।

यहां, जैसे ही मिस गुबिन्स, अपनी आंखों में हठधर्मिता का भाव लिए, विरोध करने की तैयारी कर रही थीं, मिस डी वाइन की नजर अंग्रेजी शिक्षिका पर पड़ी और उन्होंने वहां से जाने की अनुमति मांगी। मिस गुबिन्स को मजबूरन वापस जाना पड़ा; हैरियट ने अफसोस जताते हुए देखा कि उनके बाल बिखरे हुए थे, त्वचा की देखभाल ठीक से

नहीं की गई थी और उनकी हुड को उनकी पोशाक से जोड़ने के लिए एक बड़ी सफेद सेफ्टी पिन लगी हुई थी।
“अरे बाप रे!” मिस डी वाइन ने कहा, “ये बिल्कुल प्रेरणाहीन युवती कौन है? ऐसा लगता है कि वह श्री विंटरलेक की एसेक्स पर लिखी किताब की मेरी समीक्षा से बहुत नाराज़ है। उसे लगता है कि बेकन परिवार के प्रारंभिक इतिहास के बारे में कुछ महीनों की मामूली सी गलती के कारण मुझे उस बेचारे को टुकड़े-टुकड़े कर देना चाहिए था। वह इस तथ्य को बिल्कुल महत्व नहीं देती कि यह किताब दो सबसे रहस्यमय व्यक्तियों के आपसी संबंधों का अब तक का सबसे ज्ञानवर्धक और विद्वतापूर्ण विश्लेषण है।”
मिस लिडगेट ने कहा, "बेकन परिवार का इतिहास उनका विषय है, इसलिए मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह इसके बारे में दृढ़ता से महसूस करती हैं।"
“किसी विषय को उसकी पृष्ठभूमि से अलग समझना एक बड़ी गलती है। इस गलती को सुधारना तो जरूरी है ही; मैंने इसे सुधारा भी—लेखक को लिखे एक निजी पत्र में, जो मामूली सुधारों के लिए उचित माध्यम है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि उस व्यक्ति ने उन दोनों व्यक्तियों के बीच की स्थिति की मुख्य कुंजी हासिल कर ली है, और ऐसा करके उसने एक बेहद महत्वपूर्ण तथ्य को जान लिया है।”
“अच्छा,” मिस लिडगेट ने मुस्कुराते हुए अपने मजबूत दांत दिखाते हुए कहा, “लगता है आपने मिस गुबिन्स के प्रति सख्त रुख अपनाया है। अब मैं किसी ऐसे व्यक्ति को साथ लाई हूँ जिनसे आप मिलने के लिए उत्सुक हैं। ये हैं मिस हैरियट वेन—जो विवरण बताने में माहिर हैं।”
“मिस वेन?” इतिहासकार ने अपनी चमकीली, कमज़ोर नज़रों से हैरियट को देखा और उनका चेहरा खिल उठा। “यह तो बहुत ही आनंददायक है—मुझे बताइए कि मुझे आपकी पिछली किताब कितनी पसंद आई। मुझे तो वह आपकी अब तक की सबसे बेहतरीन रचना लगी—हालाँकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से राय देने की क्षमता मुझमें नहीं है। मैं इस पर प्रोफ़ेसर हिगिंस से चर्चा कर रही थी, जो आपके बहुत बड़े प्रशंसक हैं, और उन्होंने कहा कि इसमें एक बेहद दिलचस्प संभावना का संकेत मिलता है, जो उनके मन में पहले कभी नहीं आई थी। उन्हें पूरी तरह से यकीन नहीं था कि यह कारगर होगी या नहीं, लेकिन वे इसका पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। बताइए, आपने किस आधार पर यह निष्कर्ष निकाला?”
“खैर, मेरी राय काफी अच्छी है,” हैरियट ने अनिश्चितता की एक भयानक बेचैनी महसूस करते हुए कहा, और मन ही मन प्रोफेसर हिगिंस को कोसते हुए बोली,

“लेकिन बेशक—”
इसी समय, मिस लिडगेट ने दूर से एक और पूर्व छात्रा को देखा और भाग गईं। फोबे टकर लॉन पार करते हुए पहले ही खो गई थी; हैरियट को उसके हाल पर छोड़ दिया गया। दस मिनट बाद, जिसके दौरान मिस डी वाइन ने निर्दयतापूर्वक अपनी शिकार के दिमाग को उलट-पुलट कर दिया, जैसे कोई मेहनती नौकरानी कालीन से धूल झाड़ती है, वैसे ही तथ्यों को झटक कर बाहर निकाल दिया, उसे पीटा, फिर से तरोताज़ा किया, उसकी सतह को रगड़ा, उसे एक नई जगह पर रखा और मज़बूती से उसे जगह पर टिका दिया, तभी डीन दयापूर्वक आगे आईं और बातचीत में शामिल हो गईं।
“शुक्र है, कुलपति जा रहे हैं। अब हम इस गंदे पुराने बमज़ाइन से छुटकारा पा सकते हैं और अपनी पार्टी की पोशाकें दिखा सकते हैं। हमने डिग्री और गर्मी के दिनों में पूरी तरह से अकादमिक पोशाकों में मजे करने के लिए इतना शोर क्यों मचाया था? लो! वो चले गए! मुझे वो भड़कीली पोशाकें दो और मैं उन्हें अपनी पोशाकों के साथ एस.सी.आर. में डाल दूंगी। क्या तुम्हारी पोशाक पर कोई नाम लिखा है, मिस वेन? ओह, अच्छी बच्ची! मेरे कार्यालय में पहले से ही तीन अज्ञात गाउन पड़े हैं। सत्र के अंत में इधर-उधर पड़े मिले। ज़ाहिर है, मालिकों का कोई सुराग नहीं। ये गंदे छोटे शैतान सोचते हैं कि उनकी दयनीय चीज़ों को छांटना हमारा काम है। वे उन्हें हर जगह बिखेर देते हैं, और फिर एक-दूसरे से उधार लेते हैं; और अगर किसी पर गाउन के बिना बाहर होने पर जुर्माना लगता है, तो हमेशा यही होता है कि किसी ने उसे चुरा लिया है। और ये घटिया चीज़ें हमेशा बर्तन पोंछने वाले कपड़े की तरह गंदी होती हैं। वे उनका इस्तेमाल झाड़ू और आग जलाने के लिए करते हैं।” जब मैं सोचती हूँ कि हमारी समर्पित पीढ़ी ने इन कपड़ों का अधिकार पाने के लिए कितनी मेहनत की—और इन युवाओं को इसकी कोई परवाह नहीं! वे बिल्कुल पुराने ज़माने के लग रहे हैं, जैसे पेंडेनिस के चित्र—कितने पुराने! लेकिन आधुनिक होने का उनका विचार है कि वे पचास साल पहले के पुरुष स्नातक छात्रों की नकल करें।
"हममें से कुछ पुराने छात्र कोई खास नाम कमाने वाले नहीं हैं," हैरियट ने कहा। "उदाहरण के लिए, गुबिन्स को ही देख लीजिए।"
“ओह, मेरी प्यारी! वह तो बिलकुल उबाऊ है। और सब कुछ सेफ्टी पिन से जुड़ा हुआ है। काश वह अपना गला धो लेती।”

तथ्यों को निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करने की पूरी तत्परता के साथ मिस डी वाइन ने कहा, "मुझे लगता है कि यह रंग उसकी त्वचा के लिए स्वाभाविक है।"
“तो फिर उसे गाजर खानी चाहिए और उसका पेट साफ हो जाएगा,” डीन ने हैरियट का गाउन छीनते हुए जवाब दिया। “नहीं, ऐसा मत करो। मुझे उन्हें एस.सी.आर. की खिड़की से बाहर फेंकने में एक मिनट भी नहीं लगेगा। और भागने की हिम्मत मत करना, वरना मैं तुम्हें कभी नहीं ढूंढ पाऊँगी।”
"क्या मेरे बाल ठीक से बने हैं?" मिस डी वाइन ने अचानक सामान्य होते हुए और अपनी टोपी और गाउन के उतर जाने से हिचकिचाते हुए पूछा।
"खैर," हैरियट ने घने, लोहे जैसे भूरे रंग के गुच्छों का जायजा लेते हुए कहा, जिनमें से बहुत सारी घिसी-पिटी हेयरपिन क्रोकेट के घेरे की तरह बाहर निकली हुई थीं, "यह थोड़ा सा नीचे आ रहा है।"
“ऐसा हमेशा होता है,” मिस डी वाइन ने पिनों पर हल्के-हल्के निशान बनाते हुए कहा। “मुझे लगता है कि मैं इसे छोटा कटवा लूँगी। इससे झंझट काफी कम हो जाएगा।”
“मुझे यह जैसा है वैसा ही पसंद है। वह बड़ा कॉइल तुम पर जंच रहा है। मुझे भी इसे आज़माने दो, क्या मैं ऐसा करूँ?”
“काश आप ऐसा करतीं,” इतिहासकार ने कृतज्ञतापूर्वक कहा और पिनों को अपनी जगह पर लगाने के लिए तैयार हो गईं। “मेरी उंगलियां बहुत अनाड़ी हैं। मेरे पास कहीं न कहीं एक टोपी है,” उन्होंने चौक के चारों ओर अनिश्चित नज़र डालते हुए कहा, मानो उन्हें उम्मीद हो कि टोपी किसी पेड़ पर उग रही होगी, “लेकिन डीन ने कहा कि हमें यहीं रुकना चाहिए। ओह, धन्यवाद। अब बहुत अच्छा लग रहा है—सुरक्षा का अद्भुत एहसास। आह! ये रही मिस मार्टिन। मिस वेन ने कृपा करके श्वेत रानी की हेयरड्रेसर की भूमिका निभाई है—लेकिन क्या मुझे टोपी नहीं पहननी चाहिए?”
“अभी नहीं,” मिस मार्टिन ने ज़ोर देकर कहा। “मैं चाय के साथ थोड़ा खाऊँगी, और आप भी। मुझे बहुत भूख लगी है। मैं 97 वर्षीय और लगभग पागल हो चुके प्रोफेसर बोनिफेस के पीछे-पीछे घूम रही हूँ और उनके बहरे कानों में तब तक चिल्लाती रही हूँ जब तक मैं लगभग मर नहीं गई। समय क्या हुआ है? खैर, मैं मार्जोरी फ्लेमिंग के टर्की की तरह हूँ—मुझे पुराने छात्रों की बैठक की ज़रा भी परवाह नहीं है; मुझे बस खाना-पीना है। चलो, मिस शॉ और मिस स्टीवंस के आखिरी आइसक्रीम छीनने से पहले मेज़ पर टूट पड़ते हैं।”
***टिप्पणी***

[1] इस पुस्तक के प्रयोजनों के लिए, मैन्सफील्ड लेन को मैन्सफील्ड रोड से सेंट क्रॉस रोड तक, श्रूस्बरी कॉलेज के पीछे और बॉलियोल और मर्टन क्रिकेट मैदानों के जंक्शन के आसपास, जैसा कि वे वर्तमान में हैं, चलने वाला माना जाता है।

## अध्याय दो

मरक्यूरियलिस कहते हैं, सभी उदास पुरुषों का यही स्वभाव होता है कि वे एक बार जो भी धारणा बना लेते हैं, उसी के बारे में अत्यंत सजग, उग्र और निरंतर सोचते रहते हैं। चाहे वे कुछ भी कर लें, वे उससे छुटकारा नहीं पा सकते; अपनी इच्छा के विरुद्ध भी उन्हें उसके बारे में हज़ार बार सोचना ही पड़ता है। वे लगातार उससे परेशान रहते हैं, चाहे वे लोगों के बीच हों या अकेले; भोजन करते समय, व्यायाम करते समय, हर समय और हर जगह। यदि वह धारणा विशेष रूप से अप्रिय हो, तो वे उसे भूल नहीं सकते।

—रॉबर्ट बर्टन

अब तक तो सब ठीक चल रहा था, हैरियट ने रात के खाने के लिए कपड़े बदलते हुए सोचा। कुछ बुरे पल भी आए थे, जैसे मैरी स्टोक्स से दोबारा संपर्क करने की कोशिश। इतिहास की ट्यूटर मिस हिलयार्ड से भी एक संक्षिप्त मुलाकात हुई थी, जो उसे कभी पसंद नहीं करती थीं और जिन्होंने व्यंग्य भरे लहजे में कहा था, "मिस वेन, जब से हमने आपको आखिरी बार देखा है, तब से आपके कई अलग-अलग अनुभव रहे हैं।" लेकिन कुछ अच्छे पल भी थे, जो हेराक्लीट जैसी दुनिया में स्थायित्व का वादा लिए हुए थे। उसे लगा कि वह उस भड़कीले डिनर से बच सकती है, हालांकि मैरी स्टोक्स ने बड़ी चतुराई से उसके लिए अपने बगल में जगह पक्की कर ली थी, जो थोड़ा मुश्किल था। सौभाग्य से, वह फीबी टकर को अपने बगल में बिठाने में कामयाब हो गई थी। (इस माहौल में, वह उन्हें अभी भी स्टोक्स और टकर ही समझती थी।)

जब जुलूस धीरे-धीरे मुख्य मेज तक पहुंचा और प्रार्थना हो चुकी थी, तब सबसे पहले हॉल में मची भयानक गड़गड़ाहट ने उसे चौंका दिया। "झटका" शब्द बिल्कुल सही था। यह गड़गड़ाहट किसी बहते झरने के तेज बहाव और भार की तरह थी; कानों में किसी भयानक लोहारखाने के हथौड़े की खड़खड़ाहट की तरह गूंज रही थी; हवा में पचास हज़ार मोनोटाइप मशीनों की धातुई खड़खड़ाहट की तरह गूंज रही थी। मानो किसी स्प्रिंग से छूटी दो सौ महिलाओं की जीभें ऊँची, कर्कश आवाज़ में फूट पड़ीं। वह भूल चुकी थी कि यह कैसा लगता है, लेकिन आज रात उसे याद आया कि हर सत्र की शुरुआत में उसे लगता था कि अगर यह शोर एक मिनट भी और चलता रहा, तो वह

पागल हो जाएगी। एक हफ्ते के अंदर इसका असर हमेशा कम हो जाता था। आदत ने उसे इसकी आदी बना दिया था। लेकिन अब इसने उसकी अपरिचित नसों को अपनी मूल तीव्रता से और उससे भी कहीं अधिक तीव्रता से चकनाचूर कर दिया। लोग उसके कानों में चीख रहे थे, और वह भी वापस चीखने लगी। उसने मैरी की ओर चिंता से देखा; क्या कोई बीमार व्यक्ति इसे सहन कर सकता है? मैरी को शायद इस बात का एहसास ही नहीं हुआ; वह दिन में पहले की तुलना में कहीं अधिक उत्साहित थी और डोरोथी कॉलिन्स पर बड़े हर्षोल्लास से चिल्ला रही थी। हैरियट ने फोबे की ओर रुख किया।

अरे बाप रे! मैं तो भूल ही गई थी कि ये झगड़ा कैसा होता है। अगर मैं चीखी तो कौवे की तरह मेरी आवाज बैठ जाएगी। मैं तो तुरही जैसी कर्कश आवाज में तुम पर चिल्लाऊंगी। क्या तुम्हें कोई आपत्ति है?

बिल्कुल नहीं। मैं तुम्हें अच्छी तरह सुन सकती हूँ। आखिर भगवान ने औरतों को इतनी तीखी आवाज़ क्यों दी है? वैसे मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। ये मुझे देसी मज़दूरों के झगड़ने की याद दिलाती है। वे हमारा काम ठीक से कर रहे हैं, है ना? उनका सूप तो हमसे कहीं बेहतर है।

“उन्होंने गौडी के लिए विशेष प्रयास किया है। इसके अलावा, मुझे लगता है कि नई कोषाध्यक्ष काफी अच्छी हैं; उनका घरेलू अर्थव्यवस्था से कुछ संबंध था। प्रिय पुराने स्ट्रैडल्स का दिमाग खाने-पीने से कहीं ऊपर था।”

“हाँ; लेकिन मुझे स्ट्रैडल्स पसंद थीं। स्कूल शुरू होने से ठीक पहले जब मैं बीमार पड़ गई थी, तब उन्होंने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया था। क्या आपको याद है?”

"स्ट्रैडल्स के जाने के बाद उसके साथ क्या हुआ?"

"ओह, वो ब्रोंटे कॉलेज में कोषाध्यक्ष हैं। वित्त वास्तव में उनका मुख्य क्षेत्र था। उन्हें आंकड़ों की असाधारण समझ थी।"

“और उस महिला का क्या हुआ—उसका नाम क्या था?—पीबॉडी? फ्रीबॉडी?—आप जानते हैं ना—वही जो हमेशा गंभीरता से कहती थी कि उसके जीवन की सबसे बड़ी महत्वाकांक्षा श्रूस्बरी की कोषाध्यक्ष बनना है?”

“अरे वाह! वो तो किसी नए तरह के धर्म में बुरी तरह पागल हो गई और कहीं किसी अजीब से संप्रदाय में शामिल हो गई, जहाँ लोग लंगोटी पहनकर घूमते हैं और मेवे और अंगूर के भोज करते हैं। मतलब, अगर तुम्हारा मतलब ब्रोड्रिब से है?”

“ब्रोड्रिब—मुझे पता था कि यह पीबॉडी जैसी ही कोई है। ज़रा सोचिए, वह कितनी व्यावहारिक और शांत स्वभाव की हैं!
"मुझे लगता है कि प्रतिक्रिया होगी। दमित भावनात्मक प्रवृत्तियाँ और वो सब। अंदर से वो बेहद भावुक थी, आप जानते हैं।"
“मुझे पता है। वह इधर-उधर घूमती रहती थी। मिस शॉ के लिए एक तरह का डॉक्टर था। शायद उन दिनों हम सब थोड़े संकोची थे।”
"खैर, मुझे बताया गया है कि वर्तमान पीढ़ी को इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। किसी भी प्रकार की कोई झिझक नहीं है।"
“अरे, आओ भी, फीबी। हमें काफी आजादी मिली हुई थी। महिलाओं की डिग्री मिलने से पहले जैसी आजादी नहीं थी। हम मठवासी नहीं थे।”
“नहीं, लेकिन हम युद्ध से काफी पहले पैदा हुए थे, इसलिए हमें कुछ पाबंदियों का एहसास था। हमें ज़िम्मेदारी का कुछ एहसास विरासत में मिला था। और ब्रोड्रिब एक बेहद रूढ़िवादी परिवार से आए थे—पॉज़िटिविस्ट या यूनिटेरियन या प्रेस्बिटेरियन या कुछ और। आज की पीढ़ी असल में युद्धकालीन पीढ़ी है, आप जानते हैं।”
“तो वे हैं। खैर, मुझे नहीं लगता कि मुझे ब्रोड्रिब पर पत्थर फेंकने का कोई अधिकार है।”
“अरे, मेरी प्यारी! ये तो बिलकुल अलग बात है। एक तो स्वाभाविक है; दूसरी—मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे तो ऐसा लगता है जैसे दिमाग पूरी तरह से खराब हो गया है। उसने तो एक किताब भी लिख डाली है।”
“एगैपेमोन के बारे में?”
“हाँ। और उच्चतर ज्ञान। और सुंदर विचार। इस तरह की चीजें। खराब वाक्य रचना से भरी हुई।”
"हे भगवान! हाँ—यह तो वाकई बहुत बुरा है, है ना? मुझे समझ नहीं आता कि धार्मिक मान्यताओं का किसी के व्याकरण पर इतना बुरा असर क्यों पड़ सकता है।"
“मुझे डर है कि यह एक तरह का बौद्धिक पतन है जो घर कर जाता है। लेकिन इनमें से कौन सा दूसरे का कारण है, या क्या ये दोनों किसी और चीज़ के लक्षण हैं, मुझे नहीं पता। ट्रिमर के मानसिक उपचार और हेंडरसन के नग्नतावादी बनने के कारण—”
"नहीं!"
“सच है। वो रही, बगल वाली मेज पर। इसीलिए तो वो इतनी सांवली है।”

और उसकी फ्रॉक की कटिंग भी बहुत खराब थी। अगर नग्न नहीं हो सकते, तो जितना हो सके उतने भद्दे कपड़े पहन लो, मुझे लगता है।
"मैं कभी-कभी सोचता हूँ कि क्या थोड़ी-बहुत सामान्य, दिल खोलकर की गई शरारत हममें से बहुतों के लिए अच्छी नहीं होगी।"
ठीक उसी क्षण, मेज के उसी तरफ तीन स्थान दूर बैठी मिस मोलिसन ने अपने पड़ोसियों की ओर झुककर कुछ चिल्लाया।
"क्या?" फीबी चिल्लाई।
मिस मोलिसन और भी आगे झुक गईं, जिससे डोरोथी कॉलिन्स, बेट्टी आर्मस्ट्रांग और मैरी स्टोक्स लगभग दम घुटने की स्थिति में पहुँच गईं।
मुझे उम्मीद है कि मिस वेन आपको कुछ भी बहुत ही भयावह नहीं बता रही होंगी!
“नहीं,” हैरियट ने जोर से कहा। “श्रीमती बैनक्रॉफ्ट को देखकर मेरा खून खौल रहा है।”
"कैसे?"
"मुझे हमारे वर्ष की जीवन गाथाएँ सुनाओ।"
“ओह!” मिस मोलिसन घबराकर चिल्लाईं। तभी मेमने के मांस और हरी मटर की एक डिश परोसी गई और सन्नाटा पसरा और उनके पड़ोसियों ने राहत की सांस ली। लेकिन हैरियट को बेहद डर लगा, क्योंकि सवाल और जवाब ने मानो एक सांवली, दृढ़ निश्चयी महिला के लिए रास्ता खोल दिया था, जो बड़े चश्मे और करीने से संवारे बालों के साथ उसके सामने बैठी थी। अब वह झुकी और तीखे अमेरिकी लहजे में बोली: “मुझे नहीं लगता कि आपको मैं याद हूँ, मिस वेन? मैं कॉलेज में सिर्फ एक सेमेस्टर के लिए थी, लेकिन मैं आपको कहीं भी पहचान लूँगी। मैं हमेशा अमेरिका में अपने उन दोस्तों को आपकी किताबें पढ़ने की सलाह देती हूँ जो ब्रिटिश जासूसी कहानियों को पढ़ने के इच्छुक हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि वे वाकई बहुत अच्छी हैं।”
"आपकी बहुत मेहरबानी," हैरियट ने कमजोर आवाज में कहा।
"और हमारी एक बहुत ही करीबी आपसी जान-पहचान है," चश्मा पहने महिला ने आगे कहा।
हे भगवान! हैरियट ने सोचा। अब किस सामाजिक उपद्रव को गुमनामी से बाहर निकाला जाने वाला है? और यह भयानक महिला कौन है?
“सचमुच?” उसने ज़ोर से कहा, अपनी याददाश्त खंगालते हुए समय लेने की कोशिश करते हुए। “वह कौन है? मिस—”
"शुस्टर-स्लैट" की आवाज़ फीबी के कान में गूंजी।

“शुस्टर-स्लैट।” (बेशक। हैरियट के पहले ग्रीष्मकालीन सत्र में आई थी। कानून पढ़ने वाली थी। श्रूस्बरी में स्वतंत्रता पर अत्यधिक प्रतिबंध होने के कारण एक सत्र के बाद ही छोड़ दिया। होम स्टूडेंट्स में शामिल हो गई, और सौभाग्य से जीवन से विदा हो गई।)
"मेरा नाम जानना आपकी चतुराई है। जी हाँ, जब मैं आपको बताऊँगी तो आपको आश्चर्य होगा, लेकिन अपने काम में मुझे आपके ब्रिटिश अभिजात वर्ग के कई लोग दिखाई देते हैं।"
हे भगवान! हैरियट ने सोचा। मिस शूस्टर-स्लैट की तीखी आवाज आसपास के शोरगुल पर भी हावी हो गई।
“आपके अद्भुत लॉर्ड पीटर। वे मेरे प्रति बहुत दयालु थे, और जब मैंने उन्हें बताया कि मैं आपके साथ कॉलेज में पढ़ता था, तो उन्होंने बहुत दिलचस्पी दिखाई। मुझे लगता है कि वे एक बहुत ही प्यारे इंसान हैं।”
“उसके शिष्टाचार बहुत अच्छे हैं,” हैरियट ने कहा। लेकिन इस कथन का निहितार्थ बहुत सूक्ष्म था। मिस शूस्टर-स्लैट ने आगे कहा:
“जब मैंने उन्हें अपने काम के बारे में सब कुछ बताया, तो उनका व्यवहार मेरे लिए बहुत ही शानदार था।” (हैरियट ने सोचा, पता नहीं आखिर वो काम क्या है।) “और मैं उनके रोमांचक जासूसी मामलों के बारे में भी सुनना चाहती थी, लेकिन वो इतने विनम्र थे कि उन्होंने कुछ नहीं कहा। कृपया बताइए, मिस वेन, क्या वो अपनी कमज़ोर नज़र की वजह से वो प्यारा सा चश्मा पहनते हैं, या ये कोई पुरानी अंग्रेज़ी परंपरा है?”
"मैंने उनसे यह पूछने की कभी हिम्मत नहीं की," हैरियट ने कहा।
“ये तो बिलकुल आपकी ब्रिटिश झिझक जैसी है!” मिस शूस्टर-स्लैट ने हैरानी से कहा; तभी मैरी स्टोक्स ने बीच में टोकते हुए कहा, “ओह, हैरियट, हमें लॉर्ड पीटर के बारे में ज़रूर बताइए! अगर वो तस्वीरों जैसे ही हैं, तो ज़रूर बेहद आकर्षक होंगे। आप उन्हें अच्छी तरह जानती ही होंगी, है ना?”
मैंने एक मामले में उनके साथ काम किया था।
“यह बेहद रोमांचक रहा होगा। हमें बताइए कि वह कैसा है।”
"यह देखकर," हैरियट ने गुस्से और हताशा भरे स्वर में कहा, "यह देखकर कि उसने मुझे जेल से बाहर निकाला और शायद मुझे फांसी से बचाया, स्वाभाविक रूप से मैं उसे आनंददायक मानती हूँ।"
“ओह!” मैरी स्टोक्स का चेहरा लाल हो गया और वह हैरियट की गुस्से भरी आँखों से ऐसे पीछे हट गई जैसे उसे कोई चोट लगी हो। “मुझे माफ़ करना—मैंने सोचा नहीं था

—”
“खैर, ये लीजिए,” मिस शूस्टर-स्लैट ने कहा, “मुझे खेद है कि मैं बहुत ही बेअकल रही हूँ। मेरी माँ हमेशा मुझसे कहती थीं, ‘सैडी, तुम सबसे बेअकल लड़की हो जिनसे मुझे मिलने का दुर्भाग्य मिला है।’ लेकिन मैं उत्साही हूँ। मैं भावनाओं में बह जाती हूँ। मैं सोचती नहीं हूँ। काम में भी मेरा यही हाल है। मैं अपनी भावनाओं का ख्याल नहीं रखती; मैं दूसरों की भावनाओं का ख्याल नहीं रखती। मैं बस सीधे कूद पड़ती हूँ और जो चाहती हूँ वो माँग लेती हूँ, और ज़्यादातर मुझे वो मिल भी जाता है।”
इसके बाद, मिस शूस्टर-स्लैट ने, अपनी अपेक्षा से कहीं अधिक संवेदनशील भाव से, बातचीत को विजयी रूप से अपने काम के विषय की ओर मोड़ दिया, जिसका संबंध अयोग्य लोगों के बंध्याकरण और बुद्धिजीवियों के बीच विवाह को प्रोत्साहन देने से था।
इस बीच, हैरियट दुखी होकर सोच रही थी कि आखिर किस शैतान ने उसे जकड़ लिया है कि विम्सी का नाम सुनते ही उसके सारे बुरे लक्षण दिखने लगते हैं। उसने उसका कोई नुकसान नहीं किया था; उसने तो बस उसे एक शर्मनाक मौत से बचाया था और अटूट निष्ठा दिखाई थी; और इन दोनों ही एहसानों के बदले उसने कभी उसकी कृतज्ञता की उम्मीद नहीं की थी। यह अच्छा नहीं था कि बदले में उसे सिर्फ़ गुस्से भरी प्रतिक्रिया मिल रही थी। हैरियट ने सोचा, असल में, मुझमें हीन भावना बहुत ज़्यादा है; दुर्भाग्य से, यह जानते हुए भी मैं इससे छुटकारा नहीं पा सकती। अगर मैं उससे बराबरी के स्तर पर मिल पाती तो मैं उसे बहुत पसंद करती...
वार्डन ने मेज पर दस्तक दी। हॉल में एक सुखद सन्नाटा छा गया। विश्वविद्यालय की ओर से टोस्ट देने के लिए एक वक्ता खड़ा हुआ।
उन्होंने गंभीरता से बोलते हुए, इतिहास के विशाल ग्रंथ को खोलते हुए, मानविकी के लिए पैरवी की, और अशांति से भयभीत दुनिया के सामने अकादमिक शांति की घोषणा की। “ऑक्सफ़ोर्ड को असफल प्रयासों का घर कहा जाता है: यदि ज्ञान के प्रति प्रेम अपने आप में एक लक्ष्य है, तो आइए हम यह सुनिश्चित करें कि कम से कम यहाँ तो इसे अपना स्थायी घर मिल जाए।”
शानदार, हैरियट ने सोचा, लेकिन यह युद्ध नहीं है। फिर, उसकी कल्पना बोले गए शब्दों के बीच बुनी जा रही थी, और उसने इसे एक पवित्र युद्ध के रूप में देखा। महिलाओं का वह पूरा बेतहाशा विविध, यहाँ तक कि थोड़ा अटपटा समूह, जो आपस में और हर उस पुरुष और स्त्री के साथ एक सामूहिक एकता में विलीन हो गया था, जिनके लिए भौतिक लाभ से अधिक मन की अखंडता मायने रखती थी—मानव आत्मा

के केंद्रीय गढ़ में रक्षक, एक सामान्य शत्रु के सामने अपने व्यक्तिगत मतभेदों को भुलाकर। अपने उद्देश्य के प्रति सच्चे रहना, चाहे कोई अपने भावनात्मक जीवन में कितनी भी मूर्खताएँ क्यों न करे, यही आध्यात्मिक शांति का मार्ग था। इतने बड़े शहर का स्वतंत्र नागरिक होकर कोई कैसे बंधनों में जकड़ा हुआ महसूस कर सकता है, या अपमानित महसूस कर सकता है, जहाँ सभी को समान नागरिकता प्राप्त है?

उत्तर देने के लिए खड़े हुए प्रख्यात प्रोफेसर ने अनेक प्रतिभाओं की बात की, लेकिन उनमें एक ही भावना थी। एक बार जब यह स्वर गूंज उठा, तो यह हर वक्ता के होंठों और हर श्रोता के कानों में गूंज उठा। वार्डन द्वारा शैक्षणिक वर्ष की समीक्षा भी इससे असंबद्ध नहीं थी: नियुक्तियाँ, डिग्रियाँ, छात्रवृत्तियाँ—ये सभी अनुशासन के वे घरेलू विवरण थे जिनके बिना समुदाय कार्य नहीं कर सकता था। उस भव्य रात्रि की चकाचौंध में, कोई भी यह महसूस कर सकता था कि वह किसी साधारण शहर का नागरिक नहीं है। यह एक पुराना और पुराने जमाने का शहर हो सकता है, जिसमें असुविधाजनक इमारतें और संकरी गलियाँ हों जहाँ राहगीर रास्ते के अधिकार को लेकर मूर्खतापूर्ण ढंग से झगड़ते हों; लेकिन इसकी नींव पवित्र पहाड़ियों पर रखी गई थी और इसके शिखर आकाश को छूते थे।

हॉल से इस बेहद प्रसन्न मनोदशा में निकलते हुए, हैरियट को डीन के साथ कॉफी पीने का निमंत्रण मिला।

डॉक्टर के आदेशानुसार मैरी स्टोक्स को बिस्तर पर आराम करने की सलाह दी गई थी, इसलिए उन्हें उनकी संगति की आवश्यकता नहीं थी। यह जानने के बाद उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। इसके बाद वे न्यू क्वाड की ओर गईं और मिस मार्टिन के दरवाजे पर दस्तक दी। बैठक कक्ष में उन्हें बेट्टी आर्मस्ट्रांग, फोबे टकर, मिस डी वाइन, कोषाध्यक्ष मिस स्टीवंस, बार्टन नाम की एक अन्य फेलो और उनसे कुछ साल सीनियर दो पूर्व छात्राएं मिलीं। डीन, जो कॉफी परोस रही थीं, ने उनका हार्दिक स्वागत किया।

“चलो! ये लो, बढ़िया कॉफी। स्टीव, हॉल की कॉफी के बारे में क्या कुछ नहीं किया जा सकता?”

“जी हां, अगर आप कॉफी फंड शुरू कर दें तो,” कोषाध्यक्ष ने जवाब दिया। “मुझे नहीं पता कि आपने कभी दो सौ लोगों के लिए बेहतरीन कॉफी के खर्च का हिसाब लगाया है या नहीं।”

“मुझे पता है,” डीन ने कहा। “बेहद गरीब होने का दिखावा करना कितना मुश्किल होता है। मुझे लगता है कि मुझे फ्लैकेट से इस बारे में बात कर लेनी चाहिए। तुम्हें

फ्लैकेट याद है ना, वो अमीर वाली, जो हमेशा थोड़ी अजीब थी। वो तुम्हारे ही बैच में थी। मिस फोर्टेस्क्यू। वो मेरे पीछे-पीछे घूम रही है, कॉलेज को उष्णकटिबंधीय मछलियों से भरा एक टैंक भेंट करने की कोशिश कर रही है। उसने कहा कि उसे लगता है कि इससे विज्ञान के लेक्चर रूम की रौनक बढ़ जाएगी।"
"अगर इससे कुछ व्याख्यानों में थोड़ी चमक आ जाए, तो यह अच्छी बात हो सकती है। हमारे समय में मिस हिलयार्ड के संवैधानिक विकास पर दिए गए व्याख्यान थोड़े उबाऊ थे।"
"ओह, मेरी प्यारी! वो संवैधानिक विकास! हे भगवान, हाँ—वो तो अभी भी जारी हैं। वो हर साल लगभग तीस छात्रों के साथ शुरुआत करती हैं और अंत में दो या तीन गंभीर अश्वेत पुरुष बचते हैं, जो हर शब्द को गंभीरता से अपनी नोटबुक में लिख लेते हैं। बिल्कुल वही व्याख्यान; मुझे नहीं लगता कि मछली भी उनकी मदद कर पाएगी। खैर, मैंने कहा, 'आपकी बहुत मेहरबानी है, मिस फ्लैकेट, लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि वे फल-फूल पाएंगे। इसके लिए एक विशेष हीटिंग सिस्टम लगाना पड़ेगा, है ना? और इससे बागवानों का काम भी बढ़ जाएगा।' बेचारी बहुत निराश दिखीं; इसलिए मैंने कहा कि उन्हें कोषाध्यक्ष से सलाह लेनी चाहिए।"
"ठीक है," मिस स्टीवंस ने कहा, "मैं फ्लैकेट से निपटूंगी और कॉफी फंड के लिए अनुदान का सुझाव दूंगी।"
"उष्णकटिबंधीय मछलियों से कहीं अधिक उपयोगी," डीन ने सहमति जताई। "मुझे खेद है कि हम कुछ अजीबोगरीब जीव भी पैदा कर देते हैं। फिर भी, आप जानते हैं, मेरा मानना है कि फ्लैकेट लिवर-फ्लूक के जीवन-इतिहास पर बहुत सटीक जानकारी रखते हैं। क्या कोई कॉफी के साथ बेनेडिक्टिन लेना चाहेगा? आइए, मिस वेन। शराब से जुबान खुल जाती है, और हम आपके नवीनतम रहस्यों के बारे में सब कुछ सुनना चाहते हैं।"
हैरियट ने अपनी मौजूदा कहानी का संक्षिप्त विवरण देकर उनकी बात मान ली।
"मुझे क्षमा करें, मिस वेन, खुलकर बोलने के लिए," मिस बार्टन ने गंभीरता से आगे झुकते हुए कहा, "लेकिन आपके अपने भयानक अनुभव के बाद, मुझे आश्चर्य होता है कि आप इस तरह की किताब लिखने में रुचि रखती हैं।"
डीन थोड़ा हैरान दिखे।
"खैर," हैरियट ने कहा, "पहली बात तो यह है कि लेखक तब तक अपनी पसंद का काम नहीं चुन सकते जब तक वे पैसे न कमा लें। अगर आपने एक तरह की किताब

लिखकर नाम कमा लिया है और फिर दूसरी तरह की किताब लिखने लगें, तो आपकी बिक्री कम हो जाएगी, और यही कड़वी सच्चाई है।" वह थोड़ी देर रुकी। "मुझे पता है आप क्या सोच रहे हैं—कि कोई भी समझदार इंसान शायद फर्श साफ करने का काम करना पसंद करेगा। लेकिन मैं फर्श बहुत बुरी तरह साफ कर सकती हूँ, और मैं जासूसी कहानियाँ बहुत अच्छी लिखती हूँ। मुझे नहीं लगता कि मेरी समझदारी मुझे अपना काम करने से रोक सकती है।"
"बिल्कुल सही," मिस डी वाइन ने कहा।
"लेकिन निश्चित रूप से," मिस बार्टन ने जोर देकर कहा, "आपको यह महसूस करना चाहिए कि जघन्य अपराधों और निर्दोष संदिग्धों की पीड़ा को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, न कि इसे एक बौद्धिक खेल बना दिया जाना चाहिए।"
"मैं असल जिंदगी में इन्हें गंभीरता से लेता हूँ। हर किसी को लेना चाहिए। लेकिन क्या आपको यह कहना चाहिए कि उदाहरण के लिए, यौन संबंध से जुड़े दुखद अनुभव वाले किसी भी व्यक्ति को कभी भी बनावटी ड्राइंग-रूम कॉमेडी नहीं लिखनी चाहिए?"
"लेकिन क्या यह अलग नहीं है?" मिस बार्टन ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। "प्यार का एक सौम्य पक्ष होता है; जबकि हत्या का कोई सौम्य पक्ष नहीं होता।"
"शायद हास्य के लिहाज से नहीं। लेकिन जासूसी का एक विशुद्ध बौद्धिक पहलू भी है।"
"आपने असल जिंदगी में एक मामले की जांच की थी, है ना? आपको उस बारे में कैसा लगा?"
"यह बहुत दिलचस्प हूँ।"
और, जो कुछ आप जानते थे, उसके आलोक में, क्या आपको किसी व्यक्ति को कटघरे में खड़ा करके फांसी पर चढ़ाने का विचार पसंद आया?
डीन ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मिस वेन से यह पूछना उचित होगा।" उन्होंने थोड़ी माफी मांगते हुए हैरियट से कहा, "मिस बार्टन अपराध के समाजशास्त्रीय पहलुओं में रुचि रखती हैं और दंड संहिता में सुधार के लिए बहुत उत्सुक हैं।"
"हाँ," मिस बार्टन ने कहा। "इस पूरे मामले के प्रति हमारा रवैया मुझे पूरी तरह से बर्बर और क्रूर लगता है। जेलों का दौरा करते समय मैं कई हत्यारों से मिली हूँ; और उनमें से अधिकतर बहुत ही सीधे-सादे, मूर्ख लोग, बेचारे प्राणी होते हैं, जब तक कि वे निश्चित रूप से मानसिक रूप से विक्षिप्त न हों।"

“अगर आप पीड़ितों से मिली होतीं, तो शायद आपका नज़रिया बदल जाता। वे अक्सर हत्यारों से भी ज़्यादा बेवकूफ़ और सीधे-सादे होते हैं। लेकिन वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आते। यहाँ तक कि जूरी को भी शव देखने की ज़रूरत नहीं होती, जब तक कि वे चाहें। लेकिन मैंने विल्वरकोम्ब मामले में शव देखा था—मैंने उसे ढूँढा था; और वह इतना भयानक था कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते।”
डीन ने कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि आप सही कह रहे हैं। अखबारों में दिया गया विवरण मेरे लिए पर्याप्त से अधिक था।"
“और,” हैरियट ने मिस बार्टन से आगे कहा, “आप हत्यारों को हत्या करते हुए सक्रिय रूप से नहीं देखते। आप उन्हें तब देखते हैं जब वे पकड़े जाते हैं, पिंजरे में बंद होते हैं और दयनीय स्थिति में होते हैं। लेकिन विल्वरकोम्ब का आदमी एक धूर्त, लालची और क्रूर व्यक्ति था, और अगर उसे रोका न जाता तो वह फिर से ऐसा करने के लिए पूरी तरह तैयार था।”
"उन्हें रोकने के लिए यह एक अकाट्य तर्क है," फीबी ने कहा, "कानून बाद में उनके साथ जो भी करे।"
"फिर भी," मिस स्टीवंस ने कहा, "क्या हत्यारों को पकड़ना एक बौद्धिक अभ्यास के रूप में थोड़ा निर्मम नहीं है? पुलिस के लिए यह ठीक है - यह उनका कर्तव्य है।"
हैरियट ने कहा, "कानून के अनुसार, यह प्रत्येक नागरिक का दायित्व है - हालांकि अधिकांश लोग यह नहीं जानते हैं।"
"और ये विम्सी नाम का आदमी," मिस बार्टन ने कहा, "जो इसे एक शौक की तरह लेता हुआ प्रतीत होता है - क्या वह इसे एक कर्तव्य के रूप में देखता है या एक बौद्धिक अभ्यास के रूप में?"
“मुझे पक्का नहीं पता,” हैरियट ने कहा, “लेकिन, आप जानते हैं, मेरे लिए यही अच्छा हुआ कि उसने इसे अपना शौक बना लिया। मेरे मामले में पुलिस गलत थी—मैं उन्हें दोष नहीं देती, लेकिन वे गलत थे—इसलिए मुझे खुशी है कि यह मामला उनके भरोसे नहीं छोड़ा गया।”
डीन ने कहा, "मैं इसे एक बेहद सराहनीय भाषण मानता हूँ। अगर किसी ने मुझ पर ऐसा कुछ करने का आरोप लगाया होता जो मैंने नहीं किया होता, तो मैं गुस्से से आग बबूला हो जाता।"
"लेकिन सबूतों का आकलन करना मेरा काम है," हैरियट ने कहा, "और मैं पुलिस के मामले की मजबूती को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती। यह तो बस 'ए' और 'बी' का

मामला है। बस इसमें एक अज्ञात कारक शामिल है।"
डीन ने कहा, "जैसे कि वह चीज़ जो नई तरह की भौतिकी में बार-बार सामने आती है। प्लैंक का स्थिरांक, या जो भी वे इसे कहते हैं।"
मिस डी वाइन ने कहा, "निश्चित रूप से, इसका जो भी परिणाम हो, और इसके बारे में किसी की भी जो भी राय हो, महत्वपूर्ण बात तथ्यों का पता लगाना है।"
“हाँ,” हैरियट ने कहा; “यही तो बात है। मेरा मतलब है, असलियत तो यह है कि मैंने हत्या नहीं की, इसलिए मेरी भावनाएँ मायने नहीं रखतीं। अगर मैंने की होती, तो शायद मैं खुद को पूरी तरह से सही ठहराती और मेरे साथ हुए बर्ताव पर मुझे बहुत गुस्सा आता। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि किसी को ज़हर देकर तड़पाना अक्षम्य है। जिस मामले में मुझे जेल भेजा गया, वह छत से गिरने जितना ही महज़ एक हादसा था।”
“मुझे इस विषय को उठाने के लिए वास्तव में माफी मांगनी चाहिए,” मिस बार्टन ने कहा। “आपने इस पर इतनी खुलकर चर्चा की, यह बहुत अच्छी बात है।”
"मुझे अब कोई आपत्ति नहीं है। घटना घटने के तुरंत बाद स्थिति अलग होती। लेकिन विल्वरकोम्ब में हुई उस भयानक घटना ने मामले पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया - इसे दूसरे पक्ष से उजागर किया।"
डीन ने कहा, "मुझे बताइए, लॉर्ड पीटर कैसा है?"
"देखने के लिए, आपका मतलब है? या साथ काम करने के लिए?"
“खैर, लोग जानते हैं कि वह कैसा दिखता है। फेयर एंड मेफेयर। मेरा मतलब था, उससे बात करने के लिए।”
"काफी मनोरंजक। अगर जरूरत पड़ी तो वह खुद ही काफी कुछ बोलता है।"
"जब आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हों, तो थोड़ा खुश और उत्साहित रहना अच्छा लगता है?"
"मैं उनसे एक बार डॉग शो में मिली थी," मिस आर्मस्ट्रांग ने अचानक कहा। "वह शहर के उस बेवकूफ आदमी की हूबहू नकल कर रहे थे।"
“तब या तो वह बुरी तरह ऊब गया था या फिर किसी बात का पता लगा रहा था,” हैरियट ने हंसते हुए कहा। “मैं उस तरह के हल्के-फुल्के मूड को जानती हूँ, और यह ज्यादातर दिखावा होता है—लेकिन हमेशा यह पता नहीं चलता कि किस बात का।”
मिस बार्टन ने कहा, "इसके पीछे कुछ तो वजह होगी, क्योंकि वह स्पष्ट रूप से बहुत बुद्धिमान है। लेकिन क्या यह सिर्फ बुद्धिमत्ता है, या इसमें कोई सच्ची भावना भी शामिल है?"

"मुझे उस पर भावनाओं की कमी का आरोप नहीं लगाना चाहिए," हैरियट ने अपने खाली कॉफी कप में देखते हुए कहा। "मैंने उसे, उदाहरण के तौर पर, एक ऐसे अपराधी को दोषी ठहराने पर बहुत परेशान देखा है जिसके प्रति सहानुभूति थी। लेकिन अपने उस भ्रामक व्यवहार के बावजूद, वह वास्तव में काफी संयमी है।"
"शायद वह शर्मीला है," फीबी टकर ने विनम्रता से सुझाव दिया। "जो लोग बहुत बोलते हैं, वे अक्सर शर्मीले होते हैं। मुझे लगता है कि वे वाकई दयनीय हैं।"
“शर्मीला?” हैरियट ने कहा। “बिल्कुल नहीं। शायद थोड़ा घबराया हुआ हो—यह शब्द तो बहुत कुछ समेट लेता है। लेकिन वह दया का पात्र तो लगता भी नहीं।”
“उसे दया क्यों करनी चाहिए?” मिस बार्टन ने कहा। “इस बेहद दयनीय दुनिया में, मुझे उस नौजवान पर दया करने की कोई खास ज़रूरत नहीं दिखती जिसके पास वो सब कुछ है जो वो चाह सकता है।” “अगर उसके पास ये सब है तो वो ज़रूर कोई असाधारण व्यक्ति होगा,” मिस डी वाइन ने अपनी आँखों में दिख रही गंभीरता के विपरीत कहा।
“और वो इतने जवान भी नहीं हैं,” हैरियट ने कहा। “वो पैंतालीस साल के हैं।” (यह मिस बार्टन की उम्र थी।)
डीन ने कहा, "मुझे लगता है कि लोगों पर दया करना एक तरह की धृष्टता है।"
“वाह! वाह!” हैरियट ने कहा। “किसी को भी दया का पात्र बनना पसंद नहीं होता। हममें से अधिकतर लोग आत्म-दया का आनंद लेते हैं, लेकिन वह एक अलग बात है।”
मिस डी वाइन ने कहा, "कटु, लेकिन बेहद सच।"
"लेकिन मैं यह जानना चाहूंगी," मिस बार्टन ने बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, और विषयांतर करने से इनकार कर दिया, "कि क्या यह शौकिया सज्जन अपराधों की जांच करने और किताबें इकट्ठा करने के अपने शौक के अलावा कुछ और भी करते हैं, और मुझे लगता है कि वे अपने खाली समय में क्रिकेट भी खेलते हैं?"
हैरियट, जो अपने गुस्से पर काबू रखने के तरीके पर खुद को बधाई दे रही थी, अचानक चिढ़ गई।
“मुझे नहीं पता,” उसने कहा। “क्या इससे कोई फर्क पड़ता है? उसे और कुछ क्यों करना चाहिए?” हत्यारों को पकड़ना कोई आसान या सुरक्षित काम नहीं है। इसमें बहुत समय और ऊर्जा लगती है, और इसमें घायल होना या जान से मार खाना बहुत आसान है। मुझे लगता है कि वह यह काम मजे के लिए करता है, लेकिन कम से कम

वह यह काम तो करता ही है। मेरी तरह ही कई लोगों के पास उसे धन्यवाद देने का उतना ही कारण होगा। इसे तुच्छ नहीं कहा जा सकता।"
डीन ने कहा, "मैं बिल्कुल सहमत हूं। मेरा मानना है कि हमें उन लोगों के प्रति बहुत आभारी होना चाहिए जो बिना किसी शुल्क के कठिन काम करते हैं, चाहे उनका कारण कुछ भी हो।"
मिस फोर्टेस्क्यू ने इसकी सराहना की। उन्होंने कहा, "पिछले रविवार को मेरे वीकेंड कॉटेज की नालियां जाम हो गईं, और एक बहुत ही मददगार पड़ोसी ने आकर उन्हें साफ किया। इस प्रक्रिया में वह काफी गंदे हो गए और मैंने उनसे बार-बार माफी मांगी, लेकिन उन्होंने कहा कि मुझे उन्हें धन्यवाद देने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह जिज्ञासु थे और नालियों में उनकी रुचि थी। हो सकता है कि वह सच न कह रहे हों, लेकिन अगर वह सच भी कह रहे थे, तो भी मुझे शिकायत करने का कोई कारण नहीं था।"
"नालियों की बात करें तो," कोषाध्यक्ष ने कहा—
बातचीत धीरे-धीरे व्यक्तिगत विषयों से हटकर किस्सों पर आधारित हो गई (क्योंकि लोगों की कोई भी सभा ऐसी नहीं होती जो नालियों के बारे में मजेदार बातचीत न कर सके), और थोड़ी देर बाद मिस बार्टन सोने चली गईं। डीन ने राहत की सांस ली।
"मुझे उम्मीद है कि आपको ज़्यादा बुरा नहीं लगा होगा," उसने कहा। "मिस बार्टन बहुत ही स्पष्टवादी हैं, और वह अपने मन की सारी बातें कह देना चाहती थीं। वह एक शानदार इंसान हैं, लेकिन उनमें हास्यबोध की कमी है। वह किसी भी काम को केवल बहुत ही नेक इरादों से ही होते देखना चाहती हैं।"
हैरियट ने इतनी उग्रता से बोलने के लिए माफी मांगी।
"मुझे लगा कि आपने इसे बहुत अच्छे से संभाला। और आपके लॉर्ड पीटर एक बहुत ही दिलचस्प व्यक्ति लगते हैं। लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि आपको उनके बारे में चर्चा करने के लिए मजबूर क्यों किया जाना चाहिए, बेचारे।"
"अगर आप मुझसे पूछें," कोषाध्यक्ष ने कहा, "हम इस विश्वविद्यालय में हर बात पर बहुत ज्यादा चर्चा करते हैं। हम काम करने के बजाय इस बात पर, उस बात पर, क्यों और कैसे पर बहस करते रहते हैं।"
"लेकिन क्या हमें यह नहीं पूछना चाहिए कि हम क्या करवाना चाहते हैं?" डीन ने आपत्ति जताई। परिचित अकादमिक बहस शुरू होते देख हैरियट ने बेट्टी आर्मस्ट्रांग की ओर देखकर मुस्कुरा दिया। दस मिनट भी नहीं बीते थे कि किसी ने "मूल्य" शब्द

का जिक्र कर दिया। एक घंटे बाद भी वे इस पर बहस कर रहे थे। अंत में कोषाध्यक्ष को यह कहते हुए सुना गया:
“ईश्वर ने पूर्णांक बनाए; बाकी सब मनुष्य का काम है।”
“अरे, ये तो झंझट है!” डीन चिल्लाया। “गणित को इससे दूर ही रखें। और भौतिकी को भी। मैं इन्हें संभाल नहीं सकता।”
“कुछ देर पहले प्लैंक स्थिरांक का जिक्र किसने किया था?”
“मैंने किया, और मुझे इसके लिए खेद है। मैं इसे एक घिनौनी सी चीज़ कहता हूँ।” डीन के ज़ोरदार लहजे ने सबको हँसा दिया, और आधी रात होते ही पार्टी समाप्त हो गई।
“मैं अभी भी कॉलेज से बाहर रह रही हूँ,” मिस डी वाइन ने हैरियट से कहा। “क्या मैं आपके कमरे तक आपके साथ चल सकती हूँ?”
हैरियट ने सहमति जता दी, यह सोचते हुए कि मिस डी वाइन उससे क्या कहना चाहती हैं। वे दोनों साथ में न्यू क्वाड में बाहर निकलीं। चाँद निकला हुआ था, इमारतों पर काले और चाँदी के ठंडे रंग की छटा बिखेर रहा था, जिसकी सादगी रोशन खिड़कियों की पीली चमक को धिक्कार रही थी, जिनके पीछे पुराने दोस्त फिर से मिलकर बातें और हँसी-मज़ाक कर रहे थे।
"लगभग स्कूल का सत्र शुरू होने वाला है," हैरियट ने कहा।
“जी हां।” मिस डी वाइन ने अजीब सी मुस्कान के साथ कहा। “अगर आप उन खिड़कियों पर ध्यान से सुनें, तो आपको पता चलेगा कि शोर मचाने वाले अधेड़ उम्र के लोग थे। बूढ़े लोग सो गए हैं, यह सोचते हुए कि क्या वे भी अपने हमउम्र लोगों की तरह ही थक गए हैं। उन्हें कुछ झटके लगे हैं, और उनके पैरों में दर्द है। और युवा लोग जीवन और उसकी जिम्मेदारियों के बारे में गंभीरता से बातें कर रहे हैं—लेकिन चालीस साल की महिलाएं फिर से स्नातक की पढ़ाई करने का नाटक कर रही हैं, और उन्हें इसमें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। मिस वेन—आज रात आपने जिस तरह से बात की, उसकी मैं प्रशंसा करती हूं। अनासक्ति एक दुर्लभ गुण है, और बहुत कम लोग इसे अपने आप में या दूसरों में पसंद करते हैं। अगर आपको कभी कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जो इस अनासक्ति के बावजूद—और उससे भी बढ़कर, इसी वजह से—आपको पसंद करे, तो उस पसंद का बहुत महत्व है, क्योंकि यह पूरी तरह से सच्ची है और क्योंकि उस व्यक्ति के साथ, आपको खुद भी हमेशा ईमानदार रहने की जरूरत होगी।”
"यह शायद बिल्कुल सच है," हैरियट ने कहा, "लेकिन आप ऐसा क्यों कह रहे हैं?"

"मेरा आपको ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है, यकीन मानिए। लेकिन मुझे लगता है कि आप ऐसे कई लोगों से मिलते होंगे जो आपकी वास्तविक भावनाओं और उनकी सोच के बीच के अंतर से परेशान होते हैं। ऐसे लोगों पर जरा भी ध्यान देना घातक हो सकता है।"

“हां,” हैरियट ने कहा, “लेकिन मैं भी उन्हीं में से एक हूं। मैं खुद को बहुत परेशान कर लेती हूं। मुझे कभी पता ही नहीं चलता कि मैं वास्तव में क्या महसूस करती हूं।”

"मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ता है, बशर्ते कोई व्यक्ति खुद को उचित भावनाओं में ढालने की कोशिश न करे।"

वे ओल्ड क्वाड में प्रवेश कर चुके थे, और प्राचीन बीच के पेड़, जो श्रूस्बरी की सभी संस्थाओं में सबसे आदरणीय हैं, उन पर एक धब्बेदार और बदलती हुई छाया-पैटर्न बना रहे थे जो अंधेरे से भी अधिक भ्रामक थी।

“लेकिन किसी न किसी तरह का चुनाव तो करना ही पड़ता है,” हैरियट ने कहा। “और एक इच्छा और दूसरी इच्छा के बीच, कैसे पता चलेगा कि वास्तव में कौन सी चीजें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं?”

मिस डी वाइन ने कहा, "हमें यह तभी पता चलेगा, जब वे हम पर विजय प्राप्त कर लेंगे।"

चौकोर छाया उन पर से ऐसे उतर गई मानो चांदी की जुड़ी हुई जंजीरें गिर रही हों। ऑक्सफोर्ड के सभी टावरों से एक-एक करके घड़ियाँ बजती रहीं, मानो दोस्ताना असहमति की एक झरनानुमा ध्वनि हो। मिस डी वाइन ने बर्ले बिल्डिंग के दरवाजे पर हैरियट को शुभ रात्रि कहा और अपने लंबे, झुके हुए कदमों से हॉल के मेहराब के नीचे गायब हो गईं।

हैरियट ने सोचा, वह एक अजीब महिला थी, और बेहद समझदार भी। हैरियट की अपनी सारी त्रासदी एक ऐसे पुरुष के प्रति "उचित भावनाओं को अपनाने" के कारण हुई थी, जिसकी भावनाएँ भी ईमानदारी की कसौटी पर खरी नहीं उतरी थीं। और उसके बाद उसके उद्देश्य में जो अस्थिरता आई, वह इस दृढ़ निश्चय से उपजी थी कि वह फिर कभी भावनाओं को महसूस करने की इच्छा को स्वयं भावना समझने की गलती नहीं करेगी। "हम तभी जान पाते हैं कि कौन सी चीज़ें कितनी महत्वपूर्ण हैं जब वे हम पर हावी हो जाती हैं।" क्या उसकी दुविधाओं के बीच कुछ ऐसा था जो अडिग रहा? हाँ, बिल्कुल; वह अपने काम से जुड़ी रही—और वह भी उन सभी कारणों के बावजूद जो इसे छोड़ने और कुछ अलग करने के लिए प्रबल प्रतीत हो सकते थे।

वास्तव में, यद्यपि उसने उस शाम इस विशेष निष्ठा का कारण दिखाया था, उसने कभी स्वयं को कारण बताने की आवश्यकता महसूस नहीं की। उसने वही लिखा जो उसे लिखने की प्रेरणा मिली; और, यद्यपि उसे लगने लगा था कि शायद वह इस काम को और बेहतर कर सकती है, उसे इसमें कोई संदेह नहीं था कि यह काम उसके लिए सही था। इसने उसकी जानकारी या ध्यान दिए बिना ही उसे अपने वश में कर लिया था, और यही इसकी विजय का प्रमाण था।

वह कुछ मिनटों तक मैदान में इधर-उधर टहलती रही, इतनी बेचैन थी कि सोने के लिए अंदर नहीं जा सकी। इसी दौरान उसकी नज़र एक कागज़ पर पड़ी, जो करीने से कटी घास पर बेतरतीब ढंग से उड़ रहा था। उसने अनायास ही उसे उठा लिया और देखा कि वह खाली है, तो उसे जांच के लिए अपने साथ बर्ले बिल्डिंग में ले गई। वह साधारण कागज़ का एक पन्ना था, जिस पर पेंसिल से बच्चों जैसी मोटी-मोटी रेखाचित्र बना हुआ था। वह किसी भी तरह से मनभावन रेखाचित्र नहीं था, कॉलेज के मैदान में ऐसी कोई चीज़ देखने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। वह बदसूरत और क्रूर था। उसमें अतिरंजित स्त्री आकृति को दर्शाया गया था, जो टोपी और गाउन पहने किसी अज्ञात लिंग के व्यक्ति पर बेरहमी से अत्याचार कर रही थी। वह न तो समझदारी भरा था और न ही स्वस्थ; वास्तव में, वह एक घिनौना, गंदा और पागलपन भरा रेखाचित्र था। हैरियट कुछ देर तक घृणा से उसे देखती रही, उसके मन में कई सवाल उठ रहे थे। फिर वह उसे अपने साथ ऊपर ले गई और पास के शौचालय में डालकर उसमें डाल दिया और उसका प्लग निकाल दिया। ऐसी चीजों का यही उचित अंत था, और बात यहीं खत्म हो गई; लेकिन फिर भी, उसे अफ़सोस था कि उसने उसे देखा ही न होता।

## अध्याय 3

वे लोग सबसे अच्छे होते हैं जो, यदि वे प्रेम को स्वीकार करने के लिए बाध्य न हों, तो भी उसे अपने जीवन के गंभीर मामलों और कार्यों से पूरी तरह अलग रखते हैं; क्योंकि यदि प्रेम एक बार भी व्यवसाय में उलझ जाए तो यह लोगों के भाग्य को बिगाड़ देता है और उन्हें ऐसा बना देता है कि वे अपने उद्देश्यों के प्रति कभी भी सच्चे नहीं रह सकते।

—फ्रांसिस बेकन

एस.सी.आर. हमेशा की तरह कहता था कि रविवार किसी भी उत्सव का सबसे अच्छा हिस्सा होता था। आधिकारिक रात्रिभोज और भाषण हो चुके होते थे; ऑक्सफोर्ड में रहने वाले पुराने छात्र और मैं, बेहद व्यस्त आगंतुक जिनके पास केवल एक रात का

समय होता था, सब जा चुके होते थे। लोग धीरे-धीरे अपने-अपने काम में लग जाते थे और कोई भी अपने दोस्तों से आराम से बात कर सकता था, बिना किसी उबाऊ लोगों के समूह द्वारा तुरंत पकड़े जाने और घसीटकर ले जाए जाने के डर के।

हैरियट ने राजकीय सम्मान के साथ वार्डन से मुलाकात की, जिन्होंने शेरी और बिस्कुट के साथ एक छोटा सा स्वागत समारोह आयोजित किया था, और फिर न्यू क्वाड में मिस लिडगेट से मिलने गईं। अंग्रेजी शिक्षक का कमरा बीओवुल्फ से लेकर ब्रिजेस तक अंग्रेजी कविता में छंद-संबंधी तत्वों पर उनके आगामी कार्य के प्रमाणों से सजा हुआ था। चूंकि मिस लिडगेट ने एक बिल्कुल नया छंद-संबंधी सिद्धांत विकसित कर लिया था, या उसे पूर्ण करने की प्रक्रिया में थीं (क्योंकि कोई भी विद्वतापूर्ण कार्य कभी भी स्थिर पूर्णता प्राप्त नहीं करता), जिसके लिए एक नवीन और जटिल अंकन प्रणाली की आवश्यकता थी जिसमें बारह विभिन्न प्रकार के टाइप का उपयोग शामिल था; और चूंकि मिस लिडगेट की लिखावट पढ़ने में कठिन थी और प्रिंटरों के साथ काम करने का उनका अनुभव सीमित था, इसलिए उस समय गैली फॉर्म में पांच क्रमिक संशोधन मौजूद थे, जो पूर्णता के विभिन्न चरणों में थे, साथ ही पेज-प्रूफ में दो शीट और टाइपस्क्रिप्ट में एक परिशिष्ट भी था, जबकि महत्वपूर्ण प्रस्तावना, जो पूरे तर्क की कुंजी प्रदान करती थी, अभी भी लिखी जानी बाकी थी। जब कोई खंड पृष्ठ-प्रमाणीकरण की स्थिति में पहुँच गया, तभी मिस लिडगेट को इस बात का पूर्णतः अहसास हुआ कि तर्क के बड़े-बड़े अनुच्छेदों को एक अध्याय से दूसरे अध्याय में स्थानांतरित करना कितना आवश्यक है। इस प्रकार के प्रत्येक परिवर्तन के लिए स्वाभाविक रूप से पृष्ठ-प्रमाणीकरण में अत्यधिक समय लगता है और पाँचों संशोधनों में संबंधित भागों को हटाना पड़ता है; परिणामस्वरूप, आवश्यक संदर्भ-विश्लेषण करते समय, मिस लिडगेट अपने विद्यार्थियों और सहकर्मियों द्वारा कागज़ के एक खोल में लिपटी हुई, असहाय अवस्था में, कागज़ के ढेर में अपना फाउंटेन पेन ढूँढ़ती हुई पाई जाती थीं।

“मुझे खेद है,” हैरियट के महानतम कृति के बारे में विनम्रतापूर्वक पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में, मिस लिडगेट ने अपना सिर खुजाते हुए कहा, “किताबें छापने के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में मुझे बिल्कुल भी जानकारी नहीं है। यह मुझे बहुत उलझन भरा लगता है और मैं प्रिंटरों को अपनी बात समझाने में बिल्कुल भी कुशल नहीं हूँ। मिस डी वाइन का यहाँ होना बहुत मददगार होगा। उनका दिमाग बहुत व्यवस्थित है। उनकी पांडुलिपि देखना सचमुच एक शिक्षा है, और निश्चित रूप से उनका काम मेरे काम से कहीं अधिक जटिल है—एलिज़ाबेथ काल के वेतन-सूची आदि की छोटी-छोटी सभी

चीज़ें, सभी अद्भुत ढंग से क्रमबद्ध और एक सुंदर, स्पष्ट तर्क में व्यवस्थित हैं। और उन्हें फुटनोट्स को सही ढंग से व्यवस्थित करना आता है, ताकि वे पाठ के साथ मेल खाएँ। मुझे यह हमेशा बहुत मुश्किल लगता है, और हालाँकि मिस हार्पर मेरे लिए टाइपिंग का सारा काम कर रही हैं, लेकिन उन्हें कंपोजिटरों से ज़्यादा एंग्लो-सैक्सन भाषा का ज्ञान है। मुझे उम्मीद है कि आपको मिस हार्पर याद होंगी। वह आपसे दो साल छोटी थीं और उन्होंने अंग्रेजी में द्वितीय श्रेणी की थी और वुडस्टॉक रोड में रहती हैं।"

हैरियट ने कहा कि उन्हें लगता है कि फुटनोट हमेशा बहुत थकाऊ होते हैं, और क्या वह किताब के कुछ हिस्से देख सकती हैं?

"खैर, अगर आपको सच में दिलचस्पी है," मिस लिडगेट ने कहा, "लेकिन मैं आपको बोर नहीं करना चाहती।" उन्होंने कागजों से भरी मेज से कुछ पन्ने निकाले। "इस पांडुलिपि के टुकड़े पर अपनी उंगलियां मत चुभो लेना जो पिन से लगा हुआ है। मुझे खेद है कि इसमें हाशिये पर बहुत सारे गुब्बारे और बीच-बीच में लिखी हुई रेखाएं हैं, लेकिन देखिए, मुझे अचानक एहसास हुआ कि मैं अपने नोटेशन में बहुत सुधार कर सकती हूँ, इसलिए मुझे इसे पूरी तरह से बदलना पड़ा है। मुझे लगता है," उन्होंने उदास स्वर में कहा, "प्रिंटर मुझसे काफी नाराज होंगे।"

हैरियट मन ही मन उससे सहमत थी, लेकिन उसने दिलासा देते हुए कहा कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस निस्संदेह विद्वानों की पांडुलिपियों को समझने में अभ्यस्त है।

"कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि क्या मैं सच में विद्वान हूँ," मिस लिडगेट ने कहा। "मेरे दिमाग में तो सब कुछ एकदम साफ़ है, लेकिन कागज़ पर उतारते समय मैं उलझन में पड़ जाती हूँ। आप लोग कथानक कैसे संभालते हैं? समय-सारणी, बहाने वगैरह को याद रखना कितना मुश्किल होता होगा।"

"मैं खुद भी अक्सर उलझन में पड़ जाती हूँ," हैरियट ने स्वीकार किया। "मैंने आज तक कम से कम छह बड़ी गलतियों के बिना कोई कहानी नहीं लिखी है। सौभाग्य से, दस में से नौ पाठक भी उलझन में पड़ जाते हैं, इसलिए कोई फर्क नहीं पड़ता। दसवां पाठक मुझे पत्र लिखता है, और मैं दूसरे संस्करण में सुधार करने का वादा करती हूँ, लेकिन मैं कभी नहीं करती। आखिर, मेरी किताबें तो सिर्फ मनोरंजन के लिए हैं; ये कोई विद्वतापूर्ण रचना तो नहीं है।"

"वैसे तो तुम्हारा दिमाग हमेशा से ही विद्वान रहा है," मिस लिडगेट ने कहा, "और मुझे उम्मीद है कि तुम्हें अपनी इस पढ़ाई से कुछ न कुछ मदद जरूर मिलती होगी, है ना? मुझे तो लगता था कि तुम अकादमिक क्षेत्र में करियर बनाओगी।"
"क्या आपको इस बात से निराशा हुई कि मैंने ऐसा नहीं किया?"
जी हाँ, बिलकुल। मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी बात है कि हमारे छात्र बाहर जाकर इतने विविध और रोचक काम करते हैं, बशर्ते वे उन्हें अच्छे से करें। और मुझे कहना होगा कि हमारे अधिकांश छात्र अपने-अपने क्षेत्रों में बेहद अच्छा काम करते हैं।
“वर्तमान में लोग कैसे हैं?”
“खैर,” मिस लिडगेट ने कहा, “हमारे पास कुछ बहुत अच्छे लोग हैं, और वे आश्चर्यजनक रूप से कड़ी मेहनत करते हैं, यह देखते हुए कि वे साथ-साथ कितनी सारी बाहरी गतिविधियों में भी भाग लेते हैं—बस कभी-कभी मुझे डर लगता है कि वे कुछ ज़्यादा ही कर लेते हैं और रात को पर्याप्त नींद नहीं ले पाते। नौजवानों, मोटर-कारों और पार्टियों के चलते, उनका जीवन युद्ध से पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यस्त है—मुझे लगता है कि आपके समय से भी कहीं अधिक। मुझे डर है कि अगर हमारी पुरानी वार्डन आज कॉलेज को इस हालत में देखेंगी तो वे बहुत परेशान हो जाएँगी। मुझे कहना होगा कि मैं खुद भी कभी-कभी थोड़ा चौंक जाती हूँ, और यहाँ तक कि डीन, जो इतने खुले विचारों वाले हैं, उन्हें भी लगता है कि चौक में धूप सेंकने के लिए ब्रा और अंडरवियर पहनना ठीक नहीं है। यह बात पुरुष स्नातक छात्रों की नहीं है—वे तो इसके आदी हैं—लेकिन आखिरकार, जब पुरुष कॉलेजों के प्रमुख वार्डन से मिलने आते हैं, तो उन्हें वास्तव में बिना शर्मिंदा हुए परिसर से गुजरने में सक्षम होना चाहिए। मिस मार्टिन ने वास्तव में उन्हें नहाने के लिए खास कपड़े पहनने पर जोर देना पड़ा—अगर वे चाहें तो बिना पीठ वाले भी, लेकिन उचित नहाने के कपड़े जो इसी उद्देश्य के लिए बनाए गए हों, न कि साधारण अंडरवियर।"
हैरियट इस बात से सहमत थी कि यह बिल्कुल तर्कसंगत प्रतीत होता है।
“मुझे बहुत खुशी है कि आप ऐसा सोचती हैं,” मिस लिडगेट ने कहा। “हम जैसे बुजुर्ग लोगों के लिए परंपरा और प्रगति के बीच संतुलन बनाए रखना काफी मुश्किल है—अगर इसे प्रगति कहा जाए तो। आजकल सत्ता को बहुत कम सम्मान मिलता है, और मुझे लगता है कि कुल मिलाकर यह अच्छी बात है, हालांकि इससे किसी भी संस्था को चलाना और भी मुश्किल हो जाता है। मुझे यकीन है कि आपको एक कप कॉफी

चाहिए होगी। जी नहीं—मैं भी लगभग इसी समय एक कप पीती हूँ। ऐनी!—मुझे लगता है मेरी जासूस पेंट्री में है—ऐनी! क्या तुम मिस वेन के लिए एक और कप ला दोगी?"
हैरियट खाने-पीने की चीजों से काफी संतुष्ट थी, लेकिन उसने साफ-सुथरी वर्दी पहने नौकरानी द्वारा लाए गए जलपान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया। दरवाजा बंद होने पर उसने श्रूस्बरी में कर्मचारियों और सेवाओं में अपने समय से लेकर अब तक हुए बड़े सुधारों के बारे में कुछ टिप्पणी की और नए कोषाध्यक्ष की प्रशंसा भी सुनी।
"हालांकि मुझे डर है," मिस लिडगेट ने आगे कहा, "शायद हमें एनी को इस सीढ़ी से हटाना पड़े। मिस हिलयार्ड को वह बहुत स्वतंत्र लगती है; और शायद थोड़ी भुलक्कड़ भी है। लेकिन बेचारी, वह दो बच्चों की विधवा है, और उसे नौकरानी बनने की ज़रूरत ही नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि उसके पति की अच्छी-खासी आर्थिक स्थिति थी, लेकिन बेचारे का मानसिक संतुलन बिगड़ गया, या कुछ और हुआ, और उसकी मृत्यु हो गई या उसने खुद को गोली मार ली, या इसी तरह की कोई दुखद घटना हुई, जिससे एनी बहुत बुरी हालत में रह गई, इसलिए उसने जो कुछ भी मिल सका, उसे सहने में खुशी महसूस की। छोटी बच्चियों को श्रीमती ज्यूक्स के पास रखा गया है—आपको ज्यूक्स परिवार याद होगा, वे आपके समय में सेंट क्रॉस लॉज में रहते थे। वे अब सेंट एल्डेट्स में रहते हैं, इसलिए एनी सप्ताहांत में उनसे मिलने जा पाती है। यह उसके लिए अच्छा है और श्रीमती ज्यूक्स के लिए थोड़ी अतिरिक्त आमदनी भी हो जाती है।"
"क्या ज्यूक्स रिटायर हो गए? वो तो ज्यादा बूढ़े नहीं थे, थे क्या?"
"बेचारे ज्यूक्स," मिस लिडगेट ने कहा, उनका दयालु चेहरा थोड़ा उदास हो गया। "वह बहुत बड़ी मुसीबत में फंस गया और हमें उसे नौकरी से निकालना पड़ा। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि वह पूरी तरह ईमानदार नहीं निकला। लेकिन हमने उसे माली का काम दिलवा दिया," उन्होंने थोड़ा और खुश होकर कहा, "जहाँ उसे पार्सल वगैरह के लालच में पड़ने का खतरा नहीं था। वह बहुत मेहनती आदमी था, लेकिन वह घुड़दौड़ पर पैसे लगाता था, और इसलिए स्वाभाविक रूप से वह मुश्किलों में पड़ गया। उसकी पत्नी के लिए यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था।"
"वह एक नेक आत्मा थी," हैरियट ने सहमति जताते हुए कहा।
"वह इस सब से बहुत परेशान थी," मिस लिडगेट ने आगे कहा। "और ज्यूक्स भी, सच कहें तो, बहुत दुखी था। वह पूरी तरह टूट गया था, और जब कोषाध्यक्ष ने उसे जाने के लिए कहा तो वहाँ एक दुखद दृश्य हुआ।"

“हाँ,” हैरियट ने कहा। “ज्यूक्स की जुबान हमेशा से ही बहुत वाक्पटु थी।”
“ओह, लेकिन मुझे यकीन है कि उसे अपने किए पर बहुत पछतावा हुआ होगा। उसने बताया कि कैसे वह इस जाल में फंस गया और फिर एक के बाद एक घटनाएँ होती चली गईं। हम सब बहुत परेशान थे। शायद डीन को छोड़कर—लेकिन वैसे भी, डीन को ज्यूक्स कभी पसंद नहीं आया। खैर, हमने उसकी पत्नी को उसके कर्ज चुकाने के लिए एक छोटा सा कर्ज दिया, और उन्होंने उसे पूरी ईमानदारी से चुकाया, हर हफ्ते कुछ शिलिंग। अब जब वह सुधर गया है, तो मुझे पूरा यकीन है कि वह सुधरता रहेगा। लेकिन ज़ाहिर है, उसे यहाँ रखना नामुमकिन था। कोई भी पूरी तरह निश्चिंत नहीं हो सकता था, और हमें पोर्टर पर पूरा भरोसा रखना पड़ता था। अभी जो पोर्टर है, पैजेट, वह बहुत भरोसेमंद और एक मज़ेदार शख्सियत है। आपको डीन से पैजेट के कुछ अनोखे किस्से ज़रूर सुनने चाहिए।”
"वह तो ईमानदारी की मिसाल लगते हैं," हैरियट ने कहा। "शायद इसी वजह से उनकी लोकप्रियता कम हो। तुम्हें पता है, ज्यूक्स रिश्वत लेते थे—जैसे देर से आने पर रिश्वत लेना, वगैरह।"
"हमें डर था कि उसने ऐसा किया होगा," मिस लिडगेट ने कहा। "बेशक, यह एक ऐसे व्यक्ति के लिए ज़िम्मेदारी भरा पद है जिसका चरित्र बहुत मज़बूत नहीं है। वह जहाँ है वहाँ बेहतर प्रदर्शन करेगा।"
"लगता है तुमने एग्नेस को भी खो दिया है।"
“जी हाँ—आपके समय में वह हेड-स्काउट थीं; हाँ, उन्होंने नौकरी छोड़ दी है। उन्हें काम का बोझ बहुत ज़्यादा लगने लगा था और उन्हें रिटायर होना पड़ा। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम उनके लिए थोड़ी-सी पेंशन का इंतज़ाम कर पाए—मामूली सी, लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, हमें हर खर्च के लिए अपनी आमदनी को बहुत सोच-समझकर खर्च करना पड़ता है। और हमने एक छोटी सी योजना बनाई है जिसके तहत वह छात्रों के लिए सिलाई-कढ़ाई जैसे छोटे-मोटे काम करती हैं और कॉलेज के कपड़ों की देखभाल करती हैं। इससे उन्हें थोड़ी मदद मिलती है; और वह खासकर इसलिए खुश हैं क्योंकि उनकी विकलांग बहन भी कुछ काम कर सकती है और उनकी छोटी-सी आमदनी में योगदान दे सकती है। एग्नेस कहती हैं कि अब वह बेचारी बहुत खुश है क्योंकि उसे अब खुद को बोझ नहीं समझना पड़ता।”
हैरियट ने प्रशासनिक महिलाओं की अथक कर्तव्यनिष्ठा पर एक बार फिर आश्चर्य व्यक्त किया। ऐसा प्रतीत होता था कि किसी के हितों को कभी नजरअंदाज या भुलाया

नहीं जाता था, और असीम सद्भावना हमेशा से ही धन की कमी की भरपाई करती थी। पूर्व के प्रोफेसरों और छात्रों के कारनामों के बारे में थोड़ी और बातचीत के बाद, चर्चा नए पुस्तकालय की ओर मुड़ गई। किताबें ट्यूडर बिल्डिंग में अपने पुराने स्थान के लिए बहुत बड़ी हो गई थीं, और अंततः उन्हें उचित स्थान मिलने वाला था।

“और जब यह काम पूरा हो जाएगा,” मिस लिडगेट ने कहा, “हमें लगेगा कि हमारे कॉलेज की इमारतें लगभग पूरी हो चुकी हैं। हममें से जो लोग शुरुआती दिनों को याद करते हैं, उनके लिए यह वाकई अद्भुत लगता है, जब हमारे पास सिर्फ एक पुराना सा कमरा था जिसमें दस छात्र पढ़ते थे और हमें व्याख्यानों के लिए गधे की गाड़ी में ले जाया जाता था। मुझे कहना पड़ेगा कि उस प्यारी पुरानी इमारत को पुस्तकालय के लिए गिराते हुए देखकर हमें बहुत दुख हुआ था। उसमें कितनी सारी यादें बसी थीं।”

“जी हाँ, बिल्कुल,” हैरियट ने सहानुभूति से कहा। उसे लगा कि अतीत का ऐसा कोई क्षण नहीं था जिस पर यह अनुभवी और फिर भी भोली आत्मा सहज आनंद से विचार न कर सके। एक अन्य पूर्व छात्रा के आने से मिस लिडगेट के साथ उसकी बातचीत अधूरी रह गई, और वह कुछ ईर्ष्या के साथ बाहर चली गई, जहाँ उसका सामना लगातार सवाल पूछने वाली मिस मोलिसन से हुआ, जो घड़ी वाली घटना के हर निर्मम विवरण से पूरी तरह वाकिफ थी। उसे मिस मोलिसन को यह बताते हुए खुशी हुई कि श्री ए. ई. डब्ल्यू. मेसन को भी पहले यही विचार आया था। अनवरत मिस मोलिसन ने उत्सुकता से अपने शिकार से लॉर्ड पीटर विम्सी, उनके तौर-तरीकों, रीति-रिवाजों और दिखावट के बारे में पूछताछ शुरू कर दी; और जब मिस शूस्टर-स्लैट ने मिस मोलिसन को वहाँ से भगा दिया, तो उसकी झुंझलाहट थोड़ी कम हुई, क्योंकि हैरियट को अयोग्य लोगों के बंध्याकरण के बारे में एक लंबा भाषण सुनना पड़ा, जिसके (ऐसा प्रतीत हुआ) एक आवश्यक परिणाम के रूप में योग्य लोगों के विवाह को प्रोत्साहित करने का अभियान था। हैरियट इस बात से सहमत थी कि बौद्धिक महिलाओं को शादी करनी चाहिए और अपनी ही तरह की संतान पैदा करनी चाहिए; लेकिन उसने बताया कि इस मामले में अंग्रेज पति की भी कुछ राय होती है और अक्सर उसे बौद्धिक पत्नी पसंद नहीं होती।

मिस शूस्टर-स्लैट ने कहा कि उन्हें लगता है कि अंग्रेज पति बहुत प्यारे होते हैं, और वह यूनाइटेड किंगडम के युवा पुरुषों के बीच उनकी वैवाहिक प्राथमिकताओं का पता लगाने के उद्देश्य से एक प्रश्नावली वितरित करने की तैयारी कर रही हैं।

"लेकिन अंग्रेज लोग प्रश्नावली नहीं भरेंगे," हैरियट ने कहा।

"प्रश्नावली नहीं भरोगे?" मिस शूस्टर-स्लैट ने अचंभित होकर कहा।
“नहीं,” हैरियट ने कहा, “वे ऐसा नहीं करेंगे। एक राष्ट्र के रूप में हम प्रश्नावली को लेकर इतने सचेत नहीं हैं।”
“खैर, यह तो बहुत बुरा हुआ,” मिस शूस्टर-स्लैट ने कहा। “लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप वैवाहिक योग्यता प्रोत्साहन के लिए हमारे लीग की ब्रिटिश शाखा में शामिल होंगी। हमारी अध्यक्ष, श्रीमती जे. पोपेलहिंकेन, एक अद्‌भुत महिला हैं। आप उनसे मिलना चाहेंगी। वह अगले साल यूरोप आ रही हैं। इस बीच मैं यहां प्रचार करने और ब्रिटिश मानसिकता के नजरिए से इस पूरे मामले का अध्ययन करने के लिए हूं।”
“मुझे डर है कि आपको यह बहुत मुश्किल काम लगेगा। मुझे हैरानी है,” हैरियट ने आगे कहा (क्योंकि उसे लगा कि पिछली रात मिस शूस्टर-स्लैट की दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियों का उसे जवाब देना चाहिए), “कि क्या आपके इरादे उतने निस्वार्थ हैं जितना आप दिखा रही हैं। शायद आप अंग्रेज़ पतियों की खूबियों की व्यक्तिगत और व्यावहारिक तरीके से पड़ताल करने की सोच रही हैं।”
"अब आप मेरा मजाक उड़ा रहे हैं," मिस शूस्टर-स्लैट ने पूरी तरह से हंसमुख अंदाज में कहा। "नहीं। मैं तो बस एक छोटी सी मेहनती मधुमक्खी हूँ, जो रानी मधुमक्खियों के खाने के लिए शहद इकट्ठा करती हूँ।"
“सभी परिस्थितियाँ मेरे ही विरुद्ध हैं!” हैरियट ने मन ही मन बुदबुदाया। किसी को लग सकता था कि ऑक्सफ़ोर्ड में कम से कम पीटर विम्सी और शादी के सवाल से कुछ राहत तो मिलेगी। लेकिन हालाँकि वह खुद एक बदनाम हस्ती थी, भले ही वह कोई मशहूर हस्ती न हो, यह एक परेशान करने वाली बात थी कि पीटर उससे भी कहीं ज़्यादा मशहूर हस्ती था, और इन दोनों में से लोग उसके बारे में जानने के बजाय पीटर के बारे में जानना ज़्यादा पसंद करते थे। जहाँ तक शादी की बात है—खैर, यहाँ तो यह जानने का मौका ज़रूर था कि यह सफल होती है या नहीं। क्या मैरी एटवुड (पहले स्टोक्स) होना बुरा था या मिस शूस्टर-स्लैट? क्या फ़ीबी बैनक्रॉफ्ट (पहले टकर) होना बेहतर था या मिस लिडगेट? और क्या ये सभी लोग शादीशुदा हों या अविवाहित, एक जैसे ही होते?
वह जे.सी.आर. में भटकती हुई दाखिल हुई, जो खाली था, सिवाय एक भद्दी और बेढंगी पोशाक वाली महिला के जो उदास होकर एक सचित्र अखबार पढ़ रही थी। जैसे ही हैरियट वहाँ से गुजरी, उस महिला ने ऊपर देखा और कुछ हिचकिचाते हुए कहा, "नमस्ते! आप मिस वेन हैं, है ना?"

हैरियट ने जल्दी से अपनी याददाश्त पर ज़ोर डाला। ज़ाहिर है, यह कोई उससे काफ़ी बड़ी महिला थी—वह चालीस से ज़्यादा पचास के करीब लग रही थी। आख़िर कौन?
“मुझे नहीं लगता कि आपको मैं याद हूँ,” दूसरी ने कहा। “कैथरीन फ्रीमैंटल।”
(कैथरीन फ्रीमैंटल, हे भगवान! वह तो हैरियट से सिर्फ दो साल बड़ी थी। बेहद प्रतिभाशाली, होशियार, जीवंत और अपने बैच की सर्वश्रेष्ठ छात्रा। आखिर उसे क्या हो गया था?)
“बेशक मुझे तुम याद हो,” हैरियट ने कहा, “लेकिन मैं हमेशा नामों को लेकर इतनी नासमझ रहती हूँ। तुम क्या कर रहे थे?”
कैथरीन फ्रीमैंटल ने मानो एक किसान से शादी की थी, और सब कुछ बिगड़ गया था। मंदी, बीमारी, कर, दूध बोर्ड और विपणन बोर्ड, और मुश्किल से गुज़ारा करने के लिए दिन-रात मेहनत करना और बच्चों का पालन-पोषण करना—हैरियट ने कृषि मंदी के बारे में इतना पढ़ा और सुना था कि वह जानती थी कि यह कहानी आम है। उसे इतना समृद्ध होने और दिखने पर शर्म आती थी। उसे लगता था कि कैथरीन की रोज़मर्रा की ज़िंदगी जीने के बजाय वह दोबारा ज़िंदगी भर के लिए मुक़दमा झेलना पसंद करेगी। यह अपने आप में एक गाथा थी, लेकिन बेतुकी भी। उसने अचानक ही चर्च आयुक्तों की बेरहमी के खिलाफ शिकायत करना शुरू कर दिया।
लेकिन, मिस फ्रीमैंटल—मेरा मतलब है, श्रीमती—श्रीमती बेंडिक—यह कितना बेतुका है कि आपको इस तरह के काम करने पड़ते हैं। मतलब, अपने फल खुद तोड़ना, सुबह-सुबह उठकर मुर्गियों को दाना खिलाना और किसी मजदूर की तरह गुलामी करना। यकीनन, आपके लिए किसी तरह का लेखन या बौद्धिक काम करना और किसी और से शारीरिक काम करवाना कहीं ज्यादा फायदेमंद होता।
“हां, ऐसा होता। लेकिन शुरुआत में मैंने ऐसा नहीं सोचा था। मेरे मन में श्रम की गरिमा को लेकर कई विचार आए। और इसके अलावा, उस समय मेरे पति को यह बिल्कुल पसंद नहीं आता अगर मैं उनकी रुचियों से खुद को अलग कर लेती। बेशक, हमने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा।”
कितना बड़ा नुकसान! हैरियट मन ही मन बस यही कह पाई। इतनी प्रतिभा, इतनी निपुण बुद्धि, एक ऐसे बोझ तले दबी हुई थी जिसे कोई भी अनपढ़ देहाती लड़की उठा सकती थी, और कहीं बेहतर उठा सकती थी। उसे लगा कि इसके कुछ फायदे भी होंगे। उसने सीधे-सीधे सवाल पूछ लिया।

क्या यह सब सार्थक था? श्रीमती बेंडिक ने पूछा। ओह, जी हाँ, यह निश्चित रूप से सार्थक था। यह काम करने लायक था। एक व्यक्ति धरती की सेवा कर रहा था। और उन्होंने यह बात स्पष्ट कर दी कि यह सेवा वास्तव में कठोर और संयमी थी, लेकिन कागज़ पर शब्दों को घुमाने से कहीं अधिक श्रेष्ठ थी।

"मैं यह बात मानने को तैयार हूँ," हैरियट ने कहा। "हल का फाल उस्तरे से कहीं अधिक श्रेष्ठ वस्तु है। लेकिन अगर आपकी स्वाभाविक प्रतिभा नाई बनने की है, तो क्या नाई बनना, और एक अच्छा नाई बनना, और फिर मुनाफे का इस्तेमाल (अगर आप चाहें तो) हल चलाने में करना बेहतर नहीं होगा? चाहे काम कितना भी शानदार क्यों न हो, क्या यह आपका काम है?"

"अब यही मेरा काम है," श्रीमती बेंडिक ने कहा। "पुरानी बातों को भुलाया नहीं जा सकता। उनसे नाता टूट जाता है और दिमाग सुस्त हो जाता है। अगर आपने अपना समय परिवार के लिए कपड़े धोने, खाना पकाने, आलू खोदने और मवेशियों को चारा खिलाने में बिताया होता, तो आपको पता होता कि ये सब काम दिमाग को तरोताज़ा कर देते हैं। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि मुझे आप लोगों की आरामदेह ज़िंदगी से जलन नहीं होती; होती है। मैं भावुक होकर इस चकाचौंध भरी दुनिया में आई थी, और काश मैं यहीं रुक जाती। मैं आप लोगों से दो साल बड़ी हूँ, लेकिन बीस साल की लगती हूँ। आप में से किसी को भी मेरी रुचियों की ज़रा भी परवाह नहीं है, और आपकी सारी रुचियाँ मुझे बेमतलब की लगती हैं। लगता है आपका असली ज़िंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। आप सब सपनों की दुनिया में जी रहे हैं।" वह चुप हो गईं, और उनकी गुस्से वाली आवाज़ नरम पड़ गई। लेकिन यह अपने आप में एक खूबसूरत सपना है। अब मुझे यह सोचना अजीब लगता है कि कभी मैं एक विद्वान था... पता नहीं। शायद आप सही हों। ज्ञान और साहित्य में उन्हें जन्म देने वाली सभ्यता से भी अधिक समय तक टिके रहने की क्षमता होती है।

"समय में केवल शब्द ही कायम रहता है, और कुछ नहीं। बहुत समय बाद तुम नहीं, नष्ट और मूक होकर भी नहीं टिकोगे, बल्कि कुशल वायलिन और वीणा ही कायम रहेंगे।"

हैरियट ने कहा। वह धूप में बेसुध निगाहों से देखती रही। "यह अजीब है—क्योंकि मैं भी बिल्कुल यही सोच रही थी—बस संदर्भ अलग था। देखो! मैं तुम्हारी बहुत प्रशंसा करती हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि तुम पूरी तरह गलत हो। मुझे यकीन है कि इंसान को अपना काम करना चाहिए, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, और किसी और

का काम करने के लिए खुद को मजबूर नहीं करना चाहिए, चाहे वह कितना भी नेक क्यों न हो।”
बोलते-बोलते उसे मिस डी वाइन की याद आ गई; यहाँ राजी करने का एक नया पहलू था।
"यह सब तो ठीक है," श्रीमती बेंडिक ने उत्तर दिया। "लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि शादी के समय व्यक्ति को किसी और का ही काम करना पड़ता है।"
सच है; लेकिन हैरियट को शादी के बाद ऐसी नौकरी पाने का मौका मिला जो उसकी अपनी नौकरी के लगभग बराबर थी, जिससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता था। और इतना पैसा भी मिल रहा था कि कोई भी नौकरी करना उसके लिए अनावश्यक था। एक बार फिर उसने खुद को अन्यायपूर्ण तरीके से उन लाभों से वंचित पाया, जिनकी चाहत में अधिक योग्य लोग व्यर्थ ही तरसते थे।
“मुझे लगता है,” उसने कहा, “शादी ही असल में सबसे महत्वपूर्ण काम है, है ना?”
“हाँ, ऐसा ही है,” श्रीमती बेंडिक ने कहा। “मेरी शादीशुदा ज़िंदगी खुशहाल है। लेकिन मैं अक्सर सोचती हूँ कि क्या मेरे पति के लिए किसी और तरह की पत्नी होती तो शायद उनकी ज़िंदगी बेहतर होती। वो कभी कहते नहीं, पर मुझे शक होता है। मुझे लगता है कि वो जानते हैं कि मुझे कुछ चीज़ों की कमी खलती है, और कभी-कभी उन्हें बुरा भी लगता है। मुझे नहीं पता कि मैं ये बात आपसे क्यों कह रही हूँ—मैंने ये बात कभी किसी से नहीं कही और मैं आपको ठीक से जानती भी नहीं थी, है ना?”
“नहीं; और मैंने कोई सहानुभूति भी नहीं दिखाई है। वास्तव में, मैं बेहद असभ्य रहा हूँ।”
"हाँ, बिल्कुल," श्रीमती बेंडिक ने कहा। "लेकिन आपकी आवाज़ इतनी सुरीली है कि आप इस तरह से बदतमीज़ी नहीं कर सकते।"
“हे भगवान!” हैरियट ने कहा।
“हमारा फार्म वेल्स की सीमा पर है, और यहाँ के सभी लोग बेहद भद्दी स्थानीय बोली बोलते हैं। जानते हैं मुझे यहाँ सबसे ज़्यादा घर की याद किस बात से आती है? यहाँ की सभ्य बोली से। उस प्यारे पुराने, बहुत ज़्यादा इस्तेमाल किए गए ऑक्सफ़ोर्ड लहजे से। है ना मज़ेदार?”
"मुझे लगा कि हॉल में शोरगुल किसी पिंजरे में भरे मोरों के शोरगुल जैसा था।"
“हाँ; लेकिन हॉल में से आप सही तरीके से बोलने वाले लोगों को पहचान सकते हैं। बेशक, उनमें से बहुत से लोग सही तरीके से नहीं बोलते; लेकिन कुछ बोलते हैं। आप

बोलते हैं; और आपकी आवाज़ भी बहुत सुरीली है। क्या आपको बाख कोरस के पुराने दिन याद हैं?"
क्या मैं नहीं कर सकता? क्या आपको वेल्स की सीमा पर कहीं संगीत सुनने को मिलता है? वेल्स के लोग गा सकते हैं।
"मेरे पास संगीत के लिए ज्यादा समय नहीं है। मैं बच्चों को सिखाने की कोशिश करता हूँ।"
हैरियट ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए घर-परिवार से संबंधित कुछ पूछताछ की। अंततः वह श्रीमती बेंडिक से इस उदास भावना के साथ विदा हुई कि मानो उसने किसी डर्बी विजेता को कोयले की गाड़ी से काम चलाते हुए देख लिया हो।
हॉल में रविवार का दोपहर का भोजन अनौपचारिक था। कई लोग शहर में व्यस्त होने के कारण इसमें शामिल नहीं होते थे। जो लोग आते थे, वे अपनी सुविधानुसार आते-जाते, सर्विंग हैच से अपना भोजन लेते और जहाँ भी बैठने की जगह मिलती, समूहों में बैठकर बातें करते हुए खाते थे। हैरियट ने अपने लिए ठंडे हैम की एक प्लेट ली और दोपहर के भोजन के लिए साथी की तलाश करने लगी। उसे खुशी हुई जब उसने देखा कि फोबी टकर अभी-अभी अंदर आई है और एक सहायक उसे ठंडा रोस्ट बीफ परोस रहा है। दोनों ने मिलकर एक लंबी मेज के आखिरी छोर पर बैठ गईं, जो हाई टेबल के समानांतर और बाकी मेजों से समकोण पर थी। वहाँ से वे पूरे कमरे पर, हाई टेबल और सर्विंग हैच की कतार पर भी, नज़र रख रही थीं। जैसे ही उसकी नज़र एक व्यस्त भोजन करने वाली महिला से दूसरी पर घूमी, हैरियट खुद से पूछती रही, कौन? इन सभी सामान्य और खुशमिजाज दिखने वाली महिलाओं में से किसने पिछली रात चौक में वह अप्रिय कागज गिराया था? क्योंकि आप कभी नहीं जान सकते; और न जानने की परेशानी यह थी कि आपको हर किसी पर हल्का सा शक होता था। प्राचीन शांति के स्थल बेशक ठीक थे, लेकिन काई से ढके पत्थरों के नीचे बहुत अजीबोगरीब जीव रेंगते और सरकते रहते थे। वार्डन अपनी भव्य नक्काशीदार कुर्सी पर बैठी थीं और डीन के किसी मजाक पर अपना गंभीर सिर झुकाकर मुस्कुरा रही थीं। मिस लिडगेट बड़ी विनम्रता से एक बहुत बुजुर्ग छात्रा की जरूरतों का ध्यान रख रही थीं, जो लगभग अंधी थीं। उन्होंने लड़खड़ाते पैरों से उन्हें चबूतरे की तीन सीढ़ियाँ चढ़ने में मदद की, उनके लिए खाना लाकर दिया और अब उनकी थाली में सलाद परोस रही थीं। कोषाध्यक्ष मिस स्टीवंस और आधुनिक भाषा की शिक्षिका मिस शॉ ने अपने आसपास तीन और काफी उम्रदराज और प्रतिभाशाली छात्रों को इकट्ठा किया हुआ

था; उनकी बातचीत जीवंत और मनोरंजक लग रही थी। क्लासिकल ट्यूटर मिस पाइके एक लंबी, हष्ट-पुष्ट महिला के साथ गहन चर्चा में मग्न थीं, जिसे फीबी टकर ने पहचान लिया था और हैरियट को एक प्रख्यात पुरातत्वविद् के रूप में बताया था। कुछ क्षणों की अपेक्षाकृत शांति के बीच, ट्यूटर की ऊँची आवाज़ अचानक गूंज उठी: "हेलोस में क्यूमुलस बादल एक अलग घटना प्रतीत होती है। थियोटोकोउ की सिस्ट-कब्रें..." तभी शोरगुल ने बहस को फिर से दबा दिया। दो अन्य प्रोफेसर, जिन्हें हैरियट नहीं पहचानती थीं (वे उनके समय के बाद से नए थे), अपने हाव-भाव से टोपी बनाने के बारे में चर्चा करते प्रतीत हुए। मिस हिलयार्ड, जिनकी व्यंग्यात्मक वाणी उन्हें अपने सहकर्मियों से अलग-थलग कर देती थी, धीरे-धीरे दोपहर का भोजन कर रही थीं और अपने साथ लाए एक पैम्फलेट पर नज़र डाल रही थीं। देर से आने वाली मिस डी वाइन, मिस हिलयार्ड के बगल में बैठ गईं और खालीपन पर नज़र गड़ाए हुए, उदासीन भाव से हैम खाने लगीं।

फिर हॉल में बैठे पूर्व छात्र—हर तरह के, हर उम्र के, हर तरह के पहनावे में। क्या वह पीले रंग की जिब्बा और सैंडल पहने, झुके कंधों वाली अजीब महिला थी, जिसके बाल कानों पर दो घोंघे के खोल की तरह गुंथे हुए थे? या ट्वीड के कपड़े पहने, मर्दाना दिखने वाली जैकेट और टैक्सी के पिछले हिस्से जैसे चेहरे वाला, मजबूत, घुंघराले बालों वाला व्यक्ति? या साठ साल की वह महिला, जिसकी टोपी एस्कॉट में अठारह साल की युवती पर ज्यादा जंचती? या उन अनगिनत महिलाओं में से एक, जिनके चेहरे पर दृढ़ता से हंसमुख भाव था, जैसे वे स्कूल टीचर हों? या अनिश्चित उम्र की वह साधारण महिला, जो अपनी मेज के शीर्ष पर किसी समिति की अध्यक्ष की तरह बैठी थी? या वह अजीब सी छोटी सी लड़की, जिसने भद्दा गुलाबी रंग पहना था, जो ऐसी लग रही थी मानो उसे लापरवाही से पूरी सर्दी किसी दराज में बंद करके रख दिया गया हो और बिना इस्त्री किए फिर से बाहर निकाल दिया गया हो? या फिर वो खूबसूरत, सजी-धजी पचास साल की कारोबारी महिला, जिसके हाथ हमेशा सलीके से सजे रहते थे, जो अजनबियों की बातचीत में दखल देकर उन्हें बताती थी कि उसने "बॉन्ड स्ट्रीट के पास" एक नया हेयरड्रेसिंग का सैलून खोला है? या फिर वो लंबी, थकी-हारी, दुख भरी रानी जैसी दिखने वाली महिला, जिसने काले रेशमी मोरक्कन कपड़े पहने थे और जो हैमलेट की चाची जैसी लगती थी, लेकिन असल में वो आंटी बीट्रिस थीं जो डेली मर्करी में हाउसहोल्ड कॉलम चलाती थीं? या फिर वो दुबली-पतली महिला, जिसका चेहरा घोड़े जैसा लंबा था और जिसने अपना पूरा जीवन सेटलमेंट के काम में लगा दिया था? या

फिर वो बेहद हंसमुख और चंचल सी दिखने वाली महिला, जो एक राजनीतिक सचिव की उच्च पदस्थ सचिव थी और जिसके अधीन कई सचिव काम करती थीं? चेहरे आते-जाते रहे, मानो किसी सपने में हों, सब जीवंत, सब रहस्यमय।

हॉल के निचले छोर पर एक सुनसान मेज पर आधा दर्जन छात्र बैठे थे, जो मौखिक परीक्षा के लिए अभी भी ऑक्सफोर्ड में रुके हुए थे। वे लगातार आपस में बातें कर रहे थे, मानो अपने कॉलेज में आए इन अजीबोगरीब बूढ़े लोगों को नजरअंदाज कर रहे हों, जो दस, बीस या तीस साल बाद खुद भी वैसे ही हो जाएंगे। हैरियट ने सोचा कि वे लोग बेढंगे कपड़ों में थे, सत्र के अंत में थके-हारे लग रहे थे। एक अजीब, शर्मीले चेहरे वाली, सांवली लड़की थी जिसकी आंखें पीली थीं और उंगलियां बेचैन थीं, और उसके बगल में एक सांवली, खूबसूरत लड़की थी, जिसके चेहरे पर अगर थोड़ी भी चमक होती तो लोग शहर लूट लेते; और एक अनाड़ी और अधूरा सा दिखने वाला युवक था, जिसका मेकअप बहुत खराब था, और जो लोगों का दिल जीतने की कोशिश में नाकाम रहने की दयनीय भावना रखता था। और, सबसे दिलचस्प, एक लड़की जिसका चेहरा जोशीली लौ जैसा था और जिसने बेहद अजीबोगरीब और विकृत पोशाक पहनी हुई थी, लेकिन जो एक दिन निस्संदेह दुनिया को अपने हाथों में लेगी, चाहे अच्छे के लिए हो या बुरे के लिए। बाकी सब साधारण थे, अभी तक उनमें कोई अंतर नहीं था—लेकिन हैरियट ने सोचा, साधारण लोगों का विश्लेषण करना सबसे कठिन होता है। आपको शायद ही पता चलता है कि वे वहाँ हैं, जब तक कि—धमाका! कुछ अप्रत्याशित विस्फोट होता है, जैसे कोई विस्फोटक बम फट गया हो, और आप आश्चर्यचकित रह जाते हैं, अजीब तैरते हुए मलबे को इकट्ठा करने में लग जाते हैं।

हॉल में ज़बरदस्त गुस्सा उबल रहा था, और जासूस सेवा-द्वारों से भावहीनता से सब देख रहे थे। "और वे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, यह तो भगवान ही जाने," हैरियट ने सोचा।

"क्या तुम किसी बेहद जटिल हत्या की साजिश रच रही हो?" फीबी की आवाज़ उसके कान में गूंजी। "या फिर कोई मुश्किल बहाना ढूंढ रही हो? मैंने तुमसे तीन बार कहा है कि मुझे शराब की बोतल दो।"

“मुझे माफ़ करना,” हैरियट ने कहा, जैसा उसे कहा गया था। “मैं मानव चेहरे की भेद्यता पर विचार कर रही थी।” वह हिचकिचाई, फोबी को उस अप्रिय चित्र के बारे में बताने ही वाली थी, लेकिन उसकी सहेली ने कोई और सवाल पूछ लिया और वह क्षण बीत गया।

लेकिन उस घटना ने उसे परेशान और विचलित कर दिया था। दिन में बाद में, खाली हॉल से गुजरते हुए, वह उस मैरी काउंटेस ऑफ श्रूस्बरी के चित्र को निहारने के लिए रुक गई, जिनके सम्मान में कॉलेज की स्थापना की गई थी। यह चित्र सेंट जॉन कॉलेज कैम्ब्रिज में मौजूद चित्र की एक उत्कृष्ट आधुनिक प्रतिकृति थी, और उस विचित्र, मजबूत चेहरे, उसके चिड़चिड़े होंठों और तिरछी, रहस्यमयी निगाहों ने हमेशा उसे एक अजीब आकर्षण दिया था - यहां तक कि उसके छात्र जीवन में भी, एक ऐसा दौर जब सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित मृत और दिवंगत हस्तियों के चित्रों पर श्रद्धा से अधिक व्यंग्यात्मक टिप्पणियां की जाती थीं। वह नहीं जानती थी, और वास्तव में उसने कभी यह जानने की जहमत भी नहीं उठाई थी, कि श्रूस्बरी कॉलेज ने इतनी अशुभ संरक्षिका को क्यों चुना था। बेस ऑफ हार्डविक की बेटी वास्तव में एक महान बुद्धिजीवी थी, लेकिन कुछ हद तक एक डरावनी शख्सियत भी थी; अपने पतियों के नियंत्रण से परे, टॉवर से बेपरवाह, प्रिवी काउंसिल के समक्ष तिरस्कारपूर्ण मौन, एक हठी विद्रोही, एक पक्की दोस्त और कट्टर दुश्मन, और कटुता में निपुण महिला - ऐसे युग में भी उल्लेखनीय जब बहुत कम लोग वाक्पटु होते थे। वास्तव में, वह उन सभी खतरनाक गुणों का प्रतीक प्रतीत होती थीं जो आमतौर पर एक विद्वान महिला में पाए जाते हैं। उनके पति, "महान और गौरवशाली अर्ल ऑफ श्रूस्बरी," ने घरेलू शांति को एक कीमत पर हासिल किया था; क्योंकि, बेकन ने कहा था, "उनसे भी महान कोई है, जो मेरी लेडी ऑफ श्रूस्बरी हैं।" और यह बात किसी के बारे में कहना वाकई भयानक था। मिस शूस्टर-स्लैट के वैवाहिक प्रयासों के लिए संभावनाएं निराशाजनक प्रतीत हो रही थीं, क्योंकि ऐसा लगता था कि एक महान महिला को या तो अविवाहित मरना पड़ता था, जिससे मिस शूस्टर-स्लैट को बहुत दुख हुआ, या फिर उससे भी महान पुरुष से विवाह करना पड़ता था। और इससे महान महिलाओं के विकल्प काफी सीमित हो गए, क्योंकि यद्यपि दुनिया में महान पुरुषों की कोई कमी नहीं थी, फिर भी औसत दर्जे और साधारण पुरुषों की संख्या कहीं अधिक थी। दूसरी ओर, महान पुरुष अपनी पसंद की किसी भी महिला से विवाह कर सकते थे, वे महान महिलाओं तक ही सीमित नहीं थे; वास्तव में, उनके लिए किसी साधारण महिला को चुनना भी अक्सर प्रशंसनीय और सराहनीय माना जाता था।

“हालाँकि,” हैरियट ने खुद को याद दिलाया, “एक महिला केवल एक अद्भुत पत्नी और माँ बनकर महानता या कम से कम महान ख्याति प्राप्त कर सकती है, जैसे ग्रैची की माँ; जबकि समर्पित पति और पिता बनकर महान ख्याति प्राप्त करने वाले पुरुषों को

एक हाथ की उंगलियों पर गिना जा सकता है। चार्ल्स प्रथम एक दुर्भाग्यशाली राजा थे, लेकिन एक प्रशंसनीय पारिवारिक व्यक्ति थे। फिर भी, आप उन्हें दुनिया के महान पिताओं में से एक नहीं मानेंगे, और उनके बच्चे भी पूरी तरह सफल नहीं थे। हे भगवान! एक महान पिता होना या तो बहुत कठिन है या बहुत ही दुखद रूप से कम पुरस्कृत पेशा है। जहाँ भी आपको एक महान पुरुष मिलेगा, उसके पीछे एक महान माँ या एक महान पत्नी खड़ी होगी—या ऐसा कहा जाता था। यह जानना दिलचस्प होगा कि कितनी महान महिलाओं के पीछे महान पिता और पति रहे हैं। शोध के लिए एक दिलचस्प विषय। एलिजाबेथ बैरेट? खैर, उनके पास एक महान पति थे, लेकिन वे अपने आप में महान थे—और श्री बैरेट बिल्कुल भी महान नहीं थे—ब्रोंटे बहनें? खैर, बिल्कुल नहीं। महारानी एलिजाबेथ? उनके पिता असाधारण थे, लेकिन अपनी बेटियों के प्रति समर्पित सहायता भाव उनका प्रमुख गुण नहीं था। और वह इतनी नासमझ थीं कि उन्होंने कोई पति ही नहीं चुना—महारानी विक्टोरिया? बेचारे अल्बर्ट से तो आप काफी कुछ हासिल कर सकते थे, लेकिन ड्यूक ऑफ केंट से कुछ खास नहीं कर सकते थे।
उसके पीछे हॉल से कोई गुजरा; वह मिस हिलयार्ड थीं। इस विरोधी व्यक्तित्व से कुछ प्रतिक्रिया पाने के शरारती इरादे से, हैरियट ने उनके सामने ऐतिहासिक शोध प्रबंध के लिए अपना नया विचार रखा।
"आप शारीरिक उपलब्धियों को भूल गए हैं," मिस हिलयार्ड ने कहा। "मेरा मानना है कि कई महिला गायिकाओं, नर्तकियों, चैनल तैराकों और टेनिस सितारों की सारी उपलब्धियां उनके समर्पित पिताओं की देन हैं।"
लेकिन पिता प्रसिद्ध नहीं हैं।
नहीं। विनम्र स्वभाव वाले पुरुष किसी भी लिंग के लोगों में लोकप्रिय नहीं होते। मुझे संदेह है कि आपकी साहित्यिक प्रतिभा भी उनके गुणों के लिए मान्यता प्राप्त कर पाएगी। विशेषकर यदि आप महिलाओं का चयन उनकी बौद्धिक क्षमताओं के आधार पर करते हैं। ऐसे में तो आपका शोध प्रबंध छोटा ही रह जाएगा।
"पदार्थ की कमी के कारण बजरी बन गई?"
“मुझे लगता है ऐसा ही है। क्या आप किसी ऐसे पुरुष को जानते हैं जो किसी महिला की बुद्धिमत्ता की दिल से प्रशंसा करता हो?”
“खैर,” हैरियट ने कहा, “निश्चित रूप से बहुत ज्यादा नहीं।”
"हो सकता है आपको लगे कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं," मिस हिलयार्ड ने कड़वे लहजे में कहा। "हममें से ज्यादातर लोग कभी न कभी ऐसा सोचते हैं कि हम

किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं। लेकिन आमतौर पर उस व्यक्ति का कोई न कोई निजी स्वार्थ होता है।"
"बहुत संभव है," हैरियट ने कहा। "पुरुषों के बारे में, मेरा मतलब पुरुष चरित्र के बारे में, आपकी राय कुछ खास अच्छी नहीं लगती।"
“नहीं,” मिस हिलयार्ड ने कहा, “बहुत ऊँची नहीं। लेकिन समाज पर अपना दृष्टिकोण थोपने की उनमें एक प्रशंसनीय प्रतिभा होती है। सभी महिलाएं पुरुषों की आलोचना के प्रति संवेदनशील होती हैं। पुरुष महिलाओं की आलोचना के प्रति संवेदनशील नहीं होते। वे आलोचकों को तुच्छ समझते हैं।”
"क्या आप व्यक्तिगत रूप से पुरुषों की आलोचना से नफरत करती हैं?"
मिस हिलयार्ड ने पूरे दिल से कहा, “लेकिन इससे नुकसान तो होता है। इस विश्वविद्यालय को ही देख लीजिए। सभी पुरुष महिला महाविद्यालयों के प्रति बेहद दयालु और सहानुभूतिपूर्ण रहे हैं। बिल्कुल। लेकिन आप उन्हें महिलाओं को विश्वविद्यालय के बड़े पदों पर नियुक्त करते हुए नहीं पाएंगे। यह कभी ठीक नहीं होगा। महिलाएं शायद अपने काम को आलोचना से परे तरीके से करती हों। लेकिन वे हमें अपने छोटे-मोटे खिलौनों से खेलते देखकर काफी खुश होते हैं।”
"उत्कृष्ट पिता और पारिवारिक व्यक्ति," हैरियट ने धीरे से कहा।
"उस अर्थ में—हाँ," मिस हिलयार्ड ने कहा और कुछ अप्रिय ढंग से हँस पड़ीं।
हैरियट ने सोचा, इसमें कुछ गड़बड़ है। शायद कोई निजी कहानी। निजी अनुभवों से कड़वाहट से बचना कितना मुश्किल होता है। वह जे.सी.आर. गई और आईने में खुद को देखा। इतिहास के शिक्षक की आँखों में एक ऐसी झलक थी जिसे वह अपनी आँखों में नहीं देखना चाहती थी।
रविवार शाम की प्रार्थना। कॉलेज किसी विशेष संप्रदाय से संबंधित नहीं था, लेकिन ईसाई उपासना का कोई न कोई रूप सामुदायिक जीवन के लिए आवश्यक माना जाता था। रंगीन कांच की खिड़कियों, सादे ओक की लकड़ी के पैनल और बिना सजावट वाली प्रार्थना की मेज वाला चैपल सभी संप्रदायों और उपभेदों का एक तरह से प्रतीक था। हैरियट उसकी ओर बढ़ते हुए याद आई कि उसने पिछली दोपहर से अपना गाउन नहीं देखा था, जब डीन उसे एस.सी.आर. ले गई थीं। उस पवित्रतम स्थान में बिना बुलाए प्रवेश न करने की इच्छा से, वह मिस मार्टिन की तलाश में गई, जो जाहिर तौर पर दोनों गाउन अपने कमरे में ले गई थीं। हैरियट ने गाउन पहना, जिसकी एक फड़फड़ाती आस्तीन पास की मेज से जोर से टकराई।

“दया!” डीन ने कहा, “यह क्या होता है?”
“मेरी सिगरेट की डिब्बी,” हैरियट ने कहा। “मुझे लगा था कि वो खो गई है। अब याद आया। कल मेरे पास जेब नहीं थी, इसलिए मैंने उसे अपने गाउन की आस्तीन में ठूंस दिया था। आखिर ये आस्तीनें इसी काम के लिए तो होती हैं, है ना?”
“ओह, मेरी प्यारी! टर्म के अंत तक मेरी आस्तीनें हमेशा गंदे कपड़ों के थैले जैसी हो जाती हैं। जब दराज में एक भी साफ रुमाल नहीं बचता, तो मेरी स्काउट मेरी गाउन की आस्तीनें निकाल देती है। सबसे ज़्यादा मैंने 22 आस्तीनें निकाली थीं—लेकिन तब मुझे एक हफ्ते ज़ुकाम हो गया था। कितना गंदा कपड़ा है। ये रही तुम्हारी टोपी। हुड लेने की ज़रूरत नहीं—तुम इसे वापस यहीं से ले सकती हो। आज क्या कर रही थी?—मैंने तुम्हें मुश्किल से ही देखा है।”
एक बार फिर हैरियट को उस अप्रिय चित्र का ज़िक्र करने की इच्छा हुई, लेकिन उसने खुद को रोक लिया। उसे लगा कि वह इस बारे में कुछ ज़्यादा ही सोच रही है। आखिर इसके बारे में सोचना ही क्यों? उसने मिस हिलयार्ड के साथ हुई अपनी बातचीत का ज़िक्र किया।
“अरे!” डीन ने कहा। “ये तो मिस हिलयार्ड का शौक है। बकवास, जैसा कि मिसेज गैम्प कहती थीं। ज़ाहिर है, पुरुषों को अपनी नाक ठूंसे जाना पसंद नहीं होता—किसे पसंद होता है? मुझे लगता है कि हमें उनकी यूनिवर्सिटी में दखल देने देना उनकी बड़ी नेकदिली है, भगवान उनका भला करे। वे सैकड़ों सालों से मालिक और सरदार बने रहे हैं और उन्हें बदलाव को अपनाने में थोड़ा समय चाहिए। अरे, एक आदमी को नई टोपी पहनने में महीनों लग जाते हैं। और जब आप उसे कबाड़ में बेचने की तैयारी कर रहे होते हैं, तो वो कहता है, ‘ये टोपी तो बड़ी अच्छी है, कहां से ली?’ और आप कहते हैं, ‘मेरे प्यारे हेनरी, ये वही है जो मैंने पिछले साल पहनी थी और आपने कहा था कि इसे पहनकर मैं किसी ऑर्गन ग्राइंडर के बंदर जैसी दिखती हूं।’ मेरे जीजाजी हर बार यही कहते हैं, और इससे मेरी बहन बहुत गुस्सा हो जाती है।”
वे चैपल की सीढ़ियों पर चढ़ गए।
आखिरकार, यह उतना बुरा नहीं था। निश्चित रूप से उतना बुरा नहीं जितना किसी ने सोचा था। हालांकि, यह जानकर थोड़ा दुख हुआ कि मैरी स्टोक्स से हमारा लगाव कम हो गया था, और एक तरह से थोड़ा उबाऊ भी था कि मैरी स्टोक्स इस बात को मानने से इनकार कर रही थीं। हैरियट को बहुत पहले ही पता चल गया था कि किसी को सिर्फ इसलिए पसंद करना बेहतर नहीं हो जाता कि वह बीमार है या मर गया है—और

उससे भी कम इसलिए कि हमने कभी उसे बहुत पसंद किया था। कुछ खुशकिस्मत लोग इस बात को जाने बिना ही जीवन गुजार लेते हैं, और वे ही लोग "सच्चे" कहलाते हैं। फिर भी, कुछ पुराने दोस्त थे जिनसे दोबारा मिलकर खुशी हुई, जैसे डीन और फोबे टकर। और सच में, सभी लोग बेहद अच्छे थे। उनमें से कुछ "विम्सी" के बारे में थोड़े जिज्ञासु और नादान थे, लेकिन निस्संदेह उनकी मंशा अच्छी ही थी। मिस हिलयार्ड शायद अपवाद थीं, लेकिन मिस हिलयार्ड के बारे में हमेशा कुछ न कुछ अजीब और असहज सा लगता था।

जैसे ही कार चिल्टर्न्स की पहाड़ियों से गुजरी, हैरियट ने डीन और बर्सर के साथ हुई अपनी विदाई की बातचीत के बारे में सोचकर मन ही मन मुस्कुरा दिया।

"जल्द ही हमारे लिए एक नई किताब जरूर लिखिएगा। और याद रखिएगा, अगर कभी श्रूस्बरी में कोई रहस्य सामने आता है तो हम आपको उसे सुलझाने के लिए बुलाएंगे।"

“ठीक है,” हैरियट ने कहा। “जब तुम्हें गोदाम में कोई क्षत-विक्षत लाश मिले, तो मुझे तार भेजना—और यह सुनिश्चित करना कि मिस बार्टन को लाश देखने को मिले, ताकि उन्हें हत्यारी को न्याय के कटघरे में लाने में कोई आपत्ति न हो।”

और मान लीजिए कि उन्हें सचमुच बटररी में एक खून से लथपथ लाश मिल जाती, तो वे सब कितने हैरान होते! कॉलेज की शान यही थी कि उसमें कभी कोई बड़ी घटना नहीं घटित होती थी। सबसे भयानक बात जो हो सकती थी, वह यही थी कि कोई स्नातक छात्र "गलत रास्ते पर मुड़ जाए"। किसी कुली द्वारा एक-दो पार्सल चुरा लेना भी पूरे सीनियर कॉमन रूम को स्तब्ध करने के लिए काफी था। भगवान भला करे उनका, वे सब कितने ताज़गी भरे, सुकून देने वाले और अच्छे थे, अपने प्राचीन बीच के पेड़ों के नीचे टहलते हुए और काई मी ऑन और महारानी एलिजाबेथ के वित्त के बारे में सोचते हुए।

“मैंने शुरुआत कर दी है,” उसने ज़ोर से कहा, “और पानी उतना ठंडा नहीं था जितना सोचा था। मैं समय-समय पर वापस आती रहूँगी। मैं ज़रूर वापस आऊँगी।” उसने दोपहर के भोजन के लिए एक अच्छा सा पब चुना और बड़े चाव से खाना खाया। तभी उसे याद आया कि सिगरेट का डिब्बा अभी भी उसके गाउन में है। वह गाउन को अपनी बांह पर रखकर अंदर आई थी, और अपनी लंबी आस्तीन के नीचे हाथ डालकर उसने डिब्बा निकाला। उसके साथ एक कागज़ का टुकड़ा निकला—एक साधारण

कागज़ जिसे चार बार मोड़ा गया था। उसे खोलते ही उसे एक अप्रिय याद आई और उसका चेहरा सिकुड़ गया।
उस पर एक संदेश चिपकाया गया था, जो जाहिर तौर पर किसी अखबार की सुर्खियों से काटे गए अक्षरों से बना था।

तुम घिनौनी हत्यारिन! क्या तुम्हें अपना चेहरा दिखाने में शर्म नहीं आती?

“अरे बाप रे!” हैरियट बोली। “ऑक्सफ़ोर्ड, तुम भी?” वह कुछ पल चुपचाप बैठी रही। फिर उसने माचिस जलाई और कागज़ में आग लगा दी। वह तेज़ी से जलने लगा, जब तक कि उसे मजबूर होकर उसे अपनी थाली में नहीं गिराना पड़ा। तब भी, चटकती हुई काली सतह पर अक्षर धुंधले दिखाई दे रहे थे, जब तक कि उसने चम्मच के पिछले हिस्से से उनके धुंधले आकार को पीसकर चूर-चूर नहीं कर दिया।

**अध्याय 4**

हे प्रेम, तू मुझे उतना अपमानित नहीं कर सकता, जितना मैं स्वयं को अपमानित करूँगा: तेरी इच्छा जानकर, मैं तेरे साथ अपना रिश्ता तोड़ दूँगा और अजनबी जैसा व्यवहार करूँगा, तेरे साथ चलना छोड़ दूँगा, और मेरी ज़बान पर मेरे प्रियतम का नाम फिर कभी नहीं आएगा, कहीं ऐसा न हो कि मैं, बहुत अपवित्र होकर, कुछ गलत कर दूँ और शायद हमारे पुराने परिचय के बारे में बता दूँ।

—विलियम शेक्सपियर

जीवन में कुछ ऐसी घटनाएँ होती हैं जो समय और मनोदशा के संयोगवश प्रतीकात्मक महत्व प्राप्त कर लेती हैं। श्रूस्बरी गौडी में हैरियट की उपस्थिति भी इसी प्रकार की थी। कुछ छोटी-मोटी विसंगतियों और बेतुकी बातों के बावजूद, इसका एक निश्चित महत्व था; इसने उसके सामने एक पुरानी इच्छा को फिर से प्रकट कर दिया था, जो लंबे समय से निरर्थक कल्पनाओं के जंगल में छिपी हुई थी, लेकिन अब एक पहाड़ी पर बने मीनार की तरह स्पष्ट रूप से खड़ी थी। दो वाक्य उसके कानों में गूंज रहे थे: डीन का, "वास्तव में मायने तो वह काम रखता है जो तुम कर रही हो"; और शाश्वत हानि के लिए वह उदास विलाप: "एक समय था जब मैं एक विद्वान थी।"

“समय है,” निर्भीक सिर ने कहा; “समय था; समय बीत चुका है।” फिलिप बॉयस मर चुका था; और उसकी मृत्यु की उस भयानक आधी रात को सता रहे बुरे सपने धीरे-धीरे धुंधले पड़ रहे थे। अपने अंध-नियंत्रित सहज ज्ञान से उस काम को पकड़े हुए, जिसे करना ही था, वह किसी तरह एक अस्थिर स्थिरता की ओर लौट आई थी। क्या अब

पूरी तरह से स्पष्ट दृष्टि और शांत मन प्राप्त करने में बहुत देर हो चुकी थी? और अगर ऐसा था, तो वह उस शक्तिशाली बंधन का क्या करे जो उसे अब भी कड़वे अतीत से अटूट रूप से बांधे हुए था? पीटर विम्सी का क्या होगा?

पिछले तीन वर्षों में उनके संबंध विचित्र रहे थे। विल्वरकोम्ब में उस भयावह मामले की संयुक्त रूप से जांच करने के तुरंत बाद, हैरियट को लगा कि असहनीय होती जा रही स्थिति को सुधारने के लिए कुछ करना आवश्यक है। इसलिए उन्होंने अपनी एक पुरानी योजना को अंजाम दिया, जो अब एक लेखिका के रूप में उनकी बढ़ती प्रतिष्ठा और आय के कारण संभव हो पाई थी। एक महिला मित्र को साथी और सचिव के रूप में साथ लेकर, वह इंग्लैंड छोड़कर यूरोप की यात्रा पर निकल पड़ीं, कभी यहाँ तो कभी वहाँ, जहाँ उनका मन करता या किसी कहानी के लिए उपयुक्त पृष्ठभूमि मिल जाती। आर्थिक दृष्टि से यह यात्रा सफल रही। उन्होंने दो पूर्ण उपन्यासों के लिए सामग्री एकत्र की, जिनके दृश्य क्रमशः मैड्रिड और कार्कासोन में रचे गए थे, और हिटलर के शासन वाले बर्लिन में जासूसी कारनामों से संबंधित लघु कहानियों की एक श्रृंखला और कई यात्रा लेख भी लिखे; इस प्रकार उन्होंने अपनी तिजोरी को पर्याप्त रूप से भर दिया। प्रस्थान से पहले, उन्होंने विम्सी से लेखन न करने का अनुरोध किया था। उन्होंने इस निषेध को अप्रत्याशित विनम्रता से स्वीकार कर लिया था।

“मैं समझ गया। बहुत अच्छा। आपका दिन मंगलमय हो। अगर कभी आपको मेरी ज़रूरत पड़े, तो आप ओल्ड फर्म को हमेशा की तरह उसी स्टॉल पर पाएंगे।”

उसने कभी-कभार अंग्रेज़ी अख़बारों में उसका नाम देखा था, बस इतना ही। अगले जून की शुरुआत में, वह घर लौट आई, यह सोचकर कि इतने लंबे अंतराल के बाद, रिश्ते को सौहार्दपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से समाप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। इस समय तक वह भी शायद उतना ही शांत और राहत महसूस कर रहा था जितना वह कर रही थी। लंदन लौटते ही, वह मेक्लेनबर्ग स्क्वायर में एक नए फ्लैट में रहने लगी और कारकासोन के उपन्यास पर काम करने में जुट गई।

वापसी के कुछ ही समय बाद एक छोटी सी घटना ने उन्हें अपनी प्रतिक्रियाओं को परखने का अवसर दिया। वह एक चतुर युवा लेखिका और उनके वकील पति के साथ एस्कॉट गईं—कुछ मनोरंजन के लिए और कुछ इसलिए कि वह अपनी एक लघु कहानी के लिए स्थानीय रंग लेना चाहती थीं, जिसमें एक दुर्भाग्यपूर्ण व्यक्ति को शाही परिसर में अचानक मर जाना था, ठीक उस रोमांचक क्षण में जब सभी की निगाहें दौड़ के समापन पर टिकी थीं। इसलिए, बाहर से उन पवित्र परिसरों का अवलोकन करते

हुए, हैरियट ने देखा कि स्थानीय रंग में एक पतले कंधे शामिल थे जो बेहद आकर्षक लग रहे थे और एक प्रसिद्ध तोते जैसी आकृति लिए हुए थे, जो हल्के भूरे रंग की टोपी के तीव्र पीछे की ओर झुकाव से और भी स्पष्ट हो गई थी। गर्मियों की टोपियों का एक समूह इस आकृति के चारों ओर लहरा रहा था, जिससे यह गुलाब के गुलदस्ते में एक थोड़े विचित्र लेकिन महंगे ऑर्किड जैसा लग रहा था। सभी के हाव-भाव से हैरियट समझ गई कि गर्मियों की टोपियाँ बनाने वाले लोग बहुत ही कम कीमत वाले और असंभव बाहरी लोगों को चुन रहे थे, और टोपी बनाने वाला उनके निर्देशों को हँसी-मज़ाक के साथ सुन रहा था। खैर, उसका ध्यान तो लगा हुआ था।

“बहुत बढ़िया,” हैरियट ने सोचा; “इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।” वह अपने मन की असाधारण शांति का आनंद लेते हुए घर लौटी। तीन दिन बाद, सुबह के अखबार में पढ़ते समय कि एक साहित्यिक भोज में आए मेहमानों में “प्रसिद्ध जासूसी उपन्यास लेखिका मिस हैरियट वेन” भी शामिल थीं, तभी टेलीफोन की घंटी बजी। एक परिचित आवाज ने अजीब सी कर्कशता और अनिश्चितता के साथ कहा:

“मिस हैरियट वेन?... क्या आप हैं, हैरियट? मैंने देखा कि आप वापस आ गई हैं। क्या आप एक शाम मेरे साथ भोजन करेंगी?”

कई संभावित उत्तर थे; उनमें से एक दमनकारी और परेशान करने वाला उत्तर था, "कृपया बताएं, कौन बोल रहा है?" अप्रस्तुत और स्वभाव से ईमानदार होने के कारण, हैरियट ने कमजोर स्वर में उत्तर दिया:

“ओह, धन्यवाद, पीटर। लेकिन मुझे नहीं पता कि...”

“क्या?” आवाज ने व्यंग्य भरे लहजे में कहा। “कोक्सिग्रुस के आने तक की हर रात बुक हो चुकी है?”

"बिल्कुल नहीं," हैरियट ने कहा, वह बिल्कुल भी घमंडी और लोगों के बीच लोकप्रिय हस्ती होने का दिखावा नहीं करना चाहती थी।

"तो फिर बताओ कब।"

"मैं आज रात खाली हूँ," हैरियट ने कहा, यह सोचते हुए कि सूचना की कम अवधि के कारण शायद उसे पहले से तय कार्यक्रम का बहाना बनाना पड़े।

“बहुत बढ़िया,” उसने कहा। “मैं भी वैसा ही हूँ। हम आज़ादी का स्वाद चखेंगे। वैसे, आपने अपना फ़ोन नंबर बदल लिया है।”

“हां—मैंने एक नया फ्लैट ले लिया है।”

“क्या मैं आपको बुलाऊं? या आप मुझसे फेरारा में शाम 7 बजे मिलेंगे?”

"फेरारा के यहाँ?"
जी हाँ। सात बजे, अगर यह बहुत जल्दी न हो तो। फिर हम एक शो देखने जा सकते हैं, अगर आपको इसमें दिलचस्पी हो। तो बस आज शाम तक के लिए। धन्यवाद।
उसके विरोध करने से पहले ही उसने फोन रख दिया। फेरारा की दुकान वो जगह नहीं थी जिसे वो चुनती। वो जगह फैशनेबल और दिखावटी दोनों थी। हर कोई जो वहाँ जा सकता था, वहाँ जाता था; लेकिन उसके शुल्क इतने ज़्यादा थे कि फिलहाल कम से कम वहाँ भीड़ न हो, यही ठीक था। इसका मतलब था कि अगर आप वहाँ जाते तो सब आपको देख लेते। अगर किसी से रिश्ता तोड़ना हो, तो फेरारा की दुकान पर जाकर उसके साथ दिखना शायद सबसे अच्छा तरीका नहीं था।
अजीब बात है कि यह पहली बार था जब वह पीटर विम्सी के साथ वेस्ट एंड में भोजन कर रही थीं। अपने मुकदमे के बाद पहले एक साल तक, वह कहीं भी जाना नहीं चाहती थीं, भले ही तब उनके पास मंच पर जाने के लिए उपयुक्त पोशाकें खरीदने की क्षमता होती। उन दिनों, वह उन्हें सोहो के शांत और बेहतर रेस्तरां में ले जाते थे, या अक्सर, रूठी हुई और विद्रोही मुद्रा में, उन्हें कार में बिठाकर सड़क किनारे के ऐसे ढाबों में ले जाते थे जहाँ अच्छे रसोइये होते थे। वह इतनी उदास थीं कि इन सैर-सपाटे को मना नहीं कर पाती थीं, जिससे शायद उन्हें उदासी से कुछ हद तक राहत मिली, हालाँकि उनके मेज़बान की शांत प्रसन्नता का जवाब अक्सर कड़वे या कष्टदायक शब्दों से ही मिलता था। पीछे मुड़कर देखने पर, वह उनकी सहनशीलता से उतनी ही चकित थीं जितनी उनकी दृढ़ता से परेशान।
फेरारा में उन्होंने उसका स्वागत उसी पुरानी, चुटीली, तिरछी मुस्कान और सहज वाक्पटुता के साथ किया, लेकिन उनके व्यवहार में पहले की तुलना में अधिक औपचारिक शिष्टाचार था। उन्होंने उसकी विदेश यात्राओं की कहानी को रुचिपूर्वक, और वास्तव में उत्सुकता से सुना; और उसने पाया (जैसा कि अपेक्षित था) कि यूरोप का नक्शा उनके लिए जाना-पहचाना था। उन्होंने अपने अनुभव से कुछ मनोरंजक घटनाएँ सुनाईं और आधुनिक जर्मनी में जीवन की स्थितियों पर कुछ जानकारीपूर्ण टिप्पणियाँ भी कीं। वह यह देखकर आश्चर्यचकित रह गई कि वह अंतरराष्ट्रीय राजनीति की बारीकियों से इतने भलीभांति परिचित थे, क्योंकि उसने सार्वजनिक मामलों में उनकी किसी विशेष रुचि की उम्मीद नहीं की थी। उसने खुद को ओटावा सम्मेलन की संभावनाओं के बारे में उनसे गरमागरम बहस करते हुए पाया, जिसके बारे में उन्हें कोई विशेष आशा नहीं थी; और जब तक वे कॉफी के लिए पहुँचे, वह निरस्त्रीकरण के

बारे में उनके कुछ गलत विचारों को दूर करने के लिए इतनी उत्सुक थी कि वह यह पूरी तरह से भूल गई थी कि वह उनसे किस इरादे से (यदि कोई हो) मिलने आई थी। थिएटर में उसने समय-समय पर खुद को याद दिलाया कि कुछ निर्णायक बात कही जानी चाहिए; लेकिन बातचीत का माहौल इतना ठंडा बना रहा कि नए विषय को शुरू करना मुश्किल हो गया।

नाटक समाप्त होने के बाद, उसने उसे टैक्सी में बिठाया, ड्राइवर से पता पूछा, उसे घर छोड़ने की औपचारिक अनुमति मांगी और उसके बगल में बैठ गया। यही वह क्षण था; लेकिन वह लंदन की जॉर्जियाई वास्तुकला के बारे में सुखद बातें कर रहा था। जब वे गिलफोर्ड स्ट्रीट पर दौड़ रहे थे, तभी उसने (कुछ देर रुकने के बाद, जिस दौरान वह आगे बढ़ने का मन बना रही थी) उससे पहले ही कह दिया:

"हैरियट, मेरा मानना है कि आपके पास मुझे देने के लिए कोई नया जवाब नहीं है?"

“नहीं, पीटर। मुझे माफ करना, लेकिन मैं और कुछ नहीं कह सकता।”

“ठीक है। चिंता मत करो। मैं परेशानी पैदा करने की कोशिश नहीं करूंगा। लेकिन अगर आप कभी-कभी मुझे बर्दाश्त कर लें, जैसा कि आपने आज रात किया है, तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा।”

मुझे नहीं लगता कि यह आपके लिए बिल्कुल भी उचित होगा।

“अगर यही एकमात्र कारण है, तो इसका सबसे अच्छा जानकार मैं ही हूँ।” फिर, अपने हमेशा के व्यंग्य भरे लहजे में: “पुरानी आदतें आसानी से नहीं छूटतीं। मैं पूरी तरह सुधरने का वादा नहीं करता। आपकी अनुमति से, मैं नियमित अंतराल पर आपको प्रस्ताव देता रहूँगा—जन्मदिन पर, गाय फॉक्स दिवस पर, और राजा के राज्याभिषेक की वर्षगांठ पर। लेकिन इसे महज़ एक औपचारिकता समझें। आपको इस पर ज़रा भी ध्यान देने की ज़रूरत नहीं है।”

"पीटर, इस तरह चलते रहना मूर्खता है।"

और हां, मूर्खों के पर्व पर भी।

"बेहतर होगा कि आप इस सब के बारे में भूल जाएं—मुझे उम्मीद थी कि आपने ऐसा ही किया होगा।"

मेरी याददाश्त बेहद अनियमित है। यह वो काम करती है जो इसे नहीं करने चाहिए और वो काम अधूरे छोड़ देती है जो इसे करने चाहिए थे। लेकिन इसने अभी तक पूरी तरह से काम करना बंद नहीं किया है।

टैक्सी आकर रुकी और ड्राइवर ने उत्सुकता से चारों ओर देखा। विम्सी ने उसे चाबी सौंपी और चाबी सुलझाने तक गंभीर मुद्रा में इंतजार किया। फिर उसने चाबी उससे ली, उसके लिए दरवाजा खोला, शुभ रात्रि कहा और चला गया।

पत्थर की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए, उसे एहसास हुआ कि इस स्थिति में उसका भागना व्यर्थ था। वह फिर से दुविधा और संकट के पुराने जाल में फंस गई थी। उसमें, ऐसा प्रतीत हुआ कि कुछ बदलाव आया था; लेकिन इससे उसके साथ व्यवहार करना आसान नहीं हुआ था।

उन्होंने अपना वादा निभाया था और उन्हें बहुत कम परेशान किया था। वे अक्सर शहर से बाहर रहते थे, मुकदमों में व्यस्त रहते थे, जिनमें से कुछ अखबारों में छपते थे, जबकि अन्य चुपचाप गुमनामी में गुम हो जाते थे। छह महीने तक वे खुद देश से बाहर रहे, और "कामकाज" के अलावा कोई और वजह नहीं बताई। एक गर्मी में, वे एक अजीब मामले में उलझ गए थे, जिसके चलते उन्होंने एक विज्ञापन एजेंसी में नौकरी कर ली थी। उन्हें दफ्तर का जीवन मनोरंजक लगा था; लेकिन मामला एक अजीब और दर्दनाक अंजाम पर आकर रुका। एक शाम वे पहले से तय डिनर के लिए आए थे, लेकिन जाहिर तौर पर न तो खाने की हालत में थे और न ही बात करने की। आखिरकार उन्होंने सिरदर्द और बुखार का बहाना बनाया और खुद किसी से घर जाने को कहा। वे इतनी चिंतित हो गईं कि जब तक वे अपने फ्लैट में सुरक्षित नहीं पहुंच गए और बंटर के भरोसे नहीं रह गए, तब तक वे उन्हें छोड़कर नहीं गईं। बंटर ने उन्हें दिलासा दिया: परेशानी बस एक प्रतिक्रिया थी—जो किसी मुश्किल मामले के अंत में अक्सर होती है, लेकिन जल्दी ही ठीक हो जाती है। एक या दो दिन बाद, मरीज ने फोन किया, माफी मांगी और एक नई अपॉइंटमेंट ली, जिस पर उसने काफी उत्साह दिखाया।

इससे पहले हैरियट ने कभी उसके घर की दहलीज पार नहीं की थी। न ही उसने कभी मेक्लेनबर्ग स्क्वायर की एकांतता का उल्लंघन किया था। दो-तीन बार शिष्टाचारवश उसने उसे अंदर आने का न्योता दिया था, लेकिन उसने हमेशा कोई न कोई बहाना बना दिया था, और वह समझ गई थी कि वह कम से कम उस जगह को उसके लिए किसी भी असहज स्थिति से मुक्त रखना चाहता है। यह स्पष्ट था कि उसका इरादा खुद को अलग-थलग करके अधिक महत्व देने का नहीं था: बल्कि वह किसी बात की भरपाई करने की कोशिश कर रहा था। वह औसतन हर तीन महीने में एक बार शादी का प्रस्ताव रखता था, लेकिन इस तरह से कि दोनों पक्षों में से किसी को भी कोई

आपत्ति न हो। एक दिन, अप्रैल के पहले दिन, पेरिस से एक ही लैटिन वाक्य में प्रश्न आया, जो निराशाजनक ढंग से शुरू हुआ। "नम...?" - एक ऐसा शब्द जो कुख्यात रूप से "नहीं" उत्तर की अपेक्षा रखता है। हैरियट ने व्याकरण की किताब में "विनम्र नकारात्मक" वाक्यों को खोजते हुए, और भी संक्षिप्त रूप से उत्तर दिया, "बेनिग्ने।"
ऑक्सफ़ोर्ड की अपनी यात्रा को याद करते हुए, हैरियट ने पाया कि इसका उस पर बेचैनी भरा प्रभाव पड़ा था। वह विम्सी को उसी तरह सहजता से लेने लगी थी, जैसे कोई गोला-बारूद कारखाने में डायनामाइट को सहजता से लेता है। लेकिन यह जानकर कि उसका नाम सुनते ही उसके भीतर ऐसे विस्फोट हो सकते हैं—कि वह दूसरों के मुख से उसकी प्रशंसा या निंदा सुनकर एक ही समय में इतनी तीव्र आक्रोशित हो सकती है—उसके मन में यह आशंका जागृत हुई कि डायनामाइट शायद अभी भी डायनामाइट ही है, चाहे लंबे समय से चली आ रही परंपरा के कारण वह कितना भी हानिरहित क्यों न दिखने लगे।
उसके बैठक कक्ष के शेल्फ पर पीटर की छोटी और थोड़ी मुश्किल लिखावट में एक नोट रखा था। उसमें लिखा था कि उसे चीफ इंस्पेक्टर पार्कर ने बुलाया है, जो उत्तरी इंग्लैंड में एक हत्या के मामले में मुश्किल में फंसे हुए हैं। इसलिए उन्हें उस सप्ताह के लिए अपनी मुलाकात रद्द करनी पड़ रही है। क्या वह उन टिकटों का उपयोग करके उनकी मदद कर सकती हैं, जिनका उपयोग करने के लिए उनके पास समय नहीं है?
हैरियट ने अपने आखिरी सावधानी भरे वाक्य पर होंठ सिकोड़ लिए। उनकी जान-पहचान के पहले साल में एक भयानक घटना हुई थी, जब उसने उसे क्रिसमस का तोहफा भेजने की हिम्मत की थी और उसने अपमानित होकर उसे करारा जवाब देते हुए लौटा दिया था। तब से वह उसे कभी भी कोई ऐसी चीज़ देने से बचता था जिसे भौतिक उपहार माना जा सके। अगर किसी भी क्षण उसका देहांत हो जाता, तो उसके पास उसकी याद दिलाने वाली कोई चीज़ नहीं थी। अब उसने टिकट उठाए और उन्हें लेकर दुविधा में पड़ गई। वह उन्हें किसी को दे सकती थी, या खुद जाकर अपने साथ एक दोस्त को ले जा सकती थी। कुल मिलाकर, उसने सोचा कि वह बैंक्वियो के भूत की तरह किसी और से बगल की सीट के लिए झगड़ा करते हुए प्रदर्शन देखना नहीं चाहती। उसने टिकट एक लिफाफे में डाले, उसे एस्कॉट ले जाने वाले विवाहित जोड़े को भेज दिए, और फिर लिफाफे को फाड़कर कूड़ेदान में डाल दिया। इस तरह बैंक्वियो से छुटकारा पाकर उसने चैन की सांस ली और दिन की अगली परेशानी से निपटने के लिए मुड़ गई।

यह तीन अन्य पुस्तकों का नए संस्करण के लिए संशोधन था। अपनी रचनाओं को दोबारा पढ़ना आमतौर पर नीरस होता है; और जब उसने अपना काम पूरा कर लिया, तो वह पूरी तरह से थकी हुई और खुद से असंतुष्ट महसूस कर रही थी। पुस्तकें ठीक थीं, जहाँ तक वे पढ़ी जा सकती थीं; बौद्धिक अभ्यास के रूप में, वे उत्कृष्ट भी थीं। लेकिन उनमें कुछ कमी थी; अब उसे ऐसा लग रहा था मानो उन्हें किसी मानसिक संकोच के साथ लिखा गया हो, मानो अपने विचारों और व्यक्तित्व को छिपाकर रखा गया हो। उसने दो पात्रों के बीच वैवाहिक जीवन पर हुई चतुर और सतही चर्चा को अरुचि से देखा। अगर उसे अपने आप को उजागर करने का डर न होता, तो वह इसे कहीं बेहतर बना सकती थी। उसे जो बात रोक रही थी, वह थी चीजों के बीच में होने का एहसास, चीजों के बहुत करीब होना, वास्तविकता से दबाव और उत्पीड़न का शिकार होना। अगर वह खुद से अलग रहने में सफल हो जाती, तो उसे आत्मविश्वास और बेहतर नियंत्रण प्राप्त हो जाता। यही वह महान गुण था जिसमें—अपनी सभी सीमाओं के बावजूद—विद्वान खुद को भाग्यशाली मान सकता था: एक ही दृष्टि, जो विषय पर केंद्रित हो, निजी विचारों और चमक से धुंधली या विचलित न हो। "सचमुच निजी?" हैरियट ने मन ही मन बुदबुदाते हुए अपने प्रूफ को चिढ़कर भूरे कागज पर पटक दिया।

“जब तुम अकेले हो, तब भी तुम अकेले नहीं हो, हे ईश्वर, मैं तुमसे एकांत में रह सकूँ!”

उसे इस बात की बेहद खुशी थी कि उसने थिएटर के टिकटों से छुटकारा पा लिया था। इसलिए जब विम्सी आखिरकार उत्तर की अपनी यात्रा से लौटे, तो वह उनसे आक्रामक भाव से मिलने गईं। उन्होंने उन्हें अपने साथ भोजन करने के लिए आमंत्रित किया था, इस बार ईगोटिस्ट्स क्लब में—जो एक असामान्य स्थान था। रविवार की रात थी और कमरा खाली था। उन्होंने ऑक्सफोर्ड की अपनी यात्रा का जिक्र किया और इस अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें उन होनहार विद्वानों की एक सूची सुनाई, जो अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट थे लेकिन बाद में विवाह के कारण गुमनाम हो गए। उन्होंने विनम्रतापूर्वक सहमति व्यक्त की कि ऐसी चीजें होती रहती हैं, और अक्सर होती हैं, और एक बहुत ही प्रतिभाशाली चित्रकार का उदाहरण दिया, जो सामाजिक रूप से महत्वाकांक्षी पत्नी के दबाव में अब अकादमी के लिए चित्र बनाने वाली एक कुशल मशीन बन गया था।

“कभी-कभी, बेशक,” उन्होंने भावहीनता से कहा, “साथी महज़ ईर्ष्यालु या स्वार्थी होता है। लेकिन ज़्यादातर मामलों में यह सरासर मूर्खता होती है। उनका ऐसा कोई इरादा

नहीं होता। यह आश्चर्यजनक है कि साल के अंत से दूसरे साल तक कितने कम लोग किसी बात का कोई निश्चित अर्थ रखते हैं।”
"मुझे नहीं लगता कि वे इसमें कुछ कर सकते थे, चाहे उनका इरादा कुछ भी रहा हो। यह दूसरों के व्यक्तित्व का दबाव है जो गड़बड़ी पैदा करता है।"
“हाँ। नेक इरादे कोई सुरक्षा नहीं देते। बेशक, कभी नहीं देते। आप कह सकते हैं कि आप किसी दूसरे व्यक्ति की आत्मा में दखल नहीं देंगे, लेकिन आप देते हैं—सिर्फ़ अपने अस्तित्व से। असल समस्या तो अस्तित्वहीन होने की व्यावहारिक कठिनाई में है। मेरा मतलब है, हम सब यहाँ हैं, और हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं?”
“खैर, मुझे लगता है कि कुछ लोग व्यक्तिगत संबंधों को अपना जीवन-लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं। अगर ऐसा है, तो यह उनके लिए ठीक है। लेकिन बाकी लोगों का क्या?”
“थका देने वाला है ना?” उसने मुस्कुराते हुए कहा, जिससे उसे चिढ़ हो गई। “क्या तुम्हें लगता है कि उन्हें इंसानी संपर्क पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए? यह आसान नहीं है। हमेशा कोई न कोई कसाई, बेकर, मकान मालकिन या कोई न कोई ऐसा होता है जिससे जूझना पड़ता है। या फिर समझदार लोगों को चुपचाप बैठे रहना चाहिए और दयालु लोगों को उनकी देखभाल करने देना चाहिए?”
वे अक्सर ऐसा करते हैं।
“हाँ, ऐसा ही है।” पाँचवीं बार उसने वेटर को हैरियट का नैपकिन लाने के लिए बुलाया। “प्रतिभाशाली लोग बुरे पति क्यों बनते हैं, और ये सब बातें? लेकिन उन लोगों के बारे में क्या करोगे जो दिल और दिमाग दोनों से अभिशप्त हैं?”
मुझे खेद है कि मुझसे चीजें बार-बार गिर रही हैं; यह रेशम बहुत फिसलन भरा है। खैर, यही तो समस्या है, है ना? मुझे लगने लगा है कि उन्हें चुनना ही होगा।
"समझौता नहीं?"
मुझे नहीं लगता कि यह समझौता कारगर होगा।
"काश मैं यह देख पाता कि कोई अंग्रेज व्यक्ति समझौते के विरुद्ध निंदा कर रहा हो!"
"ओह, मैं पूरी तरह से अंग्रेज नहीं हूँ। मुझमें कहीं न कहीं स्कॉटिश और आयरिश अंश भी छिपे हुए हैं।"
“इससे साबित होता है कि तुम अंग्रेज़ हो। कोई और नस्ल कभी भी मिश्रित नस्ल होने का दावा नहीं करती। मैं खुद भी काफ़ी हद तक अंग्रेज़ हूँ, क्योंकि मैं अन्य सभी

राष्ट्रीयताओं के अलावा सोलहवाँ हिस्सा फ्रांसीसी भी हूँ। इसलिए यह मिश्रण मेरे खून में है। खैर, क्या तुम्हें मुझे दिल या दिमाग़ की श्रेणी में रखना चाहिए?"
हैरियट ने कहा, "कोई भी तुम्हारे दिमाग को नकार नहीं सकता।"
“इसे कौन नकार सकता है? आप मेरे दिल को नकार सकते हैं, लेकिन अगर आप इसके अस्तित्व को नकारेंगे तो मैं धिक्कार है।”
"आप एलिजाबेथ युग के किसी बुद्धिमान व्यक्ति की तरह तर्क देते हैं—एक ही शब्द के दो अर्थों में।"
“यह तुम्हारा वचन था। यदि तुम सीज़र के बलिदान के समान बनना चाहते हो, तो तुम्हें किसी न किसी बात का खंडन करना होगा।”
“सीज़र का...?”
“बिना दिल की धड़कन। क्या तुम्हारा नैपकिन फिर से गायब हो गया?”
“नहीं—इस बार यह मेरा बैग है। यह तुम्हारे बाएं पैर के ठीक नीचे है।”
“ओह!” उसने चारों ओर देखा, लेकिन वेटर गायब हो चुका था। “खैर,” वह बिना हिले-डुले बोला, “दिल का काम दिमाग की सेवा करना है, लेकिन इस बात को ध्यान में रखते हुए—”
"कृपया परेशान न करें," हैरियट ने कहा, "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"
"मेरी दो पसलियां टूटी हुई हैं, इसलिए कोशिश न करना ही बेहतर होगा; क्योंकि एक बार गिर गया तो शायद फिर कभी उठ न पाऊं।"
“हे भगवान!” हैरियट ने कहा। “मुझे लगा कि आपका व्यवहार थोड़ा अकड़ा हुआ है। आपने पहले क्यों नहीं बताया, वहाँ शहीद की तरह बैठे रहने और मुझे आपको गलत समझने के लिए उकसाने के बजाय?”
“ऐसा लगता है कि मैं कुछ भी ठीक से नहीं कर पाता,” उसने दुख भरे स्वर में कहा।
आपने यह कैसे कर दिखाया?
“मैं दीवार से बड़े ही अनाड़ी तरीके से गिर गया। मुझे थोड़ी जल्दी थी; दूसरी तरफ एक साधारण सा दिखने वाला आदमी बंदूक लिए खड़ा था। दीवार से ज़्यादा नीचे पड़ी ठेलागाड़ी से चोट लगी। और पसलियों से ज़्यादा प्लास्टर से चोट लगी। प्लास्टर बहुत कसकर बंधा हुआ है और उसमें असहनीय खुजली हो रही है।”
“तुम्हारे साथ तो बहुत बुरा हुआ। मुझे बहुत अफ़सोस है। बंदूक वाले उस आदमी का क्या हुआ?”
“अरे! मुझे डर है कि अब उन्हें व्यक्तिगत समस्याओं से कोई परेशानी नहीं होगी।”

"अगर किस्मत दूसरी होती, तो शायद वे आपको अब और परेशान नहीं करते?"
“शायद नहीं। और फिर मुझे आपको और परेशान नहीं करना चाहिए था। अगर मेरा मन वहाँ होता जहाँ मेरा दिल था, तो मैं उस समझौते का स्वागत कर सकता था। लेकिन मेरा ध्यान उस क्षण अपने काम पर था, इसलिए मैं जितनी जल्दी हो सके भाग गया, ताकि मैं केस खत्म होने तक जीवित रह सकूँ।”
"अच्छा, मुझे इस बात की खुशी है, पीटर।"
“क्या सच में? इससे पता चलता है कि सबसे शक्तिशाली दिमाग के लिए भी पूरी तरह से निर्दयी होना कितना मुश्किल है। चलो देखते हैं। आज मेरा तुमसे शादी का प्रस्ताव रखने का दिन नहीं है, और कुछ गज का पट्टी इसे कोई खास अवसर तो नहीं बना सकता। लेकिन अगर तुम्हें कोई आपत्ति न हो तो हम लाउंज में कॉफी पी लेंगे, क्योंकि यह कुर्सी ठेलागाड़ी जितनी सख्त होती जा रही है, और ऐसा लगता है कि यह मुझे कई जगहों पर जकड़ रही है।”
वह संभलकर उठा। वेटर आया और हैरियट का बैग लौटा दिया, साथ ही कुछ चिट्ठियाँ भी जो उसने घर से निकलते समय डाकिया से ली थीं और बिना पढ़े बैग की बाहरी जेब में रख दी थीं। विम्सी अपनी मेहमान को लाउंज में ले गया, उसे एक कुर्सी पर बिठाया और खुद मुंह बनाकर एक नीची सोफे के कोने में बैठ गया।
"काफी लंबी दूरी है, है ना?"
“जब आप वहाँ पहुँचेंगे तो सब ठीक हो जाएगा। मुझे माफ़ करना कि मैं हमेशा खुद को इतनी जर्जर हालत में पेश करता हूँ। मैं जानबूझकर ऐसा करता हूँ, ताकि लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकूँ और सहानुभूति जगा सकूँ; लेकिन मुझे डर है कि यह चाल अब कुछ ज़्यादा ही स्पष्ट हो रही है। क्या आप कॉफ़ी के साथ कोई लिकर लेना चाहेंगे या ब्रांडी? दो पुरानी ब्रांडी, जेम्स।”
“बहुत खूब, महाराज। यह भोजन कक्ष में मेज के नीचे मिला था, महोदया।”
“क्या ये तुम्हारा बिखरा हुआ सामान है?” विम्सी ने पोस्टकार्ड लेते हुए कहा; फिर, उसे गुस्से से लाल होते और भौंहें चढ़ाते देख, “क्या बात है?”
"कुछ नहीं," हैरियट ने कहा और उस भद्दी लिखावट को अपने बैग में धकेल दिया।
उसने उसकी ओर देखा।
"क्या आपको अक्सर इस तरह की चीजें देखने को मिलती हैं?"
“किस तरह की चीज?”
"अनाम गंदगी।"

“अब तो ऐसा अक्सर नहीं होता। मुझे ऑक्सफोर्ड में एक मिला था। लेकिन पहले तो हर डाक से आते थे। चिंता मत करो; मुझे इसकी आदत हो गई है। काश मैंने यहाँ आने से पहले इसे देख लिया होता। नौकरों के पढ़ने के लिए इसे आपके क्लब में गिरा देना मेरी बहुत बड़ी गलती थी।”
“तुम तो बड़े लापरवाह हो, है ना? क्या मैं इसे देख सकता हूँ?”
नहीं, पीटर; कृपया।
"इसे मुझे दे दो।"
उसने बिना ऊपर देखे उसे वह चीज़ उसे थमा दी। "अपने उस प्रेमी से पूछो जिसे उपाधि मिली है कि क्या उसे सूप में आर्सेनिक पसंद है। तुमने उसे क्या दिया था जिससे तुम्हें संतुष्टि मिली?" उसने चिढ़कर पूछा।
“हे भगवान! कितनी गंदगी है!” उसने कड़वाहट से कहा। “तो मैं तुम्हें इसी बात में शामिल होने दे रहा हूँ? मुझे पता था। मैं यह उम्मीद कैसे कर सकता था कि ऐसा नहीं होगा। लेकिन तुमने कुछ नहीं कहा, इसलिए मैंने स्वार्थी होने की छूट ले ली।”
इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह तो बस परिणामों का एक हिस्सा है। आप इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते।
“हो सकता है मैं तुम्हें इससे दूर रखने का विचार करूं। भगवान ही जानता है कि तुमने मुझे हटाने के लिए बहुत कोशिश की है। वास्तव में, मुझे लगता है कि तुमने मुझे हटाने के लिए हर संभव प्रयास किया है, सिवाय उस एक के।”
"खैर, मुझे पता था कि तुम्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आएगा। मैं तुम्हें चोट नहीं पहुंचाना चाहता था।"
"मुझे चोट नहीं पहुंचाना चाहते थे?"
उसे एहसास हुआ कि यह बात उसे पूरी तरह से पागलपन भरी लग रही होगी।
“मेरा मतलब यही है, पीटर। मुझे पता है मैंने तुम्हें लगभग हर वो बात कह दी है जो मैं सोच सकती थी। लेकिन मेरी भी एक सीमा है।” अचानक उसके अंदर गुस्से की लहर दौड़ गई। “हे भगवान, क्या तुम सच में मेरे बारे में ऐसा सोचते हो? क्या तुम्हें लगता है कि ऐसी कोई नीच हरकत नहीं है जो मैं न करूँ?”
"अगर आप मुझसे यह कहते कि मेरे यहाँ आसपास घूमने से मैं आपके लिए चीजें और मुश्किल बना रहा हूँ, तो आप बिल्कुल सही होते।"
“क्या मुझे ऐसा करना चाहिए? क्या आपको मुझसे यह उम्मीद थी कि मैं आपको बताऊँ कि आप मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचा रहे हैं, जबकि मेरे पास ठेस पहुँचाने के

लिए कुछ था ही नहीं? क्या मैं यह कहूँ कि आपने मुझे फाँसी से तो बचा लिया, बहुत-बहुत धन्यवाद, लेकिन मुझे अपमान के कगार पर छोड़ दिया? क्या मैं कहूँ कि मेरा नाम कलंकित हो गया है, लेकिन कृपया इसे फूलों की तरह संजो कर रखें? मैं इतना पाखंडी नहीं हूँ।"

"मैं समझ गया। सीधी सी बात यह है कि मैं आपके जीवन को थोड़ा और कड़वा बनाने के अलावा कुछ नहीं कर रहा हूँ। आपने ऐसा न कहकर बहुत उदारता दिखाई।"

"तुम उस चीज़ को देखने पर इतना ज़ोर क्यों दे रहे थे?"

"क्योंकि," उसने माचिस जलाकर पोस्टकार्ड के एक कोने पर लौ लगाते हुए कहा, "हालाँकि मैं बंदूकधारी बदमाशों से भागने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ, लेकिन मैं दूसरी तरह की मुसीबतों का सामना करना पसंद करता हूँ।" उसने जलते हुए कागज़ को ट्रे पर गिरा दिया और राख को मसल दिया, और उसे फिर से अपनी आस्तीन में मिले संदेश की याद आ गई। "तुम्हें खुद को दोष देने की कोई ज़रूरत नहीं है—यह तुमने मुझे नहीं बताया; मैंने इसे खुद पता लगाया है। मैं हार मान लेता हूँ और अलविदा कह देता हूँ। क्या मैं कहूँ?"

क्लब के वेटर ने ब्रांडी के गिलास रख दिए। हैरियट अपनी ही हथेलियों पर नज़र गड़ाए बैठी अपनी उंगलियों को आपस में गूंथ रही थी। पीटर कुछ मिनटों तक उसे देखता रहा, और फिर धीरे से बोला:

"इतना दुखी मत दिखो। कॉफी ठंडी हो रही है। आखिरकार, मुझे इस बात का संतोष है कि 'तुमने नहीं, बल्कि भाग्य ने मुझे हराया है'। मैं अपनी प्रतिष्ठा बरकरार रखते हुए बाहर निकलूंगा, और यह भी कम नहीं है।"

"पीटर। मुझे डर है कि मैं बहुत स्थिर नहीं हूँ। मैं आज रात यहाँ तुम्हें यह सब छोड़ने के लिए कहने के पक्के इरादे से आई थी। लेकिन मैं अपनी लड़ाई खुद लड़ना चाहती हूँ। मैं—मैं—" उसने ऊपर देखा और कांपती हुई आवाज़ में आगे बोली—"मैं तुम्हें किसी भी हालत में बदसूरत लोगों या गुमनाम चिट्ठी लिखने वालों के हाथों खत्म नहीं होने दूंगी!"

वह अचानक से उठ बैठा, जिससे उसकी खुशी की चीख आधी पीड़ादायक कराह में बदल गई।

"अरे, इस घटिया उपाय पर लानत है!... हैरियट, तुममें तो हिम्मत है ना? मुझे अपना हाथ दो, और हम तब तक लड़ेंगे जब तक गिर न पड़ें। बस करो! इस क्लब में रोना

मना है। ऐसा कभी नहीं हुआ, और अगर तुमने मुझे इस तरह शर्मिंदा किया, तो मैं कमेटी से झगड़ा कर बैठूँगी। वे शायद लेडीज़ रूम ही बंद करवा देंगे।"
मुझे माफ करना, पीटर।
और मेरी कॉफी में चीनी मत डालना।
बाद में शाम को, जब उसने ज़ोर-ज़ोर से गालियाँ देते हुए उसे सोफे की मुश्किल गहराई से बाहर निकाला और उसे प्यार और पट्टी के दर्द के बीच जितनी राहत मिल सकती थी, उतनी दी, तो उसे सोचने का समय मिला कि अगर किस्मत ने उन दोनों में से किसी को हराया था, तो वह पीटर विम्सी नहीं था। वह पहलवान की उस चाल को अच्छी तरह जानता था जिसमें वह अपने प्रतिद्वंद्वी की ताकत को ही हरा देता है। फिर भी, उसे पूरा यकीन था कि अगर जब उसने पूछा, "क्या मैं जाऊँ?" तो उसने दृढ़ता और विनम्रता से जवाब दिया होता, "मुझे खेद है, लेकिन मुझे लगता है कि यह बेहतर होगा," तो मामला सुलझ जाता।
"काश," उसने यूरोप यात्रा के दौरान साथ रहे दोस्त से कहा, "वह किसी तरह का कड़ा रुख अपना लेता।"
"लेकिन उसने कर लिया है," समझदार दोस्त ने जवाब दिया। "उसे पता है कि वह क्या चाहता है। दिक्कत ये है कि तुम्हें नहीं पता। मुझे पता है कि रिश्ता खत्म करना अच्छा नहीं लगता, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि वो तुम्हारे सारे गंदे काम क्यों करे, खासकर तब जब वो खुद ये काम नहीं करवाना चाहता। गुमनाम चिट्ठियों की बात करें तो, मुझे तो उन पर ध्यान देना बिलकुल बेतुका लगता है।"
उस दोस्त के लिए यह कहना आसान था, क्योंकि उसके व्यस्त और मेहनती जीवन में कोई कमजोरी नहीं थी।
"पीटर का कहना है कि मुझे एक सचिव रख लेना चाहिए और ऐसे लोगों को बाहर निकाल देना चाहिए।"
"खैर," दोस्त ने कहा, "वैसे तो यह एक व्यावहारिक सुझाव है। लेकिन मुझे लगता है, चूंकि यह उसकी सलाह है, तो आप इसे न मानने का कोई न कोई चतुर बहाना ढूंढ ही लेंगे।"
"मैं उतनी बुरी नहीं हूँ," हैरियट ने कहा और सचिव को काम पर लगा दिया।
कुछ महीनों तक यही सिलसिला चलता रहा। उसने दिल और दिमाग के परस्पर विरोधी दावों पर चर्चा करने की कोई कोशिश नहीं की। इस तरह की बातचीत से व्यक्तित्वों का एक खतरनाक टकराव शुरू हो गया, जिसमें वह, अपनी अधिक तीक्ष्ण

बुद्धि और बेहतर आत्म-नियंत्रण के साथ, खुद को उजागर किए बिना उसे हमेशा कोने में धकेल देता था। केवल अपनी निर्मम क्रूरता से ही वह उसकी सतर्कता को तोड़ सकती थी; और वह उसके बर्बर आवेगों से डरने लगी थी।

इस बीच उसे श्रूस्बरी कॉलेज के बारे में कोई खबर नहीं मिली, सिवाय इसके कि माइकलमास टर्म में एक दिन लंदन के एक बेवकूफी भरे दैनिक अखबार में "अंडरग्रेजुएट्स रैग" के बारे में एक पैराग्राफ छपा था, जिसमें बताया गया था कि किसी ने श्रूस्बरी क्वाड में गाउन का ढेर लगा दिया था और कहा जा रहा था कि "लेडी हेड" अनुशासनात्मक कार्रवाई कर रही हैं। महिलाएं, ज़ाहिर है, हमेशा खबरों में रहती थीं। हैरियट ने अखबार को एक तीखा पत्र लिखा, जिसमें उसने बताया कि "अंडरग्रेजुएट" या "वुमन स्टूडेंट" कहना "अंडरग्रेजुएट" से ज़्यादा सही अंग्रेज़ी होगी, और डॉ. बेरिंग का सही वर्णन "वार्डन" था। इसका नतीजा यह हुआ कि "लेडी अंडरग्रेड्स" शीर्षक से एक पत्र-व्यवहार शुरू हुआ, जिसमें "स्वीट गर्ल-ग्रेजुएट्स" का ज़िक्र था।

उसने विम्सी को बताया—जो संयोगवश बलि चढ़ाने के लिए सबसे नज़दीकी पुरुष था —कि इस तरह की अभद्रता आम तौर पर पुरुषों का महिलाओं की बौद्धिक रुचियों के प्रति रवैया होता है। उसने जवाब दिया कि बदतमीज़ी हमेशा उसे परेशान करती है; लेकिन क्या यह विदेशी सम्राटों को उनके ईसाई नामों से, बिना उपाधि के, सुर्खियों में लाने से ज़्यादा बुरा था?

हालांकि, ईस्टर सत्र की समाप्ति से लगभग तीन सप्ताह पहले, हैरियट का ध्यान एक बार फिर कॉलेज के मामलों की ओर इस तरह आकर्षित हुआ जो अधिक व्यक्तिगत और अधिक परेशान करने वाला था।

फरवरी का महीना आंसू बहाते हुए और सिसकते हुए मार्च में प्रवेश कर रहा था, तभी उसे डीन का एक पत्र मिला।

मेरी प्यारी मिस वेन,

मैं आपसे यह पूछने के लिए लिख रहा हूँ कि क्या आप अगले गुरुवार को चांसलर द्वारा नए पुस्तकालय विंग के उद्घाटन के लिए ऑक्सफ़ोर्ड आ सकेंगे। जैसा कि आप जानते हैं, आधिकारिक उद्घाटन की यही तारीख हमेशा से तय थी, हालाँकि हमें उम्मीद थी कि इमारतें इस सत्र की शुरुआत में ही रहने लायक तैयार हो जाएँगी। लेकिन ठेकेदारों की कंपनी में विवाद और वास्तुकार की दुर्भाग्यपूर्ण बीमारी के कारण, काम में काफ़ी देरी हो गई, इसलिए हम मुश्किल से ही समय पर तैयार हो पाएँगे।

दरअसल, भूतल का आंतरिक सज्जा का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। फिर भी, हम लॉर्ड ओकएप्पल से तारीख बदलने के लिए नहीं कह सकते, क्योंकि वे बहुत व्यस्त व्यक्ति हैं; और आख़िरकार, पुस्तकालय ही मुख्य चीज़ है, न कि फेलो छात्रों के कमरे, चाहे उन्हें रहने के लिए घर की कितनी भी ज़रूरत क्यों न हो, बेचारे।

हम बेहद उत्सुक हैं—मैं डॉ. बेरिंग और अपनी ओर से भी बोल रहा हूँ—कि यदि आप समय निकाल सकें तो अवश्य आएँ (हालाँकि आपके पास बहुत सारे काम हैं)। यहाँ जो एक बेहद अप्रिय घटना घट रही है, उसके बारे में आपकी सलाह पाकर हमें बहुत खुशी होगी। वैसे तो एक जासूसी उपन्यासकार से व्यावहारिक पुलिसकर्मी होने की उम्मीद नहीं की जाती; लेकिन मुझे पता है कि आपने एक वास्तविक जाँच में भाग लिया है, और मुझे पूरा विश्वास है कि अपराधियों को पकड़ने के बारे में आप हमसे कहीं अधिक जानते हैं।

यह मत सोचिए कि हम सब अपने बिस्तरों में मारे जा रहे हैं! कुछ मायनों में मुझे लगता है कि "साफ-सुथरी हत्या" से निपटना आसान नहीं होगा! असलियत यह है कि हम एक भूत-प्रेत और ज़हरीली कलम के मिश्रण का शिकार हो रहे हैं, और आप कल्पना कर सकते हैं कि यह सबके लिए कितना घिनौना है। लगता है कि चिट्ठियाँ कुछ समय पहले से आनी शुरू हुई थीं, लेकिन पहले किसी ने ध्यान नहीं दिया। मुझे लगता है कि हर किसी को समय-समय पर अश्लील गुमनाम संदेश मिलते रहते हैं; और हालाँकि कुछ घिनौनी चीज़ें डाक से नहीं आईं, लेकिन इस जगह पर ऐसा कुछ भी नहीं है जो किसी बाहरी व्यक्ति को लॉज या कॉलेज के अंदर भी उन्हें छोड़ने से रोक सके। लेकिन संपत्ति का जानबूझकर विनाश एक अलग मामला है, और पिछली घटना इतनी घिनौनी थी कि इसके बारे में कुछ करना ही होगा। बेचारी मिस लिडगेट की अंग्रेजी छंदशास्त्र की किताब—आपने वह विशाल कृति बनते हुए देखी—को बेहद घिनौने तरीके से बिगाड़ दिया गया है, और पांडुलिपि के कुछ महत्वपूर्ण हिस्से पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं, इसलिए उन्हें फिर से बनाना पड़ेगा। बेचारी लगभग रोने ही वाली थी—और चिंता की बात यह है कि अब ऐसा लग रहा है कि कॉलेज में ही कोई इसके लिए ज़िम्मेदार है। हमारा मानना है कि किसी छात्र को एस.सी.आर. से कोई शिकायत होगी—लेकिन यह सिर्फ़ शिकायत से कहीं ज़्यादा होनी चाहिए—यह एक बेहद घिनौनी किस्म की छोटी सोच होनी चाहिए।

पुलिस को बुलाना तो दूर की बात है—अगर आपने कुछ चिट्ठियाँ देखी होतीं तो आपको समझ आ जाता कि जितनी कम चर्चा हो उतना अच्छा है, और आप जानते ही हैं कि

बातें कैसे फैलती हैं। मुझे यकीन है कि आपने देखा होगा कि पिछले नवंबर में मैदान में लगी उस आग के बारे में अखबार में एक घटिया सा लेख छपा था। वैसे, हमें कभी पता नहीं चला कि यह किसने किया था; हमने तो यही सोचा था कि यह कोई मज़ाक होगा; लेकिन अब हमें शक होने लगा है कि कहीं यह सब एक ही अभियान का हिस्सा तो नहीं था।

इसलिए, यदि आप समय निकालकर हमें अपने अनुभव से अवगत करा सकें, तो हम आपके अत्यंत आभारी होंगे। इस स्थिति से निपटने का कोई न कोई तरीका तो होना ही चाहिए—इस तरह का उत्पीड़न अब और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। लेकिन इस तरह की जगह पर, जहाँ 150 छात्र हैं और हर दरवाजे दिन-रात खुले रहते हैं, किसी भी बात का पता लगाना बेहद मुश्किल है।

मुझे खेद है कि यह पत्र कुछ अटपटा सा है, लेकिन मैं आजकल बहुत परेशान हूँ, क्योंकि ओपनिंग समारोह नजदीक आ रहा है और प्रवेश एवं छात्रवृत्ति के सारे कागजात मेरे चारों ओर वल्लोम्ब्रोसा के पत्तों की तरह उड़ रहे हैं! उम्मीद है कि अगले गुरुवार को आपसे मुलाकात होगी।

आपका अत्यंत सादर,

लेटिटिया मार्टिन

ये तो वाकई एक घिनौनी बात थी! विश्वविद्यालय की छात्राओं को सबसे ज़्यादा नुकसान पहुँचाने वाली चीज़—सिर्फ़ ऑक्सफ़ोर्ड में ही नहीं, बल्कि हर जगह। ज़ाहिर है, किसी भी समुदाय में किसी अवांछित व्यक्ति के होने का खतरा हमेशा बना रहता है; लेकिन माता-पिता अपने मासूम बच्चों को ऐसी जगहों पर भेजना नहीं चाहेंगे जहाँ मनोवैज्ञानिक विकृतियाँ बेरोकटोक पनपती हों। भले ही ज़हर फैलाने के अभियान से कोई बड़ा हादसा न हुआ हो (और आप कभी नहीं जान सकते कि उत्पीड़न के तहत लोग क्या-क्या कर सकते हैं), सार्वजनिक रूप से गंदी बातें उजागर करने से श्रूज़बरी को कोई फ़ायदा नहीं होने वाला था। क्योंकि, भले ही नौ-दसवाँ हिस्सा कीचड़ इधर-उधर फेंका जाए, बचा हुआ दसवाँ हिस्सा, जैसा कि अक्सर होता था, सच्चाई के कुएँ की गहराई से निकाला जा सकता था और चिपक जाता।

उससे बेहतर यह बात कौन जान सकता है? डीन के पत्र पर उसने व्यंग्यात्मक मुस्कान बिखेरी। "आपके अनुभव का लाभ"; जी हाँ, बिल्कुल। ये शब्द, बेशक, पूरी मासूमियत से लिखे गए थे, और उन्हें जरा भी शक नहीं था कि ये उस चिढ़े हुए व्यक्ति को आहत कर सकते हैं। मिस मार्टिन खुद कभी सपने में भी हत्या के आरोप से बरी हुए व्यक्ति

को अपमानजनक पत्र लिखने के बारे में नहीं सोच सकती थीं, और निस्संदेह उन्हें कभी यह ख्याल भी नहीं आया था कि कुख्यात मिस वेन से इस तरह की स्थिति से निपटने के बारे में सलाह लेना फांसी के घर में रस्सी की बात करने जैसा था। यह तो बस उस तरह की अव्यावहारिक असंवेदनशीलता का एक उदाहरण था, जिसकी शिकार पढ़ी-लिखी और एकांतप्रिय महिलाएं अक्सर होती हैं। डीन यह जानकर भयभीत हो जाएंगी कि इस मामले में दया भाव से हैरियट से संपर्क करना सबसे गलत था; और वह भी ऑक्सफोर्ड में, श्रूस्बरी कॉलेज में—

श्रूस्बरी कॉलेज में ही: और गौडी में। यही मुख्य मुद्दा था। उसकी आस्तीन में मिला पत्र श्रूस्बरी कॉलेज और गौडी दोनों जगह रखा गया था। इतना ही नहीं; चौक में मिली वह चित्रकारी भी वहीं थी। क्या इनमें से कोई एक या दोनों ही दुनिया से उसके अपने दुखद झगड़े का हिस्सा थे? या फिर इनका संबंध कॉलेज में हुए बाद के हंगामे से था? यह असंभव लग रहा था कि श्रूस्बरी को इतनी जल्दी-जल्दी दो विकृत मानसिकता वाले पागलों को पनाह देनी पड़े। लेकिन अगर दोनों पागल एक ही थे, तो इसका परिणाम चिंताजनक था, और उसे हर हाल में हस्तक्षेप करना चाहिए, कम से कम जो कुछ वह जानती है, वह बताना चाहिए। ऐसे क्षण भी आते हैं जब जनसेवा के हित में सभी व्यक्तिगत भावनाओं को एक तरफ रखना पड़ता है; और यह शायद उन्हीं में से एक था।

अनिच्छा से उसने टेलीफोन उठाया और ऑक्सफोर्ड में कॉल किया। कॉल का इंतज़ार करते हुए उसने इस मामले पर नए सिरे से विचार किया। डीन ने ज़हरीले पत्रों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी थी, सिवाय इसके कि उनसे एस.सी.आर. के प्रति द्वेष का संकेत मिलता है और अपराधी कॉलेज का ही प्रतीत होता है। छात्रों पर विनाशकारी रैगिंग का आरोप लगाना स्वाभाविक था; लेकिन डीन को वह नहीं पता था जो हैरियट जानती थी। विकृत और दमित मन अक्सर अपने आप को चोट पहुँचाने लगता है। "खट्टी हुई कुँवारीपन"—"अस्वाभाविक जीवन"—"अर्ध-पागल कुंवारी लड़कियाँ"—"भूखी भूख और दमित आवेग"—"अस्वस्थ वातावरण"—वह विशेषणों के पूरे समूह सोच सकती थी, जो प्रचलन के लिए तैयार थे। क्या पहाड़ी पर बने उस टावर में यही सब रहता था? क्या यह फ्रोलिक विंड में लेडी अथालिया के टावर जैसा होगा, जो कुंठा, विकृति और पागलपन का घर था? “यदि एक आँख हो, तो पूरा शरीर प्रकाश से भर जाता है”—पर क्या शारीरिक रूप से एक आँख होना संभव था? “उन लोगों का क्या करें जिन्हें हृदय और मस्तिष्क दोनों का अभिशाप मिला है?” उनके लिए

त्रिविम दृष्टि शायद एक आवश्यकता थी; भला किसके लिए नहीं थी? (यह शब्दों का एक मूर्खतापूर्ण खेल था, पर इसका कुछ अर्थ था।) तो फिर, जीवन जीने का एक तरीका चुनने के इस मामले का क्या? क्या किसी को, आखिरकार, केवल अपनी मानसिक शांति बनाए रखने के लिए समझौता करना ही होगा? तब तो व्यक्ति हमेशा के लिए इस दयनीय आंतरिक संघर्ष में फँस जाता है, जिसमें शोरगुल और खून से सने वस्त्र होते हैं—और, उसने उदास मन से युद्ध के बाद के उन सामान्य परिणामों पर विचार किया, जिनमें मुद्रा का मूल्य घट जाता है, कार्यकुशलता कम हो जाती है और सरकार की स्थिति अस्थिर हो जाती है।

इसी समय ऑक्सफोर्ड से फोन आया, डीन की आवाज घबराहट से भरी हुई लग रही थी। हैरियट ने जल्दबाजी में वास्तविक जीवन में जासूसी की क्षमता होने से इनकार करते हुए चिंता और सहानुभूति व्यक्त की और फिर वह सवाल पूछा जो उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण था।

“ये अक्षर कैसे लिखे जाते हैं?”

“मुश्किल तो यही है। ये ज्यादातर अखबारों के टुकड़ों को चिपकाकर बनाए जाते हैं। इसलिए, आप देख सकते हैं कि इन्हें पहचानने के लिए कोई लिखावट नहीं होती।”

इससे मामला सुलझ गया; दो गुमनाम संवाददाता नहीं थे, बल्कि केवल एक ही था। ठीक है, तो फिर:

"क्या वे केवल अश्लील हैं, या वे अपमानजनक या धमकी भरे भी हैं?"

"तीनों ही बातें। लोगों को ऐसे नामों से पुकारना जिनके बारे में बेचारी मिस लिडगेट को पता भी नहीं था - सबसे बुरा नाम जो वह जानती थी वह था 'रेस्टोरेशन ड्रामा' - और सार्वजनिक रूप से बेनकाब करने से लेकर फांसी तक की धमकी देना।"

तब वह मीनार लेडी अथालिया की मीनार थी।

"क्या उन्हें एस.सी.आर. के अलावा किसी और को भेजा जाता है?"

"यह कहना मुश्किल है, क्योंकि लोग हमेशा आकर आपको बातें नहीं बताते। लेकिन मेरा मानना है कि यहां के एक या दो छात्रों को ये अनुभव हुए हैं।"

“और वे कभी डाक से आते हैं तो कभी लॉज में?”

“हां। और अब वे दीवारों पर दिखने लगे हैं, और हाल ही में रात में लोगों के दरवाजों के नीचे से उन्हें खिसकाया गया है। तो ऐसा लगता है कि यह किसी कॉलेज के छात्र का काम होगा।”

"आपको पहला वाला कब मिला?"

“पहला मामला जिसके बारे में मुझे पक्का पता है, वह पिछले माइकलमास टर्म में मिस डी वाइन को भेजा गया था। यह उनका यहाँ पहला टर्म था, और ज़ाहिर है, उन्हें लगा होगा कि यह किसी ऐसे व्यक्ति ने भेजा होगा जिसे उनसे कोई निजी दुश्मनी हो। लेकिन कुछ ही समय बाद कई लोगों ने उन्हें देख लिया, इसलिए हमने तय किया कि ऐसा नहीं हो सकता। इससे पहले हमारे यहाँ कभी इस तरह की कोई घटना नहीं हुई थी, इसलिए फिलहाल हम पहले साल के छात्रों पर नज़र रख रहे हैं।”

हैरियट ने सोचा, ये तो बिलकुल ही एक ऐसा समूह है जिसके साथ ऐसा हो ही नहीं सकता। लेकिन उसने सिर्फ इतना ही कहा:

“किसी भी बात को हल्के में लेना ठीक नहीं है। लोग कुछ समय तक ठीक-ठाक व्यवहार करते रहते हैं, फिर अचानक कोई घटना उन्हें विचलित कर देती है। इन मामलों में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि व्यक्ति आमतौर पर अन्य मामलों में बिल्कुल सामान्य व्यवहार करता है। यह कोई भी हो सकता है।”

“यह सच है। मुझे लगता है कि शायद यह हममें से ही कोई हो। यही तो सबसे भयानक बात है। हाँ, मुझे पता है—बुजुर्ग कुंवारी औरतें, और ये सब। यह सोचकर कितना बुरा लगता है कि किसी भी पल कोई ऐसे व्यक्ति के बगल में बैठा हो सकता है जो ऐसा महसूस करता हो। क्या आपको लगता है कि बेचारी को पता है कि वह खुद ऐसा करती है? मैं बुरे सपनों के साथ जाग रही हूँ, सोच रही हूँ कि कहीं मैं नींद में लोगों पर थूक तो नहीं रही थी। और, मेरी प्यारी! मैं अगले हफ्ते को लेकर बहुत डरी हुई हूँ! बेचारे लॉर्ड ओकएप्पल, लाइब्रेरी का उद्घाटन करने आ रहे हैं, और उनके जूतों पर जहरीले साँप ज़हर टपका रहे हैं! पता नहीं वे उन्हें कुछ भेज दें।”

“ठीक है,” हैरियट ने कहा, “मुझे लगता है कि मैं अगले हफ्ते आ जाऊंगी। एक बहुत अच्छा कारण है कि मैं इस काम को संभालने के लिए पूरी तरह से सही व्यक्ति नहीं हूं, लेकिन दूसरी तरफ, मुझे लगता है कि मुझे आना चाहिए। जब हम मिलेंगे तो मैं आपको कारण बताऊंगी।”

“आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यकीन है कि आप कुछ सुझाव दे पाएंगे। मुझे लगता है कि आप वहां मौजूद सभी नमूनों को देखना चाहेंगे। है ना? बहुत अच्छा। हर एक टुकड़े को हम दिल से संजो कर रखेंगे। क्या हम उंगलियों के निशानों को बेहतर ढंग से संरक्षित करने के लिए उन्हें चिमटे से पकड़ते हैं?”

हैरियट को संदेह था कि उंगलियों के निशान कितने उपयोगी साबित होंगे, लेकिन उन्होंने सिद्धांत के तौर पर सावधानी बरतने की सलाह दी। डीन के बार-बार धन्यवाद

की आवाज़ दूसरी तरफ से गूंज रही थी, तभी फोन रखने के बाद वह कुछ पल रिसीवर हाथ में लिए बैठी रहीं। क्या कोई ऐसा स्रोत था जहाँ से उन्हें उपयोगी सलाह मिल सकती थी? था; लेकिन वह गुमनाम पत्रों के विषय पर चर्चा करने को उत्सुक नहीं थीं, और अकादमिक संस्थानों में क्या छिपा है, इस सवाल पर तो बिल्कुल भी नहीं। उन्होंने दृढ़ता से फोन रखा और फोन को एक तरफ रख दिया।

अगली सुबह जब वह उठीं तो उनका मन बदल चुका था। उन्होंने कहा था कि जनहित के मार्ग में व्यक्तिगत भावनाएँ नहीं आड़ी होनी चाहिए। और ऐसा होना भी नहीं चाहिए। अगर विम्सी को श्रूस्बरी कॉलेज के लिए उपयोगी बनाया जा सकता था, तो वह उनका इस्तेमाल करेंगी। चाहे उन्हें पसंद हो या न हो, चाहे उन्हें विम्सी की "मैंने तो पहले ही कहा था" वाली बात सहनी पड़े, वह अपना स्वाभिमान एक तरफ रखकर उनसे काम करने का सबसे अच्छा तरीका पूछेंगी। उन्होंने स्नान किया और कपड़े पहने, सत्य के प्रति अपने निस्वार्थ समर्पण की भावना से वह हर पल दमक रही थीं। वह बैठक में आईं और नाश्ते का आनंद लिया, और खुद को बधाई देती रहीं। जब वह अपना टोस्ट और मुरब्बा खत्म कर रही थीं, तभी सचिव सुबह की डाक लेकर आईं। उसमें पीटर का एक जल्दबाजी में लिखा हुआ पत्र था, जो पिछली शाम विक्टोरिया ने भेजा था।

अचानक ही विदेश जाना पड़ा। पहले पेरिस, फिर रोम। उसके बाद पता नहीं। अगर आपको मेरी ज़रूरत हो—जो कि नामुमकिन है—तो आप दूतावासों के ज़रिए मुझसे संपर्क कर सकते हैं, या डाकघर पिकाडिली के पते से चिट्ठियाँ भेज देगा। खैर, आपको 1 अप्रैल को मेरी तरफ से सूचना मिल जाएगी।

पी.डी.बी.डब्ल्यू.

पोस्ट ओकासियो कैल्वा। ऑक्सफ़ोर्ड कॉलेज के एक छोटे से, अस्पष्ट और जटिल मामले के बारे में दूतावासों को पत्रों से भरमार करना मुश्किल था, खासकर तब जब आपका संवाददाता पूरे यूरोप में किसी और चीज़ की जांच में व्यस्त हो। कॉल बहुत ज़रूरी रही होगी, क्योंकि पत्र बहुत ही खराब और जल्दबाजी में लिखा गया था, और ऐसा लग रहा था मानो टैक्सी में आखिरी क्षण में लिखा गया हो। हैरियट यह सोचकर अपना मनोरंजन कर रही थी कि क्या रुरिटानिया के राजकुमार को गोली मार दी गई है, या महाद्वीप के मास्टर-क्रूक ने एक और तख्तापलट कर दिया है, या क्या यह सभ्यता को मृत्यु किरण से नष्ट करने की अंतर्राष्ट्रीय साजिश है - ये सभी स्थितियाँ उसकी कहानियों में अक्सर आती रहती थीं। चाहे मामला कुछ भी हो, उसे अकेले ही आगे

बढ़ना होगा और उचित स्वतंत्रता में ही सांत्वना ढूंढनी होगी।

**अध्याय 5**

बोनावेंचर के शब्दों में, कौमार्य एक सुंदर छवि है, अपने आप में एक धन्य वस्तु है और, यदि आप एक कैथोलिक की बात मानें तो, पुण्य का काम है। और यद्यपि ऐसे व्यक्तियों को कुछ असुविधाएँ, कष्ट, अकेलापन आदि झेलने पड़ते हैं, फिर भी विवाह के उन लगातार बोझों के सामने ये कुछ भी नहीं हैं, जिन्हें आसानी से सहन किया जा सकता है... और मुझे लगता है कि इतने सारे धनी कुंवारे लोगों में से कभी न कभी कोई ऐसा परोपकारी मिल जाएगा जो वृद्ध, कमजोर, विकृत या असंतुष्ट युवतियों के लिए एक मठवासी महाविद्यालय का निर्माण करेगा, जिन्होंने अपना पहला प्यार खो दिया है, या किसी अन्य कारण से उनका गर्भपात हो गया है, या जो किसी भी तरह से अविवाहित जीवन जीना चाहती हैं। बाकी सब तो बस खिलौने हैं और कौमार्य के उन अनगिनत सुखों और अतुलनीय विशेषाधिकारों से पर्याप्त रूप से पुरस्कृत हैं।

—रॉबर्ट बर्टन

हैरियट ओले की मूसलाधार बारिश में गाड़ी चलाकर ऑक्सफोर्ड के लिए निकली। ओले ऑल-वेदर पर्दों के बीच से भी घुस रहे थे और विंडस्क्रीन वाइपर लगातार चल रहा था। पिछले जून की यात्रा से यह बिल्कुल अलग थी; लेकिन सबसे बड़ा बदलाव उसके अपने भावों में था। तब वह अनिच्छुक और बेचैन थी; एक ऐसी फिजूलखर्ची करने वाली बेटी, जिसमें खोखली सी ठंडक का आकर्षण नहीं था और जो किसी भी तरह से सुरक्षित और आत्मविश्वास से भरी हुई थी। अब, कॉलेज ने अपनी छवि खराब कर ली थी और उसे एक विशेषज्ञ की तरह बुलाया था, निजी नैतिकता की परवाह किए बिना, केवल पेशेवर कौशल पर निराशाजनक विश्वास के साथ। ऐसा नहीं था कि उसे समस्या की बहुत परवाह थी, या उसे हल करने की बहुत उम्मीद थी; लेकिन अब वह इसे केवल एक समस्या और एक काम के रूप में देख सकती थी जिसे पूरा करना था। जून में, उसने रास्ते में हर पड़ाव पर खुद से कहा था: "अभी बहुत समय है - तीस मील से पहले मुझे असहज महसूस होने लगेगा - बीस मील और आराम - दस मील अभी भी काफी दूर है।" इस बार, वह स्पष्ट रूप से और सीधे तौर पर जल्द से जल्द ऑक्सफोर्ड पहुंचने के लिए बेचैन थी—शायद मौसम भी इस बेचैनी का एक बड़ा कारण था। हेडिंगटन हिल से नीचे उतरते समय उसे फिसलने की आशंका के अलावा कोई चिंता नहीं थी, मैग्डेलन ब्रिज को पार करते समय उसने साइकिल सवारों के एक समूह पर

व्यंग्यात्मक टिप्पणी की, सेंट क्रॉस रोड गेट पर पहुँचते ही उसने धीरे से कहा, "भगवान का शुक्र है!" और कुली पैजेट को प्रसन्नतापूर्वक "शुभ दोपहर" कहा।
शुभ दोपहर, महोदया। आज का दिन बहुत खराब रहा। डीन ने एक संदेश छोड़ा था, महोदया, कि आपको ट्यूडर स्थित गेस्ट रूम में ठहराया जाना था और वह एक मीटिंग में गई हुई थीं, लेकिन चाय के समय तक वापस आ जाएँगी। क्या आप गेस्ट रूम जानती हैं, महोदया? शायद आपके समय के बाद से। खैर, यह न्यू ब्रिज पर है, महोदया, ट्यूडर बिल्डिंग और नॉर्थ एनेक्स के बीच में, जहाँ पहले कॉटेज हुआ करता था, महोदया, लेकिन अब वह सब हटा दिया गया है और आपको मुख्य सीढ़ियों से पश्चिम लेक्चर-रूम के पास से ऊपर जाना होगा, महोदया, जो पहले जूनियर कॉमन रूम हुआ करता था, महोदया, इससे पहले कि नया प्रवेश द्वार बनाया गया और सीढ़ियाँ हटाई गईं, और फिर दाईं ओर मुड़ें, यह गलियारे के बीच में है। आप इसे पहचानने में गलती कर सकती हैं, महोदया। कोई भी स्काउट आपको दिखा देगा, महोदया, अगर आपको अभी कोई मिल जाए।
“धन्यवाद, पैजेट। मैं सब कुछ ठीक से ढूंढ लूंगा। मैं बस कार को गैरेज में ले जाऊंगा।”
"आप चिंता न करें, महोदया। बहुत तेज बारिश हो रही है। मैं उसे थोड़ी देर में आपके लिए ले जाऊंगी। अभी सड़क पर उसे कोई तकलीफ नहीं होगी। और मैं आपका बैग भी एक पल में ऊपर रख दूंगी, महोदया; बस मैं तब तक गेट से नहीं जा सकती जब तक श्रीमती पैजेट बटररी से वापस नहीं आ जातीं, वरना मैं आपको खुद रास्ता दिखा देती।"
हैरियट ने एक बार फिर उससे विनती की कि वह उसे परेशान न करे।
"ओह, जब आपको पता होता है तो यह काफी आसान होता है, महोदया। लेकिन यहाँ से तोड़-फोड़ करने, वहाँ से निर्माण करने और इसमें और उसमें बदलाव करने के चक्कर में हमारी कई बुजुर्ग महिलाएं जब हमसे मिलने वापस आती हैं तो काफी भ्रमित हो जाती हैं।"
“मैं नहीं खोऊँगी पैजेट।” और वास्तव में, उसे टेढ़ी-मेढ़ी सीढ़ियों और काल्पनिक कॉटेज के पास स्थित रहस्यमय अतिथि कक्ष को खोजने में कोई कठिनाई नहीं हुई। उसने देखा कि उसकी खिड़कियों से उसे पुराने चौक का शानदार दृश्य दिखाई देता था, हालाँकि नया चौक नज़र से ओझल था और नए पुस्तकालय भवन का अधिकांश भाग ट्यूडर के एनेक्स विंग के पीछे छिपा हुआ था।

डीन के साथ चाय पीने के बाद, हैरियट ने खुद को सीनियर कॉमन रूम में फेलो और ट्यूटर्स की एक अनौपचारिक बैठक में बैठा पाया, जिसकी अध्यक्षता वार्डन कर रहे थे। उसके सामने केस में रखे दस्तावेज़ पड़े थे—गंदी कल्पनाओं का एक छोटा सा ढेर। लगभग पंद्रह दस्तावेज़ निरीक्षण के लिए एकत्र किए गए थे। उनमें आधा दर्जन चित्र थे, जो लगभग उसी तरह के थे जैसा उसने उस भड़कीली रात को उठाया था। कई संदेश थे, जो एस.सी.आर. के विभिन्न सदस्यों को संबोधित थे, और उन्हें कई अप्रिय अपशब्दों के साथ सूचित कर रहे थे कि उनके पाप उन्हें ढूंढ निकालेंगे, कि वे सभ्य समाज के योग्य नहीं हैं और यदि वे पुरुषों को अकेला नहीं छोड़ेंगे, तो उनके साथ कई अप्रिय बातें होंगी। इनमें से कुछ संदेश डाक से आए थे; कुछ खिड़कियों पर पड़े मिले थे या दरवाजों के नीचे से धकेल दिए गए थे; सभी एक ही तरह के कटे हुए अक्षरों से बने थे जिन्हें खुरदुरे कागज़ पर चिपकाया गया था। स्नातक छात्रों को दो अन्य संदेश भेजे गए थे: एक वरिष्ठ छात्रा को, जो एक बेहद सभ्य और सौम्य युवती थी और ग्रेट्स की पढ़ाई कर रही थी; दूसरा संदेश मिस फ्लैक्समैन को, जो द्वितीय वर्ष की एक प्रतिभाशाली छात्रा थी। बाद वाला संदेश बाकी पत्रों की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट था, क्योंकि इसमें एक नाम का उल्लेख था: "अगर तुम युवा फैरिंगडन को अकेला नहीं छोड़ोगी," इसमें लिखा था, और साथ ही एक अपशब्द का प्रयोग करते हुए कहा गया था, "तो तुम्हारे लिए बुरा होगा।"

संग्रह में शेष वस्तुओं में सबसे पहले मिस बार्टन द्वारा लिखित एक छोटी पुस्तक थी: आधुनिक राज्य में महिलाओं की स्थिति। यह प्रति पुस्तकालय की थी और एक रविवार की सुबह बर्ले हाउस के जूनियर कॉमन रूम में आग में जलती हुई मिली थी। दूसरे, मिस लिडगेट की अंग्रेजी छंदशास्त्र की प्रतियां और पांडुलिपि थीं। इनका इतिहास इस प्रकार है। मिस लिडगेट ने अंततः पाठ में अपने सभी सुधारों को अंतिम पृष्ठ-प्रतिलिपि में स्थानांतरित कर दिया और पहले के सभी संशोधनों को नष्ट कर दिया। फिर उन्होंने प्रतियों को, प्रस्तावना की पांडुलिपि के साथ, मिस हिलयार्ड को सौंप दिया, जिन्होंने कुछ ऐतिहासिक संदर्भों को सत्यापित करने के उद्देश्य से उनकी जांच करने का जिम्मा लिया था। मिस हिलयार्ड ने बताया कि उन्हें ये प्रतियां एक शनिवार की सुबह मिलीं और वे उन्हें अपने कमरों में ले गईं (जो मिस लिडगेट की सीढ़ियों पर और ठीक ऊपर वाली मंजिल पर थे)। बाद में वह उन्हें पुस्तकालय में ले गई (अर्थात् ट्यूडर में स्थित पुस्तकालय, जिसे अब नए पुस्तकालय द्वारा प्रतिस्थापित किया जाने वाला था), और वहाँ कुछ संदर्भ पुस्तकों की सहायता से उन पर कुछ समय तक काम किया।

उसने बताया कि उस समय वह पुस्तकालय में अकेली थी, सिवाय एक व्यक्ति के, जिसे उसने कभी नहीं देखा था, जो दूर कोने में बने गलियारे में घूम रहा था। मिस हिलयार्ड फिर हॉल में दोपहर के भोजन के लिए चली गईं, और कागजात पुस्तकालय की मेज पर छोड़ दिए। दोपहर के भोजन के बाद, वह प्रथम वर्ष के छात्रों के एक समूह को नाव चलाने का प्रशिक्षण देने के लिए नदी पर गईं। चाय के बाद काम फिर से शुरू करने के लिए पुस्तकालय लौटने पर, उन्होंने पाया कि कागजात मेज से गायब थे। उन्होंने पहले सोचा कि मिस लिडगेट आई होंगी और उन्हें वहाँ देखकर, अपने प्रसिद्ध सुधारों में कुछ और करने के लिए उन्हें ले गई होंगी। वह उनके बारे में पूछने के लिए मिस लिडगेट के कमरे में गईं, लेकिन मिस लिडगेट वहाँ नहीं थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें थोड़ा आश्चर्य हुआ कि मिस लिडगेट ने बिना कोई नोट छोड़े उन्हें कैसे हटा दिया; लेकिन जब हॉल से कुछ देर पहले मिस लिडगेट के दरवाजे पर दोबारा दस्तक दी, तब जाकर उन्हें असल में चिंता हुई, क्योंकि उन्हें अचानक याद आया कि अंग्रेजी ट्यूटर ने कहा था कि वह लंच से पहले शहर में दो रातें बिताने के लिए जा रही हैं। तुरंत ही जांच शुरू कर दी गई, लेकिन सोमवार की सुबह, प्रार्थना सभा के ठीक बाद तक कुछ भी नतीजा नहीं निकला, जब सीनियर कॉमन रूम की मेज और फर्श पर गायब हुए प्रमाण बिखरे पड़े मिले। उन्हें खोजने वाली मिस पाइके थीं, जो उस सुबह कमरे में प्रवेश करने वाली पहली प्रोफेसर थीं। सीनियर कॉमन रूम की सफाई करने वाले कर्मचारी को पूरा भरोसा था कि प्रार्थना सभा से पहले वहां ऐसा कुछ नहीं था; कागजों की हालत देखकर लगता था कि खिड़की से गुजरते हुए किसी ने उन्हें कमरे में फेंक दिया होगा, जो किसी के लिए भी करना आसान था। हालांकि, किसी ने भी कुछ संदिग्ध नहीं देखा, जबकि पूरे कॉलेज, खासकर प्रार्थना सभा में देर से आने वाले छात्रों और उन छात्रों से पूछताछ की गई जिनकी खिड़कियां सीनियर कॉमन रूम की ओर खुलती थीं।

जब प्रूफ मिले, तो उन पर गाढ़ी स्याही से पूरी तरह से निशान बना दिए गए थे। हाशिये में किए गए सभी हस्तलिखित बदलावों को काले रंग से मिटा दिया गया था और कुछ पन्नों पर मोटे अक्षरों में आपत्तिजनक अपशब्द लिखे गए थे। हस्तलिखित प्रस्तावना को जला दिया गया था, और इस आशय का एक विजयी संदेश प्रूफ के पहले पन्ने पर बड़े अक्षरों में चिपकाया गया था।

सोमवार को नाश्ते के तुरंत बाद जब मिस लिडगेट कॉलेज लौटीं, तो मिस हिलयार्ड को इसी खबर का सामना करना पड़ा। यह पता लगाने की कोशिश की गई कि पुस्तकालय से प्रूफ कब लिए गए थे। दूर वाले कमरे में बैठी महिला का पता चल गया

और वह लाइब्रेरियन मिस बरोज़ निकलीं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्होंने मिस हिलयार्ड को नहीं देखा था, जो उनके बाद आई थीं और उनसे पहले लंच पर चली गई थीं। न ही उन्होंने मेज पर पड़े प्रूफ देखे थे, या कम से कम उन पर ध्यान दिया था। शनिवार दोपहर को पुस्तकालय का ज्यादा उपयोग नहीं हुआ था; लेकिन एक छात्रा जो लगभग 3 बजे डुकैंज के लेट लैटिन शब्दकोश को देखने के लिए उस कमरे में गई थी जहां मिस हिलयार्ड काम कर रही थीं, उसने कहा कि उन्होंने वह पुस्तक नीचे उतारकर मेज पर रख दी थी, और उसे लगा कि अगर प्रूफ वहां होते, तो उसने उन्हें जरूर देखा होता। यह छात्रा मिस वाटर्स थीं, जो फ्रेंच की द्वितीय वर्ष की छात्रा और मिस शॉ की शिष्या थीं।

सोमवार सुबह प्रार्थना से ठीक पहले मिस हिलयार्ड को सीनियर कॉमन रूम में प्रवेश करते देख बर्सर ने स्थिति में थोड़ी असहजता पैदा कर दी थी। मिस हिलयार्ड ने बताया कि वह केवल दरवाजे तक ही गई थीं, यह सोचकर कि उन्होंने अपना गाउन वहीं छोड़ दिया है; लेकिन समय रहते याद आने पर कि उन्होंने उसे क्वीन एलिजाबेथ बिल्डिंग के क्लोकरूम में टांग दिया था, वह सीनियर कॉमन रूम में प्रवेश किए बिना तुरंत बाहर आ गईं। उन्होंने गुस्से से पूछा कि क्या बर्सर को उन पर स्वयं नुकसान पहुंचाने का संदेह है। मिस स्टीवंस ने कहा, "बिल्कुल नहीं, लेकिन अगर मिस हिलयार्ड अंदर जातीं, तो वह देख सकती थीं कि सबूत पहले से ही कमरे में मौजूद हैं या नहीं, और इस तरह जांच के उस हिस्से को समाप्त कर सकती थीं।"

यही एकमात्र उपलब्ध भौतिक साक्ष्य था, सिवाय इसके कि कॉलेज सचिव और कोषाध्यक्ष, मिस एलिसन के कार्यालय से स्याही की एक बड़ी बोतल गायब हो गई थी। कोषाध्यक्ष शनिवार दोपहर या रविवार को कार्यालय में नहीं गई थीं; उन्होंने केवल इतना कहा कि शनिवार को एक बजे बोतल अपनी सामान्य जगह पर थी। उन्होंने अपने कार्यालय का दरवाजा कभी बंद नहीं किया, क्योंकि वहां कोई पैसा नहीं रखा जाता था और सभी महत्वपूर्ण कागजात तिजोरी में बंद थे। उनकी सहायक कॉलेज में नहीं रहती थी और सप्ताहांत में कार्यालय नहीं आई थी।

एकमात्र अन्य महत्वपूर्ण घटना गलियारों और शौचालयों की दीवारों पर अप्रिय लिखावट का प्रकोप थी। ये लिखावटें, ज़ाहिर है, जैसे ही देखी गईं, मिटा दी गईं और अब उपलब्ध नहीं हैं। मिस लिडगेट के प्रूफों के खो जाने और बाद में विकृत हो जाने का आधिकारिक संज्ञान लेना स्वाभाविक था। डॉ. बेरिंग ने पूरे कॉलेज को संबोधित किया और पूछा कि क्या किसी के पास कोई सबूत है। किसी ने कोई सबूत पेश नहीं

किया; और वार्डन ने तब कॉलेज के बाहर इस मामले को सार्वजनिक न करने की चेतावनी जारी की, साथ ही यह भी बताया कि विश्वविद्यालय के समाचार पत्रों या दैनिक समाचार पत्रों को कोई भी अनुचित संदेश भेजने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। अन्य महिला कॉलेजों में की गई सावधानीपूर्वक पूछताछ से यह स्पष्ट हो गया कि यह उपद्रव अब तक केवल श्रूस्बरी तक ही सीमित था।

चूंकि अब तक ऐसा कोई सबूत सामने नहीं आया था जिससे यह पता चले कि उत्पीड़न पिछले अक्टूबर से पहले शुरू हुआ था, इसलिए स्वाभाविक रूप से संदेह प्रथम वर्ष के छात्रों पर केंद्रित हो गया। जब डॉ. बेरिंग अपनी व्याख्या के इस बिंदु पर पहुंचीं, तब हैरियट ने बोलना अपना कर्तव्य समझा।

“मुझे खेद है, वार्डन,” उसने कहा, “कि मैं प्रथम वर्ष के छात्रों को, और वास्तव में उपस्थित अधिकांश छात्रों को, इस पद से बाहर करने की स्थिति में हूँ।” और फिर उसने कुछ असहजता के साथ सभा को उस गुमनाम लेखक की रचना के दो नमूनों के बारे में बताया जो उसे गौडी में और उसके बाद मिले थे।

“धन्यवाद, मिस वेन,” वार्डन ने उनके भाषण समाप्त होने पर कहा। “मुझे बहुत खेद है कि आपको इतना अप्रिय अनुभव हुआ। लेकिन आपकी जानकारी से संदेह का दायरा काफी हद तक कम हो गया है। यदि अपराधी गौडी में उपस्थित कोई व्यक्ति है, तो वह या तो मौखिक परीक्षा की प्रतीक्षा कर रहे कुछ छात्रों में से एक होगा, या स्काउट्स में से एक, या फिर हममें से ही कोई एक।”

“जी हां। मुझे डर है कि यही स्थिति है।”

दोनों प्रोफेसरों ने एक-दूसरे की ओर देखा।

डॉ. बेरिंग ने आगे कहा, “यह निश्चित रूप से कोई पुराना छात्र नहीं हो सकता, क्योंकि इस बीच भी अत्याचार जारी रहे हैं; न ही यह कॉलेज के बाहर रहने वाला कोई ऑक्सफोर्ड निवासी हो सकता है, क्योंकि हमें पता है कि रात के समय लोगों के दरवाजों के नीचे कुछ कागज़ डाले गए हैं, और दीवारों पर लिखे शिलालेखों का तो जिक्र ही नहीं, जो आधी रात से लेकर अगली सुबह तक के बीच लिखे गए साबित हुए हैं। इसलिए हमें खुद से यह पूछना होगा कि मैंने जिन तीन श्रेणियों का उल्लेख किया है, उनमें से अपेक्षाकृत कम संख्या में लोगों में से कौन इसके लिए जिम्मेदार हो सकता है।”

“निश्चित रूप से,” मिस बरोज़ ने कहा, “यह हमारे किसी सदस्य की तुलना में स्काउट्स में से किसी एक के होने की अधिक संभावना है। मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि इस कॉमन रूम का कोई सदस्य इतना घिनौना काम कर सकता है। जबकि उस वर्ग के लोग—”

"मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही अनुचित टिप्पणी है," मिस बार्टन ने कहा। "मैं दृढ़ता से मानती हूं कि हमें किसी भी प्रकार के वर्ग पूर्वाग्रह से अंधा नहीं होना चाहिए।"

“जहाँ तक मुझे पता है, सभी स्काउट्स बहुत अच्छे चरित्र की महिलाएं हैं,” बर्सर ने कहा, “और आप निश्चिंत रहें कि मैं स्टाफ की भर्ती में बहुत सावधानी बरतता हूँ। सफाई करने वाली महिलाओं और दिन में काम पर आने वाली अन्य महिलाओं पर शक नहीं किया जा सकता। आपको यह भी याद होगा कि अधिकांश स्काउट्स अपने अलग विंग में सोती हैं। इसका बाहरी दरवाजा रात में बंद कर दिया जाता है और भूतल की खिड़कियों में सलाखें लगी हैं। इसके अलावा, लोहे के गेट हैं जो पिछले प्रवेश द्वार को कॉलेज की बाकी इमारतों से अलग करते हैं। रात में संपर्क का एकमात्र रास्ता बटररी (छात्रशाला) के रास्ते है, जो भी बंद रहती है। हेड स्काउट के पास चाबियाँ हैं। कैरी पंद्रह साल से हमारे साथ है, और उस पर भरोसा किया जा सकता है।”

मिस बार्टन ने तीखे लहजे में कहा, "मुझे कभी समझ नहीं आया कि बेचारे नौकरों को रात में खतरनाक जंगली जानवरों की तरह क्यों बंद कर दिया जाता है, जबकि बाकी सभी लोग अपनी मर्जी से आने-जाने के लिए स्वतंत्र हैं। खैर, मौजूदा हालात में तो यही उनके लिए ठीक लगता है।"

“जैसा कि आप भली-भांति जानते हैं,” बर्सर ने उत्तर दिया, “कारण यह है कि व्यापारियों के प्रवेश द्वार पर कोई चौकीदार नहीं है, और अनधिकृत व्यक्तियों के लिए बाहरी फाटकों पर चढ़ना मुश्किल नहीं होगा। और मैं आपको याद दिला दूं कि भूतल की सभी खिड़कियाँ जो सीधे सड़क या रसोई के प्रांगण की ओर खुलती हैं, उनमें लोहे की कुर्सियाँ लगी हैं, जिनमें फेलो छात्रों की खिड़कियाँ भी शामिल हैं। जहाँ तक बटररी के ताले की बात है, मैं कह सकता हूँ कि यह छात्रों को पेंट्री में चोरी करने से रोकने के लिए किया गया है, जैसा कि वे मेरे पूर्ववर्ती के समय में अक्सर करते थे, या ऐसा मुझे बताया गया है। ये सावधानियाँ कॉलेज के सदस्यों के साथ-साथ स्काउट्स के खिलाफ भी समान रूप से बरती जाती हैं।”

कोषाध्यक्ष ने पूछा, "अन्य भवनों में मौजूद स्काउट्स का क्या हाल है?"

“हर इमारत में शायद दो या तीन महिलाएं अलग-अलग कमरों में रहती हैं,” कोषाध्यक्ष ने जवाब दिया। “ये सभी भरोसेमंद महिलाएं हैं जो मेरे आने से पहले से हमारी सेवा में हैं। मेरे पास अभी सूची नहीं है; लेकिन मुझे लगता है कि ट्यूडर में तीन, क्वीन एलिजाबेथ में तीन या चार और न्यू क्वाड के चार छोटे कमरों में से प्रत्येक में एक-एक महिला रहती हैं। बर्ले में सभी छात्रों के कमरे हैं। और हां, वार्डन का अपना घरेलू स्टाफ भी है, साथ ही इन्फर्मरी की नौकरानी भी है जो इन्फर्मेरियन के साथ वहीं सोती है।”
डॉ. बेरिंग ने कहा, “मैं यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाऊंगा कि मेरे परिवार का कोई भी सदस्य दोषी न हो। कोषाध्यक्ष, आपको भी अस्पताल के कर्मचारियों के लिए ऐसा ही करना चाहिए। और, उनके अपने हित में, कॉलेज में सो रहे स्काउट्स पर किसी न किसी प्रकार की निगरानी रखनी चाहिए।”
“ज़रूर, वार्डन—” मिस बार्टन ने गुस्से में कहना शुरू किया।
“उनके अपने हित में,” वार्डन ने शांत स्वर में कहा। “मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ, मिस बार्टन, कि उन पर संदेह करने का इससे बड़ा कोई कारण नहीं है जितना कि हममें से किसी एक पर संदेह करने का। लेकिन यही कारण है कि उन्हें पूरी तरह और तुरंत बरी कर दिया जाना चाहिए।”
“बिल्कुल,” कोषाध्यक्ष ने कहा।
“स्काउट्स या किसी और पर नज़र रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तरीके के बारे में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि जितने कम लोगों को इसके बारे में पता हो, उतना ही बेहतर है। शायद मिस वेन मुझे या किसी और को कोई अच्छा सुझाव दे सकेंगी।”
“बिल्कुल सही,” मिस हिलयार्ड ने गंभीर स्वर में कहा। “किस पर? जहाँ तक मैं देख सकती हूँ, हममें से किसी पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता।”
“दुर्भाग्यवश यह बात बिलकुल सच है,” वार्डन ने कहा, “और यही बात मुझ पर भी लागू होती है। हालाँकि मुझे यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि मुझे कॉलेज के वरिष्ठ सदस्यों पर, सामूहिक रूप से और व्यक्तिगत रूप से, पूरा भरोसा है, फिर भी मुझे लगता है कि स्काउट्स की तरह ही, हमारे अपने हितों की रक्षा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपका क्या कहना है, उप-वार्डन?”
“बिल्कुल,” मिस लिडगेट ने उत्तर दिया। “कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। मैं अनुशंसित किसी भी निगरानी उपाय को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।”
“खैर, कम से कम तुम पर तो शक करना मुश्किल है,” डीन ने कहा। “सबसे ज्यादा पीड़ित तो तुम ही हो।”

मिस हिलयार्ड ने कहा, "हममें से लगभग सभी को किसी न किसी हद तक नुकसान उठाना पड़ा है।"
"मुझे डर है," मिस एलिसन ने कहा, "हमें उस बात को ध्यान में रखना होगा जो मुझे पता है कि इन दुर्भाग्यशाली—उम, अह—अनाम पत्र लेखकों की एक जानी-मानी प्रथा है, जिसमें वे संदेह को दूर करने के लिए खुद को ही पत्र भेजते हैं। क्या ऐसा ही है, मिस वेन?"
“हाँ,” हैरियट ने स्पष्ट रूप से कहा। “पहली नज़र में तो यह असंभव लगता है कि कोई भी व्यक्ति खुद को उस तरह का भौतिक नुकसान पहुँचाएगा जैसा मिस लिडगेट को पहुँचा है; लेकिन अगर हम एक बार भेद करना शुरू कर दें तो यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कहाँ रुकें। मुझे नहीं लगता कि किसी भी सबूत को केवल एक स्पष्ट और पुख्ता सबूत के तौर पर स्वीकार किया जाना चाहिए।”
“और मेरे पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है,” मिस लिडगेट ने कहा। “मैं शनिवार को कॉलेज से तब तक नहीं निकली जब तक मिस हिलयार्ड दोपहर के भोजन के लिए नहीं चली गईं। इसके अलावा, मैं दोपहर के भोजन के समय ट्यूडर गई थी, मिस चिल्परिक के कमरे में एक किताब लौटाने के लिए; इसलिए हो सकता है कि मैंने उस समय पुस्तकालय से पांडुलिपि आसानी से ले ली हो।”
"लेकिन जब सबूत सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए थे, उस समय का आपके पास पुख्ता सबूत है," हैरियट ने कहा।
“नहीं,” मिस लिडगेट ने कहा; “ऐसा भी नहीं। मैं सुबह की ट्रेन से आई थी और जब चैपल में सब लोग मौजूद थे, तब पहुँची थी। मुझे जल्दी से दौड़कर प्रूफ एस.सी.आर. में डालने थे और पकड़े जाने से पहले अपने कमरे में वापस आना था; लेकिन मुझे लगता है कि मैं ऐसा कर सकती थी। वैसे भी, मैं चाहती हूँ कि मेरे साथ भी बाकी लोगों की तरह ही व्यवहार किया जाए।”
“धन्यवाद,” वार्डन ने कहा। “क्या कोई ऐसा है जो ऐसा महसूस नहीं करता?”
डीन ने कहा, "मुझे यकीन है कि हम सभी ऐसा ही महसूस करते होंगे। लेकिन एक वर्ग ऐसा है जिसे हम नजरअंदाज कर रहे हैं।"
“जो छात्र गौडी में थे,” वार्डन ने कहा। “जी हाँ; उनके बारे में क्या ख्याल है?”
डीन ने कहा, "मुझे ठीक से याद नहीं कि वे कौन थे, लेकिन मुझे लगता है कि उनमें से ज़्यादातर स्कूल विभाग के लोग थे और अब उनका पद समाप्त हो चुका है। मैं सूचियाँ

देख लूँगा। और हाँ, मिस कैटरमोल भी थीं, जिनका नाम दूसरी बार रिस्पॉन्सिऑन्स पद के लिए आया था।"
“अरे, कोषाध्यक्ष ने कहा। हाँ। कैटरमोल।”
“और वो महिला जो मॉड्स ले रही थी—उसका नाम क्या था? हडसन, है ना? क्या वो अभी तक जाग रही थी?”
“हां,” मिस हिलयार्ड ने कहा, “वह थी।”
“मुझे लगता है कि अब वे दूसरे और तीसरे साल में होंगे,” हैरियट ने कहा। “वैसे, क्या पता है कि मिस फ्लैक्समैन को संबोधित इस नोट में ‘युवा फैरिंगडन’ कौन है?”
डीन ने कहा, "यही तो मुद्दा है। यंग फैरिंगडन न्यू कॉलेज की एक अंडरग्रेजुएट छात्रा है, मुझे लगता है यही कॉलेज है। जब वे दोनों कॉलेज में आए थे तब उसकी सगाई कैटरमोल से हुई थी, लेकिन अब उसकी सगाई फ्लैक्समैन से हुई है।"
"क्या वह सचमुच ऐसा है?"
"मुख्य रूप से, या आंशिक रूप से, उस पत्र के परिणामस्वरूप। मुझे बताया गया है कि मिस फ्लैक्समैन ने मिस कैटरमोल पर वह पत्र भेजने का आरोप लगाया और उसे मिस्टर फैरिंगडन को दिखाया; जिसके परिणामस्वरूप उस सज्जन ने सगाई तोड़ दी और अपना स्नेह फ्लैक्समैन की ओर मोड़ दिया।"
"अच्छा नहीं लग रहा," हैरियट ने कहा।
“नहीं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि कैटरमोल के साथ हुई सगाई कभी पारिवारिक समझौते से अधिक कुछ थी, और नया समझौता भी एक तरह से यथास्थिति की खुली स्वीकृति मात्र था। मुझे लगता है कि द्वितीय वर्ष में इस पूरे मामले को लेकर कुछ नाराजगी है।”
“मैं समझ गई,” हैरियट ने कहा।
मिस पाइके ने कहा, “सवाल अभी भी बना हुआ है कि हम इस मामले में क्या कदम उठाने का प्रस्ताव रखते हैं? हमने मिस वेन से सलाह ली है, और व्यक्तिगत रूप से मैं उनसे सहमत हूँ—खासकर आज शाम जो हमने सुना है उसके मद्देनजर—कि यह अत्यंत आवश्यक है कि कोई बाहरी व्यक्ति हमारी सहायता करे। पुलिस को बुलाना स्पष्ट रूप से अनुचित है। लेकिन क्या मैं पूछ सकती हूँ कि क्या इस स्तर पर यह सुझाव दिया जाता है कि मिस वेन स्वयं जांच करें? या वैकल्पिक रूप से, क्या वह इस मामले को किसी निजी जांच एजेंट के हाथों में सौंपने का प्रस्ताव रखती हैं? या क्या?”

“मुझे लगता है मैं बहुत ही अजीब स्थिति में हूँ,” हैरियट ने कहा। “मैं हर संभव मदद करने को तैयार हूँ; लेकिन आप समझते हैं ना कि इस तरह की जाँच में काफी समय लग सकता है, खासकर अगर जाँचकर्ता को अकेले ही इसे संभालना पड़े। ऐसी जगह जहाँ लोग हर समय आते-जाते रहते हैं, वहाँ प्रभावी ढंग से पुलिसिंग या गश्त करना लगभग असंभव है। इसके लिए जाँच एजेंटों की एक छोटी सी टीम की ज़रूरत होगी—और अगर आप उन्हें जासूसों या छात्रों के रूप में भी भेस बदलवा दें, तब भी काफी असहजता पैदा हो सकती है।”
"क्या दस्तावेजों की जांच से कोई ठोस सबूत नहीं मिल सकता?" मिस पाइके ने पूछा। "मैं खुद अपने फिंगरप्रिंट देने या किसी भी अन्य प्रकार के आवश्यक समझे जाने वाले एहतियाती उपाय करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।"
“मुझे डर है,” हैरियट ने कहा, “उंगलियों के निशानों का सबूत इकट्ठा करना उतना आसान नहीं है जितना किताबों में दिखाया जाता है। मेरा मतलब है, हम एस.सी.आर. से उंगलियों के निशान ले सकते हैं, और शायद स्काउट्स से भी—हालांकि उन्हें यह पसंद नहीं आएगा। लेकिन मुझे बहुत संदेह है कि इस तरह के खुरदुरे कागज़ पर स्पष्ट निशान दिखाई देंगे। और इसके अलावा—”
डीन ने कहा, "इसके अलावा, आजकल हर अपराधी उंगलियों के निशान के बारे में इतना तो जानता ही है कि दस्ताने पहनता है।"
"और," मिस डी वाइन ने पहली बार बोलते हुए, और थोड़े गंभीर स्वर में कहा, "अगर हमें यह पहले नहीं पता था, तो अब हमें पता चल गया है।"
“हे भगवान! मैं तो यह भूल ही गया था कि यह हम ही हैं।” डीन ने आवेग में आकर कहा, “मैं तो यह भी भूल गया था कि यह हम ही हैं।”
वार्डन ने कहा, "आप समझ गए होंगे कि मेरा क्या मतलब था, जब मैंने कहा था कि जांच के तरीकों पर खुलकर चर्चा न करना ही बेहतर है।"
"इन सभी दस्तावेजों को अब तक कितने लोगों ने संभाला है?" हैरियट ने पूछा।
"मुझे लगता है कि बहुत सारे होंगे," डीन ने कहा।
“लेकिन क्या खोजबीन नहीं की जा सकती थी—” मिस चिल्परिक ने कहना शुरू किया। वह प्रोफेसरों में सबसे कनिष्ठ थीं; एक छोटी, गोरी और शर्मीली युवती, अंग्रेजी भाषा और साहित्य की सहायक ट्यूटर, और मुख्य रूप से दूसरे कॉलेज के एक कनिष्ठ प्रोफेसर से शादी करने के लिए जानी जाती थीं। वार्डन ने उन्हें बीच में ही रोक दिया।

"कृपया, मिस चिल्परिक। इस तरह का सुझाव यहां नहीं दिया जाना चाहिए। इससे चेतावनी का भाव आ सकता है।"
“यह,” मिस हिलयार्ड ने कहा, “एक असहनीय स्थिति है।” उन्होंने गुस्से से हैरियट की ओर देखा, मानो वही इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार हो; और एक तरह से देखा भी जा सकता था कि वह थी भी।
कोषाध्यक्ष ने कहा, "मुझे तो ऐसा लगता है कि अब जब हमने मिस वेन को सलाह देने के लिए बुलाया है, तो हमारे लिए उनकी सलाह मानना या सुनना भी नामुमकिन है। स्थिति कुछ हद तक गिल्बर्टियन जैसी है।"
“हमें एक हद तक स्पष्टवादी होना पड़ेगा,” वार्डन ने कहा। “क्या आप निजी जांच एजेंट, मिस वेन को सलाह देती हैं?”
"आम किस्म के लोग नहीं," हैरियट ने कहा; "आपको वे बिल्कुल पसंद नहीं आएंगे। लेकिन मैं एक ऐसे संगठन को जानती हूँ जहाँ आपको सही तरह का व्यक्ति और पूरी गोपनीयता मिल सकती है।"
उसे याद आया कि मिस कैथरीन क्लिम्पसन नाम की एक महिला थी, जो ऊपरी तौर पर तो एक टाइपिंग ब्यूरो चलाती थी, लेकिन असल में वह महिलाओं का एक उपयोगी संगठन था जो छोटे-मोटे मामलों की जांच-पड़ताल में लगा रहता था। ब्यूरो आत्मनिर्भर था, हालांकि वह जानती थी कि इसके पीछे पीटर विम्सी का पैसा लगा हुआ था। वह राज्य के उन गिने-चुने लोगों में से एक थी जो यह बात जानती थी।
कोषाध्यक्ष को खांसी आ गई।
उन्होंने टिप्पणी की, "किसी जासूस एजेंसी को भुगतान की गई फीस वार्षिक लेखापरीक्षा में एक अजीब तरह से दिखाई देगी।"
"मुझे लगता है कि इसका इंतजाम हो सकता है," हैरियट ने कहा। "मैं उस संगठन को व्यक्तिगत रूप से जानती हूं। शायद कोई शुल्क देने की जरूरत न पड़े।"
वार्डन ने कहा, "यह ठीक नहीं होगा। शुल्क तो निश्चित रूप से चुकाना ही होगा। मैं व्यक्तिगत रूप से इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए सहर्ष तैयार हूं।"
"यह भी सही नहीं होगा," मिस लिडगेट ने कहा। "हमें यह बिल्कुल पसंद नहीं आएगा।"
“शायद,” हैरियट ने सुझाव दिया, “मैं पता लगा सकती हूँ कि फीस कितनी हो सकती है।” वास्तव में, उसे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि व्यवसाय का यह हिस्सा कैसे काम करता है।

“जांच करने में कोई हर्ज नहीं है,” वार्डन ने कहा। “इस बीच—”
“अगर मैं सुझाव दे सकूँ,” डीन ने कहा, “वार्डन जी, मेरा प्रस्ताव है कि सबूत मिस वेन को सौंप दिए जाएँ, क्योंकि इस कमरे में वही एकमात्र ऐसी व्यक्ति हैं जिन पर शक नहीं किया जा सकता। शायद वह इस मामले पर विचार करने के लिए थोड़ा समय लें और सुबह आपको रिपोर्ट दें। कम से कम सुबह तो नहीं, क्योंकि लॉर्ड ओकएप्पल और उद्घाटन समारोह है; लेकिन कल किसी समय।”
वार्डन की जिज्ञासु निगाहों को देखकर हैरियट ने जवाब में कहा, "बहुत अच्छा। मैं ऐसा ही करूंगी। और अगर मुझे कोई ऐसा तरीका सूझता है जिससे मैं मदद कर सकूं, तो मैं पूरी कोशिश करूंगी।"
वार्डन ने उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा, “हम सभी इस स्थिति की अत्यंत असहजता को समझते हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि हम सभी इस मामले को सुलझाने में सहयोग करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। और मैं यह कहना चाहूंगी: हममें से कोई भी कुछ भी सोचे या महसूस करे, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम यथासंभव अपने मन से सभी अस्पष्ट संदेहों को दूर करें, और विशेष रूप से इस बात का ध्यान रखें कि हम किसी के भी खिलाफ आरोप के रूप में समझी जाने वाली कोई भी बात न कहें। इस तरह के घनिष्ठ समुदाय में, आपसी अविश्वास का माहौल सबसे हानिकारक होता है। मैं दोहराती हूं कि मुझे कॉलेज के प्रत्येक वरिष्ठ सदस्य पर पूरा भरोसा है। मैं पूरी तरह से निष्पक्ष रहने का प्रयास करूंगी, और मैं अपने सभी सहयोगियों से भी ऐसा ही करने की अपेक्षा करती हूं।”
विद्वानों ने सहमति दे दी; और बैठक समाप्त हो गई।
“वाह!” डीन ने कहा, जैसे ही वह और हैरियट न्यू क्वाड में मुड़ीं, “यह अब तक की सबसे असहज बैठक थी जिसमें मुझे बैठना पड़ा। मेरी प्यारी, तुमने हमारे बीच एक बम फोड़ दिया है!”
मुझे लगता है ऐसा ही है। लेकिन मैं क्या कर सकता था?
“तुम इसके अलावा कुछ और कर ही नहीं सकते थे। अरे बाप रे! वार्डन का खुले दिमाग की बात करना तो ठीक है, लेकिन हम सब यह सोचकर बेहद परेशान हो जाएंगे कि दूसरे लोग हमारे बारे में क्या सोच रहे हैं, और कहीं हमारी बातचीत भी थोड़ी अटपटी तो नहीं लग रही। यही छोटी सोच, तुम्हें पता है, सबसे बुरी है।”
“मुझे पता है। वैसे, डीन, मैं तुम पर शक करने से बिल्कुल इनकार करता हूँ। तुम अब तक मिले सबसे समझदार व्यक्ति हो।”

“मुझे नहीं लगता कि यह निष्पक्ष सोच है, लेकिन फिर भी आपके उन कुछ अच्छे शब्दों के लिए धन्यवाद। और वार्डन या मिस लिडगेट पर शक तो किया ही नहीं जा सकता, है ना? लेकिन मुझे लगता है कि मुझे यह भी नहीं कहना चाहिए। वरना—हे भगवान! क्या हमें कोई ऐसा बाहरी व्यक्ति नहीं मिल सकता जिसके पास पुख्ता सबूत हो और जिसे हम पकड़ सकें?”

“हम यही उम्मीद करेंगे। और हाँ, उन दो छात्रों और स्काउट्स का भी निपटारा करना बाकी है।” वे डीन के दरवाजे पर पहुँचे। मिस मार्टिन ने बैठक में आग को तेज़ी से कुरेदा, एक कुर्सी पर बैठ गईं और उठती हुई लपटों को घूरने लगीं। हैरियट सोफे पर सिमटकर बैठ गईं और मिस मार्टिन के बारे में सोचने लगीं।

डीन ने कहा, “देखो, तुम मुझे अपने विचार ज़्यादा मत बताओ, लेकिन ऐसा कोई कारण नहीं है कि हममें से कोई भी तुम्हें अपने विचार न बताए, है ना? नहीं। अच्छा, तो बात ये है। इस सारी ज़्यादती का मकसद क्या है? ये किसी के प्रति निजी दुश्मनी जैसा नहीं लगता। ये एक तरह की अंधी नफ़रत है, जो कॉलेज में हर किसी के खिलाफ़ है। इसके पीछे क्या मकसद है?”

"खैर, हो सकता है कि किसी ने सोचा हो कि कॉलेज ने सामूहिक रूप से उसे चोट पहुंचाई है। या हो सकता है कि यह कोई व्यक्तिगत दुश्मनी हो जो एक सामान्य हमले के रूप में सामने आई हो। या हो सकता है कि यह सिर्फ किसी ऐसे व्यक्ति का जुनून हो जिसे मनोरंजन के लिए अशांति फैलाने का शौक हो; इस तरह के हंगामे का यही आम कारण होता है, अगर इसे कारण कहा जा सकता है।"

“ऐसे में तो ये सरासर तुच्छता है। जैसे वो चिड़चिड़े बच्चे जो फर्नीचर इधर-उधर फेंकते हैं और वो नौकर जो भूत होने का नाटक करते हैं। और नौकरों की बात करें तो, क्या आपको लगता है कि इस बात में कोई सच्चाई है कि ये उसी वर्ग के किसी व्यक्ति का काम हो सकता है? बेशक, मिस बार्टन इससे सहमत नहीं होंगी; लेकिन आखिर, इस्तेमाल किए गए कुछ शब्द तो बहुत ही भद्दे हैं।”

“हाँ,” हैरियट ने कहा; “लेकिन वास्तव में ऐसा कोई शब्द नहीं है जिसका अर्थ मुझे, उदाहरण के लिए, पता न हो। मेरा मानना है कि जब आप सबसे सभ्य लोगों को भी बेहोश कर देते हैं, तो वे अवचेतन मन से सबसे अजीब शब्दावली निकाल सकते हैं—वास्तव में, जितना सभ्य, उतना ही अशिष्ट।”

“बिल्कुल सही। क्या आपने गौर किया कि उन सभी संदेशों में एक भी वर्तनी की गलती नहीं थी?”

“मैंने यह देखा। इससे शायद यह पता चलता है कि वह व्यक्ति काफी पढ़ा-लिखा है; हालांकि इसका उल्टा सच नहीं है। मेरा मतलब है, पढ़े-लिखे लोग अक्सर जानबूझकर गलतियाँ करते हैं, ताकि वर्तनी की गलतियाँ ज्यादा मायने न रखें। लेकिन गलतियों का न होना, अगर स्वाभाविक न हो, तो इसे संभालना ज्यादा मुश्किल है। मैं अपनी बात ठीक से स्पष्ट नहीं कर पा रहा हूँ।”
“हाँ, तुम हो। एक अच्छा स्पेलर खराब स्पेलर होने का दिखावा कर सकता है; लेकिन एक खराब स्पेलर अच्छे स्पेलर होने का दिखावा नहीं कर सकता, ठीक वैसे ही जैसे मैं गणितज्ञ होने का दिखावा नहीं कर सकता।”
उसे एक शब्दकोश की जरूरत पड़ सकती है।
लेकिन फिर उसे शब्दकोश का इस्तेमाल करने लायक ज्ञान होना चाहिए—जैसा कि आजकल की बोलचाल की भाषा में कहा जाता है। क्या उसकी हर वर्तनी को सही करने की हमारी कोशिश बेवकूफी भरी नहीं है?
मुझे नहीं पता। पढ़े-लिखे लोग अक्सर खराब वर्तनी का दिखावा बहुत बुरी तरह करते हैं, आसान शब्दों की वर्तनी गलत लिखते हैं और काफी कठिन शब्दों की वर्तनी सही लिखते हैं। यह पहचानना मुश्किल नहीं है कि लोग दिखावा कर रहे हैं या नहीं। मुझे लगता है कि दिखावा न करना ही शायद ज्यादा समझदारी है।
“मैं समझ गया। क्या इससे स्काउट्स को बाहर रखा जाता है?... लेकिन शायद उनकी वर्तनी हमसे बेहतर होती है। वे अक्सर हमसे ज़्यादा पढ़े-लिखे होते हैं। और मुझे यकीन है कि वे बेहतर कपड़े पहनते हैं। लेकिन यह बात मुद्दे से हटकर है। अगर मैं हिचकिचाऊं तो मुझे रोक देना।”
"तुम हिचकिचा नहीं रही हो," हैरियट ने कहा। "तुम जो कुछ भी कह रही हो, वह बिलकुल सच है। फिलहाल मुझे नहीं लगता कि किसी को भी इससे बाहर रखा जा सकता है।"
डीन ने पूछा, "और उन कटे-फटे अखबारों का क्या होता है?"
"यह ठीक नहीं है," हैरियट ने कहा; "आप इस बारे में कुछ ज़्यादा ही तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मैं भी इसी बारे में सोच रही थी।"
“जी हां, हम इस पर काम कर रहे हैं,” डीन ने संतुष्टि भरे स्वर में कहा। “जब से यह मामला हमारे संज्ञान में आया है, तब से हम एस.सी.आर. और जे.सी.आर. के सभी कागजातों की जांच कर रहे हैं—यानी लगभग इस सत्र की शुरुआत से। किसी भी

कागज को नष्ट करने से पहले, सूची के अनुसार सभी कागजातों की जांच की जाती है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि उनमें से कुछ भी काटा न गया हो।"
"ऐसा कौन कर रहा है?"
"मेरी सेक्रेटरी, मिसेज़ गुडविन। मुझे नहीं लगता कि आप उनसे अभी तक मिले हैं। वो कॉलेज में सत्र के दौरान रहती हैं। बहुत ही अच्छी लड़की—या कहें महिला। आप जानते हैं, वो विधवा हो गईं, बहुत तंगहाली में रहीं, और उनका एक दस साल का छोटा बेटा है जो एक प्रीप स्कूल में पढ़ता है। जब उनके पति का निधन हुआ—वो एक स्कूल मास्टर थे—तो उन्होंने सेक्रेटरी बनने का प्रशिक्षण लेने का फैसला किया और वाकई बहुत अच्छा काम किया। वो मेरे लिए अमूल्य हैं, और बेहद सावधान और भरोसेमंद हैं।"
"क्या वह गौडी में यहाँ थी?"
"बिल्कुल, वो ऐसी ही थी। अरे वाह! आप ऐसा सोच भी नहीं सकते—प्रिय, ये तो कतई बेतुका है। एकदम सीधी-सादी और समझदार इंसान। और वो कॉलेज की बहुत आभारी है कि उसने उसे ये नौकरी दिलवाई, और वो इसे खोने का जोखिम बिल्कुल नहीं उठाना चाहेगी।"
फिर भी, उसका नाम संभावित उम्मीदवारों की सूची में होना चाहिए। वह यहां कब से है?
"देखने दीजिए। लगभग दो साल हो गए। गौडी वाली घटना से पहले तो कुछ भी नहीं हुआ था, और उससे एक साल पहले से वह यहाँ थी।"
लेकिन एस.सी.आर. और कॉलेज में रहने वाले स्काउट्स तो यहाँ और भी लंबे समय से हैं, उनमें से अधिकतर। हम इस मामले में कोई अपवाद नहीं कर सकते। बाकी सचिवों के बारे में क्या?
"वार्डन की सचिव—मिस पार्सन्स—वार्डन के आवास में रहती हैं। कोषाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के सचिव दोनों बाहर रहते हैं, इसलिए उन्हें सूची से हटाया जा सकता है।"
"मिस पार्सन्स यहां कब से हैं?"
"चार साल।"
हैरियट ने श्रीमती गुडविन और मिस पार्सन्स के नाम लिख लिए।
"मुझे लगता है," उसने कहा, "श्रीमती गुडविन की भलाई के लिए हमें उन अखबारों की दोबारा जाँच कर लेनी चाहिए। वैसे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता; क्योंकि अगर उस लेखिका को पता चल जाए कि अखबारों की जाँच हो रही है, तो वह उनका

इस्तेमाल नहीं करेगी। और मुझे लगता है कि उसे पता ही होगा, क्योंकि उन्हें इकट्ठा करने में बहुत सावधानी बरती गई है।”
“बिल्कुल संभव है। यही तो असली समस्या है, है ना?”
"लोगों के निजी समाचार पत्रों के बारे में क्या ख्याल है?"
“खैर, ज़ाहिर है, हम उनकी जाँच नहीं कर सकते थे। हमने कूड़ेदानों पर यथासंभव नज़र रखी है। आप जानते हैं, कुछ भी नष्ट नहीं होता। सब कुछ मितव्ययी ढंग से बोरियों में इकट्ठा करके कागज़ बनाने वालों या पुराने कागज़ों के लिए पैसे देने वाले किसी भी व्यक्ति को भेज दिया जाता है। सम्मानित पैजेट को बोरियों की जाँच करने का निर्देश दिया गया है—लेकिन यह बहुत बड़ा काम है। और फिर, ज़ाहिर है, जब सभी कमरों में आग लग रही है, तो कोई भी कूड़ेदान में सबूत क्यों छोड़ेगा?”
"वॉइड में जले हुए गाउन के बारे में क्या? उसे जलाने में ज़रूर काफी मेहनत लगी होगी। यकीनन उसे जलाने के लिए एक से ज़्यादा लोगों की ज़रूरत पड़ी होगी।"
“हमें नहीं पता कि यह उसी काम का हिस्सा था या नहीं। रविवार के भोजन से पहले, लगभग दस-बारह लोगों ने अपने गाउन अलग-अलग जगहों पर छोड़ दिए थे—जैसा कि लोग अक्सर करते हैं। कुछ क्वीन एलिजाबेथ पोर्टिको में थे, कुछ हॉल की सीढ़ियों के नीचे, और इसी तरह। लोग उन्हें लाकर शाम की प्रार्थना के लिए रख देते हैं।” (हैरियट ने सिर हिलाया; रविवार शाम की प्रार्थना पौने आठ बजे होती थी और अनिवार्य थी; यह एक तरह से सूचनाएँ बाँटने के लिए कॉलेज की बैठक भी होती थी।)
“खैर, जब घंटी बजी, तो इन लोगों को अपने गाउन नहीं मिले और इसलिए वे प्रार्थना में नहीं जा सके। सबको लगा कि यह बस एक फटा हुआ कपड़ा है। लेकिन आधी रात को किसी ने चौक में आग देखी, और पता चला कि यह बॉम्बेज़ीन की एक छोटी सी मज़ेदार आग थी। गाउन पेट्रोल में भीगे हुए थे और वे बड़े चाव से जल उठे।”
“पेट्रोल कहाँ से आया?”
“यह वो डिब्बा था जिसे मुलिन्स अपनी मोटरसाइकिल के लिए रखता था। आपको मुलिन्स याद होगा—जोवेट लॉज का कुली। उसकी मोटरसाइकिल लॉज के बगीचे में बने एक छोटे से कमरे में रखी रहती थी। वो उसे ताला नहीं लगाता था—क्यों लगाता? अब लगाता है, पर उससे कोई फायदा नहीं। कोई भी जाकर उसे ले जा सकता था। वो और उसकी पत्नी कुछ नहीं सुन पाए, क्योंकि वे अपनी नेक नींद में सो रहे थे। आग ठीक ओल्ड क्वाड के बीचोंबीच लगी और घास के मैदान में एक बड़ा सा हिस्सा जल गया। आग की लपटें उठते ही बहुत से लोग बाहर भागे, और जिसने भी ये किया, वो

शायद भीड़ में ही मिल गया होगा। मरने वालों में चार एम.ए. गाउन, दो स्कॉलर गाउन और बाकी आम लोगों के गाउन थे; लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई चयन हुआ होगा; वे बस वहीं पड़े हुए थे।"
मुझे आश्चर्य है कि रात के खाने और अलाव जलाने के बीच के अंतराल में उन्हें कहाँ रखा गया था। कॉलेज में इतने सारे गाउन लेकर घूमना थोड़ा अजीब लगेगा।
"नहीं; यह नवंबर के अंत की बात थी, और काफी अंधेरा था। उन्हें आसानी से किसी लेक्चर रूम में बंद करके तब तक के लिए छोड़ दिया जा सकता था जब तक कि उन्हें बुलाया न जाए। आप जानते हैं, कॉलेज में कोई व्यवस्थित तलाशी नहीं हुई थी। जिन बेचारे पीड़ितों को गाउन नहीं मिला, उन्हें लगा कि कोई मज़ाक कर रहा है; वे बहुत गुस्से में थे, लेकिन कार्रवाई करने में असमर्थ थे। उनमें से ज्यादातर ने अपने दोस्तों पर आरोप लगाना शुरू कर दिया।"
"हाँ; मुझे नहीं लगता कि दिन के इस समय हम उस प्रकरण से कुछ खास जानकारी हासिल कर पाएंगे। खैर—मुझे लगता है कि मुझे हॉल के लिए नहा-धोकर तैयार हो जाना चाहिए।"
हॉल हाई टेबल पर एक अजीबोगरीब माहौल में डूबा हुआ था। बातचीत को बड़ी चतुराई से अकादमिक और दुनियावी मुद्दों तक ही सीमित रखा गया था। स्नातक छात्र शोर-शराबा करते हुए खुशी से बातें कर रहे थे; कॉलेज पर छाए संकट के साये का उनके मनोबल पर कोई असर नहीं पड़ा था। हैरियट की निगाहें उन पर टिकी हुई थीं।
"क्या दाहिनी ओर वाली मेज पर मिस कैटरमोल बैठी हैं? हरे रंग की फ्रॉक में, जिनका मेकअप ठीक से नहीं हुआ है?"
"यही तो युवती है," डीन ने उत्तर दिया। "आपको कैसे पता चला?"
"मुझे याद है मैंने उसे गौडी में देखा था। सर्वविजयी मिस फ्लैक्समैन कहाँ हैं?"
"मुझे वो दिख नहीं रही। शायद वो हॉल में खाना नहीं खा रही होंगी। उनमें से कई तो कपड़े बदलने की झंझट से बचने के लिए अपने कमरों में ही अंडा उबालना पसंद करती हैं। आलसी छोटी शैतान। और बीच वाली मेज पर लाल जम्पर पहने मिस हडसन हैं। काले बाल और सींग के फ्रेम वाले चश्मे।"
वह बिल्कुल सामान्य दिखती है।
"जहां तक मुझे पता है, वह है। जहां तक मुझे पता है, हम सब हैं।"
"मुझे लगता है," मिस पाइके ने कहा, जिन्होंने आखिरी टिप्पणी सुन ली थी, "हत्यारे भी देखने में आम लोगों जैसे ही लगते हैं। मिस वेन। या लोम्ब्रोसो द्वारा प्रस्तुत सिद्धांतों के

बारे में आपकी क्या राय है? मुझे पता चला है कि वे अब काफी हद तक गलत साबित हो चुके हैं।"
हैरियट हत्यारों के बारे में चर्चा करने की अनुमति मिलने पर काफी आभारी थी।
हॉल के बाद, हैरियट खुद को कुछ खाली-खाली महसूस कर रही थी। उसे लग रहा था कि उसे कुछ करना चाहिए या किसी का इंटरव्यू लेना चाहिए; लेकिन यह समझ नहीं आ रहा था कि शुरुआत कहाँ से करे। डीन ने बताया था कि वह कुछ सूचियों पर काम में व्यस्त रहेंगी, लेकिन बाद में आगंतुकों से मिल सकेंगी। लाइब्रेरियन मिस बरोज़ चांसलर के आने से पहले लाइब्रेरी को अंतिम रूप देने में लगी हुई थीं; वह दिन भर किताबों को इधर-उधर ले जाने और व्यवस्थित करने में लगी रहीं और कुछ छात्रों को किताबों को अलमारियों में रखने में मदद के लिए साथ ले आई थीं। कई अन्य प्रोफेसरों ने बताया कि उन्हें काम करना है; हैरियट को लगा कि वे एक-दूसरे की संगति में कुछ झिझक रहे थे।
कोषाध्यक्ष से मिलकर हैरियट ने पूछा कि क्या कॉलेज का नक्शा और विभिन्न कमरों व उनमें रहने वालों की सूची मिल सकती है। मिस स्टीवंस ने सूची देने की पेशकश की और कहा कि उन्हें लगता है कि कोषाध्यक्ष के कार्यालय में नक्शा मौजूद है। वह हैरियट को ये चीजें लेने के लिए न्यू क्वाड में ले गईं।
"मुझे उम्मीद है," बर्सर ने कहा, "आप मिस बरोज़ की स्काउट्स के बारे में की गई उस दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणी पर ज़्यादा ध्यान नहीं देंगे। व्यक्तिगत रूप से, अगर संभव हो तो मुझे सभी नौकरानियों को स्काउट्स विंग में संदेह से दूर स्थानांतरित करने में सबसे ज़्यादा खुशी होगी; लेकिन वहाँ उनके लिए कोई जगह नहीं है। कॉलेज में सोने वालों के नाम आपको बताने में मुझे कोई आपत्ति नहीं है, और मैं निश्चित रूप से सहमत हूँ कि सावधानी बरतनी चाहिए। लेकिन मेरे विचार से, मिस लिडगेट के प्रूफ का प्रकरण स्काउट्स के काम को पूरी तरह से खारिज कर देता है। उनमें से बहुत कम लोगों को प्रूफ शीट के बारे में कुछ पता होगा या वे इसकी परवाह करेंगे; न ही पांडुलिपियों को नुकसान पहुँचाने का विचार उनके मन में आएगा। अश्लील पत्र—हाँ, शायद। लेकिन उन प्रूफ को नुकसान पहुँचाना एक शिक्षित व्यक्ति का अपराध था। क्या आप ऐसा नहीं सोचते?"
"मुझे अपने मन की बात नहीं कहनी चाहिए," हैरियट ने कहा।
"नहीं; बिलकुल सही। लेकिन मैं अपने विचार व्यक्त कर सकता हूँ। मैं ये बात सिर्फ़ आपसे कहूँगा। फिर भी, मुझे स्काउट्स को बलि का बकरा बनाने की ये जल्दबाज़ी

पसंद नहीं है।"
"सबसे अजीब बात तो यह है कि मिस लिडगेट को ही शिकार के रूप में चुना गया। भला कोई—खासकर उनकी ही सहकर्मी—उनसे कैसे दुश्मनी रख सकता है? क्या ऐसा नहीं लगता कि अपराधी को सबूतों की अहमियत के बारे में कुछ पता ही नहीं था, और वह तो बस दुनिया के प्रति एक तरह का विरोध जताने का प्रयास कर रही थी?" हैरियट ने कहा।
"हाँ, ऐसा मुमकिन है। मुझे कहना पड़ेगा, मिस वेन, कि आज आपके बयान ने मामले को बहुत पेचीदा बना दिया है। मैं मानता हूँ कि मुझे एस.सी.आर. की बजाय स्काउट्स पर शक है; लेकिन जब ये जल्दबाज़ी में लगाए गए आरोप उस आखिरी व्यक्ति द्वारा लगाए गए हैं जो पांडुलिपि के साथ उसी कमरे में मौजूद था, तो मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि—खैर, ये मुझे अविवेकी लगता है।"
हैरियट ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कोषाध्यक्ष को लगा कि वह कुछ ज्यादा ही बोल गई है, इसलिए उन्होंने आगे कहा:
मुझे किसी पर कोई शक नहीं है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि बिना सबूत के बयान नहीं दिए जाने चाहिए।
हैरियट सहमत हो गई, और कोषाध्यक्ष की सूची में संबंधित नामों पर निशान लगाने के बाद, कोषाध्यक्ष को खोजने चली गई।
मिस एलिसन ने कॉलेज का एक नक्शा प्रस्तुत किया और विभिन्न लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कमरों की स्थिति को दर्शाया।
उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि इसका मतलब यह है कि आप स्वयं इस मामले की जांच करेंगे। मेरा मानना है कि हमें आपसे इसके लिए समय निकालने का अनुरोध नहीं करना चाहिए। लेकिन मुझे दृढ़ता से लगता है कि इस कॉलेज में भाड़े के जासूसों की उपस्थिति बेहद अप्रिय होगी, चाहे वे कितने भी विवेकशील क्यों न हों। मैंने कई वर्षों तक कॉलेज की सेवा की है और इसके हित मेरे दिल के बेहद करीब हैं। आप जानते हैं कि इस तरह के मामले में किसी बाहरी व्यक्ति को शामिल करना कितना अनुचित है।"
"हाँ, बिलकुल," हैरियट ने कहा। "फिर भी, एक द्वेषपूर्ण या मानसिक रूप से कमजोर नौकर एक ऐसी विपत्ति है जो कहीं भी हो सकती है। निश्चित रूप से महत्वपूर्ण बात यह है कि जितनी जल्दी हो सके इस रहस्य की तह तक पहुंचा जाए; और एक या दो प्रशिक्षित जासूस मुझसे कहीं अधिक कुशल साबित होंगे।"

मिस एलिसन ने ध्यानपूर्वक उसकी ओर देखा और अपने सोने के चेन पर लगे चश्मे को धीरे-धीरे आगे-पीछे हिलाया।
“मुझे लगता है कि आप सबसे आरामदायक सिद्धांत की ओर झुकाव रखते हैं। शायद हम सभी ऐसा ही करते हैं। लेकिन एक और संभावना भी है। ध्यान रहे, मैं यह अच्छी तरह समझता हूँ कि आपके अपने दृष्टिकोण से, आप सीनियर कॉमन रूम के किसी सदस्य के पर्दाफाश में भाग लेना नहीं चाहेंगे। लेकिन अगर ऐसी नौबत आई, तो मुझे किसी बाहरी पेशेवर जासूस की तुलना में आपकी सूझबूझ पर अधिक भरोसा है। और आपको कॉलेज प्रणाली की कार्यप्रणाली का ज्ञान है, जो एक बड़ा लाभ है।”
हैरियट ने कहा कि उसे लगता है कि सभी परिस्थितियों की प्रारंभिक समीक्षा करने के बाद वह बेहतर सुझाव दे पाएगी।
मिस एलिसन ने कहा, "यदि आप जांच शुरू करते हैं, तो शायद आपको यह चेतावनी देना उचित होगा कि आपको कुछ विरोध का सामना करना पड़ सकता है। यह पहले ही कहा जा चुका है—लेकिन शायद मुझे आपको यह बताने की आवश्यकता नहीं है।"
इसका निर्णय आपको करना है।
"यह पहले ही कहा जा चुका है कि आज की बैठक में उल्लिखित सीमाओं के भीतर संदिग्धों को सीमित करना केवल आपके कथन पर निर्भर करता है। मेरा तात्पर्य उन दो दस्तावेजों से है जो आपको गौडी में मिले थे।"
“मैं समझ गया। क्या मुझे इनका आविष्कार करना चाहिए था?”
“मुझे नहीं लगता कि कोई इतना आगे जाएगा। लेकिन आपने कहा है कि आपको भी कभी-कभी इसी तरह के पत्र मिलते हैं। और सुझाव यह है कि—”
“अगर मुझे इस तरह की कोई चीज मिली होती तो मैं उसे अपने साथ जरूर लाया होता? ऐसा होना काफी हद तक मुमकिन है, बस फर्क इतना है कि उन चीजों का स्टाइल बाकी चीजों के स्टाइल से इतना मिलता-जुलता था। हालांकि, मैं मानता हूं कि इस बात के लिए आपके पास सिर्फ मेरी बात का ही सबूत है।”
“मुझे इस पर जरा भी शक नहीं है। जो कहा जा रहा है, वह यह है कि इन मामलों में आपका अनुभव—अगर कुछ है तो—आपके लिए नुकसानदायक है। मुझे माफ कीजिएगा। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है।”
“यही वह बात है जिसके कारण मैं इस जांच से बिल्कुल भी जुड़ना नहीं चाहता था। यह बिलकुल सच है। मैंने पूरी तरह से बेदाग जीवन नहीं जिया है, और आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।”

“अगर आप मुझसे पूछें,” मिस एलिसन ने कहा, “कुछ लोगों के बेदाग जीवन ही बहुत सी गलतियों के लिए ज़िम्मेदार हैं। मैं मूर्ख नहीं हूँ, मिस वेन। इसमें कोई शक नहीं कि मेरा अपना जीवन भी कुछ बड़े पापों के मामले में बेदाग रहा है। लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर मैं आपसे यहाँ मौजूद कुछ लोगों की तुलना में अधिक संतुलित राय रखने की उम्मीद करती हूँ। मुझे नहीं लगता कि मुझे इससे ज़्यादा कुछ कहने की ज़रूरत है, है ना?”

हैरियट अगली बार मिस लिडगेट से मिलने गई; उसका बहाना यह पूछना था कि उनके पास मौजूद क्षतिग्रस्त प्रूफों का क्या किया जाए। उसने देखा कि अंग्रेजी की ट्यूटर धैर्यपूर्वक छात्रों के निबंधों के एक छोटे से ढेर की जाँच कर रही थीं।

"अंदर आइए, अंदर आइए," मिस लिडगेट ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। “मैंने इन्हें लगभग पूरा कर लिया है। ओह, मेरे बेचारे प्रूफों का क्या? मुझे डर है कि वे मेरे किसी काम के नहीं हैं। वे सचमुच बिल्कुल समझ से परे हैं। मुझे लगता है कि अब एक ही उपाय है कि मैं इसे फिर से करूँ। बेचारे प्रिंटर तो अपना सिर पीट रहे होंगे। मुझे उम्मीद है कि इसके अधिकांश भाग में मुझे ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। और मेरे पास प्रस्तावना के नोट्स हैं, इसलिए यह उतना बुरा नहीं है जितना हो सकता था। सबसे बड़ा नुकसान हस्तलिखित फुटनोट्स और दो हस्तलिखित परिशिष्टों का है जिन्हें मुझे श्री एल्कबॉटम की आधुनिक छंद-रूपों पर नई पुस्तक में कुछ बहुत ही अनुचित कथनों का खंडन करने के लिए अंतिम क्षण में जोड़ना पड़ा था। मैंने मूर्खता से उन्हें प्रूफों के खाली पन्नों पर लिख दिया था और वे बिल्कुल भी वापस नहीं मिल सकते। मुझे एल्कबॉटम में सभी संदर्भों को फिर से सत्यापित करना होगा। यह बहुत थकाऊ है, खासकर जब सेमेस्टर के अंत में हमेशा बहुत व्यस्तता रहती है। लेकिन यह सब मेरी ही गलती है कि मैंने उचित रिकॉर्ड नहीं रखा।” सब कुछ।"

“मुझे आश्चर्य है कि क्या मैं प्रूफ तैयार करने में आपकी कुछ मदद कर सकती हूँ। अगर इससे कुछ फायदा हो तो मैं खुशी-खुशी एक हफ्ते तक जाग सकती हूँ। मुझे प्रूफ शीटों को संभालने की अच्छी आदत है, और मुझे लगता है कि मुझे अपने स्कूल का इतना काम याद है कि मैं एंग्लो-सैक्सन और प्रारंभिक अंग्रेजी के बारे में ठीक-ठाक जानकारी रखती हूँ।”

“यह तो बहुत बड़ी मदद होगी!” मिस लिडगेट ने खुशी से कहा, उनका चेहरा चमक उठा। “लेकिन क्या इससे आपका बहुत ज्यादा समय बर्बाद नहीं होगा?”

हैरियट ने कहा, नहीं; वह अपने काम में काफी आगे थी और अंग्रेजी छंदशास्त्र पर थोड़ा समय देना उसे अच्छा लगता। उसके मन में यह बात थी कि अगर वह सचमुच श्रूस्बरी में अध्ययन करना चाहती है, तो मिस लिडगेट के शोधपत्र कॉलेज में उसकी उपस्थिति के लिए एक सुविधाजनक बहाना बन जाएंगे।
फिलहाल इस सुझाव को वहीं छोड़ दिया गया। जहां तक इन अत्याचारों के रचयिता का सवाल है, मिस लिडगेट कोई सुझाव नहीं दे सकीं; सिवाय इसके कि जो भी हो, वह बेचारा मानसिक रूप से विक्षिप्त जरूर होगा।
मिस लिडगेट के कमरे से निकलते ही हैरियट की मुलाकात मिस हिलयार्ड से हुई, जो अपने घर से सीढ़ियों से नीचे उतर रही थीं।
“अच्छा,” मिस हिलयार्ड ने कहा, “जांच कैसी चल रही है? लेकिन मुझे यह नहीं पूछना चाहिए। आपने तो हमारे बीच कलह का बीज जानबूझकर बोया है। हालांकि, चूंकि आपको गुमनाम संदेशों को प्राप्त करने की अच्छी आदत है, इसलिए आप ही इस स्थिति को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं।”
“मेरे मामले में,” हैरियट ने कहा, “मुझे उतना ही मिला जितना कुछ हद तक उचित था। लेकिन यह बिल्कुल अलग मामला है। यह समस्या बिल्कुल भी एक जैसी नहीं है। मिस लिडगेट की किताब किसी को भी ठेस नहीं पहुंचा सकती।”
“उन कुछ पुरुषों को छोड़कर, जिनके सिद्धांतों पर उन्होंने हमला किया है,” मिस हिलयार्ड ने उत्तर दिया। “हालांकि, परिस्थितियाँ इस बात को स्पष्ट नहीं करतीं कि पुरुष इस जांच के दायरे से बाहर हैं। अन्यथा, एक महिला महाविद्यालय पर यह सामूहिक हमला मुझे शिक्षित महिलाओं के प्रति पुरुषों की सामान्य दुर्भावना का संकेत देता। लेकिन आप, निश्चित रूप से, इसे हास्यास्पद मानेंगी।”
"बिल्कुल नहीं। बहुत से पुरुष बेहद द्वेषपूर्ण होते हैं। लेकिन यकीनन कोई भी पुरुष रात में कॉलेज के आसपास नहीं घूमता होगा।"
“मुझे इस पर इतना यकीन नहीं है,” मिस हिलयार्ड ने व्यंग्य भरी मुस्कान के साथ कहा। “ब्यूसर का बंद दरवाजों की बात करना बिल्कुल बेतुका है। दरवाजे बंद होने से पहले कोई व्यक्ति परिसर में छिपकर सुबह खुलने पर फिर से भाग सकता है? या फिर दीवार पर चढ़ सकता है, अगर ऐसी नौबत आ जाए तो?”
हैरियट को यह सिद्धांत बेतुका लगा; लेकिन इसमें उसकी दिलचस्पी थी, क्योंकि यह वक्ता के पूर्वाग्रह का प्रमाण था, जो लगभग जुनून की हद तक पहुंच गया था।

मिस हिलयार्ड ने आगे कहा, “मेरी राय में जो बात किसी पुरुष की ओर इशारा करती है, वह है मिस बार्टन की किताब को नष्ट करना, जो नारीवाद का प्रबल समर्थन करती है। मुझे नहीं लगता कि आपने इसे पढ़ा होगा; शायद इसमें आपकी रुचि न हो। लेकिन आखिर उस किताब को ही क्यों चुना गया?”

हैरियट चौक के कोने पर मिस हिलयार्ड से अलग हुई और ट्यूडर बिल्डिंग की ओर चली गई। उसे इस बात में ज़रा भी संदेह नहीं था कि कौन उसकी पूछताछ में बाधा डाल सकता है। अगर किसी विकृत मानसिकता वाले व्यक्ति की तलाश की जाए, तो मिस हिलयार्ड की मानसिकता निश्चित रूप से थोड़ी टेढ़ी थी। और, अगर इस पर गौर किया जाए, तो इस बात का कोई सबूत नहीं था कि मिस लिडगेट के प्रमाण कभी पुस्तकालय ले जाए गए थे या कभी मिस हिलयार्ड के हाथों से निकले थे। साथ ही, सोमवार की सुबह प्रार्थना से पहले उन्हें एस.सी.आर. के द्वार पर अवश्य देखा गया था। अगर मिस हिलयार्ड इतनी विक्षिप्त थीं कि मिस लिडगेट पर इस तरह का प्रहार कर सकें, तो वे पागलखाने के लायक थीं। लेकिन वास्तव में, यह बात उस व्यक्ति पर भी लागू होती, चाहे वह कोई भी हो।

वह ट्यूडर में गई और मिस बार्टन के दरवाजे पर दस्तक दी, और जब उसे अंदर आने दिया गया, तो उसने पूछा कि क्या वह 'वुमन्स प्लेस इन द मॉडर्न स्टेट' की एक प्रति उधार ले सकती है।

“जासूस काम पर लग गए?” मिस बार्टन ने पूछा। “जी हाँ, मिस वेन, ये लीजिए। वैसे, पिछली बार जब आप यहाँ आई थीं, तब मैंने जो कुछ कहा था, उसके लिए मैं आपसे माफी मांगना चाहूंगी। मुझे बहुत खुशी होगी अगर आप इस बेहद अप्रिय मामले को सुलझा लें, जो आपके लिए शायद ही सुखद हो। मैं ऐसे किसी भी व्यक्ति की बहुत प्रशंसा करती हूँ जो अपने निजी हितों को आम हित के लिए त्याग दे। यह मामला स्पष्ट रूप से विकृत है—जैसा कि मेरी राय में सभी असामाजिक व्यवहार होते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यहाँ कानूनी कार्यवाही का कोई सवाल ही नहीं उठता। कम से कम, मुझे उम्मीद तो यही है। मैं बेहद चिंतित हूँ कि यह मामला अदालत तक न पहुँचे; और इसी कारण मैं किसी भी तरह के जासूसों को नियुक्त करने के खिलाफ हूँ। अगर आप इस मामले की तह तक पहुँचने में सक्षम हैं, तो मैं आपकी हर संभव मदद करने के लिए तैयार हूँ।”

हैरियट ने फेलो को उनकी अच्छी राय और किताब के लिए धन्यवाद दिया।

"आप शायद यहाँ के सबसे अच्छे मनोवैज्ञानिक हैं," हैरियट ने कहा। "आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?"
“शायद वही आम बात: ध्यान आकर्षित करने और सार्वजनिक हंगामा खड़ा करने की विकृत इच्छा। किशोर और अधेड़ उम्र के लोग सबसे ज़्यादा संदिग्ध हैं। मुझे इस बात पर बहुत संदेह है कि इसमें इससे ज़्यादा कुछ है। मेरा मतलब है, कि आकस्मिक अश्लीलताएँ किसी प्रकार की यौन विक्षिप्तता की ओर इशारा करती हैं। लेकिन इस तरह के मामलों में यह आम बात है। लेकिन आपको पुरुष-द्वेषी या पुरुष-फँसाने वाली महिला की तलाश करनी चाहिए या नहीं,” मिस बार्टन ने कहा, उनके चेहरे पर हास्य की एक झलक थी जो हैरियट ने उनमें पहली बार देखी थी, “मैं आपको नहीं बता सकती।”
अपनी खरीदी हुई चीज़ों को अपने कमरे में रखने के बाद, हैरियट ने सोचा कि अब डीन से मिलने का समय आ गया है। उसने मिस बरोज़ को अपने साथ पाया, जो पुस्तकालय का काम निपटाने के बाद बहुत थकी हुई और धूल से सनी हुई थीं, और गर्म दूध का एक गिलास पीकर तरोताज़ा हो रही थीं, जिसमें मिस मार्टिन ने नींद लाने के लिए थोड़ी सी व्हिस्की मिलाने पर ज़ोर दिया था।
"एक पूर्व छात्रा होने के नाते एस.सी.आर. की आदतों के बारे में कितनी नई जानकारी मिलती है," हैरियट ने कहा, "मैंने हमेशा सोचा था कि कॉलेज में केवल एक ही बोतल शराब होती है, जिसे जीवन-मरण की आपात स्थिति के लिए कोषाध्यक्ष द्वारा ताला लगाकर रखा जाता है।"
“पहले तो ऐसा ही होता था,” डीन ने कहा, “लेकिन बुढ़ापे में मैं थोड़ा लापरवाह हो गया हूँ। मिस लिडगेट भी खास मौकों और त्योहारों के लिए चेरी ब्रांडी का एक छोटा सा स्टॉक संभाल कर रखती हैं। कोषाध्यक्ष तो कॉलेज के लिए थोड़ी सी पोर्ट वाइन रखने के बारे में भी सोच रहे हैं।”
“हे भगवान!” हैरियट ने कहा।
डीन ने कहा, "छात्रों को शराब का सेवन करने की अनुमति नहीं है, लेकिन मैं कॉलेज की सभी अलमारियों में रखी शराब के लिए जमानत पर जाना पसंद नहीं करूंगा।"
"आखिरकार," मिस बरोज़ ने कहा, "उनके थकाऊ माता-पिता उन्हें घर पर कॉकटेल और ऐसी ही अन्य पार्टियों में ले जाते हैं, इसलिए शायद उन्हें यह हास्यास्पद लगता होगा कि वे यहां भी ऐसा क्यों नहीं कर सकते।"

और इसके बारे में कोई क्या कर सकता है! क्या पुलिस उनके सामान की तलाशी ले? खैर, मैं साफ इनकार करता हूँ। हम इस जगह को जेल की तरह नहीं रख सकते।
लाइब्रेरियन ने कहा, "समस्या यह है कि जब तक कोई अप्रिय घटना नहीं घटित नहीं होती, तब तक हर कोई प्रतिबंधों का उपहास उड़ाता है और स्वतंत्रता की मांग करता है; फिर वे गुस्से में पूछते हैं कि अनुशासन का क्या हुआ।"
डीन ने कहा, "इन दिनों पुराने जमाने का अनुशासन लागू नहीं किया जा सकता; इसे लेकर लोगों में बहुत नाराजगी है।"
“आधुनिक सोच यह है कि युवाओं को खुद को अनुशासित करना चाहिए,” लाइब्रेरियन ने कहा। “लेकिन क्या वे वास्तव में ऐसा करते हैं?”
“नहीं; वे नहीं मानेंगे। ज़िम्मेदारी उन्हें उबाऊ लगती है। युद्ध से पहले वे हर विषय पर कॉलेज की बैठकों में बड़े जोश से भाग लेते थे। अब उन्हें कोई फ़र्क नहीं पड़ता। कॉलेज की बहसों और तीसरे वर्ष के नाटक जैसी आधी पुरानी संस्थाएँ या तो खत्म हो चुकी हैं या लगभग खत्म हो चुकी हैं। वे ज़िम्मेदारी नहीं लेना चाहते।”
"वे सभी अपने-अपने युवा पुरुषों में मग्न हैं," मिस बरोज़ ने कहा।
“धिक्कार है इन नौजवानों पर,” डीन ने कहा। “मेरे ज़माने में, हम ज़िम्मेदारी के लिए तरसते थे। स्कूल में हमारी आत्मा की भलाई के लिए हमें हमेशा दबाकर रखा गया था, और जब हमें ज़िम्मेदारी सौंपी गई तो हम यह दिखाने के लिए बेताब थे कि हम कितनी कुशलता से चीज़ों को व्यवस्थित कर सकते हैं।”
“अगर मुझसे पूछो तो,” हैरियट ने कहा, “यह सब स्कूलों की गलती है। मनमानी अनुशासन व्यवस्था वगैरह। बच्चे व्यवस्था संभालने और प्रीफेक्ट की ड्यूटी करते-करते तंग आ चुके हैं; और जब वे ऑक्सफोर्ड पहुँचते हैं तो थक चुके होते हैं और बस आराम से बैठना चाहते हैं और चाहते हैं कि कोई और कमान संभाले। मेरे ज़माने में भी, आधुनिक रिपब्लिकन स्कूलों के लोग पद संभालने से कतराते थे, बेचारे।”
“यह सब बहुत मुश्किल है,” मिस बरोज़ ने जम्हाई लेते हुए कहा। “फिर भी, मैंने आज लाइब्रेरी के स्वयंसेवकों से काफी काम करवाया। हमने ज़्यादातर अलमारियाँ ठीक से भर दी हैं, तस्वीरें टांग दी हैं और पर्दे लगा दिए हैं। सब कुछ बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे उम्मीद है कि चांसलर इससे प्रभावित होंगे। नीचे के रेडिएटर्स पर पेंट का काम अभी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन मैंने पेंट के डिब्बे और बाकी सामान एक अलमारी में रख दिया है और उम्मीद कर रही हूँ कि सब ठीक हो जाएगा। और मैंने सफाई के लिए कुछ लोगों को बुलाया है, ताकि कल के लिए कुछ भी बाकी न रह जाए।”

“कुलपति कितने बजे आते हैं?” हैरियट ने पूछा।
“बारह बजे; एस.सी.आर. में स्वागत समारोह और उन्हें कॉलेज का भ्रमण कराया जाएगा। फिर हॉल में दोपहर का भोजन, और मुझे उम्मीद है कि उन्हें यह पसंद आएगा। 2:30 बजे समारोह। और फिर उन्हें 3:45 की ट्रेन पकड़ने के लिए रवाना किया जाएगा। बहुत ही प्यारे इंसान हैं; लेकिन मैं उद्घाटन समारोहों से ऊब रही हूँ। हमने नया क्वाड, चैपल (कोरस सेवा के साथ), एस.सी.आर. डाइनिंग-रूम (पूर्व ट्यूटरों और फेलो के लिए दोपहर के भोजन के साथ), ट्यूडर एनेक्स (पूर्व छात्रों के लिए चाय के साथ), किचन और स्काउट्स विंग (शाही परिवार के साथ), सैनिटोरियम (मेडिसिन के लिस्टर प्रोफेसर के संबोधन के साथ), काउंसिल-चैंबर और वार्डन का आवास खोला है, और हमने दिवंगत वार्डन के चित्र, विलेट मेमोरियल सनडायल और नई घड़ी का अनावरण किया है। और अब पुस्तकालय की बारी है। पैजेट ने पिछले सत्र में मुझसे कहा था, जब हम क्वीन एलिजाबेथ में वे बदलाव कर रहे थे, 'माफ़ कीजिए, मैडम डीन, मिस, लेकिन क्या आप मुझे उद्घाटन की तारीख बता सकती हैं, महोदया?’ ‘कैसा उद्घाटन, पैजेट?’ मैंने कहा। ‘इस सत्र में तो कुछ भी नहीं खुल रहा है। खुलने के लिए है क्या?’ ‘जी महोदया,’ पैजेट ने कहा, ‘मैं इन नए शौचालयों के बारे में सोच रहा था, अगर आप मुझे माफ़ करें, मैडम डीन, महोदया। अब तक जो कुछ भी खुलना था, वह सब खुल चुका है, महोदया, और अगर कोई समारोह होना हो, महोदया, तो टैक्सी और पार्किंग की व्यवस्था करने के लिए मुझे समय रहते पता चल जाए तो अच्छा होगा।’
“प्यारे पैजेट!” मिस बरोज़ ने कहा। “वह इस अकादमी का सबसे प्रतिभाशाली छात्र है।” उन्होंने फिर जम्हाई ली। “मैं तो मर ही गई।”
“मिस वेन, इन्हें बिस्तर पर ले जाइए,” डीन ने कहा, “और आज का काम यहीं समाप्त करते हैं।”

## अध्याय 6

अक्सर जब वे सोने जाते थे, तो अंदर के दरवाजे ज़ोर से खुल जाते थे, साथ ही हॉल में रखी अलमारी के दरवाजे भी; और यह सब बहुत शोर-शराबे के साथ होता था। एक रात, वे कुर्सियाँ जो सोने से पहले चिमनी के कोने में रखी होती थीं, उन्हें हटाकर कमरे के बीचोंबीच करीने से रख दिया गया था, और एक छेद वाली छलनी पर आटा छानने वाली छलनी लटकी हुई थी, और दूसरी पर अंदर के दरवाजे की चाबी। दिन के समय,

जब वे घर में बैठकर सूत कातते थे, तो वे अक्सर बाम के दरवाजे खुले हुए देखते थे, लेकिन किसने खोले यह पता नहीं चलता था। एक बार, जब ऐलिस सूत कात रही थी, तो चरखा कई बार उछलकर कमरे के बीचोंबीच आ गया... ऐसी ही और भी कई हास्यास्पद घटनाएँ हैं, जिन्हें बताना उबाऊ होगा।

—विलियम टर्नर

“पीटर,” हैरियट ने कहा। और अपनी ही आवाज़ के साथ वह नींद में डूबी हुई, तैरती हुई सी उसकी बाहों के मज़बूत घेरे से बाहर निकली, सूरज की रोशनी से जगमगाते हरे-भरे बीच के पत्तों के सागर से गुज़रते हुए अंधेरे में चली गई।

“ओह, धिक्कार है,” हैरियट ने धीरे से खुद से कहा। “ओह, धिक्कार है। और मैं जागना नहीं चाहती थी।”

न्यू क्वाड की घड़ी ने मधुर संगीत के साथ तीन बजने का संकेत दिया।

“यह ठीक नहीं है,” हैरियट ने कहा। “बिल्कुल भी ठीक नहीं है। मेरे अवचेतन मन की कल्पना बहुत ही कपटी है।” उसने अपने बिस्तर के पास रखे लैंप का स्विच ढूँढा। “यह सोचना बेचैन कर देता है कि सपने कभी भी हमारी वास्तविक इच्छाओं का प्रतीक नहीं होते, बल्कि हमेशा कुछ बहुत ही बुरा दिखाते हैं।” उसने लाइट जलाई और उठ बैठी।

“अगर मैं सचमुच पीटर के प्यार भरे आलिंगन की कामना करती, तो मुझे दंत चिकित्सकों या बागवानी जैसे किसी काम का सपना देखना चाहिए था। मुझे आश्चर्य होता है कि पीटर के आलिंगन के विनम्र प्रतीक से ही कितनी अकल्पनीय भयावहता व्यक्त की जा सकती है। धिक्कार है पीटर पर! मुझे आश्चर्य होता है कि वह ऐसे मामले में क्या करता।”

इससे उसका ध्यान अहंकारी क्लब में बिताई गई उस शाम और गुमनाम पत्र की ओर वापस चला गया; और फिर उस पट्टी को लेकर उसके बेतुके गुस्से की ओर।

"...लेकिन मेरा ध्यान फिलहाल अपने काम पर है..."

कभी-कभी तो ऐसा लगता है जैसे वो बिल्कुल बेवकूफ है, उसने सोचा। लेकिन जब वो काम कर रहा होता है, तो अपना ध्यान पूरी तरह से काम पर ही रखता है। काम पर ध्यान केंद्रित करना। हाँ। मैं क्या कर रही हूँ, अपना ध्यान इधर-उधर भटकने क्यों दे रही हूँ? क्या ये कोई काम है, या नहीं?... मान लो कि अभी वो जासूस घूम रहा है, लोगों के दरवाज़ों पर चिट्ठियाँ छोड़ रहा है... लेकिन किसके दरवाज़े पर? सारे दरवाज़ों पर नज़र तो नहीं रखी जा सकती... मुझे खिड़की पर बैठकर चौक में रेंगते हुए लोगों पर नज़र रखनी चाहिए... किसी को तो ये करना ही चाहिए—लेकिन किस पर भरोसा

किया जाए? वैसे भी, प्रोफेसरों को अपना काम करना होता है; वे रात भर जागकर दिन भर काम नहीं कर सकते... काम... काम पर ध्यान केंद्रित करना...
वह अब बिस्तर से उठ चुकी थी और खिड़की के पर्दे हटा रही थी। चाँद निकला हुआ था और आसपास कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। यहाँ तक कि कोई देर रात तक जागने वाला निबंधकार भी नज़र नहीं आ रहा था। उसने मन ही मन सोचा, ऐसी अँधेरी रात में कोई भी कहीं भी जा सकता है। उसे अपने दाहिनी ओर ट्यूडर शैली की इमारतों की हल्की सी रूपरेखा भी मुश्किल से दिखाई दे रही थी और न ही बाईं ओर एनेक्स के पीछे से झाँकती हुई नई लाइब्रेरी की विशाल इमारत।
पुस्तकालय; उसमें कोई भी नहीं।
उसने ड्रेसिंग गाउन पहना और धीरे से अपना दरवाज़ा खोला। कड़ाके की ठंड थी। उसने दीवार पर लगा स्विच ढूंढा और एनेक्स के केंद्रीय गलियारे में चली गई, जहाँ दरवाज़ों की एक कतार थी जिनके पीछे छात्र सो रहे थे और न जाने किन-किन चीज़ों के सपने देख रहे थे—परीक्षाएँ, खेल, स्नातक, पार्टियाँ, और वो सब अजीबोगरीब चीज़ें जिन्हें "गतिविधियाँ" कहा जाता है। उनके दरवाज़ों के बाहर स्काउट्स के लिए गंदे बर्तनों के छोटे-छोटे ढेर लगे थे जिन्हें उन्हें इकट्ठा करके धोना था। जूते भी थे। दरवाज़ों पर कार्ड लगे थे जिन पर उनके नाम लिखे थे: मिस एच. ब्राउन, मिस जोन्स, मिस कोलबर्न, मिस स्ज़लेपोस्की, मिस आइज़ैकसन—कितनी अनजानी शख्सियतें। कितनी ही भावी पत्नियाँ और माताएँ; या फिर कितनी ही भावी इतिहासकार, वैज्ञानिक, स्कूल-शिक्षिकाएँ, डॉक्टर, वकील; जैसा आप चाहें, एक को दूसरे से ज़्यादा महत्वपूर्ण समझ सकते हैं। गलियारे के अंत में एक बड़ी खिड़की थी, जो स्वच्छता के लिए ऊपर और नीचे से खुली थी। हैरियट ने धीरे से नीचे का पल्ला ऊपर किया और काँपते हुए बाहर देखा। और अचानक उसे एहसास हुआ कि जिस भी कारण या सहज ज्ञान ने उसे पुस्तकालय की ओर देखने के लिए प्रेरित किया था, उसने स्थिति का बिल्कुल सही आकलन किया था। नया पुस्तकालय काफी अंधेरा होना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं था। लंबी खिड़कियों में से एक खिड़की ऊपर से नीचे तक प्रकाश की एक पतली पट्टी से विभाजित थी।
हैरियट ने तेज़ी से सोचा। अगर ये मिस बरोज़ थीं, जो (भले ही अनुचित और त्यागपूर्ण समय पर) अपनी तैयारियों को वैध रूप से आगे बढ़ा रही थीं, तो उन्होंने पर्दे क्यों लगाए थे? खिड़कियों पर पर्दे इसलिए लगे थे, क्योंकि दक्षिण की ओर मुख वाली लाइब्रेरी को तेज़ धूप से बचाव की ज़रूरत होती है। लेकिन मार्च की अंधेरी रात में

लाइब्रेरियन का खुद को और अपने उचित कार्यों को निगरानी से बचाना बेतुका होता। कॉलेज के अधिकारी इतने गुप्त नहीं थे। कुछ तो गड़बड़ थी। क्या मुझे खुद जाकर जाँच करनी चाहिए, या किसी और को जगाना चाहिए?

एक बात तो साफ़ थी; अगर उन पर्दों के पीछे एस.सी.आर. का कोई सदस्य छिपा हुआ था, तो किसी छात्र को गवाह के तौर पर लाना उचित नहीं होगा। ट्यूडर में कौन से प्रोफेसर सोते थे? सूची देखे बिना ही हैरियट को याद आया कि मिस बार्टन और मिस चिल्परिक के कमरे वहाँ थे, लेकिन इमारत के दूसरी तरफ। कम से कम उन पर नज़र रखने का यह एक मौका था। लाइब्रेरी की खिड़की पर आखिरी नज़र डालकर, हैरियट तेज़ी से ब्रिज पर बने अपने कमरे के पास से गुज़रते हुए मुख्य इमारत में चली गई। टॉर्च न होने पर उसने खुद को कोसा; स्विच ढूंढने में उसे देर हो गई थी। गलियारे में आगे बढ़ते हुए, सीढ़ियों के ऊपर से होते हुए बाईं ओर मुड़ी। उस मंज़िल पर कोई प्रोफेसर नहीं था; वह ज़रूर नीचे वाली मंज़िल पर होगा। वापस, सीढ़ियों से नीचे और फिर बाईं ओर। वह अपने पीछे सभी गलियारों की बत्तियाँ जलती हुई छोड़ रही थी, और सोच रही थी कि क्या वे दूसरी इमारतों में ध्यान आकर्षित करेंगी। आख़िरकार। उसके बाईं ओर एक दरवाज़ा था जिस पर "मिस बार्टन" लिखा था। और दरवाज़ा खुला हुआ था।

उसने ज़ोर से दरवाज़ा खटखटाया और अंदर चली गई। बैठक कक्ष खाली था। उसके आगे, शयनकक्ष का दरवाज़ा भी खुला था। "अरे वाह!" हैरियट ने कहा। "मिस बार्टन!" कोई जवाब नहीं आया; और अंदर झाँककर उसने देखा कि शयनकक्ष भी बैठक कक्ष की तरह खाली था। चादरें इधर-उधर बिखरी पड़ी थीं और बिस्तर पर कोई सोया था; लेकिन सोने वाला उठकर जा चुका था।

एक सरल और निर्दोष कारण सोचना आसान था। हैरियट कुछ पल खड़ी रही, सोचती रही; फिर उसे याद आया कि कमरे की खिड़की से बाहर का चौक दिखता है। पर्दे हटे हुए थे; उसने अंधेरे में बाहर देखा। पुस्तकालय की खिड़की में अभी भी रोशनी थी; लेकिन देखते-देखते वह बुझ गई।

वह दौड़कर सीढ़ियों के नीचे पहुंची और प्रवेश-कक्ष से गुज़र गई। इमारत का सामने का दरवाज़ा थोड़ा खुला हुआ था। उसने उसे खोला और दौड़कर बाहर चौक पार कर गई। दौड़ते हुए उसे लगा जैसे कोई चीज़ उसके सामने तेज़ी से उभर रही हो। वह उसकी ओर बढ़ी और उसके साथ ही आगे बढ़ी। उस चीज़ ने उसे अपनी मज़बूत पकड़ में जकड़ लिया।

"वो कौन है?" हैरियट ने गुस्से से पूछा।
और वो कौन है?
एक हाथ की पकड़ ढीली कर दी गई और हैरियट के चेहरे पर टॉर्च जला दी गई।
“मिस वेन! आप यहाँ क्या कर रही हैं?”
“क्या आप मिस बार्टन हैं? मैं आपको ही ढूंढ रहा था। मैंने नई लाइब्रेरी में एक रोशनी देखी।”
“मैंने भी यही सोचा था। मैं अभी जाकर जाँच करके आया हूँ। दरवाजा बंद है।”
“बंद है?”
और चाबी अंदर है।
“क्या ऊपर जाने का कोई और रास्ता नहीं है?” हैरियट ने पूछा।
“जी हाँ, बिलकुल है। मुझे इसके बारे में सोचना चाहिए था। हॉल के गलियारे से होते हुए फिक्शन लाइब्रेरी तक। चलिए!”
“एक मिनट रुको,” हैरियट ने कहा। “जो भी हो, शायद अभी भी वहीं हो। तुम मुख्य द्वार पर नज़र रखो, ताकि वे उस रास्ते से बाहर न निकल जाएं। मैं हॉल से ऊपर जाती हूँ।”
“बहुत खूब। अच्छा विचार है। ये लो! तुम्हारे पास टॉर्च नहीं है क्या? मेरी वाली ले लो। लाइट जलाने में तुम्हारा चूना बर्बाद हो जाएगा।”
हैरियट ने टॉर्च छीनी और सोच-विचार करते हुए भाग गई। मिस बार्टन की कहानी काफी हद तक विश्वसनीय लग रही थी। वह जाग गई होंगी (क्यों?), रोशनी देखी होगी (संभवतः वह पर्दे खुले रखकर सोई होंगी) और जांच करने के लिए बाहर गई होंगी, जबकि हैरियट ऊपरी मंजिलों पर सही कमरे की तलाश में इधर-उधर भाग रही थी। इसी बीच, पुस्तकालय में मौजूद महिला ने या तो अपना काम खत्म कर लिया होगा, या शायद बाहर झाँककर ट्यूडर में बत्तियाँ जलती देख घबरा गई होगी। उसने बत्ती बंद कर दी होगी। वह मुख्य द्वार से बाहर नहीं गई होगी; या तो वह अभी भी हॉल-लाइब्रेरी विंग में कहीं होगी, या मिस बार्टन और हैरियट के चौक में आपस में हाथापाई करते समय वह हॉल की सीढ़ियों से चुपके से बाहर निकल गई होगी।
हैरियट को हॉल की सीढ़ियाँ मिल गईं और वह टॉर्च का कम से कम इस्तेमाल करते हुए और रोशनी धीमी रखते हुए ऊपर चढ़ने लगी। उसके मन में यह बात ज़ोर से बैठ गई कि जिस व्यक्ति का वह पीछा कर रही है, वह ज़रूर मानसिक रूप से अस्थिर है, अगर पागल नहीं तो, और हो सकता है कि किसी अंधेरे कोने से उस पर ज़ोरदार

हमला कर दे। वह सीढ़ियों के सिरे पर पहुँची और हॉल और बटररी के बीच के रास्ते की ओर जाने वाले कांच के दोहरे दरवाज़े को धक्का देकर खोल दिया। ऐसा करते ही उसे आगे हल्की सी खड़खड़ाहट सुनाई दी और लगभग उसी समय उसे एक टॉर्च की चमक दिखाई दी। दरवाज़े के पीछे, दाईं ओर एक दो-तरफ़ा स्विच होना चाहिए था। उसने उसे ढूँढ़ा और दबा दिया। एक पल के लिए रोशनी चमकी और फिर अंधेरा छा गया। क्या कोई फ़्यूज़? फिर वह खुद पर हँस पड़ी। बिलकुल नहीं। रास्ते के दूसरे छोर पर मौजूद व्यक्ति ने भी उसी समय स्विच दबा दिया था जब उसने दबाया था। उसने स्विच को फिर से ऊपर धकेल दिया और रोशनी से पूरा रास्ता जगमगा उठा।

उसके बाईं ओर, हॉल में जाने वाले तीन दरवाज़े दिखाई दिए, जिनके बीच में खाना परोसने के लिए बने काउंटर थे। दाईं ओर गलियारे और रसोईघर के बीच एक लंबी खाली दीवार थी। और उसके आगे, गलियारे के बिल्कुल आखिरी छोर पर, बटररी के दरवाज़े के पास, कोई व्यक्ति एक हाथ में ड्रेसिंग गाउन और दूसरे हाथ में एक बड़ा जग पकड़े खड़ा था।

हैरियट तेज़ी से उस आकृति की ओर बढ़ी, जो विनम्रता से उसके सामने आई। उसके चेहरे के भाव परिचित लग रहे थे, और पल भर में उसने उन्हें पहचान लिया। यह मिस हडसन थीं, गौडी स्कूल में पढ़ने वाली तीसरे वर्ष की छात्रा।

“रात के इस समय तुम यहाँ क्या कर रहे हो?” हैरियट ने सख्ती से पूछा। वैसे तो उसे छात्रों की गतिविधियों के बारे में पूछताछ करने का कोई विशेष अधिकार नहीं था। न ही उसे लगता था कि पायजामा और जैगर ड्रेसिंग गाउन में उसका पहनावा गरिमा या अधिकार का प्रतीक है। मिस हडसन सचमुच सुबह तीन बजे एक अजनबी द्वारा इस तरह पूछे जाने पर काफी हैरान थीं। वह अवाक होकर देखती रहीं।

“मैं यहाँ क्यों न होऊँ?” मिस हडसन ने आखिरकार चुनौती भरे लहजे में कहा। “मैं आपको नहीं जानती। मुझे भी यहाँ घूमने का उतना ही अधिकार है जितना आपको... अरे बाप रे!” उन्होंने आगे कहा और ज़ोर से हंस पड़ीं। “मुझे लगता है आप स्काउट्स में से एक हैं। मैंने आपको बिना वर्दी के पहचाना ही नहीं।”

“नहीं,” हैरियट ने कहा, “मैं पुरानी छात्रा हूँ। आप मिस हडसन हैं, है ना! लेकिन आपका कमरा यहाँ नहीं है। क्या आप बटररी गई थीं?” उसकी नज़र जग पर थी; मिस हडसन शरमा गईं।

“हां—मुझे थोड़ा दूध चाहिए था। मुझे एक निबंध लिखना है।”

उसने इसके बारे में ऐसे बात की जैसे यह कोई बीमारी हो। हैरियट मुस्कुराई।

“तो ये सिलसिला अब भी जारी है, है ना? कैरी भी उतनी ही कोमल हृदय वाली है जितनी मेरे ज़माने में एग्नेस हुआ करती थी।” वह बटरी के हैच के पास गई और उसे हिलाया, लेकिन वह बंद था। “नहीं, लगता है वो वैसी नहीं है।”
मिस हडसन ने कहा, "मैंने उससे दरवाजा खुला छोड़ने को कहा था, लेकिन मुझे लगता है कि वह भूल गई। मैं कहती हूं—कैरी के बारे में सबको मत बताओ। वह बहुत ही अच्छी लड़की है।"
“तुम्हें अच्छी तरह पता है कि कैरी को दरवाजा खुला नहीं छोड़ना चाहिए। तुम्हें दस बजे से पहले अपना दूध ले लेना चाहिए।”
“मुझे पता है। लेकिन यह हमेशा पता नहीं होता कि इंसान इसे चाहेगा या नहीं। मुझे उम्मीद है कि आपने भी अपने समय में ऐसा ही किया होगा।”
“जी हां,” हैरियट ने कहा। “अच्छा, तो आपको चलना चाहिए। एक मिनट रुकिए। आप यहां कब आए?”
“अभी-अभी। आपके ऐसा करने से बस कुछ सेकंड पहले।”
क्या आप किसी से मिले?
“नहीं,” मिस हडसन घबराई हुई सी दिखीं। “क्यों? क्या कुछ हुआ है?”
“मुझे तो इसकी जानकारी नहीं है। जाओ, सो जाओ।”
मिस हडसन बच निकलीं और हैरियट ने बटरी का दरवाज़ा खोलने की कोशिश की, जो हैच की तरह ही मज़बूती से बंद था। फिर वह आगे बढ़ीं, खाली पड़े फिक्शन लाइब्रेरी से गुज़रते हुए, और न्यू लाइब्रेरी की ओर जाने वाले ओक के दरवाज़े के हैंडल पर हाथ रखा। दरवाज़ा थम नहीं रहा था। ताले में चाबी नहीं थी। हैरियट ने फिक्शन लाइब्रेरी में चारों ओर देखा। खिड़की की चौखट पर एक किताब और कुछ कागज़ों के बगल में एक पतली पेंसिल पड़ी थी। उन्होंने पेंसिल को चाबी के छेद में डाला; कोई रुकावट नहीं आई।
वह फिक्शन लाइब्रेरी की खिड़की के पास गई और उसे ऊपर की ओर धकेल दिया। खिड़की से एक छोटी सी बालकनी की छत दिखाई देती थी। लुका-छिपी के इस खेल के लिए दो लोग काफी नहीं थे। उसने लाइब्रेरी के दरवाजे के सामने एक मेज रख दी, ताकि अगर कोई उसके पीछे से उस रास्ते से निकलने की कोशिश करे तो उसे पता चल जाए; फिर वह बालकनी की छत पर चढ़ गई और बालकनी से नीचे झुक गई। उसे नीचे कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन उसने अपनी जेब से टॉर्च निकाली और उससे इशारा किया।

"हैलो!" मिस बार्टन की आवाज नीचे से सावधानी से सुनाई दी।
"दूसरा दरवाजा बंद है, और चाबी खो गई है।"
“ये तो अजीब बात है। अगर हम दोनों में से कोई भी चला गया, तो कोई और भी आ सकता है। और अगर हम मदद के लिए चिल्लाएंगे तो हंगामा मच जाएगा।”
"लगभग यही बात है," हैरियट ने कहा।
"अच्छा, सुनो; मैं भूतल की खिड़कियों में से किसी एक से अंदर जाने की कोशिश करूंगा। वे सभी बंद लग रही हैं, लेकिन हो सकता है कि मैं शीशे का एक टुकड़ा तोड़ दूं।"
हैरियट इंतज़ार करती रही। थोड़ी देर बाद उसे हल्की सी खनक सुनाई दी। फिर सन्नाटा छा गया और उसके बाद खिड़की का पर्दा हिलने की आवाज़ आई। फिर कुछ देर का सन्नाटा छा गया। हैरियट वापस फिक्शन लाइब्रेरी में आई और मेज को दरवाजे से थोड़ा दूर हटाया। लगभग छह-सात मिनट बाद उसने दरवाजे का हैंडल हिलते देखा और ओक की लकड़ी के दूसरी तरफ से किसी के खटखटाने की आवाज़ सुनी। वह चाबी के छेद के पास झुकी और बोली, "क्या बात है?" और कान लगाकर सुनने लगी। दूसरी तरफ से मिस बार्टन की आवाज़ आई, "यहाँ कोई नहीं है। चाबियाँ खो गई हैं। और बहुत ही भयानक गड़बड़ हो गई है।"
मैं आऊंगा।
वह जल्दी से हॉल से होते हुए लाइब्रेरी के सामने की ओर भागी। यहाँ उसे वह खिड़की मिली जिसे मिस बार्टन ने खोला था, वह उससे चढ़कर लाइब्रेरी की सीढ़ियों पर दौड़ गई।
“अच्छा!”, हैरियट ने कहा।
नया पुस्तकालय एक भव्य और विशाल कमरा था, जिसके दक्षिणी भाग में छह खिड़कियाँ थीं, जो फर्श से छत तक फैली हुई थीं और लगभग उतनी ही खिड़कियों से रोशन होती थीं। उत्तरी भाग में कोई खिड़की नहीं थी और दस फीट की ऊँचाई तक अलमारियाँ लगी हुई थीं। इसके ऊपर एक खाली दीवार थी, जिसके साथ भविष्य में एक अतिरिक्त गैलरी बनाई जा सकती थी, जब किताबें मौजूदा अलमारियों में कम पड़ जाएँगी। इस खाली जगह को मिस बरोज़ और उनके साथियों ने कई नक्काशीदार चित्रों से सजाया था, जैसे कि हर शैक्षणिक समुदाय में होते हैं, जिनमें पार्थेनन, कोलोसियम, ट्रोजन स्तंभ और अन्य स्थलाकृतिक और शास्त्रीय विषयों को दर्शाया गया था।

कमरे की सारी किताबें अलमारियों को ज़बरदस्ती हटाकर बाहर निकाल कर ज़मीन पर फेंक दी गई थीं। तस्वीरें भी नीचे फेंक दी गई थीं। इस तरह खाली हुई दीवार पर भूरे रंग से बेतरतीब ढंग से बनाए गए रेखाचित्रों की एक कतार बना दी गई थी, जिन पर एक फुट ऊँचे अक्षरों में बेहद भद्दे शब्द लिखे थे। मलबे के बीचोंबीच पुस्तकालय की सीढ़ियाँ और एक चौड़े ब्रश वाला रंग का डिब्बा शान से खड़े थे, मानो यह दिखा रहे हों कि यह बदलाव कैसे किया गया था।
"बस हो गया," हैरियट ने कहा।
“जी हां,” मिस बार्टन ने कहा। “लॉर्ड ओकएप्पल का बहुत ही शानदार स्वागत हुआ।” उनकी आवाज़ में एक अजीब सा भाव था—लगभग संतुष्टि का। हैरियट ने उन्हें तीखी नज़रों से देखा।
“आप क्या करने वाले हैं? कोई क्या करे? क्या उस जगह को आवर्धक लेंस से जांचे? या पुलिस को बुलाए?”
“दोनों में से कोई नहीं,” हैरियट ने कहा। उसने एक पल सोचा।
“सबसे पहले,” उसने कहा, “डीन को बुलवाओ। फिर असली चाबियाँ या फिर चाबियों का एक अतिरिक्त सेट ढूँढ़ो। तीसरा, इन गंदी लिखावटों को किसी के देखने से पहले साफ़ करो। और चौथा, बारह बजे से पहले कमरे को ठीक करो। अभी बहुत समय है। क्या आप कृपा करके डीन को जगाकर उसे अपने साथ लाएँगे? इस बीच, मैं सुराग ढूँढ़ लेती हूँ। बाद में हम चर्चा कर सकते हैं कि यह काम किसने किया और वह कैसे बाहर निकली। कृपया जल्दी करें।”
“हम्म!” उस साथी ने कहा। “मुझे ऐसे लोग पसंद हैं जो अपने मन की बात जानते हैं।” वह आश्चर्यजनक फुर्ती से चली गई।
“उसकी ड्रेसिंग गाउन पर पूरा पेंट लगा हुआ है,” हैरियट ने मन ही मन कहा, लेकिन शायद चढ़ते समय उसे लगा होगा। वह नीचे गई और खुली खिड़की को देखा। “हाँ, यहीं से वह गीले रेडिएटर पर चढ़ी थी। मुझे लगता है कि मेरे ऊपर भी निशान हैं। हाँ, हैं। यह तो पता नहीं चल रहा कि सारा पेंट वहीं से आया है। गीले पैरों के निशान—उसके और मेरे, इसमें कोई शक नहीं। एक पल रुको।”
उसने गीले निशानों का पीछा करते हुए सीढ़ियों के ऊपर तक गई, जहाँ वे हल्के होकर गायब हो गए। उसे तीसरा निशान नहीं मिला; लेकिन घुसपैठिए के पैरों के निशान सूखने के लिए शायद समय मिल गया होगा। जो भी था, उसने आधी रात के तुरंत बाद ही काम शुरू किया होगा। पेंट काफी फैल गया था; अगर पूरे कॉलेज में पेंट से सने

कपड़ों की तलाशी लेना संभव होता, तो अच्छा होता। लेकिन इससे बहुत बड़ा बवाल मच जाता। मिस हडसन—क्या उनके शरीर पर कहीं भी पेंट के निशान थे? हैरियट को लगा कि नहीं। उसने फिर से चारों ओर देखा, और अचानक महसूस किया कि उसने लाइटें पूरी तरह जला रखी थीं, और पर्दे खुले हुए थे। अगर कोई दूसरी इमारत से देख रहा होता, तो कमरे का अंदरूनी हिस्सा किसी रोशन मंच की तरह दिखाई देता। उसने लाइटें बंद कर दीं, और पर्दे फिर से सावधानी से खींचे और फिर उन्हें लगा दिया।

"हाँ," उसने कहा। "मैं समझ गई। यही योजना थी। काम पूरा होने तक पर्दे लगे रहे। फिर बत्तियाँ बंद कर दी गईं और पर्दे खोल दिए गए। फिर कलाकार दरवाज़े बंद करके भाग गई। सुबह बाहर से सब कुछ सामान्य ही दिखता। सबसे पहले अंदर आने की कोशिश कौन करता? कोई सुबह-सुबह आकर आखिरी बार सब कुछ ठीक करने? उसे दरवाज़ा बंद मिलता, वह सोचती कि मिस बरोज़ ने इसे ऐसे ही छोड़ दिया है, और शायद कुछ नहीं करती। मिस बरोज़ शायद सबसे पहले आतीं। कब? चैपल के कुछ देर बाद, या कुछ देर पहले। वह अंदर नहीं जा पातीं। चाबियाँ ढूंढने में समय बर्बाद हो जाता। जब कोई अंदर आता भी, तो सब कुछ ठीक करने में बहुत देर हो चुकी होती। सब लोग इधर-उधर घूम रहे होते। चांसलर—?"

मिस बरोज़ सबसे पहले आई होंगी। वही सबसे आखिर में गई थीं, और उन्हें ही सबसे अच्छी तरह पता था कि पेंट के डिब्बे कहाँ रखे गए थे। क्या वह अपना काम उसी तरह बर्बाद कर देतीं, जैसे मिस लिडगेट अपने प्रूफ खराब कर देतीं? यह मनोवैज्ञानिक तर्क कितना सही था? दुनिया में कोई भी चीज़ खराब हो सकती है, सिवाय अपने काम के। लेकिन दूसरी तरफ, अगर कोई इतना चालाक हो कि उसे पता हो कि लोग ठीक यही सोचेंगे, तो वह तुरंत सावधानी बरतेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उसके काम को नुकसान हो।

हैरियट पुस्तकालय में धीरे-धीरे घूम रही थी। फर्श पर पेंट का एक बड़ा धब्बा था। और उसके किनारे पर—ओह, हाँ! पेंट से सने कपड़ों की तलाश में पूरा इलाका छानना बहुत उपयोगी होता। लेकिन यहाँ इस बात का सबूत था कि अपराधी ने चप्पल नहीं पहनी थी। भला वह कुछ पहनती ही क्यों? इस मंजिल पर रेडिएटर पूरी रफ्तार से चल रहे थे, और कपड़ों का न होना न केवल व्यवहारिक बल्कि असुविधाजनक भी होता।

और वह व्यक्ति कैसे बच निकला? न तो मिस हडसन (अगर उन पर भरोसा किया जाए) और न ही हैरियट को ऊपर जाते समय रास्ते में कोई मिला था। लेकिन बत्तियाँ बुझने के बाद भागने के लिए काफी समय था। हॉल के मेहराब के नीचे से चुपके से

निकल जाने वाले किसी व्यक्ति को ओल्ड क्वाड के दूसरी तरफ से नहीं देखा जा सकता था। या, अगर ऐसा हुआ भी, तो हो सकता है कि जब हैरियट और मिस हडसन गलियारे में बात कर रही थीं, तब हॉल में कोई घात लगाकर बैठा हो।
“मैंने थोड़ी गड़बड़ कर दी,” हैरियट ने कहा। “मुझे हॉल की लाइटें जलाकर देख लेनी चाहिए थीं।”
मिस बार्टन डीन के साथ अंदर आईं, जिन्होंने एक नज़र चारों ओर घुमाई और कहा, "हे भगवान!" लंबी लाल चोटी और हरे-लाल रंग के ड्रैगन से सजे नीले रजाईदार गाउन में वह एक छोटी, हृष्ट-पुष्ट महिला जैसी लग रही थीं। "हम कितने मूर्ख थे कि हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। ज़ाहिर सी बात है! अगर हमने ज़रा भी सोचा होता, तो मिस बरोज़ जाने से पहले ताला लगा सकती थीं। और अब हम क्या करें?"
हैरियट ने कहा, "मेरी पहली प्रतिक्रिया तारपीन की है। और दूसरी पैजेट की।"
“मेरी प्यारी, तुम बिल्कुल सही कह रही हो। पैजेट संभाल लेगा। वो हमेशा संभाल लेता है। दान की तरह, वो कभी असफल नहीं होता। बड़ी मेहरबानी हुई कि तुम लोगों ने गड़बड़ पकड़ ली। जैसे ही ये घिनौने शिलालेख साफ हो जाएंगे, हम जल्दी सूखने वाला डिस्टेंपर या कुछ और लगा देंगे, या दीवार पर वॉलपेपर लगा देंगे और—हे भगवान! मुझे नहीं पता तारपीन कहां से आएगा, कहीं पेंटरों ने बहुत सारा तो नहीं छोड़ दिया। इसे अच्छे से साफ करना पड़ेगा। लेकिन पैजेट संभाल लेगा।”
“मैं दौड़कर उसे ले आती हूँ,” हैरियट ने कहा, “और साथ ही मिस बरोज़ को भी पकड़ लेती हूँ। हमें इन किताबों को वापस उनकी जगह पर रखना होगा। समय क्या हुआ है? पौने चार बज रहे हैं। मुझे लगता है यह ठीक से हो जाएगा। क्या तुम मेरे लौटने तक यहाँ रुकोगी?”
“जी हाँ। और हाँ, अब आपको मुख्य दरवाज़ा खुला मिलेगा। सौभाग्य से मेरे पास एक अतिरिक्त चाबी थी। एक सुंदर प्लेटेड चाबी—लॉर्ड ओकएप्पल के लिए बिल्कुल तैयार। लेकिन हमें दूसरे दरवाज़े के लिए एक ताला बनाने वाले को बुलाना पड़ेगा, जब तक कि बिल्डरों के पास कोई अतिरिक्त चाबी न हो।”
उस असाधारण सुबह की सबसे उल्लेखनीय बात पैजेट का अविचलित स्वभाव था। वह हैरियट के बुलावे पर एक सुंदर धारीदार पायजामे में उपस्थित हुए और उन्होंने अत्यंत संयम के साथ उनके निर्देशों को ग्रहण किया।
"डीन को यह कहते हुए खेद है, पैजेट, कि नई लाइब्रेरी में कोई बहुत ही अप्रिय हरकतें कर रहा है।"

"क्या सचमुच ऐसा है, महोदया?"
"पूरी जगह अस्त-व्यस्त कर दी गई है, और दीवार पर कुछ बेहद अश्लील शब्द और चित्र उकेरे गए हैं।"
"यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, महोदया।"
"भूरे रंग से रंगा हुआ।"
"यह तो अजीब बात है, महोदया।"
"इसे तुरंत साफ करना होगा, इससे पहले कि कोई इसे देख ले।"
"बहुत बढ़िया, महोदया।"
और फिर हमें चांसलर के आने से पहले इसे वॉलपेपर से ढकने या साफ करने के लिए डेकोरेटर या किसी और को बुलाना पड़ेगा।
"बहुत बढ़िया, महोदया।"
"क्या आपको लगता है कि आप इसे संभाल पाएंगे, पैजेट?"
"आप इसे मुझ पर छोड़ दीजिए, महोदया।"
हैरियट का अगला काम मिस बरोज़ को लेने जाना था, जिन्होंने इस खबर को सुनकर झुंझलाहट भरे भाव व्यक्त किए।
“कितना घिनौना! और क्या आपका मतलब है कि उन सभी किताबों को फिर से ठीक करना पड़ेगा? अभी? हे भगवान, हाँ—मुझे लगता है कि अब कोई चारा नहीं है। अच्छा हुआ कि मैंने फोलियो चौसर और बाकी कीमती चीजें शोकेस में नहीं रखीं। हे भगवान!”
लाइब्रेरियन बिस्तर से झटपट उठी। हैरियट ने उसके पैरों को देखा। वे बिल्कुल साफ थे। लेकिन शयनकक्ष में एक अजीब सी गंध थी। कुछ देर बाद उसने उस गंध का पता लगाया और वह स्थायी बेसिन के आसपास से आ रही थी।
“मैं कहता हूँ—क्या यह तारपीन है?”
“हां,” मिस बरोज़ ने मोज़े पहनते हुए जवाब दिया। “मैं इसे पुस्तकालय से लाई थी। उन गमलों और अन्य सामानों को हटाते समय मेरे हाथों पर पेंट लग गया था।”
"काश तुम मुझे इसे उधार दे देते। हमें गीले रेडिएटर के ऊपर से खिड़की के रास्ते अंदर घुसना पड़ा।"
"हां, बल्कि।"
हैरियट उलझन में बाहर निकली। मिस बरोज़ ने पेंट का डिब्बा न्यू क्वाड तक लाने की ज़हमत क्यों उठाई, जबकि वह वहीं पर पेंट साफ़ कर सकती थीं? लेकिन, वह यह भी

समझ सकती थीं कि अगर किसी को काम के बीच में किसी के पैरों से पेंट हटाना हो, तो शायद उसके पास डिब्बा उठाकर भागने के अलावा कोई चारा नहीं था।
फिर उसे एक और विचार आया। अपराधी नंगे पैर पुस्तकालय से बाहर नहीं निकल सकती थी। उसने चप्पलें दोबारा पहनी होंगी। अगर कोई रंग लगे पैरों से चप्पल पहने तो चप्पलों पर भी निशान दिखेंगे।
वह अपने कमरे में वापस गई और कपड़े बदले। फिर वह न्यू क्वाड लौट आई। मिस बरोज़ जा चुकी थीं। उनके बेडरूम की चप्पलें बिस्तर के पास पड़ी थीं। हैरियट ने उन्हें अंदर और बाहर से ध्यान से देखा, लेकिन उन पर पेंट का कोई निशान नहीं था। वापस लौटते समय हैरियट पैजेट से मिली। वह दोनों हाथों में तारपीन के बड़े-बड़े डिब्बे लिए लॉन पार करते हुए धीरे-धीरे चल रहा था।
"पैजेट, तुमने ये सब इतनी सुबह-सुबह कहाँ से निकाला?"
"जी हां, महोदया, मुलिन्स अपनी मोटरबाइक पर गया और उसने एक आदमी को पीट दिया, वह जानता है कि उसकी अपनी तेल की दुकान के ऊपर कौन रहता है, महोदया।"
इतना सरल है।
कुछ समय बाद, हैरियट और डीन, शालीनता से वस्त्र और गाउन पहने हुए, पैजेट और डेकोरेटर के फोरमैन के पीछे-पीछे क्वीन एलिजाबेथ बिल्डिंग के पूर्वी किनारे से गुजरते हुए पाए गए।
पैजेट को यह कहते हुए सुना गया, "युवा महिलाएं भी युवा पुरुषों की तरह ही मौज-मस्ती करेंगी।"
“जब मैं छोटा था,” फोरमैन ने जवाब दिया, “युवतियाँ युवतियाँ होती थीं। और युवक युवक होते थे। अगर आप मेरा मतलब समझ रहे हैं तो।”
पैजेट ने कहा, "इस देश को जो चाहिए, वह एक इटलीवासी है।"
“बिल्कुल सही,” फोरमैन ने कहा। “लड़कियों को घर पर ही रखो। यार, तुम्हारा काम तो बिल्कुल नया है। घर चलाने से पहले तुम क्या करते थे?”
“चिड़ियाघर में ऊंट की देखभाल करने वाला सहायक। यह बहुत ही दिलचस्प काम था।”
“तुमने इसे क्यों फेंक दिया?”
पैजेट ने कहा, "खून का जहर। मुझे बांह पर काटा गया था," "एक मादा ने काटा था।"
“आह!” फोरमैन डेकोरेटर ने कहा।

जब तक लॉर्ड ओकएप्पल पहुंचे, पुस्तकालय में ऊपरी हिस्सों में हल्की नमी और धब्बे के अलावा कुछ भी भद्दा नहीं दिख रहा था, जहां नया कागज असमान रूप से सूख रहा था। कांच साफ कर दिया गया था और फर्श से पेंट के दाग हटा दिए गए थे; कोलोसियम और पार्थेनन की जगह बीस शास्त्रीय मूर्तियों की तस्वीरें एक स्टोर-अलमारी से निकाली गई थीं; किताबें अपनी अलमारियों पर वापस रख दी गई थीं, और शोकेस में चाउसर फोलियो, शेक्सपियर फर्स्ट क्वार्टो, तीन केल्मस्कॉट मॉरिस, द मैन ऑफ प्रॉपर्टी की ऑटोग्राफ वाली प्रति और काउंटेस ऑफ श्रूस्बरी का कढ़ाई वाला दस्ताना सलीके से प्रदर्शित थे। डीन चांसलर के चारों ओर एक चूजे के साथ मुर्गी की तरह मंडरा रहे थे, इस डर से कि कहीं कोई अभद्र संदेश उनके टेबल-नैपकिन से न गिर जाए या उनके वस्त्रों की तहों से अचानक बाहर न निकल आए; और जब दोपहर के भोजन के बाद सीनियर कॉमन रूम में उन्होंने अपनी जेब से नोटों का एक बंडल निकाला और व्यथित होकर भौंहें चढ़ाते हुए उन्हें पलटने लगे, तो माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि वह चीनी का कटोरा लगभग गिरा ही बैठीं। हालांकि, बाद में पता चला कि उन्होंने बस एक ग्रीक उद्धरण कहीं रख दिया था। हालांकि पुस्तकालय का इतिहास उन्हें ज्ञात था, वार्डन ने हमेशा की तरह अपना शांत और संयमित स्वभाव बनाए रखा।

हैरियट ने इन सब बातों पर ध्यान नहीं दिया। सजावट का काम पूरा होने के बाद, उसने पूरा समय पुस्तकालय में बिताया, आने-जाने वाले हर व्यक्ति की गतिविधियों पर नज़र रखी और यह सुनिश्चित किया कि वे अपने पीछे कोई अवांछित चीज़ न छोड़ें।

लेकिन ऐसा लगता है कि कॉलेज का भूत अपना असर खो बैठा था। स्व-घोषित निरीक्षक के लिए ठंडा दोपहर का भोजन लाया गया। उसे एक नैपकिन से ढका गया था; लेकिन उसके नीचे हैम सैंडविच और कुछ अन्य हानिरहित चीजों की प्लेट के अलावा कुछ भी नहीं था। हैरियट ने उस जासूस को पहचान लिया।

“तुम एनी हो, है ना? क्या तुम अब रसोई के स्टाफ में हो?”

नहीं, महोदया। मैं हॉल और सीनियर कॉमन रूम में सेवा करता हूँ।

“आपकी छोटी बेटियाँ कैसी हैं? मुझे लगता है मिस लिडगेट ने कहा था कि आपकी दो छोटी बेटियाँ हैं?”

जी जी। आपका पूछने के लिए धन्यवाद। एनी का चेहरा खुशी से चमक उठा। "वे बहुत अच्छे हैं। ऑक्सफोर्ड उन्हें रास आया है, क्योंकि हम पहले एक औद्योगिक शहर में रहते थे। क्या आपको बच्चे पसंद हैं, जी जी?"

“ओह, हाँ,” हैरियट ने कहा। असल में, उसे बच्चों की ज़्यादा परवाह नहीं थी—लेकिन इन सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण लोगों से कोई इतनी बेबाकी से ऐसा कह भी नहीं सकता।

“आपको शादी कर लेनी चाहिए और अपने बच्चे पैदा करने चाहिए, महोदया। बस! मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था—यह मेरा काम नहीं है। लेकिन मुझे इन सभी अविवाहित महिलाओं को एक साथ रहते देखना बहुत बुरा लगता है। यह स्वाभाविक नहीं है, है ना?”

“खैर, ऐनी, ये सब पसंद पर निर्भर करता है। और सही व्यक्ति के आने का इंतजार करना पड़ता है।”

"यह बिल्कुल सच है, महोदया।"

हैरियट को अचानक याद आया कि ऐनी का पति या तो समलैंगिक था, या उसने आत्महत्या कर ली थी, या उसके साथ कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी थी, और उसे आश्चर्य हुआ कि क्या उसकी यह सामान्य सी बात एक समझदारी भरी प्रतिक्रिया थी। लेकिन ऐनी इससे काफी खुश लग रही थी। वह फिर मुस्कुराई; उसकी बड़ी-बड़ी, हल्के नीले रंग की आँखें थीं, और हैरियट को लगा कि इतनी दुबली-पतली और चिंतित दिखने से पहले वह एक खूबसूरत महिला रही होगी।

मुझे पूरा यकीन है कि वह आपके लिए आएगा—या शायद आपकी सगाई हो चुकी है और आप शादी करने वाले हैं?

हैरियट ने भौंहें चढ़ाईं। उसे यह सवाल बिल्कुल पसंद नहीं था और वह कॉलेज के नौकरों के साथ अपने निजी मामलों पर चर्चा नहीं करना चाहती थी। लेकिन पूछताछ के पीछे कोई अनुचित इरादा नहीं दिख रहा था, इसलिए उसने विनम्रता से जवाब दिया, "अभी तो नहीं; लेकिन कौन जाने। आपको नई लाइब्रेरी कैसी लगी?"

“यह कमरा बहुत ही सुंदर है, है ना महोदया? लेकिन इतनी बड़ी जगह को सिर्फ महिलाओं के लिए किताबों के अध्ययन हेतु रखना बड़े अफ़सोस की बात है। मुझे समझ नहीं आता कि लड़कियों को किताबों से क्या लेना-देना है। किताबें उन्हें अच्छी पत्नियाँ बनना नहीं सिखाएँगी।”

“कितने भयानक विचार हैं!” हैरियट ने कहा। “एनी, आखिर तुमने महिला महाविद्यालय में नौकरी क्यों ली?”

स्काउट का चेहरा उदास हो गया। "खैर, महोदया, मैंने बहुत दुर्भाग्य झेला है। मुझे जो मिला, मैंने उसी से संतोष किया।"

“जी हां, बिल्कुल; मैं तो बस मजाक कर रहा था। क्या आपको काम पसंद है?”
“यह बिल्कुल ठीक है। लेकिन इनमें से कुछ चतुर महिलाएं थोड़ी अजीब हैं, क्या आपको ऐसा नहीं लगता, महोदया? मेरा मतलब है, हास्यास्पद। उनमें कोई दिल नहीं है।”
हैरियट को याद था कि मिस हिलयार्ड के साथ कुछ गलतफहमियां हुई थीं।
“ओह, नहीं,” उसने फुर्ती से कहा। “बेशक वे बहुत व्यस्त लोग हैं और उनके पास बाहरी रुचियों के लिए ज्यादा समय नहीं है। लेकिन वे सभी बहुत दयालु हैं।”
जी महोदया; मुझे यकीन है कि उनका यही इरादा है। लेकिन मुझे हमेशा बाइबल में लिखी वह बात याद आती है, कि ‘अत्यधिक ज्ञान से इंसान पागल हो जाता है।’ यह सही बात नहीं है।
हैरियट ने अचानक ऊपर देखा और स्काउट की आंखों में एक अजीब सी झलक देखी।
"एनी, तुम्हारा इससे क्या मतलब है?"
“बिल्कुल नहीं, महोदया। कभी-कभार कुछ अजीबोगरीब बातें हो जाती हैं, लेकिन ज़ाहिर है, आप मेहमान हैं, इसलिए आपको पता नहीं होगा, और मेरा काम भी नहीं है कि मैं उनका ज़िक्र करूँ—क्योंकि आजकल मैं तो बस एक नौकर हूँ।”
“मैं तो आपकी बताई हुई किसी भी बात का जिक्र बाहरी लोगों या आगंतुकों से बिल्कुल नहीं करूंगी। अगर आपको कोई शिकायत करनी हो तो कोषाध्यक्ष या वार्डन से बात करें।”
“मुझे कोई शिकायत नहीं है, महोदया। लेकिन आपने दीवारों पर लिखे गए अभद्र शब्दों और मैदान में जलाई गई चीजों के बारे में सुना होगा—अखबारों में इसके बारे में थोड़ी-बहुत खबर आई थी। खैर, महोदया, आपको पता चलेगा कि ये सब तब से हो रहा है जब से एक खास व्यक्ति कॉलेज में आया है।”
"कौन सा व्यक्ति?" हैरियट ने सख्ती से कहा।
“महोदया, इन विद्वान महिलाओं में से एक। खैर, शायद मुझे इसके बारे में और कुछ नहीं कहना चाहिए। आप जासूसी उपन्यास लिखती हैं, है ना? खैर, आपको उस महिला के अतीत में कुछ न कुछ जरूर मिलेगा, इस बात का आप यकीन मानिए। कम से कम बहुत से लोग तो यही कह रहे हैं। और उस जैसी महिला के साथ एक ही जगह पर होना किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता।”

“मुझे पूरा यकीन है कि तुम गलतफहमी में हो, ऐनी; इस तरह की बात फैलाने में तुम्हें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। अब बेहतर होगा कि तुम वापस हॉल चली जाओ; मुझे लगता है कि उन्हें तुम्हारी ज़रूरत पड़ेगी।”

तो नौकर यही कह रहे थे। मिस डी वाइन, ज़ाहिर है; वही "विद्वान महिला" थीं जिनका आगमन अशांति की शुरुआत के साथ हुआ था—इतना सटीक रूप से कि एनी को पता भी नहीं था, जब तक कि उसने भी गौडी के चौक में वह चित्र न देखा हो। मिस डी वाइन एक विचित्र महिला थीं, और निस्संदेह उनकी उन परेशान करने वाली आँखों के पीछे विविध अनुभव छिपे थे। लेकिन हैरियट उन्हें पसंद करने लगी थी, और वह निश्चित रूप से उस तरह पागल नहीं दिखती थीं जिस तरह "ज़हरीली कलम" पागल थी; हालाँकि यह जानकर आश्चर्य नहीं होगा कि उनमें कहीं न कहीं कट्टरता का अंश था। वैसे, पिछली रात वह क्या कर रही थीं? इस समय उनके कमरे क्वीन एलिजाबेथ में थे; अब उनके लिए कोई पुख्ता सबूत साबित करना शायद मुश्किल था। मिस डी वाइन—खैर! उन्हें भी बाकी सब लोगों के बराबर ही समझना होगा।

पुस्तकालय का उद्घाटन बिना किसी रुकावट के संपन्न हुआ। चांसलर ने प्लेटेड चाबी से मुख्य द्वार खोला, उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उसी चाबी से पिछली रात कुछ विचित्र परिस्थितियों में द्वार खुला था। हैरियट ने उपस्थित विद्वानों और वरिष्ठ विद्वानों के चेहरों को ध्यान से देखा; पुस्तकालय की भव्य उपस्थिति को देखकर उनमें से किसी के चेहरे पर आश्चर्य, क्रोध या निराशा का कोई भाव नहीं था। मिस हडसन प्रसन्न और बेफिक्र दिख रही थीं; मिस कैटरमोल भी वहां मौजूद थीं। ऐसा लग रहा था मानो वह रो रही हों; और हैरियट ने गौर किया कि वह एक कोने में अकेली खड़ी थीं और किसी से बात नहीं कर रही थीं, जब तक कि समारोह के समापन पर चश्मा पहने एक सांवली लड़की भीड़ को चीरते हुए उनके पास नहीं आई और वे दोनों साथ-साथ चली गईं।

दिन में आगे चलकर, हैरियट वार्डन के पास अपनी तय रिपोर्ट देने गई। उसने बताया कि पिछली रात जैसी घटना को अकेले संभालना कितना मुश्किल है। कई सहायकों द्वारा चौराहों और गलियारों की सावधानीपूर्वक गश्त करने से अपराधी को पकड़ना संभव हो जाता; और सभी संदिग्धों की जाँच भी जल्द ही की जा सकती थी। उसने मिस क्लिम्पसन की एजेंसी से कुछ महिलाओं की मदद लेने की पुरजोर सलाह दी, जिसके बारे में उसने विस्तार से बताया।

“मैं आपकी बात समझता हूँ,” वार्डन ने उत्तर दिया; “लेकिन मुझे पता चला है कि सीनियर कॉमन रूम के कम से कम दो सदस्य इस कार्यप्रणाली पर कड़ी आपत्ति जताते हैं।”
“मुझे पता है,” हैरियट ने कहा। “मिस एलिसन और मिस बार्टन। क्यों?”
“मुझे भी लगता है,” वार्डन ने इस सवाल का जवाब दिए बिना कहा, “कि इस मामले में कुछ दिक्कतें हैं। छात्र इन अजनबियों के बारे में क्या सोचेंगे जो रात में कॉलेज के आसपास घूमते रहते हैं? वे सोचेंगे कि पुलिस का काम हम क्यों नहीं कर सकते, और हम उन्हें यह कैसे बता सकते हैं कि हम खुद शक के घेरे में हैं। और जैसा कि आप सुझाव दे रहे हैं, अगर सभी रणनीतिक चौकियों पर पहरा देना है, तो ऐसे कामों को ठीक से करने के लिए काफी संख्या में लोगों की ज़रूरत होगी। फिर ये लोग कॉलेज के माहौल से पूरी तरह अनजान होंगे, और गलत लोगों का पीछा करके उनसे पूछताछ करने में आसानी से बड़ी गलतियाँ कर सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि हम किसी अप्रिय बदनामी और शिकायतों से बच पाएंगे।”
“मैं यह सब देख रहा हूँ। वार्डन। लेकिन फिर भी, यही सबसे तेज़ समाधान है।”
वार्डन ने अपना सिर झुकाकर एक खूबसूरत टेपेस्ट्री पर काम करना शुरू किया।
“मुझे यह बहुत वांछनीय नहीं लगता। मुझे पता है आप कहेंगी कि पूरी स्थिति अवांछनीय है। मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ।” उसने ऊपर देखा। “मुझे लगता है मिस वेन, क्या आप स्वयं हमारी सहायता के लिए समय नहीं निकाल सकतीं?”
“मैं समय निकाल सकती हूँ,” हैरियट ने धीरे से कहा। “लेकिन बिना मदद के यह बहुत मुश्किल होने वाला है। अगर एक या दो लोग भी बिना किसी संदेह के निर्दोष साबित हो जाते, तो यह बहुत आसान हो जाता।”
"मिस बार्टन ने कल रात आपकी बहुत कुशलता से सहायता की।"
“हाँ,” हैरियट ने कहा; “लेकिन—मैं इसे कैसे कहूँ? अगर मैं इस बारे में कोई कहानी लिख रही होती, तो घटनास्थल पर सबसे पहले पहुँचने वाले व्यक्ति पर ही सबसे पहले शक किया जाता।” वार्डन ने अपनी टोकरी से नारंगी रंग का धागा निकाला और ध्यान से अपनी सुई में धागा पिरोया।
"क्या आप कृपया इसे समझाएंगे?"
हैरियट ने सावधानीपूर्वक समझाया।
“आपने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है,” डॉ. बेरिंग ने कहा। “मैं पूरी तरह समझ गया। अब, इस छात्रा, मिस हडसन के बारे में। उनका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं लगता। उस

समय उन्हें बटररी से खाना मिलने की उम्मीद तो हो ही नहीं सकती थी; और वास्तव में, उन्हें खाना मिला भी नहीं।"
"नहीं," हैरियट ने कहा; "लेकिन मुझे अच्छी तरह पता है कि मेरे ज़माने में हेड स्काउट के दाहिनी ओर से निकलकर रात भर खिड़की खुली छोड़ना ज़्यादा मुश्किल नहीं था। फिर, अगर किसी को निबंध जमा करने में देर हो जाती थी या भूख लगती थी, तो वह नीचे जाकर अपनी पसंद का खाना ले लेता था।"
"हे भगवान!" वार्डन ने कहा।
"हम हमेशा इस मामले में काफी ईमानदार रहे," हैरियट ने कहा, "हमने सब कुछ स्लेट पर लिख लिया था, ताकि सत्र के अंत में होने वाली हमारी लड़ाइयों में इसका जिक्र हो सके। हालांकि," उसने सोच-समझकर आगे कहा, "ठंडे मांस और चर्बी की कुछ चीजें थीं जिन्हें थोड़ा-बहुत छिपाना पड़ा होगा। फिर भी—मुझे लगता है कि मिस हडसन का स्पष्टीकरण ठीक रहेगा।"
"दरअसल, दरवाजा बंद था।"
"जी हाँ, ऐसा ही था। दरअसल, मैंने कैरी से बात की है और उसने मुझे यकीन दिलाया है कि कल रात 10:30 बजे हमेशा की तरह ताला लगा हुआ था। वह मानती है कि मिस हडसन ने उसे ताला खुला छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया, क्योंकि कल रात ही कोषाध्यक्ष ने हैच और बटररी को बंद करने के बारे में विशेष निर्देश दिए थे। यह बैठक के बाद ही हुआ होगा। वह यह भी कहती है कि इस सत्र में वह पहले से ज़्यादा सतर्क रही है, क्योंकि पिछले सत्र में इसी बात को लेकर थोड़ी परेशानी हुई थी।"
"खैर—मुझे लगता है कि मिस हडसन के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। हालांकि, मेरा मानना है कि वह काफी चंचल युवती हैं; इसलिए उन पर नज़र रखना बेहतर होगा। वह बहुत काबिल हैं; लेकिन उनका पिछला रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है, और मुझे लगता है कि संभव है कि वह उन—अह—संवादों में पाए गए अप्रिय भावों को भी मजाक समझ लें। मैं आपको यह इसलिए नहीं बता रहा हूं कि लड़की के प्रति कोई पूर्वाग्रह पैदा हो, बल्कि केवल इसलिए बता रहा हूं कि इससे सबूत के तौर पर क्या फायदा हो सकता है।"
"धन्यवाद। ठीक है, वार्डन जी; यदि आपको लगता है कि बाहरी मदद लेना असंभव है, तो मेरा सुझाव है कि मैं एक सप्ताह के लिए कॉलेज में ही रहूँ, दिखावे के तौर पर मिस लिडगेट की पुस्तक में मदद करने और बॉडली में अपने लिए कुछ शोध करने के

लिए। उसके बाद मैं कुछ और जाँच-पड़ताल कर सकता हूँ। यदि सत्र के अंत तक कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकलता है, तो मुझे लगता है कि पेशेवर विशेषज्ञों की मदद लेने का विकल्प चुनना ही पड़ेगा।"
"यह तो बहुत ही उदार प्रस्ताव है," वार्डन ने कहा। "हम सब आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।"
हैरियट ने कहा, "मुझे आपको आगाह करना चाहिए कि एक-दो वरिष्ठ सदस्य मुझे पसंद नहीं करते।"
"इससे शायद थोड़ी मुश्किल हो जाए। लेकिन अगर आप कॉलेज के हित में इस अप्रिय स्थिति को सहने के लिए तैयार हैं, तो इससे हमारी कृतज्ञता और भी बढ़ जाएगी। मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ कि प्रचार से बचना कितना ज़रूरी है। प्रेस में दुर्भावनापूर्ण और गलत जानकारी वाली गपशप से कॉलेज और विश्वविद्यालय की छात्राओं को सबसे ज़्यादा नुकसान होता है। अब तक छात्राएँ बहुत वफ़ादार रही हैं। अगर उनमें से किसी ने भी लापरवाही की होती, तो हमें अब तक ज़रूर पता चल जाता।"
"न्यू कॉलेज में मिस फ्लैक्समैन के उस युवक के बारे में क्या ख्याल है?"
"उन्होंने और मिस फ्लैक्समैन दोनों ने काफी अच्छा व्यवहार किया है। शुरुआत में, स्वाभाविक रूप से, इसे पूरी तरह से निजी मामला माना गया। जब स्थिति बिगड़ी, तो मैंने मिस फ्लैक्समैन से बात की और उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि जब तक मामला पूरी तरह से सुलझ नहीं जाता, तब तक वह और उनके मंगेतर इस बात को गुप्त रखेंगे।"
"ठीक है," हैरियट ने कहा। "खैर, हमें जो संभव हो वो करना चाहिए। मैं एक सुझाव देना चाहूँगी, और वो ये है कि रात में कुछ गलियारे की बत्तियाँ जलाकर रखी जाएँ। उजाले में भी इतनी बड़ी इमारतों की निगरानी करना मुश्किल होता है, अंधेरे में तो नामुमकिन ही है।"
"यह उचित है," डॉ. बेरिंग ने उत्तर दिया। "मैं इस बारे में कोषाध्यक्ष से बात करूंगा।"
और इस असंतोषजनक व्यवस्था से संतुष्ट रहना ही पड़ा।

## अध्याय 7

हे मेरी प्यारी क्लोरिस, उदास मत हो, न ही इन क्रूर देवियों से भयभीत हो, बल्कि इन मूर्ख स्त्रियों को पागल होने दो, नरकीय अभिमान से ग्रस्त होने दो; अपने महान विचारों

को उनके भावों जितना नीचा न उतरने दो, जिन्हें न तो परामर्श सुधार सकता है, न ही देवताओं का सुधार।

—माइकल ड्रेटन

श्रूस्बरी कॉलेज में यह बात मामूली चर्चा का विषय थी कि प्रसिद्ध जासूसी उपन्यासकार मिस हैरियट वेन, शेरिडन ले फैनू के जीवन और कार्यों पर शोध करने के लिए बोडलियन संग्रहालय में कुछ सप्ताह बिता रही थीं। बहाना काफी था; हैरियट वास्तव में ले फैनू के अध्ययन के लिए आराम से सामग्री जुटा रही थीं, हालांकि बोडलियन शायद इसके लिए आदर्श स्रोत नहीं था। लेकिन उनकी उपस्थिति का कोई न कोई कारण तो अवश्य ही रहा होगा, और ऑक्सफोर्ड यह मानने को तैयार है कि बोडलियन विद्वानों के जगत का केंद्र है। उन्हें पत्रिकाओं में पर्याप्त संदर्भ मिल गए, जिससे उनकी प्रगति के बारे में पूछे गए विनम्र प्रश्नों का आशावादी उत्तर देना उचित था; और यदि वास्तव में, उन्होंने गलियारों में रात भर जासूसी करने की भरपाई के लिए दिन में ड्यूक हम्फ्री की बाहों में काफी झपकी ली, तो शायद वह ऑक्सफोर्ड में अकेली ऐसी व्यक्ति नहीं थीं जिन्हें पुराने चमड़े के फर्नीचर और सेंट्रल हीटिंग का वातावरण नींद के लिए अनुकूल लगा हो।

इसी दौरान, उन्होंने मिस लिडगेट के अव्यवस्थित प्रूफों को व्यवस्थित करने में काफी समय लगाया। प्रस्तावना को पुनः लिखा गया और लेखक की उत्कृष्ट स्मृति से मिटाए गए अंशों को पुनः स्थापित किया गया; विकृत पृष्ठों को नए प्रूफ-शीट से बदला गया; क्रॉस-रेफरेंस में 59 त्रुटियों और अस्पष्टताओं को दूर किया गया; श्री एल्कबॉटम को दिया गया प्रत्युत्तर पाठ में शामिल किया गया और उसे अधिक सशक्त और निर्णायक बनाया गया; और प्रेस के अधिकारी प्रकाशन की तिथि के बारे में काफी आशावादी होने लगे।

चाहे हैरियट की रात की छुप-छुपकर की हरकतों की वजह से हो, या फिर संदिग्धों का दायरा इतना कम हो जाने की जानकारी मात्र से पुलिस का डर लगने के कारण, या फिर किसी भी कारण से, अगले कुछ दिनों में कुछ ही घटनाएं हुईं। एक परेशान करने वाली घटना एस.सी.आर. के क्लोकरूम में शौचालय के बेसिन की नाली का पूरी तरह से बंद हो जाना था। पता चला कि यह कपड़े के कुछ फटे हुए टुकड़ों के कारण हुआ था, जिन्हें एक पतली छड़ की मदद से नाली के अंदर मजबूती से ठूंस दिया गया था। जब प्लंबर ने उन्हें बाहर निकाला, तो पता चला कि वे भूरे रंग से सने हुए कपड़े के दस्तानों के अवशेष थे, जिन्हें किसी की भी संपत्ति के रूप में पहचानना बिल्कुल

असंभव था। एक और घटना थी, लाइब्रेरी की गुम हुई चाबियों का शोरगुल के साथ बाहर आना, जो तस्वीरों के एक रोल के अंदर से निकली थीं। मिस पाइके ने पार्थेनन फ्रिज़ के बारे में कुछ टिप्पणियों को समझाने के लिए उनका उपयोग करने से पहले उन्हें आधे घंटे के लिए एक व्याख्यान कक्ष में छोड़ दिया था। इन दोनों घटनाओं से कोई सुराग नहीं मिला।

सीनियर कॉमन रूम के सभी सदस्यों ने हैरियट के प्रति वह गंभीर और निष्पक्ष सम्मान दिखाया जो विद्वतापूर्ण परंपरा के अनुसार किसी व्यक्ति के जीवन के उद्देश्य के प्रति अनिवार्य है। उन्हें स्पष्ट था कि आधिकारिक जांचकर्ता के रूप में नियुक्त होने के बाद, उन्हें बिना किसी हस्तक्षेप के जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए। न ही उन्होंने अपनी निर्दोषता का दावा किया और न ही आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने स्थिति को बड़ी सहजता से संभाला, इसका बहुत कम उल्लेख किया और कॉमन रूम में बातचीत को सामान्य और विश्वविद्यालय के हित के विषयों तक ही सीमित रखा। उन्होंने पूरी गंभीरता और औपचारिकता के साथ हैरियट को अपने कमरों में शेरी या कॉफी पीने के लिए आमंत्रित किया और एक-दूसरे पर टिप्पणी करने से परहेज किया। मिस बार्टन ने तो आधुनिक राज्य में महिलाओं के विषय पर हैरियट की राय जानने और जर्मनी की स्थिति पर उनसे परामर्श करने के लिए विशेष प्रयास किए। यह सच है कि उन्होंने व्यक्त किए गए कई विचारों से स्पष्ट रूप से असहमति जताई, लेकिन केवल वस्तुनिष्ठ रूप से और बिना किसी व्यक्तिगत द्वेष के; अपराधों की जांच करने के शौकिया जांचकर्ता के अधिकार के विवादास्पद विषय को उचित रूप से स्थगित कर दिया गया। मिस हिलयार्ड ने भी, शत्रुता को दरकिनार रखते हुए, सर एडमंड बेरी गॉडफ्रे की हत्या और एसेक्स की काउंटेस द्वारा सर थॉमस ओवरबरी को कथित रूप से जहर दिए जाने जैसे ऐतिहासिक अपराधों के तकनीकी पहलुओं के बारे में हैरियट से पूछताछ करने में काफी मेहनत की। ऐसे प्रयास बेशक नीतिगत हो सकते थे; लेकिन हैरियट उन्हें शिष्टाचार के प्रति उनकी सहज समझ का परिणाम मानती थीं।

मिस डी वाइन के साथ उनकी कई रोचक बातचीत हुई थीं। फेलो का व्यक्तित्व उन्हें बेहद आकर्षित और हैरान करता था। अन्य सभी प्रोफेसरों की तुलना में, उन्हें ऐसा लगता था कि मिस डी वाइन में बौद्धिक जीवन के प्रति समर्पण किसी स्वाभाविक या अर्जित झुकाव का सहज अनुसरण नहीं था, बल्कि एक शक्तिशाली आध्यात्मिक आह्वान था, जो अन्य संभावित प्रवृत्तियों पर हावी था। बिना किसी उकसावे के भी, वह मिस डी वाइन के अतीत के बारे में जानने के लिए उत्सुक थीं; लेकिन पूछताछ करना

कठिन था, और हर बार बातचीत के बाद उन्हें ऐसा लगता था कि उन्होंने जितना सीखा है, उससे कहीं अधिक बता दिया है। वह संघर्षों के इतिहास का अनुमान लगा सकती थीं; लेकिन उन्हें यह मानना मुश्किल लगता था कि मिस डी वाइन अपने दमित भावों से अनभिज्ञ थीं या उन्हें नियंत्रित करने में असमर्थ थीं।

जूनियर कॉमन रूम के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से, हैरियट ने कॉलेज की साहित्यिक सोसायटी के लिए "तथ्य और कल्पना में जासूसी" विषय पर एक भाषण तैयार करने और देने के लिए खुद को और भी दृढ़ संकल्पित किया। यह एक जोखिम भरा काम था। उस दुर्भाग्यपूर्ण मामले का, जिसमें वह स्वयं संदिग्ध पक्ष के रूप में शामिल थी, उसने स्वाभाविक रूप से कोई उल्लेख नहीं किया; और न ही बाद की चर्चा में कोई इतना असभ्य था कि इसका जिक्र करे। विल्वरकोम्ब हत्याकांड एक अलग मामला था। ऐसा कोई स्पष्ट कारण नहीं था कि वह छात्रों को इसके बारे में न बताए, और केवल इस व्यक्तिगत आधार पर उन्हें एक वास्तविक रोमांच से वंचित करना अनुचित लगता कि हर दूसरे वाक्य में पीटर विम्सी का जिक्र करना उबाऊ था। हालांकि उसका भाषण थोड़ा नीरस और अकादमिक था, फिर भी उसे खूब सराहा गया, और बैठक के अंत में वरिष्ठ छात्रा, मिस मिलबैंक्स ने उसे कॉफी के लिए आमंत्रित किया।

मिस मिलबैंक्स का कमरा क्वीन एलिजाबेथ होटल में था और उन्होंने उसे बड़े ही सलीके से सजाया था। वह लंबी, आकर्षक और धनी थीं, अधिकांश छात्रों की तुलना में कहीं बेहतर कपड़े पहनती थीं और अपनी बौद्धिक योग्यता को सहजता से प्रदर्शित करती थीं। उन्हें बिना वेतन के एक छोटी सी छात्रवृत्ति मिली हुई थी, और उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह केवल इसलिए विद्वान हैं क्योंकि वह आम लोगों के हास्यास्पद छोटे गाउन में दिखना नहीं चाहती थीं। कॉफी के विकल्प के रूप में, उन्होंने हैरियट को मदीरा या कॉकटेल का विकल्प दिया, और विनम्रतापूर्वक खेद व्यक्त किया कि कॉलेज की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण शेकर के लिए बर्फ उपलब्ध कराना संभव नहीं था। हैरियट, जिन्हें रात के खाने के बाद कॉकटेल पसंद नहीं थे और ऑक्सफोर्ड आने के बाद से कई बार मदीरा और शेरी पी चुकी थीं, ने कॉफी स्वीकार कर ली और कप और गिलास भरते समय मुस्कुराईं। मिस मिलबैंक्स ने विनम्रतापूर्वक पूछा कि मज़ाक क्या था।

हैरियट ने कहा, "बस इतना ही कि मैंने कुछ दिन पहले मॉर्निंग स्टार में एक लेख से जाना कि पत्रकार के घिनौने शब्दों में कहें तो 'स्नातकोत्तर छात्राएं' पूरी तरह से कोको

पर ही जीवित रहती हैं।"
मिस मिलबैंक्स ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में कहा, "पत्रकार हमेशा तीस साल पीछे रहते हैं। क्या आपने कभी कॉलेज में कोको देखा है, मिस फाउलर?"
“ओह, जी हाँ,” मिस फाउलर ने कहा। वह सांवली, हृष्ट-पुष्ट तृतीय वर्ष की छात्रा थीं, जिन्होंने एक बेहद गंदा स्वेटर पहना हुआ था, जिसे उन्होंने पहले ही बताया था कि हैरियट के भाषण में शामिल होने से ठीक पहले तक निबंध लिखने में व्यस्त होने के कारण उन्हें बदलने का समय नहीं मिला था। “हाँ, मैंने इसे प्रोफेसरों के कमरों में देखा है। कभी-कभार। लेकिन मैं इसे हमेशा बचकानापन ही समझती थी।”
“क्या यह वीर अतीत को फिर से जीना नहीं है?” मिस मिलबैंक्स ने सुझाव दिया। “ओ लेस ब्यू जर्स क्यू से सिएकल डे फेर। इत्यादि।”
“ग्रुपिस्ट कोको पीते हैं,” एक अन्य तृतीय वर्ष की छात्रा ने कहा। वह दुबली-पतली थी, उसका चेहरा उत्सुक और तिरस्कारपूर्ण था, और उसने अपने स्वेटर के लिए कोई माफी नहीं मांगी, जाहिर तौर पर वह इन बातों को अपने लिए महत्वहीन समझती थी।
“लेकिन वे दूसरों की कमियों के प्रति बहुत ही संवेदनशील हैं,” मिस मिलबैंक्स ने कहा। “मिस लेटन एक बार ‘बदल गई’ थीं, लेकिन अब वे वापस पहले जैसी हो गई हैं। जब तक यह चला, अच्छा था।”
मिस लेटन, आग के पास एक पफ पर सिमटी हुई, शरारत से चमकते हुए एक नर्कश छोटे दिल के आकार के चेहरे को ऊपर उठाती हुई दिखाई दीं।
"मुझे लोगों को उनके बारे में अपने विचार बताना अच्छा लगता था। बहुत ही उत्साहपूर्ण। खासकर सार्वजनिक रूप से उस महिला फ्लैक्समैन के बारे में मेरे मन में आए बुरे-बुरे विचारों को स्वीकार करना।"
“बेवकूफ फ्लैक्समैन,” उस सांवली लड़की ने संक्षिप्त स्वर में कहा। उसका नाम हेडॉक था और जैसा कि हैरियट को बाद में पता चला, उसे इतिहास में प्रथम श्रेणी की एक सुरक्षित छात्रा माना जाता था। “वह पूरे द्वितीय वर्ष के छात्रों को अपने इशारों पर नचा रही है। मुझे उसका प्रभाव बिल्कुल पसंद नहीं है। और अगर मुझसे पूछो, तो कैटरमोल में कुछ बहुत गड़बड़ है। भगवान जाने, मैं अपने भाई की रखवाली करने के इस झंझट में नहीं पड़ना चाहती—स्कूल में तो हमने पहले ही बहुत कुछ झेल लिया है—लेकिन अगर कैटरमोल ने कोई बड़ा कदम उठा लिया तो स्थिति अजीब हो जाएगी। वरिष्ठ छात्रा होने के नाते, लिलियन, क्या तुम्हें नहीं लगता कि तुम इस बारे में कुछ कर सकती हो?”

“मेरी प्यारी,” मिस मिलबैंक्स ने विरोध करते हुए कहा, “कोई क्या कर सकता है? मैं फ्लैक्समैन को लोगों का जीवन बोझ बनाने से नहीं रोक सकती। अगर रोक भी सकती तो नहीं रोकती। आप मुझसे यह उम्मीद तो नहीं कर रही हैं कि मैं अपना अधिकार जताऊं? लोगों को कॉलेज की बैठकों में बुलाना ही काफी मुश्किल है। एस.सी.आर. हमारी इस निराशाजनक उदासीनता को समझ ही नहीं पा रहे हैं।”
हैरियट ने कहा, "उनके जमाने में, मुझे लगता है कि लोगों में बैठकों और संगठन के प्रति जुनून था।"
"अंतर-महाविद्यालयीय बैठकें तो बहुत होती हैं," मिस लेटन ने कहा। "हम कई विषयों पर चर्चा करते हैं और मिश्रित दलों के लिए बनाए गए प्रॉक्टोरियल नियमों से काफी नाराज़ हैं। लेकिन आंतरिक मामलों में हमारी रुचि कुछ हद तक संयमित है।"
मिस हेडॉक ने स्पष्ट रूप से कहा, "खैर, मुझे लगता है कि हम कभी-कभी इस मामले में 'अहसान न मानने' वाले पहलू को कुछ ज़्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। अगर कोई बड़ा विवाद खड़ा हो जाता है, तो इससे किसी को भी फायदा नहीं होगा।"
“क्या आपका मतलब फ्लैक्समैन के काट-छांट अभियानों से है? या रैगिंग मामले से? वैसे, मिस वेन, मुझे लगता है कि आपने कॉलेज रहस्य के बारे में सुना होगा।”
“मैंने कुछ सुना है,” हैरियट ने सावधानी से जवाब दिया। “ऐसा लगता है कि यह सब बहुत थकाऊ है।”
"अगर इसे नहीं रोका गया तो यह बेहद कष्टदायक होगा," मिस हेडॉक ने कहा। "मेरा मानना है कि हमें खुद ही थोड़ी निजी जांच करनी चाहिए। एस.सी.आर. (पुलिस) को इसमें कोई खास प्रगति होती नहीं दिख रही है।"
"खैर, जांच का पिछला प्रयास बहुत संतोषजनक नहीं था," मिस मिलबैंक्स ने कहा।
“क्या तुम्हारा मतलब कैटरमोल से है? मुझे नहीं लगता कि यह कैटरमोल है। वह बहुत ही स्पष्ट है। और उसमें इतनी हिम्मत भी नहीं है। वह खुद को मूर्ख साबित कर सकती है और करती भी है, लेकिन वह इसे इतनी गुप्त रूप से नहीं करेगी।”
"कैटरमोल के खिलाफ कुछ भी नहीं है," मिस फाउलर ने कहा, "सिवाय इसके कि किसी ने फ्लैक्समैन को कैटरमोल के प्रेमी को चुराने के मौके पर एक आपत्तिजनक पत्र लिखा था। उस समय कैटरमोल स्पष्ट रूप से संदिग्ध थी, लेकिन उसे ये सब अन्य चीजें क्यों करनी चाहिए थीं?"
"निश्चित रूप से," मिस लेटन ने हैरियट से अपील करते हुए कहा, "निश्चित रूप से जो स्पष्ट रूप से संदिग्ध है वह हमेशा निर्दोष ही होता है।"

हैरियट हंस पड़ी; और मिस मिलबैंक्स ने कहा:
"हां; लेकिन मुझे लगता है कि कैटरमोल उस स्तर पर पहुंच रही है जहां वह ध्यान आकर्षित करने के लिए लगभग कुछ भी करेगी।"
“मुझे नहीं लगता कि यह कैटरमोल है,” मिस हेडॉक ने कहा। “वह मुझे पत्र क्यों लिखेगी?”
“क्या आपके पास एक था?”
“हाँ; लेकिन यह महज़ एक इच्छा थी कि मैं स्कूलों में कुछ बनाऊँ, वही घिसा-पिटा बेवकूफी भरा काम जो चिपकाए हुए अक्षरों से बना होता है। मैंने उसे जला दिया और उसी के बल पर कैटरमोल को खाने पर ले गया।”
“बहुत बढ़िया,” मिस फाउलर ने कहा।
“मुझे भी एक ऐसा ही संदेश मिला था,” मिस लेटन ने कहा। “एक बहुत ही बढ़िया संदेश था—कि जो महिलाएं मेरे रास्ते पर चलती हैं, उनके लिए एक अलग ही नरक होता है। इसलिए, दिए गए सुझाव पर अमल करते हुए, मैंने उसे चिमनी के रास्ते अपने भावी पते पर भेज दिया।”
“फिर भी,” मिस मिलबैंक्स ने कहा, “यह बहुत ही घिनौना है। मुझे चिट्ठियों से इतनी परेशानी नहीं है। परेशानी तो उन फटे-पुराने अखबारों और दीवारों पर लिखी बातों से है। अगर बाहर का कोई ताक-झांक करने वाला आदमी इसे पढ़ ले तो सबके सामने हंगामा मच जाएगा, और यह बहुत ही उबाऊ होगा। मैं सार्वजनिक हित की भावना का दिखावा तो नहीं करती, लेकिन मानती हूँ कि मुझमें थोड़ी बहुत तो है। हम नहीं चाहते कि बदले में पूरे कॉलेज को बंद कर दिया जाए। और मैं यह भी नहीं चाहती कि लोग कहें कि हम पागलखाने में रह रहे हैं।”
"बहुत शर्मनाक है," मिस लेटन ने सहमति जताते हुए कहा; "हालांकि, बेशक, कहीं भी एक-आध समलैंगिक नमूना मिल सकता है।"
"पहले साल में कुछ अजीबोगरीब बातें तो होती ही हैं," मिस फाउलर ने कहा। "ऐसा क्यों लगता है कि हर साल पिछले साल से ज़्यादा शोरगुल भरा और बेस्वाद होता जा रहा है?"
"वे हमेशा ऐसा ही करते थे," हैरियट ने कहा।
“जी हां,” मिस हेडॉक ने कहा, “मुझे लगता है कि जब हम पहली बार आए थे तो तीसरे वर्ष के छात्रों ने भी हमारे बारे में यही कहा होगा। लेकिन यह सच है कि नए छात्रों के आने से पहले हमें इस तरह की कोई परेशानी नहीं थी।”

हैरियट ने इसका खंडन नहीं किया, क्योंकि वह न तो एस.सी.आर. पर और न ही उस बदकिस्मत कैटरमोल पर संदेह केंद्रित करना चाहती थी, जो (जैसा कि सभी को याद होगा) गौडी के दौरान जाग रही थी और एक साथ तिरस्कृत प्रेम और रिस्पॉन्सिऑन्स के खिलाफ जंग लड़ रही थी। हालांकि, उसने पूछा कि क्या मिस कैटरमोल के अलावा किसी अन्य छात्र पर भी संदेह हुआ था।

“बिल्कुल नहीं,” मिस मिलबैंक्स ने जवाब दिया। “हडसन तो है ही—वह स्कूल से रैगिंग के लिए थोड़ी बदनाम होकर आई है, लेकिन मेरी राय में वह बिल्कुल ठीक है। मुझे तो लगता है कि हमारी पूरी क्लास ही ठीक है। और कैटरमोल को तो खुद को ही दोष देना चाहिए। मेरा मतलब है, वह खुद ही मुसीबत मोल ले रही है।”

“कैसे?” हैरियट ने पूछा।

"कई तरीकों से," मिस मिलबैंक्स ने सावधानी से कहा, जिससे यह संकेत मिलता था कि हैरियट एस.सी.आर. की इतनी भरोसेमंद सदस्य थी कि उसे छोटी-छोटी बातों की जानकारी देना उचित नहीं था। "वह नियमों को तोड़ने के लिए काफी उत्सुक रहती है—जो ठीक है अगर आपको इससे मज़ा आता हो; लेकिन उसे नहीं आता।"

“कैटरमोल हद से ज्यादा आगे बढ़ रही है,” मिस हेडॉक ने कहा। “वह उस नौजवान, जिसका नाम मुझे याद नहीं आ रहा—फैरिंगडन—को दिखाना चाहती है कि वह अकेला नहीं है। सब ठीक है। लेकिन वह कुछ ज्यादा ही बेशर्मी बरत रही है। वह बस उस लड़के, पोम्फ्रे, के पीछे पड़ी है।”

"क्वीन्स कॉलेज की वो गोरी-चिट्टी लड़की?" मिस फाउलर ने कहा। "खैर, उसकी किस्मत फिर से खराब होने वाली है, क्योंकि फ्लैक्समैन उसे धीरे-धीरे अपने साथ ले जा रहा है।"

“फ्लैक्समैन को धिक्कार है!” मिस हेडॉक ने कहा। “क्या वह दूसरों के आदमियों को अकेला नहीं छोड़ सकती? उसने फैरिंगडन को तो हथिया लिया; मुझे लगता है कि वह पोमफ्रेट को छोड़कर कैटरमोल के पास चली जाएगी।”

"उसे किसी के लिए कुछ भी छोड़ना बिल्कुल पसंद नहीं है," मिस लेटन ने कहा।

मिस मिलबैंक्स ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि वह आपके जेफ्री को पाने की कोशिश नहीं कर रही होगी।"

मिस लेटन ने शरारती मुस्कान के साथ कहा, "मैं उसे यह मौका नहीं दे रही हूँ। जेफ्री ठीक है—हाँ, प्यारे बच्चों, बिल्कुल ठीक है—लेकिन मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। पिछली बार जब हमने उसे जे.सी.आर. में चाय पर बुलाया था, तो फ्लैक्समैन लड़खड़ाते

हुए अंदर आई। मुझे खेद है, उसे पता ही नहीं था कि कोई वहाँ है, और वह एक किताब पीछे छोड़ आई थी। दरवाजे पर बड़े-बड़े अक्षरों में 'सगाईशुदा' का लेबल लगा हुआ था। मैंने जेफ्री का परिचय नहीं कराया।"
"क्या वह चाहता था कि तुम ऐसा करो?" मिस हेडॉक ने पूछा।
“उसने पूछा कि वह कौन है। मैंने कहा कि वह टेम्पलटन स्कॉलर है और ज्ञान के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी हस्ती है। इससे वह नाराज हो गया।”
"जब तुम अपना पहला स्थान हासिल कर लोगी, मेरी बच्ची, तो जेफ्री क्या करेगा?" मिस हेडॉक ने पूछा।
“खैर, ईव—अगर मैंने ऐसा किया तो अजीब लगेगा। बेचारा! मुझे उसे यकीन दिलाना होगा कि मैंने मौखिक परीक्षा में बस कमज़ोर और दयनीय दिखने का नाटक किया था।” और मिस लेटन सचमुच कमज़ोर और दयनीय दिखने की कोशिश कर रही थीं, और बिल्कुल भी विद्वान नहीं लग रही थीं। फिर भी, मिस लिडगेट से पूछने पर हैरियट को पता चला कि वह इंग्लिश स्कूल में बेहद लोकप्रिय छात्रा थीं, और सबसे अजीब बात यह थी कि वह भाषा में स्पेशल कोर्स कर रही थीं। अगर मिस लेटन भाषा विज्ञान के नीरस विषय को भी जीवंत कर सकती थीं, तो वह वाकई एक बहुत ही प्रतिभाशाली छात्रा थीं। हैरियट को उनकी बुद्धिमत्ता पर गर्व हुआ; इतनी अप्रत्याशित शख्सियत कुछ भी कर सकती थी।
तीसरे वर्ष के छात्रों की राय तो यहीं समाप्त होती है। हैरियट की दूसरे वर्ष के छात्रों के साथ पहली व्यक्तिगत मुलाकात कहीं अधिक नाटकीय थी।
पिछले एक हफ्ते से कॉलेज में इतनी शांति थी कि हैरियट ने पुलिस ड्यूटी से छुट्टी ले ली और अपनी एक सहपाठी के यहाँ आयोजित निजी नृत्य कार्यक्रम में चली गई, जिसने शादी कर ली थी और उत्तरी ऑक्सफोर्ड में बस गई थी। बारह बजकर एक बजने के बीच लौटकर, उसने कार को डीन के निजी गैरेज में पार्क किया, चुपचाप उस जाली से अंदर गई जो कॉलेज के बाकी हिस्से से यातायात प्रवेश द्वार को अलग करती थी और ट्यूडर की ओर पुराने चौक को पार करने लगी। मौसम सुहावना हो गया था और बादलों से घिरी चाँदनी की हल्की सी चमक दिखाई दे रही थी। उस चमकती रोशनी में, बर्ले बिल्डिंग के कोने से गुजरते हुए, हैरियट ने पूर्वी दीवार की रूपरेखा में कुछ उभरा हुआ और अजीब सा देखा, जहाँ प्रिंसिपल का निजी प्रवेश द्वार सेंट क्रॉस रोड की ओर खुलता था। यह स्पष्ट प्रतीत हुआ कि यहाँ, पुराने गीत के शब्दों में, "एक आदमी था जहाँ कोई आदमी नहीं होना चाहिए।"

अगर वह उस पर चिल्लाती, तो वह बाहर की तरफ गिर जाता और खो जाता। उसके पास पिछले दरवाजे की चाबी थी—उसे गश्त के लिए चाबियों का पूरा सेट सौंपा गया था। अपने काले शाम के लबादे को चेहरे पर लपेटकर और धीरे-धीरे कदम बढ़ाते हुए, हैरियट वार्डन के घर और फेलो गार्डन के बीच घास के रास्ते पर तेज़ी से भागी, चुपचाप सेंट क्रॉस रोड पर निकली और दीवार के नीचे खड़ी हो गई। जैसे ही वह बाहर निकली, एक दूसरा काला साया परछाई से निकला और जल्दी से बोला, "ओए!"
दीवार पर चढ़े सज्जन ने पीछे मुड़कर देखा, "अरे बाप रे!" कहा और जल्दी से नीचे उतर गए। उनका दोस्त तेज़ी से भाग निकला, लेकिन दीवार पर चढ़ने वाले को उतरते समय चोट लग गई थी और उसकी गति धीमी हो गई। हैरियट, जो ऑक्सफोर्ड से नौ साल से ज़्यादा पुरानी होने के बावजूद काफी फुर्तीली थी, ने उसका पीछा किया और जोवेट वॉक के कोने से कुछ गज की दूरी पर उसके पास पहुँच गई। उसका साथी, जो अब काफी दूर जा चुका था, हिचकिचाते हुए पीछे मुड़ा।
“निकल जाओ, बूढ़े!” कैदी चिल्लाया; और फिर हैरियट की ओर मुड़कर शरमाते हुए मुस्कुराते हुए बोला, “खैर, ये तो जायज़ बात है। मेरी टखने में चोट लग गई है या कुछ और।”
“आप हमारी दीवार पर क्या कर रहे थे, महोदय?” हैरियट ने पूछा। चांदनी में उसने एक ताज़ा, सुंदर और भोला-भाला चेहरा देखा, जो युवावस्था से थोड़ा गोल-मटोल था और उस समय उस पर आशंका और मनोरंजन का मिला-जुला भाव था। वह एक लंबा-चौड़ा और हट्टा-कट्टा युवक था; लेकिन हैरियट ने उसे इतनी मज़बूती से पकड़ रखा था कि वह उसे चोट पहुँचाए बिना उसे छुड़ा नहीं सकता था, और उसमें हिंसा करने का कोई इरादा नहीं था।
“बस ऐसे ही मज़ाक कर रहे थे,” उस नौजवान ने तुरंत कहा। “शर्त लगा ली थी, बस ऐसे ही। श्रूस्बरी के बीच पेड़ों की सबसे ऊपरी डाल पर अपनी टोपी टांग दी थी। मेरा दोस्त वहाँ गवाह था। लगता है मैं हार गया, है ना?”
“तो फिर,” हैरियट ने सख्ती से कहा, “आपकी टोपी कहाँ है? और अगर ज़रूरत पड़े तो आपका गाउन कहाँ है? और, महोदय, आपका नाम और कॉलेज का नाम क्या है?”
“अच्छा,” उस युवक ने धृष्टतापूर्वक कहा, “अगर ऐसी नौबत आती है, तो तुम्हारे कहाँ और क्या हैं?”
जब किसी का बत्तीसवां जन्मदिन कुछ ही महीनों में आने वाला हो, तो ऐसा सवाल प्रशंसा जैसा लगता है। हैरियट हंस पड़ी।

"मेरे प्यारे नौजवान, क्या तुम मुझे स्नातक छात्र समझते हो?"
“एक डॉन—एक महिला डॉन। भगवान हमारी मदद करे!” युवक ने हैरानी से कहा, जिसका मनोबल शराब के सेवन से कुछ हद तक स्थिर प्रतीत हो रहा था, हालांकि वह अत्यधिक उत्साहित नहीं था।
“तो?” हैरियट ने कहा।
“मुझे विश्वास नहीं हो रहा,” उस युवक ने मंद रोशनी में उसके चेहरे को जितना हो सके ध्यान से देखते हुए कहा। “संभव नहीं। बहुत छोटी है। बहुत आकर्षक है। हास्यबोध भी बहुत अच्छा है।”
"तुम्हारे अंदर हास्यबोध इतना अधिक है कि मैं तुम्हें ऐसा करने नहीं दूँगा, मेरे दोस्त। और इस दखलंदाजी के बारे में तो बिल्कुल भी हास्यबोध नहीं है।"
“मैं कहता हूँ,” उस युवक ने कहा, “मुझे सचमुच बहुत अफ़सोस है। बस मज़ाक-मस्ती थी। सच कहूँ तो, हम कोई नुकसान नहीं कर रहे थे। बिलकुल नहीं। मेरा मतलब है, हम बस शर्त जीत रहे थे और चुपचाप जा रहे थे। ज़रा समझदारी दिखाइए। आप कोई वार्डन या डीन वगैरह तो नहीं हैं। मैं उन्हें जानता हूँ। क्या आप इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते?”
“यह सब ठीक है,” हैरियट ने कहा। “लेकिन हम इस तरह की चीजें बर्दाश्त नहीं कर सकते। यह ठीक नहीं है। आपको यह समझना होगा कि यह ठीक नहीं है।”
“ओह, मैं समझ गया,” युवक ने सहमति जताते हुए कहा। “बिल्कुल। निश्चित रूप से। सरासर बेवकूफी भरा काम। गलतफहमी हो सकती है।” वह दर्द से कराह उठा और अपने घायल टखने को सहलाने के लिए एक पैर ऊपर उठाया। “लेकिन जब आपको इस तरह की कोई आकर्षक दीवार दिखाई दे—”
“आह, हाँ,” हैरियट ने कहा, “लालच क्या है? बस आओ और मुझे दिखाओ, क्या तुम?” उसके विरोध के बावजूद, वह उसे दृढ़ता से पिछले दरवाजे की ओर ले गई। “ओह, मैं समझ गई। उस दीवार में से एक-दो ईंटें निकाल लो। बढ़िया सहारा। ऐसा लगता है जैसे उन्हें जानबूझकर गिराया गया हो, है ना? और फेलो गार्डन में एक पेड़ भी है। कोषाध्यक्ष को इस पर ध्यान देना होगा। क्या तुम उस दीवार से अच्छी तरह वाकिफ हो, नौजवान?”
"यह तो सबको पता है कि यह मौजूद है," उसकी बंदी ने स्वीकार किया। "लेकिन, देखो, हम किसी को बुला नहीं रहे थे या ऐसा कुछ भी नहीं कर रहे थे, अगर तुम समझ रहे हो कि मेरा मतलब क्या है।"

"मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा," हैरियट ने कहा।
“नहीं, हम सब अकेले थे,” युवक ने उत्सुकता से समझाया। “कोई और शामिल नहीं था। हे भगवान, बिलकुल नहीं। और देखिए, मेरी टखने में चोट लग गई है और हमें वैसे भी अंदर जाना ही होगा, और, प्रिय, दयालु महिला—”
इसी क्षण, कॉलेज की दीवार के भीतर से एक ज़ोरदार कराहने की आवाज़ गूंजी। युवक का चेहरा पीड़ा और भय से भर गया।
“यह क्या है?” हैरियट ने पूछा।
“मैं सचमुच कुछ नहीं कह सकता,” युवक ने कहा।
उसकी कराहट फिर से सुनाई दी। हैरियट ने उस स्नातक छात्र को बांह से कसकर पकड़ा और उसे दरवाजे की ओर ले गई।
“लेकिन यहाँ देखिए,” उसके बगल में लंगड़ाते हुए उदास भाव से चलते हुए सज्जन ने कहा, “आपको ऐसा नहीं करना चाहिए—कृपया ऐसा मत सोचिए—”
"मैं जाकर देखती हूं कि क्या बात है," हैरियट ने कहा।
उसने दरवाज़े का ताला खोला, अपने बंदी को अंदर खींच लिया और दरवाज़ा फिर से बंद कर दिया। दीवार के नीचे, ठीक उस जगह के नीचे जहाँ वह युवक बैठा था, एक दुबका हुआ व्यक्ति पड़ा था, जो स्पष्ट रूप से किसी प्रकार की तीव्र आंतरिक पीड़ा से ग्रस्त था।
“देखो यहाँ,” उस युवक ने दिखावा छोड़ते हुए कहा, “मुझे इस बात का बहुत अफ़सोस है। मुझे लगता है कि हम थोड़े लापरवाह हो गए थे। मेरा मतलब है, हमने ध्यान नहीं दिया। मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है, और हमें पता ही नहीं चला कि क्या हो रहा था।”
"लड़की नशे में है," हैरियट ने दृढ़ता से कहा।
बीते बुरे दिनों में उसने कई युवा कवियों को इसी तरह की समस्या से ग्रस्त देखा था, इसलिए वह लक्षणों को लेकर कोई गलती नहीं कर सकती थी।
“खैर, मुझे डर है—हाँ, बस इतना ही,” युवक ने कहा। “रोजर्स इन्हें बहुत तेज़ मिलाता है। लेकिन सच कहूँ तो, इसमें कोई नुकसान नहीं है, और मेरा मतलब है—”
“हम्म!” हैरियट ने कहा। “अच्छा, चिल्लाओ मत। वह घर वार्डन का आवास है।”
“मदद करो,” युवक ने दूसरी बार कहा। “मैं कहता हूँ—क्या तुम खेल भावना दिखाओगे?”

“यह तो इस बात पर निर्भर करता है,” हैरियट ने कहा। “दरअसल, आप बेहद भाग्यशाली रही हैं। मैं प्रोफेसरों में से नहीं हूँ। मैं सिर्फ कॉलेज में ही रह रही हूँ। इसलिए मैं स्वतंत्र हूँ।”
“आप पर ईश्वर की कृपा हो!” युवक ने उत्साहपूर्वक कहा।
“जल्दी मत करो। तुम्हें मुझे इसके बारे में बताना होगा। वैसे, वो लड़की कौन है?”
यहां मरीज ने एक और कराह भरी आवाज निकाली।
“ओह, हे भगवान!” स्नातक छात्र ने कहा।
“चिंता मत करो,” हैरियट ने कहा। “एक मिनट में उसकी उल्टी हो जाएगी।” वह पास गई और पीड़ित को देखा। “सब ठीक है। तुम शालीनता से चुप रहो। मैं उसे जानती हूँ। उसका नाम कैटरमोल है। तुम्हारा क्या नाम है?”
मेरा नाम पोमफ्रेट है—क्वीन्स कॉलेज से।
“आह!” हैरियट ने कहा।
“हमने अपने दोस्त के कमरे में एक पार्टी रखी,” श्री पोम्फ्रेट ने बताया। “कम से कम यह एक मीटिंग के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन पार्टी में खत्म हुई। इसमें कुछ भी गलत नहीं था। मिस कैटरमोल मज़ाक में शामिल हो गईं। सब कुछ साफ-सुथरा मज़ाक था। बस हम बहुत सारे लोग थे और एक के बाद एक चीज़ों के चलते हमने कुछ ज़्यादा ही पी ली, और फिर हमें पता चला कि मिस कैटरमोल की तबीयत थोड़ी खराब है। तो हमने उन्हें बुलाया, और रोजर्स और मैं—”
“हां, मैं समझ गई,” हैरियट ने कहा। “यह कोई बहुत सराहनीय बात नहीं थी, है ना?”
“नहीं, यह सड़ा हुआ है,” श्री पोम्फ्रेट ने स्वीकार किया।
“क्या उसे बैठक में शामिल होने के लिए छुट्टी मिली थी? और क्या उसे देर से आने की छुट्टी मिली थी?”
“मुझे नहीं पता,” श्री पोम्फ्रे ने परेशान होकर कहा। “मुझे डर लग रहा है—देखो यहाँ! यह सब बहुत थकाऊ है। मेरा मतलब है, वह सोसाइटी की सदस्य नहीं है—”
“कैसा समाज?”
“वह सोसाइटी मीटिंग कर रही थी। मुझे लगता है कि उसने मजाक करने के लिए बीच में दखल दिया।”
“क्या मैंने तुम्हारे यहाँ बिन बुलाए मेहमान की तरह प्रवेश किया? हम्म। इसका मतलब शायद यह है कि तुम्हें देर से छुट्टी नहीं मिलेगी।”
"मामला गंभीर लग रहा है," श्री पोम्फ्रेट ने कहा।

“उसके लिए मामला गंभीर है,” हैरियट ने कहा। “मुझे लगता है कि तुम्हें जुर्माना या प्रतिबंध लगाकर छोड़ दिया जाएगा; लेकिन हमें और भी सतर्क रहना होगा। यह दुनिया बहुत ही क्रूर है, और हमारे नियमों को इस तथ्य को ध्यान में रखना होगा।”
“मुझे पता है,” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “दरअसल, हम बहुत चिंतित थे। उसे यहाँ तक लाना हमारे लिए बहुत मुश्किल था,” उन्होंने आत्मविश्वास से कहा। “सौभाग्य से, यह केवल लॉन्ग वॉल के इस छोर से ही था। उफ़!”
उसने अपना रुमाल निकाला और अपना माथा पोंछा।
उन्होंने आगे कहा, "खैर, मैं शुक्रगुजार हूं कि आप डॉन नहीं हैं।"
“यह सब तो ठीक है,” हैरियट ने संयमित स्वर में कहा; “लेकिन मैं कॉलेज की एक वरिष्ठ सदस्य हूँ और मुझे जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए। यह ऐसी चीज नहीं है जो कोई चाहेगा।”
उसने दुर्भाग्यशाली मिस कैटरमोल पर ठंडी निगाह डाली, जिसके साथ सबसे बुरा हो रहा था।
श्री पोम्फ्रे ने नज़रें झुकाते हुए कहा, "मुझे यकीन है कि हम ऐसा नहीं चाहते थे; लेकिन हम क्या कर सकते थे? अपने कुली को रिश्वत देने की कोशिश करने का कोई फायदा नहीं है," उन्होंने भोलेपन से कहा; "यह कोशिश तो की जा चुकी है।"
“सचमुच?” हैरियट ने कहा। “नहीं; पैजेट से तुम्हें ज्यादा पैसे नहीं मिलेंगे। क्या श्रूस्बरी से कोई और भी वहाँ था?”
“जी हां—मिस फ्लैक्समैन और मिस ब्लेक। लेकिन उन्हें आने की सामान्य छुट्टी मिली थी और वे लगभग ग्यारह बजे चली गईं। इसलिए वे ठीक हैं।”
उन्हें मिस कैटरमोल को अपने साथ ले जाना चाहिए था।
“बिल्कुल,” श्री पोम्फ्रे ने कहा। उनका चेहरा पहले से भी ज़्यादा उदास लग रहा था। हैरियट ने सोचा, ज़ाहिर है, मिस कैटरमोल के मुसीबत में पड़ने पर मिस फ्लैक्समैन को ज़रा भी बुरा नहीं लगेगा। मिस ब्लेक के इरादे कुछ अस्पष्ट थे; लेकिन शायद वो बस कमज़ोर दिमाग की थीं। हैरियट ने ठान लिया था कि अगर हो सके तो वो मिस कैटरमोल को मुसीबत में पड़ने से बचाएगी। वो उस बेजान शरीर के पास गई और उसे उठाकर खड़ा किया। मिस कैटरमोल दर्द से कराह उठी। “अब ठीक है,” हैरियट ने कहा। “पता नहीं उस छोटी सी मूर्ख का कमरा कहाँ है। क्या आपको पता है?”
“जी हाँ, सच में मुझे पता है,” श्री पोम्फ्रे ने जवाब दिया। “सुनने में बुरा लगता है, लेकिन लोग नियमों की परवाह किए बिना भी एक-दूसरे को अपने कमरे दिखा देते हैं। कमरा

उस मेहराब के पार, कहीं उधर ही है।”
उसने बिल्कुल सुनसान जगह के दूसरे छोर पर स्थित न्यू क्वाड की ओर अस्पष्ट रूप से हाथ हिलाया।
“हे भगवान!” हैरियट ने कहा, “हाँ, ऐसा ही होगा। मुझे डर है कि आपको उसकी देखभाल में मेरी मदद करनी पड़ेगी। वह मेरे लिए थोड़ी ज़्यादा ही शरारती है, और वह यहाँ नमी में नहीं रह सकती। अगर किसी ने हमें देख लिया, तो आपको ही यह सब करना पड़ेगा। टखने का क्या हाल है?”
“बेहतर है, धन्यवाद,” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “मुझे लगता है मैं थोड़ा लड़खड़ाकर चलने का प्रबंध कर सकता हूँ। वैसे, आप बहुत अच्छे हैं।”
"काम पर लग जाओ," हैरियट ने गंभीर स्वर में कहा, "और भाषण देने में समय बर्बाद मत करो।"
मिस कैटरमोल एक हृष्ट-पुष्ट युवती थीं, जिनका वज़न भी काफ़ी था। वे पूरी तरह से निष्क्रिय अवस्था में पहुँच चुकी थीं। हैरियट, जो ऊँची एड़ी के जूतों से परेशान थीं, और मिस्टर पोम्फ्रे, जिनके टखने में मोच थी, के लिए चौखटों को पार करना किसी भी तरह से विजयपूर्ण नहीं था। यह काफ़ी शोरगुल भरा भी था, क्योंकि उनके पैरों के नीचे पत्थर और कंकड़ की चरमराहट और उनके बीच में मौजूद बेजान शरीर की घुरघुराहट और लड़खड़ाहट सुनाई दे रही थी। हर पल, हैरियट को आशंका रहती थी कि कोई खिड़की खुल जाएगी, या कोई उत्तेजित विद्वान मिस्टर पोम्फ्रे की सुबह-सुबह की उपस्थिति का स्पष्टीकरण माँगने के लिए दौड़ता हुआ बाहर आएगा। आख़िरकार जब उन्हें सही दरवाज़ा मिला, तो उन्होंने बड़ी राहत महसूस की और मिस कैटरमोल के असहाय शरीर को धक्का देकर अंदर धकेल दिया।
“अब आगे क्या?” श्री पोम्फ्रे ने कर्कश फुसफुसाहट में पूछा।
“मुझे तुम्हें बाहर जाने देना होगा। मुझे नहीं पता उसका कमरा कहाँ है, लेकिन मैं तुम्हें पूरे कॉलेज में भटकने नहीं दे सकता। एक मिनट रुको। हम उसे पास के बाथरूम में छोड़ देते हैं। ये लो। कोने में जाओ। आराम से।”
श्री पोम्फ्रे ने एक बार फिर सहर्ष इस कार्य को करने के लिए सिर झुकाया।
“लो!” हैरियट ने कहा। उसने मिस कैटरमोल को बाथरूम के फर्श पर पीठ के बल लिटाया, ताले से चाबी निकाली और दरवाज़ा बंद करके बाहर आ गई। “अभी उसे यहीं रहना होगा। अब हम तुम्हें यहाँ से भगा देते हैं। मुझे नहीं लगता कि किसी ने हमें देखा होगा। अगर रास्ते में कोई हमें देख ले, तो कहना कि तुम मिसेज़ हेमन्स की पार्टी में थीं

और मुझे घर तक छोड़ आई थीं। समझीं? यह ज़्यादा भरोसेमंद नहीं है, क्योंकि तुम्हें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए था, लेकिन सच से तो यही बेहतर है।"
"काश मैं श्रीमती हेमंस के नृत्य में होता," कृतज्ञ श्री पोम्फ्रे ने कहा। "मैं आपके साथ और सभी अन्य कलाकारों के साथ हर नृत्य करता। क्या आप मुझे बता सकती हैं कि आप कौन हैं?"
"मेरा नाम वेन है। और बेहतर होगा कि आप इतनी जल्दी उत्साहित न हों, मैं आपकी भलाई के बारे में विशेष रूप से नहीं सोच रहा हूँ। क्या आप मिस कैटरमोल को अच्छी तरह जानते हैं?"
"काफी अच्छा। ओह, हाँ। स्वाभाविक रूप से। मेरा मतलब है, हम कुछ लोगों को जानते हैं और इसी तरह की बातें। दरअसल, उसकी सगाई मेरे एक पुराने स्कूल के साथी से हुई थी—न्यू कॉलेज का लड़का—लेकिन वो बात टूट गई। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं था; लेकिन आप जानते ही हैं कि कैसा होता है। हम लोगों को जानते हैं और धीरे-धीरे उन्हें जानते रहते हैं। बस यही बात है।"
"जी हाँ, मैं समझ गया। ठीक है, श्रीमान पोम्फ्रे, मैं आपको या मिस कैटरमोल को किसी विवाद में नहीं डालना चाहता—"
"मुझे पता था कि तुम खेल भावना वाले हो!" श्री पोम्फ्रे चिल्लाए।
"(चिल्लाना मत)—लेकिन इस तरह की हरकतें नहीं चल सकतीं। अब देर रात की पार्टियाँ और दीवारों पर चढ़ना बंद होना चाहिए। समझे? किसी के साथ भी नहीं। यह ठीक नहीं है। अगर मैं यह कहानी डीन को बताऊँ, तो तुम्हारा कुछ नहीं बिगड़ेगा, लेकिन मिस कैटरमोल अगर स्कूल से नहीं निकाली गईं तो वह किस्मतवाली होंगी। भगवान के लिए, बेवकूफी करना बंद करो। ऑक्सफोर्ड में मौज-मस्ती करने के इससे कहीं बेहतर तरीके हैं, बजाय इसके कि आधी रात को महिला छात्राओं के साथ अय्याशी करो।"
मुझे पता है कि ऐसा है। मुझे लगता है कि यह सब काफी घटिया है।
तो फिर ऐसा क्यों करें?
मुझे नहीं पता। आखिर लोग बेवकूफी भरी हरकतें क्यों करते हैं?
"क्यों?" हैरियट ने पूछा। वे चैपल के अंत से गुज़र रहे थे, और हैरियट अपनी बात पर ज़ोर देने के लिए वहीं रुक गई। "मैं आपको बताती हूँ क्यों, मिस्टर पोम्फ्रे। क्योंकि जब कोई आपसे खेल भावना दिखाने को कहता है, तो आपमें ना कहने की हिम्मत नहीं होती। उस घिसे-पिटे शब्द ने शब्दकोश के बाकी सभी शब्दों से ज़्यादा लोगों को

मुसीबत में डाला है। अगर लड़कियों को नियम तोड़ने, अपनी क्षमता से ज़्यादा शराब पीने और आपके कारण खुद को मुसीबत में डालने के लिए प्रोत्साहित करना खेल भावना है, तो मैं खेल भावना दिखाना छोड़ दूँगी और एक सज्जन बनने की कोशिश करूँगी।"

"ओह, मैं तो यही कह रहा हूँ," श्री पोम्फ्रे ने आहत होकर कहा।

"मेरा मतलब यही है," हैरियट ने कहा।

"ठीक है, मैं आपकी बात समझ गया," श्री पोम्फ्रे ने बेचैनी से पैर हिलाते हुए कहा। "मैं पूरी कोशिश करूंगा। आपने तो हद ही कर दी—मेरा मतलब है, आपने इस सब में एक सच्चे सज्जन की तरह व्यवहार किया है—" वह मुस्कुराए—"और मैं कोशिश करूंगा—हे भगवान! कोई आ रहा है।"

हॉल और क्वीन एलिजाबेथ के बीच के गलियारे में चप्पलों की तेज आहट तेजी से सुनाई दे रही थी।

अचानक ही, हैरियट पीछे हट गई और चैपल का दरवाजा धक्का देकर खोल दिया।

"अंदर आ जाओ," उसने कहा।

मिस्टर पोम्फ्रे जल्दी से उसके पीछे अंदर आ गए। हैरियट ने उनके सामने दरवाजा बंद कर दिया और चुपचाप उसके सामने खड़ी हो गई। कदमों की आहट करीब आती गई, बरामदे के सामने आकर अचानक रुक गई। रात में टहलने वाले ने हल्की सी चीख निकाली।

"ओह!"

"यह क्या है?" हैरियट ने कहा।

"अरे मिस, आप हैं! आपने मुझे इतना चौंका दिया। क्या आपने कुछ देखा?"

"क्या देखना है? वैसे, यह कौन है?"

"एमिली, महोदया—मैं न्यू क्वाड में सोती हूँ, महोदया, और मैं जाग गई, और मुझे यकीन हो गया कि मैंने चौक में किसी आदमी की आवाज़ सुनी है, और मैंने बाहर देखा तो वह वहीं था, महोदया, बिल्कुल साफ़-साफ़, एक युवती के साथ इस तरफ आ रहा था। तो मैंने अपनी चप्पलें पहन लीं, महोदया...."

"धत् तेरे की!" हैरियट ने मन ही मन कहा। लेकिन सच का कुछ हिस्सा बता देना ही बेहतर होगा।

"कोई बात नहीं, एमिली। वो मेरा एक दोस्त था। वो मेरे साथ आया था और चांदनी रात में न्यू क्वाड देखना चाहता था। इसलिए हम बस चलकर गए और वापस आ गए।"

(यह एक घटिया बहाना है, लेकिन सीधे इनकार करने की तुलना में शायद कम संदिग्ध है।)
“ओह, मैं समझ गई, महोदया। क्षमा करें। लेकिन मुझे एक-दो बातों से घबराहट होती है। और यह असामान्य है, अगर आप मुझे ऐसा कहने की अनुमति दें, महोदया....”
“हाँ, बिल्कुल,” हैरियट ने धीरे-धीरे नए मैदान की ओर चलते हुए कहा, जिससे स्काउट को उसका पीछा करना पड़ा। “यह मेरी मूर्खता थी कि मैंने यह नहीं सोचा कि इससे लोगों को परेशानी हो सकती है। मैं सुबह डीन से इस बारे में बात करूँगी। आपका यहाँ आना बिलकुल सही था।”
“जी महोदया, मुझे तो पता ही नहीं था कि वो कौन था। और डीन तो बहुत ही सख्त हैं। और ये सब अजीबोगरीब चीजें हो रही हैं....”
“जी हां, बिलकुल। बिल्कुल। मुझे अपनी इस लापरवाही के लिए बहुत खेद है। वह सज्जन अब जा चुके हैं, इसलिए आपको दोबारा नींद से नहीं जगाया जाएगा।”
एमिली संशय में लग रही थी। वह उन लोगों में से थी जो किसी बात को तीन बार दोहराए बिना कभी संतुष्ट नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रुककर उसने सब कुछ दोबारा कहा। हैरियट बेसब्री से सुन रही थी, और चैपल में गुस्से से उबल रहे मिस्टर पोम्फ्रे के बारे में सोच रही थी। आखिरकार उसने उस जासूस से पीछा छुड़ाया और वापस मुड़ गई।
हैरियट ने सोचा, ये तो पेचीदा मामला है; एक हास्यास्पद स्थिति, जैसे कोई नाटक हो। एमिली सोचती है कि उसने एक छात्र को पकड़ लिया है: मुझे लगता है कि मैंने एक भूत को पकड़ लिया है। हम दोनों एक-दूसरे को पकड़ लेते हैं। युवा पोम्फ्रे चैपल में खड़ा है। उसे लगता है कि मैं दयापूर्वक उसे और कैटरमोल को पनाह दे रही हूँ। पोम्फ्रे को सावधानीपूर्वक छिपाने के बाद, मुझे मानना पड़ेगा कि वह वहाँ था। लेकिन अगर एमिली ही भूत होती—और शायद वह है—तो मैं पोम्फ्रे को उसका पीछा करने में मदद करने के लिए नहीं कह सकती थी। इस तरह की जासूसी बहुत उलझन पैदा करती है।
उसने चैपल का दरवाजा धक्का देकर खोला। बरामदा खाली था।
“धत् तेरे की!” हैरियट ने बेपरवाही से कहा। “वह बेवकूफ चला गया। शायद वह अंदर चला गया हो।”
उसने भीतरी दरवाजे से अंदर झाँका और अस्तबलों की हल्की ओक की लकड़ी पर धुंधली सी आकृति देखकर राहत महसूस की। फिर अचानक, एक तीव्र झटके के साथ,

उसे एक दूसरी धुंधली आकृति दिखाई दी, जो मानो हवा में अजीबोगरीब ढंग से टिकी हुई थी।
“हैलो!” हैरियट ने कहा। दक्षिण की खिड़कियों से आ रही हल्की रोशनी में उसने देखा कि मिस्टर पोम्फ्रे मुड़े और एक सफेद कमीज का सामने का हिस्सा दिखाई दिया। “मैं हूँ। क्या बात है?”
उसने अपने पर्स से टॉर्च निकाली और लापरवाही से उसे जला दिया। रोशनी की किरण से अस्तबलों के ऊपर छत से लटकती हुई एक धुंधली सी आकृति दिखाई दी। वह थोड़ी इधर-उधर हिल रही थी और धीरे-धीरे घूम रही थी। हैरियट झट से आगे बढ़ी।
“इन लड़कियों की कल्पनाशीलता कुछ ज्यादा ही विकृत किस्म की है, है ना?” श्री पोम्फ्रेट ने कहा।
हैरियट ने एम.ए. की टोपी और गाउन पर विचार किया, जिसे एक ड्रेस और तकिए के ऊपर रखा गया था, जो एक पतली डोरी से उन सिरों में से एक से जुड़ा हुआ था जिनसे वास्तुकार ने छतरियों को सजाया था।
“पेट में ब्रेड काटने वाला चाकू भी घुस गया था,” श्री पोम्फ्रे ने आगे कहा। “मेरी चाची के शब्दों में कहें तो, इससे मुझे काफी झटका लगा। क्या आपने उस युवती को पकड़ा?”
नहीं। क्या वह यहाँ थी?
“ओह, बिलकुल,” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “मैंने सोचा कि थोड़ा और पीछे हट जाऊं। तो मैं अंदर आ गया। फिर मैंने वह देखा। तो मैं जाँच करने के लिए आगे बढ़ा और दूसरे दरवाजे से किसी के भागने की आवाज सुनी—वहाँ।”
उसने इमारत के उत्तरी हिस्से की ओर अस्पष्ट रूप से इशारा किया, जहाँ एक दरवाज़ा प्रार्थना कक्ष में खुलता था। हैरियट जल्दी से देखने गई। दरवाज़ा खुला था, और प्रार्थना कक्ष का बाहरी दरवाज़ा, हालाँकि बंद था, अंदर से खुला हुआ था। उसने बाहर झाँका। सब शांत था।
“उन्हें और उनके फटेहालों को भाड़ में जाने दो,” हैरियट लौटते हुए बोली। “नहीं, मैं उस औरत से नहीं मिली। जब मैं एमिली को न्यू क्राड वापस ले जा रही थी, तब वह ज़रूर भाग गई होगी। मेरी किस्मत ही ऐसी है!” उसने आखिरी बात धीरे से बुदबुदाई। उस भूत को इस तरह अपने वश में रखना और एमिली की वजह से ध्यान भटक जाना वाकई घिनौना था। वह फिर से पुतले के पास गई और देखा कि ब्रेड काटने वाले चाकू से उसके बीचोंबीच एक कागज़ चिपकाया हुआ था।

श्री पोम्फ्रे ने सहजता से कहा, "शास्त्रों से उद्धरण। ऐसा लगता है जैसे किसी को आपके विद्वानों से कोई शिकायत थी।"
“नासमझ नौजवानों!” हैरियट ने कहा। “वैसे, देखने में तो यह काफी विश्वसनीय रचना लगती है। अगर हमने इसे पहले न खोजा होता, तो जब हम सब प्रार्थना के लिए इकट्ठा होते, तब तो खूब हंगामा मच जाता। थोड़ी जांच-पड़ताल ज़रूरी है। खैर, अब समय आ गया है कि तुम चुपचाप घर जाओ और अपनी आत्मा की शांति के लिए आराम करो।”
वह उसे नीचे दरवाजे तक ले गई और उसे बाहर निकाल दिया।
“वैसे, श्रीमान पोम्फ्रे, अगर आप इस घटिया अखबार का ज़िक्र किसी से न करें तो मैं आपका आभारी रहूंगा। यह ठीक नहीं है। एक अच्छे काम के बदले दूसरा अच्छा काम मिलना चाहिए।”
“जैसा आप कहते हैं,” श्री पोम्फ्रे ने उत्तर दिया। “और देखिए—क्या मैं कल—कम से कम आज सुबह तो आ ही जाऊँ?—थोड़ी पूछताछ कर लूँ? उचित ही होगा, आप जानते हैं। आप कब आएँगे? कृपया!”
“सुबह कोई आगंतुक नहीं,” हैरियट ने तुरंत कहा। “मुझे नहीं पता कि मैं दोपहर में क्या करूंगी। लेकिन आप लॉज में पूछ सकते हैं।”
“ओह, क्या मैं आ सकती हूँ? बढ़िया है। मैं फ़ोन करूँगी—और अगर आप वहाँ नहीं मिलीं तो मैं एक नोट छोड़ दूँगी। मतलब, आपको ज़रूर आना चाहिए और चाय या कॉकटेल वगैरह पीना चाहिए। और मैं सचमुच वादा करती हूँ कि अगर हो सके तो ऐसा दोबारा नहीं होगा।”
“ठीक है। वैसे, मिस कैटरमोल आपके दोस्त के घर कितने बजे पहुंची थीं?”
“ओह—लगभग साढ़े नौ बजे, मुझे लगता है। पक्का नहीं कह सकता। क्यों?”
मुझे बस यह जानने की उत्सुकता थी कि क्या उसके नाम के पहले अक्षर कुली की किताब में हैं। लेकिन मैं इसका ध्यान रखूंगा। शुभ रात्रि।
श्री पोम्फ्रे ने कहा, "शुभ रात्रि, और बहुत-बहुत धन्यवाद।"
हैरियट ने उसके पीछे से दरवाजा बंद कर दिया और चौक पार करके वापस लौट आई, उसे लगा कि इस सारी बेतुकी और थकाऊ प्रक्रिया में कुछ न कुछ तो ज़रूर हासिल हुआ है। पुतला 9:30 से पहले शायद ही लगाया जा सकता था; इस तरह मिस कैटरमोल ने अपनी मूर्खता के चलते खुद को एक पुख्ता सबूत दे दिया था। हैरियट इस छोटी सी कोशिश के लिए भी जांच में आगे बढ़ने के लिए उनकी इतनी आभारी थी कि

उसने ठान लिया कि अगर मुमकिन हो तो उस लड़की को उसके इस कारनामे के अंजाम से बरी कर दिया जाए।
इससे उसे याद आया कि मिस कैटरमोल अभी भी बाथरूम के फर्श पर पड़ी हुई थी, और उसके साथ क्या करना है, इसका इंतज़ार कर रही थी। अगर इस बीच उसे होश आ जाता और वह शोर मचाने लगती तो अजीब स्थिति हो जाती। लेकिन न्यू क्राड पहुँचकर और दरवाज़ा खोलकर, हैरियट ने अपनी कैदी को नशे की हालत में पाया। गलियारों में थोड़ी छानबीन करने पर पता चला कि मिस कैटरमोल पहली मंज़िल पर सोती थी। हैरियट ने कमरे का दरवाज़ा खोला, और जैसे ही उसने ऐसा किया, बगल वाला दरवाज़ा भी खुल गया, और एक सिर बाहर निकला।
“क्या तुम हो, कैटरमोल?” सिर ने फुसफुसाते हुए कहा। “ओह, मुझे माफ़ करना।” हैरियट ने उस लड़की को पहचान लिया जो पुस्तकालय के उद्घाटन के बाद मिस कैटरमोल से बात करने गई थी। वह सी. आई. ब्रिग्स के नाम से लिखे दरवाजे पर गई और धीरे से दस्तक दी। सिर फिर से प्रकट हो गया।
"क्या आपको उम्मीद थी कि मिस कैटरमोल अंदर आएंगी?"
"मिस ब्रिग्स ने बिल्कुल सही कहा, मैंने उनके दरवाजे पर किसी की आवाज सुनी - ओह! यह मिस वेन हैं, है ना?"
“जी हाँ। आपको मिस कैटरमोल का इंतज़ार करने के लिए किसने प्रेरित किया?”
मिस ब्रिग्स, जिन्होंने अपने पायजामे के ऊपर ऊनी कोट पहना हुआ था, थोड़ी घबराई हुई लग रही थीं।
मुझे कुछ काम करना था। मैं वैसे भी बैठा हुआ था। क्यों?
हैरियट ने उस लड़की को देखा। वह कद में छोटी और मजबूत कद-काठी की थी, उसका चेहरा सरल, दृढ़ और समझदार था। वह भरोसेमंद प्रतीत होती थी।
“अगर आप मिस कैटरमोल की दोस्त हैं,” हैरियट ने कहा, “तो बेहतर होगा कि आप ऊपर आकर मेरी मदद करें। वह बाथरूम में हैं। मैंने उन्हें एक युवक की मदद से दीवार फांदते हुए देखा, और उनकी तबीयत कुछ खराब है।”
“ओह, बाप रे!” मिस ब्रिग्स ने कहा। “कस कर भरा है?”
"मुझे भी डर है।"
“वह मूर्ख है,” मिस ब्रिग्स ने कहा। “मुझे पता था कि एक दिन मुसीबत आएगी। ठीक है, मैं आ जाऊंगी।”

दोनों ने मिलकर मिस कैटरमोल को शोरगुल भरी, चमकीली सीढ़ियों से ऊपर घसीटा और उन्हें उनके बिस्तर पर पटक दिया। घोर चुप्पी में उन्होंने उनके कपड़े उतारे और उन्हें चादरों के बीच लिटा दिया।
“अब वो सोकर ठीक हो जाएगी,” हैरियट ने कहा। “वैसे, मुझे लगता है कि थोड़ी सी व्याख्या करना बुरा नहीं होगा। कैसा रहेगा?”
"मेरे कमरे में आइए," मिस ब्रिग्स ने कहा। "क्या आपको गर्म दूध, ओवलटाइन, कॉफी या कुछ और चाहिए?"
हैरियट ने गर्म दूध लिया। मिस ब्रिग्स ने सामने वाली पेंट्री में चूल्हे पर केतली रखी, अंदर आईं, आग को थोड़ा सा हिलाया और एक पफ पर बैठ गईं।
मिस ब्रिग्स ने कहा, "कृपया मुझे बताएं कि क्या हुआ है।"
हैरियट ने संबंधित सज्जनों के नाम बताए बिना ही उसे बताया। लेकिन मिस ब्रिग्स ने तुरंत उस कमी को पूरा कर दिया।
“ये तो रेगी पोमफ्रेट ही था,” उसने कहा। “बेचारा। हमेशा बच्चे की देखभाल उसी को करनी पड़ती है। आखिर, अगर लोग उसका पीछा करने लगें तो वो लड़का क्या करेगा?”
“यह अजीब है,” हैरियट ने कहा। “मेरा मतलब है, इससे शालीनता से बाहर निकलने के लिए दुनिया की कुछ जानकारी होनी चाहिए। क्या वह लड़की सचमुच उससे प्यार करती है?”
“नहीं,” मिस ब्रिग्स ने कहा। “ऐसा नहीं है। वह बस किसी की तलाश में है। आप जानती हैं। सगाई टूटने से उसे बहुत बड़ा झटका लगा। दरअसल, वह और लियोनेल फैरिंगडन बचपन के दोस्त थे, और उसके आने से पहले सब कुछ तय हो चुका था। फिर फैरिंगडन को हमारी मिस फ्लैक्समैन ने पकड़ लिया, और उनके बीच ज़बरदस्त झगड़ा हो गया। और कई पेचीदगियां पैदा हो गईं। और वायलेट कैटरमोल पूरी तरह से घबरा गई है।”
“मुझे पता है,” हैरियट ने कहा। “एक तरह की बेताबी वाली भावना—मुझे अपना एक साथी चाहिए—कुछ इस तरह की बात।”
“हाँ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कौन है। मुझे लगता है कि यह एक तरह की हीन भावना है, या कुछ और। व्यक्ति को मूर्खतापूर्ण काम करने पड़ते हैं और अपनी पहचान साबित करनी पड़ती है। क्या मेरी बात स्पष्ट हो रही है?”

“ओह, हाँ। मैं इसे पूरी तरह समझता हूँ। ऐसा अक्सर होता है। बस खुद को थोड़ा शैतान साबित करना पड़ता है... क्या इस तरह की चीज़ें अक्सर होती हैं?”
“खैर,” मिस ब्रिग्स ने स्वीकार किया, “जितना मैं चाहती हूँ उससे कहीं ज़्यादा बार। मैंने वायलेट को समझाने की कोशिश की है, पर लोगों को उपदेश देने का क्या फायदा? जब वे इतने उत्तेजित हो जाते हैं तो मानो चाँद पर बैठे आदमी से बात करना ही बेहतर है। और हालाँकि यह नन्हे पोम्फ्रे के लिए बहुत कष्टदायक है, फिर भी वह बेहद सभ्य और सुरक्षित है। अगर वह दृढ़ निश्चयी होता, तो बेशक वह इससे बच निकलता। लेकिन मैं शुक्रगुजार हूँ कि वह ऐसा नहीं है, क्योंकि अगर वह न होता तो शायद कोई भयानक बीमारी हो जाती।”
क्या इससे कुछ परिणाम निकलने की संभावना है?
“शादी, आपका मतलब है? नहीं-नहीं। मुझे लगता है कि उसमें आत्मरक्षा की इतनी समझ है कि वह इससे बच जाएगा। और वैसे भी—देखिए, मिस वेन, यह वाकई बहुत शर्मनाक है। मिस फ्लैक्समैन किसी को भी चैन से नहीं छोड़ सकतीं, और वह पोम्फ्रे को भी दूर करने की कोशिश कर रही हैं, हालांकि वह उसे नहीं चाहतीं। काश वह बेचारी वायलेट को अकेला छोड़ देतीं, तो शायद सारा मामला अपने आप ही शांति से सुलझ जाता। वैसे, मुझे वायलेट बहुत पसंद है। वह एक अच्छी लड़की है, और सही तरह के आदमी के साथ वह बिल्कुल ठीक रहेगी। सच में, उसे ऑक्सफोर्ड में होने की कोई ज़रूरत ही नहीं है। एक ऐसे आदमी के साथ एक सुखद घरेलू जीवन, जिसके प्रति वह समर्पित हो सके, वही तो वह चाहती है। लेकिन वह आदमी ठोस, दृढ़ निश्चयी और बेहद स्नेहशील होना चाहिए। लेकिन रेगी पोम्फ्रे जैसा नहीं, जो एक घमंडी नौजवान बेवकूफ है।”
मिस ब्रिग्स ने आग को बेरहमी से कुरेदा।
“खैर,” हैरियट ने कहा, “इस सब के बारे में कुछ तो करना ही होगा। मैं डीन के पास नहीं जाना चाहती, लेकिन—”
“बेशक, कुछ तो करना ही होगा,” मिस ब्रिग्स ने कहा। “यह तो बहुत बड़ी किस्मत की बात है कि इसे आपने देखा, किसी प्रोफेसर ने नहीं। मैं लगभग यही दुआ कर रही थी कि कुछ हो जाए। मैं इस बारे में बहुत चिंतित थी। यह ऐसी चीज नहीं है जिससे निपटना मुझे आता हो। लेकिन मुझे वॉयलेट का साथ देना ही पड़ा—नहीं तो मैं उसका भरोसा पूरी तरह खो देती और न जाने तब वह क्या बेवकूफी भरा काम कर बैठती।”

“मुझे लगता है आप बिल्कुल सही कह रही हैं,” हैरियट ने कहा। “लेकिन अब शायद मैं उससे बात कर सकती हूँ और उसे समझा सकती हूँ कि वह संभलकर चले। आखिर, अगर मैं उसे डीन के पास शिकायत करने से बचना चाहती हूँ, तो उसे समझदारी से पेश आने की गारंटी तो देनी ही होगी। मुझे लगता है कि थोड़ी नरमी से ब्लैकमेल करना ठीक रहेगा।”
“जी हां,” मिस ब्रिग्स ने सहमति जताते हुए कहा। “आप कर सकती हैं। यह आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी है। इस ज़िम्मेदारी से मुक्त होकर मुझे बहुत खुशी होगी। यह सब बहुत थकाने वाला है और इससे काम में बाधा आती है। आखिर, काम ही तो यहाँ आने का मकसद है। अगले सेमेस्टर में मेरे पास ऑनर्स मॉड्स हैं, और यह बहुत चिंताजनक है, क्योंकि कभी पता नहीं होता कि आगे क्या होगा।”
मुझे लगता है कि मिस कैटरमोल आप पर बहुत भरोसा करती हैं।
"हां," मिस ब्रिग्स ने कहा, "लेकिन लोगों के दिल की बातें सुनने में काफी समय लगता है, और मैं लोगों के मिजाज के उतार-चढ़ाव से निपटने में उतनी अच्छी नहीं हूं।"
“विश्वासपात्र का काम बहुत कठिन और बिना किसी धन्यवाद के होता है,” हैरियट ने कहा। “अगर वह सफेद चादर ओढ़कर पागल हो जाए तो कोई हैरानी की बात नहीं। हैरानी की बात तो तब होगी जब वह तुम्हारी तरह समझदार और विवेकपूर्ण बनी रहे। लेकिन मैं इस बात से सहमत हूँ कि तुम्हें इस बोझ से मुक्त होना चाहिए। क्या तुम अकेली हो जो ऐसा सोचती हो?”
"ठीक-ठाक। बेचारी वायलेट ने इस हंगामे के चलते अपने कई दोस्त खो दिए।"
और गुमनाम पत्रों का कारोबार?
"ओह, आपने इसके बारे में सुना है? खैर, ज़ाहिर है, यह वायलेट नहीं थी। यह हास्यास्पद है। लेकिन फ्लैक्समैन ने यह कहानी पूरे कॉलेज में फैला दी, और एक बार जब आप इस तरह का आरोप लगाना शुरू कर देते हैं तो इसके लिए बहुत सारे लोगों की हत्या करनी पड़ती है।"
“हाँ, ऐसा ही है। अच्छा, मिस ब्रिग्स, अब हमें सो जाना चाहिए। मैं नाश्ते के बाद मिस कैटरमोल से मिलने आऊँगी। ज़्यादा चिंता मत कीजिए। मुझे लगता है कि यह परेशानी आपके लिए एक वरदान साबित होगी। अच्छा, मैं अब जा रही हूँ। क्या आप मुझे एक मज़बूत चाकू दे सकती हैं?”
मिस ब्रिग्स, कुछ आश्चर्यचकित होकर, एक मोटा चाकू लेकर आईं और शुभ रात्रि कहा। ट्यूडर जाते समय, हैरियट ने लटकते हुए पुतले को काट डाला और बाद में

उसकी जांच और कार्रवाई के लिए उसे अपने साथ ले गईं। उन्हें लगा कि इस स्थिति पर विचार करने के लिए उन्हें सोने की सख्त जरूरत है।
वह थकी हुई जरूर रही होगी, क्योंकि बिस्तर पर जाते ही उसे नींद आ गई और उसने न तो पीटर विम्सी का सपना देखा और न ही किसी और चीज का।

## अध्याय 8

हालाँकि उसे पिघलती आँखों से देखते हुए, उसके हृदय से एक रोमांचकारी धड़कन उठी, और उसके अन्य सभी भाषण रुक गए, किसी पुराने दुख के साथ जिसने एक नया घाव बना दिया: ऐसा लगा जैसे उसने उस युवक के चेहरे में उसके पिता की गरिमा की पुरानी झलक देखी।

—एडमंड स्पेंसर

मिस पाइके ने कहा, "असलियत तो यही है कि मुझे नौ बजे लेक्चर देना है। क्या कोई मुझे गाउन उधार दे सकता है?"
कई प्रोफेसर एस.सी.आर. के भोजन कक्ष में नाश्ता कर रहे थे। हैरियट समय पर अंदर आई और उसने ऊँची और कुछ हद तक आक्रोश भरी आवाज़ में किया गया अनुरोध सुन लिया।
"क्या आपने अपना गाउन खो दिया है, मिस पाइक?"
"आप मेरा वाला सहर्ष ले सकती हैं, मिस पाइके," छोटी मिस चिल्परिक ने विनम्रता से कहा, "लेकिन मुझे डर है कि यह काफी लंबा नहीं होगा।"
"इन दिनों एस.सी.आर. के क्लोकरूम में कुछ भी छोड़ना सुरक्षित नहीं है," मिस पाइके ने कहा। "मुझे पता है कि रात के खाने के बाद वह वहीं था, क्योंकि मैंने उसे देखा था।"
मिस हिलयार्ड ने कहा, "माफ़ कीजिए, लेकिन मेरी भी 9 बजे एक लेक्चर है।"
"आप मेरा वाला ले सकते हैं," मिस बरोज़ ने सुझाव दिया, "अगर आप इसे मुझे 10 बजे तक वापस कर दें।"
डीन ने कहा, "मिस डी वाइन या मिस बार्टन से पूछिए। उनके पास कोई लेक्चर नहीं है। या मिस वेन से पूछिए—उनका लेक्चर आपके लिए उपयुक्त रहेगा।"
“ज़रूर,” हैरियट ने लापरवाही से कहा। “क्या आपको टोपी भी चाहिए?”
"टोपी भी गायब हो गई है," मिस पाइक ने जवाब दिया। "मुझे व्याख्यान के लिए इसकी ज़रूरत नहीं है, लेकिन यह जानना सुविधाजनक होगा कि मेरी संपत्ति कहाँ गई है।"

"चीज़ें कितनी जल्दी गायब हो जाती हैं, यह देखकर हैरानी होती है," हैरियट ने तले हुए अंडे खाते हुए कहा। "लोग बहुत लापरवाह हैं। वैसे, तीन साल पुराने काले रंग के शाम के क्रेप-डे-चाइन गाउन का मालिक कौन है, जिस पर लाल और हरे रंग के अफीम के गुच्छों की डिज़ाइन बनी हो, सामने से क्रॉस-ओवर डिज़ाइन हो, गहरी हिप-योक हो और फ्लेयर्ड स्कर्ट व आस्तीन हों?"
उसने भोजन कक्ष में चारों ओर देखा, जो अब तक काफी भरा हुआ था। "मिस शॉ—आपकी फ्रॉक पहचानने की नज़र बहुत अच्छी है। क्या आप इसे पहचान सकती हैं?"
"अगर मैं इसे देखूँ तो शायद देखूँ," मिस शॉ ने कहा। "आपके वर्णन से तो मुझे इसके जैसा कोई याद नहीं आ रहा है।"
“क्या आपको कोई मिला?” कोषाध्यक्ष ने पूछा।
"रहस्य का एक और अध्याय?" मिस बार्टन ने सुझाव दिया।
"मुझे यकीन है कि मेरी किसी भी छात्रा के पास ऐसी ड्रेस नहीं होगी," मिस शॉ ने कहा। "वे आकर मुझे अपनी ड्रेस दिखाना पसंद करती हैं। मुझे लगता है कि उनमें रुचि लेना अच्छी बात है।"
"मुझे सीनियर कॉमन रूम में उस तरह की कोई फ्रॉक याद नहीं है," कोषाध्यक्ष ने कहा।
"क्या मिस रिगली के पास ब्लैक फिगर्ड क्रेप-डे-चाइन नहीं था?" श्रीमती गुडविन ने पूछा।
“जी हां,” मिस शॉ ने कहा। “लेकिन वह चली गई। और वैसे भी, उसकी गर्दन चौकोर थी और उसमें कूल्हे का जोड़ नहीं था। मुझे यह बहुत अच्छी तरह याद है।”
“क्या आप हमें रहस्य के बारे में बता सकती हैं, मिस वेन?” मिस लिडगेट ने पूछा। “या बेहतर होगा कि आप कुछ न कहें?”
“खैर,” हैरियट ने कहा, “मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि मैं आपको क्यों न बताऊं। कल रात डांस के बाद जब मैं अंदर आई तो मैंने—अह—थोड़ा चक्कर लगाया—”
“आह!” डीन ने कहा। “मुझे लगा कि मेरी खिड़की के बाहर कोई इधर-उधर आ-जा रहा है और फुसफुसा रहा है।”
“हां—एमिली बाहर आई और उसने मुझे पकड़ लिया। मुझे लगता है कि उसने सोचा कि मैं कोई शरारती लड़का हूँ। खैर—मैं संयोगवश चैपल में चला गया।”
उसने अपनी कहानी सुनाई, जिसमें उसने मिस्टर पोम्फ्रे का बिल्कुल भी जिक्र नहीं किया और केवल इतना कहा कि अपराधी जाहिरा तौर पर चर्च के दरवाजे से चला गया

था।
और," उसने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, "दरअसल, टोपी और गाउन आपके ही थे, मिस पाइक, और आप इन्हें कभी भी ले सकती हैं। ब्रेड काटने वाला चाकू शायद हॉल से या यहीं से लिया गया था। और तकिया—मैं नहीं कह सकती कि उन्हें वह कहाँ से मिला।"
"मुझे लगता है मैं अंदाज़ा लगा सकता हूँ," कोषाध्यक्ष ने कहा। "मिस ट्रॉटमैन बाहर गई हुई हैं। वह बर्ले की भूतल पर रहती हैं। वहाँ जाकर उनका तकिया चुराना आसान होगा।"
"ट्रॉटमैन बाहर क्यों गई हैं?" मिस शॉ ने पूछा। "उन्होंने मुझे कभी बताया ही नहीं।"
"पिताजी की तबीयत खराब हो गई है," डीन ने कहा। "वह कल दोपहर जल्दी में चली गई थीं।"
"मुझे समझ नहीं आता कि उसने मुझे क्यों नहीं बताया," मिस शॉ ने कहा। "मेरे छात्र हमेशा अपनी परेशानियाँ लेकर मेरे पास आते हैं। यह बहुत दुखद है, जब आपको लगता है कि आपके छात्र आपकी सहानुभूति को महत्व देते हैं—"
"लेकिन आप तो चाय पीने गए थे," कोषाध्यक्ष ने व्यावहारिक लहजे में कहा।
"मैंने आपके खाने में एक नोट रख दिया है," डीन ने कहा।
"ओह," मिस शॉ ने कहा। "खैर, मैंने इसे नहीं देखा। मुझे इसके बारे में कुछ पता नहीं था। यह बहुत अजीब बात है कि किसी ने इसका जिक्र नहीं किया।"
"यह बात किसे पता थी?" हैरियट ने पूछा।
कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया; इस दौरान सभी को यह सोचने का समय मिला कि यह कितना अजीब और असंभव है कि मिस शॉ को वह नोट नहीं मिला या उन्हें मिस ट्रॉटमैन के जाने की खबर नहीं मिली।
"मुझे लगता है कि कल रात हाई स्कूल में इसका जिक्र हुआ था," मिस एलिसन ने कहा।
"मैं डिनर के लिए बाहर गई थी," मिस शॉ ने कहा। "मैं जाकर देखूंगी कि वह नोट वहां है या नहीं।"
हैरियट उसके पीछे-पीछे बाहर गई; वह नोट वहीं था—एक कागज का टुकड़ा जिसे मोड़कर रखा गया था और लिफाफे में बंद नहीं किया गया था।
"खैर," मिस शॉ ने कहा; "मैंने इसे कभी नहीं देखा।"
"कोई भी इसे पढ़ सकता था और वापस रख सकता था," हैरियट ने कहा।

"हां—आपका मतलब है कि मैं भी उनमें शामिल हूं।"
“मैंने ऐसा नहीं कहा, मिस शॉ। किसी ने भी नहीं कहा।”
वे उदास मन से कॉमन रूम में लौट आए।
“यह मज़ाक रात के खाने के समय से लेकर पौने एक बजे के बीच हुआ, जब मिस पाइक का गाउन खो गया था, और जब मुझे इसके बारे में पता चला,” हैरियट ने कहा। “अगर कोई उस पूरे समय के लिए कोई पुख्ता सबूत पेश कर सके तो बहुत अच्छा होगा। खासकर 11:15 के बाद के समय के लिए। मुझे लगता है कि मैं पता लगा सकती हूँ कि क्या किसी छात्र को आधी रात तक की छुट्टी मिली थी। उस समय आने वाले किसी भी व्यक्ति ने कुछ देखा होगा।”
डीन ने कहा, "मेरे पास एक सूची है। और चौकीदार आपको उन लोगों के नाम दिखा सकता है जो नौ बजे के बाद आए थे।"
इससे मदद मिलेगी।
“इस बीच,” मिस पाइक ने अपनी प्लेट को एक तरफ धकेलते हुए और नैपकिन को मोड़ते हुए कहा, “दिन के सामान्य कर्तव्यों को पूरा करना होगा। क्या मुझे मेरा गाउन मिल सकता है—या एक गाउन?”
वह हैरियट के साथ ट्यूडर गई, जिसने गाउन की मरम्मत की और क्रेप-डी-चाइन फ्रॉक को प्रदर्शित किया।
“मैंने अपनी जानकारी के अनुसार यह पोशाक पहले कभी नहीं देखी,” मिस पाइक ने कहा; “लेकिन मैं इन मामलों में बहुत ध्यान देने का दावा नहीं कर सकती। यह मध्यम कद की दुबली-पतली महिला के लिए बनी प्रतीत होती है।”
"यह मानने का कोई कारण नहीं है कि यह उस व्यक्ति का है जिसने इसे वहां रखा था," हैरियट ने कहा, "ठीक वैसे ही जैसे तुम्हारा गाउन भी उसी का नहीं है।"
“बिल्कुल नहीं,” मिस पाइक ने कहा; “नहीं।” उन्होंने अपनी तीखी, काली आँखों से हैरियट को एक अजीब, तेज़ नज़र से देखा। “लेकिन मालिक चोर के बारे में कुछ सुराग दे सकता है। क्या यह संभव नहीं होगा—माफ़ कीजिएगा अगर मैं आपके क्षेत्र में दखल दे रही हूँ—कि जिस दुकान से इसे खरीदा गया था, उसके नाम से कुछ अनुमान लगाया जा सके?”
"ज़ाहिर सी बात है, ऐसा ही होता," हैरियट ने कहा; "टैब हटा दिया गया है।"
“ओह,” मिस पाइक ने कहा। “अच्छा; मुझे अपने लेक्चर के लिए जाना है। जैसे ही मुझे फुर्सत मिलेगी, मैं आपको पिछली रात की अपनी गतिविधियों का समय-सारणी देने

की कोशिश करूंगी। हालांकि, मुझे डर है कि यह शायद ही उपयोगी होगा। मैं रात के खाने के बाद अपने कमरे में थी और साढ़े दस बजे तक बिस्तर पर चली गई थी।"
वह अपनी टोपी और गाउन लिए हुए बाहर चली गई। हैरियट उसे जाते हुए देखती रही, और फिर उसने दराज से एक कागज़ का टुकड़ा निकाला। उस पर संदेश हमेशा की तरह चिपकाया हुआ था, और उसमें लिखा था:
इनसे अधिक दुखद कोई राक्षस नहीं, न ही कोई भयंकर महामारी, न ही देवताओं का कोई प्रकोप अंधकारमय सागर की लहरों से उभरा है। एक पक्षी का सबसे घिनौना चेहरा, एक कुंवारी का पेट, एक हाथ के कई हाथ, और भूख से हमेशा पीला पड़ा चेहरा।
"हार्पीज़," हैरियट ने ज़ोर से कहा। "हार्पीज़। इससे विचारों की एक श्रृंखला का संकेत मिलता है। लेकिन मुझे डर है कि हम एमिली या किसी भी स्काउट पर वर्जिलियन हेक्सामेटर्स में अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का संदेह नहीं कर सकते।"
उसने frowning किया। सीनियर कॉमन रूम के लिए हालात काफी खराब दिख रहे थे।
हैरियट ने मिस कैटरमोल के दरवाजे पर दस्तक दी, इस बात की परवाह किए बिना कि उस पर एक बड़ा नोटिस लगा था: सिरदर्द - परेशान न करें। दरवाजा मिस ब्रिग्स ने खोला, जिनके माथे पर चिंता थी, लेकिन आगंतुक को देखकर उनका चेहरा खिल उठा।
"मुझे डर था कि कहीं यह डीन न हो," मिस ब्रिग्स ने कहा।
"नहीं," हैरियट ने कहा, "अभी तक तो मैंने अपना हाथ रोक रखा है। मरीज कैसा है?"
"बहुत अच्छा नहीं," मिस ब्रिग्स ने कहा।
"आह। 'महामहिम ने नहा लिया है और फिर से सोने चले गए हैं।' बस यही बात है, मुझे लगता है।" वह बिस्तर की ओर बढ़ी और मिस कैटरमोल की ओर देखा, जिन्होंने कराहते हुए अपनी आँखें खोलीं। उनकी बड़ी, हल्की भूरी आँखें थीं, जो एक गोल-मटोल चेहरे पर टिकी थीं, जिसे गुलाबी रंग का होना चाहिए था। घने भूरे बाल उनके माथे पर गीले होकर बिखरे हुए थे, जिससे ऐसा लग रहा था मानो कोई अंगोरा खरगोश भटक गया हो और अपने अंजाम को देखकर हैरान हो गया हो।
"क्या तुम्हें बहुत तकलीफ हो रही है?" हैरियट ने सहानुभूति से पूछा।
"भयानक," मिस कैटरमोल ने कहा।

“तुम्हें यही मिलना चाहिए,” हैरियट ने कहा। “अगर तुम्हें मर्दों की तरह ही शराब पीनी है, तो कम से कम उसे एक सज्जन की तरह ही पेश करो। अपनी सीमाओं को जानना बहुत बड़ी बात है।”
मिस कैटरमोल इतनी उदास लग रही थीं कि हैरियट को हंसी आ गई। "लगता है आपको इस तरह की चीजों का ज्यादा अनुभव नहीं है। देखिए, मैं आपके लिए कुछ लाती हूं जिससे आप थोड़ा संभल जाएं, फिर मैं आपसे बात करूंगी।"
वह तेजी से बाहर निकली और बाहरी दरवाजे पर खड़े मिस्टर पोम्फ्रे से टकराते-टकराते बची।
“तुम यहाँ हो?” हैरियट ने कहा। “मैंने तुमसे कहा था, सुबह के समय कोई आगंतुक नहीं। इससे मैदान में शोर होता है और यह नियमों के विरुद्ध है।”
श्री पोम्फ्रे ने मुस्कुराते हुए कहा, "मैं कोई आगंतुक नहीं हूँ। मैं मिस हिलयार्ड के संवैधानिक विकास पर दिए गए व्याख्यान में भाग लेने आया हूँ।"
भगवान आपकी मदद करे!
“और जब मैंने तुम्हें चौक पार करते देखा, तो मैं उत्तर दिशा की ओर सुई की तरह मुड़ गया। अंधेरा,” श्री पोम्फ्रे ने जोश से कहा, “और उत्तर दिशा सच्ची और कोमल है। यह एक उद्धरण है। यह लगभग एकमात्र उद्धरण है जो मुझे याद है, इसलिए यह अच्छी बात है कि यह सटीक बैठता है।”
“यह ठीक नहीं बैठ रहा है। मुझे दर्द महसूस नहीं हो रहा है।”
“ओह!... मिस कैटरमोल कैसी हैं?”
"बहुत ज्यादा हैंगओवर है। जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं।"
“ओह!...माफ़ कीजिए... उम्मीद है कोई झगड़ा नहीं हुआ होगा?”
"नहीं।"
“भगवान आपका भला करे!” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “मैं भी भाग्यशाली था। मेरे एक दोस्त के पास एक शानदार खिड़की है। पश्चिमी मोर्चे पर सब शांत है। तो—देखो यहाँ! काश मैं भी कुछ कर पाता—”
“तुम्हें करना होगा,” हैरियट ने कहा। उसने उसकी बगल से उसकी लेक्चर नोटबुक छीन ली और उसमें कुछ लिख दिया।
“इसे केमिस्ट की दुकान से बनवाकर वापस ले आओ। मैं खुद जाकर किसी से कील लगे जिगर की रेसिपी नहीं पूछना चाहता।”
श्री पोम्फ्रे ने आदरपूर्वक उनकी ओर देखा।

“यह तुमने कहाँ से सीखा?” उसने कहा।
"ऑक्सफ़ोर्ड में नहीं। मैं कह सकता हूँ कि मुझे इसे चखने का कभी मौका नहीं मिला; मुझे उम्मीद है कि यह बहुत खराब होगा। वैसे, आप इसे जितनी जल्दी बनवा सकें, उतना अच्छा है।"
“मुझे पता है, मुझे पता है,” श्री पोम्फ्रे ने उदास स्वर में कहा। “आप मुझे देखकर ऊब चुके हैं, और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन मेरी इच्छा है कि आप कभी आएं और बूढ़े रोजर्स से मिलें। वह बेहद पश्चातापी हैं। आइए चाय पिएं। या कुछ पी लें या कुछ और। आज दोपहर ही आ जाइए। ज़रूर। बस यह दिखाने के लिए कि हमारे बीच कोई दुर्भावना नहीं है।”
हैरियट 'ना' कहने के लिए अपना मुंह खोल ही रही थी कि उसने मिस्टर पोम्फ्रे को देखा और उसका दिल पिघल गया। उनमें एक विशाल नस्ल के बहुत छोटे कुत्ते जैसी सहजता थी—एक तरह की मनमोहक विचित्रता।
“ठीक है,” हैरियट ने कहा। “मैं करूँगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।”
श्री पोम्फ्रे ने अपनी खुशी के भावों को व्यक्त करते-करते खुद को थका दिया, और अभी भी मुखर होते हुए, खुद को द्वार तक ले जाने दिया, जहां, लगभग बाहर कदम रखने के क्षण में, उन्हें एक लंबे, सांवले छात्र को साइकिल चलाते हुए अंदर आने देने के लिए पीछे हटना पड़ा।
“हेलो रेगी,” युवती ने पुकारा, “क्या तुम मुझे ढूंढ रहे हो?”
“ओह, सुप्रभात,” श्री पोम्फ्रे ने थोड़ा आश्चर्यचकित होकर कहा। फिर, विद्यार्थी के कंधे के ऊपर एक सुंदर, शेर जैसी आकृति देखकर, उन्होंने अधिक आत्मविश्वास से कहा, “हैलो, फैरिंगडन!”
“हैलो, पोम्फ्रे!” श्री फैरिंगडन ने उत्तर दिया। हैरियट ने सोचा कि “बायरॉनिक” विशेषण उन पर खूब सटीक बैठता है। उनका चेहरा अभिमानी था, घने भूरे घुंघराले बाल थे, तेज भूरी आँखें थीं और मुँह रूठा हुआ था, और वे श्री पोम्फ्रे को देखकर उतने खुश नहीं लग रहे थे जितना कि श्री पोम्फ्रे उन्हें देखकर।
श्री पोम्फ्रे ने न्यू कॉलेज के श्री फैरिंगडन का परिचय हैरियट से कराया और धीरे से कहा कि मिस फ्लैक्समैन तो उसे जानती ही होंगी। मिस फ्लैक्समैन ने शांत भाव से हैरियट को देखा और कहा कि पिछली रात जासूसी वाली बातें सुनकर उन्हें कितना आनंद आया था।

“शाम 6 बजे पार्टी है,” मिस फ्लैक्समैन ने मिस्टर पोम्फ्रे से कहा। उन्होंने अपना विद्वान गाउन उतारा और उसे बेपरवाही से अपनी साइकिल की टोकरी में ठूंस दिया। “क्या आप आना चाहेंगे? लियो के कमरे में। शाम 6 बजे। मुझे लगता है कि रेगी के लिए जगह है, है ना लियो?”
श्री फैरिंगडन ने कुछ अभद्र लहजे में कहा, "मुझे लगता है ऐसा ही होगा। वैसे भी बहुत भीड़ होगी।"
“तो हम हमेशा एक और डाल सकते हैं,” मिस फ्लैक्समैन ने कहा। “लियो की चिंता मत करो, रेगी; उसने आज सुबह अपना शिष्टाचार खो दिया है।”
श्री पोम्फ्रे को ऐसा प्रतीत हुआ कि किसी और के शिष्टाचार भी खो गए हैं, क्योंकि उन्होंने हैरियट की अपेक्षा से कहीं अधिक उत्साह से उत्तर दिया।
मुझे खेद है; मैं पहले से ही व्यस्त हूँ। मिस वेन मेरे साथ चाय पर आ रही हैं।
"इसके लिए कोई और समय ठीक रहेगा," हैरियट ने कहा।
“ओह, नहीं,” श्री पोम्फ्रे ने कहा।
“तो क्या आप दोनों बाद में नहीं आ सकतीं?” श्री फैरिंगडन ने कहा। “जैसा कि कैथरीन कहती हैं, एक और के लिए हमेशा जगह होती है।” उन्होंने हैरियट की ओर मुड़कर कहा, “मुझे उम्मीद है कि आप आएंगी, मिस वेन। हमें बहुत खुशी होगी।”
“अच्छा—” हैरियट ने कहा। अब मिस फ्लैक्समैन की रूठने की बारी थी।
श्री फैरिंगडन ने अचानक सब कुछ समझते हुए कहा, “मैं कहता हूँ, क्या आप वही मिस वेन हैं? उपन्यासकार... जी हाँ! तो फिर, आपको ज़रूर आना चाहिए। मैं न्यू कॉलेज में सबसे ज़्यादा ईर्ष्या का पात्र बनूँगा। हम सब वहाँ जासूसी कहानियों के दीवाने हैं।”
"इस बारे में क्या ख्याल है?" हैरियट ने श्री पोम्फ्रे की बात मानते हुए कहा।
यह बात इतनी स्पष्ट थी कि मिस फ्लैक्समैन हैरियट को नहीं चाहती थीं, मिस्टर फैरिंगडन मिस्टर पोम्फ्रे को नहीं चाहते थे और मिस्टर पोम्फ्रे जाना ही नहीं चाहते थे, कि उन्हें इस मूर्खतापूर्ण स्थिति में उपन्यासकार का शरारती आनंद महसूस हो रहा था। चूंकि अब किसी के लिए भी खुलेआम असभ्यता जताए बिना इस स्थिति से निकलना संभव नहीं था, इसलिए अंततः निमंत्रण स्वीकार कर लिया गया। मिस्टर पोम्फ्रे मिस्टर फैरिंगडन के साथ जाने के लिए सड़क पर निकल पड़े; मिस फ्लैक्समैन बड़ी मुश्किल से मिस वेन के साथ चौक से वापस जाने से बच पाईं।
"मुझे नहीं पता था कि आप रेगी पोम्फ्रेट को जानते हैं," मिस फ्लैक्समैन ने कहा।

“हां, हम मिल चुके हैं,” हैरियट ने कहा। “कल रात आप मिस कैटरमोल को अपने साथ घर क्यों नहीं लाए? खासकर जब आपने देखा ही होगा कि वह अस्वस्थ थीं।”
मिस फ्लैक्समैन चौंक गईं।
“इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं था,” उसने कहा। “क्या कोई झगड़ा हुआ था?”
“नहीं; लेकिन क्या आपने इसे रोकने के लिए कुछ किया? आपने किया होगा, है ना?”
मैं वायलेट कैटरमोल का अभिभावक नहीं बन सकता।
“खैर,” हैरियट ने कहा, “आपको यह जानकर शायद खुशी होगी कि इस बेवकूफी भरे मामले से कुछ अच्छा भी हुआ है। मिस कैटरमोल गुमनाम पत्रों और अन्य गड़बड़ियों के बारे में सभी संदेहों से पूरी तरह मुक्त हो गई हैं। इसलिए उनके साथ शालीनता से पेश आना एक अच्छा विचार होगा, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”
मिस फ्लैक्समैन ने कहा, "मैं आपको बता दूं कि मुझे इस बारे में कोई परवाह नहीं है।"
“नहीं; लेकिन आपने ही उसके बारे में अफवाहें फैलाई थीं; अब जब आपको पता चल गया है, तो इन्हें रोकना आपकी ज़िम्मेदारी है। मुझे लगता है कि श्री फैरिंगडन को सच बताना ही उचित होगा। अगर आप नहीं बताएंगे, तो मैं बता दूँगा।”
"ऐसा लगता है कि आपको मेरे मामलों में बहुत दिलचस्पी है, मिस वेन।"
“ऐसा लगता है कि उन्होंने काफी लोगों का ध्यान आकर्षित किया है,” हैरियट ने स्पष्ट रूप से कहा। “शुरुआती गलतफहमी के लिए मैं आपको दोष नहीं देती, लेकिन अब जब यह सुलझ गई है—और आप मेरी बात पर यकीन कर सकते हैं—मुझे यकीन है कि आप समझ जाएंगे कि मिस कैटरमोल को बलि का बकरा बनाना अनुचित है। आप अपने बैच के छात्रों के साथ बहुत कुछ कर सकते हैं। क्या आप अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे?”
मिस फ्लैक्समैन, असमंजस और नाराज़ थीं, और स्पष्ट रूप से उन्हें यह स्पष्ट नहीं था कि उन्हें हैरियट को क्या दर्जा देना चाहिए, उन्होंने कुछ अनिच्छा से कहा:
“बेशक, अगर उसने ऐसा नहीं किया तो मुझे खुशी है। बहुत अच्छा। मैं लियो को बता दूंगा।”
"बहुत-बहुत धन्यवाद," हैरियट ने कहा।
श्री पोम्फ्रे दोनों तरफ बहुत तेज़ी से दौड़े होंगे, क्योंकि नुस्खा कुछ ही समय में गुलाबों के एक बड़े गुच्छे के साथ आ पहुँचा। दवा बहुत असरदार थी, और इससे मिस कैटरमोल न केवल हॉल में उपस्थित हो सकीं, बल्कि अपना दोपहर का भोजन भी कर

सकीं। हैरियट ने उनके जाने के बाद उनका पीछा किया और उन्हें अपने कमरे में ले गईं।
"अच्छा," हैरियट ने कहा, "तुम तो बड़े ही नासमझ हो, है ना?"
मिस कैटरमोल ने निराशाजनक रूप से सहमति व्यक्त की।
“इसका क्या मतलब है?” हैरियट ने कहा। “तुमने हर तरह का अपराध करने की साजिश रची है और तुम्हें ज़रा भी मज़ा नहीं आया, है ना? तुम हॉल के बाद बिना इजाज़त के एक आदमी के कमरे में मीटिंग में गए, जबकि तुम्हें इजाज़त नहीं मिलनी चाहिए थी, क्योंकि तुम मीटिंग में बिन बुलाए घुस गए थे। यह सामाजिक अपराध होने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन भी है। वैसे भी, तुम नौ बजे के बाद बाहर थे, बिना रजिस्टर में अपने नाम के पहले अक्षर लिखे। इसके लिए तुम्हें दो शिलिंग देने पड़ते। तुम बिना अतिरिक्त लेट लीव के 11:15 बजे के बाद कॉलेज लौटे—जिसके लिए तुम्हें पाँच शिलिंग देने पड़ते। असल में, तुम आधी रात के बाद लौटे, जिसके लिए तुम्हें छुट्टी मिलने पर भी दस शिलिंग देने पड़ते। तुमने दीवार फांदी, जिसके लिए तुम्हें जेल में डाल देना चाहिए; और आखिर में, तुम नशे में धुत होकर आए, जिसके लिए तुम्हें जेल भेज देना चाहिए। वैसे, यह भी एक सामाजिक अपराध है। क्या कहना है तुम्हें, कटघरे में खड़े कैदी? क्या कोई कारण है कि तुम्हें सज़ा न दी जाए? एक सिगरेट पी लो।”
"धन्यवाद," मिस कैटरमोल ने धीमी आवाज़ में कहा।
"अगर तुमने इस मूर्खतापूर्ण हरकत से कॉलेज के पागल होने के संदेह से खुद को मुक्त न किया होता, तो मैं डीन के पास जाती। लेकिन इस घटनाक्रम से कुछ फायदा तो हुआ है, इसलिए मैं दयालु होने को तैयार हूँ।"
मिस कैटरमोल ने ऊपर देखा।
"जब मैं बाहर था तब क्या कुछ हुआ था?"
"हाँ इसने किया।"
“ओह—ह—ह!” मिस कैटरमोल ने कहा और फूट-फूटकर रोने लगीं।
हैरियट ने कुछ मिनट तक उसे देखा और फिर दराज से एक बड़ा साफ रूमाल निकाला और चुपचाप उसे दे दिया।
"ये सब भूल जाओ," हैरियट ने कहा, जब पीड़िता का रोना थोड़ा कम हो गया। "लेकिन ये सब बकवास छोड़ दो। ऑक्सफोर्ड इसके लिए सही जगह नहीं है। तुम कभी भी नौजवानों के पीछे भाग सकती हो—दुनिया में तो ऐसे लोग भरे पड़े हैं। लेकिन जीवन के तीन साल, जो किसी और चीज़ से बिल्कुल अलग हैं, बर्बाद करना बेवकूफी है। और

ये कॉलेज के लिए भी नाइंसाफी है। ये ऑक्सफोर्ड की दूसरी छात्राओं के लिए भी नाइंसाफी है। अगर तुम्हें बेवकूफी करनी है तो करो—मैं भी अपने समय में बेवकूफी कर चुकी हूँ और ज़्यादातर लोग करते हैं—लेकिन भगवान के लिए, ऐसी जगह करो जहाँ तुम दूसरों को निराश न करो।"

ऐसा समझा जाता है कि मिस कैटरमोल ने कुछ अस्पष्ट शब्दों में कहा था कि उन्हें कॉलेज से नफरत है और ऑक्सफोर्ड से घृणा है, और उन संस्थानों के प्रति उन्हें कोई जिम्मेदारी महसूस नहीं होती।

"तो फिर," हैरियट ने कहा, "आप यहाँ क्यों हैं?"

“मैं यहाँ नहीं रहना चाहती थी; मैंने कभी नहीं चाहा। केवल मेरे माता-पिता ही इतने उत्सुक थे। मेरी माँ उन लोगों में से हैं जो महिलाओं के लिए अवसर खोलने के लिए काम करती हैं—जैसे कि पेशे और अन्य चीजें। और पिताजी एक छोटे से प्रांतीय विश्वविद्यालय में लेक्चरर हैं। और उन्होंने बहुत त्याग और बलिदान किए हैं।”

हैरियट को लगा कि मिस कैटरमोल शायद बलि का शिकार बनने वाली थीं।

मिस कैटरमोल ने आगे कहा, “मुझे यहाँ आने में कोई खास आपत्ति नहीं थी; क्योंकि मेरी सगाई हो चुकी थी और वो भी यहाँ आ चुका था, और मुझे लगा कि मज़ा आएगा और पुराने ज़माने के बेतुके स्कूल का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। लेकिन अब मेरी उससे सगाई टूट चुकी है और भला मुझसे इस बीते हुए इतिहास के बारे में क्यों परवाह करने की उम्मीद की जा सकती है?”

"मुझे आश्चर्य है कि अगर आप ऑक्सफोर्ड जाना नहीं चाहते थे और आपकी सगाई हो चुकी थी, तो उन्होंने आपको ऑक्सफोर्ड भेजने की जहमत क्यों उठाई।"

“अरे! लेकिन उन्होंने कहा था कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हर महिला को विश्वविद्यालय की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए, चाहे उसकी शादी हो जाए। और अब, ज़ाहिर है, वे कहते हैं कि यह कितनी अच्छी बात है कि मेरा कॉलेज का करियर अभी भी चल रहा है। और मैं उन्हें यह समझा नहीं पा रही कि मुझे इससे कितनी नफरत है! वे यह नहीं देख पा रहे कि चारों ओर शिक्षा की बातें सुनते हुए बड़े होने से किसी को भी शिक्षा से नफरत हो जाती है। मैं शिक्षा से तंग आ चुकी हूँ।”

हैरियट को आश्चर्य नहीं हुआ।

“आप क्या करना पसंद करते? मेरा मतलब है, मान लीजिए कि आपकी सगाई को लेकर जो उलझन पैदा हुई है, वह न हुई होती तो?”

“मुझे लगता है,” मिस कैटरमोल ने आखिरी बार नाक पोंछते हुए और एक और सिगरेट पीते हुए कहा, “मुझे लगता है कि मुझे रसोइया बनना पसंद होता। या शायद अस्पताल की नर्स, लेकिन मुझे लगता है कि मैं खाना बनाने में ज़्यादा अच्छी होती। बस, आप देखिए, ये दो ऐसी चीज़ें हैं जिनके बारे में माँ हमेशा लोगों को यह सोचने से रोकने की कोशिश करती रहती हैं कि महिलाओं का दायरा सीमित होना चाहिए।”
"अच्छे खाना पकाने में बहुत पैसा है," हैरियट ने कहा।
“हाँ—लेकिन यह कोई शैक्षिक प्रगति नहीं है। इसके अलावा, ऑक्सफ़ोर्ड में पाक कला का कोई स्कूल नहीं है, और मुझे ऑक्सफ़ोर्ड या कैम्ब्रिज ही चुनना पड़ा, क्योंकि वहाँ सही तरह के दोस्त बनाने का अवसर था। लेकिन मैंने तो कोई दोस्त ही नहीं बनाया। सब मुझसे नफ़रत करते हैं। शायद अब वे मुझसे इतनी नफ़रत न करें, क्योंकि ये घिनौने पत्र—”
“बिल्कुल सही,” हैरियट ने जल्दबाजी में कहा, कहीं फिर से कोई विवाद न हो जाए। “मिस ब्रिग्स के बारे में क्या ख्याल है? वह तो बहुत अच्छी महिला लगती हैं।”
“वह बेहद दयालु है। लेकिन मुझे हमेशा उसके प्रति आभारी रहना पड़ता है। यह बहुत निराशाजनक है। इससे मेरा मन करता है कि मैं उसे काट लूँ।”
"आप बिलकुल सही कह रही हैं," हैरियट ने कहा, जिसे यह बात सीधे दिल पर लगी चोट जैसी लगी। "मैं जानती हूँ। कृतज्ञता सचमुच निंदनीय है।"
"और अब," मिस कैटरमोल ने अत्यंत स्पष्टवादिता के साथ कहा, "मुझे आपका आभारी होना पड़ेगा।"
“आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। मैं जितना आपका भला चाहता था, उतना ही अपना भी भला चाहता था। लेकिन मैं आपको बताता हूँ कि मैं क्या करता। मैं सनसनीखेज काम करने की कोशिश करना छोड़ देता, क्योंकि इससे आप ऐसी स्थिति में पहुँच जाते हैं जहाँ आपको आभारी होना पड़ता है। और मैं स्नातक छात्रों के पीछे भागना छोड़ देता, क्योंकि इससे वे बहुत ऊब जाते हैं और उनका काम बाधित होता है। मैं इतिहास पढ़ता और स्कूल की पढ़ाई पूरी करता। और फिर मैं मुड़कर कहता, ‘अब मैंने वह कर दिया है जो आप मुझसे चाहते थे, और मैं एक रसोइया बनने जा रहा हूँ।’ और इस पर अडिग रहता।”
"क्या आप अ?"
मुझे लगता है कि आप ओल्ड मैन कंगारू की तरह सचमुच अपने पीछे दौड़ना चाहते हैं। वैसे, अच्छे रसोइये ऐसे ही होते हैं। खैर, चूंकि आपने इतिहास से शुरुआत की है, तो

बेहतर होगा कि आप इस पर ध्यान देते रहें। इससे आपको कोई नुकसान नहीं होगा, आप जानते हैं। अगर आप अपने विषय—किसी भी विषय—से निपटना सीख जाते हैं, तो आप सभी विषयों से निपटना सीख जाते हैं।

“ठीक है,” मिस कैटरमोल ने कुछ हद तक अविश्वास भरे स्वर में कहा, “मैं कोशिश करूंगी।”

हैरियट गुस्से में वहां से चली गई और डीन पर झपट पड़ी।

“ये लोग इन लोगों को यहाँ क्यों भेजते हैं? खुद को दुखी करके उन लोगों की जगह क्यों लेते हैं जो ऑक्सफोर्ड में आनंद ले सकते हैं? हमारे पास ऐसी महिलाओं के लिए जगह नहीं है जो विद्वान नहीं हैं और कभी नहीं बनेंगी। पुरुषों के कॉलेजों में ऐसे जोशीले छात्र होना ठीक है जो मौज-मस्ती करते हैं और खेल खेलना सीखते हैं ताकि वे प्रीप स्कूलों में भी मौज-मस्ती कर सकें। लेकिन यह नीरस छोटी शैतान तो जोशीली भी नहीं है। यह तो बिल्कुल बेकार है।”

“मुझे पता है,” डीन ने चिढ़ते हुए कहा। “लेकिन स्कूल की अध्यापिकाएँ और माता-पिता बड़े झंझट भरे होते हैं। हम अपनी पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन हम हमेशा उनकी गलतियों को दूर नहीं कर सकते। और ये रही मेरी सचिव—ठीक उसी समय जब हम सब इतने व्यस्त हैं, उसे बुला लिया गया है क्योंकि उसके चिड़चिड़े छोटे बेटे को उसके परेशान करने वाले स्कूल में चिकनपॉक्स हो गया है। अरे! मुझे इस तरह नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि वह एक नाज़ुक बच्चा है और स्वाभाविक रूप से बच्चों को प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन यह बहुत दुखद है!”

“मैं चलती हूँ,” हैरियट ने कहा। “यह बहुत दुख की बात है कि आपको दोपहर में काम करना पड़ रहा है और मुझे भी आपको परेशान करने में शर्म आ रही है। वैसे, मैं आपको यह भी बता दूँ कि कैटरमोल के पास कल रात के मामले का पुख्ता सबूत था।”

“क्या उसने पूछा था? अच्छा! कुछ तो पता चला। हालांकि मुझे लगता है कि इससे हम पर और भी शक बढ़ेगा। खैर, सच तो सच होता है। मिस वेन, कल रात चौक में क्या शोर था? और वह युवक कौन था जिसे आप भालू की तरह घुमा रही थीं? मैंने आज सुबह कॉमन रूम में नहीं पूछा, क्योंकि मुझे लगा कि आप नहीं चाहतीं कि मैं पूछूं।”

“मैंने नहीं किया,” हैरियट ने कहा।

“और आप नहीं?”

“जैसा कि शर्लक होम्स ने एक अन्य अवसर पर कहा था: ‘मुझे लगता है कि हमें उस दिशा में माफी की मांग करनी चाहिए।’”

डीन ने शरारती मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा।
“दो और दो चार होते हैं। खैर, मुझे तुम पर भरोसा है।”
"लेकिन मैं फेलो गार्डन की दीवार पर घूमने वाले नुकीले कांटों की एक पंक्ति लगाने का सुझाव देने वाला था।"
“आह!” डीन ने कहा। “खैर, मैं इन सब बातों में नहीं पड़ना चाहता। और ज़्यादातर तो ये सरासर ज़िद्दीपन है। ये खुद को हीरो और हीरोइन बनाना चाहते हैं। टर्म का आखिरी हफ्ता दीवार पर चढ़ने के लिए सबसे बुरा होता है। ये शर्त लगाते हैं। टर्म खत्म होने से पहले उन्हें शर्त पूरी करनी पड़ती है। ये छोटे-छोटे सनकी बच्चे बहुत परेशान करते हैं। फिर भी, इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।”
"मुझे लगता है कि इस बार ऐसा दोबारा नहीं होगा।"
“बहुत अच्छा। मैं कोषाध्यक्ष से—सामान्य तौर पर—स्पाइक्स के बारे में बात करूँगा।”
हैरियट ने अपनी फ्रॉक बदलते हुए उस पार्टी की सामाजिक विसंगतियों पर विचार किया जिसमें उसे आमंत्रित किया गया था। स्पष्ट रूप से, मिस्टर पॉमफ्रेट मिस फ्लैक्समैन से बचाव के लिए उससे चिपके हुए थे, और मिस्टर फैरिंगडन माउंट पॉमफ्रेट से बचाव के लिए, जबकि मिस फ्लैक्समैन, जो जाहिर तौर पर उसकी मेज़बान थीं, उसे बिल्कुल नहीं चाहती थीं। यह अफ़सोस की बात थी कि वह मिस्टर फैरिंगडन को अपने वश में करने का साहसिक कार्य नहीं कर सकती थी, ताकि पूंछ पकड़ने का यह छोटा सा चक्र पूरा हो सके। लेकिन वह मिस्टर फैरिंगडन के बायरनिक व्यक्तित्व को लेकर रोमांच महसूस करने के लिए न तो बहुत बूढ़ी थी और न ही बहुत जवान; तटस्थ बने रहने में ही उसे अधिक आनंद आ रहा था। हालांकि, कैटरमोल मामले को संभालने के तरीके को लेकर मिस फ्लैक्समैन के प्रति उसके मन में पर्याप्त आक्रोश था, इसलिए उसने दोपहर के कार्यक्रम के पहले आइटम के लिए निकलने से पहले एक बेहद अच्छी तरह से सिला हुआ कोट, स्कर्ट और एक शानदार टोपी पहनी।
उन्हें श्री पोम्फ्रे की सीढ़ियाँ ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं हुई, और श्री पोम्फ्रे को ढूंढने में तो बिलकुल भी नहीं। जैसे ही वह अंधेरी और प्राचीन सीढ़ियों से ऊपर चढ़ रही थीं, श्री स्मिथ के बंद दरवाजे, श्री बनर्जी के पुराने ओक के पेड़ और श्री हॉजेस के खुले दरवाजे के पास से गुज़रते हुए, जो अपने पुरुष मित्रों के एक बड़े और शोरगुल वाले समूह का मनोरंजन करते प्रतीत हो रहे थे, उन्हें ऊपर की मंजिल पर चल रही कहासुनी सुनाई दी, और तभी श्री पोम्फ्रे स्वयं अपने दरवाजे पर खड़े होकर एक ऐसे व्यक्ति से बहस करते हुए दिखाई दिए, जिसकी पीठ सीढ़ियों की ओर थी।

श्री पोम्फ्रे ने कहा, "तुम शैतान के पास जाओ।"
“बहुत अच्छा, महोदय,” पीछे से आवाज़ आई; “लेकिन अगर मैं उस युवती के पास जाऊं तो क्या होगा? अगर मैं जाकर उसे बता दूं कि मैंने आपको उसे दीवार के ऊपर से धक्का देते हुए देखा था—”
“तुम्हें धिक्कार है!” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “क्या तुम चुप रहोगे?”
इसी समय, हैरियट ने अपना कदम सबसे ऊपरी सीढ़ी पर रखा और उसकी नजर मिस्टर पोम्फ्रे से मिली।
“ओह!” श्री पोम्फ्रे ने चौंककर कहा। फिर उस आदमी से कहा, “अभी यहाँ से चले जाओ; मैं व्यस्त हूँ। फिर आना।”
“आप तो महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं, है ना महोदय?” उस व्यक्ति ने नापसंदगी से कहा।
ये शब्द सुनकर वह मुड़ा, और हैरियट को आश्चर्य हुआ कि उसने एक परिचित चेहरा पहचान लिया।
“अरे वाह, ज्यूक्स,” उसने कहा। “तुम्हें यहाँ देखकर कितना अच्छा लगा!”
“क्या आप इस बदमाश को जानते हैं?” श्री पोम्फ्रे ने कहा।
“बिल्कुल,” हैरियट ने कहा। “वह श्रूस्बरी में कुली था और छोटी-मोटी चोरी के आरोप में उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। मुझे उम्मीद है कि अब तुम सही रास्ते पर चल रहे हो। ज्यूक्स। तुम्हारी पत्नी कैसी है?”
“ठीक है,” ज्यूक्स ने रूठते हुए कहा। “मैं फिर आऊंगा।”
उसने सीढ़ियों से नीचे उतरने की कोशिश की, लेकिन हैरियट ने अपना छाता इतनी अजीब तरह से सीढ़ियों पर रख दिया था कि उसने उसका रास्ता लगभग पूरी तरह से रोक दिया था।
“हाय!” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “चलिए इसके बारे में बात करते हैं। बस एक मिनट के लिए यहीं रुकिएगा?” उन्होंने अपना ताकतवर हाथ बढ़ाया और अनिच्छुक ज्यूक्स को खींचकर दहलीज के पार ले आए।
“उस पुराने मामले में तुम मुझे फंसा नहीं सकते,” ज्यूक्स ने तिरस्कार भरे लहजे में कहा, जब हैरियट उनके पीछे-पीछे अंदर आई और दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया।
“वह सब खत्म हो चुका है। उसका उस दूसरे छोटे से मामले से कोई लेना-देना नहीं है जिसका मैंने ज़िक्र किया था।”
“यह क्या है?” हैरियट ने पूछा।

श्री पोम्फ्रे ने कहा, "इस नीच आदमी में इतनी हिम्मत कैसे हुई कि वह यहाँ आकर कहे कि अगर मैं उसे चुप रहने के लिए पैसे नहीं दूंगा, तो वह कल रात जो कुछ हुआ उसके बारे में मुखबिरी कर देगा।"
"ब्लैकमेल," हैरियट ने बड़ी दिलचस्पी से कहा। "यह एक गंभीर अपराध है।"
“मैंने पैसों का ज़िक्र नहीं किया,” घायल ज्यूक्स ने कहा। “मैंने तो बस इस जनरल को इसलिए बताया क्योंकि मैंने कुछ ऐसा देखा जो नहीं होना चाहिए था और मैं उसे लेकर बहुत परेशान था। उसने कहा कि मैं नरक में जाऊं, तो मैंने कहा कि अगर ऐसा है तो मैं उस महिला के पास जाऊंगा, क्योंकि मेरा ज़मीर मुझे कचोट रहा है, समझे?”
“बहुत अच्छा,” हैरियट ने कहा। “मैं यहाँ हूँ। आप आगे बढ़िए।”
मिस्टर ज्यूक्स उसे घूरते रहे।
“मुझे लगता है,” हैरियट ने कहा, “आपने कल रात श्री पोम्फ्रे को मेरी चाबी भूल जाने पर श्रूस्बरी की दीवार फांदकर अंदर आने में मेरी मदद करते देखा होगा। वैसे, आप वहाँ बाहर क्या कर रहे थे? क्या आप वहाँ मंडरा रहे थे? फिर शायद आपने मुझे दोबारा बाहर आते देखा होगा, मैंने श्री पोम्फ्रे को धन्यवाद दिया और उनसे चाँदनी रात में कॉलेज की इमारतें देखने के लिए अंदर आने को कहा। अगर आपने थोड़ा और इंतज़ार किया होता, तो आपने मुझे उन्हें फिर से बाहर छोड़ते हुए भी देखा होता। इसमें क्या है?”
"मुझे नहीं लगता कि कुछ अच्छा चल रहा है," ज्यूक्स ने व्याकुल होकर कहा।
“शायद,” हैरियट ने कहा। “लेकिन अगर वरिष्ठ सदस्य अपने ही कॉलेज में अपरंपरागत तरीके से प्रवेश करने का फैसला करते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कौन रोक सकता है। निश्चित रूप से आप तो नहीं।”
"मुझे इस पर जरा भी विश्वास नहीं है," ज्यूक्स ने कहा।
“मैं इसमें कुछ नहीं कर सकती,” हैरियट ने कहा। “डीन ने मुझे और मिस्टर पोम्फ्रे को देखा है, इसलिए वो मान ही जाएगी। कोई भी तुम्हारी बात पर यकीन नहीं करेगा। मिस्टर पोम्फ्रे, तुमने इस आदमी को पूरी कहानी एक बार में क्यों नहीं बता दी और उसके ज़मीर को तसल्ली क्यों नहीं दी? वैसे, ज्यूक्स, मैंने अभी-अभी डीन से कहा है कि उसे उस दीवार में कीलें लगवा देनी चाहिए। वो हमारे लिए तो काम की थी, लेकिन चोरों और दूसरे बदमाशों को रोकने के लिए वो काफी ऊंची नहीं है। इसलिए अब तुम्हारा वहां इधर-उधर घूमना बेकार है। आजकल लोगों के कमरों से एक-दो चीज़ें

गायब हो रही हैं," उसने कुछ सच्चाई के साथ आगे कहा, "शायद उस सड़क पर खास तौर पर पुलिस तैनात करना ही बेहतर होगा।"
"ऐसा कुछ नहीं," ज्यूक्स ने कहा। "मैं अपनी प्रतिष्ठा धूमिल नहीं होने दूंगा। अगर बात आपकी कही हुई है, तो मुझे यकीन है कि मैं आप जैसी महिला के लिए मुसीबत खड़ी करने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं रखूंगा।"
श्री पोम्फ्रे ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप इस बात को ध्यान में रखेंगे। शायद आप इसे याद रखने के लिए कुछ रखना चाहेंगे।"
"हमला मत करो!" ज्यूक्स चिल्लाया और दरवाजे की ओर पीछे हट गया। "हमला मत करो! मुझ पर हाथ उठाने की कोशिश मत करो!"
"अगर तुमने दोबारा कभी अपना गंदा चेहरा यहाँ दिखाया," श्री पोम्फ्रे ने दरवाजा खोलते हुए कहा, "तो मैं तुम्हें लात मारकर सीढ़ियों से नीचे मैदान में फेंक दूँगा। समझे? तो निकल जाओ!"
उसने एक हाथ से ओक की लकड़ी को पीछे की ओर फेंका और दूसरे हाथ से ज्यूक्स को ज़ोर से धक्का देकर उसके ऊपर से निकाल दिया। एक ज़ोरदार आवाज़ और एक गाली ने ऐलान कर दिया कि ज्यूक्स के निकलने की तेज़ी उसे सीढ़ियों के ऊपर से फेंक गई थी।
"वाह!" श्री पोम्फ्रे लौटते हुए बोले। "अरे वाह! यह तो कमाल था! आपने तो अद्‌भुत काम किया। आपको यह विचार कहाँ से आया?"
"यह तो काफी स्पष्ट था। मुझे लगता है कि यह सब दिखावा था। मुझे समझ नहीं आता कि उसे कैसे पता चला होगा कि मिस कैटरमोल कौन थीं। मुझे आश्चर्य है कि उसने आप पर कैसे नियंत्रण पाया।"
"जब मैं बाहर निकली तो वो मेरे पीछे-पीछे ज़रूर आया होगा। लेकिन मैं इस खिड़की से अंदर नहीं आई थी—ज़ाहिर है—तो फिर वो कैसे आया—? ओह! हाँ, जब मैंने ब्राउन को मुक्का मारा तो मुझे लगता है उसने अपना सिर बाहर निकाला और कहा, "तुम हो, पोम्फ्रे? लापरवाह बदमाश। मैं उससे बात करूँगा... मैं कहता हूँ, तुम तो सबके रक्षक लगते हो, है ना? इतना होशियार रहना कमाल की बात है।"
उसने कुत्ते जैसी आँखों से उसे घूरा। हैरियट हँसी, तभी मिस्टर रोजर्स और चाय एक साथ कमरे में दाखिल हुए।
मिस्टर रोजर्स अपने तीसरे वर्ष में थे—लंबे कद के, सांवले, जीवंत और सहज प्रकार के पश्चाताप से भरे हुए।

“ये सब भागदौड़ और नियमों को तोड़ना सरासर बकवास है,” श्री रोजर्स ने कहा। “हम ऐसा क्यों करते हैं? क्योंकि कोई कहता है कि इसमें मज़ा आता है, और हम मान लेते हैं। क्यों मानें? मेरी समझ से परे है। हमें इन चीजों को और निष्पक्ष रूप से देखना चाहिए। क्या यह अपने आप में सुंदर है? नहीं। तो फिर इसे क्यों करें? वैसे, पोम्फ्रे, क्या आपसे कल्पीपर की बेइज्जती करने के बारे में बात हुई है?”
श्री पोम्फ्रेट ने कहा, "मैं इसके पूरी तरह से पक्ष में हूं।"
“सच है, कल्पीपर एक धब्बा है। वह एक घिनौना प्राणी है। लेकिन क्या बिना चमड़ी के वह बेहतर दिखेगा? नहीं, सुकरात, वह नहीं दिखेगा। वह और भी बुरा दिखेगा। अगर किसी की चमड़ी उतारनी है, तो वह ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसके पैर खुले में खड़े होने की हिम्मत रखते हों—जैसे कि तुम खुद, पोम्फ्रे।”
श्री पोम्फ्रेट ने कहा, "आप कोशिश कीजिए, बस इतना ही।"
श्री रोजर्स ने आगे कहा, “वैसे भी, पैरों को प्रदर्शित करने का चलन निरर्थक और पुराना हो चुका है। भद्दे पैरों को दिखाने के इस आधुनिक जुनून को मेरी ओर से किसी प्रोत्साहन की आवश्यकता नहीं है। मैं इसका हिस्सा नहीं बनूंगा। मैं एक सुधरा हुआ व्यक्ति बनना चाहता हूं। अब से, मैं सार्वजनिक राय के किसी भी दबाव से प्रभावित हुए बिना, केवल वस्तु के स्वतः मूल्य पर ही विचार करूंगा।”
अपने पापों को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करने और सुधार का वादा करने के बाद, श्री रोजर्स ने शालीनता से बातचीत को सामान्य रुचि के विषयों की ओर मोड़ा और लगभग 5 बजे, काम और अपने शिक्षक के बारे में क्षमाप्रार्थी लहजे में कुछ बुदबुदाते हुए चले गए, मानो वे कोई अशोभनीय आवश्यकताएँ हों। इस समय, श्री पोम्फ्रे अचानक गंभीर हो गए, जैसा कि एक युवा व्यक्ति कभी-कभी अपने से बड़ी उम्र की महिला के साथ अकेले होने पर हो जाता है, और हैरियट को जीवन के अर्थ के बारे में अपने विचार विस्तार से बताए। हैरियट ने यथासंभव समझदारी और सहानुभूति से सुना; लेकिन थोड़ी राहत तब मिली जब तीन युवक श्री पोम्फ्रे की बीयर लेने के लिए अंदर आए और अपने मेज़बान के सिर के ऊपर कोमिसार्जेव्स्की के बारे में बहस करने लगे। श्री पोम्फ्रे थोड़े नाराज़ दिखे और अंततः अपने अतिथि पर अपना अधिकार जताते हुए घोषणा की कि अब पुराने फैरिंगडन की पार्टी के लिए न्यू कॉलेज जाने का समय हो गया है। उसके दोस्तों ने थोड़ी निराशा के साथ उसे जाने दिया और हैरियट और उसके साथी के कमरे से पूरी तरह बाहर निकलने से पहले ही, अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठ गए और बहस जारी रखी।

“मर्स्टन, बड़े काबिल आदमी हो,” श्री पोम्फ्रे ने बड़े ही सौहार्दपूर्ण ढंग से कहा। “ओयूडीएस पर खूब शोर मचाते हो और छुट्टियां जर्मनी में बिताते हो। मुझे समझ नहीं आता कि वे नाटकों को लेकर इतना उत्साहित कैसे हो जाते हैं। मुझे अच्छा नाटक पसंद है, लेकिन शैलीगत उपचार और दृष्टिकोण के इन सब पहलुओं को मैं नहीं समझता। हालांकि, मुझे उम्मीद है कि तुम समझते होगे।”
“बिल्कुल नहीं,” हैरियट ने खुशी से कहा। “मुझे यकीन है कि उन्हें भी नहीं पता होगा। वैसे भी, मुझे ऐसे नाटक पसंद नहीं हैं जिनमें सभी कलाकार सीढ़ियों पर बार-बार ऊपर-नीचे लुढ़कते रहते हैं, या जहाँ रोशनी इतनी कलात्मकता से की जाती है कि कुछ दिखाई ही नहीं देता, या जहाँ आप हर समय सोचते रहते हैं कि मंच के बीच में रखा प्रतीकात्मक घूमने वाला यंत्र किस काम आएगा, अगर आएगा भी तो। इससे मेरा ध्यान भटकता है। मैं तो होल्बोर्न एम्पायर जाना और अश्लील तरीके से मनोरंजन करना ज़्यादा पसंद करूँगी।”
“क्या आप आएंगे?” श्री पोम्फ्रे ने उदास स्वर में कहा। “आप अवकाश के दौरान मेरे साथ शहर में शो करने नहीं आएंगे, है ना?”
हैरियट ने एक अस्पष्ट सा वादा किया, जिससे मिस्टर पोम्फ्रे बेहद खुश हुए और थोड़ी ही देर में वे खुद को मिस्टर फैरिंगडन के बैठक कक्ष में पाए, जहां वे स्नातक छात्रों की मिश्रित भीड़ के बीच मछली की तरह ठसाठस भरे हुए थे और अपनी कोहनियों को हिलाए बिना शेरी और बिस्कुट खाने के लिए संघर्ष कर रहे थे।
भीड़ इतनी घनी थी कि हैरियट ने शुरू से अंत तक मिस फ्लैक्समैन को एक बार भी नहीं देखा। हालांकि, मिस्टर फैरिंगडन किसी तरह भीड़ में से रास्ता बनाते हुए अंदर आ गए, उनके साथ कुछ नौजवान लड़के-लड़कियां थे जो जासूसी उपन्यासों पर चर्चा करना चाहते थे। ऐसा लग रहा था कि उन्होंने इस तरह का साहित्य काफी पढ़ा था, हालांकि बाकी कुछ बहुत कम। हैरियट ने सोचा कि जासूसी उपन्यासों का एक स्कूल प्रथम श्रेणी के लेखकों की अच्छी-खासी संख्या तैयार कर सकता है। उसने महसूस किया कि उसके समय से मनोवैज्ञानिक विश्लेषण का चलन लगभग खत्म हो चुका था: उसे सहज रूप से एहसास था कि उसकी जगह क्रियाशील और ठोस चीजों की चाहत ने ले ली थी। युद्ध-पूर्व की गंभीरता और युद्ध-पश्चात की थकावट, दोनों ही खत्म हो चुकी थीं; अब इच्छा किसी निश्चित कार्य को ऊर्जावान तरीके से करने की थी, भले ही परिभाषाएँ अलग-अलग हों। जासूसी कहानी निस्संदेह स्वीकार्य थी, क्योंकि इसमें कुछ निश्चित किया जाता था, और लेखक द्वारा "क्या" पहले से ही तय कर लिया जाता था।

हैरियट को यह एहसास हुआ कि ये सभी नौजवान एक बेहद पथरीली ज़मीन पर एक कठिन काम करने के लिए निकल पड़े थे। उसे उन पर काफी दया आई।
कुछ तो हुआ। जी हाँ, बिल्कुल। अगली सुबह स्थिति का जायजा लेते हुए हैरियट बेहद असंतुष्ट महसूस कर रही थी। उसे ज्यूक्स का यह मामला बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसे लगा कि गुमनाम चिट्ठियों से उसका कोई लेना-देना नहीं हो सकता: उसे एनीड का वह अंश कहाँ से मिला होगा? लेकिन वह एक द्वेषी, दुष्ट मानसिकता वाला और चोर था; यह अच्छा नहीं था कि वह रात के अंधेरे में कॉलेज की दीवारों के आसपास मंडराता रहता था।
हैरियट सीनियर कॉमन रूम में अकेली थी, बाकी सब लोग अपने काम पर जा चुके थे। एस.सी.आर. का एक कर्मचारी साफ ऐशट्रे का ढेर लेकर अंदर आया, और हैरियट को अचानक याद आया कि उसके बच्चे ज्यूक्स परिवार के साथ रहते हैं।
“एनी,” उसने अचानक ही कहा, “ज्यूक्स अंधेरा होने के बाद ऑक्सफोर्ड में किसलिए आता है?”
महिला चौंक गई। "क्या वह ऐसा करता है, महोदया? मुझे लगता है कि वह ऐसा नहीं करता होगा।"
“मैंने उसे कल रात सेंट क्रॉस रोड पर घूमते हुए पाया, एक ऐसी जगह पर जहाँ से वह आसानी से भाग सकता है। क्या वह ईमानदार है, क्या आपको पता है?”
“मैं पक्का तो नहीं कह सकती, महोदया, लेकिन मुझे शक है। मुझे श्रीमती ज्यूक्स बहुत पसंद हैं, और मैं उनकी परेशानियों को बढ़ाना नहीं चाहती। लेकिन मुझे ज्यूक्स पर कभी भरोसा नहीं रहा। मैं सोच रही थी कि मुझे अपनी छोटी बेटियों को कहीं और रखना चाहिए। कहीं वो उन पर बुरा असर न डाल दे, आपको नहीं लगता?”
मुझे तो ऐसा ही लगता है।
“मैं किसी सम्मानित विवाहित महिला के रास्ते में मुश्किलें पैदा करने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं रखती,” ऐनी ने ऐशट्रे को ज़ोर से पटकते हुए कहा, “और स्वाभाविक रूप से उसे अपने पति का साथ देने का पूरा अधिकार है। लेकिन अपने बच्चे तो सबसे पहले आते हैं, है ना?”
“बेशक,” हैरियट ने कुछ बेपरवाही से कहा। “ओह, हाँ। मुझे उनके लिए कोई और जगह ढूंढनी चाहिए। मुझे लगता है कि आपने कभी ज्यूक्स या उनकी पत्नी को ऐसा कुछ कहते नहीं सुना होगा जिससे यह लगे कि वह कॉलेज से चोरी कर रहे थे या प्रोफेसरों के प्रति उनके मन में कोई दुर्भावना थी।”

“मैडम, मुझे ज्यूक्स से ज्यादा कुछ नहीं कहना है, और अगर मिसेज ज्यूक्स को कुछ पता भी होता, तो वो मुझे नहीं बतातीं। ऐसा करना ठीक नहीं होता। वो उनके पति हैं, और उन्हें उनका पक्ष लेना ही होगा। मैं ये बात अच्छी तरह समझती हूँ। लेकिन अगर ज्यूक्स बेईमानी कर रहे हैं, तो मुझे बच्चों के लिए कहीं और जगह ढूंढनी पड़ेगी। मैडम, इस बारे में बताने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं बुधवार को वहाँ जाऊँगी, क्योंकि उस दिन मुझे दोपहर में खाली समय मिलेगा, और मैं इस मौके का फायदा उठाकर सूचना दे दूँगी। क्या मैं पूछ सकती हूँ कि आपने ज्यूक्स से इस बारे में कुछ कहा है, मैडम?”

मैंने उससे बात की है और उसे बता दिया है कि अगर वह यहाँ और ज्यादा देर तक रुका रहा तो उसे पुलिस का सामना करना पड़ेगा।

“यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, महोदया। उनका इस तरह यहाँ आना बिलकुल भी उचित नहीं है। अगर मुझे इसके बारे में पता होता, तो मैं सचमुच सो नहीं पाती। मुझे पूरा यकीन है कि इसे रोका जाना चाहिए।”

“हाँ, ऐसा होना चाहिए। वैसे, एनी, क्या तुमने कॉलेज में कभी किसी को इस तरह की पोशाक में देखा है?”

हैरियट ने अपने बगल वाली कुर्सी से काले रंग की डिज़ाइनदार क्रेप-डे-चाइन ड्रेस उठाई और एनी ने उसे ध्यान से देखा।

“नहीं महोदया, मुझे तो याद नहीं। शायद यहाँ मुझसे ज़्यादा समय से काम करने वाली नौकरानियों में से कोई जानती हो। गर्ट्रूड भोजन कक्ष में है; अगर आप उससे पूछना चाहें तो?”

लेकिन गर्ट्रूड कोई मदद नहीं कर सकीं। हैरियट ने उनसे पोशाक ले जाकर बाकी स्टाफ से पूछताछ करने को कहा। ऐसा किया गया, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। छात्रों से पूछताछ करने पर भी कोई पहचान नहीं हो पाई। पोशाक वापस लाई गई, फिर भी कोई दावा करने वाला या पहचाना नहीं गया। एक और पहेली। हैरियट ने निष्कर्ष निकाला कि यह वास्तव में पॉइज़न पेन की संपत्ति होनी चाहिए; लेकिन अगर ऐसा है, तो इसे कॉलेज लाया गया होगा और चैपल में इसके नाटकीय रूप से प्रकट होने तक छिपाकर रखा गया होगा; क्योंकि अगर इसे कभी कॉलेज में पहना गया था, तो यह लगभग अकल्पनीय है कि कोई इसे पहचान न पाए।

एस.सी.आर. के सदस्यों द्वारा बड़ी विनम्रता से पेश किए गए बहाने पुख्ता नहीं थे। यह आश्चर्य की बात नहीं थी; अगर वे पुख्ता होते तो ज़्यादा आश्चर्य की बात होती। हैरियट

(और श्री पोम्फ्रे, बेशक) ही वह सटीक समय जानते थे जिसके लिए बहाने की आवश्यकता थी; और यद्यपि कई लोग आधी रात तक या उसके आसपास तक खुद को ढके हुए दिखाने में सक्षम थे, सभी पौने एक बजे तक अपने कमरों और बिस्तरों में मौजूद थे, या होने का दावा कर रहे थे। इसके अलावा, यद्यपि चौकीदार की किताब और देर से छुट्टी के टिकटों की जाँच की गई थी, और उन सभी छात्रों से पूछताछ की गई थी जो आधी रात को चौक के आसपास हो सकते थे, किसी ने भी गाउन, तकिए या ब्रेड-चाकू के साथ कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं देखी थी। इस तरह की जगह में अपराध करना बहुत आसान था। कॉलेज बहुत बड़ा और खुला था। अगर किसी को तकिया या बिस्तर और गद्दे का पूरा सेट लेकर चौक पार करते हुए भी देखा जाता, तो भी कोई इस पर ध्यान नहीं देता। कोई साहसी, खुले आसमान के नीचे सोने वाला व्यक्ति; यही स्वाभाविक निष्कर्ष होगा।

हैरियट, झुंझलाकर बॉडली के पास गई और ले फानू पर अपने शोध में जुट गई। कम से कम वहाँ तो यह पता होता था कि किस विषय की जाँच की जा रही है।

उन्हें किसी शांत वातावरण की इतनी ज़रूरत महसूस हुई कि दोपहर में वे कैथेड्रल में प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए क्राइस्ट चर्च चली गईं। वे खरीदारी कर रही थीं—उन्होंने कुछ छात्रों के मनोरंजन के लिए मेरिंग्यूज़ का एक पैकेट भी खरीदा था, जिन्हें उन्होंने उस शाम अपने कमरे में एक छोटी सी पार्टी के लिए आमंत्रित किया था—और जब उनके हाथ पार्सलों से भर चुके थे, तभी कैथेड्रल जाने का विचार उनके मन में आया। यह उनके रास्ते से थोड़ा हटकर था; लेकिन पार्सल भारी नहीं थे। वे कारफैक्स से होते हुए, कारों की आधुनिक भीड़ और रुक-रुक कर चलने वाली जटिल ट्रैफिक लाइटों से चिढ़ते हुए, वहाँ से गुज़रीं और उन कुछ पैदल यात्रियों के समूह में शामिल हो गईं जो सेंट एल्डेट्स से होते हुए वोल्सी के विशाल अधूरे चौक से गुज़र रहे थे, और वे भी उन्हीं की तरह एक धार्मिक कार्य के लिए जा रहे थे।

गिरजाघर में शांति और सुहावना माहौल था। जब मुख्य हॉल खाली हो गया और ऑर्गन वादक ने अपना वाद्य संगीत समाप्त कर दिया, तब तक वह कुछ देर अपनी सीट पर बैठी रही। फिर वह धीरे-धीरे बाहर निकली और चबूतरे पर बाईं ओर मुड़ गई, उसके मन में एक बार फिर भव्य सीढ़ी और हॉल को निहारने का हल्का सा विचार था। तभी एक दुबला-पतला व्यक्ति, जिसने ग्रे रंग का सूट पहना हुआ था, एक अंधेरे दरवाजे से इतनी तेज़ी से निकला कि पूरी ताकत से उससे टकरा गया, उसे लगभग गिरा ही दिया और उसका बैग और पार्सल चबूतरे पर इधर-उधर बिखर गए।

“अरे बाप रे!” एक ऐसी आवाज़ ने कहा जिसकी अप्रत्याशित परिचितता ने उसके दिल की धड़कन तेज़ कर दी, “क्या मैंने तुम्हें चोट पहुँचाई है? मैं तो बिल्कुल ही बेवजह इधर-उधर भटक रही हूँ, जैसे बोतल में बंद भौंरा। बेवकूफ! मैं कहती हूँ, कहो कि मैंने तुम्हें चोट नहीं पहुँचाई है। क्योंकि अगर मैंने पहुँचाई है, तो मैं सीधे पार जाकर खुद को पारे में डुबो दूँगी।”

उसने उस हाथ को, जिससे वह हैरियट को सहारा नहीं दे रहा था, तालाब की ओर अस्पष्ट इशारे से बढ़ाया।

"बिल्कुल नहीं, धन्यवाद," हैरियट ने खुद को संभालते हुए कहा।

“भगवान का शुक्र है। आज मेरा मनहूस दिन है। जूनियर सेंसर के साथ मेरा बहुत ही अप्रिय इंटरव्यू हुआ। पार्सल में कुछ टूटने वाली चीज़ तो नहीं थी? अरे देखो! तुम्हारा बैग खुल गया है और सारी छोटी-छोटी चीज़ें सीढ़ियों से नीचे गिर गई हैं। हिलना मत। तुम वहीं खड़े रहो, मुझे क्या-क्या कहोगे, सोचते रहो, और मैं एक-एक करके उन्हें घुटनों के बल बैठकर उठाऊँगी और हर एक से माफी माँगूँगी।”

उन्होंने अपने शब्दों के अनुरूप कार्य किया।

“मुझे अफसोस है कि इससे मेरिंग्यूज़ में कोई सुधार नहीं हुआ है।” उसने माफी मांगते हुए ऊपर देखा। “लेकिन अगर आप मुझे माफ कर दें, तो हम रसोई से कुछ नए मेरिंग्यूज़ ले आएंगे—असली वाले—आप जानते हैं—जो हमारे यहाँ की खासियत हैं।”

"कृपया परेशान न हों," हैरियट ने कहा।

यह वह तो बिल्कुल नहीं था। यह ज़्यादा से ज़्यादा इक्कीस-बीस साल का एक लड़का था, जिसके माथे पर लहराते बाल बिखरे हुए थे और एक सुंदर, नखरेबाज़ चेहरा था, जो आकर्षण से भरपूर था, हालाँकि उसके घुमावदार होंठ और ऊपर की ओर उठी भौहें कुछ हद तक कमज़ोर लग रही थीं। लेकिन बालों का रंग बिल्कुल सही था—पके जौ का हल्का पीला रंग; और उसकी धीमी, लयबद्ध आवाज़, जिसमें छोटे-छोटे शब्द और बोलने की सहजता थी; और उसकी तेज़, तिरछी मुस्कान; और सबसे बढ़कर, उसके सुंदर, संवेदनशील हाथ जो बड़ी कुशलता से "ऊजाह" को अपने थैले में इकट्ठा कर रहे थे।

“तुमने अभी तक मुझे कोई अपशब्द नहीं कहा है,” युवक ने कहा।

“मुझे लगता है मैं आपका नाम लगभग बता सकती हूँ,” हैरियट ने कहा। “क्या आप पीटर विम्सी के रिश्तेदार हैं?”

“क्यों नहीं,” युवक ने एड़ियों पर उठते हुए कहा। “वह मेरे चाचा हैं; और यहूदियों की तुलना में कहीं अधिक मिलनसार हैं,” उसने उदास विचारों के एक समूह से ग्रस्त होकर कहा। “क्या हम कहीं मिले हैं? या यह महज़ एक अनुमान था? आपको नहीं लगता कि मैं उनके जैसा हूँ, है ना?”
"जब आपने बात की, तो मुझे लगा कि आप कुछ पल के लिए अपने चाचा हैं। हाँ, आप कुछ मायनों में बिल्कुल उनके जैसे हैं।"
“मेरी माँ का दिल टूट जाएगा,” युवक ने मुस्कुराते हुए कहा। “अंकल पीटर को यह मंज़ूर नहीं है। काश वो यहाँ होते। इस समय तो वो बहुत काम आते। लेकिन हमेशा की तरह वो कहीं गायब हो गए हैं। बड़े ही रहस्यमयी बूढ़े हैं, है ना? मुझे लगता है आप उन्हें जानते होंगे—मैं दुनिया कितनी छोटी है, इस बारे में सही कहावत भूल गया, लेकिन चलो मान लेते हैं। वो बूढ़ा कहाँ है?”
मुझे लगता है कि वह रोम में है।
“वह होगा। इसका मतलब है एक पत्र। पत्र में किसी को मनाना बहुत मुश्किल होता है, है ना? मेरा मतलब है, सब कुछ समझाने में बहुत समय लगता है, और परिवार का मशहूर आकर्षण लिखित रूप में उतना असरदार नहीं होता।” उसने आखिरी भटके हुए पुलिसवाले को पकड़ते हुए आकर्षक स्पष्टता के साथ उसकी ओर मुस्कुराया।
"क्या मैं यह समझ पा रही हूँ," हैरियट ने कुछ हंसी के साथ कहा, "कि आप अंकल पीटर की भावनाओं को जगाने की कोशिश कर रहे हैं?"
“बस इतना ही,” उस नौजवान ने कहा। “सच में, वो काफी इंसानियत वाला है, अगर आप उससे सही तरीके से पेश आएं। वैसे भी, अंकल पीटर पर मेरा दबदबा है। अगर हालात बेकाबू हो गए, तो मैं हमेशा अपनी गर्दन काटने की धमकी दे सकता हूं और उसे स्ट्रॉबेरी के पत्तों से सजा दिलवा सकता हूं।”
"किसके साथ?" हैरियट ने कहा, उसे लगा कि यह ऑक्सफोर्ड में चिढ़ाने का नवीनतम तरीका होगा।
“स्ट्रॉबेरी के पत्ते,” उस नौजवान ने कहा। “बाल्म, राजदंड और गेंद। चार कतारों में सड़े हुए अर्मीन फर। डेनवर में उस ढह चुकी बड़ी बैरक की तो बात ही छोड़ो, जो अपना सड़ा हुआ सिर खा रही है।” यह देखकर कि हैरियट अभी भी उसे खाली निगाहों से देख रही है, उसने आगे समझाया: “माफ़ कीजिए; मैं भूल गया था। मेरा नाम सेंट-जॉर्ज है और गवर्नर मुझे कोई भाई देना भूल गए। इसलिए जैसे ही मेरे नाम के आगे 'मृत' लिखा जाएगा, अंकल पीटर का काम तमाम हो जाएगा। बेशक, मेरे पिता उनसे ज़्यादा

जी सकते हैं; लेकिन मुझे नहीं लगता कि अंकल पीटर कम उम्र में मरने वाले हैं, जब तक कि उनका कोई पालतू अपराधी उन्हें मार न डाले।"
"ऐसा आसानी से हो सकता है," हैरियट ने उस बदसूरत प्लग के बारे में सोचते हुए कहा।
"खैर, इससे तो उसके लिए और भी बुरा हो जाता है," लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने सिर हिलाते हुए कहा। "जितने ज़्यादा जोखिम वो उठाता है, उतनी ही जल्दी उसे वैवाहिक बंधन में बंधने पड़ जाते हैं। अब पिकाडिली के फ्लैट में बूढ़े बंटर के साथ कुंवारेपन की आज़ादी नहीं रही। न ही अब शानदार वियनाई गायकों का साथ। तो समझ ही लीजिए, मेरे साथ कुछ भी होने देना उसकी जान से भी ज़्यादा कीमती है।"
"ज़ाहिर सी बात है," हैरियट ने कहा, जो इस विषय पर मिले इस नए दृष्टिकोण से बेहद प्रभावित थी।
"अंकल पीटर की कमजोरी," लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने दबे हुए मेरिंग्यूज़ को कागज़ से सावधानीपूर्वक निकालते हुए कहा, "उनका सार्वजनिक कर्तव्य का प्रबल बोध है। उन्हें देखकर शायद आपको ऐसा न लगे, लेकिन यह उनमें है। (क्या हम इन्हें कार्प मछली पर आजमाएं? मुझे नहीं लगता कि ये इंसानों के खाने लायक हैं।) अब तक तो वह इससे दूर ही रहे हैं—वह एक जिद्दी बूढ़े आदमी हैं। कहते हैं कि या तो उन्हें सही पत्नी चाहिए या कोई नहीं।"
लेकिन मान लीजिए कि सही व्यक्ति 'नहीं' कहता है।
"ये तो वो कहानी सुनाता है। मुझे इस पर ज़रा भी यकीन नहीं है। अंकल पीटर पर किसी को आपत्ति क्यों होनी चाहिए? वो देखने में सुंदर तो नहीं हैं और इतनी बातें करते हैं कि गधे की टांग भी टूट जाए; लेकिन वो खूब पैसे वाले हैं, उनके तौर-तरीके अच्छे हैं और उनका नाम ब्रीडिंग बुक में दर्ज है।" वो मरकरी के किनारे पर खड़े हुए और उसके शांत पानी में झाँका। "देखो! वहाँ है बड़ी वाली। लगता है ये तो शुरुआत से ही यहाँ है—देखा उसे? कार्डिनल वोल्सी का खास चहेता।" उन्होंने उस बड़ी मछली को एक टुकड़ा फेंका, जिसे उसने झट से झट से पकड़ा और फिर पानी में डूब गई।
"मुझे नहीं पता कि आप मेरे चाचा को कितना जानते हैं," उन्होंने आगे कहा, "लेकिन अगर आपको मौका मिले, तो आप उन्हें बता देना कि जब आपने मुझे देखा तो मैं काफी अस्वस्थ और थका हुआ लग रहा था और मैंने आत्महत्या करने का संकेत दिया था।"

“मैं ये सब ज़रूर करूँगी,” हैरियट ने कहा। “मैं कहूँगी कि तुम मुश्किल से रेंग पा रहे थे और असल में मेरी बाहों में बेहोश हो गए, और गलती से मेरे सारे पार्सल कुचल दिए। वो मेरी बात पर यकीन नहीं करेगा, लेकिन मैं पूरी कोशिश करूँगी।”
“नहीं—वह बातों पर आसानी से विश्वास नहीं कर पाता, धिक्कार है उसे। मुझे डर है कि मुझे आखिरकार लिखना ही पड़ेगा और सबूत पेश करने पड़ेंगे। फिर भी, मुझे नहीं पता कि मैं आपको अपने निजी मामलों से क्यों परेशान करूं। आइए रसोई में चलते हैं।”
क्राइस्ट चर्च की रसोइया प्राचीन और प्रसिद्ध कॉलेज के ओवन से मेरिंग्यूज़ बनाकर बहुत प्रसन्न हुई; और जब हैरियट ने चमकती हुई सीखों वाले विशाल चूल्हे की प्रशंसा की और सत्र के दौरान प्रति सप्ताह भुने गए मांस के टुकड़ों की संख्या और खपत होने वाले ईंधन की मात्रा के आंकड़े सुने, तो वह कृतज्ञता के सभी उचित भावों के साथ अपने मार्गदर्शक के पीछे-पीछे चौक में वापस चली गई।
“बिल्कुल नहीं,” विस्काउंट ने कहा। “मुझे डर है कि आपको इधर-उधर पटकने और आपकी संपत्ति बिखेरने के बाद मुझे कुछ खास फायदा नहीं हुआ। वैसे, क्या मैं जान सकता हूँ कि मैंने किसे असुविधा पहुँचाने का सौभाग्य प्राप्त किया है?”
मेरा नाम हैरियट वेन है।
लॉर्ड सेंट-जॉर्ज स्थिर खड़े रहे और उन्होंने अपने माथे पर जोर से प्रहार किया।
“हे भगवान, मैंने क्या कर दिया? मिस वेन, मैं आपसे क्षमा मांगती हूँ और आपकी दया की भीख मांगती हूँ। अगर मेरे चाचा को इसके बारे में पता चला तो वो मुझे कभी माफ नहीं करेंगे और मैं अपना गला काट लूंगी। मुझे यह बात पूरी तरह समझ आ गई है कि मैंने वो सब कुछ कह दिया है जो मुझे नहीं कहना चाहिए था।”
"यह मेरी गलती है," हैरियट ने कहा, यह देखकर कि वह वास्तव में घबराया हुआ लग रहा था, "मुझे आपको चेतावनी देनी चाहिए थी।"
सच कहूँ तो, मुझे किसी से भी ऐसी बातें कहने का कोई हक नहीं है। मुझे लगता है कि मुझे अपने चाचा की ज़ुबान और माँ की बेअदबी विरासत में मिली है। देखो, भगवान के लिए, ये सब बकवास भूल जाओ। चाचा पीटर बहुत ही अच्छे इंसान हैं, और बेहद नेक हैं।
"मुझे यह जानने का कारण है," हैरियट ने कहा।
“शायद हाँ। वैसे—अरे! लगता है मैं हर तरफ गड़बड़ कर रही हूँ, लेकिन मुझे यह स्पष्ट करना चाहिए कि मैंने उसे कभी आपके बारे में बात करते नहीं सुना। मतलब, वह उस

तरह का आदमी नहीं है। मेरी माँ है। वह तो तरह-तरह की बातें करती है। माफ़ कीजिए। मैं बात को और बिगाड़ रही हूँ।"
"चिंता मत करो," हैरियट ने कहा। "आखिरकार, मैं तुम्हारे चाचा को जानती हूँ—कम से कम इतना तो जानती ही हूँ कि वो किस तरह के इंसान हैं। और मैं तुम्हें किसी के हवाले नहीं करूँगी।"
"भगवान के लिए, ऐसा मत करो। बात सिर्फ इतनी ही नहीं है कि मुझे उससे कुछ और नहीं मिलेगा—और मैं पहले से ही बहुत बड़ी मुसीबत में हूँ—बल्कि उससे एक अजीब सी बेचैनी होती है। मुझे नहीं लगता कि तुमने कभी मेरे चाचा की ज़ुबान का बुरा रूप देखा होगा—बिल्कुल नहीं। लेकिन दोनों में से, मैं तुम्हें खाल उतारने की सलाह दूँगा।"
हम दोनों एक ही नाव में हैं। मुझे सुनने का कोई अधिकार नहीं है। अलविदा—और मेरिंज के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।
वह सेंट एल्डेट्स की आधी चढ़ाई पर ही थी कि विस्काउंट ने उसे पकड़ लिया।
"मैं कहता हूँ—मुझे अभी याद आया। वो पुरानी कहानी जिसे मैंने मूर्खतावश कुरेद दिया था—"
"क्या वो वियना की नर्तकी है?"
"गायक—संगीत ही उसका पेशा है। कृपया इसे भूल जाइए। मेरा मतलब है, यह बात पुरानी हो चुकी है—वैसे भी, यह छह साल पुरानी है। मैं स्कूल में बच्ची थी और मैं दावे से कह सकती हूँ कि यह सब बकवास है।" हैरियट हँसी और वियना के गायक को भूल जाने का पक्का वादा किया।

**अध्याय 9**

हे मित्र, मुझे यह सुनकर बहुत दुख हुआ... तुम लगभग उन्नीस वर्ष के हो चुके हो, कम से कम साढ़े आठ वर्ष के तो हो ही चुके हो, और चूंकि तुम अपना कर्तव्य जानते हो, इसलिए यदि तुम उसकी उपेक्षा करोगे तो तुम्हें उससे भी अधिक दंड मिलेगा जो अज्ञानतावश उसका पालन नहीं करता। यह मत सोचो कि तुम्हारे पूर्वजों की श्रेष्ठता तुम्हें अपनी मनमर्जी करने की स्वतंत्रता देती है, बल्कि इसके विपरीत, यह तुम्हें सद्गुणों का पालन करने के लिए और भी बाध्य करती है।

—पियरे एरोन्डेल

"तो," अगले गुरुवार को दोपहर के भोजन के लिए तेज़ी से हाई टेबल की ओर आते हुए कोषाध्यक्ष ने कहा; "ज्यूक्स को एक बार फिर विपत्ति का सामना करना पड़ा है...."

“क्या उसने फिर चोरी की है?” मिस लिडगेट ने पूछा। “हे भगवान, कितना निराशाजनक!”
“एनी ने मुझे बताया कि उसे काफी समय से शक था, और कल जब उसकी आधे दिन की छुट्टी थी, तो वह श्रीमती ज्यूक्स को यह बताने गई कि उन्हें बच्चों को कहीं और रखना होगा—तभी अचानक! पुलिस अंदर आ गई और उन्होंने होलीवेल में एक स्नातक छात्र के कमरे से दो हफ्ते पहले चोरी हुई बहुत सी चीजें बरामद कर लीं। यह उनके लिए बहुत अप्रिय था—मेरा मतलब एनी के लिए। उन्होंने उससे बहुत सारे सवाल पूछे।”
डीन ने कहा, "मुझे हमेशा से लगता था कि उन बच्चों को वहां रखना एक गलती थी।"
“तो ज्यूक्स ने रात में यही किया,” हैरियट ने कहा। “मैंने सुना था कि उसे यहाँ कॉलेज के बाहर देखा गया था। दरअसल, मैंने ही एनी को यह सूचना दी थी। अफसोस की बात है कि वह बच्चों को पहले ही नहीं ले जा सकी।”
“मुझे लगा कि वह ठीक-ठाक ज़िंदगी जी रहा था,” मिस लिडगेट ने कहा। “उसके पास नौकरी थी—और मुझे पता है कि वह मुर्गियाँ पालता था—और छोटे विल्सन बच्चों, मतलब एनी के बच्चों—के लिए पैसे भी थे—तो बेचारे को चोरी करने की ज़रूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। शायद मिसेज़ ज्यूक्स एक अच्छी प्रबंधक नहीं हैं।”
“ज्यूक्स बहुत बुरा आदमी है,” हैरियट ने कहा। “बिल्कुल घटिया किस्म का आदमी है। उससे छुटकारा पाना ही बेहतर है।”
“क्या उसने बहुत कुछ लिया था?” डीन ने पूछा।
“एनी से मुझे पता चला है कि उन्हें लगता है कि छोटी-मोटी चोरियों के कई मामलों में ज्यूक्स का हाथ है। मुझे लगता है कि मामला यह पता लगाने का है कि उसने ये चीजें कहाँ बेचीं।”
"मुझे लगता है कि वह उन्हें किसी बाड़ के ज़रिए ठिकाने लगा देता होगा," हैरियट ने कहा; "किसी साहूकार या उस तरह के किसी व्यक्ति के ज़रिए। क्या वह पहले कभी जेल जा चुका है?"
“जहां तक मुझे पता है, ऐसा नहीं है,” डीन ने कहा; “हालांकि उन्हें होना चाहिए था।”
"तो मुझे लगता है कि पहली बार अपराध करने वाले के तौर पर उसे हल्की सजा मिलेगी।"
“मिस बार्टन को इस बारे में सब पता होगा। हम उनसे पूछेंगे। मुझे उम्मीद है कि बेचारी श्रीमती ज्यूक्स इसमें शामिल नहीं होंगी,” कोषाध्यक्ष ने कहा।

"बिल्कुल नहीं," मिस लिडगेट चिल्लाईं, "वह तो बहुत अच्छी महिला हैं।"
"उसे इसके बारे में जरूर पता होगा," हैरियट ने कहा, "जब तक कि वह पूरी तरह से मूर्ख न हो।"
“यह जानना कितना भयानक है कि आपका पति चोर था!”
“हां,” डीन ने कहा। “उससे प्राप्त होने वाली आय पर गुजारा करना बहुत असुविधाजनक होगा।”
"भयानक," मिस लिडगेट ने कहा। "मैं एक ईमानदार व्यक्ति की भावनाओं के लिए इससे अधिक भयावह कुछ और कल्पना नहीं कर सकती।"
"तो फिर," हैरियट ने कहा, "हमें श्रीमती ज्यूक्स की खातिर उम्मीद करनी चाहिए कि वह भी उतनी ही दोषी थीं जितना कि वह था।"
“यह कितनी भयानक उम्मीद है!” मिस लिडगेट ने हैरानी से कहा।
"खैर, वह या तो दोषी होगी या दुखी," हैरियट ने आंखों में शरारत भरी चमक के साथ डीन को रोटी देते हुए कहा।
“मैं इस बात से पूरी तरह असहमत हूँ,” मिस लिडगेट ने कहा। “वह या तो निर्दोष और दुखी होगी या दोषी और दुखी—मुझे नहीं लगता कि वह खुश रह सकती है, बेचारी।”
मिस मार्टिन ने कहा, "अगली बार जब हम वार्डन से मिलें, तो उनसे पूछें कि क्या किसी दोषी व्यक्ति के लिए खुश रहना संभव है? और यदि हां, तो खुश रहना बेहतर है या सदाचारी होना?"
“आइए, डीन,” कोषाध्यक्ष ने कहा, “हम इस तरह की हरकत बर्दाश्त नहीं कर सकते। मिस वेन, कृपया डीन के लिए एक कटोरी हेमलॉक ला दीजिए। अब मुद्दे पर आते हैं, पुलिस ने अभी तक श्रीमती ज्यूक्स को गिरफ्तार नहीं किया है, इसलिए मुझे लगता है कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है।”
"मुझे इसकी बहुत खुशी है," मिस लिडगेट ने कहा; और, उसी क्षण मिस शॉ वहाँ पहुँचीं, जो अपने एक विद्यार्थी के बारे में बहुत दुखी थीं, जिसे लगातार सिरदर्द रहता था और वह काम करने में असमर्थ थी, और बातचीत अन्य विषयों की ओर मुड़ गई।
सत्र समाप्त होने वाला था, और जाँच में भी कुछ खास प्रगति नहीं हुई थी; लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि हैरियट की रात की सैर और पुस्तकालय एवं चैपल में हुए घोटालों के विफल होने से भूत-प्रेत पर कुछ हद तक नियंत्रण हो गया था, क्योंकि तीन दिनों तक किसी भी प्रकार की कोई घटना नहीं हुई, यहाँ तक कि शौचालय में कोई शिलालेख या कोई गुमनाम पत्र भी नहीं आया। डीन, जो बेहद व्यस्त थे, इस आराम से राहत महसूस

कर रहे थे, और यह जानकर भी प्रसन्न हुए कि सचिव श्रीमती गुडविन सोमवार को सत्र के अंत की भीड़ को संभालने के लिए वापस आ रही हैं। मिस कैटरमोल अधिक प्रसन्न दिखाई दीं, और उन्होंने मिस हिलयार्ड के लिए हेनरी अष्टम की नौसैनिक नीति पर एक काफी प्रशंसनीय लेख लिखा। हैरियट ने रहस्यमयी मिस डी वाइन को कॉफी पर आमंत्रित किया। हमेशा की तरह, उनका इरादा मिस डी वाइन के रहस्यों को उजागर करने का था, और हमेशा की तरह, उन्होंने खुद को ही उजागर करते हुए पाया।

मिस डी वाइन ने कहा, "मैं आपकी बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि बौद्धिक और भावनात्मक रुचियों को संतुलित करना कितना मुश्किल है। मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ महिलाओं को प्रभावित करता है; यह पुरुषों को भी प्रभावित करता है। लेकिन जब पुरुष अपने निजी जीवन से पहले अपने सार्वजनिक जीवन को प्राथमिकता देते हैं, तो उतना हंगामा नहीं होता जितना कि महिलाओं द्वारा ऐसा करने पर होता है, क्योंकि महिलाएं उपेक्षा को पुरुषों की तुलना में बेहतर ढंग से सहन कर लेती हैं, क्योंकि उन्हें बचपन से ही इसकी आदत होती है।"

“लेकिन मान लीजिए कि किसी को ठीक से पता ही नहीं है कि उसे पहले किसे रखना है। मान लीजिए,” हैरियट ने कहा, ऐसे शब्दों का सहारा लेते हुए जो उसके अपने नहीं थे, “मान लीजिए कि किसी को दिल और दिमाग दोनों का अभिशाप मिला हो?”

मिस डी वाइन ने कहा, "आप आमतौर पर अपनी गलतियों को देखकर यह बता सकते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि जिस काम को आप सच में करना चाहते हैं, उसमें कभी कोई मूलभूत गलती नहीं होती। मूलभूत गलतियाँ सच्ची रुचि की कमी के कारण होती हैं। मेरी राय में तो यही है।"

"मैंने एक बार बहुत बड़ी गलती की थी," हैरियट ने कहा, "जैसा कि आप जानते ही होंगे। मुझे नहीं लगता कि यह रुचि की कमी के कारण हुआ था। उस समय यह दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण चीज लग रही थी।"

“और फिर भी आपने गलती कर दी। क्या आपको लगता है कि आपने सचमुच अपना पूरा ध्यान इस पर लगाया था? आपका पूरा दिमाग? क्या आप सचमुच इस बारे में उतने ही सतर्क और सटीक थे जितने कि आप एक उत्कृष्ट गद्य रचना लिखते समय होते हैं?”

"यह एक मुश्किल तरह की तुलना है। कोई भी उस तरह के उदासीन भाव से भावनात्मक उत्तेजनाओं से निपट नहीं सकता।"

"क्या अच्छी गद्य रचना करना एक भावनात्मक उत्तेजना नहीं है?"

“हाँ, बिल्कुल। कम से कम, जब आप किसी काम को पूरी तरह से सही कर लेते हैं और आपको पता होता है कि वह पूरी तरह से सही है, तो उससे बढ़कर कोई रोमांच नहीं होता। यह अद्‌भुत होता है। इससे आपको ऐसा महसूस होता है जैसे आप सातवें दिन भगवान हों—कम से कम कुछ समय के लिए तो।”
“हाँ, मेरा यही मतलब है। आप मेहनत करते हैं और कोई गलती नहीं करते—और फिर आपको परमानंद का अनुभव होता है। लेकिन अगर कोई ऐसा विषय है जिसमें आप घटिया स्तर से संतुष्ट हैं, तो वह वास्तव में आपका विषय नहीं है।”
“तुम बिलकुल सही कह रही हो,” हैरियट ने कुछ देर रुककर कहा। “अगर किसी को सच में किसी चीज़ में दिलचस्पी हो तो वो सब्र रखना जानता है और समय को बीतने देता है, जैसा कि महारानी एलिजाबेथ ने कहा था। शायद प्रतिभा को शाश्वत धैर्य कहने का यही अर्थ है, जिसे मैं हमेशा बेतुका समझती थी। अगर तुम सच में कोई चीज़ चाहते हो, तो उसे छीनते नहीं; अगर छीनते हो, तो तुम उसे सच में नहीं चाहते। क्या तुम्हें लगता है कि अगर तुम किसी चीज़ के लिए मेहनत कर रहे हो, तो यह इस बात का सबूत है कि वह चीज़ तुम्हारे लिए कितनी महत्वपूर्ण है?”
“मुझे लगता है कि काफी हद तक ऐसा ही है। लेकिन सबसे बड़ा सबूत यह है कि बुनियादी गलतियों के बिना ही सब कुछ ठीक हो जाता है। सतही गलतियाँ तो हमेशा होती ही हैं, लेकिन बुनियादी गलती लापरवाही का पक्का संकेत है। काश आजकल लोगों को यह सिखाया जा सकता कि जो मनचाहा मिल जाए उसे छीन लेने का सिद्धांत गलत है।”
“मैंने इस सर्दी में लंदन में छह नाटक देखे,” हैरियट ने कहा, “सभी छीन-झपट के सिद्धांत का प्रचार कर रहे थे। मैं इस बात से सहमत हूँ कि उन्हें देखने के बाद मुझे यह एहसास हुआ कि किसी भी किरदार को यह नहीं पता था कि वे क्या चाहते हैं।”
“नहीं,” मिस डी वाइन ने कहा। “अगर आपको एक बार पक्का पता चल जाए कि आप क्या चाहते हैं, तो आप पाएंगे कि बाकी सब कुछ उसके सामने ऐसे खिसक जाता है जैसे रोलर के नीचे घास खिसकती है—आपके और दूसरों के सभी हित। मिस लिडगेट को मेरा यह कहना पसंद नहीं आएगा, लेकिन यह बात उन पर भी उतनी ही लागू होती है जितनी किसी और पर। वह दुनिया की सबसे दयालु आत्मा हैं, उन चीजों में जिनके प्रति वह उदासीन हैं, जैसे ज्यूक्स का गबन। लेकिन मिस्टर एल्कबॉटम के छंदशास्त्रीय सिद्धांतों पर उन्हें ज़रा भी दया नहीं आती। वह मिस्टर एल्कबॉटम को फांसी से बचाने के लिए भी उनका समर्थन नहीं करेंगी। वह कहेंगी कि वह ऐसा नहीं कर सकतीं। और

बेशक, वह ऐसा नहीं कर सकतीं। अगर वह सचमुच मिस्टर एल्कबॉटम को अपमान से तड़पते हुए देखें, तो उन्हें दुख होगा लेकिन वह एक पैराग्राफ भी नहीं बदलेंगी। यह राजद्रोह होगा। जब किसी के अपने काम की बात हो तो कोई दया नहीं दिखा सकता। मुझे लगता है कि आप खुशी-खुशी किसी भी बात पर झूठ बोल देंगी, सिवाय—किस बात पर?"

"अरे, कुछ भी!" हैरियट हंसते हुए बोली। "सिवाय इसके कि किसी की घटिया किताब को अच्छा कह दूं जबकि वह अच्छी न हो। मैं ऐसा नहीं कर सकती। इससे मेरे कई दुश्मन बन जाएंगे, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती।"

"नहीं, ऐसा नहीं हो सकता," मिस डी वाइन ने कहा। "चाहे कितना भी कष्टदायक हो, अगर मन में कोई बात है, तो हमेशा एक ऐसी बात होती है जिससे ईमानदारी से निपटना पड़ता है। मुझे अपने अनुभव से यह पता है। बेशक, वह बात भावनात्मक भी हो सकती है; मैं यह नहीं कह रही कि ऐसा नहीं हो सकता। कोई व्यक्ति सारे पाप कर ले, फिर भी किसी एक व्यक्ति के प्रति वफादार और ईमानदार बना रहे। अगर ऐसा है, तो शायद वही एक व्यक्ति उसका नियत कर्तव्य है। मैं इस तरह की वफादारी को तुच्छ नहीं समझ रही; बस इतना ही कहना है कि यह मेरी वफादारी नहीं है।"

"क्या आपने यह बात एक मूलभूत गलती करके पता लगाई?" हैरियट ने थोड़ी घबराहट के साथ पूछा।

"जी हां," मिस डी वाइन ने कहा। "एक बार मेरी सगाई किसी से हुई थी। लेकिन मैंने हमेशा की तरह गलतियां कीं—उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाई, मूर्खतापूर्ण काम किए, उनके बारे में छोटी-छोटी गलतियां कीं। अंत में मुझे एहसास हुआ कि एक विवादित व्याख्या को लेकर मैं उनके साथ उतनी मेहनत नहीं कर रही थी जितनी मुझे करनी चाहिए थी। इसलिए मैंने तय किया कि उनकी देखभाल करना मेरा काम नहीं है।" वह मुस्कुराईं। "इसके बावजूद, मैं उनसे ज़्यादा प्यार करती थी जितना वे मुझसे करते थे। उन्होंने एक बेहतरीन महिला से शादी की है जो उनके प्रति समर्पित है और उनकी देखभाल को ही अपना काम मानती है। मुझे लगता है कि वे खुद एक पूरा समय का काम हैं। वे एक चित्रकार हैं और अक्सर दिवालिया होने की कगार पर रहते हैं; लेकिन वे बहुत अच्छी पेंटिंग करते हैं।"

"मेरा मानना है कि किसी से भी शादी नहीं करनी चाहिए, जब तक कि वह उसे पूर्णकालिक नौकरी बनाने के लिए तैयार न हो।"

"शायद नहीं; हालांकि मेरा मानना है कि कुछ ऐसे दुर्लभ लोग भी हैं जो खुद को नौकरी के रूप में नहीं बल्कि साथी प्राणियों के रूप में लेते हैं।"
“मुझे लगता है कि फीबी टकर और उनके पति भी ऐसे ही थे,” हैरियट ने कहा। “आप उनसे गौडी में मिली थीं। उनका सहयोग कारगर लगता है। लेकिन पत्नियों के अपने पतियों के काम से ईर्ष्या करने और पतियों के अपनी पत्नियों की रुचियों से ईर्ष्या करने के कारण, ऐसा लगता है कि हममें से अधिकांश ने खुद को नौकरी ही समझ लिया है।”
मिस डी वाइन ने कहा, “नौकरी करने का सबसे बुरा पहलू यह है कि इसका किसी के चरित्र पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। मुझे उस व्यक्ति के लिए बहुत दुख होता है जो किसी और की नौकरी बन जाता है; वह (या वह, बेशक) अंततः या तो दूसरों को निगल जाता है या खुद निगल लिया जाता है, और दोनों ही स्थितियाँ बुरी होती हैं। मेरे चित्रकार ने अपनी पत्नी को निगल लिया है, हालाँकि उनमें से किसी को भी इसका पता नहीं है; और बेचारी मिस कैटरमोल को अपने माता-पिता की नौकरी से पहचाने जाने और उसी नौकरी में निगल लिए जाने का गंभीर खतरा है।”
तो फिर आप लोग इस अवैयक्तिक नौकरी के पक्ष में हैं?
“मैं हूँ,” मिस डी वाइन ने कहा।
"लेकिन आप कहते हैं कि आप उन लोगों से नफरत नहीं करते जो किसी दूसरे व्यक्ति को अपना काम बना लेते हैं?"
मिस डी वाइन ने कहा, "उनसे नफरत करने के बजाय, मुझे लगता है कि वे खतरनाक हैं।"
क्राइस्ट चर्च,
शुक्रवार।
प्रिय मिस वेन,
अगर आप मेरे पिछले दिन के मूर्खतापूर्ण व्यवहार को माफ कर दें, तो क्या आप सोमवार को दोपहर 1 बजे मेरे साथ लंच पर आएँगे? कृपया आएँ। मैं अब भी आत्महत्या करने के बारे में सोच रहा हूँ, इसलिए यह सबके लिए एक तरह का परोपकार ही होगा। मुझे उम्मीद है कि मेरिंग्यूज़ सुरक्षित घर पहुँच गए होंगे।
आपका अत्यंत हार्दिक धन्यवाद,
सेंट-जॉर्ज
मेरे प्यारे नौजवान, हैरियट ने इस भोले-भाले निमंत्रण को स्वीकार करते हुए मन ही मन सोचा, अगर तुम्हें लगता है कि मैं इसे समझ नहीं सकती, तो तुम बहुत बड़ी गलती कर

रहे हो। यह मेरे लिए नहीं, बल्कि अंकल पियरे की सुंदर आँखों के लिए है। लेकिन घर की रसोई से निकलने वाले खाने से भी बदतर खाना मिलता है, और मैं जाऊंगी। वैसे, मैं यह जानना चाहूंगी कि तुम कितना पैसा खर्च कर रहे हो। डेनवर के वारिस को अंकल पीटर से मदद मांगे बिना भी अपने दम पर काफी अमीर होना चाहिए। हे भगवान! जब मैं सोचती हूँ कि मुझे कॉलेज की फीस, कपड़े और मौज-मस्ती करने के लिए हर सेमेस्टर में पाँच पाउंड दिए जाते थे! तुम्हें मुझसे ज़्यादा सहानुभूति या समर्थन नहीं मिलेगा, मेरे स्वामी।

अब भी उसी गंभीर मनोदशा में, वह सोमवार को सेंट एल्डेट्स की ओर गाड़ी चलाकर गई और टॉम टॉवर के नीचे चौकीदार से लॉर्ड सेंट-जॉर्ज के बारे में पूछताछ की; लेकिन उसे बताया गया कि लॉर्ड सेंट-जॉर्ज कॉलेज में नहीं हैं।

"ओह!" हैरियट ने घबराते हुए कहा, "लेकिन उन्होंने मुझे दोपहर के भोजन पर बुलाया है।"

"कितने अफसोस की बात है कि आपको इसकी जानकारी नहीं दी गई, महोदया। लॉर्ड सेंट-जॉर्ज का शुक्रवार रात को एक भयानक सड़क दुर्घटना हो गई। वे अस्पताल में भर्ती हैं। क्या आपने अखबारों में यह खबर नहीं देखी?"

नहीं, मुझसे छूट गया। क्या उसे गंभीर चोट लगी है?

“हमें पता चला है कि उनके कंधे में चोट आई है और सिर पर गहरा घाव हो गया है,” कुली ने अफसोस जताते हुए, लेकिन बुरी खबर सुनाने में थोड़ी खुशी के साथ कहा। “वे चौबीस घंटे तक बेहोश रहे; लेकिन हमें बताया गया है कि अब उनकी हालत में सुधार हो रहा है। ड्यूक और डचेस वापस अपने देश के लिए रवाना हो गए हैं।”

“अरे बाप रे!” हैरियट ने कहा। “यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मुझे जाकर पता करना चाहिए। क्या आपको पता है कि उन्हें अभी तक किसी से मिलने की इजाज़त मिली है या नहीं?” चौकीदार ने उसे पिता तुल्य नज़रों से देखा, जिससे उसे लगा कि अगर वह स्नातक की छात्रा होती तो जवाब 'नहीं' होता। “मुझे लगता है, महोदया,” चौकीदार ने कहा, “श्रीमान डैनवर्स और लॉर्ड वारबॉयज़ को आज सुबह उनके लॉर्डशिप से मिलने की इजाज़त मिली थी। मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता। माफ़ कीजिएगा—श्रीमान डैनवर्स अभी-अभी चौक पार कर रहे हैं। मैं पता लगाता हूँ।” वह अपने कांच के पिंजरे से बाहर निकला और मिस्टर डैनवर्स का पीछा करने लगा, जो तुरंत दौड़ते हुए लॉज की ओर आ गए।

श्री डैनवर्स ने कहा, “जी हाँ, क्या आप मिस वेन हैं? बेचारे सेंट-जॉर्ज को अभी-अभी आपके बारे में याद आया है। उन्हें बहुत अफ़सोस है, और मुझे आपको खाना खिलाने के लिए बुलाया गया था। कोई परेशानी नहीं—मुझे बहुत खुशी होगी। हमें आपको बता देना चाहिए था, लेकिन बेचारे बुरी तरह बेहोश हो गए थे। और फिर, परिवार के लोग इधर-उधर भाग-दौड़ कर रहे थे—क्या आप डचेस को जानती हैं?—नहीं?—अरे! खैर, वह आज सुबह चली गईं, और फिर मुझे उनके पास जाने और निर्देश लेने की अनुमति मिली। बहुत-बहुत क्षमा याचना।”
"यह कैसे हुआ?"
श्री डैनवर्स ने मुंह बनाते हुए कहा, "जनता की जान को खतरे में डालकर रेसिंग कार चलाना।" गेट बंद होने से पहले निकलने की कोशिश कर रहे थे। संयोग से, मौके पर कोई पुलिस नहीं थी, इसलिए हमें ठीक से पता नहीं चला कि क्या हुआ। शुक्र है, कोई मरा नहीं। सेंट-जॉर्ज ने मानो एक टेलीग्राफ के खंभे को टक्कर मार दी, सिर के बल गिरे और कंधे के बल लुढ़क गए। किस्मत अच्छी थी कि उनकी कार का शीशा खुला था, वरना उनका चेहरा ही नहीं बचता। कार पूरी तरह से बर्बाद हो गई है, और मुझे नहीं पता कि वो क्यों बच गए। लेकिन उन सभी विम्सी लोगों की तो बिल्लियों की तरह कई जानें होती हैं। अंदर आ जाओ। ये मेरे कमरे हैं। मुझे उम्मीद है कि तुम हमेशा की तरह मेमने के कटलेट खा लोगे—कुछ खास सोचने का समय नहीं था। लेकिन मुझे खास तौर पर सेंट-जॉर्ज की नीरस्टाइनर '23 ढूंढने और उसके साथ अंकल पीटर का ज़िक्र करने का आदेश दिया गया था। क्या यह सही है? मुझे नहीं पता कि अंकल पीटर ने इसे खरीदा था या इसकी सिफारिश की थी या बस इसका आनंद लिया था, या इसमें उनका क्या हाथ था, लेकिन मुझे यही कहने को कहा गया था।
हैरियट हंस पड़ी। "अगर उसने इनमें से कोई भी काम किया, तो सब ठीक हो जाएगा।"
नीरस्टाइनर रेस्टोरेंट शानदार था, और हैरियट ने बड़े चाव से अपना दोपहर का भोजन किया, और मिस्टर डैनवर्स को एक सुखद मेजबान पाया।
श्री डैनवर्स ने उन्हें धीरे-धीरे द्वार तक ले जाते हुए कहा, “और जाइए, मरीज़ से मिलिए। वह बिल्कुल स्वस्थ हैं और किसी से मिलने से उनका मन प्रसन्न हो जाएगा। वह निजी वार्ड में हैं, इसलिए आप कभी भी उनसे मिल सकती हैं।”
“मैं अभी तुरंत जाऊंगी,” हैरियट ने कहा।

“करो,” श्री डैनवर्स ने कहा। “क्या है?” उन्होंने हाथ में एक पत्र लिए बाहर आए कुली की ओर मुड़ते हुए पूछा। “ओह, सेंट जॉर्ज के लिए कुछ है। ठीक है। जी हाँ। मुझे उम्मीद है कि अगर वह महिला अभी जा रही हैं, तो वह इसे ले लेंगी। अगर नहीं, तो यह संदेशवाहक के लिए इंतज़ार कर सकता है।”
हैरियट ने पत्र पर लिखे नाम को देखा। “विस्काउंट सेंट-जॉर्ज, क्राइस्ट चर्च, ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड।” इटली की मुहर न होने के बावजूद, यह स्पष्ट था कि यह पत्र कहाँ से आया है। “मैं इसे ले लूँगी,” उसने कहा—“यह ज़रूरी हो सकता है।”
लॉर्ड सेंट-जॉर्ज, जिनका दाहिना हाथ पट्टी में बंधा था, माथा और एक आंख पट्टियों से ढकी हुई थी और दूसरी आंख काली और खून से लाल थी, स्वागत और क्षमादान में भरपूर थे।
मुझे उम्मीद है कि डैनवर्स ने आपका अच्छे से ख्याल रखा होगा। आपका साथ आना वाकई बहुत अच्छा लगा।
हैरियट ने पूछा कि क्या उसे गंभीर चोट लगी है।
“खैर, इससे बुरा भी हो सकता था। मुझे लगता है अंकल पीटर इस बार बाल-बाल बच गए, लेकिन बस सिर पर हल्की चोट और कंधे में फ्रैक्चर हुआ है। और सदमा, चोटें वगैरह। मेरी औकात से बहुत कम। रुको और मुझसे बात करो। अकेले रहना बहुत उबाऊ है, और मेरी एक ही आंख है और उससे ठीक से देख भी नहीं सकती।”
"क्या बात करने से तुम्हारा सिर दर्द नहीं होगा?"
“इससे ज्यादा दर्द तो नहीं हो सकता जितना पहले से है। और तुम्हारी आवाज भी अच्छी है। कृपया यहीं रहो।”
मैं आपके लिए कॉलेज से एक पत्र लेकर आया हूँ।
"शायद कोई फीका-फीका सा आदमी होगा।"
नहीं। यह रोम से है।
“अंकल पीटर। हे भगवान! मुझे लगता है कि मुझे सबसे बुरी बात जान लेनी चाहिए।”
उसने उसे उसके बाएं हाथ में रख दिया और उसकी उंगलियों को उस चौड़ी लाल मुहर पर धीरे-धीरे चलते हुए देखा।
उफ़! सीलिंग-वैक्स और पारिवारिक प्रतीक चिन्ह। मैं समझ गया इसका क्या मतलब है। अंकल पीटर अपने सबसे रूढ़िवादी रूप में हैं।
वह अधीरता से उस सख्त लिफाफे से जूझ रहा था।
"क्या मैं इसे आपके लिए खोल दूं?"

"काश तुम ऐसा कर पाते। और, देखो—कृपा करके मुझे पढ़कर सुनाओ। मेरी दोनों आँखें ठीक हैं, फिर भी उसकी मुट्ठी पढ़ना थोड़ा मुश्किल है।"
हैरियट ने पत्र निकाला और शुरुआती शब्दों पर एक नजर डाली।
"यह काफी निजी लग रहा है।"
“नर्स से तो तुम ही बेहतर हो। वैसे भी, थोड़ी सी स्त्री सहानुभूति से मैं इसे बेहतर ढंग से सहन कर सकती हूँ। वैसे, क्या यहाँ कोई घेरा है?”
“कोई बाड़ा नहीं। बिलकुल नहीं।”
मरीज कराह उठा।
अंकल पीटर भौंकने लगते हैं। बात बिगड़ गई। अब शुरुआत कैसे होगी? अगर यह 'घेरकिन्स' है, या 'जेरी' है, या फिर 'जेराल्ड' भी है, तो अभी भी उम्मीद बाकी है।
“यह शुरू होता है, ‘मेरे प्यारे सेंट-जॉर्ज’।”
“अरे बाप रे! फिर तो वो सच में बहुत गुस्से में है। और उसने अपने सारे शुरुआती अक्षरों से हस्ताक्षर कर दिए, क्या?”
हैरियट ने पत्र को पलट दिया।
"उन्होंने अपने सभी नाम पूरे लिखकर हस्ताक्षर किए।"
“बेहद क्रूर! मुझे पहले से ही आभास था कि वह इसे आसानी से स्वीकार नहीं करेगा। अब मैं क्या करूँ, समझ नहीं आ रहा।”
वह इतना बीमार लग रहा था कि हैरियट ने कुछ चिंता के साथ कहा:
"क्या हमें इसे कल तक के लिए छोड़ देना बेहतर नहीं होगा?"
नहीं। मुझे अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी। आगे बढ़ो। अपने छोटे बेटे से प्यार से बात करो। मुझे भी गाकर सुनाओ। इसकी बहुत ज़रूरत होगी।
*मेरे प्रिय सेंट-जॉर्ज,*
*यदि मैंने आपके अस्पष्ट विवरण को सही ढंग से समझा है, तो आपने एक ऐसे ऋण का भुगतान किया है जिसकी राशि आपके पास नहीं है। आपने उस ऋण का भुगतान एक चेक से किया है, जिसे चुकाने के लिए आपके पास पैसे नहीं थे। इसके बदले में, आपने एक मित्र से ऋण लिया है, उसे एक पोस्ट-डेटेड चेक दिया है, जिसके भुगतान की भी आपको कोई गारंटी नहीं है। आप सुझाव देते हैं कि मैं छह महीने के लिए आपके बिल का भुगतान कर दूं; ऐसा न करने पर, आप या तो (क) "फिर से लेवी से संपर्क करेंगे" या (ख) आत्महत्या कर लेंगे। पहला विकल्प, जैसा कि आप स्वयं स्वीकार करते हैं,*

*आपकी अंतिम देनदारी को बढ़ा देगा; दूसरा, जैसा कि मैं स्वयं स्पष्ट करना चाहूंगा, आपके मित्र को मुआवज़ा नहीं देगा, बल्कि दिवालियापन में और बदनामी जोड़ देगा।*
लॉर्ड सेंट-जॉर्ज अपने तकियों पर बेचैनी से करवटें बदलने लगे। "उसके बात कहने का तरीका बहुत ही घिनौना और स्पष्ट है।"
*आपने बड़ी मेहरबानी करके कहा कि आप अपने पिता के बजाय मुझसे संपर्क कर रहे हैं, क्योंकि आपके विचार में इस संदिग्ध वित्तीय मामले में मेरे सहानुभूति दिखाने की संभावना अधिक है। आपकी इस राय से मुझे कोई खुशी नहीं हुई।*
“मेरा मतलब बिल्कुल वो नहीं था,” विस्काउंट ने कराहते हुए कहा। “वो अच्छी तरह जानता है कि मेरा क्या मतलब है। गवर्नर तो आग बबूला हो जाएगा। धिक्कार है, ये सब उसकी अपनी गलती है! उसे मुझसे इतनी सख्ती से बात नहीं करनी चाहिए थी। वो क्या उम्मीद करता है? अपनी जवानी में उसने जितना पैसा उड़ाया, उसे देखते हुए उसे कुछ तो पता होना चाहिए। और अंकल पीटर की तो खूब कमाई है—अगर वो थोड़ा पैसा दे दे तो कोई नुकसान नहीं होगा।”
"मुझे नहीं लगता कि मामला पैसों का है, बल्कि फर्जी चेकों का है, है ना?"
“यही तो मुसीबत है। आखिर जब उसकी तलाश हो रही है, तभी वो रोम क्यों भाग जाता है? उसे पता है कि अगर मुझे कोई बहाना मिल जाता तो मुझे ज़रा भी परवाह नहीं होती। लेकिन अगर वो वहाँ नहीं होता तो मैं उस तक पहुँच ही नहीं पाता। खैर, आगे पढ़िए। चलिए सबसे बुरी बात सुनते हैं।”
*मुझे भलीभांति पता है कि आपकी असामयिक मृत्यु के परिणामस्वरूप मैं इस उपाधि का संभावित उत्तराधिकारी बन जाऊंगा।*
“संभावित उत्तराधिकारी?... ओह, अब समझ में आया। मेरी माँ की मृत्यु हो सकती है और मेरे पिता दोबारा शादी कर लेंगे। धूर्त और चालाक।”
*मैं इस उपाधि और संपत्ति का संभावित उत्तराधिकारी हूँ। हालाँकि ऐसी विरासत को संभालना थकाऊ हो सकता है, लेकिन आप मुझे यह सुझाव देने के लिए क्षमा करेंगे कि मैं आपसे अधिक ईमानदार प्रबंधक साबित हो सकता हूँ।*
“अरे बाप रे! ये तो आँख में चुभने वाला वार है,” विस्काउंट ने कहा। “अगर ये रक्षा पंक्ति टूट गई, तो सब कुछ खत्म हो गया।”
*आपने मुझे याद दिलाया कि अगले जुलाई में जब आप बालिग हो जाएंगे, तो आपको बढ़ी हुई भत्ता राशि मिलेगी। हालांकि, आपने जो राशि बताई है, वह भी उच्च वेतनमान पर लगभग एक वर्ष की आय के बराबर है, इसलिए छह महीने में अपना बिल चुकाने*

*की आपकी संभावना बहुत कम लगती है; और मुझे यह भी समझ नहीं आ रहा है कि इतनी अधिक आय का अनुमान लगाने के बाद आप किस आधार पर अपना गुजारा करेंगे। इसके अलावा, मैं यह बिल्कुल नहीं मानता कि यह राशि आपकी पूरी देनदारी है।*

“धिक्कार है उस विचार-पाठक पर!” महाराज गुर्राए। “बेशक ऐसा नहीं है। लेकिन उसे कैसे पता?”

*इन परिस्थितियों में, मुझे आपके बिल का समर्थन करने या आपको पैसे उधार देने से इनकार करना होगा।*

“बस, बात यहीं खत्म होती है। उसने पहले ही क्यों नहीं बताया?”

*लेकिन चूंकि आपने चेक पर हस्ताक्षर किए हैं, और उस नाम का अनादर नहीं होना चाहिए, इसलिए मैंने अपने बैंकर्स को निर्देश दिया है—*

“आइए! यह थोड़ा बेहतर लग रहा है। अच्छे पुराने अंकल पीटर! आप हमेशा पारिवारिक नाम का इस्तेमाल करके उन्हें मना सकते हैं।”

*मैंने अपने बैंकर्स को आपके चेक का भुगतान करने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।*

“चेक, या चेक?”

"चेक, बहुवचन में; बिल्कुल स्पष्ट रूप से।"

*—अब से लेकर मेरे इंग्लैंड लौटने तक, जब मैं आपसे मिलने आऊँगा, अपने चेकों का भुगतान कर दें। यह संभवतः ट्रिनिटी टर्म के अंत से पहले होगा। मैं आपसे अनुरोध करूँगा कि आप उस समय तक अपने सभी दायित्वों का भुगतान कर दें, जिसमें ऑक्सफ़ोर्ड के बकाया ऋण और इज़राइल के बच्चों के प्रति आपकी ज़िम्मेदारियाँ शामिल हैं।*

"मानवता की पहली झलक," विस्काउंट ने कहा।

*क्या मैं आपको एक छोटी सी सलाह भी दे सकता हूँ? ध्यान रखें कि शौकिया पेशेवर खिलाड़ी बेहद लालची होते हैं। यह बात महिलाओं और ताश खेलने वालों दोनों पर लागू होती है। अगर आपको दांव लगाना ही है, तो उचित कीमत पर और दोनों तरफ से दांव लगाएं। और अगर आप जानबूझकर अपना दिमाग उड़ाना चाहते हैं, तो किसी ऐसी जगह पर करें जहाँ गंदगी और असुविधा न हो।*

*आपका स्नेही चाचा,*

*पीटर डेथ ब्रेडन विम्सी*

“वाह!” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने कहा, “यह तो बहुत बुरा है! मुझे लगता है कि आखिरी पैराग्राफ में थोड़ी नरमी आई है। वरना, मैं कह सकता हूँ कि पीड़ित के दर्द भरे माथे को शांत करने के लिए इससे बुरा पत्र कभी नहीं आया। आपका क्या विचार है?”
हैरियट ने मन ही मन मान लिया कि यह उस तरह का पत्र नहीं था जिसे वह पाना चाहे। दरअसल, इसमें पीटर की लगभग हर वो बात झलकती थी जिससे उसे सबसे ज़्यादा नफ़रत थी; उसका घमंडी अहंकार, जाति का अभिमान और उसकी उदारता जो मानो चेहरे पर एक तमाचा थी। हालाँकि:—
“उसने आपकी अपेक्षा से कहीं अधिक काम किया है,” उसने कहा। “जहाँ तक मैं देख सकती हूँ, आपको पचास हज़ार का चेक निकालने और सारा पैसा हड़पने से रोकने वाली कोई बात नहीं है।”
“यही तो असली मुसीबत है। उसने मुझे पूरी तरह से अपने शिकंजे में ले लिया है। उसने सारा काम मुझ पर छोड़ दिया है। मुझे लगा था कि शायद वो मेरे लिए हिसाब चुका देगा, लेकिन उसने मुझे ही छोड़ दिया है और हिसाब तक नहीं मांगा। इसका मतलब है कि अब तो करना ही पड़ेगा। मुझे समझ नहीं आ रहा कि इससे कैसे बचूँ। वो लोगों को परेशान करने के बड़े-बड़े तरीके जानता है। हे भगवान! मेरा सिर चकरा रहा है।”
"बेहतर होगा कि तुम चुप रहो और सोने की कोशिश करो। अभी तुम्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।"
“नहीं। एक मिनट रुकिए। कहीं मत जाइए। चेक ठीक है, यही सबसे ज़रूरी बात है। अच्छा ही हुआ, क्योंकि इस हालत में कहीं और हवा निकालना मेरे लिए मुश्किल होता। एक बात और है—मैं इस हाथ का इस्तेमाल नहीं कर सकता, इसलिए मुझे कृतज्ञता से भरा कोई लंबा-चौड़ा पश्चाताप पत्र नहीं लिखना पड़ेगा।”
क्या उसे तुम्हारी दुर्घटना के बारे में पता है?
“जब तक आंटी मैरी ने उन्हें चिट्ठी न लिखी हो, तब तक नहीं। मेरी दादी रिवेरा में हैं, और मुझे नहीं लगता कि मेरी बहन को यह ख्याल आएगा। वह स्कूल में है। गवर्नर कभी किसी को चिट्ठी नहीं लिखते, और मेरी माँ तो अंकल पीटर को चिट्ठी लिखने की ज़हमत ही नहीं उठाएँगी। देखिए, मुझे कुछ तो करना ही होगा। मतलब, वो बुज़ुर्ग तो सच में बहुत अच्छे इंसान हैं। क्या आप मुझे एक लाइन लिखकर सब कुछ समझा नहीं सकते! मैं अपने परिवार को इस बारे में बताना नहीं चाहती।”
मैं ऐसा जरूर करूंगा।

“उसे बता दो कि मैं अपना पहचाने जाने योग्य हस्ताक्षर करते ही ये सारे कर्ज़ चुका दूँगा। सोचो ज़रा, अंकल पीटर के ढेर सारे कर्ज़ पर हाथ धरे बैठे रहना और चेक पर हस्ताक्षर न कर पाना। बिल्ली को हँसी आ जाए, है ना? कह दो कि मैं—क्या कहते हैं वो मुहावरा?—उसके भरोसे की कदर करता हूँ और उसे निराश नहीं करूँगा। लो! उस जग में से थोड़ा सा मुझे दे दोगे क्या? मुझे तो ऐसा लग रहा है जैसे मैं उस जगह डाइव्स हूँ।”

उसने कृतज्ञतापूर्वक ठंडे पेय को गटक लिया।

“नहीं, धिक्कार है! मुझे कुछ करना ही होगा। पिताजी बहुत चिंतित हैं। मुझे लगता है मैं अपनी उंगलियों से किसी तरह काम चला सकता हूँ। मुझे एक पेंसिल और कागज़ ला दो, मैं कोशिश करता हूँ।”

मुझे नहीं लगता कि आपको ऐसा करना चाहिए।

“हाँ, मुझे यही करना होगा। और चाहे कुछ भी हो जाए, मैं करूँगा। मेरे लिए कुछ ढूंढो, जान।” उसने लिखने का सामान ढूंढा और कागज को पकड़े रखा जबकि वह कुछ लड़खड़ाते हुए शब्द लिख रहा था। दर्द से उसे पसीना आ रहा था; कंधे का जोड़ जो अपनी जगह से हट गया हो और फिर वापस अपनी जगह पर आ गया हो, अगले दिन आराम की बात नहीं होती; लेकिन उसने हिम्मत जुटाई और काम पूरा किया।

“देखो,” उसने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, “यह तो बहुत ही दयनीय लग रहा है। अब यह तुम पर निर्भर है। मेरे लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो, ठीक है ना?”

हैरियट ने सोचा, शायद पीटर अपने भतीजे के साथ सही व्यवहार करना जानता था। लड़का दूसरों के पैसे को अपना मानने में ज़रा भी संकोच नहीं करता था; और शायद, अगर पीटर ने बस उसका बिल चुका दिया होता, तो वह अपने चाचा को आसान शिकार समझकर उसी तरह और नोट जारी कर देता। लेकिन ऐसा नहीं था, वह रुककर सोचने को तैयार लग रहा था। और उसमें वह गुण था, जो हैरियट में नहीं था - कृतज्ञता का भाव। उसकी आसानी से दूसरों की मदद स्वीकार करना सतहीपन की निशानी हो सकती है; फिर भी, उस दर्द भरे नोट को लिखने में उसे कुछ तो कीमत चुकानी पड़ी थी।

हॉल से निकलने के बाद जब वह अपने कमरे में पीटर को पत्र लिखने बैठी, तब उसे एहसास हुआ कि उसका काम कितना मुश्किल होने वाला है। लॉर्ड सेंट-जॉर्ज से अपनी जान-पहचान का संक्षिप्त विवरण और उनकी दुर्घटना का तसल्ली भरा ब्योरा लिखना तो बच्चों का खेल था। मुश्किलें तो उस नौजवान की आर्थिक स्थिति से शुरू

हुईं। उसका पहला मसौदा आसानी से लिखा गया; उसमें थोड़ा हास्य था और उससे उपकारक को यह समझ में आ गया था कि उसके कीमती मरहम पाने वाले का दिमाग खराब करने के लिए बनाए गए थे, जहाँ दूसरे लोगों ने पहले से ही उसका दिमाग खराब नहीं किया था। उसे यह पत्र लिखने में काफी मज़ा आया। लेकिन जब उसने इसे दोबारा पढ़ा, तो उसे निराशा हुई क्योंकि इसमें दखलंदाज़ी और गुस्ताखी का भाव था। उसने उसे फाड़ दिया।

छात्र गलियारे में ज़ोर-ज़ोर से पैर पटक रहे थे और हंस रहे थे। हैरियट ने उन्हें थोड़ी देर के लिए कोसा और फिर कोशिश की।

दूसरे मसौदे की शुरुआत कुछ अटपटे ढंग से हुई: "प्रिय पीटर—मैं आपके भतीजे की ओर से लिख रहा हूँ, जो दुर्भाग्यवश—"

जब यह रचना पूरी हुई, तो इससे यह आभास हुआ कि वह अपने चाचा और भतीजे दोनों को ही बिल्कुल नापसंद करती थी और जहाँ तक संभव हो, उनके मामलों से खुद को अलग रखना चाहती थी।

उसने उसे फाड़ दिया, छात्रों को फिर से कोसा और तीसरा मसौदा तैयार किया। जब यह पूरा हुआ, तो यह युवा पापी के पक्ष में एक मार्मिक और वास्तव में शक्तिशाली विशेष दलील साबित हुई, लेकिन इसमें कृतज्ञता और पश्चाताप का बहुत कम अंश था, जिसे व्यक्त करने के लिए उसे निर्देश दिया गया था। चौथा मसौदा, इसके विपरीत दिशा में भटकते हुए, केवल अतिशयोक्तिपूर्ण था।

“मुझे आखिर हो क्या गया है?” उसने जोर से कहा। “(धिक्कार है उन शोर मचाने वाले बच्चों पर!) मैं किसी दिए गए विषय पर अंग्रेजी का एक सीधा-सादा लेख क्यों नहीं लिख सकती?”

जब उसने एक बार इस सीधे-सादे प्रश्न में निहित कठिनाई को स्पष्ट कर लिया, तो तटस्थ बुद्धि ने विनम्रतापूर्वक अपने अकादमिक कार्य को अंजाम दिया और उत्तर प्रस्तुत किया।

"क्योंकि, चाहे आप इसे किसी भी तरह से कहें, इन सब बातों से उसके स्वाभिमान को बहुत ठेस पहुंचेगी।"

उत्तर सही घोषित किया गया।

संक्षेप में, उसके कहे गए शब्द ये थे: आपका भतीजा मूर्खतापूर्ण और बेईमानी भरा व्यवहार कर रहा है, और मैं ये जानती हूँ; उसके अपने माता-पिता से संबंध अच्छे नहीं हैं, और ये भी मैं जानती हूँ; उसने मुझे अपने भरोसे में लिया है और, उससे भी बढ़कर,

आपके भरोसे में, जहाँ मुझे होने का कोई अधिकार नहीं है; वास्तव में, मैं बहुत सी ऐसी बातें जानती हूँ जो आप नहीं चाहते कि मैं जानूँ, और आप इसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर सकते।

दरअसल, उनकी जान-पहचान में पहली बार, वह पीटर विम्सी पर हावी थी, और अगर वह चाहती तो उसकी अभिजात्य नाक को मिट्टी में मिला सकती थी। चूंकि वह पांच साल से ऐसे अवसर की तलाश में थी, इसलिए अगर वह इसका लाभ उठाने में जल्दबाजी नहीं करती तो यह अजीब होता।

धीरे-धीरे और असहनीय पीड़ा के साथ, उसने पांचवें मसौदे पर काम शुरू किया।

प्रिय पीटर,

मुझे नहीं पता कि आपको पता है या नहीं कि आपका भतीजा अस्पताल में भर्ती है और एक गंभीर सड़क दुर्घटना से उबर रहा है। उसका दाहिना कंधा अपनी जगह से हट गया है और सिर पर गहरी चोट आई है; लेकिन उसकी हालत में सुधार हो रहा है और वह भाग्यशाली है कि उसकी जान बच गई। बताया जाता है कि वह एक टेलीग्राफ के खंभे से टकरा गया था। मुझे पूरी जानकारी नहीं है; शायद आपने उसके परिवार वालों से पहले ही सुन लिया होगा। कुछ दिन पहले मेरी उससे अचानक मुलाकात हुई थी और मुझे दुर्घटना के बारे में आज ही पता चला, जब मैं उससे मिलने गया था।

अब तक तो सब ठीक है; अब बारी है मुश्किल हिस्से की।

उनकी एक आंख पर पट्टी बंधी थी और दूसरी बुरी तरह सूजी हुई थी, इसलिए उन्होंने मुझसे कहा कि मैं उन्हें वह पत्र पढ़कर सुनाऊं जो उन्हें अभी-अभी आपसे मिला है। (कृपया यह न सोचें कि उनकी दृष्टि कमजोर हो गई है—मैंने नर्स से पूछा, और यह केवल मामूली चोटें और खरोंचें हैं।) उनके माता-पिता आज सुबह ऑक्सफोर्ड से चले गए, इसलिए उन्हें पढ़कर सुनाने वाला कोई और नहीं था। चूंकि वे खुद ज्यादा लिख नहीं सकते, इसलिए उन्होंने मुझसे कहा है कि मैं आपको यह पत्र भेज दूं और आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कह दूं और क्षमा मांगूं। वे आपके भरोसे की सराहना करते हैं और जैसे ही वे ठीक हो जाएंगे, ठीक वैसा ही करेंगे जैसा आपने उनसे कहा है।

उसे उम्मीद थी कि उसमें ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे किसी को ठेस पहुंचे। उसने "जैसा आप कहें, सम्मानपूर्वक करूंगी" लिखना शुरू किया था, लेकिन फिर पहला शब्द मिटा दिया: सम्मान का ज़िक्र करना उसके विपरीत का संकेत था। उसकी चेतना मानो एक खुली हुई तंत्रिका-केंद्र बन गई थी, जो अपने ही शब्दों में छिपे व्यंग्य के हल्के से हल्के संकेत के प्रति भी संवेदनशील थी।

मैं वहां ज्यादा देर नहीं रुकी, क्योंकि उनकी तबीयत कुछ ज्यादा ही खराब थी, लेकिन डॉक्टरों ने मुझे बताया कि अब वे बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने खुद यह नोट लिखने की जिद की, हालांकि मुझे लगता है कि मुझे उन्हें ऐसा करने नहीं देना चाहिए था। ऑक्सफोर्ड छोड़ने से पहले मैं उनसे दोबारा मिलूंगी—सिर्फ अपने लिए, क्योंकि वे बेहद आकर्षक हैं। मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा, हालांकि मुझे यकीन है कि आपको यह बताने की जरूरत नहीं है।

आपका,

हैरियट डी. वेन

उसने ध्यान से दोबारा पढ़ते हुए सोचा, "लगता है मैं इस काम में बहुत ज्यादा मेहनत कर रही हूँ। अगर मैं मिस डी वाइन की बात मान लूँ, तो शायद मैं ये कल्पना करने लगूँ —धिक्कार है उन छात्रों पर!—क्या कोई यकीन करेगा कि एक साधारण सा पत्र लिखने में दो घंटे लग सकते हैं?"

उसने दृढ़ता से पत्र को एक लिफाफे में डाला, उस पर पता लिखा और डाक टिकट लगा दिया। दो पैसे और आधा पैसे का डाक टिकट लगा होने के कारण, उस लिफाफे को दोबारा खोलने की कोई बात नहीं थी। बस, काम हो गया। अब कुछ घंटों के लिए वह शेरिडन ले फैनू के मामलों में खुद को समर्पित करेगी।

वह साढ़े दस बजे तक खुशी-खुशी काम करती रही; गलियारे का शोरगुल शांत हो गया; शब्द सहजता से बहने लगे। बीच-बीच में, वह अपने कागज से नज़रें उठाकर, एक शब्द के लिए हिचकिचाती, खिड़की से बर्ले और क्वीन एलिजाबेथ की जगमगाती रोशनी देखती, जो चौक के उस पार उसकी अपनी रोशनी के समान थीं। निस्संदेह, उनमें से कई रोशनी किसी खुशनुमा पार्टी को रोशन कर रही थीं, जैसे कि एनेक्स में चल रही पार्टी; अन्य रोशनी उन लोगों की मदद कर रही थीं जो, उसकी ही तरह, ज्ञान की मायावी खोज में लगे हुए थे, कागज पर स्याही फैला रहे थे और बार-बार एक शब्द के लिए हिचकिचा रहे थे। उसने खुद को एक ऐसे समुदाय का जीवंत हिस्सा महसूस किया जो एक साझा उद्देश्य में लगा हुआ था। हैरियट ने लिखा, "विल्की कॉलिन्स अलौकिक चीजों के अपने विश्लेषण में हमेशा एक घातक खुजली से ग्रस्त रहते थे" (क्या कोई खुजली से ग्रस्त हो सकता है? हाँ, क्यों नहीं? खैर, अभी के लिए इसे छोड़ देते हैं) - "हर चीज की व्याख्या करने की घातक खुजली। उनका कानूनी प्रशिक्षण—" उफ़! बहुत लंबा हो गया। “...वकील की हर बात समझाने की घातक आदत से वह लाचार हो गया था। उसकी डरावनी और भयानक बातें”—नहीं; घिसा-पिटा हास्य

—“उसके स्वप्न-कल्पनाएँ और प्रेत इतने सलीके से अपने कफ़न में लिपटे रहते हैं कि कोई भी अधूरी बात हमें परेशान न करे। ले फानू में ही हमें रहस्यमय का स्वाभाविक रचयिता—स्वभाविक उस्ताद—वह उस्ताद मिलता है जिसकी महारत जन्मजात होती है। अगर हम तुलना करें—”
तुलना शुरू होने से पहले ही, लैंप अचानक बुझ गया।
“धिक्कार है!” हैरियट ने कहा। वह उठी और दीवार पर लगे स्विच को दबाया। कुछ नहीं हुआ। “फ्यूज हो गया!” हैरियट ने दरवाजा खोलकर जांच करने की कोशिश की। गलियारा अंधेरा था, और दोनों ओर से आ रही दर्द भरी चीखों से पता चल रहा था कि पूरे ट्यूडर में बत्तियाँ गुल हो गई हैं।
हैरियट ने मेज से अपनी टॉर्च उठाई और इमारत के मुख्य भाग की ओर दाईं ओर मुड़ गई। वह जल्द ही छात्रों की भीड़ में शामिल हो गई, जिनमें से कुछ के पास टॉर्च थी और कुछ दूसरों की टॉर्च पकड़े हुए थे, सभी शोर मचा रहे थे और जानना चाहते थे कि बत्तियों में क्या खराबी है।
“चुप रहो!” हैरियट ने टॉर्च की रोशनी के पीछे से झाँकते हुए कहा, मानो वह किसी परिचित को ढूंढ रही हो। “मुख्य फ्यूज उड़ गया होगा। फ्यूज बॉक्स कहाँ है?”
किसी ने कहा, "मुझे लगता है यह सीढ़ियों के नीचे है।"
“तुम यहीं रहो,” हैरियट ने कहा। “मैं जाकर देखती हूँ।”
स्वाभाविक रूप से, कोई भी वहाँ नहीं रुका जहाँ वह थी। सभी लोग मदद करने के भाव से और गुस्से में नीचे आ गए।
किसी ने कहा, "यह भूत-प्रेत का साया है।"
“इस बार उसे पकड़ लेते हैं,” किसी और ने कहा।
"शायद यह सिर्फ उड़ गया है," अंधेरे से एक दबी हुई आवाज ने सुझाव दिया।
“फट गया!” एक तेज़ आवाज़ ने तिरस्कारपूर्वक कहा। “मेन फ़्यूज़ कितनी बार उड़ता है?” फिर, घबराई हुई फुसफुसाहट में, “अरे, ये तो चिल्परिक है। माफ़ करना मैंने बोल दिया।”
“क्या आप ही हैं, मिस चिल्परिक?” हैरियट ने सीनियर कॉमन रूम के एक सदस्य को अपने साथ शामिल करके खुशी जताते हुए कहा। “क्या आप मिस बार्टन से कहीं मिली हैं?”
नहीं, मैं अभी-अभी बिस्तर से उठा हूँ।

नीचे वाले हॉल से एक आवाज आई, "मिस बार्टन यहाँ नहीं हैं," और फिर एक और आवाज सुनाई दी:
“किसी ने मेन फ्यूज निकाल लिया है और उसे ले गया है!”
और फिर, निचले गलियारे के अंत में किसी की तीखी आवाज सुनाई दी: “देखो! वो दौड़ रही है! मैदान के पार!”
हैरियट को बीस-तीस विद्यार्थियों के झुंड के साथ सीढ़ियों से नीचे उतारा गया और वह हॉल में पहले से ही जमा भीड़ के बीच पहुँच गई। दरवाज़े पर धक्का-मुक्की हो रही थी; वह मिस चिल्परिक से अलग हो गई और इस धक्का-मुक्की में पीछे छूट गई। फिर, जैसे ही वह धक्का-मुक्की करते हुए टैरेस पर पहुँची, उसने धुंधले आसमान के नीचे चौक में फैली हुई धावकों की एक कतार देखी। आवाज़ें तेज़-तेज़ पुकार रही थीं। फिर, जैसे ही पीछा करने वालों में से पहले छह-सात लोगों की आकृति बर्ले की चमकती निचली खिड़कियों के सामने दिखाई दी, वे बत्तियाँ भी बुझ गईं।
वह बेताब होकर भागी—बर्ले की ओर नहीं, जहाँ फिर से हंगामा मच रहा था, बल्कि क्वीन एलिजाबेथ की ओर, क्योंकि उसे लगा कि अगला हमला वहीं होगा। वह जानती थी कि बगल के दरवाजे बंद होंगे। वह हॉल की सीढ़ियों से होते हुए बरामदे में पहुँची और मुख्य दरवाजे पर टूट पड़ी। वह भी बंद था। वह पीछे हटी और पास की खिड़की से चिल्लाई: “सावधान! यहाँ कोई शरारत कर रहा है। मैं अंदर आ रही हूँ।” एक छात्र ने अपना सिर बाहर निकाला। फिर और भी लोग दिखाई दिए।
“मुझे निकलने दो,” हैरियट ने खिड़की का शीशा ऊपर उछालते हुए और खुद को खिड़की की चौखट के ऊपर खींचते हुए कहा। “कॉलेज में सारी बत्तियाँ बुझाई जा रही हैं। तुम्हारा फ्यूज बॉक्स कहाँ है?”
"मुझे यकीन है कि मुझे नहीं पता," छात्र ने कहा, तभी हैरियट कमरे के उस पार दौड़ पड़ी।
“बेशक तुम ऐसा नहीं करोगे!” हैरियट ने अविवेकी ढंग से कहा। उसने दरवाज़ा ज़ोर से खोला और घोर अंधेरे में फूट पड़ी। तब तक बाहर का शोरगुल महारानी एलिज़ाबेथ तक पहुँच चुका था। किसी ने सामने का दरवाज़ा ढूँढ़कर उसे खोला, और हंगामा बढ़ गया, अंदर वाले बाहर निकलने लगे और बाहर वाले अंदर आने लगे। एक आवाज़ आई: “कोई मेरे कमरे से गुज़रा और खिड़की से बाहर चला गया, बत्तियाँ बुझने के ठीक बाद।” मशालें दिखाई देने लगीं। इधर-उधर एक चेहरा—ज़्यादातर अपरिचित—कुछ पल के लिए रोशन हुआ। फिर न्यू क्वाड की बत्तियाँ भी बुझने लगीं, दक्षिण की

तरफ से शुरू होकर। हर कोई इधर-उधर भाग रहा था। हैरियट चबूतरे पर दौड़ते हुए किसी से ज़ोर से टकरा गई और उसके चेहरे पर मशाल चमका दी। वह डीन थी।
“भगवान का शुक्र है!” हैरियट ने कहा। “यहाँ कोई सही जगह पर है।” उसने उसे कसकर पकड़ लिया।
“क्या हो रहा है?” डीन ने पूछा।
“शांत खड़े रहो,” हैरियट ने कहा। “अगर इसके लिए मुझे मरना भी पड़े तो भी मैं तुम्हारे लिए सबूत पेश करूँगी।” उसके बोलते ही उत्तर-पूर्वी कोने की बत्तियाँ बुझ गईं। “तुम ठीक हो,” हैरियट ने कहा। “अब! पश्चिम की सीढ़ियों की ओर चलो, हम उसे पकड़ लेंगे।”
ऐसा लग रहा था कि यही विचार कई अन्य लोगों के मन में भी आया था, क्योंकि पश्चिमी सीढ़ी का प्रवेश द्वार छात्रों की भीड़ से अवरुद्ध था, जबकि कैरी द्वारा अपने विंग से छोड़े गए स्काउटों की भीड़ ने भीड़ को और बढ़ा दिया था। हैरियट और डीन ने उनके बीच से रास्ता बनाया और मिस लिडगेट को स्तब्ध खड़ा पाया, जो अपने प्रूफ-शीट को सीने से लगाए बैठी थीं, और ठान चुकी थीं कि इस बार उन्हें कुछ नहीं होना चाहिए। उन्होंने उन्हें अपने साथ उठा लिया—हैरियट ने सोचा, "जैसे 'स्टैगी' खेल रहे हों"—और सीढ़ी के नीचे स्थित फ्यूज-बॉक्स की ओर चल पड़े। वहाँ उन्होंने पैजेट को गंभीर मुद्रा में पहरा देते हुए पाया, जिसने अपने पायजामे के ऊपर जल्दी से पतलून पहन रखी थी और उसके हाथ में बेलन था।
“उन्हें यह बात समझ नहीं आएगी,” पैजेट ने कहा। “आप इसे मुझ पर छोड़ दीजिए, मैडम डीन, मिस। मैं अभी अपने बिस्तर पर जा ही रहा था कि देर से छुट्टी लेने वाली सभी महिलाएं अंदर आ चुकी थीं। मेरी पत्नी जैक्सन को फोन करके कुछ नए फ्यूज मंगवा रही है। क्या आपने बक्से देखे हैं, मिस? उन्हें छेनी से तोड़कर खोला गया था, या कुछ इसी तरह। यह अच्छी बात है। लेकिन उन्हें यह बात समझ नहीं आएगी।”
और न ही उन्होंने ऐसा किया। न्यू क्वाड के पश्चिमी हिस्से में, वार्डन हाउस, इन्फर्मरी और स्काउट्स विंग, जो दोबारा बंद की गई ग्रिल के पीछे सुरक्षित थे, में बत्तियाँ लगातार जल रही थीं। लेकिन जब जैक्सन नए फ्यूज लेकर पहुँचा, तो हर अंधेरी इमारत में नुकसान के निशान दिखाई दे रहे थे। जब पैजेट चूहे के बिल के पास बैठकर उस चूहे का इंतज़ार कर रहा था जो नहीं आया, तब तक पोल्टरजिस्ट कॉलेज से गुज़र चुका था, स्याही की बोतलें तोड़ रहा था, कागज़ आग में फेंक रहा था, लैंप और बर्तन तोड़ रहा था और किताबें खिड़कियों के शीशों से टकरा रही थीं। हॉल में, जहाँ से मुख्य

फ्यूज भी ले जाया गया था, हाई टेबल पर रखे चांदी के प्याले चित्रों पर फेंके गए थे, जिससे शीशे टूट गए थे, और एक विक्टोरियन दानदाता की प्लास्टर की प्रतिमा पत्थर की सीढ़ियों से नीचे गिर गई थी, जिसके टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर गए थे, जिनमें से कुछ मूंछें अलग हो गई थीं और चेहरे के कुछ हिस्से टूटकर बिखर गए थे।
“खैर,” डीन ने मलबे का जायजा लेते हुए कहा। “यह एक अच्छी बात है। हमने रेवरेंड मेल्किसेडेक एंटविस्टल को आखिरी बार देख लिया है। लेकिन, हे भगवान!”

## अध्याय 10

कुछ कहते हैं कि तेरा दोष यौवन है, कुछ कहते हैं कि तेरी अय्याशी है, कुछ कहते हैं कि तेरा आकर्षण यौवन और सौम्य खेल है: आकर्षण और दोष दोनों ही कम या ज्यादा लोगों को प्रिय होते हैं; तू दोषों को ऐसा आकर्षण बना देता है जो तेरे पास आते हैं।
—विलियम शेक्सपियर
पहली नज़र में तो ऐसा लगता है कि इतने सारे लोगों की मौजूदगी में और लगभग एक घंटे तक चले इस घटनाक्रम में (ट्यूडर में पहले अलार्म बजने से लेकर आखिरी फ्यूज लगाने तक का समय गिनते हुए) सभी निर्दोषों के लिए आसानी से सबूत मिल जाने चाहिए थे। लेकिन व्यवहार में ऐसा बिल्कुल नहीं था, मुख्य रूप से इंसानों के अपनी जगह पर टिके रहने से इनकार करने के हठी स्वभाव के कारण। गवाहों की इतनी अधिक संख्या ने ही मुश्किल खड़ी कर दी; क्योंकि ऐसा प्रतीत होता था कि अपराधी अंधेरे में बार-बार भीड़ में घुलमिल गया था। कुछ सबूत पक्के तौर पर मिल गए: हैरियट और डीन न्यू क्वाड के उत्तर-पूर्वी कोने पर बत्तियाँ बुझने के समय साथ खड़े थे; वार्डन अपने घर से तब तक नहीं निकली थीं जब तक कि हंगामा शुरू नहीं हो गया था, जैसा कि उनके घरेलू कर्मचारियों ने गवाही दी; दोनों कुलियों की गवाही उनकी पत्नियों ने दी थी, और वास्तव में उन पर कभी संदेह नहीं किया गया था, क्योंकि पहले भी कई मौकों पर जब वे अपने-अपने पदों पर थे तब गड़बड़ी हुई थी; अस्पताल की नर्स और नौकरानी भी पूरे समय साथ थीं। मिस हडसन, जिसे "संभावित" माना जा रहा था, जब यह सब शुरू हुआ तब वह एक कॉफी पार्टी में थी और वह निर्दोष थी; हैरियट को बड़ी राहत मिली क्योंकि मिस लिडगेट भी क्वीन एलिजाबेथ अस्पताल में तीसरे वर्ष के छात्रों के एक समूह के आतिथ्य का आनंद ले रही थीं; वह शुभ रात्रि कहने के लिए उठी ही थीं कि उनके सामान्य समय से ज़्यादा समय हो गया है, तभी बत्तियाँ चली गईं। फिर वह

भीड़ में फंस गईं और जैसे ही खुद को छुड़ा सकीं, अपने प्रूफ पेपर्स बचाने के लिए जल्दी से अपने कमरे में भाग गईं।

एस.सी.आर. के अन्य सदस्य कम भाग्यशाली थे। मिस बार्टन का मामला रोमांचक और रहस्यमय था। उनके अपने बयान के अनुसार, वह ट्यूडर में बैठकर काम कर रही थीं जब फ्यूज निकाल लिया गया। दीवार के स्विच को आज़माने के बाद, उन्होंने खिड़की से बाहर देखा, चौक से एक आकृति को तेज़ी से भागते हुए देखा और तुरंत उसका पीछा किया। उस आकृति ने बर्ली के चारों ओर दो बार उन्हें चकमा दिया और फिर अचानक पीछे से आकर उन्हें "असाधारण ताकत" से दीवार पर पटक दिया और उनके हाथ से टॉर्च छीन ली। इससे पहले कि वह खुद को संभाल पातीं, उस अपराधी ने बर्ली की बत्तियाँ बुझा दीं और फिर चला गया। मिस बार्टन उस व्यक्ति का कोई विवरण नहीं दे सकीं, सिवाय इसके कि उसने "कुछ काला" पहना हुआ था और बहुत तेज़ भागा था। उन्होंने उसका चेहरा नहीं देखा था। इस कहानी का एकमात्र प्रमाण यह था कि मिस बार्टन के चेहरे के एक तरफ निश्चित रूप से एक गहरा घाव लगा था, जहाँ, जैसा कि उन्होंने कहा, उन्हें इमारत के एक कोने से टकराया गया था। चोट लगने के बाद वह कुछ मिनट तक वहीं पड़ी रहीं; तब तक यह उत्साह न्यू क्वाड तक फैल चुका था। यहाँ निश्चित रूप से कुछ सेकंड के लिए दो छात्रों ने उसे देखा था। फिर वह डीन को ढूंढने के लिए दौड़ी, अपना कमरा खाली पाया, वापस बाहर भागी और पश्चिमी सीढ़ी पर हैरियट और बाकी लोगों के साथ शामिल हो गई।

मिस चिल्परिक की कहानी को साबित करना भी उतना ही मुश्किल था। जब ट्यूडर में "देखो, वह जा रही है!" की आवाज़ गूंजी, तो वह सबसे पहले बाहर भागने वालों में से थीं, लेकिन टॉर्च न होने और इतनी उत्साहित होने के कारण कि उन्हें पता ही नहीं चला कि वह कहाँ जा रही हैं, वह सीढ़ियों से फिसलकर गिर गईं और उनके पैर में हल्का सा मोच आ गया। इस वजह से उन्हें घटनास्थल पर पहुँचने में देर हो गई। वह क्वीन एलिजाबेथ में भीड़ के साथ आईं, पोर्टिको से अंदर गईं और सीधे न्यू क्वाड्रेंगल बिल्डिंग्स में घुस गईं। उन्हें लगा कि उनके दाहिनी ओर किसी के कदमों की आहट सुनाई दे रही है, और वह उनके पीछे-पीछे गईं, तभी बत्तियाँ बुझ गईं और इमारत से बिल्कुल अनजान होने के कारण वह कुछ उलझन में इधर-उधर भटकती रहीं, जब तक कि आखिरकार उन्हें क्वाड में बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल गया। ट्यूडर छोड़ने के बाद मिस चिल्परिक को किसी ने भी नहीं देखा; वह ऐसी ही शख्सियत थीं।

कोषाध्यक्ष सत्र के खातों पर काम कर रही थीं। उनके भवन की बत्तियाँ सबसे आखिर में बुझी थीं, और उनकी खिड़कियाँ सड़क की ओर खुलती थीं, न कि चौक की ओर, इसलिए उन्हें कार्यवाही के अंतिम चरण तक इस मामले की कोई जानकारी नहीं थी। जब अंधेरा छा गया तो वे (जैसा उन्होंने बताया) सामने स्थित कोषाध्यक्ष के कार्यालय में गईं, क्योंकि बिजली के पुर्जे बदलने का काम कोषाध्यक्ष के विभाग में था। कोषाध्यक्ष अपने शयनकक्ष या कार्यालय में नहीं थीं; लेकिन जब मिस एलिसन उन्हें ढूंढते हुए बाहर आईं, तो वे फ्यूज बॉक्स के पास से निकलीं और मुख्य फ्यूज के गायब होने की घोषणा की। तब कोषाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष चौक में मौजूद भीड़ में शामिल हो गईं।

मिस पाइक द्वारा अपनी गतिविधियों के बारे में दिया गया विवरण सबसे अविश्वसनीय प्रतीत होता था। वह कोषाध्यक्ष के ऊपर रहती थीं और एक प्रतिष्ठित संस्था के लेन-देन संबंधी एक लेख पर काम कर रही थीं। जब उनकी बत्ती गुल हो गई, तो उन्होंने कहा, "अरे यार!", आपात स्थिति के लिए रखे अपने भंडार से मोमबत्तियों का एक जोड़ा निकाला और चुपचाप काम पर चली गईं।

मिस बरोज़ ने दावा किया कि जब बर्ले बिल्डिंग की बत्तियाँ चली गईं, तब वह नहा रही थीं, और एक अजीब संयोग से, जब वह जल्दी से बाहर निकलीं, तो उन्हें पता चला कि वह अपना तौलिया अपने बेडरूम में ही छोड़ आई हैं। उनके पास निजी बाथरूम वाला कोई अलग कमरा नहीं था, इसलिए उन्हें अपने भीगे हुए शरीर पर ड्रेसिंग गाउन लपेटे हुए, अपने बेडरूम तक गलियारे में टटोलते हुए जाना पड़ा, और वहाँ अंधेरे में खुद को सुखाकर कपड़े पहनने पड़े। इसमें आश्चर्यजनक रूप से लंबा समय लग गया और जब वह मुख्य दल के साथ पहुँचीं, तब तक लगभग सारा मज़ा खत्म हो चुका था। उनके पास कोई सबूत नहीं था, सिवाय इसके कि उनके फ्लोर पर बाथरूम में साबुन का पानी ज़रूर था।

मिस शॉ का कमरा बर्सर के कमरे के ऊपर था, और उनके शयनकक्ष से सेंट क्रॉस रोड दिखाई देती थी। वे बहुत थकी हुई थीं, इसलिए सो गईं और जब तक सब कुछ खत्म नहीं हो गया, उन्हें इसके बारे में कुछ पता नहीं चला। यही कहानी श्रीमती गुडविन ने भी बताई, जो बीमारों की देखभाल करते-करते काफी थक चुकी थीं और उसी दिन कॉलेज लौटी थीं। मिस हिलयार्ड और मिस डी वाइन, जो मिस लिडगेट के ऊपर रहती थीं, उनके कमरों की बत्तियाँ कभी बुझी ही नहीं थीं, और सड़क की ओर खुलने वाली खिड़कियों के कारण उन्हें कभी पता ही नहीं चला कि कुछ गड़बड़ है। उन्होंने चौक में

सुनाई देने वाली हल्की सी आवाज़ को स्नातक छात्रों की स्वाभाविक शरारत समझकर टाल दिया।

पैजेट के चूहे के बिल पर लगभग पाँच मिनट तक व्यर्थ बैठे रहने के बाद ही हैरियट ने वह काम किया जो उसे पहले ही कर लेना चाहिए था, और सीनियर कॉमन रूम में सभी की गिनती करने का प्रयास किया। उसने पाया कि वे सभी अपनी-अपनी जगहों पर थे, जहाँ उनके बाद के बयानों के अनुसार उन्हें होना चाहिए था। लेकिन उन सभी को एक रोशन कमरे में इकट्ठा करना और वहाँ रखना इतना आसान नहीं था। उसने मिस लिडगेट को उनके कमरे में बिठाया और बाकी लोगों को ढूंढने चली गई, उनसे कहा कि वे सीधे मिस लिडगेट के कमरे में जाकर वहीं रहें। इसी बीच, वार्डन आ गए थे और छात्रों को संबोधित करते हुए उनसे भी विनती कर रहे थे कि वे जहाँ हैं वहीं रहें और चुप रहें। दुर्भाग्य से, जैसे ही ऐसा लगने लगा कि सभी के ठिकाने का पता लगाना संभव है, बाकी लोगों से अलग होकर ओल्ड क्वाड में घूमते हुए एक जिज्ञासु व्यक्ति हाँफते हुए वहाँ पहुँचा और हॉल में हुई तोड़फोड़ की खबर सुनाई। देखते ही देखते, फिर से अफरा-तफरी मच गई। जो प्रोफेसर भेड़ों के बाड़े में मेमनों की तरह धीरे-धीरे चल रहे थे, अचानक अपना आपा खो बैठे और छात्रों के साथ अंधेरे में भाग निकले। मिस बरोज़ ने "पुस्तकालय!" चिल्लाते हुए भागने की कोशिश की, और कॉलेज की संपत्ति के लिए व्याकुल होकर चिल्लाते हुए कोषाध्यक्ष भी उनके पीछे दौड़ पड़े। डीन ने "इन्हें रोको!" कहा और मिस पाइके और मिस हिलयार्ड ने कमान अपने हाथ में लेते हुए दौड़ लगाई और गायब हो गईं। इस अफरा-तफरी में, हर कोई बीस बार रास्ता भटक गया; और जब तक फ्यूज बदले गए और आखिरकार सभी को इकट्ठा करके गिनती की गई, तब तक सारा नुकसान हो चुका था।

यह देखकर आश्चर्य होता है कि कुछ ही मिनटों में कितना कुछ किया जा सकता है। हैरियट ने अनुमान लगाया कि हॉल सबसे पहले क्षतिग्रस्त हुआ होगा, क्योंकि यह एक अलग विंग में था, जहाँ शोर से ज़्यादा ध्यान आकर्षित होने की संभावना नहीं थी; वहाँ जो काम हुआ वह कुछ ही मिनटों में हो सकता था। ट्यूडर में पहली बत्तियाँ बुझने से लेकर न्यू क्वाड में आखिरी बत्तियाँ बुझने तक, लगभग दस मिनट का समय बीता था। काम का तीसरा और सबसे लंबा हिस्सा—अंधेरे में डूबी इमारतों के कमरों को तोड़ना—लगभग पंद्रह मिनट से लेकर आधे घंटे तक चला।

प्रार्थना सभा के बाद वार्डन ने कॉलेज को संबोधित करते हुए एक बार फिर विवेक का आग्रह किया, अपराधी से आगे आने की विनती की और वादा किया कि यदि वह

अपना अपराध स्वीकार नहीं करती है तो उसकी पहचान करने के लिए हर संभव उपाय किए जाएंगे।
डॉ. बेरिंग ने कहा, “मेरा इरादा किसी एक गैरजिम्मेदार व्यक्ति के कृत्य के लिए कॉलेज पर कोई प्रतिबंध या दंड लगाने का नहीं है। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूँ जिनके पास इस मूर्ख शरारती व्यक्ति की पहचान के संबंध में कोई सुझाव या सबूत हो, वे निजी तौर पर डीन या मुझसे मिलें और पूरी गोपनीयता के साथ जानकारी दें।”
उन्होंने कॉलेज की एकजुटता के बारे में कुछ शब्द कहे और गंभीर चेहरे के साथ वहां से चली गईं, उनका गाउन उनके पीछे लहरा रहा था।
कांच ठीक करने वाले कारीगर पहले से ही क्षतिग्रस्त खिड़कियों के शीशे ठीक करने में लगे हुए थे। हॉल में, कोषाध्यक्ष उन चित्रों के स्थान पर साफ-सुथरे कार्ड चिपका रहे थे जिनके शीशे टूट गए थे: “मिस मैथेसन का चित्र: वार्डन 1899-1912। सफाई के लिए हटाया गया।” पुराने मैदान की घास से टूटे हुए बर्तनों को साफ किया जा रहा था। कॉलेज दुनिया के सामने एक शांत छवि प्रस्तुत करने में लगा हुआ था।
दोपहर के भोजन से कुछ ही समय पहले, वरिष्ठ कॉमन रूम के दर्पण पर "हा! हा!" और एक अश्लील अपशब्द से बना एक मुद्रित संदेश चिपका हुआ देखकर किसी का भी मूड ठीक नहीं हुआ। जहाँ तक पता था, कॉमन रूम सुबह 9 बजे से खाली था। दोपहर के भोजन के समय कॉफ़ी के कप लेकर अंदर गई कॉमन रूम की नौकरानी ने सबसे पहले वह नोटिस देखा; और तब तक वह सूखकर सख्त हो चुका था। बर्सर, जिसे रात के हंगामे के बाद अपनी ग्लोय की केतली की कमी खल रही थी, ने उसे वरिष्ठ कॉमन रूम के मेंटलपीस के बीचोंबीच करीने से रखा हुआ पाया।
इस घटना के बाद सीनियर कॉमन रूम का माहौल धीरे-धीरे बदल गया। ज़ुबानें तीखी हो गईं; तटस्थता का आवरण धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा; संदेह की बेचैनी अपना असर दिखाने लगी; केवल मिस लिडगेट और डीन, जो निर्दोष साबित हुए, अविचलित रहे।
"लगता है आपकी बदकिस्मती फिर से लौट आई है, मिस बार्टन," मिस पाइके ने तीखे लहजे में कहा। "पुस्तकालय कांड और इस ताजा घटनाक्रम, दोनों में आप सबसे पहले मौके पर पहुंचीं, फिर भी दुर्भाग्यवश अपराधी को पकड़ने में नाकाम रहीं।"
“जी हां,” मिस बार्टन ने कहा। “यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर अगली बार मेरा गाउन भी चोरी हो गया, तो कॉलेज के जासूसों को कुछ गड़बड़ लग जाएगी।”

“श्रीमती गुडविन, आपके लिए यह बहुत कष्टदायक है कि आपको आराम की सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, और अब आपको इस सारी उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है। मुझे उम्मीद है कि आपका छोटा बेटा अब ठीक है। यह विशेष रूप से थकाने वाला है, क्योंकि आपके अनुपस्थित रहने के दौरान हमें कोई परेशानी नहीं हुई।”
श्रीमती गुडविन ने कहा, "यह बहुत परेशान करने वाला है। जो बेचारा ये सब करता है, वह ज़रूर पागल होगा। बेशक, ये विकार अक्सर ब्रह्मचारी या मुख्य रूप से ब्रह्मचारी समुदायों में ही देखने को मिलते हैं। शायद यह अन्य रोमांचों की कमी की भरपाई करने का एक तरीका है।"
मिस बरोज़ ने कहा, "सबसे बड़ी गलती तो यही थी कि हम एकजुट नहीं रहे। स्वाभाविक रूप से मैं यह देखना चाहती थी कि पुस्तकालय में कोई नुकसान हुआ है या नहीं—लेकिन इतने सारे लोग मेरे पीछे क्यों पड़ गए—"
कोषाध्यक्ष ने कहा, "हॉल मेरी चिंता का विषय था।"
“अरे! आप हॉल तक पहुँच गए? मैं तो मैदान में आपको बिल्कुल ही नज़र से ओझल हो गया था।”
मिस हिलयार्ड ने कहा, "जब मैंने तुम्हारा पीछा किया था, तब मैं ठीक उसी विपत्ति से बचने की कोशिश कर रही थी। मैंने तुम्हें रुकने के लिए ज़ोर से आवाज़ लगाई थी। तुमने मुझे ज़रूर सुना होगा।"
"इतना शोर था कि कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा था," मिस स्टीवंस ने कहा।
मिस शॉ ने कहा, "मैं कपड़े पहनते ही मिस लिडगेट के कमरे में गई, यह सोचकर कि वहाँ सब लोग होंगे। लेकिन वहाँ कोई नहीं था। मुझे लगा कि शायद मुझे गलतफहमी हुई है, इसलिए मैंने मिस वेन को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन ऐसा लगा जैसे वह कहीं खो गई हों।"
"तैयार होने में तुम्हें बहुत ज़्यादा समय लगा होगा," मिस बरोज़ ने कहा। "जितने समय में तुम अपनी मोज़े पहनती हो, उतने समय में तो कोई भी कॉलेज के तीन चक्कर लगा सकता है।"
मिस शॉ ने कहा, "जाहिर तौर पर किसी ने ऐसा किया है।"
"वे आपस में झगड़ा करने लगे हैं," हैरियट ने डीन से कहा।
“आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? ये बेवकूफ लोग! अगर ये कल रात अपनी छोटी-छोटी पीठ पर बैठे रहते, तो हम सारा मामला सुलझा सकते थे। इसमें आपकी कोई गलती नहीं है। आप हर जगह एक साथ नहीं हो सकते। हम छात्रों से अनुशासन की

उम्मीद कैसे कर सकते हैं, जब इतने सारे अधेड़ उम्र के वरिष्ठ लोग संकट में मुर्गियों के झुंड की तरह व्यवहार कर रहे हैं, यह मेरी समझ से परे है। बाहर कौन है, जो ऊपर वाली खिड़की से इतनी तीखी बातें कर रहा है? ओह! मुझे लगता है कि यह बेकर का लड़का है। खैर, अनुशासन तो रखना ही होगा, मुझे लगता है। मुझे घर का टेलीफोन दीजिए, प्लीज़? धन्यवाद। मुझे समझ नहीं आ रहा कि हम इस आखिरी उपद्रव को कैसे रोक सकते हैं—ओह! मार्था! कृपया मिस बेकर को डीन की ओर से प्रणाम कहिएगा, और क्या वह सुबह आने वाले आगंतुकों के बारे में नियम का ध्यान रखेंगी? —और छात्र अपनी संपत्ति के नुकसान से काफी नाराज़ हो रहे हैं। मुझे लगता है कि वे वास्तव में जे.सी.आर. की बैठक बुलाने की तैयारी कर रहे हैं, और बेचारे बच्चों, उन्हें ऐसा करने देना अन्याय होगा। हम एक-दूसरे पर शक कर रहे हैं, लेकिन हम क्या कर सकते हैं? शुक्र है, यह सत्र का आखिरी हफ्ता है! लगता है हम कोई भयानक गलती नहीं कर रहे हैं? ज़रूर हममें से ही किसी ने यह किया होगा, न कि किसी छात्र या स्काउट ने।

"ऐसा लगता है कि हमने छात्रों को खत्म कर दिया है—जब तक कि यह उनमें से दो की साजिश न हो। हो सकता है ऐसा ही हो। हडसन और कैटरमोल ने मिलकर यह साजिश रची हो। लेकिन जहाँ तक स्काउट्स की बात है—मैं आपको यह अभी दिखा सकता हूँ। क्या कोई स्काउट वर्जिल का हवाला देगा?"

"नहीं," डीन ने "हार्पी" वाले अंश की जाँच करते हुए कहा। "नहीं; ऐसा संभव नहीं लगता। ओह, हे भगवान!"

हैरियट के पत्र का जवाब तुरंत आ गया।

मेरी प्यारी हैरियट,

मेरे असभ्य भतीजे की चिंता करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे खेद है कि इस घटना से हम दोनों के बारे में आपकी राय अच्छी नहीं बनी होगी।

मुझे वह लड़का बहुत पसंद है, और जैसा कि आपने कहा, वह आकर्षक भी है; लेकिन वह आसानी से बहक जाता है, और मेरी राय में मेरा भाई उसके साथ सही व्यवहार नहीं कर रहा है। उसकी उम्मीदों को देखते हुए, जेराल्ड को पैसों की बहुत कमी रहती है, और स्वाभाविक रूप से वह सोचता है कि जो कुछ भी उसके हाथ लगे, उस पर उसका अधिकार है। फिर भी, उसे लापरवाही और बेईमानी के बीच की रेखा खींचना सीखना होगा। मैंने खुद उसका भत्ता बढ़ाने की पेशकश की थी, लेकिन घर पर इस सुझाव को अच्छी तरह से स्वीकार नहीं किया गया। मुझे पता है कि उसके माता-पिता

को लगता है कि मैं उनका भरोसा उनसे छीन रही हूँ; लेकिन अगर मैंने उसकी मदद करने से इनकार कर दिया, तो वह कहीं और चला जाएगा और खुद को और भी बड़ी मुसीबत में डाल लेगा। हालाँकि मुझे यह मजबूरी पसंद नहीं है कि "कॉडलिन दोस्त है, शॉर्ट नहीं", फिर भी मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि वह किसी बाहरी व्यक्ति के बजाय मुझसे मदद मांगे। मैं इसे पारिवारिक अभिमान कहती हूँ; यह महज़ घमंड हो सकता है; मैं जानती हूँ कि यह मन की पीड़ा है।

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि अब तक जब भी मैंने जेराल्ड पर किसी बात का भरोसा किया है, उसने मुझे कभी निराश नहीं किया। वह कुछ रूढ़ियों का पालन करता है। लेकिन वह बार-बार नरमी और सख्ती बरतने के अनुशासन को नहीं मानता; और सच कहूँ तो मुझे नहीं पता कि कौन मानता है।

मैं आपको पारिवारिक मामलों से परेशान करने के लिए एक बार फिर क्षमा चाहता हूँ। आप ऑक्सफ़ोर्ड में क्या कर रहे हैं? क्या आपने संसार त्याग कर ध्यानमग्न जीवन व्यतीत करने का निश्चय कर लिया है? मैं अभी आपको मना करने का प्रयास नहीं करूँगा, लेकिन इस विषय पर अगले वर्ष 1 अप्रैल को हमेशा की तरह चर्चा करूँगा।

आपका हार्दिक धन्यवाद,

पी.डी.बी.डब्ल्यू.

मैं आपको दुर्घटना के बारे में बताने और उसके परिणामों के बारे में आश्वस्त करने के लिए धन्यवाद कहना भूल गया था। मुझे इसके बारे में पहली बार पता चला था—जैसा कि पुराने जेम्स फोर्सिट कहते हैं, "मुझे कोई कभी कुछ नहीं बताता।" मैं कुछ अच्छे शब्दों से आपकी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

“बेचारा पीटर!” हैरियट ने कहा।

यह टिप्पणी शायद महान प्रथम अवसरों के संकलन में शामिल किए जाने योग्य है।

जब हैरियट उनसे विदाई लेने गई, तो लॉर्ड सेंट-जॉर्ज की शक्ल-सूरत में काफी सुधार हुआ था; लेकिन उनके चेहरे पर चिंता झलक रही थी। उनका बिस्तर अव्यवस्थित कागजों से भरा हुआ था, ऐसा लग रहा था मानो वे अपने कामों को निपटाने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन उन्हें इसमें काफी मुश्किल हो रही थी। हैरियट को देखते ही उनके चेहरे पर अचानक खुशी की चमक आ गई।

“अरे वाह! तुम तो बिल्कुल वही हो जिसके लिए मैं प्रार्थना कर रही थी। मुझे इन सब चीजों की समझ नहीं है, और सारे भारी-भरकम बिल बिस्तर से फिसलते रहते हैं। मैं

अपना नाम तो ठीक से लिख सकती हूँ, लेकिन हिसाब-किताब नहीं रख पाती। मुझे यकीन है कि मैंने इनमें से कुछ बिल दो बार चुका दिए हैं।"
"मैं आपकी मदद कर सकता हूँ क्या?"
"मुझे उम्मीद थी कि तुम यही कहोगे। मुझे इतना लाड़-प्यार करना कितना अच्छा लगता है, है ना? मुझे समझ नहीं आ रहा कि चीजें इतनी कैसे बढ़ गईं। इन जगहों पर तो लोग बहुत ही चौंकाने वाली लूट करते हैं। लेकिन खाने के लिए कुछ तो चाहिए ही, है ना? और कुछ क्लबों का सदस्य होना चाहिए। और एक-दो खेल खेलना चाहिए। बेशक पोलो थोड़ा महंगा पड़ता है, लेकिन आजकल तो यह चलन से बाहर है। कोई बात नहीं। वैसे, पिछली छुट्टियों में कस्बे के उन लड़कों के साथ घूमना ही मेरी गलती थी। माँ सोचती है कि वे ठीक हैं क्योंकि उनका नाम स्टडबुक में है, लेकिन वे सच में बहुत ही खतरनाक हैं। अगर वे जेल में पहुँच गए, और उनका सफेद बालों वाला बेटा भी उनके साथ, तो माँ को बहुत हैरानी होगी। पुराने जमींदार परिवारों का दुखद पतन, और इस तरह की चीजें। विद्वान न्यायाधीश द्वारा कड़ी फटकार। मैं किसी तरह नए साल से जुड़ी चीजों में पीछे रह गया, और फिर कभी उन्हें पूरा नहीं कर पाया। मुझे लगता है कि अंकल पीटर को थोड़ा झटका लगने वाला था। वैसे, उन्होंने पत्र लिखा है। बहुत कुछ।" पहले से कहीं अधिक अपने जैसा।"
उसने पत्र को फेंक दिया।
प्रिय जेरी,
अपने लंबे समय से पीड़ित रिश्तेदारों के जीवन को दुखमय बनाने वाले सभी शोरगुल भरे झंझटों में से, तुम सबसे बुरे हो। भगवान के लिए, उस रेसिंग कार को नीचे रख दो, इससे पहले कि तुम खुद को मार डालो; भले ही यह अजीब लगे, मेरे मन में तुम्हारे लिए अभी भी थोड़ी सी स्नेह की भावना बची है। मुझे उम्मीद है कि वे तुम्हारा लाइसेंस जीवन भर के लिए छीन लेंगे, और मुझे उम्मीद है कि तुम्हें बहुत तकलीफ होगी। शायद तुम्हें हो भी रही होगी। अब पैसे की चिंता मत करो।
मैं मिस वेन को आपके प्रति उनकी दयालुता के लिए धन्यवाद देने के लिए लिख रहा हूँ। वह एक ऐसी शख्सियत हैं जिनकी अच्छी राय मेरे लिए बहुत मायने रखती है, इसलिए एक पुरुष और चाचा होने के नाते मेरी भावनाओं का ख्याल रखें।
बंटर को सोने के बीच तीन चांदी के धागे मिले हैं। वह बेहद हैरान है। वह आपसे सहानुभूति जताते हुए कहता है कि आप सिर की मालिश करें (मेरा मतलब है, मेरी)।

जब भी आपको समय मिले, अपने चिड़चिड़े और तेजी से कमजोर होते जा रहे चाचा को प्रगति की सूचना देने के लिए एक पत्र भेज दें।
पी.डब्ल्यू.
"जब उसे पता चलेगा कि मैंने बीमा का भुगतान नहीं किया है, तो उसे चांदी के धागों की पूरी फसल मिल जाएगी," विस्काउंट ने पत्र वापस लेते हुए निर्दयता से कहा।
"क्या!"
“खुशकिस्मत से कोई और शामिल नहीं था, और पुलिस मौके पर नहीं थी। लेकिन मुझे लगता है कि डाकघर से उनके टूटे हुए टेलीग्राफ पोल के बारे में मुझे शिकायत जरूर मिलेगी। अगर मुझे मजिस्ट्रेट के सामने पेश होना पड़ा और गवर्नर को इसके बारे में पता चला, तो वो नाराज़ हो जाएंगे। कार ठीक करवाने में थोड़ा खर्चा तो आएगा ही। मैं तो इसे फेंक ही देता, लेकिन पिताजी ने मुझे अपनी दरियादिली में आकर दे दी। और हां, जैसे ही मैं बाहर आया, उन्होंने सबसे पहले यही पूछा कि बीमा ठीक है या नहीं। और बहस करने की हालत में न होने के कारण, मैंने हां कह दिया। बस बीमा की बात अखबारों में न छपे तो सब ठीक है—बस मरम्मत का खर्च अंकल पीटर के कुल खर्च में थोड़ा बढ़ जाएगा।”
"क्या उसे इसके लिए भुगतान करने के लिए मजबूर करना उचित है?"
“बेहद अन्याय है,” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने हंसते हुए कहा। “गवर्नर को खुद बीमा का भुगतान करना चाहिए। वो तो थर्मोपाइले के बूढ़े आदमी की तरह हैं—कभी कोई काम ठीक से नहीं करते। अगर बात यहाँ तक आ जाए, तो अंकल पीटर से उन सभी घोड़ों का भुगतान करवाना भी ठीक नहीं है जो सवारी करते समय गिर जाते हैं। या फिर उन सभी घटिया छोटी-मोटी लालची महिलाओं का भी नहीं जिन्हें इधर-उधर ले जाया जाता है—मुझे तो उन्हें ‘विविध खर्च’ में शामिल करना पड़ेगा। और वो कहेंगे, ‘अरे हाँ! डाक टिकट, टेलीफोन कॉल और बिजली के तार।’ और फिर मैं आपा खो बैठूंगा और कहूंगा, ‘खैर अंकल—’ मुझे ‘खैर अंकल’ से शुरू होने वाले वाक्य बिल्कुल पसंद नहीं हैं। वे हमेशा बेमतलब चलते रहते हैं और कहीं नहीं ले जाते।”
“मुझे नहीं लगता कि अगर आप खुद से जानकारी नहीं देंगे तो वह आपसे कुछ पूछेंगे। देखिए! मैंने सारे बिल निपटा दिए हैं। क्या मैं आपके हस्ताक्षर के लिए चेक लिख दूं?”
“काश तुम बता देते। नहीं, वो पूछेगा ही नहीं। जब तक मैं उसे बता न दूँ, वो बस बेगुनाह दिखने का नाटक करता रहेगा। मुझे लगता है कि इसी तरह वो अपराधियों को बहलाता है। ये अच्छी आदत नहीं है। क्या तुम्हारे पास लेवी का वो नोट है? वही सबसे

ज़रूरी है। और कार्टराइट नाम के एक आदमी का एक खत भी है, जो काफ़ी अहम है। मैंने उससे शहर में एक-दो बार थोड़ा-थोड़ा उधार लिया था। वो क्या हिसाब लगा रहा है?... अरे बाप रे! इतना तो हो नहीं सकता... चलो देखते हैं... खैर, मुझे लगता है वो सही कह रहा है... और आर्ची कैंपबेल—वो मेरा सट्टेबाज़ है—हे भगवान! कितने कंजूस हैं! बेचारे को बाहर नहीं निकलने देना चाहिए। और ये सब छोटी-मोटी चीज़ें? इन सब चीज़ों को रखने का तुम्हारा तरीका कितना बढ़िया है, है ना? चलो इन सबको जोड़कर देखते हैं कि क्या निकलता है? फिर अगर मैं बेहोश हो जाऊँ, तो तुम नर्स को घंटी बजा देना।"

मुझे गणित में ज़्यादा महारत नहीं है। बेहतर होगा कि आप इसकी जाँच कर लें। यह थोड़ा असंभव सा लगता है, लेकिन मैं इसे कम असंभव नहीं बना सकता।

"गाड़ी की मरम्मत के लिए अनुमानित खर्च लगभग डेढ़ सौ रुपये और जोड़ दीजिए, फिर देखेंगे। अरे बाप रे! ये क्या हो गया?"

"एक पलक झपकते मूर्ख का चित्र," हैरियट ने अप्रतिरोध्य भाव से कहा।

"अद्भुत व्यक्ति, शेक्सपियर। हर मौके के लिए एकदम सही शब्द। हाँ; इसमें 'अच्छा, अंकल' वाली भावना साफ झलक रही है। बेशक, मुझे महीने के अंत में तिमाही भत्ता मिल जाता है, लेकिन छुट्टियों का समय और अगले पूरे सत्र का काम भी तो बाकी है। एक बात तो तय है, मुझे घर जाकर अच्छा व्यवहार करना होगा; इस हालत में मैं ज्यादा इधर-उधर नहीं घूम सकता। गवर्नर ने लगभग इशारा कर दिया कि मुझे अपने डॉक्टर का बिल खुद चुकाना चाहिए, लेकिन मैंने उनकी बात नहीं मानी। माँ इस सब के लिए अंकल पीटर को दोषी ठहरा रही हैं।"

"आखिर क्यों?"

"तेज़ गति से गाड़ी चलाने का वह मेरे सामने एक बुरा उदाहरण पेश कर रहा है। बेशक, वह थोड़ा गुस्सैल है, लेकिन उसे कभी मेरी तरह बदकिस्मती का सामना नहीं करना पड़ता।"

"क्या वह बेहतर ड्राइवर हो सकता है?"

"प्यारी हैरियट, यह ठीक नहीं है। क्या आपको बुरा नहीं लगेगा अगर मैं आपको हैरियट कहूँ?"

"दरअसल, मैं ऐसा ही सोचता हूँ।"

"लेकिन मैं उस व्यक्ति को 'मिस वेन' कहकर नहीं बुला सकती जो मेरे सारे भयानक राज़ जानता है। शायद मुझे 'आंटी हैरियट' कहना सीख लेना चाहिए। इसमें क्या बुराई

है? भला कोई मुझे गोद ली हुई आंटी बनने से मना कैसे कर सकता है? मेरी आंटी मैरी तो पूरी तरह से गृहस्थी में व्यस्त हो गई हैं और उनके पास मेरे लिए समय ही नहीं है, और मेरी माँ की बहनें तो बिल्कुल ही गुस्सैल हैं। मेरी कोई कद्र नहीं करता और व्यावहारिक रूप से कहूँ तो मैं बिल्कुल अकेली हूँ।"
"जिस तरह से तुम चाचा-चाची का बर्ताव करते हो, उसे देखते हुए तुम न तो चाचा-चाची के लायक हो और न ही चाचा-चाची के। क्या तुम आज ये चेक चुकाने वाले हो? क्योंकि अगर नहीं, तो मुझे और भी काम करने हैं।"
"बहुत खूब। हम इसी तरह एक का पैसा लेकर खर्चा पूरा करते रहेंगे। मुझ पर आपका कितना अच्छा प्रभाव है, यह देखकर आश्चर्य होता है। कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा। अगर आप मुझे थोड़ा सुधार लें, तो शायद मैं आखिरकार काफी अच्छा बन जाऊँगा।"
कृपया हस्ताक्षर करें।
लेकिन आप तो इतने संवेदनशील नहीं लगते। बेचारे अंकल पीटर!
"जब तक तुम यह काम खत्म करोगे, बेचारे अंकल पीटर की हालत खराब हो जाएगी।"
"मेरा मतलब यही है। तिरपन, उन्नीस, चौर—जिस तरह से दूसरे लोग सिगरेट पीते हैं, वो चौंकाने वाला है, और मुझे यकीन है कि मेरा स्काउट उनमें से आधी सिगरेट पी जाता है। छब्बीस, बारह, आठ। उन्नीस, सात, दो। देखते ही देखते सौ पाउंड खत्म। इकतीस, चौदह। बारह, नौ, छह। पाँच, पंद्रह। श्रूस्बरी में भूतों के उत्पात मचाने की ये सारी कहानियाँ क्या हैं?"
हैरियट उछल पड़ी। "धिक्कार है! हमारे इन छोटे शैतानों में से किसने तुम्हें इसके बारे में बताया?"
"उनमें से किसी ने मुझे नहीं बताया। मैं महिला छात्राओं को प्रोत्साहित नहीं करता। बेशक अच्छी लड़कियाँ हैं, लेकिन कुछ ज़्यादा ही गंदी। मेरी सीढ़ियों पर एक लड़का है जो आज एक कहानी लेकर आया... मुझे याद नहीं, उसने मुझसे कहा कि मैं इसका ज़िक्र न करूँ। आखिर बात क्या है? और इतना चुप क्यों?"
"अरे बाप रे! और उनसे चुप रहने की विनती की गई थी। वे कभी यह नहीं सोचते कि इस तरह की चीजें कॉलेज को कितना नुकसान पहुंचाती हैं।"
"अच्छा, लेकिन यह तो सिर्फ एक फटा हुआ कपड़ा है, है ना?"
मुझे डर है कि यह उससे कहीं अधिक गंभीर मामला है। देखिए, अगर मैं आपको बताऊं कि यह बात गुप्त क्यों है, तो क्या आप वादा करेंगे कि आप इसे किसी और को

नहीं बताएंगे?
“खैर,” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने स्पष्टवादिता से कहा, “आप जानते हैं कि मेरी जुबान कैसे बेकाबू हो जाती है। मैं बहुत भरोसेमंद नहीं हूँ।”
"तुम्हारे चाचा कहते हैं कि तुम हो।"
“अंकल पीटर? हे भगवान! वो तो पागल हो गए होंगे। इतने अच्छे दिमाग को इस तरह बर्बाद होते देखना दुखद है। बेशक, वो अब उतने जवान नहीं रहे जितने पहले थे... आप तो इस बारे में काफी गंभीर दिख रहे हैं।”
"यह वाकई काफी गंभीर मामला है। हमें डर है कि यह परेशानी किसी ऐसे व्यक्ति की वजह से है जिसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। वह कोई छात्रा नहीं है—लेकिन ज़ाहिर है, हम छात्रों को यह बात बता भी नहीं सकते, खासकर तब जब हमें पता ही नहीं कि वह कौन है।"
विस्काउंट घूर रहा था। “हे भगवान! यह तो आपके लिए बहुत बुरा है! मैं आपकी बात समझ गया। ज़ाहिर है आप नहीं चाहेंगे कि ऐसी कोई बात फैले। खैर, मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा—सचमुच, मैं नहीं बोलूंगा। और अगर कोई इसका ज़िक्र भी करता है तो मैं भावहीनता का भाव दिखाऊंगा। अरे! मुझे तो ऐसा लग रहा है जैसे मैं आपकी आत्मा से मिल चुका हूँ।”
"उससे मिले?"
“हां। मैं निश्चित रूप से एक ऐसे व्यक्ति से मिली जो पूरी तरह से मानसिक रूप से ठीक नहीं लग रहा था। इससे मुझे थोड़ा डर लगा। आप पहले व्यक्ति होंगे जिन्हें मैं इसके बारे में बताऊंगी।”
“यह कब हुआ था? मुझे इसके बारे में बताओ।”
“पिछले सेमेस्टर के अंत में। मेरे पास पैसों की बहुत कमी थी, और मैंने एक आदमी से शर्त लगाई थी कि मुझे श्रूस्बरी में दाखिला मिल जाएगा और—” वह रुक गया और उसकी ओर देखकर मुस्कुराया, जो उसके चेहरे पर बिल्कुल भी नहीं थी। “तुम्हें इसके बारे में क्या पता?”
"अगर आपका मतलब निजी गेट के पास वाली दीवार के उस हिस्से से है, तो उस पर नुकीली कीलें लगाई जा रही हैं। वो घूमने वाली कीलें।"
“अरे, सब पता है। खैर, इसके लिए वो रात उतनी अच्छी नहीं थी—पूरा चाँद था—लेकिन दस पाउंड पाने का शायद यही आखिरी मौका था, इसलिए मैं वहाँ चला गया। वहाँ एक छोटा सा बगीचा है।”

“फेलो गार्डन। जी हाँ।”
“हाँ। दरअसल, मैं बस ऐसे ही आगे बढ़ रहा था कि तभी एक झाड़ी के पीछे से कोई निकला और मुझे पकड़ लिया। मेरा दिल मानो मुंह से निकलकर घास पर गिर पड़ा। मैं वहां से भाग जाना चाहता था।”
वह व्यक्ति कैसा था?
“वह काले रंग का था और उसके सिर के चारों ओर कुछ काला-सा लिपटा हुआ था। मुझे उसकी आँखों के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, और वे आँखें भयानक लग रही थीं। तो मैंने कहा, ‘हे भगवान!’ और उसने एक भयानक, चिपचिपी आवाज़ में कहा, ‘तुम्हें इनमें से कौन सा चाहिए?’ खैर, यह अच्छा नहीं था और मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। मैं अच्छा लड़का होने का दिखावा नहीं करता, लेकिन उस समय मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। तो मैंने कहा, ‘ऐसा कुछ नहीं है; मैंने तो बस शर्त लगाई थी कि मैं पकड़ा नहीं जाऊँगा, और मैं पकड़ा गया हूँ, इसलिए मैं चला जाता हूँ और मुझे माफ़ कर दो।’ तो उसने कहा, ‘हाँ, चले जाओ। हम तुम्हारे जैसे सुंदर लड़कों को मार डालते हैं और उनके दिल खा जाते हैं।’ तो मैंने कहा, ‘हे भगवान! कितना घिनौना है।’ मुझे यह बिल्कुल भी पसंद नहीं आया।”
क्या तुम ये सब मनगढ़ंत कहानी बना रहे हो?
“सच कहूँ तो, मैं नहीं हूँ। फिर उसने कहा, ‘दूसरे वाले के बाल भी सुनहरे थे।’ और मैंने कहा, ‘नहीं, क्या सच में?’ और उसने कुछ कहा, मुझे याद नहीं क्या—मुझे लगा जैसे उसकी आँखों में एक भूखी नज़र थी, अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है—और खैर, यह सब बहुत असहज था, और मैंने कहा, ‘माफ़ कीजिए, मुझे लगता है कि मुझे अब जाना चाहिए,’ और मैंने खुद को छुड़ाया (उसकी कलाई असाधारण रूप से मजबूत थी) और जॉन स्मिथ की तरह दीवार फांदकर भाग गया।”
हैरियट ने उसकी तरफ देखा, लेकिन वह पूरी तरह से गंभीर प्रतीत हो रहा था।
“उसकी लंबाई कितनी थी?”
“लगभग तुम्हारी ही लंबाई की होगी, या शायद थोड़ी कम। सच कहूँ तो, मैं इतना डरा हुआ था कि मुझे कुछ खास पता ही नहीं चला। मुझे नहीं लगता कि मैं उसे दोबारा पहचान पाया। वह मुझे जवान नहीं लगी, बस इतना ही मैं तुम्हें बता सकता हूँ।”
"और आप कहते हैं कि आपने इस असाधारण कहानी को अपने तक ही सीमित रखा?"

“हाँ। ये मेरे जैसा नहीं लगता, है ना? पर इसमें कुछ तो था—पता नहीं। अगर मैंने किसी भी आदमी को बताया होता, तो उन्हें ये बहुत मज़ेदार लगता। पर ऐसा नहीं था। इसलिए मैंने इसका ज़िक्र नहीं किया। किसी तरह मुझे लगा कि ये सही नहीं होगा।”
मुझे खुशी है कि आप नहीं चाहते थे कि लोग इस पर हँसें।
“नहीं। लड़के की समझ काफी अच्छी है। बस इतना ही। पच्चीस, ग्यारह, नौ; वो घटिया कार तो तेल और पेट्रोल ही खा जाती है—उन सभी बड़े इंजनों का यही हाल है। बीमा को लेकर तो बहुत अड़चन आने वाली है। प्लीज़, प्यारी आंटी हैरियट, क्या मुझे अब और ये सब करना पड़ेगा? इनसे मेरा मन उदास हो जाता है।”
"आप इन्हें मेरे जाने तक छोड़ सकते हैं, और सारे चेक और लिफाफे आप खुद ही लिख लीजिए।"
“यह तो गुलामों का मालिक है। मैं फूट-फूट कर रो दूंगी।”
मैं आपके लिए एक रुमाल लाता हूँ।
“तुम अब तक की सबसे गैर-औरत हो जिनसे मैं मिली हूँ। अंकल पीटर के प्रति मेरी हार्दिक सहानुभूति है। इसे देखो! उनसठ, पंद्रह—हिसाब हो गया; मुझे आश्चर्य है कि यह सब क्या था।”
हैरियट ने कुछ नहीं कहा, लेकिन चेक बनाना जारी रखा।
“एक बात तो यह है कि ब्लैकवेल के यहाँ ज्यादा कुछ नहीं दिखता। बस मामूली सी रकम, छह पाउंड बारह सेंट।”
"इस असहनीय मात्रा में बोरी के बदले में सिर्फ आधा पैसा रोटी।"
"क्या तुमने अंकल पीटर से उद्धरण देने की वह आदत अपना ली?"
आपको अपने चाचा के कंधों पर और बोझ डालने की जरूरत नहीं है।
“क्या तुम्हें बार-बार यही जताना ज़रूरी है? शराब की दुकान पर भी कुछ खास नहीं है। शराब पीने का चलन बिल्कुल खत्म हो गया है। क्या यह संतोषजनक नहीं है? बेशक, राज्यपाल कभी-कभार एक-दो बोतल दे देते हैं। क्या तुम्हें वो नीरस्टाइनर पसंद आई थी जो तुम्हें उस दिन मिली थी? अंकल पीटर ने तो लाकर दी थी। ऐसी और कितनी बोतलें बची हैं?”
"पर्याप्त।"
“ओह! मेरी बांह में बहुत दर्द हो रहा है।”
अगर आप सचमुच बहुत थके हुए हैं—
नहीं, मैं संभाल लूंगा।

आधे घंटे बाद, हैरियट ने कहा, "बस इतना ही है।"
“भगवान का शुक्र है! अब मुझसे प्यार से बात करो।”
नहीं; मुझे अब वापस जाना होगा। मैं इन्हें रास्ते में पोस्ट कर दूंगा।
“क्या तुम सचमुच नहीं जा रहे हो? अभी के अभी?”
“जी हां; सीधे लंदन के लिए।”
काश मैं तुम्हारी जगह होता। क्या तुम अगले सत्र में आओगे?
"ओह, प्यारे, ओह, प्यारे! अच्छा, मुझे प्यार से अलविदा कह दो।"
चूंकि हैरियट को इनकार करने का कोई ऐसा तरीका नहीं सूझा जिससे कोई अप्रिय टिप्पणी न हो, इसलिए उसने शांत भाव से बात मान ली। वह जाने के लिए मुड़ ही रही थी कि नर्स ने आकर एक और आगंतुक के आने की सूचना दी। यह एक युवती थी, जो उस समय के फैशन के सबसे बेतुके परिधान में सजी हुई थी, सिर पर नशे में धुत्त दिखने वाली टोपी और चमकीले बैंगनी रंग के नाखून थे। वह सहानुभूति जताते हुए रोते हुए आगे बढ़ी:
ओह, प्यारे जेरी! यह तो बेहद दुखद और दिल दहला देने वाला है!
“हे भगवान! गिलियन!” विस्काउंट ने बिना किसी उत्साह के कहा। “तुमने यह कैसे किया—?”
“मेरी प्यारी! मुझे देखकर तुम बिल्कुल भी खुश नहीं लग रही हो।”
हैरियट भाग निकली और उसने गलियारे में नर्स को एक कटोरे में ढेर सारे गुलाब रखते हुए पाया।
मुझे उम्मीद है कि मैंने इस सब से आपके मरीज को ज्यादा परेशान नहीं किया होगा।
“मुझे खुशी है कि आप उसकी मदद करने आए; यह उसके मन में था। ये गुलाब कितने सुंदर हैं! उस युवती ने इन्हें लंदन से लाया है। उसके पास बहुत सारे लोग मिलने आते हैं। लेकिन आप आश्चर्य नहीं कर सकते, है ना? वह एक प्यारा लड़का है, और वह सिस्टर से क्या-क्या बातें करता है! अपनी हंसी रोकना मुश्किल है। अब वह काफी बेहतर दिख रहा है, है ना? श्री व्हाईब्रो ने उसके सिर पर लगे घाव का बहुत अच्छा ऑपरेशन किया है। उसके टांके लग गए हैं—ओह, हाँ! अब तो बिल्कुल भी दिखाई नहीं देंगे। यह तो बड़ी राहत की बात है, है ना? क्योंकि वह बहुत ही सुंदर है।”
"हां; वह बहुत ही सुंदर युवक है।"
“वह अपने पिता की तरह दिखता है। क्या आप ड्यूक ऑफ डेनवर को जानते हैं? वह भी बहुत सुंदर हैं। डचेस को सुंदर कहना सही नहीं होगा; बल्कि वे प्रतिष्ठित हैं। उन्हें

बहुत डर था कि कहीं उनका चेहरा जीवन भर के लिए खराब न हो जाए, और यह बहुत दुख की बात होती। लेकिन मिस्टर व्हाईब्रो एक शानदार सर्जन हैं। आप देखेंगे कि वह बिल्कुल ठीक हो जाएंगे। बहन बहुत खुश हैं—हम उन्हें बताते हैं कि उन्हें नंबर पंद्रह से प्यार हो गया है। मुझे यकीन है कि हम सभी को उनसे विदा लेते समय दुख होगा; वह हम सभी को खुश रखते हैं।"
मुझे उम्मीद है कि वह ऐसा करेगा।
और वो मैट्रन की टांग कैसे खींचता है। वो उसे बदतमीज़ बंदर कहती है, लेकिन उसकी हरकतों पर हँसे बिना नहीं रह पाती। अरे बाप रे! फिर से नंबर सत्रह की घंटी बज रही है। मुझे लगता है उसे कुछ चाहिए। तुम्हें तो निकलने का रास्ता पता है, है ना?
हैरियट वहां से चली गई; उसे लगा कि लॉर्ड सेंट-जॉर्ज की चाची होना शायद एक बोझिल स्थिति होगी।
"बेशक," डीन ने कहा, "अगर छुट्टियों में कुछ हो जाए तो—"
"मुझे तो इस पर संदेह है," हैरियट ने कहा। "दर्शकों की संख्या इतनी ज़्यादा नहीं होगी। मेरा मानना है कि इनका मकसद सार्वजनिक घोटाला करना है। लेकिन अगर ऐसी कोई और घटना घटित होती है, तो इससे दर्शकों की संख्या सीमित हो जाएगी।"
"हाँ; एस.सी.आर. के अधिकांश सदस्य अनुपस्थित रहेंगे। अगले सत्र में, वार्डन, मिस लिडगेट और मुझ पर लगे सभी संदेह दूर हो जाने के कारण, हम बेहतर गश्त कर पाएंगे। आप क्या करने वाले हैं?"
"मुझे नहीं पता। मैं कुछ समय के लिए ऑक्सफोर्ड वापस आकर कुछ काम करने के बारे में सोच रहा हूँ। यह जगह आपको अपनी ओर खींचती है। यह पूरी तरह से गैर-व्यावसायिक है। मुझे लगता है कि मेरा दिमाग थोड़ा तीखा हो रहा है। मुझे शांत होने की ज़रूरत है।"
"बी.लिट के लिए काम क्यों न करें?"
"यह तो काफी मजेदार होगा। मुझे डर है कि वे ले फानू को स्वीकार नहीं करेंगे, है ना? कोई और नीरस लेखक होना चाहिए। मुझे थोड़ी नीरसता पसंद आएगी। रोजी-रोटी के लिए उपन्यास लिखना तो जरूरी है, लेकिन बदलाव के लिए मैं कुछ अकादमिक और सारगर्भित पढ़ना चाहूंगा।"
"खैर, मुझे उम्मीद है कि आप अगले सत्र के कुछ हिस्से के लिए वापस आएंगे। जब तक प्रूफ प्रिंटिंग के लिए प्रिंटर के पास नहीं पहुंच जाते, तब तक आप मिस लिडगेट को छोड़कर नहीं जा सकते।"

"मुझे इस अवकाश के दौरान उसे खुला छोड़ने में लगभग डर लग रहा है। वह जेरार्ड मैनली हॉपकिंस पर लिखे अपने अध्याय से असंतुष्ट है; उसे लगता है कि उसने उन पर पूरी तरह से गलत दृष्टिकोण से हमला किया है।"
"अरे नहीं!"
मुझे डर है कि ऐसा ही है। ओह, हाँ!... खैर, मैं इससे निपट लूंगा। और बाकी—देखते हैं क्या होता है।"
हैरियट दोपहर के भोजन के तुरंत बाद ऑक्सफोर्ड से रवाना हो गई। जब वह अपना सूटकेस कार में रख रही थी, तभी पैजेट उसके पास आया।
"माफ़ कीजिए महोदया, लेकिन डीन को लगता है कि आप इसे देखना चाहेंगी। यह आज सुबह मिस डी वाइन की चिमनी में मिला था।"
हैरियट ने अधजले, मुड़े हुए अखबार के पन्ने को देखा। उस पर विज्ञापन के कॉलम से अक्षर काटे गए थे।
"क्या मिस डी वाइन अभी भी कॉलेज में हैं?"
“वह 10:10 बजे चली गई, मिस।”
“मैं इसे रख लूंगी, पैजेट, धन्यवाद। क्या मिस डी वाइन आमतौर पर डेली ट्रम्पेट पढ़ती हैं?”
“मुझे ऐसा नहीं लगता, महोदया। यह टाइम्स या टेलीग्राफ में प्रकाशित होने की अधिक संभावना है। लेकिन आप आसानी से पता लगा सकती हैं।”
“बेशक, कोई भी इसे चिमनी में गिरा सकता था। इससे कुछ साबित नहीं होता। लेकिन मुझे इसे देखकर बहुत खुशी हुई। सुप्रभात, पैजेट।”
"शुभ प्रभात मिस।"

## अध्याय 11

हे प्रेम, मुझे छोड़ दो, जो धूल में मिल जाने के लिए ही तैयार है; और हे मेरे मन, उच्चतर चीजों की आकांक्षा करो; उसमें समृद्ध हो जाओ जो कभी जंग नहीं खाता, जो कुछ भी मिटता है, वह मिटने वाले सुख लाता है। अपनी किरणों को समेट लो, और अपनी सारी शक्ति को उस मधुर बंधन में झुका दो जहाँ शाश्वत स्वतंत्रताएँ हैं; जो बादलों को चीरकर प्रकाश को खोल देता है, जो चमकता भी है और हमें देखने की दृष्टि भी देता है।

—सर फिलिप सिडनी

शहर आश्चर्यजनक रूप से खाली और नीरस लग रहा था। फिर भी बहुत कुछ घटित हो रहा था। हैरियट ने अपने एजेंट और प्रकाशक से मुलाकात की, धारावाहिक लेखन के अधिकारों के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, अखबार के मालिक लॉर्ड गोबर्सले और समीक्षक श्री एड्रियन क्लूट के बीच चल रहे झगड़े की अंदरूनी कहानी सुनी, गार्गेंटुआ कलर-टॉकीज़ लिमिटेड, अभिनेता श्री गैरिक ड्रूरी और पैशनफ्लावर पाई की लेखिका श्रीमती स्नेल-विलमिंगटन के बीच चल रहे त्रिकोणीय विवाद में उत्साहपूर्वक भाग लिया, और डेली हेडलाइन के खिलाफ मिस शुगर टूबिन के मानहानि के मुकदमे के विवरण में भी दिलचस्पी दिखाई, और निश्चित रूप से, यह जानकर बेहद उत्सुक थी कि जैकलिन स्क्विल्स ने अपने नए उपन्यास, गैस-फिल्ड बल्ब्स में अपने दूसरे तलाकशुदा पति की आदतों और चरित्र का दुर्भावनापूर्ण खुलासा किया है।

फिर भी, किसी तरह ये सब चीज़ें उसका मनोरंजन नहीं कर पा रही थीं। हालात और भी बदतर हो गए क्योंकि उसका नया रहस्य उपन्यास कहीं अटक गया था। उसके पास पाँच संदिग्ध थे, जो एक पुरानी पानी की चक्की में बड़ी सफाई से बंद थे, जहाँ आने-जाने का एकमात्र रास्ता एक तख़्ते का पुल था, और उन सभी के पास एक अनोखे प्रकार की हत्या के लिए मकसद और सबूत थे। देखने में तो कुछ भी मौलिक रूप से गलत नहीं लग रहा था। लेकिन उन पाँचों लोगों के रिश्तों के समीकरण एक अस्वाभाविक, अविश्वसनीय समरूपता लेने लगे थे। इंसान ऐसे नहीं होते; इंसानी समस्याएँ ऐसी नहीं होतीं; असल में जो हो रहा था वो ये था कि लगभग दो सौ लोग कॉलेज में खरगोशों की तरह अंदर-बाहर भाग रहे थे, अपना काम कर रहे थे, अपनी ज़िंदगी जी रहे थे, और हर समय ऐसे मकसद से प्रेरित थे जो खुद उन्हें भी समझ नहीं आ रहे थे, और फिर इन सबके बीच—एक सीधी-सादी, समझने लायक हत्या नहीं, बल्कि एक अर्थहीन और समझ से परे पागलपन।

भला कोई दूसरों के इरादों और भावनाओं को कैसे समझ सकता है, जब खुद के इरादे और भावनाएँ रहस्यमय ही रहें? 1 अप्रैल को चिट्ठी आने का बेसब्री से इंतज़ार क्यों करता है, और फिर जब वो पहली डाक से नहीं आती तो इतना परेशान और अपमानित क्यों महसूस करता है? शायद चिट्ठी ऑक्सफोर्ड भेजी गई थी। इसमें कोई जल्दबाजी नहीं थी, क्योंकि पता था कि उसमें क्या होगा और उसका जवाब कैसे देना है; लेकिन फिर भी उसका इंतज़ार करना परेशान करने वाला था।

घंटी बजी। सचिव टेलीग्राम लेकर अंदर आईं (शायद यही था)। अमेरिकी पत्रिका की प्रतिनिधि का लंबा-चौड़ा और बेवजह का संदेश था कि वह जल्द ही इंग्लैंड पहुँच रही

हैं और मिस हैरियट वेन से उनके प्रकाशन के लिए एक कहानी पर बात करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। बड़े ही सौहार्दपूर्ण ढंग से। आखिर ये लोग किस बारे में बात करना चाहते थे? कहानियां तो बातचीत से नहीं लिखी जातीं।
घंटी बजी। दूसरी डाक। इतालवी स्टाम्प वाला पत्र। (छँटाई में थोड़ी देरी हुई होगी, शायद।) ओह, धन्यवाद, मिस ब्रेसी। वह मूर्ख, जो बहुत खराब अंग्रेजी लिखता था, मिस वेन की रचनाओं का इतालवी में अनुवाद करने के लिए उत्सुक था। क्या मिस वेन लेखिका को बता सकती हैं कि उन्होंने कौन-कौन सी पुस्तकें लिखी हैं? अनुवादक तो सब ऐसे ही होते हैं—न अंग्रेजी, न समझ, न कोई अनुभव। हैरियट ने संक्षेप में उनके बारे में अपनी राय बताई, मिस ब्रेसी को यह मामला एजेंट को सौंपने के लिए कहा और अपनी डिक्टेशन पर लौट गई।
विल्फ्रेड रूमाल को घूर रहा था। विनचेस्टर के बेडरूम में यह क्या कर रहा था? उसके मन में एक अजीब सी बेचैनी थी...
टेलीफोन। कृपया एक पल रुकिए। (ऐसा तो हो ही नहीं सकता; किसी महंगी विदेशी कॉल को लगाना तो बेवकूफी होगी।) हैलो! जी हां। मैं बोल रहा हूं। ओह?
शायद उसे पता था। रेगी पोम्फ्रे में एक तरह का सौम्य दृढ़ संकल्प था। क्या मिस वेन, क्या मिस वेन पैलेडियम में नए शो के साथ रात के खाने पर उनकी संगति बर्दाश्त कर पाएंगी? उसी रात? अगली रात? किसी भी रात? उसी रात? श्री पोम्फ्रे खुशी से अवाक रह गए। धन्यवाद। फोन रख दो। हम कहाँ थे? मिस ब्रेसी?
“एक अजीब सी भावना के साथ—ओह, हाँ, विल्फ्रेड। मृत व्यक्ति के शयनकक्ष में अपनी प्रेमिका का रूमाल पाकर विल्फ्रेड को बहुत दुख हुआ। बेहद पीड़ादायक। एक अजीब सी भावना—मिस ब्रेसी, इन परिस्थितियों में आपको कैसा महसूस होना चाहिए?”
"मुझे लगता है कि लॉन्ड्री वालों ने कोई गलती की होगी।"
“ओह, मिस ब्रेसी! अच्छा—हमें कहना चाहिए कि यह एक लेस वाला रूमाल था। विनचेस्टर गलती से भी लेस वाले रूमाल को अपना रूमाल नहीं समझ सकता था, चाहे लॉन्ड्री ने उसे कुछ भी भेजा हो।”
"लेकिन क्या एडा ने लेस का रूमाल इस्तेमाल किया होगा, मिस वेन? क्योंकि उसे कुछ हद तक लड़कों जैसी, बाहरी गतिविधियों में मग्न रहने वाली लड़की के रूप में चित्रित किया गया है। और ऐसा भी नहीं है कि वह शाम की पोशाक में हो, क्योंकि यह बहुत ज़रूरी था कि वह ट्वीड की पोशाक में आए।"

“यह सच है। अच्छा—अच्छा, रूमाल छोटा ही ठीक रहेगा, पर लेस वाला नहीं। सादा, पर अच्छा। रूमाल के वर्णन पर वापस लौटिए... ओह, नहीं—मैं जवाब दूंगी। जी? जी? जी!... नहीं, मुझे डर है कि मैं ऐसा नहीं कर सकती। नहीं, सच में—ओह! अच्छा, आप मेरे एजेंटों से पूछ लीजिए। जी, ठीक है। अलविदा... कोई क्लब 'क्या प्रतिभाशाली लोगों को शादी करनी चाहिए?' विषय पर बहस करना चाहता है। यह सवाल शायद उनके किसी सदस्य को व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करेगा, तो वे क्यों परेशान हो रहे हैं?... जी, मिस ब्रेसी? ओह, जी, विल्फ्रेड। विल्फ्रेड को परेशान मत करो! मुझे उस आदमी से बहुत नफरत हो रही है।”

शाम के समय तक, विल्फ्रिड इतना परेशान करने वाला व्यवहार कर रहा था कि हैरियट गुस्से में उसे बाहर निकाल कर एक साहित्यिक कॉकटेल पार्टी में शामिल होने चली गई। जिस कमरे में पार्टी हो रही थी, वह बेहद गर्म और भीड़भाड़ वाला था, और वहाँ मौजूद सभी लेखक (क) प्रकाशकों, (ख) एजेंटों, (ग) अपनी खुद की बिक्री, (घ) दूसरों की बिक्री, और (ङ) 'बुक ऑफ द मोमेंट' के चयनकर्ताओं के असाधारण व्यवहार पर चर्चा कर रहे थे, जिन्होंने अपना क्षणिक ताज टास्कर हेपलवाटर की 'मॉक टर्टल' को दे दिया था। एक प्रतिष्ठित निर्णायक ने कहा था, "मैंने यह किताब पढ़ते हुए अपनी आँखों से आंसू बहाए।" 'सर्पेंट्स फैंग' के लेखक ने एक छोटी सी सॉसेज और एक गिलास शेरी के साथ हैरियट से कहा कि वे शायद बोरियत के आंसू थे; लेकिन 'डस्क एंड शिवर' की लेखिका ने कहा, नहीं—वे शायद खुशी के आंसू थे, जो किताब के अनजाने हास्य से निकले थे; क्या वह कभी हेपलवाटर से मिली थीं? एक बेहद गुस्से में भरी युवती, जिसकी किताब को नज़रअंदाज़ कर दिया गया था, ने ऐलान किया कि यह सब एक घिनौना नाटक है। हर प्रकाशक की सूची से बारी-बारी से 'बुक ऑफ़ द मोमेंट' का चयन किया जाता था, इसलिए उसकी अपनी किताब 'एरियाडने एडम्स' को इस लाभ से बेदखल कर दिया गया, सिर्फ़ इस वजह से कि उसके प्रकाशक के प्रकाशन को पिछले जनवरी में सम्मानित किया गया था। हालांकि, उसे निजी तौर पर यह आश्वासन मिला था कि 'मॉर्निंग स्टार' के आलोचक ने 'एरियाडने' के आखिरी सौ पन्ने पढ़कर बच्चे की तरह रोया था, और अगर प्रकाशक को अख़बार में विज्ञापन देने के लिए राज़ी किया जा सके, तो शायद वह इसे 'बुक ऑफ़ द फोर्टनाइट' बना देगा। 'द स्क्वीज़्ड लेमन' के लेखक ने भी माना कि इसके पीछे विज्ञापन ही वजह थी: क्या उन्होंने सुना था कि कैसे 'डेली फ्लैशलाइट' ने हम्फ्री क्विट को अपने साथ विज्ञापन देने के लिए ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी? और कैसे, उनके इनकार पर, उन्होंने गुस्से में

कहा था, "अच्छा, आप जानते हैं कि क्या होगा, मिस्टर क्विट?" और कैसे क्विट की किसी भी किताब को 'फ्लैशलाइट' से कभी समीक्षा तक नहीं मिली? और क्विट ने मॉर्निंग स्टार में इस बात का विज्ञापन कैसे किया और परिणामस्वरूप उसकी कुल बिक्री में 50 प्रतिशत की वृद्धि कैसे हुई? खैर, किसी अविश्वसनीय आंकड़े से ही सही। लेकिन प्रिमरोज़ डैलियंस के लेखक ने कहा कि आजकल की लोकप्रिय किताबों के शौकीनों के लिए व्यक्तिगत प्रभाव ही मायने रखता है—उन्हें निश्चित रूप से याद होगा कि हेप्पलवॉटर ने वाल्टन स्ट्रॉबेरी की नवीनतम पत्नी की बहन से शादी की थी। जॉकुंड डे के लेखक भी इस प्रभाव से सहमत थे, लेकिन उनका मानना था कि इस मामले में यह राजनीतिक था, क्योंकि मॉक टर्टल में कुछ शक्तिशाली फासीवाद-विरोधी प्रचार था और यह सर्वविदित था कि ब्लैकशर्ट्स पर एक जोरदार प्रहार करके आप हमेशा स्नीप फोर्टेस्क्यू को अपने पक्ष में कर सकते थे।

"लेकिन मॉक टर्टल किस बारे में है?" हैरियट ने पूछा।

इस विषय पर लेखकों का दृष्टिकोण काफी अस्पष्ट था; लेकिन एक युवा लेखक, जो हास्य पत्रिका की कहानियाँ लिखता था और इसलिए उपन्यासों के प्रति उदार दृष्टिकोण रखता था, ने कहा कि उसने इसे पढ़ा था और उसे यह काफी रोचक लगा, बस थोड़ा लंबा था। यह एक मछलीघर में तैराकी प्रशिक्षक के बारे में था, जिसे इतनी सारी नहाती हुई सुंदरियों के चित्र बनाते-बनाते नग्नता के प्रति एक ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण घृणास्पद विकार हो गया था कि इसने उसकी सभी स्वाभाविक भावनाओं को पूरी तरह से दबा दिया था। इसलिए उसने एक व्हेल शिकारी जहाज पर नौकरी कर ली और एक एस्किमो महिला से पहली नज़र में प्यार हो गया, क्योंकि वह वस्त्रों का एक सुंदर बंडल थी। उसने उससे शादी कर ली और उसे अपने साथ एक उपनगर में ले आया, जहाँ उसे एक शाकाहारी नग्नतावादी से प्यार हो गया। फिर पति थोड़ा पागल हो गया और उसे विशाल कछुओं के प्रति एक विकार हो गया, और वह अपना सारा खाली समय एक्वेरियम में कछुआ-टैंक को घूरते हुए और उन अजीब, धीमी गति से तैरने वाले राक्षसों को उनके खोल में घूमते हुए देखने में बिताता था। लेकिन निश्चित रूप से इसमें बहुत सी बातें शामिल थीं - यह उन पुस्तकों में से एक थी जो सामान्य रूप से चीजों के प्रति लेखक की प्रतिक्रियाओं को दर्शाती हैं। कुल मिलाकर, उनके विचार में, इसे वर्णित करने के लिए 'महत्वपूर्ण' शब्द ही उपयुक्त था।

हैरियट को लगने लगा कि डेथ 'ट्विक्स विंड एंड वॉटर की कहानी में भी कुछ तो बात हो सकती है। कम से कम, यह किसी खास बात का संकेत तो नहीं देती थी।

हैरियट चिढ़कर मेक्लेनबर्ग स्क्वायर लौट गई। घर में घुसते ही उसे पहली मंज़िल पर अपने टेलीफ़ोन की तेज़ घंटी सुनाई दी। वह जल्दी से ऊपर भागी—टेलीफ़ोन की घंटी बजने पर कोई कुछ नहीं कह सकता। जैसे ही उसने ताले में चाबी डाली, टेलीफ़ोन अचानक बंद हो गया।

“धत् तेरे की!” हैरियट बोली। दरवाजे के अंदर एक लिफाफा पड़ा था। उसमें अखबारों की कुछ कतरनें थीं। एक में उसे मिस वाइन्स कहा गया था और बताया गया था कि उसने कैम्ब्रिज से डिग्री ली है; दूसरी में उसके काम की तुलना एक अमेरिकी थ्रिलर लेखक के काम से की गई थी, जिसमें उसकी तुलना कमतर बताई गई थी; तीसरी उसकी आखिरी किताब की एक देर से आई समीक्षा थी, जिसमें कहानी का खुलासा हो गया था; चौथी में किसी और के थ्रिलर को उसका बताया गया था और कहा गया था कि उसने “जीवन के प्रति एक खेल जैसा नज़रिया अपना लिया है” (इसका जो भी मतलब हो)। “यह,” हैरियट ने बहुत परेशान होकर कहा, “आज का दिन भी कुछ ऐसा ही है! अप्रैल की पहली तारीख है! और अब मुझे इस बदतमीज़ अंडरग्रेजुएट के साथ खाना खाना है, और अपनी बढ़ती उम्र का बोझ महसूस करना है।”

लेकिन हैरानी की बात यह थी कि उसे डिनर और शो दोनों ही पसंद आए। रेगी पोम्फ्रे में एक ताज़गी भरी सादगी थी। उसे साहित्यिक ईर्ष्याओं का कोई ज्ञान नहीं था; व्यक्तिगत और पेशेवर निष्ठाओं के तुलनात्मक महत्व के बारे में उसकी कोई राय नहीं थी; वह सीधे-सादे चुटकुलों पर भी दिल खोलकर हँसता था; वह न तो आपकी भावनाओं को ठेस पहुँचाता था और न ही अपनी; वह दोहरे अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग नहीं करता था; वह आपको उस पर हमला करने के लिए चुनौती नहीं देता था और फिर अचानक खुद को आर्मडिलो की तरह गोल करके व्यंग्यात्मक उद्धरणों की चिकनी, रक्षात्मक सतह प्रस्तुत नहीं करता था; उसमें किसी भी प्रकार का कोई छिपाव नहीं था; वह एक नेक दिल, बहुत चतुर न होने वाला, नौजवान था, जो उस व्यक्ति को प्रसन्न करने के लिए उत्सुक था जिसने उस पर दया दिखाई थी। हैरियट को वह बेहद शांत और सहज लगा।

"क्या आप थोड़ी देर के लिए ऊपर आकर कुछ पीना चाहेंगे?" हैरियट ने अपने दरवाजे पर खड़े होकर कहा।

श्री पोम्फ्रे ने कहा, "बहुत-बहुत धन्यवाद, अगर अभी भी बहुत देर नहीं हुई है।"

उन्होंने टैक्सी को रुकने का निर्देश दिया और खुशी-खुशी ऊपर चढ़ गए। हैरियट ने फ्लैट का दरवाजा खोला और लाइट जला दी। श्री पोम्फ्रे ने विनम्रतापूर्वक झुककर

चटाई पर पड़ा पत्र उठा लिया।
“ओह, धन्यवाद,” हैरियट ने कहा।
वह उससे पहले बैठक कक्ष में चली गई और उसने उसका लबादा उतार दिया। एक-दो क्षण बाद, उसे एहसास हुआ कि पत्र अभी भी उसके हाथ में है और वह और उसका मेहमान अभी भी खड़े हैं।
क्षमा करें। कृपया बैठ जाइए।
श्री पोम्फ्रे ने इशारे से कहा, "कृपया—" "इसे पढ़िए और मेरी बातों पर ध्यान मत दीजिए।"
“कुछ नहीं,” हैरियट ने लिफाफा मेज पर फेंकते हुए कहा। “मुझे पता है इसमें क्या है। आप क्या लेंगे? क्या आप खुद ही ले लेंगे?”
श्री पोम्फ्रे ने उपलब्ध जलपान विकल्पों का जायजा लिया और पूछा कि वह उनके लिए क्या बना सकते हैं। पेय पदार्थ का प्रश्न हल हो जाने पर थोड़ी देर के लिए मौन छा गया।
“अरे—वैसे,” श्री पोम्फ्रे ने कहा, “क्या मिस कैटरमोल ठीक हैं? उस रात के बाद से जब मेरी आपसे मुलाकात हुई थी, तब से मैंने उन्हें ज्यादा नहीं देखा है। पिछली बार जब हम मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि वह काफी मेहनत कर रही हैं।”
“ओह, हाँ। मुझे लगता है कि वह है। अगले कार्यकाल में उसे मॉड्स पार्टी से समर्थन मिलेगा।”
"अरे, बेचारी लड़की! वह आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक है।"
“क्या उसने ऐसा किया है? मुझे नहीं पता क्यों। मुझे याद आ रहा है कि मैंने उसे काफी बुरी तरह से डांटा था।”
“खैर, आपने मुझसे काफी सख्ती बरती। लेकिन मैं मिस कैटरमोल से सहमत हूँ। बिलकुल। मेरा मतलब है, हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि हम आपकी बहुत प्रशंसा करते हैं।”
"आपकी कितनी अच्छी बात है," हैरियट ने बेपरवाही से कहा।
“हां, बिल्कुल। बल्कि। मैं कभी नहीं भूलूंगा कि तुमने उस ज्यूक्स को कैसे संभाला था। क्या तुमने देखा कि लगभग एक हफ्ते बाद ही वह मुसीबत में फंस गया था?”
“हां। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ।”
“नहीं। एक बेहद भद्दा मस्सा। पूरी तरह से पपड़ीदार।”
“वह हमेशा से ऐसा ही था।”

“खैर, कॉमरेड ज्यूक्स के लिए एक लंबे दौर की कामना करते हैं। आज का शो बुरा नहीं था, है ना?”
हैरियट ने खुद को संभाला। वह अचानक मिस्टर पोम्फ्रे से तंग आ गई थी और चाहती थी कि वे चले जाएं; लेकिन उनके साथ शिष्टता से पेश न आना उसकी गलती होती। उसने बड़ी उत्सुकता से उस मनोरंजन के बारे में बात करना शुरू किया जिसमें मिस्टर पोम्फ्रे उसे ले गए थे, और वह इसमें इतनी सफल रही कि लगभग पंद्रह मिनट बाद मिस्टर पोम्फ्रे को अपनी टैक्सी याद आई और वे बड़े प्रसन्न भाव से चले गए।
हैरियट ने पत्र उठाया। अब जबकि वह इसे खोलने के लिए स्वतंत्र थी, वह इसे खोलना नहीं चाहती थी। इस पत्र ने उसकी शाम खराब कर दी थी।
प्रिय हैरियट,
मैं आयकर आयुक्तों की तरह ही नियमित रूप से अपने मांग पत्र भेजता हूँ; और शायद आप लिफाफे देखकर कहते होंगे, 'हे भगवान! मुझे पता है ये क्या है।' फर्क सिर्फ इतना है कि कभी न कभी तो आयकर पर ध्यान देना ही पड़ता है।
क्या तुम मुझसे शादी करोगी?—यह अब किसी प्रहसन के संवाद की तरह लगने लगा है—जब तक इसे बार-बार न कहा जाए तब तक यह उबाऊ लगता है; और उसके बाद, हर बार जब यह बोला जाता है तो हंसी और भी बढ़ जाती है।
मैं तुम्हें ऐसे शब्द लिखना चाहता हूँ जो कागज़ को जला दें—पर ऐसे शब्द न केवल अविस्मरणीय होते हैं बल्कि क्षमा न करने योग्य भी। तुम कागज़ को जला ही दोगे; और मैं यही चाहूँगा कि उसमें ऐसा कुछ भी न हो जिसे तुम चाहो तो भूल न सको।
खैर, वो सब खत्म हो गया। अब चिंता मत करो।
मेरे भतीजे (जिन्हें आपने असाधारण लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया है) ने इशारों-इशारों में कहा है कि आप ऑक्सफोर्ड में किसी अप्रिय और खतरनाक काम में लगे हुए हैं, जिसके बारे में उसे चुप रहना चाहिए। उम्मीद है कि वह गलतफहमी में है। लेकिन मुझे पता है कि अगर आपने कोई काम हाथ में लिया है, तो अप्रियता और खतरा आपको पीछे नहीं हटाएंगे, और भगवान न करे ऐसा हो। जो भी काम हो, मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।
इस समय मैं अपने स्वामी के अधीन नहीं हूँ, और मुझे नहीं पता कि मुझे आगे कहाँ भेजा जाएगा या मैं कब वापस आऊँगा—उम्मीद है जल्द ही। इस बीच, क्या मैं समय-समय पर आपसे यह जानने की आशा कर सकता हूँ कि आप कैसे हैं?
मेरे अपने से अधिक, तुम्हारा।

पीटर विस्से

वह पत्र पढ़ने के बाद हैरियट जानती थी कि जब तक उसका जवाब नहीं मिल जाता, उसे चैन नहीं मिलेगा। पत्र के शुरुआती पैराग्राफ में जो कड़वाहट और निराशा थी, वह आखिरी दो पैराग्राफ से आसानी से समझ में आ गई। शायद वह सोच रहा था—और वह सोचे बिना रह ही नहीं सकता था—कि इतने सालों से उसे जानने के बावजूद, उसने अंत में उस पर नहीं, बल्कि अपनी आधी उम्र से भी कम उम्र के एक लड़के और अपने भतीजे पर भरोसा किया, जिसे वह सिर्फ़ कुछ हफ़्तों से जानती थी और जिस पर भरोसा करने का उसके पास कोई कारण नहीं था। उसने कोई टिप्पणी नहीं की और कोई सवाल नहीं पूछा—इससे मामला और बिगड़ गया। इससे भी बड़ी बात यह थी कि उसने न सिर्फ़ मदद और सलाह देने से परहेज़ किया, जिससे हैरियट को बुरा लग सकता था; बल्कि उसने जानबूझकर यह भी माना कि उसे अपने जोखिम उठाने का अधिकार है। "अपना ध्यान रखना"; "मैं तुम्हें किसी अप्रिय स्थिति में डालने के बारे में सोचकर भी दुखी होता हूँ"; "काश मैं वहाँ होता और तुम्हारी रक्षा कर पाता"; ऐसे वाक्य किसी भी पुरुष की सामान्य प्रतिक्रिया को व्यक्त करते हैं। दस हज़ार में से एक भी पुरुष अपनी प्रेमिका से, या किसी भी महिला से, यह नहीं कहेगा: "अप्रियता और खतरा तुम्हें पीछे नहीं हटाएँगे, और भगवान न करे ऐसा हो।" यह समानता की स्वीकृति थी, और उसने उससे इसकी उम्मीद नहीं की थी। यदि वह विवाह को इस तरह से देखता है, तो पूरी समस्या को इस नए दृष्टिकोण से देखना होगा; लेकिन यह लगभग असंभव लग रहा था। इस तरह का रुख अपनाना और उस पर अडिग रहना, उसके लिए एक इंसान नहीं बल्कि एक चमत्कार होगा। लेकिन सेंट-जॉर्ज का मामला तुरंत सुलझाना होगा। उसने बिना ज्यादा सोचे-समझे जल्दी से लिखा।

प्रिय पीटर,

नहीं। मुझे समझ नहीं आ रहा। फिर भी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ऑक्सफ़ोर्ड वाली बात के बारे में—मैं आपको बहुत पहले ही बता देती, बस फ़र्क़ यह है कि यह मेरा राज़ नहीं है। मैं आपके भतीजे को नहीं बताती, बस उसे कुछ पता चल गया था और मुझे बाकी बातें उस पर भरोसा करके बतानी पड़ीं ताकि वह अनजाने में कोई गड़बड़ न कर दे। काश मैं आपको बता पाती; आपकी मदद पाकर मुझे बहुत खुशी होती; अगर कभी मौका मिला तो मैं ज़रूर बताऊंगी। यह थोड़ा अप्रिय है, पर उम्मीद है खतरनाक नहीं। मुझे भाग जाने और खेलने के लिए न कहने के लिए धन्यवाद—यह मेरे लिए अब तक की सबसे अच्छी तारीफ़ है।

मुझे उम्मीद है कि आपका मामला, या जो भी हो, ठीक चल रहा होगा। इतना लंबा समय लगना वाकई मुश्किल है।
हेरिएट
लॉर्ड पीटर विम्सी इस पत्र को पिनसियन गार्डन के सामने स्थित एक होटल की छत पर बैठकर पढ़ रहे थे, जो तेज धूप से नहाया हुआ था। यह पत्र उन्हें इतना आश्चर्यचकित कर गया कि वे इसे चौथी बार पढ़ रहे थे, तभी उन्हें एहसास हुआ कि उनके बगल में खड़ा व्यक्ति वेटर नहीं था।
“मेरे प्रिय सरदार! क्षमा करें। क्या शिष्टाचार है! मैं ख्यालों में खो गया था। कृपया बैठ जाइए और मेरे साथ शामिल हो जाइए। सेवक!”
मैं आपसे विनती करता हूँ कि मैं माफी नहीं मांगूंगा। आपको बीच में टोकना मेरी गलती है। लेकिन मुझे डर था कि पिछली रात की घटना ने स्थिति को कुछ हद तक उलझा दिया होगा—”
“इतनी देर रात तक बातें करना मूर्खता है। बड़े-बड़े आदमी थके हुए बच्चों की तरह व्यवहार करते हैं जिन्हें आधी रात तक जागने की इजाजत मिल गई हो। मैं मानता हूँ कि हम सब बहुत चिड़चिड़े थे, मैं भी उनमें से एक था।”
“आप तो हमेशा ही अत्यंत मिलनसार स्वभाव के हैं। इसीलिए मैंने सोचा कि आपसे अकेले में बात करना बेहतर होगा— हम दोनों ही समझदार लोग हैं।”
“काउंट, काउंट, मुझे उम्मीद है कि आप मुझे किसी बात के लिए मनाने नहीं आए हैं। आपके लिए मना करना मेरे लिए बहुत मुश्किल होगा।” विम्सी ने पत्र को मोड़कर अपने पर्स में रख लिया। “धूप खिली है, और मैं अति आत्मविश्वास के कारण गलतियाँ करने के मूड में हूँ।”
“तो फिर, मुझे इस शुभ अवसर का लाभ उठाना चाहिए।” काउंट ने अपनी कोहनियाँ मेज पर टिकाईं और आगे झुक गए, अंगूठे के सिरे से अंगूठे का सिरा और छोटी उंगली के सिरे से छोटी उंगली का सिरा मिलाकर, एक मोहक मुस्कान के साथ। चालीस मिनट बाद, वे मुस्कुराते हुए विदा हुए, अनजाने में ही उन्होंने जितना पाया था उससे कहीं अधिक खो दिया था, और दस शब्दों में उतना कह दिया था जितना उन्होंने हज़ार शब्दों में सीखा था।
लेकिन इस बीच के घटनाक्रम के बारे में हैरियट को स्वाभाविक रूप से कुछ भी पता नहीं था। उसी दिन शाम को, वह रोमानो रेस्तरां में अकेली, थोड़ी उदास होकर खाना खा रही थी। खाना खत्म करते-करते उसकी नज़र रेस्तरां से बाहर निकलते हुए एक

आदमी पर पड़ी, जिसने पहचान का एक अस्पष्ट इशारा किया। वह चालीस के आसपास का था, उसके बाल थोड़े-थोड़े झड़ रहे थे, उसका चेहरा भावहीन और भावहीन था और उसकी मूंछें काली थीं। एक पल के लिए वह उसे पहचान नहीं पाई; फिर उसकी सुस्त चाल और बेदाग़ ढंग से पहने हुए कपड़ों ने उसे लॉर्ड्स में बिताई एक दोपहर की याद दिला दी। उसने उस पर मुस्कुराया, और वह उसकी मेज पर आ गया।

“हेलो-हेलो! उम्मीद है मैं बीच में दखल नहीं दे रहा हूँ। सब कैसा चल रहा है?”

"बहुत अच्छा धन्यवाद।"

“वाह, क्या बात है। मैंने सोचा था कि बस यूं ही आकर आपसे कुछ देर बात कर लूं। या यूं कहूं कि रात में। लेकिन मुझे डर था कि आप मुझे भूल जाएंगे और सोचेंगे कि मैं आपको परेशान कर रहा हूं।”

“हाँ, मुझे याद है। आप श्री अर्बटनॉट हैं—माननीय फ्रेडरिक अर्बटनॉट—और आप पीटर विम्सी के मित्र हैं, और मैं आपसे दो साल पहले ईटन और हैरो के मैच में मिला था, और आप विवाहित हैं और आपके दो बच्चे हैं। वे कैसे हैं?”

ठीक-ठाक, शुक्रिया। आपका दिमाग तो कमाल का है! हाँ, वो दोपहर भी बहुत भीषण थी। समझ नहीं आता क्यों मासूम महिलाओं को वहाँ घसीटकर बोर किया जाए जबकि ढेर सारे छोटे लड़के अपने पुराने स्कूल के कपड़े उतारकर खेल रहे हों। (ये मज़ाक है।) मुझे याद है आप बहुत ही सलीके से पेश आए थे।

हैरियट ने शांत भाव से कहा कि उसे हमेशा क्रिकेट का अच्छा मैच देखना पसंद था।

“क्या सच में? मुझे लगा कि ये तो शिष्टाचार है। मेरे हिसाब से ये बहुत ही धीमी प्रक्रिया है। वैसे मैं खुद भी इसमें कभी अच्छा नहीं था। पीटर के लिए तो ठीक है। वो हमेशा ये सोचकर परेशान हो जाता है कि अगर वो खुद ये काम करता तो कितना बेहतर करता।”

हैरियट ने उसे कॉफी पेश की।

“मुझे नहीं पता था कि लॉर्ड्स में कभी कोई स्टू में भी घुस सकता है। मुझे लगता था कि ऐसा करना ठीक नहीं है।”

“खैर, माहौल तो कप फाइनल जैसा बिल्कुल नहीं है; लेकिन कभी-कभी सज्जन लोग भी थोड़ी-बहुत ताना-बाना बुनने लगते हैं। एक ब्रांडी कैसी रहेगी? वेटर, दो लिकर ब्रांडी। क्या आप और किताबें लिख रहे हैं?”

इस सवाल से एक पेशेवर लेखक के मन में हमेशा उठने वाले गुस्से को दबाते हुए, हैरियट ने स्वीकार किया कि वह थी।
श्री अर्बटनॉट ने कहा, "लिखने की क्षमता होना कितना शानदार होता होगा। मैं अक्सर सोचता हूँ कि अगर मुझमें बुद्धि होती तो मैं भी अच्छी कहानियाँ सुना सकता था। अजीबोगरीब घटनाओं के बारे में, जैसे कि विचित्र सौदे और इस तरह की बातें।"
विम्सी की कही किसी बात की धुंधली सी याद हैरियट के दिमाग की भूलभुलैया में कौंध गई। पैसा। यही उन दोनों पुरुषों के बीच का संबंध था। श्री अर्बटनॉट, चाहे अन्य मामलों में कितने भी मंदबुद्धि क्यों न हों, पैसे की उन्हें गहरी समझ थी। वे जानते थे कि यह रहस्यमयी वस्तु क्या कर सकती है; यही एक बात थी जो वे जानते थे, और वह भी केवल अपनी सहज प्रवृत्ति से। जब हालात ऊपर या नीचे जाने वाले होते थे, तो फ्रेडी अर्बटनॉट के दिमाग में एक छोटी सी चेतावनी की घंटी बजती थी, और वे बिना कारण बताए उस चेतावनी पर अमल कर लेते थे। पीटर के पास पैसा था, और फ्रेडी पैसे को समझते थे; यही वह साझा हित और आपसी विश्वास का बंधन होना चाहिए जो उनकी अन्यथा समझ से परे दोस्ती को समझाता था। वह उन हितों के विचित्र गठजोड़ की प्रशंसा करती थी जो मानव जाति के पुरुष हिस्से को कोशिकाओं के एक घने छत्ते की तरह एकजुट करता है, जहां प्रत्येक कोशिका केवल एक तरफ से दूसरी को छूती है, फिर भी एक मजबूत और घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ ताना-बाना बनाती है।
श्री अर्बटनॉट ने आगे कहा, “पिछले दिनों एक अजीब सी कहानी सामने आई। रहस्यमय मामला था। कुछ समझ ही नहीं आया। बूढ़े पीटर को तो हंसी आ जाती। वैसे, बूढ़े पीटर कैसे हैं?”
“मैंने उसे कुछ समय से नहीं देखा है। वह रोम में है। मुझे नहीं पता कि वह वहां क्या कर रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि वह किसी तरह के मामले में शामिल है।”
“नहीं। मुझे लगता है कि उन्होंने अपने देश के भले के लिए ही अपना देश छोड़ा है। आमतौर पर ऐसा ही होता है। मुझे उम्मीद है कि वे मामले को शांत रखने में कामयाब होंगे। बातचीत थोड़ी तनावपूर्ण है।” श्री अर्बटनॉट लगभग बुद्धिमान लग रहे थे।
"इस लेन-देन से पीटर का क्या लेना-देना है?"
"कुछ नहीं। लेकिन अगर कुछ गड़बड़ होती है, तो इसका असर एक्सचेंज पर जरूर पड़ेगा।"
“यह तो मेरी समझ से परे है। पीटर का वहाँ क्या काम है?”
विदेश मंत्रालय। क्या आपको पता नहीं था?

मुझे तो इसका ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। वह वहाँ स्थायी रूप से तो नहीं जुड़ा हुआ है, है ना?
"क्या आपका मतलब रोम से है?"
विदेश कार्यालय को।
नहीं; लेकिन जब उन्हें लगता है कि उसकी ज़रूरत है, तो वे कभी-कभी उसे बाहर निकाल देते हैं। वह लोगों के साथ अच्छे से घुलमिल जाता है।
“मैं समझ गया। मुझे आश्चर्य है कि उसने इसका जिक्र कभी क्यों नहीं किया।”
“अरे, सबको पता है; ये कोई राज़ नहीं है। शायद उसने सोचा होगा कि तुम्हें इसमें दिलचस्पी नहीं होगी।” श्री अर्बटनॉट ने खोए हुए अंदाज़ में चम्मच को कॉफी कप पर टिकाया। “मुझे बूढ़े पीटर से बहुत लगाव है,” उनकी अगली, कुछ हद तक बेतुकी बात थी। “वो बहुत ही बढ़िया इंसान है। पिछली बार जब मैंने उसे देखा था, तो मुझे लगा कि उसकी तबीयत थोड़ी खराब है... खैर, अब मुझे चलना चाहिए।”
वह थोड़ा अचानक उठा और शुभ रात्रि कहा।
हैरियट ने सोचा कि अपनी अज्ञानता का पर्दाफाश होना कितना अपमानजनक होता है।
सत्र शुरू होने से दस दिन पहले, हैरियट का लंदन में रहना असहनीय हो गया। 'डेथ 'ट्विक्स्ट विंड एंड वॉटर' के अग्रिम विज्ञापन को देखकर उसकी घृणा और भी बढ़ गई, जिसमें उसकी पुस्तक की अत्यधिक प्रशंसा की गई थी। उसे ऑक्सफ़ोर्ड और 'द स्टडी ऑफ़ ले फैनू' नामक पुस्तक की तीव्र याद सताने लगी—एक ऐसी पुस्तक जिसका विज्ञापन में कोई महत्व नहीं था, लेकिन जिसके बारे में शायद कोई विद्वान भविष्य में संयमित रूप से टिप्पणी करे, "मिस वेन ने अपने विषय को अंतर्दृष्टि और सटीकता के साथ प्रस्तुत किया है।" उसने कोषाध्यक्ष को फ़ोन किया, पता चला कि उसे श्रूस्बरी में जगह मिल सकती है, और वह वापस अकादमी लौट आई। कॉलेज खाली था, सिवाय उसके, कोषाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के, और मिस बार्टन के, जो रोज़ाना रेडक्लिफ कैमरा में गायब हो जाती थीं और केवल भोजन के समय ही दिखाई देती थीं। वार्डन जाग रही थीं, लेकिन अपने घर में ही रहीं।
अप्रैल का महीना ढल रहा था, ठंड और अनिश्चितता से भरा, लेकिन आने वाले अच्छे समय का वादा लिए हुए; और शहर ने वह शांत और रहस्यमयी सुंदरता धारण कर ली थी जो छुट्टियों के मौसम में उसे घेर लेती है। उसकी प्राचीन सड़कों पर युवाओं की कोई गूँज नहीं गूँज रही थी; टर्फ की संकरी जलडमरूमध्य में उड़ती साइकिलों का

शोर थम गया था; रेडक्लिफ स्क्वायर में कैमरा धूप में बिल्ली की तरह सो रहा था, केवल कभी-कभार किसी धीमे कदमों वाले विद्वान के आने से ही खलल पड़ता था; यहाँ तक कि हाई में भी, कारों और बसों का शोर कम और धीमा लग रहा था, क्योंकि छुट्टियों का मौसम अभी शुरू नहीं हुआ था; गर्मियों के सत्र के लिए नए सिरे से तैयार की गई नावें और डोंगी चेरवैल नदी पर ऐसे चलने लगीं जैसे घोड़े के शाहबलूत के पेड़ पर पॉलिश की हुई कलियाँ खिल रही हों, लेकिन अभी तक चमकते किनारों पर यातायात की भीड़ नहीं थी; मीनारों और शिखरों में गूंजती मधुर घंटियाँ, शांति की अनंतता में समय के बीतने की कहानी कह रही थीं। और ग्रेट टॉम, अपनी रात की एक सौ एक की आवाज लगाते हुए, केवल क्राइस्ट चर्च मीडो के पास से कौवों को ही घर बुलाता था।

बोडली में सुबहें, ड्यूक हम्फ्री के पुराने भूरे और धूमिल सोने के बीच ऊंघते हुए, धीरे-धीरे गलते चमड़े की हल्की, बासी गंध को सूंघते हुए, गद्देदार फर्श पर केवल अगाग के पैरों की धीमी-धीमी आहट सुनते हुए; लंबी दोपहरें, चेर नदी में एक आउट्रिगर पर सवार होकर, अपरिचित हथेलियों पर चप्पू के खुरदुरे स्पर्श को महसूस करते हुए, रोवलॉक्स की लयबद्ध संतोषजनक केर-क्लंक की आवाज़ सुनते हुए, बसंत की तेज हवा से पतली रेशमी कमीज के टकराने पर बर्सर के मजबूत कंधों पर मांसपेशियों की हरकत को देखते हुए; या, यदि दिन गर्म होता, तो मैग्डेलन की दीवारों के नीचे एक डोंगी में तेजी से आगे बढ़ते हुए और मेसोपोटामिया के पास किंग्स मिल में घुमावदार नदी के किनारे से होते हुए पार्सन्स प्लेजर तक; फिर वापस, मन शांत और शरीर तरोताजा और चुस्त-दुरुस्त होकर, आग के पास टोस्ट बनाने के लिए। और फिर, रात में, जलता हुआ दीपक और खींचा हुआ पर्दा, पन्ने पलटने की सरसराहट और कागज़ पर कलम की हल्की सी आवाज़ ही हर पच्चीस मिनट की घंटी के बीच की घोर खामोशी को तोड़ती थी। कभी-कभी, हैरियट उस ज़हरीली कलम की फाइल निकालती और उसे देखती; फिर भी, उस अकेले दीपक की रोशनी में, छपे हुए भद्दे अक्षर भी हानिरहित और भावहीन लगते थे, और यह पूरी निराशाजनक समस्या किसी प्रकाशन की पहली तिथि निर्धारित करने या किसी विवादित पाठ को सुलझाने से कहीं कम महत्वपूर्ण लगती थी।

उस मधुर शांति में, उसके भीतर कुछ ऐसा लौट आया जो उसके पुराने, भोले-भाले स्नातक दिनों से ही खामोश और मृत पड़ा था। जीवन-संघर्ष के दबाव से बहुत पहले दबी हुई और शारीरिक वासना के उस विचित्र, दुखद संपर्क से बेसुध हो चुकी गायन की आवाज़, कुछ अनिश्चित स्वरों में लड़खड़ाने लगी। महान सुनहरे वाक्यांश, शून्य से

उठते हुए और शून्य की ओर ले जाते हुए, उसके स्वप्निल मन से बुध ग्रह के ठंडे पानी में तैरती विशाल, सुस्त कार्प मछली की तरह उभर आए। एक दिन वह शॉटओवर पर्वत पर चढ़ी और शहर के ऊंचे शिखरों को देखती हुई बैठ गई, जो नदी-कुंड के गोल कटोरे से निकलते हुए, गहराई में डूबे हुए, अथाह गहराई में स्थित थे, मानो हरे-भरे समुद्री लहरों के नीचे तिरनान-ओग के टावरों की तरह अविश्वसनीय रूप से दूरस्थ और सुंदर हों। उसने अपने घुटनों पर वह नोटबुक रखी हुई थी जिसमें श्रूस्बरी कांड पर उसके नोट्स थे; लेकिन उसका मन उस घिनौनी जांच में नहीं लगा था। कहीं से भी गूंजती हुई एक असंबद्ध पंचमापी उसके कानों में बज रही थी—सात कदम की लय—एक पंचमापी और आधा:—

उस स्थिर केंद्र की ओर जहाँ घूमती हुई दुनिया अपनी धुरी पर सो रही है—

क्या उसने इसे खुद बनाया था या उसे याद आया था? यह जानी-पहचानी सी लग रही थी, लेकिन अपने दिल में वह निश्चित रूप से जानती थी कि यह उसकी अपनी रचना है, और जानी-पहचानी इसलिए लग रही थी क्योंकि यह अपरिहार्य और सही थी।

उसने नोटबुक का दूसरा पन्ना खोला और शब्द लिख लिए। उसे पंच पत्रिका के उस कहानीकार की याद आ गई: “अच्छा सा छोटा सा उल्टी करने का कमरा है, लीज़ा—हम इसका क्या करें?” क्या यह मुक्त छंद है?... नहीं... यह तो सॉनेट के सप्तक का हिस्सा था... इसमें सॉनेट जैसा भाव था। लेकिन क्या तुकबंदी है! घुमावदार? मुड़ा हुआ... वह तुकबंदी और लय को लेकर ऐसे उलझ रही थी जैसे कोई अनुभवहीन संगीतकार किसी पुराने वाद्य यंत्र की चाबियाँ बजा रहा हो।

फिर, कई असफल प्रयासों और खालीपन के साथ, बार-बार लौटकर, भरकर और मिटाकर, उसने फिर से लिखना शुरू किया, इस गहरे आंतरिक विश्वास के साथ कि किसी तरह, लंबे और कड़वे भटकने के बाद, वह एक बार फिर अपनी जगह पर पहुँच गई थी।

तो, यहीं, घर पर...

केंद्र, मध्य सागर, भूलभुलैया का हृदय...

तो यहाँ, घर पर, अब और तूफानों से परेशान नहीं,

हम अपने कदम रोकते हैं—मार्ग—उड़ान—हाथ जोड़े और पंख समेटे हुए।

यहाँ, घर पर, अब और तूफ़ानों से विचलित नहीं, मेहनत से हाथ समेटे हम बैठे हैं, पंख समेटे; यहाँ घनी सुगंध में गुलाब की पत्तियाँ लिपटी हुई हैं, यहाँ सूर्य खड़ा है और न पूरब जानता है न पश्चिम, यहाँ कोई ज्वार नहीं चलता; हम आ गए हैं, अंतिम और

सर्वश्रेष्ठ, विस्तृत क्षेत्र से चक्करदार वृत्तों से गुज़रते हुए, उस शांत केंद्र में जहाँ घूमती दुनिया अपनी धुरी पर सोती है, विश्राम के हृदय में।

हाँ; कुछ तो था, हालाँकि लय नीरस रूप से रुकी हुई थी, स्वर परिवर्तन की सहजता नहीं थी, और "चक्करदार-घूमने" की ध्वनि संतोषजनक नहीं थी। उसके अनाड़ी हाथों में धुनें बेकाबू होकर डगमगा रही थीं। फिर भी, जैसा भी था, उसके पास एक सप्तक था।

और यहीं पर सब कुछ समाप्त होता प्रतीत हुआ। वह अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच चुकी थी, और उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा था। उसे षट्कोण के लिए कोई नया मोड़, कोई सूक्ति, कोई भाव-परिवर्तन नहीं सूझ रहा था। उसने एक-दो पंक्तियाँ लिखीं और उन्हें मिटा दिया। यदि सही मोड़ अपने आप नहीं आ सकता था, तो उसे गढ़ने का कोई लाभ नहीं था। उसके मन में एक छवि थी—संसार एक विशाल लट्टू की तरह अपनी शाश्वत धुरी पर सो रहा था—और उसमें कुछ भी जोड़ना केवल कविता गढ़ना ही होता। शायद किसी दिन उससे कुछ निकल आए। इस बीच उसने अपने भाव-भंगिमा को कागज़ पर उतार दिया था—और यही वह मुक्ति है जिसकी तलाश सभी लेखक, यहाँ तक कि सबसे कमज़ोर लेखक भी, उसी तरह करते हैं जैसे मनुष्य प्रेम की तलाश करते हैं; और इसे पाकर वे सुखद स्वप्नों में विलीन हो जाते हैं और अपने हृदय को और अधिक विचलित नहीं करते।

उसने नोटबुक, गपशप और कविता, सब एक साथ बंद कर दिए और धीरे-धीरे ढलान वाले रास्ते से नीचे उतरने लगी। आधे रास्ते में, उसे ऊपर से आती हुई एक छोटी टोली मिली: सुनहरे बालों वाली दो छोटी लड़कियाँ, जिनके साथ एक महिला थी जिसका चेहरा पहली नज़र में कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा था। फिर, जैसे ही वे पास आईं, उसे एहसास हुआ कि यह एनी थी, जो बिना टोपी और एप्रन के अजीब लग रही थी, बच्चों को सैर पर ले जा रही थी। कर्तव्यवश, हैरियट ने उनका अभिवादन किया और पूछा कि वे अब कहाँ रह रही हैं।

“हमें हेडिंगटन में एक बहुत ही सुंदर जगह मिल गई है, महोदया, धन्यवाद। मैं भी अपनी छुट्टियों के लिए वहीं रुक रहा हूँ। ये मेरी छोटी बेटियाँ हैं। ये बीट्रिस है और ये कैरोला। मिस वेन को मेरा नमस्कार कहना।”

हैरियट ने बच्चों से गंभीरतापूर्वक हाथ मिलाया और उनकी उम्र और उनके हालचाल पूछे।

"उनका आपके इतने करीब होना आपके लिए अच्छा है।"

“जी महोदया। इनके बिना मैं क्या करूँगी, मुझे नहीं पता।” उनके चेहरे पर दिख रहा गर्व और खुशी का भाव लगभग तीव्र था। हैरियट को एक ऐसी गहरी भावना की झलक मिली जिसे वह अपने आत्म-विश्लेषण के समय मानो भूल ही गई थी; यह भावना उनके शांत मन को एक अशुभ उल्कापिंड की तरह भेद उठी।
"अब जब मैंने उनके पिता को खो दिया है, तो वे ही मेरे एकमात्र सहारा हैं।"
“ओह, हाँ,” हैरियट ने थोड़ी असहजता से कहा। “क्या उसने—कितने समय पहले की बात है, ऐनी?”
“तीन साल, महोदया। उसे ऐसा करने पर मजबूर होना पड़ा। लोगों का कहना था कि उसने वो किया जो उसे नहीं करना चाहिए था और ये बात उसके दिमाग में घर कर गई थी। लेकिन मुझे परवाह नहीं थी। उसने कभी किसी को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया, और एक आदमी का पहला कर्तव्य उसकी पत्नी और परिवार के प्रति होता है, है ना? मैं उसके साथ खुशी-खुशी भूखी मर जाती, और बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए दिन-रात मेहनत करती। लेकिन वो इस बात को भुला नहीं पाया। उसके जैसे लोगों के लिए ये दुनिया बहुत क्रूर है, और यहाँ इतनी प्रतिस्पर्धा है।”
“जी हां, बिलकुल,” हैरियट ने कहा। बड़ी बेटी बीट्रिस अपनी मां को बड़ी समझदारी से देख रही थी, उसकी आंखें आठ साल की उम्र के हिसाब से कहीं ज्यादा समझदार थीं। पति के गुनाहों और कुकर्मों के बारे में बात न करना ही बेहतर होगा, चाहे वे कुछ भी हों। उसने धीरे से कहा कि बच्चे उसके लिए बहुत बड़ा सहारा होंगे।
जी महोदया। अपने बच्चे होने जैसा सुख और कुछ नहीं। उनसे ही जीवन सार्थक बनता है। बीट्रिस तो अपने पिता की जीती-जागती छवि है, है ना मेरी प्यारी? मुझे बेटा न होने का दुख था, पर अब मुझे खुशी है। पिता के बिना बेटों का पालन-पोषण करना मुश्किल होता है।
और बीट्रिस और कैरोला बड़ी होकर क्या बनेंगी?
"मुझे उम्मीद है कि वे अच्छी लड़कियां बनेंगी, महोदया, और अच्छी पत्नियां और माताएं बनेंगी - मैं उन्हें इसी तरह पालूंगी।"
"जब मैं बड़ी हो जाऊंगी तो मोटरसाइकिल चलाना चाहती हूं," बीट्रिस ने अपने घुंघराले बालों को आत्मविश्वास से झटकते हुए कहा।
"ओह, नहीं, प्रिय। वे कैसी-कैसी बातें कहते हैं, है ना, महोदया?"
“हां, मैं करूंगी,” बीट्रिस ने कहा। “मैं एक मोटरसाइकिल रखूंगी और एक गैरेज भी बनाऊंगी।”

“बकवास,” उसकी माँ ने थोड़ी सख्ती से कहा। “तुम्हें इस तरह बात नहीं करनी चाहिए। यह लड़कों का काम है।”
"लेकिन आजकल बहुत सी लड़कियां लड़कों के काम करती हैं," हैरियट ने कहा।
“लेकिन उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, महोदया। यह उचित नहीं है। लड़कों को खुद नौकरी पाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। कृपया ऐसी बातें उसके दिमाग में न डालें, महोदया। बीट्रिस, अगर तुम गैरेज में गंदी-गंदी होकर काम करती रहोगी, तो तुम्हें कभी पति नहीं मिलेगा।”
"मुझे एक नहीं चाहिए," बीट्रिस ने दृढ़ता से कहा। "मुझे मोटरसाइकिल ज़्यादा पसंद है।"
एनी थोड़ी नाराज़ लग रही थी; लेकिन जब हैरियट हंसी तो वह भी हंस पड़ी।
"उसे एक दिन पता चल ही जाएगा, है ना, मैडम?"
“शायद वो ऐसा ही करेगी,” हैरियट ने कहा। अगर उस औरत का मानना था कि कोई भी पति न होने से बेहतर है, तो बहस करना बेकार था। और उसे तो पुरुषों और शादी से जुड़े किसी भी विषय पर चर्चा करने से कतराने की आदत सी पड़ गई थी। उसने विनम्रता से 'शुभ दोपहर' कहा और आगे बढ़ गई, उसका मूड थोड़ा उदास था, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। या तो इन विषयों पर चर्चा करना अच्छा लगता है या नहीं। और जब मन के कोनों में भयानक डर छिपे हों, ऐसे राज़ जिन्हें किसी को दिखाने की हिम्मत न हो, यहाँ तक कि पीटर को भी नहीं—
खैर, पीटर के लिए तो बिलकुल नहीं; वह आखिरी व्यक्ति था। और वैसे भी, ऑक्सफोर्ड की नीरस इमारतों में उसकी कोई जगह नहीं थी। वह लंदन का प्रतीक था, उस तेज़, शोरगुल भरी, चुलबुली, उत्तेजित और बेहद अशांत दुनिया का, जहाँ तनाव और कोलाहल रहता था। यहाँ, इस शांत केंद्र में (हाँ, यह पंक्ति वाकई अच्छी थी), उसकी कोई जगह नहीं थी। पूरे एक हफ्ते तक उसने उसके बारे में सोचा तक नहीं था।
फिर प्रोफेसर आने लगे, छुट्टियों की गतिविधियों से भरपूर और शैक्षणिक वर्ष के सबसे कठिन, फिर भी सबसे प्यारे सत्र का भार उठाने के लिए तैयार। हैरियट उन्हें आते हुए देखती रही, सोच रही थी कि उन हंसमुख और दृढ़ चेहरों में से कौन सा चेहरा कोई राज़ छिपाए हुए है। मिस डी वाइन किसी प्राचीन फ्लेमिश शहर के पुस्तकालय में परामर्श कर रही थीं, जहाँ एलिज़ाबेथ के शासनकाल में इंग्लैंड और फ़्लैंडर्स के बीच व्यापारिक स्थितियों से संबंधित एक उल्लेखनीय पारिवारिक पत्राचार संरक्षित था। उनका दिमाग ऊन और काली मिर्च के आंकड़ों से भरा हुआ था, और उन्हें यह याद

दिलाना मुश्किल था कि उन्होंने हिलरी सत्र के आखिरी दिन क्या किया था। उन्होंने निस्संदेह कुछ पुराने कागज़ जलाए होंगे—शायद उनमें अखबार भी रहे होंगे—निश्चित रूप से उन्होंने कभी डेली ट्रम्पेट नहीं पढ़ा था—वह चिमनी में मिले उस फटे-पुराने अखबार के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकीं।

जैसा कि हैरियट को उम्मीद थी, मिस लिडगेट ने कुछ ही हफ्तों में अपने प्रूफ को पूरी तरह से गड़बड़ कर दिया था। वह माफी मांग रही थी। उसने प्रोफेसर समबडी के साथ एक बेहद दिलचस्प लंबा सप्ताहांत बिताया था, जो ग्रीक मात्रात्मक मापों के एक महान विशेषज्ञ थे; और उन्होंने कई ऐसे अंश खोजे थे जिनमें अशुद्धियाँ थीं और अध्याय सात के तर्क पर एक बिल्कुल नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। हैरियट ने निराशा से आह भरी।

मिस शॉ पांच अन्य छात्रों को एक पठन-पाठन कार्यक्रम में ले गई थीं, उन्होंने चार नए नाटक देखे थे और गर्मियों के लिए एक आकर्षक पोशाक खरीदी थी। मिस पाइके ने एसेक्स के एक खेत में खुदाई से मिले तीन नक्काशीदार बर्तनों और कई कब्रों के कलशों के टुकड़ों को एक साथ जोड़ने में स्थानीय संग्रहालय के क्यूरेटर की सहायता करते हुए एक रोमांचक समय बिताया था। मिस हिलयार्ड ऑक्सफोर्ड वापस आकर बहुत खुश थीं; उन्हें अपनी बहन के घर एक महीना बिताना पड़ा था क्योंकि उनकी बहन बच्चे को जन्म दे रही थीं; अपने जीजा की देखभाल करने से उनका स्वभाव थोड़ा चिड़चिड़ा हो गया था। दूसरी ओर, डीन अपनी भतीजी की शादी में मदद कर रही थीं और उन्हें यह सब बहुत मजेदार लग रहा था। “एक सहेली गलत चर्च चली गई और सब कुछ खत्म होने के बाद ही लौटी, और हम कम से कम दो सौ लोग एक ऐसे कमरे में ठसाठस भरे हुए थे जिसमें सिर्फ पचास लोगों के बैठने की जगह थी, और मुझे सिर्फ आधा गिलास शैंपेन मिला और शादी का केक तो था ही नहीं, मेरा पेट मेरी रीढ़ की हड्डी से टकरा रहा था; और दूल्हे की टोपी आखिरी क्षण में खो गई, और, हे भगवान! क्या आप विश्वास करेंगे? लोग अभी भी बिस्कुट से भरे डिब्बे उपहार में देते हैं!” मिस चिल्परिक अपने मंगेतर और उसकी बहन के साथ मध्यकालीन घरेलू मूर्तिकला का अध्ययन करने के लिए कई दिलचस्प जगहों पर गई थीं। मिस बरोज़ ने अपना अधिकांश समय गोल्फ खेलने में बिताया था। विज्ञान की शिक्षिका मिस एडवर्ड्स भी एक सत्र की छुट्टी से लौटी थीं, जो एक नई सदस्य के रूप में आई थीं। वह एक युवा और सक्रिय महिला थीं, चौड़े चेहरे और कंधों वाली, बॉब कट बालों वाली और सख्त मिजाज की महिला थीं। सीनियर कॉमन रूम से केवल श्रीमती गुडविन अनुपस्थित थीं,

जिनका छोटा बेटा (एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बच्चा) स्कूल लौटते ही खसरा से संक्रमित हो गया था और उसे फिर से अपनी माँ की देखभाल की आवश्यकता थी।
डीन ने कहा, "बेशक इसमें उसका कोई बस नहीं चलता, लेकिन ग्रीष्मकालीन सत्र की शुरुआत में यह बहुत बड़ी परेशानी है। अगर मुझे पहले पता होता, तो मैं पहले ही वापस आ सकता था।"
मिस हिलयार्ड ने गंभीर स्वर में कहा, "मुझे नहीं लगता कि बच्चों वाली विधवाओं को नौकरी देने से और क्या उम्मीद की जा सकती है। आपको इन लगातार होने वाली रुकावटों के लिए तैयार रहना होगा। और न जाने क्यों, इन घरेलू कामों को हमेशा काम से पहले रखना पड़ता है।"
डीन ने कहा, "खैर, गंभीर बीमारी की स्थिति में काम को एक तरफ रखना ही पड़ता है।"
लेकिन खसरा तो सभी बच्चों को होता है।
“हाँ; लेकिन वह बच्चा उतना ताकतवर नहीं है। उसके पिता को टीबी थी, बेचारे की मौत उसी बीमारी से हुई थी, और अगर खसरा निमोनिया में बदल जाए, जैसा कि अक्सर होता है, तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं।”
लेकिन क्या यह निमोनिया में बदल गया है?
“उन्हें डर है कि ऐसा हो सकता है। उसकी हालत बहुत खराब है। और, क्योंकि वह एक घबराया हुआ छोटा जीव है, इसलिए स्वाभाविक रूप से वह अपनी माँ को अपने साथ रखना पसंद करता है। और वैसे भी, वह क्वारंटाइन में रहेगी।”
"जितना अधिक समय वह उसके साथ रहेगी, उतना ही अधिक समय उसे क्वारंटाइन में रहना पड़ेगा।"
"यह बेशक बहुत थकाऊ है," मिस लिडगेट ने नरमी से कहा। "लेकिन अगर श्रीमती गुडविन ने खुद को अलग-थलग कर लिया होता और जल्द से जल्द वापस आ जातीं—जैसा कि उन्होंने बड़ी बहादुरी से करने की पेशकश की थी—तो उन्हें बहुत चिंता का सामना करना पड़ता।"
मिस हिलयार्ड ने तीखे लहजे में कहा, “हममें से बहुतों को किसी न किसी रूप में चिंता का सामना करना पड़ता है। मैं अपनी बहन को लेकर बहुत चिंतित रही हूँ। पैंतीस साल की उम्र में पहला बच्चा होना हमेशा ही चिंताजनक होता है। लेकिन अगर यह घटना स्कूल के समय में घटी होती, तो यह मेरी सहायता के बिना ही संपन्न होती।”

"यह तय करना हमेशा मुश्किल होता है कि किस कर्तव्य को प्राथमिकता दी जाए," मिस पाइके ने कहा। "हर मामले का फैसला अलग-अलग करना होगा। मेरा मानना है कि बच्चों को दुनिया में लाने के साथ ही व्यक्ति उनके प्रति एक निश्चित जिम्मेदारी स्वीकार करता है।"
मिस हिलयार्ड ने कहा, "मैं इससे इनकार नहीं कर रही हूं। लेकिन अगर घरेलू जिम्मेदारी को सार्वजनिक जिम्मेदारी से ऊपर रखा जाए, तो यह काम किसी और को सौंप देना चाहिए।"
"लेकिन बच्चों को खाना और कपड़े तो मिलने ही चाहिए," मिस एडवर्ड्स ने कहा।
“बिल्कुल सही। लेकिन मां को स्थायी पद नहीं लेना चाहिए।”
डीन ने कहा, “श्रीमती गुडविन एक उत्कृष्ट सचिव हैं। उन्हें खोने का मुझे बहुत दुख होगा। और यह सोचकर अच्छा लगता है कि हम उनकी इस कठिन परिस्थिति में उनकी मदद कर पा रहे हैं।”
मिस हिलयार्ड का धैर्य टूट गया।
“सच तो यह है, भले ही आप इसे कभी स्वीकार न करें, कि इस जगह पर हर किसी के मन में विवाहित महिलाओं और बच्चों को लेकर हीन भावना है। करियर और स्वतंत्रता के बारे में आपकी तमाम बातों के बावजूद, आप सभी अपने दिल में मानते हैं कि हमें उन सभी महिलाओं के सामने खुद को नीचा दिखाना चाहिए जिन्होंने अपनी शारीरिक इच्छाओं को पूरा कर लिया है।”
कोषाध्यक्ष ने कहा, "यह सरासर बकवास है।"
"मुझे लगता है कि यह महसूस करना स्वाभाविक है कि विवाहित महिलाएं अधिक परिपूर्ण जीवन जीती हैं," मिस लिडगेट ने कहना शुरू किया।
“और एक ज़्यादा काम की बात,” मिस हिलयार्ड ने पलटवार किया। “देखो ‘श्रूज़बरी के पोते-पोतियों’ को लेकर कितना हंगामा मचाया जाता है! देखो तुम सब कितने खुश होते हो जब पुराने छात्र शादी करते हैं! मानो कह रहे हो, ‘अहा! शिक्षा हमें असल ज़िंदगी के लिए अयोग्य नहीं बनाती!’ और जब कोई सचमुच प्रतिभाशाली छात्रा एक पादरी से शादी करने के लिए अपने सारे सपने तोड़ देती है, तो तुम लोग औपचारिकतावश कहते हो, ‘कितनी अफ़सोस की बात है! लेकिन ज़ाहिर है, उसकी अपनी ज़िंदगी पहले आती है।’”
“मैंने कभी ऐसी बात नहीं कही,” डीन ने आक्रोश से चिल्लाते हुए कहा। “मैं तो हमेशा यही कहता हूं कि उनसे शादी करना सरासर मूर्खता है।”

मिस हिलयार्ड ने अनसुना करते हुए कहा, "मुझे कोई आपत्ति नहीं होती अगर आप खुले तौर पर यह कहते कि बौद्धिक रुचियां केवल दूसरे दर्जे की चीज हैं; लेकिन आप सिद्धांत में तो उन्हें पहले स्थान पर रखने का दिखावा करते हैं और व्यवहार में उनसे शर्मिंदा होते हैं।"

“इस बारे में इतना गुस्सा होने की कोई ज़रूरत नहीं है,” मिस पाइक के गुस्से भरे विरोध को रोकते हुए मिस बार्टन ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “आखिरकार, हममें से कुछ ने जानबूझकर शादी न करने का फैसला किया होगा। और, अगर आप मुझे ऐसा कहने की अनुमति दें तो—”

इस अशुभ वाक्यांश को सुनते ही, जो हमेशा किसी अक्षम्य घटना की प्रस्तावना होता है, हैरियट और डीन ने जल्दबाजी में चर्चा शुरू कर दी।

“यह देखते हुए कि हम अपना पूरा जीवन समर्पित कर रहे हैं—”

"पुरुषों के लिए भी यह कहना हमेशा आसान नहीं होता—"

उनकी आम तत्परता ने उनके नेक इरादे को ही धूमिल कर दिया। दोनों ने रुककर एक-दूसरे से क्षमा मांगी, और मिस बार्टन बेरोकटोक आगे बढ़ती रहीं:

"विवाहित महिलाओं के प्रति इतनी दुर्भावना दिखाना पूरी तरह से बुद्धिमानीपूर्ण या तर्कसंगत नहीं है। यही वह अनुचित पूर्वाग्रह था जिसके कारण आपने उस जासूस को अपनी सीढ़ियों से हटवा दिया था।"

मिस हिलयार्ड ने गुस्से से लाल होते हुए कहा, “मैं इस पक्षपातपूर्ण व्यवहार का विरोध करती हूँ। मुझे समझ नहीं आता कि किसी नौकरानी या सचिव के विधवा होने और बच्चे होने मात्र से हमें कर्तव्य में ढिलाई क्यों सहनी चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि एनी को स्काउट्स विंग में एक अलग कमरा क्यों दिया जाए और उसे गलियारे का पूरा भार क्यों उठाना पड़े, जबकि उससे भी लंबे समय से यहाँ काम कर रही नौकरानियों को कमरा साझा करने से संतोष करना पड़ता है। मैं यह सब बर्दाश्त नहीं कर सकती।”

“खैर,” मिस स्टीवंस ने कहा, “मुझे लगता है कि वह थोड़ी रियायत की हकदार है। एक ऐसी महिला जो अपने खुद के अच्छे घर में रहने की आदी रही हो—”

"बहुत संभव है," मिस हिलयार्ड ने कहा। "खैर, यह मेरी लापरवाही नहीं थी जिसके कारण उसके प्यारे बच्चों को एक आम चोर के हवाले कर दिया गया।"

डीन ने कहा, "मैं हमेशा से इसके खिलाफ था।"

और आपने हार क्यों मान ली? क्योंकि बेचारी श्रीमती ज्यूक्स बहुत अच्छी महिला थीं और उन्हें अपने परिवार का पालन-पोषण करना था। उन्हें तो याद रखना ही चाहिए और एक बदमाश से शादी करने की मूर्खता के लिए उन्हें पुरस्कृत भी करना चाहिए। कॉलेज के हितों को प्राथमिकता देने का दिखावा करने का क्या फायदा, जब आप एक बेईमान कुली को निकालने के बारे में पूरे दो सत्र तक हिचकिचाते रहे, सिर्फ इसलिए कि आपको उसके परिवार के लिए बहुत दुख था?
मिस एलिसन ने कहा, "हाँ, मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ। ऐसे मामले में कॉलेज को सर्वोपरि माना जाना चाहिए।"
“इसे हमेशा प्राथमिकता मिलनी चाहिए। श्रीमती गुडविन को इसे समझना चाहिए और अगर वह अपने कर्तव्यों का ठीक से निर्वाह नहीं कर सकतीं तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।” वह खड़ी हो गईं। “शायद, उनका दूर रहना और दूर ही रहना बेहतर है। आपको याद होगा कि पिछली बार जब वह दूर थीं, तो हमें गुमनाम पत्रों या शरारतों से कोई परेशानी नहीं हुई थी।”
मिस हिलयार्ड ने अपना कॉफी का कप नीचे रखा और कमरे से बाहर चली गईं। सभी लोग असहज महसूस कर रहे थे।
“हे भगवान!” डीन ने कहा।
"वहाँ कुछ बहुत गलत हो रहा है," मिस एडवर्ड्स ने स्पष्ट रूप से कहा।
"वह बहुत पूर्वाग्रही हैं," मिस लिडगेट ने कहा। "मुझे हमेशा लगता है कि यह बहुत दुख की बात है कि उन्होंने कभी शादी नहीं की।"
मिस लिडगेट में ऐसी भाषा का प्रयोग करने की क्षमता थी जिससे बच्चे उन बातों को समझ सकें जो दूसरे लोग नहीं कहते थे, या अलग तरीके से कहते थे।
"मुझे उस आदमी के लिए सच में दुख होना चाहिए," मिस शॉ ने कहा; "लेकिन शायद मैं पुरुषों के प्रति कुछ ज़्यादा ही सहानुभूति दिखा रही हूँ। लोग तो अपना मुँह खोलने से भी डरते हैं।"
“बेचारी श्रीमती गुडविन!” कोषाध्यक्ष ने हैरानी से कहा। “आखिरी व्यक्ति!”
वह गुस्से से उठी और बाहर चली गई। मिस लिडगेट उसके पीछे-पीछे गईं। मिस चिल्परिक, जिन्होंने कुछ नहीं कहा था, लेकिन काफी घबराई हुई लग रही थीं, धीरे से बोलीं कि उन्हें काम पर जाना है। कॉमन रूम धीरे-धीरे खाली हो गया, और हैरियट डीन के साथ रह गईं।

"मिस लिडगेट के पास सटीक बात कहने का सबसे भयावह तरीका है," मिस मार्टिन ने कहा; "क्योंकि यह स्पष्ट रूप से कहीं अधिक संभावित है कि—"
"इसकी संभावना कहीं अधिक है," हैरियट ने कहा।
श्री जेनकिन एक युवा और मिलनसार प्रोफेसर थे, जिनसे हैरियट की मुलाकात पिछले सत्र में नॉर्थ ऑक्सफोर्ड में एक पार्टी में हुई थी - दरअसल, उसी पार्टी में उनकी मुलाकात श्री रेजिनाल्ड पोम्फ्रे से हुई थी। वे मैग्डेलन में रहते थे और संयोगवश प्रो-प्रॉक्टरों में से एक थे। हैरियट ने उनसे मैग्डेलन के मई दिवस समारोह के बारे में कुछ कहा था, और उन्होंने उन्हें टॉवर का टिकट भेजने का वादा किया था। एक वैज्ञानिक और अत्यंत सटीक दिमाग वाले व्यक्ति होने के नाते, उन्हें अपना वादा याद रहा; और टिकट समय पर पहुँच गया।
श्रूस्बरी एस.सी.आर. का कोई भी सदस्य नहीं जा रहा था। उनमें से अधिकांश लोग पहले भी मई की सुबह जल्दी उठ चुके थे। मिस डी वाइन नहीं गई थीं; हालाँकि उन्हें टिकट की पेशकश की गई थी, लेकिन उनका मन सीढ़ियाँ चढ़ने से डर रहा था। कुछ छात्रों को निमंत्रण मिला था; लेकिन वे ऐसे छात्र नहीं थे जिन्हें हैरियट जानती थीं। इसलिए वह सूर्योदय से काफी पहले अकेले ही निकल पड़ीं, क्योंकि उन्होंने मिस एडवर्ड्स से मिलने का समय तय कर लिया था जब वह नीचे आएंगी और नदी पर नाश्ता करने से पहले आइसिस नदी पर एक आउट्रिगर नाव से जाने का इरादा था।
गायकों ने अपना भजन गा लिया था। सूरज उग चुका था, लाल और गुस्से से लाल, जागते शहर की छतों और मीनारों पर हल्की सी लाली बिखेर रहा था। हैरियट मुंडेर पर झुककर नीचे घुमावदार हाई स्ट्रीट की मनमोहक सुंदरता को निहार रही थी, जो अभी तक पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के शोर से लगभग अप्रभावित थी। उसके पैरों के नीचे, मीनार घंटियों की झंकार से हिलने लगी। नीचे दूर साइकिल सवारों और पैदल चलने वालों का छोटा समूह बिखरने और दूर जाने लगा। श्री जेनकिन आए, कुछ मधुर शब्द कहे, और बताया कि उन्हें पार्सन्स प्लेजर में एक दोस्त के साथ नहाने के लिए जल्दी जाना है; उसे जल्दी करने की कोई ज़रूरत नहीं थी—क्या वह अकेले सीढ़ियों से नीचे उतर सकती थी?
हैरियट हँसी और उसने उसे धन्यवाद दिया, और वह सीढ़ियों के शीर्ष पर उससे विदा हो गया। वह टावर के पूर्वी हिस्से की ओर बढ़ी। वहाँ नदी और मैग्डेलन पुल था, जिस पर कई छोटी नावें और डोंगीं खड़ी थीं। उनमें से, उसने चमकीले नारंगी रंग के जम्पर में मिस एडवर्ड्स की मजबूत आकृति को पहचाना। दुनिया से इतनी ऊपर खड़े होना

अद्भुत था, नीचे ध्वनि का सागर और ऊपर हवा का महासागर, सारी मानव जाति चींटियों के टीले के आकार में सिमट गई थी। सच है, लोगों का एक समूह अभी भी टावर पर रुका हुआ था - इस हवादार आश्रम में उसके साथी। वे भी, सुंदरता से मंत्रमुग्ध थे -
हे भगवान! वो लड़की क्या करने की कोशिश कर रही थी?
हैरियट ने उस युवती पर झपट्टा मारा जो पत्थर पर एक घुटना रखकर पैरापेट की दो कंगूरों के बीच खुद को समेट रही थी।
“देखो!” उसने कहा, “तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। यह खतरनाक है।”
दुबली-पतली, गोरी और डरी हुई सी दिखने वाली उस बच्ची ने तुरंत अपना इरादा बदल दिया। "मैं तो बस उधर देखना चाहती थी।"
“खैर, ये तो तुम्हारी बड़ी बेवकूफी है। तुम्हें चक्कर आ सकते हैं। बेहतर होगा कि तुम नीचे आ जाओ। अगर कोई गिर गया तो मैग्डेलन के अधिकारियों के लिए बहुत अप्रिय स्थिति होगी। उन्हें लोगों को ऊपर आने से रोकना पड़ सकता है।”
मुझे बहुत खेद है। मैंने सोचा नहीं था।
"अच्छा, आपको सोचना चाहिए। क्या आपके साथ कोई है?"
"नहीं।"
मैं अब नीचे जा रहा हूँ; तुम भी मेरे साथ आ जाओ तो बेहतर होगा।
"अचे से।"
हैरियट उस लड़की को अंधेरी घुमावदार सीढ़ी से नीचे ले गई। उसके पास किसी बात का कोई सबूत नहीं था, बस उसकी जिज्ञासा थी, फिर भी वह सोच रही थी। लड़की की बोली में थोड़ा सा सामान्य लहजा था, और हैरियट उसे किसी दुकान की सहायक समझ लेती, लेकिन टावर के टिकट शायद विश्वविद्यालय के छात्रों और उनके दोस्तों तक ही सीमित थे। हो सकता है वह स्नातक की छात्रा हो, या उसने काउंटी छात्रवृत्ति हासिल की हो। खैर, शायद इस घटना को ज़रूरत से ज़्यादा महत्व देना ठीक नहीं था।
अब वे घंटाघर के पास से गुज़र रहे थे, और वहाँ से आ रही तेज़ और लगातार आवाज़ें गूंज रही थीं। इससे उसे पीटर विम्सी द्वारा कई साल पहले सुनाई गई एक कहानी याद आ गई, जब लगातार बोलते रहने के उसके दृढ़ निश्चय ने ही उसे एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण यात्रा को झगड़े में बदलने से बचाया था। कहानी कुछ इस बारे में थी कि घंटाघर में एक शव मिला था, बाढ़ आई थी, और तीन ज़िलों में चारों ओर बड़ी-बड़ी घंटियाँ खतरे की घंटी बजा रही थीं।

उसके गुज़रते ही घंटियों की आवाज़ धीमी पड़ गई, और उसके साथ ही वो याद भी मिट गई; लेकिन उस उबड़-खाबड़ रास्ते पर उतरते हुए वह एक पल के लिए रुक गई थी, और वो लड़की, चाहे जो भी हो, उससे आगे निकल गई थी। जब वो सीढ़ियों के नीचे पहुँची और खुली रोशनी में आई, तो उसने उस दुबली-पतली आकृति को गलियारे से होते हुए चौक की ओर भागते देखा। उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसका पीछा करे या नहीं। उसने कुछ दूरी से उसका पीछा किया, उसे नीचे की ओर हाई स्ट्रीट पर मुड़ते देखा, और अचानक खुद को मिस्टर पोम्फ्रे की बाहों में पाया, जो क्वीन्स कॉलेज से एक बहुत ही अस्त-व्यस्त ग्रे फलालैन सूट में आ रहे थे और उनकी बांह पर एक तौलिया था।

“हैलो!” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “क्या आप सूर्योदय का अभिवादन कर रहे थे?”

“हाँ। सूर्योदय उतना अच्छा नहीं था, लेकिन सलामी काफी अच्छी रही।”

श्री पोम्फ्रे ने कहा, "मुझे लगता है बारिश होने वाली है। लेकिन मैंने कहा था कि मैं नहाऊंगा और मैं नहा रहा हूं।"

"यहाँ भी लगभग वैसा ही है," हैरियट ने कहा। "मैंने कहा था कि मैं नाव चलाऊँगी, और मैं नाव चला रही हूँ।"

“क्या हम दोनों हीरो नहीं हैं?” श्री पोम्फ्रे ने कहा। वह उनके साथ मैग्डेलन ब्रिज तक गए, जहाँ एक चिड़चिड़े दोस्त ने डोंगी में उनका अभिवादन किया और कहा कि वह आधे घंटे से उनका इंतजार कर रहा था। फिर वह बड़बड़ाते हुए नदी के ऊपर की ओर चले गए कि कोई उनसे प्यार नहीं करता और उन्हें पता है कि बारिश होने वाली है।

हैरियट मिस एडवर्ड्स के साथ शामिल हो गईं, जिन्होंने लड़की के बारे में सुनकर कहा:

“खैर, शायद आपको उसका नाम पता चल गया होगा। लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसके बारे में कुछ किया जा सकता है। मुझे लगता है कि वह हमारे लोगों में से नहीं थी?”

“मैंने उसे पहचाना नहीं। और ऐसा लगा कि उसने भी मुझे नहीं पहचाना।”

“तो शायद ऐसा नहीं था। फिर भी, आपको नाम न मिलने का अफसोस है। लोगों को इस तरह की हरकतें नहीं करनी चाहिए। असंवेदनशील। क्या आप झुककर प्रणाम करेंगे या प्रहार करेंगे?”

जैसे सूर्य के प्रकाश में ट्यूलिप (जिसे हमारे जड़ी-बूटी विशेषज्ञ नरगिस कहते हैं) चमकता है, वैसे ही वह अपने आप को प्रकट करते हुए अत्यंत प्रसन्न होता है; परन्तु जब सूर्य अस्त हो जाता है या आंधी आती है, तो वह अपने आप को छिपा लेता है, मुरझा जाता है और उसमें कोई आनंद नहीं रह जाता... वैसे ही सभी प्रेमी अपनी प्रेमिका के प्रति प्रेम जताते हैं।

—रॉबर्ट बर्टन

मन शरीर पर सबसे अधिक प्रभाव डालता है, अपनी भावनाओं और विक्षोभों के कारण उदासी, निराशा, गंभीर बीमारियों और कभी-कभी मृत्यु जैसे चमत्कारी परिवर्तन उत्पन्न करता है... भय में जीने वाले कभी स्वतंत्र, दृढ़, सुरक्षित, प्रसन्न नहीं होते, बल्कि निरंतर पीड़ा में रहते हैं... यह अक्सर अचानक पागलपन का कारण बनता है।

-पहचान।

लाइब्रेरी भवन के निर्माण के पूरा होने के कारण आवासों के पुनर्व्यवस्थापन के साथ-साथ मिस एडवर्ड्स के आगमन ने ट्रिनिटी सत्र के प्रारंभ में अधिकारियों की स्थिति को काफी मजबूत कर दिया। मिस बार्टन, मिस बरोज़ और मिस डी वाइन लाइब्रेरी के भूतल पर बने तीन नए कमरों में स्थानांतरित हो गईं; मिस चिल्परिक को न्यू क्वाड में स्थानांतरित कर दिया गया, और एक सामान्य पुनर्वितरण हुआ; जिसके परिणामस्वरूप ट्यूडर और बर्ले बिल्डिंग पूरी तरह से प्रोफेसरों से खाली हो गईं। मिस मार्टिन, हैरियट, मिस एडवर्ड्स और मिस लिडगेट ने गश्ती दल की एक प्रणाली स्थापित की, जिसके द्वारा न्यू क्वाड, क्वीन एलिजाबेथ और लाइब्रेरी बिल्डिंग का अनियमित अंतराल पर रात्रिकालीन निरीक्षण किया जा सकता था और सभी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती थी।

इस व्यवस्था के चलते, हिंसक प्रदर्शनों पर कुछ हद तक रोक लग गई। यह सच है कि डाक से कुछ गुमनाम पत्र आते रहे, जिनमें विभिन्न व्यक्तियों के खिलाफ अपमानजनक आरोप और बदले की धमकियाँ थीं। हैरियट इन पत्रों में से जितने भी उसे पता चलते या मिलते, उन्हें सावधानीपूर्वक दर्ज करती रही—उसने देखा कि इस समय तक श्रीमती गुडविन और मिस चिल्परिक को छोड़कर एस.सी.आर. के हर सदस्य को सताया जा चुका था; इसके अलावा, तीसरे वर्ष के विद्यार्थियों को उनके भविष्य के बारे में अशुभ भविष्यवाणियाँ मिलने लगीं, जबकि मिस फ्लैक्समैन को एक

खराब ढंग से बनाई गई तस्वीर मिली जिसमें एक चुड़ैल एक सज्जन व्यक्ति का मांस नोच रही थी।

हैरियट ने मिस पाइक और मिस बरोज़ को संदेह से मुक्त करने की कोशिश की, इस आधार पर कि वे दोनों पेंसिल चलाने में काफी कुशल थीं, और इसलिए वे सोच-समझकर भी इतनी खराब चित्रकारी नहीं कर सकती थीं; हालाँकि, उन्होंने पाया कि यद्यपि दोनों कुशल थीं, उनमें से कोई भी उभय-हस्त नहीं थी, और उनके बाएं हाथ से बनाए गए चित्र भी उतने ही खराब थे जितने कि किसी पेंसिल से बनाए गए चित्र, शायद उससे भी बदतर। वास्तव में, हार्पी का चित्र दिखाए जाने पर मिस पाइक ने बताया कि यह कई मायनों में इस राक्षस की पारंपरिक अवधारणा से मेल नहीं खाता; लेकिन फिर भी, विशेषज्ञ के लिए अज्ञानता मान लेना स्पष्ट रूप से आसान था; और शायद जिस तत्परता से उन्होंने आकस्मिक त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया, वह उनके पक्ष में होने के साथ-साथ उनके विरुद्ध भी गया।

सत्र के तीसरे सोमवार को एक और छोटी लेकिन दिलचस्प घटना घटी। एक परेशान और कर्तव्यनिष्ठ प्रथम वर्ष की छात्रा ने शिकायत की कि उसने फिक्शन लाइब्रेरी में मेज पर एक साधारण आधुनिक उपन्यास खुला छोड़ दिया था, और नदी पर दोपहर बिताने के बाद जब वह उसे लेने लौटी, तो उसने पाया कि किताब के बीच से कई पन्ने - ठीक उसी जगह से जहां वह पढ़ रही थी - फटे हुए कमरे में बिखरे पड़े थे। काउंटी काउंसिल स्कॉलर और बेहद गरीब प्रथम वर्ष की छात्रा लगभग रोने लगी थी; यह वास्तव में उसकी गलती नहीं थी; क्या उसे किताब बदलनी चाहिए? डीन, जिनसे यह प्रश्न पूछा गया, ने कहा, नहीं; यह निश्चित रूप से प्रथम वर्ष की छात्रा की गलती नहीं लगती। उसने इस घटना का जिक्र करते हुए लिखा: "सी. पी. स्नो द्वारा लिखित 'द सर्च', पृष्ठ 327 से 340 तक, हटा दिया गया और विकृत कर दिया गया, 13 मई," और यह जानकारी हैरियट को दे दी, जिसने इसे मामले की अपनी डायरी में दर्ज कर लिया, साथ ही कुछ और बातें भी जैसे: "7 मार्च—मिस डी वाइन को डाक द्वारा भेजा गया अपमानजनक पत्र," "11 मार्च—मिस हिलयार्ड और मिस लेटन को भी वैसा ही पत्र," "29 अप्रैल—मिस फ्लैक्समैन को भेजा गया हार्पी का चित्र," जिसकी अब उसके पास एक काफी लंबी सूची बन चुकी थी।

इस प्रकार ग्रीष्म सत्र शुरू हुआ, धूप से जगमगाता हुआ, मनमोहक अप्रैल हवा के झोंकों के साथ मई की भव्यता की ओर बढ़ रहा था। फेलो गार्डन में ट्यूलिप झूम रहे थे; सदियों पुराने बीच के पेड़ों पर सुनहरे हरे रंग की एक पतली सी पट्टी झिलमिला रही थी

और गहरी होती जा रही थी; कलियों से खिलते किनारों के बीच चेर नदी पर नावें चल रही थीं, और आइसिस नदी के विस्तृत किनारों पर अभ्यास करने वाले लोग जोश से भरे हुए थे। काले गाउन और गर्मियों के फ्रॉक शहर की सड़कों और कॉलेज के फाटकों पर लहरा रहे थे, चिकनी घास के हरे रंग और प्राचीन पत्थरों के चांदी जैसे काले रंग के साथ एक बेपरवाह प्रतीक बना रहे थे; मोटरकार और साइकिलें संकरे मोड़ों से खतरनाक ढंग से अगल-बगल दौड़ रही थीं और ग्रामोफोनों की कर्कश ध्वनि मैग्डेलन ब्रिज से लेकर नए बाईपास के ऊपर तक जलमार्गों को भयावह बना रही थी। धूप सेंकने वालों और अव्यवस्थित चाय पार्टियों ने श्रूस्बरी ओल्ड क्वाड को अपवित्र कर दिया था, नए चमचमाते टेनिस के जूते चबूतरे और खिड़की की चौखट पर अजीब, अस्वास्थ्यकर फूलों की तरह बिखरे पड़े थे, और डीन को उन स्विमिंग ड्रेस के मामले में एक आदेश जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा जो हर जगह से झंडे की तरह लहरा रही थीं। चिंतित शिक्षक उन नवोदित छात्रों की देखभाल में मग्न हो गए जो तीन साल के ऊष्मायन के बाद परीक्षा स्कूलों में नम अवस्था में फूटने वाले थे; उम्मीदवारों को यह जानकर दुख हुआ कि अब उनके पास छूटे हुए व्याख्यानों और व्यर्थ कार्य घंटों की भरपाई के लिए आठ सप्ताह से भी कम समय बचा है, वे बॉडली से व्याख्यान कक्ष और कैमरा से कोचिंग के लिए दौड़ पड़े; और परीक्षा निकायों में चयनित परीक्षार्थियों के होठों से निकलने वाली सौहार्दपूर्ण निंदा की धारा में जहरीली कलम से निकलने वाली गालियों की पतली धारा डूब गई और लगभग भुला दी गई। स्कूल के प्रति उत्साह के इस दौर में, आम उन्माद में थोड़ी राहत भी थी। सीनियर कॉमन रूम में स्कूल स्वीप के लिए पर्ची निकाली गई, और हैरियट को दो उम्मीदवारों के नाम दिए गए, जिनमें से एक, मिस न्यूलैंड, के बारे में कहा जाता था कि वह काफी लोकप्रिय थीं। हैरियट ने पूछा कि वह कौन हैं, क्योंकि उसने उन्हें न तो कभी देखा था और न ही उनके बारे में सुना था।

“मुझे नहीं लगता कि आपने ऐसा किया होगा,” डीन ने कहा। “वह एक शर्मीली बच्ची है। लेकिन मिस शॉ को लगता है कि वह प्रथम वर्ष की कक्षा के लिए काफी सुरक्षित है।”

“हालांकि, इस सत्र में उसकी तबीयत ठीक नहीं लग रही है,” कोषाध्यक्ष ने कहा। “मुझे उम्मीद है कि उसे कोई मानसिक परेशानी या ऐसी कोई समस्या नहीं होगी। मैंने उसे कुछ दिन पहले कहा था कि उसे हॉल से इतनी बार छुट्टी नहीं लेनी चाहिए।”

डीन ने कहा, "वे कर लेंगे। यह कहना तो ठीक है कि नदी से लौटने के बाद उन्हें कपड़े बदलने की जहमत नहीं उठानी पड़ती और वे अपने कमरों में पजामा और अंडा खाना पसंद करते हैं; लेकिन मुझे यकीन है कि उबला अंडा और सार्डिन मछली स्कूल की पढ़ाई के लिए पर्याप्त नहीं हैं।"
“और स्काउट्स को इसे साफ करने में कितनी परेशानी होती है,” बर्सर ने बड़बड़ाते हुए कहा। “गंदे बर्तनों से भरे कमरों को ग्यारह बजे तक साफ करना लगभग नामुमकिन है।”
डीन ने कहा, "न्यूलैंड के साथ समस्या नदी पर घूमने की नहीं है। वह बच्चा काम करता है।"
“और भी बुरा,” कोषाध्यक्ष ने कहा। “मुझे उस उम्मीदवार पर भरोसा नहीं है जिसने अपने आखिरी कार्यकाल में खूब पढ़ाई की। अगर आपका घोड़ा चुनाव से हट जाए तो मुझे जरा भी हैरानी नहीं होगी, मिस वेन। वह मुझे घबराई हुई लग रही हैं।”
“यह तो बहुत निराशाजनक है,” हैरियट ने कहा। “शायद मुझे अपनी आधी टिकट अभी बेच देनी चाहिए, जब तक कीमत अच्छी है। मैं एडगर वालेस से सहमत हूँ, ‘मुझे एक अच्छा बेवकूफ घोड़ा चाहिए जो अपना जई खा ले।’ न्यूलैंड के लिए कोई प्रस्ताव है?”
“न्यूलैंड के बारे में क्या बात है?” मिस शॉ ने उनके पास आकर पूछा। उस समय वे फेलो गार्डन में कॉफी पी रहे थे। “वैसे, डीन, क्या आप न्यू क्वाड में घास पर बैठने के बारे में कोई नोटिस नहीं लगा सकते? मुझे दो समूहों को वहां से भगाना पड़ा है। हम नहीं चाहते कि यह जगह मार्गेट बीच जैसी दिखे।”
“बिल्कुल नहीं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि इसकी अनुमति नहीं है। महिला स्नातक छात्राएं इतनी लापरवाह क्यों होती हैं?”
मिस हिलयार्ड ने व्यंग्यपूर्वक कहा, "वे हमेशा पुरुषों की तरह बनने के लिए बेहद उत्सुक रहती हैं, लेकिन मैंने देखा है कि यह समानता कॉलेज परिसर के प्रति सम्मान दिखाने तक नहीं फैली है।"
"आपको भी यह मानना पड़ेगा कि पुरुषों में भी कुछ गुण होते हैं," मिस शॉ ने कहा।
"और अधिक परंपरा और अनुशासन, बस इतना ही," मिस हिलयार्ड ने कहा।
"मुझे नहीं पता," मिस एडवर्ड्स ने कहा। "मुझे लगता है कि महिलाएं स्वभाव से ही अधिक अव्यवस्थित होती हैं। वे स्वाभाविक रूप से पिकनिक पसंद करती हैं।"

"इस सुहावने मौसम में खुली हवा में बैठना अच्छा लगता है," मिस चिल्परिक ने लगभग माफी मांगते हुए कहा (क्योंकि उनके छात्र जीवन के दिन अभी-अभी बीते थे), "और उन्हें यह नहीं लगता कि यह कितना भयानक दिखता है।"
"गर्म मौसम में," हैरियट ने अपनी कुर्सी को छाया में वापस खींचते हुए कहा, "पुरुषों में इतनी समझदारी होती है कि वे घर के अंदर ही रहें, जहाँ ठंडक रहती है।"
मिस हिलयार्ड ने कहा, "पुरुषों को पाले से बेहद लगाव होता है।"
“जी हां,” मिस शॉ ने कहा, “लेकिन आप मिस न्यूलैंड के बारे में क्या कह रही थीं? आप अपना मौका बेचने की पेशकश तो नहीं कर रही थीं? मिस वेन, है ना? क्योंकि, मेरी बात मानिए, वह सबकी पसंदीदा हैं। वह लैटिमर स्कॉलर हैं, और उनका काम शानदार है।”
"किसी ने सुझाव दिया कि वह ठीक से खाना नहीं खा रही थी और शायद इस पद के लिए उपयुक्त नहीं होगी।"
"यह बहुत ही अनुचित है," मिस शॉ ने आक्रोश से कहा। "किसी को भी इस तरह की बातें कहने का कोई अधिकार नहीं है।"
“मुझे लगता है कि वह परेशान और तनावग्रस्त लग रही है,” कोषाध्यक्ष ने कहा। “वह बहुत मेहनती और कर्तव्यनिष्ठ है। उसे स्कूलों को लेकर कोई चिंता तो नहीं है?”
"उसके काम में कोई खामी नहीं है," मिस शॉ ने कहा। "वह थोड़ी पीली जरूर दिख रही है, लेकिन मुझे लगता है कि यह अचानक पड़ी गर्मी की वजह से है।"
“शायद वह घर की बातों को लेकर चिंतित है,” श्रीमती गुडविन ने सुझाव दिया। वह 9 मई को कॉलेज लौटी थीं, उनके बेटे की सेहत में अचानक सुधार हुआ था, हालांकि अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई थी। वह चिंतित और सहानुभूतिपूर्ण लग रही थीं।
"अगर उसे कुछ पता होता तो वह मुझे जरूर बताती," मिस शॉ ने कहा। "मैं अपने छात्रों को मुझसे खुलकर बातें करने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। बेशक वह बहुत शर्मीली लड़की है, लेकिन मैंने उससे खुलकर बात करवाने की पूरी कोशिश की है, और मुझे पूरा यकीन है कि अगर उसके मन में कुछ होता तो मुझे जरूर पता चल जाता।"
“खैर,” हैरियट ने कहा, “मुझे अपने इस घोड़े को देखना होगा, इससे पहले कि मैं अपने लॉटरी टिकट के बारे में फैसला करूं। किसी को तो उसे दिखाना ही होगा।”
“मुझे लगता है कि वह इस समय पुस्तकालय में है,” डीन ने कहा; “मैंने उसे हमेशा की तरह भोजन के बाद हॉल में जाने से ठीक पहले वहाँ परेशान होते देखा था। मैं उससे

बात करने ही वाला था। आइए, यहाँ से होकर गुजरिए, मिस वेन। अगर वह वहाँ है, तो हम उसकी आत्मा की शांति के लिए उसे बाहर निकाल देंगे। वैसे भी, मुझे एक संदर्भ देखना है।"

हैरियट हंसते हुए उठी और डीन के साथ चली गई।

मिस मार्टिन ने कहा, "कभी-कभी मुझे लगता है कि अगर मिस शॉ अपने विद्यार्थियों के मन में तांक-झांक न करतीं, तो उन्हें उनसे ज़्यादा सच्चा भरोसा मिल पाता। उन्हें अच्छा लगता है जब लोग उन्हें पसंद करते हैं, जो मुझे लगता है कि एक गलती है। दयालु बनो, लेकिन उन्हें अकेला छोड़ दो, यही मेरा सिद्धांत है। शर्मीले बच्चे छेड़ने पर अपने खोल में सिमट जाते हैं, और अहंकारी बच्चे ध्यान आकर्षित करने के लिए बहुत बकवास करते हैं। खैर, हम सबके अपने-अपने तरीके होते हैं।"

उसने पुस्तकालय का दरवाजा खोला, एक कोने में रुककर एक किताब देखी और एक उद्धरण की पुष्टि की, और फिर लंबे कमरे से होते हुए आगे बढ़ी। बीच में एक मेज के पास, एक पतली, गोरी लड़की संदर्भ पुस्तकों के ढेर के बीच काम कर रही थी। डीन रुक गई।

"क्या आप अभी भी यहीं हैं, मिस न्यूलैंड? क्या आपने रात का खाना नहीं खाया?"

"मैं बाद में थोड़ा खा लूंगी, मिस मार्टिन। बहुत गर्मी थी, और मैं अपना यह भाषा का पेपर पूरा करना चाहती हूं।"

लड़की चौंक गई और बेचैन लग रही थी। उसने अपने माथे से गीले बालों को पीछे हटाया। उसकी आँखों का सफेद भाग किसी बेचैन घोड़े की तरह चमक रहा था।

"बकवास मत करो," डीन ने कहा। "स्कूल के सत्र में सिर्फ काम करना और बिल्कुल भी न खेलना सरासर बेवकूफी है। अगर तुम ऐसे ही चलते रहे, तो हमें तुम्हें आराम के लिए कहीं भेजना पड़ेगा और एक हफ्ते के लिए काम पर पूरी तरह से रोक लगानी पड़ेगी। क्या तुम्हें सिरदर्द है? तुम तो ऐसे लग रहे हो जैसे तुम्हें सिरदर्द हो।"

"ज्यादा नहीं, मिस मार्टिन।"

"भगवान के लिए," डीन ने कहा, "उस बूढ़े डुकैंज और मेयर-लुबके या जो भी हो, उसे छोड़ो और जाकर खेलो। मुझे हमेशा स्कूल के लोगों को नदी किनारे और देहात में भगाना पड़ता है," उन्होंने हैरियट की ओर मुड़ते हुए कहा। "काश वे सब मिस कैम्परडाउन जैसी होतीं—वह तुम्हारे समय के बाद थीं। उन्होंने अपने पूरे स्कूल सत्र को नदी किनारे और टेनिस कोर्ट में बाँटकर मिस पाइके को डरा दिया था, और अंत में उन्हें ग्रेट क्लास में प्रथम स्थान मिला था।"

मिस न्यूलैंड पहले से कहीं ज्यादा चिंतित दिख रही थीं। उन्होंने स्वीकार किया, "मुझे सोचने में दिक्कत हो रही है। मैं चीजें भूल जाती हूं और मेरा दिमाग बिल्कुल खाली हो जाता है।"

“बेशक तुम करते हो,” डीन ने फुर्ती से कहा। “यह इस बात का पक्का संकेत है कि तुम हद से ज़्यादा कर रहे हो। इसे तुरंत बंद करो। अभी उठो और कुछ खाना खा लो, फिर कोई अच्छी सी किताब या कुछ और पढ़ लो, या फिर किसी के साथ शारीरिक संबंध बना लो।”

“कृपया परेशान न हों, मिस मार्टिन। मैं इसे जारी रखना चाहती हूँ। मुझे खाने का मन नहीं है और मुझे टेनिस में कोई दिलचस्पी नहीं है—काश आप परेशान न होतीं!” उसने लगभग हिस्टीरिया भरे लहजे में अपनी बात समाप्त की।

“ठीक है,” डीन ने कहा; “भगवान आपका भला करे, मैं ज्यादा झंझट नहीं करना चाहता। लेकिन समझदारी से काम लें।”

“जी हां, बिल्कुल। मिस मार्टिन। मैं बस यह पेपर खत्म कर लूं। इसके बाद मुझे चैन नहीं मिलेगा। मैं कुछ खा लूंगी और फिर सो जाऊंगी। मैं वादा करती हूं।”

“शाबाश! बहुत अच्छी बच्ची।” डीन पुस्तकालय से बाहर निकलकर हैरियट से बोले: मुझे उन्हें उस हालत में देखना अच्छा नहीं लगता। आपको अपने घोड़े के जीतने की कितनी संभावना लगती है?

“ज्यादा कुछ नहीं,” हैरियट ने कहा। “मैं उसे जानती हूँ। मतलब, मैंने उसे पहले देखा है। मैंने उसे आखिरी बार मैग्डेलन टॉवर पर देखा था।”

“क्या?” डीन ने कहा। “हे भगवान!”

सत्र के पहले दो हफ़्तों में हैरियट ने लॉर्ड सेंट-जॉर्ज को ज़्यादा नहीं देखा था। उनके हाथ से पट्टी हट गई थी; लेकिन उसमें बची कमज़ोरी के कारण वे खेलकूद में ज़्यादा हिस्सा नहीं ले पाते थे, और जब भी हैरियट उनसे मिलती, तो वे बताते कि वे काम कर रहे हैं। टेलीग्राफ के खंभे और बीमा का मामला सुलझ गया था और माता-पिता का गुस्सा भी टल गया था। बेशक, "अंकल पीटर" ने इस बारे में कुछ कहा था, लेकिन अंकल पीटर, चाहे कितने भी तीखे क्यों न हों, पूरी तरह से सुरक्षित थे। हैरियट ने उस नौजवान को अपने काम में लगे रहने के लिए प्रोत्साहित किया और "अपने परिवार" से मिलने और भोजन करने का निमंत्रण ठुकरा दिया। हैरियट की डेनवर परिवार से मिलने की कोई खास इच्छा नहीं थी, और अब तक वह उनसे मिलने से बचती रही थी।

श्री पोम्फ्रे अत्यंत विनम्र थे। वे और श्री रोजर्स उन्हें नदी की सैर पर ले गए थे और मिस कैटरमोल को भी अपने साथ ले गए थे। सभी का व्यवहार बहुत अच्छा था और सभी ने सुखद समय बिताया था, आपसी सहमति से पिछली मुलाकातों का कोई जिक्र नहीं किया गया था। हैरियट मिस कैटरमोल से खुश थीं; ऐसा लग रहा था कि उन्होंने अपने ऊपर छाए निराशा के भाव को दूर करने का प्रयास किया है और मिस हिलयार्ड की रिपोर्ट भी उत्साहवर्धक थी। श्री पोम्फ्रे ने हैरियट को दोपहर के भोजन और टेनिस खेलने के लिए भी आमंत्रित किया था; पहले अवसर पर उन्होंने ईमानदारी से पहले से तय कार्यक्रम का हवाला दिया और दूसरे अवसर पर, कुछ हद तक कम सच्चाई के साथ, कहा कि उन्होंने वर्षों से टेनिस नहीं खेला है, उनका फॉर्म अच्छा नहीं है और उन्हें वास्तव में खेलने की कोई इच्छा नहीं है। आखिरकार, उन्हें अपना काम भी करना था (ले फानू, 'ट्विक्स्ट विंड एंड वॉटर' और 'हिस्ट्री ऑफ प्रोसोडी' सहित कई किताबें थीं, जो उनके व्यस्त कार्यक्रम का हिस्सा थीं), और कोई अपना सारा समय स्नातक छात्रों के साथ आलस्य में नहीं बिता सकता था।

मिस न्यूलैंड से औपचारिक परिचय के बाद वाली शाम को, हैरियट की मुलाकात मिस्टर पोम्फ्रे से संयोगवश हो गई। वह सोमरविले सीनियर कॉमन रूम से जुड़े एक बुजुर्ग श्रूस्बरी निवासी से मिलने गई थीं और आधी रात से कुछ ही पहले सेंट जाइल्स से लौट रही थीं, तभी उन्होंने देखा कि शाम की पोशाक पहने कुछ युवक उस प्रसिद्ध सड़क के पेड़ों में से एक के पास खड़े हैं। स्वभाव से जिज्ञासु होने के कारण, हैरियट यह देखने गईं कि क्या बात है। सड़क लगभग सुनसान थी, सिवाय सामान्य यातायात के। पेड़ की ऊपरी शाखाएँ ज़ोर से हिल रही थीं, और नीचे खड़े उस छोटे समूह के किनारे पर खड़ी हैरियट ने उनकी बातों से जाना कि मिस्टर समबडी-ऑर-द-अदर ने रात के खाने के बाद लगी शर्त के चलते, प्रॉक्टर के हस्तक्षेप के बिना सेंट जाइल्स के हर पेड़ पर चढ़ने का संकल्प लिया था।

पेड़ों की संख्या अधिक होने और स्थान सार्वजनिक होने के कारण हैरियट को लगा कि उसका दांव कुछ ज्यादा ही आशावादी था। वह लैम्ब एंड फ्लैग की ओर सड़क पार करने के लिए मुड़ ही रही थी कि तभी एक और युवक, जो स्पष्ट रूप से निगरानी चौकी पर तैनात था, हांफते हुए आया और बताया कि ब्रॉड स्ट्रीट के कोने से प्रोग्गिन्स पेड़ दिखाई देने लगा है। पर्वतारोही जल्दी से नीचे उतरा, और समूह तुरंत सभी दिशाओं में बिखर गया—कुछ उसके पास से दौड़ते हुए निकल गए, कुछ गलियों में चले गए, और कुछ साहसी लोग फेंडर नामक छोटे से बाड़े की ओर भागे, जिसके भीतर (क्योंकि यह

टाउन का नहीं बल्कि सेंट जॉन्स का है) वे प्रॉक्टर के साथ जी भर कर टैग खेल सकते थे। इसी दिशा में दौड़ते हुए एक युवक हैरियट के पास से गुजरा, एक विस्मयबोधक स्वर में रुका और उसके बगल में आकर खड़ा हो गया।
"अरे वाह, आप तो हैं!" श्री पोम्फ्रेट ने उत्साहित स्वर में कहा।
“मैं फिर से,” हैरियट ने कहा। “क्या तुम हमेशा रात के इस समय बिना गाउन के बाहर रहती हो?”
“लगभग हमेशा,” श्री पोम्फ्रे ने उसके बगल में कदम रखते हुए कहा। “मजेदार बात है कि तुम मुझे हमेशा इसी हालत में पकड़ लेती हो। कमाल की किस्मत है, है ना?... वैसे, तुम इस सेमेस्टर में मुझसे बच रही हो। क्यों?”
“ओह, नहीं,” हैरियट ने कहा; “बस मैं थोड़ी व्यस्त थी।”
“लेकिन आप मुझसे बच रहे हैं,” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “मुझे पता है। मुझे लगता है कि आपसे मुझमें कोई खास दिलचस्पी लेने की उम्मीद करना बेवकूफी है। मुझे नहीं लगता कि आप कभी मेरे बारे में सोचते भी होंगे। शायद आप मुझसे नफरत करते हैं।”
“इतनी बेतुकी बातें मत कीजिए, मिस्टर पोम्फ्रे। बेशक मैं ऐसा कुछ नहीं करता। मैं आपको बहुत पसंद करता हूँ, लेकिन—”
“क्या सच में?... तो फिर मुझे मिलने क्यों नहीं दे रहे? देखिए, मुझे आपसे मिलना ही है। मुझे आपसे कुछ कहना है। मैं कब आकर आपसे बात कर सकता हूँ?”
"क्या होगा?" हैरियट ने अचानक और भयानक आशंका से घिरकर कहा।
“क्या बात है? छोड़ो, इतनी निर्दयी मत बनो। इधर देखो, हैरियट—नहीं, रुको, तुम्हें सुनना होगा। प्यारी, अद्भुत हैरियट—”
“श्रीमान पोम्फ्रे, कृपया—”
लेकिन मिस्टर पोम्फ्रे को रोकना नामुमकिन था। उनकी प्रशंसा उन पर बेकाबू हो गई थी, और लैम्ब एंड फ्लैग के पास विशाल हॉर्स-चेस्टनट पेड़ की छाया में घिरी हैरियट ने खुद को किसी ऐसे उत्साही प्रेम-प्रसंग को सुनते हुए पाया, जैसा कि कोई भी बीस वर्षीय युवक अपने से काफी बड़ी उम्र और अनुभव वाली महिला पर लुटा सकता है।
मुझे बेहद खेद है, श्रीमान पोम्फ्रे। मैंने कभी सोचा भी नहीं था—नहीं, सच में, यह बिल्कुल असंभव है। मैं आपसे कम से कम दस साल बड़ी हूँ। और इसके अलावा—”
“इससे क्या फर्क पड़ता है?” एक बड़े और भद्दे इशारे से मिस्टर पोम्फ्रे ने उम्र के अंतर को दरकिनार कर दिया और वाक्पटुता के सैलाब में डूब गए, जिसे हैरियट, जो खुद से और उनसे दोनों से चिढ़ चुकी थी, रोक नहीं सकी। वह उससे प्यार करते थे, उसकी

पूजा करते थे, वह बेहद दुखी थे, वह उसके बारे में सोचते-सोचते न काम कर पाते थे और न ही खेल खेल पाते थे, अगर वह उन्हें ठुकरा देती तो उन्हें समझ नहीं आता कि वह क्या करते, उसने जरूर देखा होगा, उसने जरूर महसूस किया होगा—वह उसके और पूरी दुनिया के बीच खड़ा होना चाहते थे—

श्री पोम्फ्रे छह फीट तीन इंच लंबे और चौड़े व मजबूत शरीर वाले थे।

“कृपया ऐसा मत करो,” हैरियट ने कहा, मानो वह किसी और के विशाल और अवज्ञाकारी अल्सेशियन कुत्ते से कमजोर स्वर में कह रही हो, ‘सीज़र, इसे छोड़ दो।’

“नहीं, मैं सच कह रही हूँ। मैं तुम्हें ऐसा करने नहीं दे सकती—” और फिर एक अलग स्वर में:

“सावधान रहो, दोस्तों! प्रॉक्टर आ रहे हैं।”

श्री पोम्फ्रे घबराकर खुद को संभाला और भागने के लिए मुड़े। लेकिन प्रॉक्टर के बुलडॉग, जो सेंट जाइल्स में पेड़ पर चढ़ने वालों के साथ खूब मस्ती कर रहे थे और अब खून के प्यासे थे, मेहराब से तेज़ी से अंदर आ गए और एक युवक को न केवल बिना गाउन के रात में घूमते हुए बल्कि एक महिला को गले लगाते हुए देखकर (mulier vel meretrix, enius consortio Christianis prorsus interdictum est) खुशी से उस पर टूट पड़े, मानो वह उनका जायज़ शिकार हो।

“अरे बाप रे!” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “ये लो, तुम—”

"प्रोक्टर आपसे बात करना चाहते हैं, महोदय," बुलडॉग ने गंभीर स्वर में कहा।

हैरियट मन ही मन सोच रही थी कि क्या मिस्टर पोम्फ्रे को उनके हाल पर छोड़कर चले जाना ही बेहतर नहीं होगा। लेकिन प्रॉक्टर अपने आदमियों के साथ उसके पीछे-पीछे आ रहा था; वह उससे कुछ ही गज की दूरी पर खड़ा था और पहले ही अपराधी का नाम और कॉलेज पूछ रहा था। अब इस मामले का सामना करने के अलावा कोई चारा नहीं दिख रहा था।

“एक पल रुकिए, श्रीमान प्रॉक्टर,” हैरियट ने श्री पोम्फ्रे के लिए अपनी हंसी को रोकने की कोशिश करते हुए कहा। “यह सज्जन मेरे साथ हैं और आप ऐसा नहीं कर सकते—ओह! शुभ संध्या, श्रीमान जेनकिन।”

दरअसल, वह वही मिलनसार प्रो-प्रोक्टर थे। उन्होंने हैरियट को देखा और शर्म से अवाक रह गए।

“मैं कहता हूँ,” श्री पोम्फ्रे ने बीच में ही बात काटते हुए अटपटाते हुए कहा, लेकिन एक सज्जनतापूर्ण भाव से जैसे उन्हें कुछ स्पष्टीकरण देना ही था; “यह पूरी तरह मेरी गलती

थी। मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि मैं मिस वेन को परेशान कर रहा था। वह—मैं—”
"तुम उसे आसानी से हरा नहीं सकते, तुम्हें पता है ना," हैरियट ने बड़े ही प्रेरक अंदाज में कहा, "है ना?"
“अब सोचें तो,” श्री जेनकिन ने उत्तर दिया, “शायद मैं नहीं कर सकता। आप एक वरिष्ठ सदस्य हैं, है ना?” उन्होंने अपने बुलडॉग कुत्तों को दूर की ओर इशारा करते हुए कहा।
“क्षमा करें,” उन्होंने थोड़ी सख्ती से कहा।
“बिल्कुल नहीं,” हैरियट ने कहा। “मौसम सुहाना है। सेंट जाइल्स में आपका शिकार कैसा रहा?”
“कल दो दोषी अपने डीन के सामने पेश होंगे,” प्रो-प्रोक्टर ने कुछ अधिक प्रसन्नता से कहा। “मुझे लगता है कि यहाँ से कोई नहीं गुजरा होगा?”
"हमारे अलावा कोई नहीं," हैरियट ने कहा; "और मैं आपको यकीन दिला सकती हूं कि हम पेड़ पर नहीं चढ़े हैं।"
उद्धरण देने की उनकी कुटिल कुशलता ने उन्हें "हेस्पेराइड्स को छोड़कर" जोड़ने के लिए प्रेरित किया; लेकिन उन्होंने श्री पोम्फ्रे की भावनाओं का सम्मान किया और खुद को संयमित रखा।
“नहीं, नहीं,” श्री जेनकिन ने कहा। उन्होंने घबराहट में अपनी पट्टियों को छुआ और मखमली किनारी वाले अपने गाउन को कंधों पर सावधानी से कस लिया। “मुझे उन लोगों की तलाश में निकल जाना चाहिए जिन्होंने ये चीजें हासिल की हैं।”
“शुभ रात्रि,” हैरियट ने कहा।
“शुभ रात्रि,” श्री जेनकिन ने विनम्रतापूर्वक अपनी चौकोर टोपी उतारते हुए कहा। फिर वे श्री पोम्फ्रे की ओर मुड़े और बोले, “शुभ रात्रि महोदय।”
वह खंभों के बीच से तेज़ी से कदम बढ़ाते हुए म्यूज़ियम रोड की ओर बढ़ गया, उसकी लंबी आस्तीनें फड़फड़ा रही थीं। हैरियट और मिस्टर पोम्फ्रे के बीच एक ऐसा सन्नाटा छा गया, जिसमें बोला गया पहला शब्द मानो किसी घंटे की आवाज़ की तरह गूंज उठा। इस सन्नाटे पर टिप्पणी करना या रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करना दोनों ही लगभग नामुमकिन लग रहे थे। फिर भी, सबकी सहमति से, उन्होंने प्रो-प्रोक्टर की ओर पीठ फेर ली और एक बार फिर सेंट जाइल्स की ओर चल दिए। वे बाईं ओर मुड़ चुके थे और अब सुनसान पड़े फेंडर से गुज़र रहे थे, तभी मिस्टर पोम्फ्रे को बोलने की हिम्मत मिली।
श्री पोम्फ्रे ने कड़वाहट से कहा, "मैं तो बिल्कुल मूर्ख लग रहा हूँ।"

“यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था,” हैरियट ने कहा, “लेकिन मैं और भी ज्यादा मूर्ख दिख रही थी। मैं लगभग भाग ही गई थी। खैर, अंत भला तो सब भला। वह बहुत ही नेक इंसान है और मुझे नहीं लगता कि वह इस बारे में दोबारा सोचेगा।”
उसे एक बार फिर मन ही मन हंसी की एक अजीब सी गड़गड़ाहट के साथ एक मुहावरा याद आया जो बेअदब लोगों के बीच प्रचलित था: "किसी सीनियर को चिढ़ाना।" "लड़का लगाना" शायद "लड़की लगाना" का स्त्रीलिंग रूप था; उसने सोचा कि क्या मिस्टर जेनकिन अगले दिन कॉमन रूम में इसका इस्तेमाल करेंगे। उसे उनके मनोरंजन से कोई आपत्ति नहीं थी; क्योंकि वह इतनी समझदार थी कि जानती थी कि समय के सागर में चाहे कितनी भी बड़ी सामाजिक गड़बड़ी क्यों न हो, वह बस एक छोटी सी लहर बनकर रह जाती है। लेकिन मिस्टर पोम्फ्रे के लिए, वह लहर तो मानो किसी बवंडर जैसी थी। वह नाराज़गी से कुछ बुदबुदा रहे थे कि कोई हंसी का पात्र बन गया है।
हैरियट ने कहा, "कृपया इसकी चिंता न करें। यह कोई मायने नहीं रखता। मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है।"
“बिल्कुल नहीं,” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “स्वाभाविक रूप से, आप मुझे गंभीरता से नहीं ले सकते। आप मेरे साथ बच्चे जैसा व्यवहार कर रहे हैं।”
"बिल्कुल नहीं। मैं बहुत आभारी हूं—आपने मुझसे जो कुछ भी कहा, उससे मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। लेकिन सच में, यह बिल्कुल असंभव है।"
“खैर, कोई बात नहीं,” श्री पोम्फ्रे ने गुस्से से कहा।
हैरियट ने सोचा, ये तो बहुत बुरा हुआ। अपनी युवा भावनाओं को इस तरह कुचला जाना ही काफी कष्टदायक था; ऊपर से आधिकारिक उपहास का पात्र बनना तो लगभग असहनीय था। उसे उस नौजवान के आत्मसम्मान को वापस दिलाने के लिए कुछ करना ही होगा।
“सुनिए, श्रीमान पोम्फ्रे। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी किसी से शादी करूंगी। कृपया विश्वास कीजिए कि मेरी आपत्ति बिल्कुल भी व्यक्तिगत नहीं है। हम बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। क्या हम—?”
श्री पोम्फ्रे ने इस पुरानी घिसी-पिटी बात का निराशाजनक ढंग से खंडन किया।
“मुझे लगता है,” उसने क्रूर स्वर में कहा, “कोई और भी है।”
मुझे नहीं लगता कि आपको यह पूछने का कोई अधिकार है।

“बिल्कुल नहीं,” श्री पोम्फ्रे ने नाराज़गी से कहा। “मुझे आपसे कुछ भी पूछने का कोई अधिकार नहीं है। मुझे आपसे शादी का प्रस्ताव रखने के लिए माफ़ी मांगनी चाहिए। और प्रोगिन्स के सामने तमाशा करने के लिए—दरअसल, अपने अस्तित्व के लिए भी। मुझे बहुत अफ़सोस है।”

स्पष्टतः, मिस्टर पोम्फ्रे के आहत अहंकार को कम से कम शांत करने का एकमात्र उपाय यही था कि उन्हें यह आश्वासन दिया जाए कि कोई और है। लेकिन हैरियट ऐसा कुछ भी स्वीकार करने को तैयार नहीं थी; और इसके अलावा, चाहे कोई और हो या न हो, मिस्टर पोम्फ्रे से शादी करने का विचार पूरी तरह से हास्यास्पद था। उसने उनसे इस मामले पर समझदारी से विचार करने की विनती की; लेकिन वे रूठे नहीं रहे; और वास्तव में, कुछ भी कहा जाए, स्थिति की निरर्थकता को कम नहीं किया जा सकता था। किसी महिला को दुनिया से बचाने के लिए वीरतापूर्ण संरक्षण प्रदान करना, और बदले में प्रॉक्टर के उचित आक्रोश से खुद को बचाने के लिए उसकी वरिष्ठता को स्वीकार करने के लिए विवश होना, हास्यास्पद है और रहेगा।

उनके रास्ते एक ही दिशा में थे। नाराज़गी भरी खामोशी में वे पत्थरों पर टहलते हुए, बैलिओल के बदसूरत अग्रभाग और ट्रिनिटी के ऊंचे लोहे के फाटकों, सीज़र्स के चौदह गुना तिरस्कार और क्लेरेंडन बिल्डिंग के भारी मेहराब के पास से गुज़रे, जब तक कि वे कैट स्ट्रीट और होलीवेल के जंक्शन पर नहीं पहुँच गए।

“ठीक है,” श्री पोम्फ्रे ने कहा, “अगर आपको कोई आपत्ति न हो, तो मुझे यहाँ से जल्दी निकलना चाहिए। अभी बारह बजने ही वाले हैं।”

जी हाँ। मेरी चिंता मत करो। शुभ रात्रि... और एक बार फिर बहुत-बहुत धन्यवाद।

"शुभ रात्रि।"

श्री पोम्फ्रे तेजी से क्वीन कॉलेज की दिशा में दौड़े, उनके पीछे घंटियों की गूंज सुनाई दे रही थी।

हैरियट होलीवेल की ओर आगे बढ़ती रही। अब वह चाहे तो हंस सकती थी; और वह हंसी भी। उसे मिस्टर पोम्फ्रे के दिल को किसी तरह के स्थायी नुकसान का डर नहीं था; वह इतने चिड़चिड़े थे कि अपनी शान के अलावा किसी और बात से परेशान नहीं हो सकते थे। इस घटना में एक ऐसा हास्यास्पद स्वाद था जिसे न तो दया और न ही करुणा मिटा सकती थी। दुर्भाग्य से, वह शालीनता से इसे किसी के साथ साझा नहीं कर सकती थी; वह केवल अकेले में हंसी के आनंद में ही इसका लुत्फ उठा सकती थी। मिस्टर जेनकिन उसके बारे में क्या सोच रहे होंगे, इसकी वह कल्पना भी नहीं कर

सकती थी। क्या वह उसे एक सिद्धांतहीन कुटिल कुतिया समझ रहे थे? या एक व्यभिचारी यौन उन्मादी? या एक निराश महिला जो तेजी से गायब होते अवसरों को पकड़ने के लिए बेताब थी? या कुछ और? वह जितना इस घटना में अपनी भूमिका के बारे में सोचती, वह उसे उतनी ही हास्यास्पद लगती—वह सोच रही थी कि अगर वह कभी फिर से मिस्टर जेनकिन से मिली तो उनसे क्या कहेगी।

उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि श्री पोम्फ्रे के सरल प्रस्ताव ने उन्हें कितना प्रसन्न कर दिया था। उन्हें स्वयं पर बहुत शर्म आनी चाहिए थी। उन्हें श्री पोम्फ्रे के साथ जो हो रहा था उसे न देख पाने और उसे रोकने के लिए कदम न उठाने के लिए खुद को दोषी ठहराना चाहिए था—उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? शायद इसलिए क्योंकि ऐसी संभावना उनके मन में कभी आई ही नहीं थी। उन्होंने मान लिया था कि वह पीटर विम्सी की सनकी पसंद को छोड़कर किसी भी पुरुष को फिर से आकर्षित कर सकती हैं। और उनके लिए, वह तो बस उनकी बनाई हुई एक वस्तु और उनकी उदारता का प्रतिबिंब थीं। रेगी पोम्फ्रे की भक्ति, हालांकि हास्यास्पद थी, कम से कम एकनिष्ठ थी; वह कोई राजा कोफेटुआ नहीं थे; उन्हें उन पर ध्यान देने के लिए विनम्रतापूर्वक उनका आभार व्यक्त करने की आवश्यकता नहीं थी। और यह विचार, आखिरकार, सुखद था। हम चाहे कितनी भी जोर से अपनी अयोग्यता का दावा करें, हममें से बहुत कम लोग वास्तव में किसी निष्पक्ष व्यक्ति द्वारा उस दावे का खंडन सुनकर आहत होते हैं।

इसी असंयमित मनोदशा में वह कॉलेज पहुँची और पिछले दरवाजे से अंदर चली गई। वार्डन के आवास में बत्तियाँ जल रही थीं और कोई द्वार पर खड़ा बाहर देख रहा था। हैरियट के कदमों की आहट सुनकर उस व्यक्ति ने डीन की आवाज़ में पुकारा—

“क्या आप ही हैं, मिस वेन? वार्डन आपसे मिलना चाहते हैं।”

“क्या बात है, डीन?”

डीन ने हैरियट का हाथ पकड़ लिया।

“न्यूलैंड नहीं आई है। आपने उसे कहीं नहीं देखा?”

“नहीं—मैं सोमरविले में था। अभी बारह बजने ही वाले हैं। वह शायद आ जाएगी। आपको नहीं लगता—?”

“हमें समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचें—बिना छुट्टी लिए बाहर रहना न्यूलैंड की आदत नहीं है। और हमें कुछ चीजें मिली हैं।”

वह हैरियट को वार्डन के बैठक कक्ष में ले गई। डॉ. बेरिंग अपनी मेज पर बैठी थीं, उनका सुंदर चेहरा दृढ़ और न्यायप्रिय लग रहा था। उनके सामने मिस हेडॉक खड़ी

थीं, उनके हाथ ड्रेसिंग गाउन की जेबों में थे; वह उत्तेजित और क्रोधित दिख रही थीं। मिस शॉ बड़े सोफे के एक कोने में उदास बैठी रो रही थीं; जबकि वरिष्ठ छात्रा मिस मिलबैंक्स, आधी डरी हुई और आधी विद्रोही, पीछे बेचैनी से खड़ी थीं। जैसे ही हैरियट डीन के साथ अंदर आईं, सभी ने उम्मीद भरी नजरों से दरवाजे की ओर देखा और फिर दूसरी ओर।

वार्डन ने कहा, "मिस वेन, डीन ने मुझे बताया है कि आपने पिछले मई दिवस पर मैग्डेलन टॉवर पर मिस न्यूलैंड को अजीब तरह से व्यवहार करते देखा था। क्या आप मुझे इसके बारे में और अधिक सटीक जानकारी दे सकती हैं?"

हैरियट ने अपनी कहानी दोबारा सुनाई। अंत में उसने कहा, “मुझे खेद है कि उस समय मुझे उसका नाम नहीं पता चला; लेकिन मैंने उसे अपनी छात्राओं में से एक के रूप में नहीं पहचाना। सच तो यह है कि मुझे याद ही नहीं कि मैंने उसे कभी देखा भी हो, जब तक कि कल मिस मार्टिन ने मुझे उसकी ओर इशारा नहीं किया।”

“बिल्कुल सही,” डीन ने कहा। “मुझे ज़रा भी हैरानी नहीं हुई कि आप उसे नहीं जानती थीं। वह बहुत शांत और शर्मीली है और हॉल में बहुत कम आती है या कहीं नज़र नहीं आती। मुझे लगता है कि वह लगभग सारा दिन रेडक्लिफ में काम करती है। बेशक, जब आपने मुझे मई दिवस की घटना के बारे में बताया, तो मैंने तय किया कि किसी को उस पर नज़र रखनी चाहिए। मैंने डॉ. बेरिंग और मिस शॉ को सूचित किया, और मैंने मिस मिलबैंक्स से पूछा कि क्या तीसरे वर्ष के किसी छात्र ने ध्यान दिया है कि वह किसी परेशानी में लग रही है।”

“मुझे समझ नहीं आ रहा,” मिस शॉ रोते हुए बोलीं। “वह इस बारे में मुझसे क्यों नहीं बात कर सकी? मैं हमेशा अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करती हूँ कि वे मुझ पर पूरा भरोसा रखें। मैंने उससे बार-बार पूछा। मुझे सच में लगा था कि वह मुझसे बहुत स्नेह करती है।”

उसने नम रूमाल में हताशा से सूंघा।

मिस हेडॉक ने साफ-साफ कहा, "मुझे पता था कि कुछ गड़बड़ है। लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि क्या है। आप जितने ज्यादा सवाल पूछते, वह उतना ही कम बताती—इसलिए मैंने ज्यादा सवाल नहीं पूछे।"

“क्या उस लड़की के कोई दोस्त नहीं हैं?” हैरियट ने पूछा।

"मुझे लगा कि वह मुझे एक दोस्त की तरह देखती है," मिस शॉ ने शिकायत की।

"उसने दोस्त नहीं बनाए," मिस हेडॉक ने कहा।

डीन ने कहा, "वह बहुत ही शांत स्वभाव की बच्ची है। मुझे नहीं लगता कि कोई उससे कुछ खास हासिल कर सकता है। मुझे पता है कि मैं तो नहीं कर सकता।"
“लेकिन असल में हुआ क्या है?” हैरियट ने पूछा।
वार्डन के जवाब पर बिना किसी भेदभाव के बीच में टोकते हुए मिस हेडॉक ने कहा, "जब मिस मार्टिन ने मिस मिलबैंक्स से उसके बारे में बात की, तो मिस मिलबैंक्स ने मुझसे इस मामले का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हमसे कुछ करने की उम्मीद की जा सकती है।"
“लेकिन मैं उसे मुश्किल से ही जानती थी...” मिस मिलबैंक्स ने कहना शुरू किया।
“मैंने भी नहीं,” मिस हेडॉक ने कहा। “लेकिन मुझे लगा कि इस बारे में कुछ करना बेहतर होगा। आज दोपहर मैं उसे नदी में सैर पर ले गई। उसने कहा कि उसे काम करना चाहिए, लेकिन मैंने उससे कहा कि बेवकूफी मत करो, वरना तुम पागल हो जाओगी। हम रोलर्स के ऊपर से नाव में गए और पार्क्स के पास चाय पी। तब वह ठीक लग रही थी। मैं उसे वापस ले आई और उसे हॉल में अच्छे से खाना खाने के लिए राजी किया। उसके बाद, उसने कहा कि वह रैडर में काम करना चाहती है। मेरा एक कार्यक्रम था, इसलिए मैं उसके साथ नहीं जा सकी—इसके अलावा, मुझे लगा कि अगर मैं सारा दिन उसके पीछे-पीछे घूमती रहूँगी तो उसे अजीब लगेगा। इसलिए मैंने मिस मिलबैंक्स से कहा कि कोई और यह काम संभाल ले।”
“खैर, मैंने अपना काम जारी रखा,” मिस मिलबैंक्स ने कुछ चुनौती भरे लहजे में कहा।
“मैं अपना काम वहाँ ले गई। मैं एक ऐसी डेस्क पर बैठी जहाँ से मैं उसे देख सकूँ। वह साढ़े नौ बजे तक वहीं थी। मैं दस बजे वापस आई तो देखा कि वह जा चुकी थी।”
क्या तुमने उसे जाते हुए नहीं देखा?
“नहीं। मैं पढ़ रही थी और शायद वो चुपके से निकल गई। मुझे माफ़ करना; लेकिन मुझे कैसे पता चलता? इस सेमेस्टर में मेरी स्कूल की पढ़ाई है। ये कहना तो ठीक है कि मुझे उससे नज़रें नहीं हटानी चाहिए थीं, लेकिन मैं कोई नर्स तो हूँ नहीं—”
हैरियट ने देखा कि मिस मिलबैंक्स का आत्मविश्वास कैसे टूट गया था। वह एक स्कूली छात्रा की तरह गुस्से में और अनाड़ीपन से अपना बचाव कर रही थी।
“वापस लौटने पर,” वार्डन ने आगे कहा, “मिस मिलबैंक्स—”
“लेकिन क्या इस बारे में कुछ किया गया है?” हैरियट ने इस व्यवस्थित अकादमिक व्याख्या से चिढ़ते हुए बीच में ही टोक दिया। “मुझे लगता है कि आपने पूछा होगा कि क्या वह रेडक्लिफ की गैलरी में गई थी।”

“मुझे बाद में इस बात का ख्याल आया,” वार्डन ने जवाब दिया, “और मैंने वहाँ तलाशी लेने का सुझाव दिया। मुझे पता चला है कि तलाशी ली गई है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला—हालाँकि, इसके बाद—”
नदी के बारे में क्या ख्याल है?
मैं उसी पर आ रहा हूँ। शायद मुझे कालानुक्रमिक क्रम में ही आगे बढ़ना चाहिए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि समय बिल्कुल भी व्यर्थ नहीं गया है।
“बहुत खूब, वार्डन।”
वार्डन ने अपनी कहानी वहीं से आगे बढ़ाते हुए कहा, “वापस आने पर, मिस मिलबैंक्स ने मिस हेडॉक को इसके बारे में बताया, और उन्होंने पता लगाया कि मिस न्यूलैंड कॉलेज में नहीं थीं। फिर उन्होंने, बिल्कुल उचित तरीके से, डीन को सूचित किया, जिन्होंने पैजेट को निर्देश दिया कि आते ही फोन कर दें। 11:15 बजे तक वह वापस नहीं आई थीं, और पैजेट ने यह बात उन्हें बताई। उन्होंने साथ ही यह भी बताया कि उन्हें खुद मिस न्यूलैंड के बारे में चिंता हो रही थी। उन्होंने देखा था कि वह अकेले ही बाहर जाने लगी थीं, और वह तनावग्रस्त और घबराई हुई लग रही थीं।”
डीन ने कहा, "पैजेट काफी चतुर है। मुझे अक्सर लगता है कि वह हममें से किसी से भी ज्यादा छात्रों के बारे में जानता है।"
मिस शॉ ने विलाप करते हुए कहा, "आज रात तक तो मैं यही कहती थी कि मैं अपने सभी विद्यार्थियों को बहुत अच्छी तरह जानती हूँ।"
पैजेट ने यह भी कहा कि उन्होंने मिस न्यूलैंड के लिए लॉज में कई गुमनाम पत्र आते हुए देखे थे।
"उसे इसकी सूचना देनी चाहिए थी," हैरियट ने कहा।
“नहीं,” डीन ने कहा। “आपके पिछले सत्र में आने के बाद ही हमने उसे रिपोर्ट करने का निर्देश दिया था। उसने जिन्हें देखा वे उससे पहले आए थे।”
"अच्छा ऐसा है।"
वार्डन ने कहा, "तब तक हमें चिंता होने लगी थी और मिस मार्टिन ने पुलिस को फोन किया। इसी बीच, मिस हेडॉक ने मिस न्यूलैंड के कमरे में उनकी मानसिक स्थिति पर प्रकाश डालने वाली किसी भी चीज की तलाश की; और उन्हें ये चीजें मिलीं।"
उसने अपनी मेज से कागजों का एक छोटा सा बंडल उठाया और हैरियट को सौंप दिया, जिसने कहा, "हे भगवान!"

इस बार, उस विषैली कलम को अपना शिकार मिल गया था। तीस या उससे अधिक पत्र थे (डीन की टिप्पणी थी, "और मुझे नहीं लगता कि ये भी पूरे हैं") - धमकी भरे, अपमानजनक, व्यंग्यात्मक - सभी एक ही विषय पर बेरहमी से प्रहार कर रहे थे। "तुम्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि तुम बच जाओगे" - "स्कूल में असफल होने पर क्या करोगे?" - "तुम असफल होने के लायक हो और मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि तुम असफल हो जाओ" - फिर और भी भयानक सुझाव: "क्या तुम्हें नहीं लगता कि तुम्हारा दिमाग खराब हो रहा है?" - "अगर उन्हें पता चला कि तुम पागल हो रहे हो तो वे तुम्हें जेल भेज देंगे" - और अंत में, एक भयावह क्रम में: "अभी ही सब खत्म कर लो" - "पागलखाने में जाने से बेहतर है मर जाना" - "तुम्हारी जगह मैं होता तो खिड़की से कूद जाता" - "नदी में कूद जाओ" - और इसी तरह; कमजोर नसों पर लगातार, घातक प्रहार, जिसका विरोध करना सबसे कठिन होता है।

“काश उसने मुझे ये दिखा दिए होते!” मिस शॉ रोते हुए बोलीं।

“बिल्कुल नहीं,” हैरियट ने कहा। “यह स्वीकार करने के लिए बहुत संतुलित बुद्धि की आवश्यकता होती है कि लोग आपको पागल समझते हैं। यही तो सारी गड़बड़ का कारण है।”

“सभी दुष्ट चीजों में से—” डीन ने कहा। “उस अभागे बच्चे के बारे में सोचो जो इन सभी भयानक चीजों को इकट्ठा कर रहा है और उनके बारे में सोच रहा है! मैं उस व्यक्ति को जान से मार देना चाहता हूँ जो भी हो!”

"यह हत्या का एक स्पष्ट प्रयास है," हैरियट ने कहा। "लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सफल हुआ है?"

कुछ देर का सन्नाटा छा गया। फिर वार्डन ने भावहीन स्वर में कहा: "नावघर की एक चाबी गुम हो गई है।"

डीन ने कहा, “मिस स्टीवंस और मिस एडवर्ड्स वाटर-फ्लाई में नदी के ऊपरी हिस्से की ओर गई हैं, और मिस बरोज़ और मिस बार्टन दूसरी नाव लेकर आइसिस नदी की ओर गई हैं। पुलिस भी तलाशी कर रही है। वे लगभग पौने घंटे से गायब हैं। हमें तब तक पता ही नहीं चला था कि चाबी खो गई है।”

“तो फिर हम कुछ नहीं कर सकते,” हैरियट ने गुस्से में कहा कि मिस न्यूलैंड की अनुपस्थिति का पता चलते ही बोटहाउस की चाबियों की जाँच कर लेनी चाहिए थी। “मिस हेडॉक—क्या मिस न्यूलैंड ने आपके बाहर रहने के दौरान आपसे कुछ कहा था

—कुछ भी—जिससे यह पता चल सके कि अगर वह खुद को डुबोना चाहती हैं तो वह कहाँ जा सकती हैं?”
पहली बार खुलेआम बोले गए उस सीधे-सादे वाक्य ने सबको झकझोर दिया। मिस हेडॉक ने अपना सिर अपने हाथों में पकड़ लिया।
“एक मिनट रुको,” उसने कहा। “मुझे कुछ याद आ रहा है। हम पार्क्स में काफी आगे आ चुके थे—हाँ—चाय के बाद का समय था, और मुड़ने से पहले हम थोड़ा और आगे गए। मैं पानी के एक खतरनाक हिस्से में जा गिरी और मेरा डंडा लगभग छूट ही गया था। मुझे याद है मैंने कहा था कि खरपतवारों की वजह से वहाँ जाना खतरनाक होगा। तल बहुत खराब है—पूरी तरह से कीचड़ है और उसमें गहरे गड्ढे हैं। मिस न्यूलैंड ने पूछा कि क्या यह वही जगह नहीं है जहाँ पिछले साल एक आदमी डूब गया था। मैंने कहा कि मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह जगह वहीं आसपास थी। उन्होंने इसके बाद कुछ नहीं कहा, और मुझे यह बात अब तक याद नहीं थी।”
हैरियट ने अपनी घड़ी देखी।
“उसे आखिरी बार साढ़े नौ बजे देखा गया था। उसे नावघर जाना होगा। क्या उसके पास साइकिल थी? नहीं? तो उसे लगभग आधा घंटा लगेगा। दस। रोलर्स तक पहुँचने में लगभग चालीस मिनट और लग जाएँगे, जब तक कि वह बहुत तेज़ न हो—”
वह जल्दीबाजी में फैसला लेने वाली नहीं है। वह तो डोंगी लेना पसंद करेगी।
“उसे तेज़ हवा और तेज़ धारा का सामना करना पड़ेगा। मान लीजिए सुबह 10:45 बज रहे हैं। और उसे अकेले ही डोंगी को रोलर्स के ऊपर से ले जाना होगा। इसमें समय लगेगा। लेकिन फिर भी उसके पास एक घंटे से ज़्यादा का समय होगा। शायद बहुत देर हो चुकी है, लेकिन कोशिश करने में कोई हर्ज नहीं है।”
"लेकिन वह कहीं भी जा सकती थी।"
"बिल्कुल हो सकता है। लेकिन इसकी संभावना तो है ही। लोगों को कोई विचार आता है और वे उस पर अड़े रहते हैं। और वे हमेशा तुरंत फैसला नहीं लेते।"
"अगर मुझे लड़की के मनोविज्ञान के बारे में कुछ भी पता है," मिस शॉ ने कहना शुरू किया।
“बहस करने का क्या फायदा?” हैरियट ने कहा। “वह या तो ज़िंदा है या मर चुकी है, और हमें अंदाज़ा ही लगाना होगा। मेरे साथ कौन चलेगा? मैं गाड़ी ले आती हूँ—सड़क से हम नदी के रास्ते से जल्दी पहुँचेंगे। हम पार्क्स के ऊपर कहीं से नाव ले सकते हैं—अगर ज़रूरत पड़े तो नावघर तोड़कर भी ले सकते हैं। डीन—”

"मैं आपके साथ हूं," मिस मार्टिन ने कहा।
“हमें मशालें और कंबल चाहिए। गरमा गरम कॉफ़ी। ब्रांडी। बेहतर होगा कि पुलिस को टिम्म्स के यहाँ हमसे मिलने के लिए एक कांस्टेबल भेजने को कहें। मिस हेडॉक, आप मुझसे कहीं बेहतर नाविक हैं—”
“मैं आऊंगी,” मिस हेडॉक ने कहा। “शुक्र है, कुछ करने को तो है।”
नदी पर जगमगाती रोशनी। चप्पूओं की छप-छप की आवाज़। नावों के लगातार बजने की आवाज़।
नाव धीरे-धीरे धारा के साथ आगे बढ़ रही थी। कांस्टेबल नाव के अगले हिस्से में दुबका हुआ था और एक शक्तिशाली टॉर्च की रोशनी को दोनों किनारों पर घुमा रहा था। पतवार संभाले हैरियट का ध्यान अंधेरी धारा और आगे बढ़ती रोशनी के बीच बँटा हुआ था। डीन ने धीरे-धीरे और स्थिर गति से नाव चलाई और अपनी नज़रें आगे की ओर रखते हुए पूरी तरह सतर्क रही।
पुलिसकर्मी के इशारे पर, हैरियट ने नाव को रोका और उसे बहने दिया, काले पानी पर तैरती एक काली और चिपचिपी आकृति की ओर। जैसे ही वह आदमी बाहर झुका, नाव हिल गई। सन्नाटे में एक कराह सुनाई दी, "अगले मोड़ के दूसरी ओर चप्पू चलने की आवाज़।"
“ठीक है,” पुलिसकर्मी ने कहा। “बस थोड़ी-बहुत लूटपाट करनी है।”
“तैयार हो? चप्पू चलाओ!”
चप्पू एक बार फिर पानी से टकराईं।
“क्या वह कोषाध्यक्ष की नाव आ रही है?” डीन ने कहा।
"बहुत संभावना है," हैरियट ने कहा।
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, दूसरी नाव में किसी ने चिल्लाया। पानी में छपछपाहट हुई और आगे से एक चीख सुनाई दी, और फिर कांस्टेबल की ओर से जवाबी आवाज आई:
"वह वहाँ चली जाती है!"
“पूरी ताकत से खींचो,” हैरियट ने कहा। जैसे ही उसने पतवार खींचकर नाव का अगला हिस्सा मोड़ पर लाया, उसने मशाल की रोशनी में, पतवार चलाने वाले के कंधे के पार, वह चीज़ देखी जिसे वे खोजने आए थे—बीच धारा में बहती हुई एक डोंगी का चमकता हुआ निचला हिस्सा, जिसके बगल में चप्पू तैर रहे थे; और उसके चारों ओर पानी बह रहा था, गोता लगाने के झटके से लहरें उठ रही थीं।

"सावधान रहो, महिलाओं। उसका पीछा मत करो। वह ज्यादा दूर नहीं हो सकती।"
“आसान!” हैरियट ने कहा। और फिर, “उसका साथ दो! उसे थामे रखो!”
धारा चप्पू के उल्टे ब्लेडों पर कलकल करती और भंवर बनाती हुई बह रही थी। कांस्टेबल ने आगे आ रहे नाविक को आवाज़ दी और फिर बाईं ओर के किनारे की तरफ इशारा किया।
"वहाँ विलो के पेड़ के पास।"
सूरज की रोशनी चांदी जैसे पत्तों पर पड़ रही थी, जो बारिश की बूंदों की तरह नदी की ओर बह रहे थे। उनके नीचे कुछ धुंधला और अशुभ सा घूम रहा था।
“आराम से। चप्पू चलाओ। एक आगे। दूसरा आगे। तीसरा। आराम से। चप्पू चलाओ। एक। दो। तीन। आराम से। चप्पू चलाते हुए, आगे पानी में। एक। दो। आराम से। अपने आगे वाले चप्पू का ध्यान रखना।”
पुलिसकर्मी के इशारे पर नाव धारा के पार घूमी और मुड़ गई। वह घुटनों के बल बैठा नाव के आगे वाले हिस्से में पानी में झाँक रहा था। पानी की सतह पर एक सफेद धब्बा चमका और फिर डूब गया।
"उसे थोड़ा और घुमाइए, मैडम।"
“तैयार? एक स्ट्रोक, चप्पू। दूसरा। आराम से। इसे थामे रहो।” वह बाहर की ओर झुककर दोनों हाथों से झाड़ियाँ टटोल रहा था। “थोड़ा पीछे हटो। आराम से। चप्पू को पानी से बाहर रखो। नाव को संतुलित करो। चप्पू चलाने के लिए आगे झुक जाओ। क्या तुमने इसे संभाल लिया?”
मैंने उसे पकड़ लिया है—लेकिन खरपतवार बहुत ही मजबूत हैं।
“ध्यान रखना, कहीं तुम दोनों किनारे पर न आ जाओ। मिस हेडॉक—तैयार हो जाओ, जहाज! देखो, क्या तुम कांस्टेबल की मदद कर सकती हो। डीन—एक बहुत ही हल्का सा चप्पू चलाओ और किनारे पर बैठ जाओ।”
नाव खतरनाक तरीके से हिल रही थी क्योंकि वे चिपकी हुई घास को हटाने के लिए जोर लगा रहे थे, जो तेज धार वाली और कब्र के बंधनों की तरह मजबूत थी। जलमक्खी अब ऊपर आ गई थी और धारा के पार खींच रही थी। हैरियट ने मिस स्टीवंस को चिल्लाकर कहा कि वे अपने चप्पू को शरारत से दूर रखें। नावें एक-दूसरे के करीब आ गईं। लड़की का सिर पानी से बाहर था, बिल्कुल सफेद और बेजान, काले कीचड़ और घास की गहरी धारियों से विकृत। कांस्टेबल शव को सहारा दे रहा था। मिस हेडॉक के दोनों हाथ धारा में थे, और वे चाकू से उस घास को काट रही थीं जो पैरों के चारों ओर

बुरी तरह लिपटी हुई थी। दूसरी नाव, अपने हल्केपन के कारण, पानी से लथपथ किनारों के साथ एक तरफ झुक रही थी, क्योंकि उसके यात्री पहुँचने और संघर्ष करने की कोशिश कर रहे थे।

“अपनी नाव को संभालो, धिक्कार है!” हैरियट गुस्से में बोली, दो लाशों को संभालने के ख्याल से वह बिल्कुल भी खुश नहीं थी और अपने गुस्से में वह भूल गई थी कि वह किससे बात कर रही है। मिस स्टीवंस ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया; लेकिन मिस एडवर्ड्स ने अपना पूरा भार नाव पर डाल दिया; और जैसे ही नाव उठी, लाश भी ऊपर उठ गई। हैरियट ने अपनी टॉर्च को स्थिर रखा ताकि बचाव दल देख सके कि वे क्या कर रहे हैं, और उसने देखा कि कैसे बेकाबू घास अपनी आखिरी कुंडलियाँ खोलकर पीछे हट रही है।

“उसे अंदर ले आओ,” कांस्टेबल ने कहा। उनकी नाव में जगह कम थी, लेकिन उनके हाथ ज़्यादा मज़बूत थे और संतुलन बेहतर था। ज़ोरदार झटका लगा और भारी वज़न को किनारे से खींचकर मिस हेडॉक के पैरों के पास लुढ़का दिया गया।

कांस्टेबल एक सक्षम और ऊर्जावान युवक था। उसने अत्यंत तत्परता से प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया। किनारे पर जमा महिलाएं चिंतित चेहरों से देख रही थीं। नावघर से भी मदद आ चुकी थी। हैरियट ने सवालों की बौछार को रोकने का जिम्मा स्वयं उठाया।

“हाँ। हमारी एक छात्रा। उसे नाव चलाना नहीं आता था। यह सोचकर डर लग रहा था कि वह अकेले डोंगी लेकर निकल गई। लापरवाही। हाँ, हमें डर था कि कहीं कोई दुर्घटना न हो जाए। हवा। तेज़ धारा। हाँ। नहीं। नियमों के बिल्कुल खिलाफ।” (अगर कोई जाँच होती, तो वहाँ कुछ और स्पष्टीकरण देने पड़ते। लेकिन यहाँ नहीं। अभी नहीं।) “बहुत नासमझी। जोश में थी। ओह, हाँ। बहुत दुर्भाग्यपूर्ण। जोखिम उठा रही थी....”

“अभी के लिए वह ठीक रहेगी,” कांस्टेबल ने कहा।

वह उठकर बैठ गया और अपनी आंखों से पसीना पोंछा।

ब्रांडी। कंबल। खेतों से होते हुए नावघर तक एक उदास जुलूस, लेकिन जितना उदास हो सकता था, उतना नहीं। फिर लगातार फोन की झड़ी। फिर डॉक्टर का आगमन। फिर हैरियट अचानक घबराहट से कांप उठी, और किसी दयालु व्यक्ति ने उसे व्हिस्की पिलाई। मरीज़ की हालत में सुधार हो रहा था। मरीज़ बिल्कुल ठीक था। सक्षम पुलिसकर्मी, मिस हेडॉक और मिस स्टीवंस अपने हाथों पर पट्टी बंधवा रही थीं, जहाँ

नुकीली घास ने उन्हें बुरी तरह से घायल कर दिया था। लोग लगातार बातें कर रहे थे, हैरियट को उम्मीद थी कि वे व्यर्थ की बातें नहीं कर रहे होंगे।
“खैर,” डीन ने उसके कान में कहा, “आज रात तो खूब मजा आने वाला है!”
"मिस न्यूलैंड के साथ कौन है?"
“मिस एडवर्ड्स। मैंने उन्हें चेतावनी दी है कि अगर हो सके तो बच्चे को कुछ भी न बोलने दें। और मैंने उस भले पुलिसवाले को भी चुप करा दिया है। दुर्घटना, मेरी प्यारी, दुर्घटना। कोई बात नहीं। हमने आपकी बात मान ली। आपने कमाल का संयम रखा। हालांकि, मिस स्टीवंस थोड़ा घबरा गईं। रोने लगीं और आत्महत्या की बातें करने लगीं। मैंने उन्हें तुरंत चुप करा दिया।”
“धिक्कार है!” हैरियट ने कहा। “वह ऐसा क्यों करना चाहती थी?”
“क्या सच में? ऐसा लगता है जैसे वह कोई हंगामा खड़ा करना चाहती हो।”
"कोई न कोई तो जरूर करता है।"
“आपको नहीं लगता कि मिस स्टीवंस ने—? उन्होंने बचाव कार्य में अपना योगदान दिया, आप जानते ही हैं।”
“हाँ, मुझे पता है। ठीक है, डीन। मुझे नहीं लगता। मैं सोचने की कोशिश भी नहीं करूँगा। मुझे लगा था कि वह और मिस एडवर्ड्स मिलकर उस नाव को पार करा लेंगी।”
“अभी इस बारे में बात न करें। शुक्र है कि सबसे बुरा नहीं हुआ। लड़की सुरक्षित है और यही सबसे महत्वपूर्ण है। अब हमें बस इस मामले को सकारात्मक रूप से पेश करना है।”
सुबह के लगभग पाँच बज रहे थे जब थके-हारे और पट्टियों से लिपटे बचावकर्मी एक बार फिर वार्डन के घर में बैठ गए। हर कोई एक-दूसरे की तारीफ कर रहा था।
डीन ने कहा, "मिस वेन ने बड़ी चतुराई से यह जान लिया कि वह बेचारा बच्चा उस खास जगह पर जाएगा। शुक्र है कि हम ठीक उसी समय पहुँच गए।"
“मुझे इस बारे में पक्का यकीन नहीं है,” हैरियट ने कहा। “हो सकता है हमने फायदे से ज़्यादा नुकसान कर दिया हो। क्या आपको पता है कि उसने हमें आते हुए देखकर ही यह कदम उठाने का फैसला किया था?”
"क्या आपका मतलब यह है कि अगर हम उसके पीछे नहीं जाते तो शायद वह ऐसा करती ही नहीं?"

कहना मुश्किल है। मुझे लगता है कि वह टालमटोल कर रही थी। असल में उसे गुस्सा दिलाने वाली बात दूसरी नाव से आई वह चीख थी। वैसे, चीख किसने लगाई थी?
"मैं चिल्लाई," मिस स्टीवंस ने कहा। "मैंने पीछे मुड़कर देखा और उसे देखा। इसलिए मैं चिल्लाई।"
"जब आपने उसे देखा तो वह क्या कर रही थी?"
"कश्ती में खड़े होना।"
"नहीं, वह नहीं थी," मिस एडवर्ड्स ने कहा। "जब आपने चिल्लाया तो मैंने मुड़कर देखा, और वह उस समय उठ ही रही थी।"
“आप बिलकुल गलत हैं,” मिस स्टीवंस ने बात काटते हुए कहा। “मैं कह रही हूँ कि जब मैंने उसे देखा तो वह नीचे उतर रही थी, और मैंने उसे रोकने के लिए चिल्लाया। आप मेरे पीछे से देख ही नहीं सकते थे।”
“मैंने सब कुछ स्पष्ट रूप से देखा,” मिस एडवर्ड्स ने कहा। “मिस वेन बिल्कुल सही कह रही हैं। चिल्लाहट सुनकर ही वह उठीं।”
कोषाध्यक्ष ने हठपूर्वक कहा, "मुझे पता है मैंने क्या देखा।"
डीन ने कहा, "यह अफसोस की बात है कि आपने किसी को निगरानी के लिए नहीं रखा। उसकी पीठ पीछे क्या हो रहा है, यह कोई स्पष्ट रूप से नहीं देख सकता।"
“इस बारे में बहस करने की कोई ज़रूरत नहीं है,” वार्डन ने थोड़ी सख्ती से कहा। “दुखद घटना को टाल दिया गया है, और यही सबसे महत्वपूर्ण है। मैं सभी का बहुत आभारी हूँ।”
मिस स्टीवंस ने कहा, "मुझे यह सुझाव बिल्कुल पसंद नहीं आया कि मैंने उस अभागी लड़की को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। और यह कहना कि हमें उसकी तलाश में नहीं जाना चाहिए था—"
“मैंने ऐसा कभी नहीं कहा,” हैरियट ने थकी हुई आवाज़ में कहा। “मैंने तो बस इतना कहा था कि अगर हम नहीं जाते तो शायद ऐसा नहीं होता। लेकिन ज़ाहिर है हमें जाना ही था।”
“न्यूलैंड खुद क्या कहती है?” डीन ने पूछा।
“उसने पूछा, हम उसे अकेला क्यों नहीं छोड़ सकते थे?” मिस एडवर्ड्स ने जवाब दिया। “मैंने उससे कहा था कि वह इतनी असभ्य न बने।”
“बेचारा बच्चा!” मिस शॉ ने कहा।

“अगर मैं आपकी जगह होती,” मिस एडवर्ड्स ने कहा, “तो मैं इन लोगों के साथ ज्यादा नरमी नहीं बरतती। उन्हें मजबूत बनाना ही उनके लिए अच्छा है। आप उन्हें अपने बारे में ज्यादा बोलने देती हैं—”
"लेकिन उसने मुझसे बात नहीं की," मिस शॉ ने कहा। "मैंने उसे मनाने की बहुत कोशिश की।"
"अगर आप उन्हें अकेला छोड़ दें तो वे और भी ज्यादा बातें करेंगे।"
"मुझे लगता है कि हम सबको अब सो जाना चाहिए," मिस मार्टिन ने कहा।
“क्या रात थी!” हैरियट चादरों के बीच करवटें बदलते हुए बोली। “क्या रंगीन रात थी!” उसकी यादें, जैसे कोई बिल्ली बोरी में फंसी हो, उसके दिमाग में कौंध रही थीं और मिस्टर पोम्फ्रे और प्रॉक्टर की छवियाँ उभर आईं। मानो वे किसी और ही दुनिया के हों।

## अध्याय 13

मेरे दुख को यह दूर करेगा, जब मैं अपने विचार प्रकट करूँगा, क्योंकि तुम दुखी हुए बिना नहीं रह सकते, जब मैं अपने दुखों का वर्णन करूँगा: उस मित्र के लिए कुछ भी नहीं है, जिसके निश्चिंत और निर्मल हृदय में, हम अपने गुप्त विचार भेज सकते हैं, और वहाँ उसे सुरक्षित रख सकते हैं; और तुम्हारा विश्वासयोग्य परामर्श मेरी संकटग्रस्त स्थिति में मेरी सहायता कर सकता है, अन्यथा दुखद पीड़ा मुझे अपनी इच्छा अनुसार विचलित कर सकती है।

—माइकल ड्रेटन

हैरियट ने कहा, "आपको यह समझना होगा कि इस तरह से जीना नामुमकिन है। आपको विशेषज्ञों की मदद लेनी होगी और इसके परिणामों का जोखिम उठाना होगा। आत्महत्या और जांच से तो कोई भी घोटाला बेहतर है।"
“मुझे लगता है आप सही कह रहे हैं,” वार्डन ने कहा।
वार्डन के बैठक कक्ष में केवल मिस लिडगेट, डीन और मिस एडवर्ड्स ही डॉ. बेरिंग के साथ बैठी थीं। भरोसे का दिखावटी साहस अब खत्म हो चुका था। सीनियर कॉमन रूम में सभी सदस्य एक-दूसरे से नज़रें चुरा रहे थे और अपने होठों पर लगाम कस रहे थे। वे अब क्रोधित या शंकालु नहीं थे। वे भयभीत थे।
“लड़की के माता-पिता चुप नहीं बैठेंगे,” हैरियट ने निर्दयता से कहा। “अगर वह खुद को डुबोने में कामयाब हो जाती, तो इस समय पुलिस और पत्रकार यहाँ मौजूद होते। अगली बार, कोशिश कामयाब हो सकती है।”

“अगली बार—” मिस लिडगेट ने कहना शुरू किया।
“अगली बार ऐसा जरूर होगा,” हैरियट ने कहा। “और हो सकता है कि यह आत्महत्या न हो; यह खुलेआम हत्या हो सकती है। मैंने शुरू में ही कहा था कि मुझे उपाय पर्याप्त नहीं लगते। अब मैं इस जिम्मेदारी में कोई और हिस्सा लेने से इनकार करती हूँ। मैंने कोशिश की है, और हर बार नाकाम रही हूँ।”
“पुलिस क्या कर सकती थी?” मिस एडवर्ड्स ने पूछा। “वार्डन साहब, आपको याद होगा ना, उन चोरियों के सिलसिले में एक बार पुलिस आई थी। उन्होंने खूब हंगामा किया और गलत आदमी को गिरफ्तार कर लिया। यह बहुत ही झंझट भरा मामला था।”
डीन ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि पुलिस इस काम के लिए बिल्कुल सही लोग हैं। आपका विचार निजी जासूसों की एक फर्म स्थापित करने का था, है ना?"
उसने हैरियट की ओर रुख किया।
“हां; लेकिन अगर किसी और के पास इससे बेहतर सुझाव हो तो—”
किसी के पास कोई उपयोगी सुझाव नहीं था। चर्चा चलती रही। अंत में:
वार्डन ने कहा, "मिस वेन, मुझे लगता है आपका विचार सबसे अच्छा है। क्या आप इन लोगों से संपर्क करेंगी?"
“बहुत खूब वार्डन। मैं फर्म के प्रमुख को फोन कर दूंगा।”
आप विवेक का प्रयोग करेंगे।
“बिल्कुल,” हैरियट ने कहा। वह थोड़ी अधीर हो रही थी; उसे लग रहा था कि अब संयम बरतने का समय बीत चुका है। “अगर हम लोगों को बुलाएंगे, तो हमें उन्हें पूरी छूट देनी पड़ेगी, आप जानते ही हैं,” उसने आगे कहा।
यह एक अप्रिय चेतावनी थी, हालांकि इसकी गंभीरता को स्वीकार करना ही पड़ेगा। हैरियट को जांचकर्ताओं पर लगाए जाने वाले अनगिनत प्रतिबंधों का पूर्वाभास हो गया था और उसे विभाजित अधिकार से उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों का भी एहसास था। पुलिस केवल स्वयं के प्रति जवाबदेह थी, जबकि वेतनभोगी निजी जासूसों को कमोबेश वही करना पड़ता था जो उन्हें कहा जाता था। उसने डॉ. बेरिंग की ओर देखा और सोचा कि क्या मिस क्लिम्पसन या कोई अन्य अधीनस्थ उस प्रभावशाली व्यक्तित्व के सामने अपनी बात रखने में सक्षम होगी।
“और अब,” डीन ने कहा, जब वह और हैरियट एक साथ मैदान पार कर रही थीं, “मुझे न्यूलैंड्स से बात करने जाना है। मुझे इसकी बिल्कुल भी इच्छा नहीं है। बेचारे बहुत

परेशान होंगे। वह एक मामूली सरकारी अधिकारी हैं, और उनकी बेटी का करियर उनके लिए सब कुछ है। व्यक्तिगत पहलू के अलावा, अगर इससे उसकी पढ़ाई बर्बाद हो जाती है तो यह उनके लिए बहुत बड़ा झटका होगा। वे बहुत गरीब और मेहनती हैं, और उन्हें अपनी बेटी पर बहुत गर्व है—”

मिस मार्टिन ने थोड़ी निराशा भरी मुद्रा बनाई, अपने कंधे सीधे किए और अपने काम का सामना करने के लिए आगे बढ़ीं।

मिस हिलयार्ड, गाउन पहने हुए, व्याख्यान कक्षों में से एक की ओर जा रही थीं। हैरियट को लगा कि उनकी आँखें धंसी हुई और वे हताश दिख रही थीं। उनकी नज़रें इधर-उधर घूम रही थीं, मानो कोई उनका पीछा कर रहा हो।

क्वीन एलिजाबेथ के भूतल पर एक खुली खिड़की से मिस शॉ की आवाज आ रही थी, जो मार्गदर्शन दे रही थीं:

“आपने शायद निबंध 'डे ला वैनिटे' से भी उद्धरण दिया होगा। आपको वह अंश याद होगा: 'मैं घर पर हज़ार बार यह कल्पना करते हुए सोया हूँ कि उस रात मेरा विश्वासघात होगा और मुझे मार डाला जाएगा'—मृत्यु के विचार के प्रति उनका रुग्ण ग्रस्त लगाव और उनका—”

शैक्षणिक कामकाज सुचारू रूप से चल रहा था। अपने दफ्तरों के प्रवेश द्वार पर कोषाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष कागजों से भरे हाथों में एक साथ खड़े थे। वे वित्त से संबंधित किसी विषय पर चर्चा करते प्रतीत हो रहे थे। उनकी निगाहें रहस्यमयी और परस्पर विरोधी थीं; वे ऐसे लग रहे थे जैसे किसी मालिक की डांट से बंधे हुए उदास कुत्ते हों, जिन्हें जबरदस्ती एक-दूसरे के साथ चुपचाप रहना पड़ रहा हो। मिस पाइक सीढ़ियों से नीचे उतरीं और बिना कुछ बोले उनके पास से गुज़र गईं। बिना कुछ बोले ही वे हैरियट के पास से गुज़रीं और चबूतरे पर मुड़ गईं। उनका सिर ऊंचा और दृढ़ था। हैरियट अंदर गईं और मिस लिडगेट के कमरे में चली गईं। जैसा कि हैरियट जानती थीं, मिस लिडगेट व्याख्यान दे रही थीं; वह बिना किसी बाधा के अपना टेलीफोन इस्तेमाल कर सकती थीं। उन्होंने लंदन में फोन किया।

पंद्रह मिनट बाद, उसने डूबते दिल से रिसीवर रख दिया। उसे यह जानकर आश्चर्य क्यों हुआ कि मिस क्लिम्पसन "किसी मामले में व्यस्त" होने के कारण शहर से बाहर थीं, यह बात वह समझ नहीं पा रही थी। यह बात उसे कुछ हद तक भयावह लग रही थी; लेकिन यही सच था। क्या वह किसी और से बात करना चाहेगी? हैरियट ने मिस मर्चिसन के बारे में पूछा था, जो फर्म की एकमात्र सदस्य थीं जिन्हें वह व्यक्तिगत रूप

से जानती थीं। मिस मर्चिसन एक साल पहले शादी करने के लिए चली गई थीं। हैरियट को यह लगभग व्यक्तिगत अपमान जैसा लगा। वह श्रूस्बरी मामले की सारी बातें एक अनजान व्यक्ति को बताना नहीं चाहती थी। उसने कहा कि वह लिखेगी, फोन रख दिया और अजीब तरह से असहाय महसूस करते हुए बैठ गई।

किसी बात पर दृढ़ रुख अपनाना और तुरंत फोन उठाकर कुछ करने का निश्चय कर लेना तो ठीक है; लेकिन दूसरे लोग हाथ पर हाथ धरे बैठे नहीं रहते, चाहे हम कितने ही प्रभावशाली और महत्वपूर्ण क्यों न हों। हैरियट अपनी झुंझलाहट पर हंस पड़ी। उसने तुरंत कार्रवाई करने का मन बना लिया था, और अब वह इसलिए क्रोधित थी क्योंकि एक व्यावसायिक फर्म को अपने काम निपटाने थे। फिर भी, अब और इंतजार करना असंभव था। स्थिति एक बुरे सपने में तब्दील हो रही थी। चेहरे रातोंरात धूर्त और विकृत हो गए थे; आँखें भयभीत; सबसे मासूम शब्द भी संदेह से भरे हुए थे। किसी भी क्षण कोई नया आतंक अपनी सीमाएँ तोड़कर सबको अपने साथ ले जा सकता था। उसे अचानक इन सभी महिलाओं से डर लगने लगा: वे दीवारों और मुहरों से घिरी हुई थीं, बंद थीं, जो उसे बाहर कर रही थीं। सुबह की साफ रोशनी में वहाँ बैठी, मेज पर रखे साधारण से टेलीफोन को घूरते हुए, उसे चंद्रमा देवी, कुंवारी शिकारी, आर्टेमिस का प्राचीन भय याद आ गया, जिसके तीर महामारी और मृत्यु का प्रतीक हैं।

तब उसे यह विचार बेतुका लगा कि वह कुंवारी महिलाओं के दूसरे समूह से मदद मांगे; अगर वह मिस क्लिम्पसन से संपर्क करने में सफल भी हो जाती, तो उस रूखी और बूढ़ी कुंवारी महिला को वह सब कुछ कैसे समझाती? कुछ ज़हरीले पत्रों को देखकर ही शायद वह बीमार पड़ जाती, और सारी मुसीबत उसकी समझ से परे होती। इस मामले में हैरियट ने उस महिला के साथ अन्याय किया; मिस क्लिम्पसन ने अपने साठ से अधिक वर्षों के बोर्डिंग हाउस जीवन में कई अजीबोगरीब चीजें देखी थीं, और वह किसी भी इंसान की तरह दमन और संकोच से मुक्त थीं। लेकिन, वास्तव में, श्रूस्बरी का माहौल हैरियट को परेशान कर रहा था। वह किसी ऐसे व्यक्ति को चाहती थी जिसके साथ उसे खुलकर बोलने की ज़रूरत न पड़े, कोई ऐसा जो मानवीय विलक्षणता के किसी भी प्रदर्शन पर न तो आश्चर्य दिखाए और न ही महसूस करे, कोई ऐसा जिसे वह जानती हो और जिस पर वह भरोसा कर सके।

लंदन में ऐसे बहुत से लोग थे—पुरुष और महिलाएं दोनों—जिनके लिए यौन विकृतियों पर चर्चा करना आम बात थी; लेकिन उनमें से अधिकांश पर भरोसा करना मुश्किल था। वे सामान्यता को इस कदर गढ़ते थे कि वह उनके शरीर पर उभरे हुए गांठों की

तरह दिखती थी, जैसे पेशेवर पहलवानों की मांसपेशियां, और वे देखने में बिल्कुल भी सामान्य नहीं लगते थे। और वे लगातार और जोर-जोर से बातें करते रहते थे। उनकी इस अत्यधिक मानसिक स्थिति को देखकर सामान्य असंतुलित व्यक्ति भयभीत हो जाते थे। उसने मन ही मन कई नामों पर विचार किया, लेकिन उसे कोई उपयुक्त नाम नहीं मिला।

"सच तो यह है कि मुझे नहीं पता कि मुझे डॉक्टर चाहिए या जासूस। लेकिन मुझे किसी न किसी की ज़रूरत तो पड़ेगी ही।"

उसकी यही इच्छा थी—और यह पहली बार नहीं था—कि काश वह पीटर विम्सी से संपर्क कर पाती। बेशक, यह ऐसा मामला नहीं था जिसकी वह खुद ठीक से जांच कर पाता; लेकिन शायद वह सही व्यक्ति को जानता होता। कम से कम वह किसी भी बात पर हैरान या आहत नहीं होता; उसे दुनिया का बहुत व्यापक अनुभव था। और उस पर पूरा भरोसा किया जा सकता था। लेकिन वह वहां नहीं था। जिस क्षण श्रूस्बरी कांड पहली बार उसके ध्यान में आया, उसी क्षण वह गायब हो गया; यह मानो जानबूझकर किया गया था। लॉर्ड सेंट-जॉर्ज की तरह, उसे लगने लगा कि पीटर को ठीक उसी समय गायब होने का कोई अधिकार नहीं था जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। इस बात का अब कोई महत्व नहीं था कि उसने पांच साल तक गुस्से में पीटर विम्सी के प्रति कोई और दायित्व लेने से इनकार कर दिया था; अगर उसे यकीन होता कि अंधकार का राजकुमार पीटर के खानदान का सज्जन है, तो वह शैतान के प्रति भी दायित्व लेने को तैयार हो जाती। लेकिन पीटर लुसिफर की तरह ही पहुंच से बाहर था।

क्या वह था? टेलीफोन उसके पास ही पड़ा था। वह लंदन की तरह ही आसानी से रोम से बात कर सकती थी—हालांकि थोड़ा अधिक खर्चा होता। शायद यह उस व्यक्ति की आर्थिक मितव्ययिता ही थी जिसकी सारी आमदनी काम से होती है, जिसके कारण उसे किसी शहर के बजाय महाद्वीप के किसी व्यक्ति को फोन करना अधिक महत्वपूर्ण लगता था। खैर, पीटर का आखिरी पत्र लाना और उसके होटल का टेलीफोन नंबर पता करना कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगा। वह जल्दी से बाहर निकली और मिस डी वाइन से मिली।

“ओह!” उस व्यक्ति ने कहा। “मैं तुम्हें ही ढूंढने आ रहा था। मैंने सोचा कि तुम्हें यह दिखा देना बेहतर रहेगा।”

उसने कागज का एक टुकड़ा आगे बढ़ाया; उस पर छपे अक्षर देखकर उसे घिनौनी सी परिचितता महसूस हुई:

अब आपकी बारी आ रही है
“चेतावनी मिलना अच्छा है,” हैरियट ने ऐसे हल्केपन से कहा जैसे उसे महसूस ही न हो रहा हो। “कहाँ? कब? और कैसे?”
"यह मेरी इस्तेमाल की जा रही किताबों में से एक से गिर गया," मिस डी वाइन ने सवालों पर अपनी आंखों का चश्मा हटाकर पलकें झपकाते हुए कहा।
आपने आखिरी बार इस किताब का इस्तेमाल कब किया था?
मिस डी वाइन ने पलकें झपकाते हुए कहा, "यही तो अजीब बात है। मैंने इसे नहीं लिया। मिस हिलयार्ड ने इसे कल रात उधार लिया था और श्रीमती गुडविन ने इसे आज सुबह मुझे वापस कर दिया।"
मिस हिलयार्ड ने मिसेज़ गुडविन के बारे में जो बातें कही थीं, उन्हें ध्यान में रखते हुए हैरियट को थोड़ा आश्चर्य हुआ कि उन्होंने अपने कामों के लिए उन्हें क्यों चुना। लेकिन कुछ परिस्थितियों में यह चुनाव निश्चित रूप से बुद्धिमानी भरा हो सकता है।
"क्या आपको यकीन है कि कल अखबार वहां नहीं था?"
“मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो सकता था। मैं अलग-अलग पन्नों का जिक्र कर रहा था, और मुझे लगता है कि मुझे इसे देख लेना चाहिए था।”
"क्या आपने इसे सीधे मिस हिलयार्ड के हाथों में दिया था?"
"नहीं; मैंने इसे हॉल से पहले उसके खाने में रख दिया था।"
"ताकि कोई भी इसे हासिल कर सके।"
"ओह हां।"
बेहद निराशाजनक। हैरियट ने कागज़ उठाया और आगे बढ़ गई। अब यह भी स्पष्ट नहीं था कि धमकी किसके लिए थी, और न ही यह कि यह धमकी किसने दी थी। उसने पीटर का पत्र उठाया और पाया कि इस बीच उसने अपना मन बना लिया था। उसने कहा था कि वह फर्म के प्रमुख को फोन करेगी; और वह ऐसा ही करेगी। अगर वह तकनीकी रूप से प्रमुख नहीं था, तो निश्चित रूप से वह फर्म का दिमाग था। उसने फोन लगाया। उसे नहीं पता था कि कितना समय लगेगा, लेकिन उसने लॉज में निर्देश छोड़ दिए थे कि जब फोन आए तो उसे ढूंढा जाए और निश्चित रूप से पाया जाए। वह बेहद बेचैन महसूस कर रही थी।
अगली खबर यह थी कि मिस शॉ और मिस स्टीवंस के बीच हिंसक झगड़ा हुआ था, जो आम तौर पर घनिष्ठ मित्र थीं। पिछली रात की घटना की पूरी कहानी सुनने के बाद, मिस शॉ ने मिस स्टीवंस पर मिस न्यूलैंड को डराकर नदी में धकेलने का आरोप

लगाया; मिस स्टीवंस ने बदले में मिस शॉ पर लड़की की भावनाओं के साथ जानबूझकर खेलने और उसे उत्तेजित करने का आरोप लगाया।
शांति भंग करने वाली अगली शख्स मिस एलिसन थीं। जैसा कि हैरियट ने पिछले सत्र में पता लगाया था, मिस एलिसन की एक आदत थी कि वे दूसरों द्वारा उनके बारे में कही गई बातें दूसरों तक पहुंचा देती थीं। स्पष्टवादिता के भाव से उन्होंने अब मिस हिलयार्ड द्वारा दिए गए इशारों को श्रीमती गुडविन तक पहुंचाने का फैसला किया। श्रीमती गुडविन ने इस बारे में मिस हिलयार्ड से बहस की; और एक बेहद अप्रिय घटना घटी, जिसमें मिस एलिसन, डीन और बेचारी छोटी मिस चिल्परिक, जो दुर्भाग्यवश इस बहस में शामिल हो गईं, ने मिस पाइक और मिस बरोज़ के खिलाफ श्रीमती गुडविन का साथ दिया। मिस पाइक और मिस बरोज़, हालांकि उन्हें लगता था कि मिस हिलयार्ड ने नासमझी से बात की है, फिर भी अविवाहितों पर किसी भी तरह के लांछन का विरोध करती थीं। यह अप्रिय घटना फेलो गार्डन में घटी।
अंततः, मिस एलिसन ने मामले का विस्तृत विवरण मिस बार्टन को बताकर स्थिति को और भी बिगाड़ दिया, जिसके बाद मिस बार्टन गुस्से में वहां से चली गईं और उन्होंने मिस लिडगेट और मिस डी वाइन को ठीक-ठीक बताया कि वह मिस हिलयार्ड और मिस एलिसन दोनों की मानसिकता के बारे में क्या सोचती हैं।
यह एक सुखद सुबह नहीं थी।
विवाहित (या विवाह करने वाले) और अविवाहितों के बीच, हैरियट खुद को ईसप की कहानी के पक्षियों और जानवरों के बीच फंसे चमगादड़ की तरह महसूस कर रही थी; उसे लगा कि सार्वजनिक रूप से अपनी मनमानी करने का यह एक अजीब परिणाम था। दोपहर का भोजन तनावपूर्ण था। वह हॉल में काफी देर से पहुंची, और देखा कि हाई टेबल पर बैठे लोग दो गुटों में बंट चुके थे, एक तरफ मिस हिलयार्ड और दूसरी तरफ श्रीमती गुडविन। उसे मिस डी वाइन और मिस स्टीवंस के बीच एक खाली कुर्सी मिल गई, और उसने उन्हें और मिस एलिसन को, जो दूसरी तरफ मिस डी वाइन के बगल में बैठी थीं, मुद्रा और मुद्रास्फीति पर चर्चा में शामिल करके अपना मनोरंजन किया। उसे इस विषय का कुछ भी ज्ञान नहीं था, लेकिन वे स्वाभाविक रूप से बहुत कुछ जानती थीं, और उसकी चतुराई काम आई। बातचीत फैल गई; टेबल पर बैठे लोगों ने उपस्थित छात्रों के सामने कम गंभीर रूप दिखाया, और मिस लिडगेट ने खुशी से अपनी सहमति व्यक्त की। बातें ठीक चल रही थीं कि तभी मिस एलिसन और मिस डी वाइन के बीच झुकी एक लड़की ने कुछ फुसफुसाकर एक संदेश दिया।

“रोम से?” मिस डी वाइन ने कहा। “मुझे आश्चर्य है कि वह कौन हो सकता है?”
“रोम से फोन कर रहे हैं?” मिस एलिसन ने तीखे लहजे में कहा। “ओह, मुझे लगता है कि आपके संवाददाताओं में से एक होंगे। वे अधिकांश इतिहासकारों से बेहतर स्थिति में होंगे।”
“मुझे लगता है ये मेरे लिए है,” हैरियट ने कहा और स्काउट की ओर मुड़ी। “क्या आपको यकीन है कि उन्होंने डी वाइन कहा था, वेन नहीं?”
स्काउट को पूरी तरह से यकीन नहीं था।
"अगर आप इसकी उम्मीद कर रही हैं, तो यह आपके लिए ही होगा," मिस डी वाइन ने कहा। मिस एलिसन ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेखकों के बारे में कुछ तीखी टिप्पणियां कीं और हैरियट असहज होकर और खुद पर गुस्सा होकर मेज से उठ बैठीं।
क्वीन एलिजाबेथ होटल के सार्वजनिक कॉल बॉक्स तक जाते हुए, जिस पर कॉल कनेक्ट हुई थी, वह मन ही मन सोचने लगी कि क्या कहे। एक संक्षिप्त माफीनामा; एक संक्षिप्त स्पष्टीकरण; और सलाह के लिए अनुरोध; यह मामला किसके हाथों में सौंपा जाना चाहिए? इसमें कोई मुश्किल बात नहीं थी।
रोम से आई आवाज़ बहुत अच्छी अंग्रेज़ी बोलती थी। उसे नहीं लगता था कि लॉर्ड पीटर विम्सी होटल में हैं, लेकिन उसने पूछताछ करने का सोचा। थोड़ी देर का विराम, जिसके दौरान उसे महाद्वीप के दूसरी ओर से आते-जाते कदमों की आहट सुनाई दी। फिर वही आवाज़ दोबारा सुनाई दी, मधुर और क्षमाप्रार्थी लहजे में।
“उनके स्वामी तीन दिन पहले रोम से रवाना हुए थे।”
ओह! क्या उन्हें पता था कि वे किस गंतव्य पर जा रहे हैं?
वे पूछताछ करते। फिर थोड़ी देर का विराम, और इतालवी भाषा में बोलने वाली आवाज़ें। फिर वही आवाज़ दोबारा।
"महामहिम वारसॉ के लिए रवाना हो गए।"
"ओह, बहुत बहुत धन्यवाद।"
और बस यही बात थी।
वारसॉ स्थित ब्रिटिश दूतावास को फोन करने के ख्याल से ही उसकी धड़कन रुक गई। उसने रिसीवर वापस रख दिया और फिर ऊपर चली गई। ऐसा लग रहा था कि कड़ा रुख अपनाने से उसे कोई खास फायदा नहीं हुआ।

शुक्रवार दोपहर। हैरियट सोचती थी कि संकट हमेशा सप्ताहांत में ही आते हैं, जब डाक सेवा बंद होती है। अगर वह अभी लंदन को पत्र लिखे और उन्हें तुरंत जवाब मिल जाए, तो भी सोमवार तक वह शायद ही कोई कार्रवाई कर पाएगी। अगर वह पीटर को लिखे, तो शायद हवाई डाक से पत्र भेजा जा सके—लेकिन मान लीजिए कि वह वारसॉ में नहीं है। हो सकता है कि वह अब तक बुखारेस्ट या बर्लिन चला गया हो। क्या वह विदेश मंत्रालय को फोन करके उसके ठिकाने के बारे में पूछ सकती है? क्योंकि, अगर पत्र सप्ताहांत तक उस तक पहुँच जाए और वह जवाब में तार भेज दे, तो उसका ज्यादा समय बर्बाद नहीं होगा। उसे यकीन नहीं था कि वह विदेश मंत्रालय से बात करने में माहिर होगी। क्या कोई ऐसा है जो यह काम कर सके? माननीय फ्रेडी के बारे में क्या ख्याल है?

फ्रेडी अर्बुथनोट को ढूंढने में थोड़ा समय लगा, लेकिन आखिरकार उन्होंने थ्रोगमॉर्टन स्ट्रीट स्थित एक दफ्तर में फोन पर उनसे संपर्क कर लिया। वह वाकई मददगार थे। उन्हें पता नहीं था कि बूढ़ा पीटर कहां है, लेकिन उन्होंने पता लगाने की पूरी कोशिश की, और अगर वह फ्रेडी के पते पर कोई पत्र भेजना चाहें, तो वह उसे जल्द से जल्द आगे पहुंचा देंगे। उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। मदद करके उन्हें बहुत खुशी हुई।

अतः पत्र लिखा गया और उसे इस प्रकार भेजा गया कि वह शनिवार की सुबह सबसे पहले टाउन डाक से पहुँच जाए। उसमें मामले का संक्षिप्त विवरण था और अंत में लिखा था:

“क्या आप बता सकते हैं कि मिस क्लिम्पसन के लोग इसे संभाल पाएंगे या नहीं? और उनकी अनुपस्थिति में, वहाँ सबसे सक्षम व्यक्ति कौन है? या, यदि नहीं, तो क्या आप किसी और का नाम बता सकते हैं जिससे मैं पूछ सकूँ? शायद किसी मनोवैज्ञानिक से पूछना बेहतर होगा, न कि किसी जासूस से। मुझे पता है कि आप जिसका भी नाम सुझाएँगे, वह भरोसेमंद होगा। क्या आप इसे मिलते ही मुझे तार भेज सकते हैं? मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा। हम सब काफी परेशान हैं, और मुझे डर है कि अगर हमने जल्दी से इसका समाधान नहीं किया तो कुछ गंभीर हो सकता है।”

उसे उम्मीद थी कि आखिरी वाक्य उतना घबराहट भरा नहीं लगेगा जितना वह खुद महसूस कर रही थी।

मैंने रोम में आपके होटल में फोन किया और उन्होंने बताया कि आप वारसॉ चले गए हैं। चूंकि मुझे नहीं पता कि आप इस समय कहां होंगे, इसलिए मैं श्री अर्बटनॉट से इसे विदेश कार्यालय के माध्यम से भेजने के लिए कह रहा हूं।

यह बात थोड़ी नाराज़गी भरी लग रही थी, पर कुछ किया नहीं जा सकता था। असल में वह कहना चाहती थी, 'काश आप यहाँ होते और मुझे बता पाते कि मुझे क्या करना चाहिए'; लेकिन उसे लगा कि इससे शायद आपको असहज महसूस हो, क्योंकि ज़ाहिर है आप वहाँ नहीं हो सकते थे। फिर भी, यह पूछने में कोई हर्ज नहीं था, "आपको क्या लगता है आप कब तक इंग्लैंड वापस आ जाएँगे?" और यह वाक्य जोड़कर पत्र पूरा किया गया और पोस्ट कर दिया गया।

और मामले को खत्म करने के लिए," डीन ने कहा, "एक आदमी रात के खाने पर आ रहा है।"

“ये व्यक्ति” डॉ. नोएल थ्रीप थे, जो एक अत्यंत सम्मानित और महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, एक प्रतिष्ठित कॉलेज के फेलो और उस परिषद के सदस्य थे जिसके द्वारा श्रूस्बरी का संचालन होता था। इस प्रकार के मित्रों और परोपकारियों का कॉलेज में अक्सर स्वागत किया जाता था, और आमतौर पर उच्च सभा उनकी उपस्थिति से प्रसन्न होती थी। लेकिन वह समय अनुकूल नहीं था। हालांकि, सत्र की शुरुआत में ही यह कार्यक्रम तय हो गया था और डॉ. थ्रीप को टालना बिल्कुल असंभव था। हैरियट ने कहा कि उन्हें लगता है कि उनका आना अच्छा साबित हो सकता है और इससे एस.सी.आर. के छात्रों का ध्यान उनकी परेशानियों से हट सकता है।

डीन ने कहा, "हम यही उम्मीद करेंगे। वह बहुत ही अच्छे इंसान हैं और बहुत ही रोचक ढंग से बात करते हैं। वह एक राजनीतिक अर्थशास्त्री हैं।"

“कठोर उबला हुआ या नरम उबला हुआ?”

"मुश्किल है, मुझे लगता है।"

इस प्रश्न का डॉ. थ्रीप की राजनीति या अर्थशास्त्र से कोई संबंध नहीं था, बल्कि केवल उनकी कमीज़ के सामने के हिस्से से था। हैरियट और डीन ने कमीज़ों के सामने के हिस्से इकट्ठा करना शुरू कर दिया था। मिस चिल्परिक के "युवक" ने यह संग्रह शुरू किया था। वह बेहद लंबा और पतला था और उसकी छाती कुछ धंसी हुई थी; इस कमी को और भी उजागर करने के लिए, वह हमेशा एक मुलायम प्लीटेड ड्रेस-शर्ट पहनता था, जिससे वह (डीन के अनुसार) तरबूज के खोखले छिलके जैसा दिखता था। इसके विपरीत, रसायन विज्ञान के एक प्रख्यात और सुगठित प्रोफेसर - दूसरे विश्वविद्यालय से आए एक आगंतुक - एक बेहद सख्त सामने के हिस्से वाली कमीज़ पहनकर आए थे, जो उनके सामने एक कबूतर की छाती की तरह उभरी हुई थी, बेकाबू होकर बाहर निकली हुई थी और कमीज़ का एक बड़ा हिस्सा दोनों तरफ से दिखाई दे रहा था।

विद्वानों में काफी आम कमीज़ों की एक तीसरी किस्म वह थी जो बीच के स्टड से निकलकर बीच में से खुली रहती थी; और एक अविस्मरणीय सुखद दिन, एक प्रसिद्ध कवि अपनी रचना विधियों और कविता के भविष्य पर व्याख्यान देने आए थे, और उनके हर हावभाव (और उन्होंने कई हावभाव किए थे) के साथ उनकी जैकेट हवा में उछल जाती थी, जिससे छोटी सी पट्टी से सजी कमीज की एक झलक, खरगोश की तरह, उनकी तंग पतलून की कमर के ऊपर से झाँकती रहती थी। इस अवसर पर, हैरियट और डीन ने खुद को बुरी तरह शर्मिंदा कर लिया था।

डॉ. थ्रीप एक बड़े कद के, मिलनसार और बातूनी व्यक्ति थे, जो पहली नज़र में पहनावे की आलोचना के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ते थे। लेकिन मेज पर बैठे उनके तीन मिनट भी नहीं बीते थे कि हैरियट को एहसास हो गया कि वे इस समूह के सबसे उल्लेखनीय सदस्यों में से एक बनने वाले हैं। क्योंकि उनके कपड़े चटकते थे। जब वे अपनी प्लेट पर झुकते, जब वे सरसों परोसने के लिए मुड़ते, जब वे विनम्रतापूर्वक अपने पड़ोसी की बात सुनने के लिए झुकते, तो उनकी कमीज़ का अगला हिस्सा अदरक बीयर की बोतल खुलने जैसी एक हल्की सी आवाज़ के साथ फट जाता था। उस रात हॉल में शोर सामान्य से अधिक था, इसलिए चटकने की आवाज़ उनके दाएं और बाएं कुछ ही लोगों को सुनाई दे रही थी; लेकिन उनके बगल में बैठे वार्डन और डीन ने उन्हें सुना, और उनके सामने बैठी हैरियट ने भी सुना; उसने डीन से नज़रें मिलाने की हिम्मत नहीं की। डॉ. थ्रीप बहुत सभ्य थे, या शायद बहुत शर्मिंदा थे, इसलिए उन्होंने इस मामले का ज़िक्र नहीं किया; वह अविचलित भाव से बोलता रहा, स्नातक छात्रों के शोर के बीच अपनी बात सुनाने के लिए वह अपनी आवाज़ को और ऊँचा करता गया। वार्डन के चेहरे पर शिकन आ गई थी।

“महिला महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय के बीच उत्कृष्ट संबंध हैं,” डॉ. थ्रीप ने कहा।

“फिर भी—”

वार्डन ने एक जासूस को बुलाया, जो तुरंत जूनियर हाई स्कूल और फिर अन्य मेजों पर गया, और हमेशा की तरह यह संदेश लेकर गया:

"वार्डन की ओर से शुभकामनाएँ, और अगर शोर थोड़ा कम हो तो उन्हें बहुत खुशी होगी।"

"माफ़ कीजिए, डॉ. थ्रीप। मुझे ठीक से समझ नहीं आया।"

“फिर भी,” डॉ. थ्रीप ने विनम्रतापूर्वक झुकते हुए और चटकते हुए दोहराया, “यह देखना आश्चर्यजनक है कि पुराने पूर्वाग्रह के निशान अभी भी कैसे शेष हैं। कल ही कुलपति ने

मुझे एक बेहद अश्लील गुमनाम पत्र दिखाया जो उन्हें उसी सुबह भेजा गया था...”
हॉल में शोर धीरे-धीरे कम हो रहा था; यह तूफान के बीच के अंतराल में आने वाली शांति की तरह था।
“...बेहद बेतुके आरोप लगा रहे हैं—खासकर आपके अपने सीनियर कॉमन रूम के खिलाफ। हत्या के आरोप, और वो भी कुलपति के खिलाफ...”
हैरियट ने अगले कुछ शब्द नहीं सुने; वह देख रही थी कि कैसे, जैसे ही डॉ. थ्रीप की आवाज अपेक्षाकृत शांत वातावरण में गूंजी, हाई टेबल पर बैठे लोगों के सिर उनकी ओर ऐसे झटक गए, मानो तारों से खींचे जा रहे हों।
"...कागज पर चिपकाया गया—काफी चालाकी भरा काम। मैंने कहा, 'मेरे प्रिय कुलपति महोदय, मुझे संदेह है कि पुलिस कुछ कर पाएगी; यह शायद किसी हानिरहित सनकी का काम है।' लेकिन क्या यह विचित्र नहीं है कि इस तरह के विचित्र भ्रम आज भी मौजूद हैं—और बने हुए हैं?"
"यह तो वाकई बहुत अजीब है," वार्डन ने कड़े होंठों से कहा।
इसलिए मैंने पुलिस के हस्तक्षेप के खिलाफ सलाह दी थी—कम से कम फिलहाल तो। लेकिन मैंने कहा था कि चूंकि श्रूस्बरी का विशेष रूप से जिक्र हुआ था, इसलिए मैं यह मामला आपके सामने रखूंगा। बेशक, मैं आपकी राय का सम्मान करता हूं।
प्रोफेसर स्तब्ध बैठे रहे; और उसी क्षण, वार्डन के फैसले को मानते हुए डॉ. थ्रीप ने इतनी ज़ोर से और हिंसक आवाज़ में हँसी उड़ाई कि मेज के एक छोर से दूसरे छोर तक गूंज उठी, और बड़ी शर्मिंदगी मामूली सी बात में दब गई। मिस चिल्परिक अचानक ज़ोर-ज़ोर से, घबराहट भरी हंसी हंसने लगीं।
रात का खाना कैसे खत्म हुआ, यह हैरियट को कभी ठीक से याद नहीं रहा। डॉ. थ्रीप वार्डन के साथ कॉफी पीने चले गए, और हैरियट खुद को डीन के कमरे में हंसी और घबराहट के बीच असहाय पाई।
"यह वाकई बहुत गंभीर मामला है," मिस मार्टिन ने कहा।
“बेहद भयानक। मैंने कुलपति से कहा—”
"जल्दी से आना!"
“नहीं; लेकिन सच कहें तो, हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं?”
मैं आपकी राय का सम्मान करता हूँ।
"जल्दी से आना!"
मुझे समझ नहीं आता कि शर्ट ऐसा क्यों करती हैं। क्या आपको समझ आता है?

“मुझे कुछ पता नहीं। और आज शाम मैं बहुत चालाक बनने की कोशिश कर रहा था। मैंने कहा, देखो, हमारे बीच एक आदमी आया है; मैं सबकी प्रतिक्रिया देखूंगा—और फिर अचानक सब कुछ फट गया!”
डीन ने कहा, "डॉ. थ्रीप के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया देखना बेकार है। हर कोई उनसे इतना अभ्यस्त हो चुका है। और वैसे भी, उनके आधे दर्जन बच्चे हैं। लेकिन अगर कुलपति..."
"बहुत।"
शनिवार की सुबह सुस्त और निराशाजनक रही।
"मुझे लगता है कि बिजली कड़कने वाली है," मिस एलिसन ने कहा।
"साल की शुरुआत में ऐसा करना थोड़ा जल्दबाजी होगी," मिस हिलयार्ड ने कहा।
"बिल्कुल नहीं," श्रीमती गुडविन ने जवाब दिया; "मैंने मई में कई तूफान देखे हैं।"
"वातावरण में निश्चित रूप से कुछ विद्युतीयता है," मिस लिडगेट ने कहा।
“मैं आपसे सहमत हूँ,” मिस बार्टन ने कहा।
हैरियट की नींद खराब हुई थी। दरअसल, वह आधी रात तक कॉलेज में इधर-उधर घूमती रही, काल्पनिक डरों से परेशान थी। आखिरकार जब वह सोने गई, तो उसे एक उबाऊ सपना आया जिसमें वह ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रही थी, और ढेर सारे सामान से परेशान थी जिसे वह धुंधले और बेकाबू सूटकेसों में पैक करने की व्यर्थ कोशिश कर रही थी। सुबह, उसने मिस लिडगेट के जेरार्ड मैनली हॉपकिंस पर लिखे अध्याय की प्रूफरीडिंग से जूझते हुए बड़ी मुश्किल से खुद को परेशान किया, और उसे वह सूटकेसों की तरह ही बेकाबू और लगभग उतना ही धुंधला लगा। कवि की लयबद्ध, प्रतिवादित और लोगोएडिक लय की प्रणाली, जिसमें घुमावदार पंक्तियाँ और आउटराइड शामिल थे, को मिस लिडगेट की प्रतिद्वंद्वी छंद रचना प्रणाली (जिसके लिए पाँच वर्णमालाएँ और कई तरह के हुक की आवश्यकता थी) से अलग करने के अंतराल में, वह सोच रही थी कि क्या फ्रेडी अर्बटनॉट अपने वादे को पूरा करने में सफल हुए थे और क्या उन्हें इसे यहीं छोड़ देना चाहिए या कुछ और करना चाहिए: यदि हाँ, तो क्या? दोपहर में, वह और अधिक सहन नहीं कर सकीं और एक भयावह आकाश के नीचे, ऑक्सफोर्ड में घूमने के लिए निकल पड़ीं, और संभव हो तो चलते-चलते थक जाने का प्रयास किया। वह हाई स्ट्रीट पर चढ़ना शुरू किया, कुछ क्षणों के लिए एक प्राचीन वस्तुओं की दुकान की खिड़की में झाँकने के लिए रुकीं; वहाँ नक्काशीदार हाथीदांत के शतरंज के मोहरों का एक सेट था, जिसके लिए उनके मन में

एक अनुचित लगाव पैदा हो गया था। उन्होंने हिम्मत करके अंदर जाकर उन्हें खरीदने का विचार भी किया; लेकिन वह जानती थीं कि वे बहुत महंगे होंगे। वे चीनी थे, और प्रत्येक मोहरा छोटी-छोटी घूमती गेंदों का एक जटिल जाल था, जो महीन फीते की तरह नाजुक था। उन्हें छूना तो आनंददायक होता, पर खरीदना मूर्खता होती; वह शतरंज की अच्छी खिलाड़ी भी नहीं थी, और वैसे भी, ऐसे मोहरों के साथ शतरंज खेलना तो संभव ही नहीं था। उसने लालच को किनारे रखकर आगे बढ़ने का फैसला किया। वहाँ एक दुकान थी जो कॉलेजों के चित्रित ढालों से सजी लकड़ी की वस्तुओं से भरी थी: बुकएंड, माचिस स्टैंड, चप्पू के आकार के और बेहद भारी पेन, सिगरेट के डिब्बे, स्याही की दवात और यहाँ तक कि पाउडर के कॉम्पैक्ट भी। क्या ओरियल के शेरों या वॉर्सेस्टर के मार्टलेट पक्षियों की निगरानी में चेहरे की मरम्मत करवाना कोई खास बात थी? क्या इस प्रक्रिया के दौरान यह याद दिलाना कि यीशु के उछलते हिरणों में से किसी एक में उसकी मंगेतर है या कॉर्पस के पवित्र पेलिकन द्वारा पोषित भाई है? क्वीन्स कॉलेज पहुँचने से पहले ही वह सड़क पार कर गई (क्योंकि मिस्टर पोम्फ्रे गेट से अचानक निकल सकते थे, और वह मिस्टर पोम्फ्रे से आमना-सामना करने से बचना चाहती थी) और दूसरी तरफ चली गई। किताबें और छपे हुए चित्र—ज़्यादातर समय आकर्षक तो होते थे, लेकिन उनका ध्यान खींचने के लिए काफ़ी रोमांचक नहीं थे। रंगीन गाउन और वस्त्र, लेकिन उनके मिजाज के हिसाब से बहुत अकादमिक थे। एक दवा की दुकान। एक स्टेशनरी की दुकान, जहाँ कॉलेज से जुड़ी और भी चीज़ें थीं, इस बार कांच और मिट्टी के बर्तनों में। एक तंबाकू की दुकान, जहाँ ऐशट्रे और तंबाकू के जार पर कॉलेज के प्रतीक चिन्ह बने हुए थे। एक जौहरी की दुकान, जहाँ चम्मच, ब्रोच और नैपकिन रिंग पर कॉलेज के प्रतीक चिन्ह बने हुए थे। वह कॉलेज के प्रतीक चिन्हों से ऊब गई और एक गली से मुड़कर मर्टन स्ट्रीट में चली गई। इस शांत और पत्थरों से बनी सड़क पर, अगर कहीं शांति होनी चाहिए थी, तो शायद यहीं थी। लेकिन शांति मन में होती है, सड़कों में नहीं, चाहे वे कितनी भी पुरानी और खूबसूरत क्यों न हों। वह लोहे के गेट से मर्टन ग्रोव में दाखिल हुई, और फिर डेड मैन वॉक को पार करके क्राइस्ट चर्च के ब्रॉड वॉक में पहुँची और वहाँ से होते हुए उस रास्ते पर चली जहाँ न्यू कट नदी आइसिस नदी से मिलती है। और वहाँ, उसके लिए अचंभित कर देने वाली बात यह थी कि एक जानी-पहचानी आवाज़ ने उसे पुकारा। यहाँ, बुराई की सभी शक्तियों के विशेष हस्तक्षेप से, मिस शूस्टर-स्लैट थीं, जिनकी ऑक्सफ़ोर्ड में उपस्थिति को वह उस क्षण तक सौभाग्य से भूल चुकी थीं, अमेरिकी आगंतुकों के एक दल को लेकर, जो सभी

जानकारी के लिए उत्सुक थे। मिस वेन ही वह व्यक्ति थीं जो उन्हें सब कुछ बता सकती थीं। क्या वह जानती थीं कि इनमें से कौन सी नाव किस कॉलेज की है? क्या वे प्यारे छोटे नीले और सुनहरे सिर ग्रिफिन या फीनिक्स थे और क्या उनमें से तीन त्रिमूर्ति का प्रतीक थे या यह महज़ एक संयोग था? क्या वे मैग्डलेन लिली थीं? यदि ऐसा है, तो नाव के चारों ओर "W" अक्षर क्यों चित्रित था और इसका क्या अर्थ था? पेमब्रोक के ढाल के शीर्ष पर अंग्रेजी गुलाब और स्कॉटिश थिसल क्यों थे? क्या न्यू कॉलेज के गुलाब भी अंग्रेजी गुलाब थे? इसे इतना पुराना होने के बावजूद न्यू क्यों कहा जाता था, और इसे "न्यू" के बजाय हमेशा "न्यू कॉलेज" क्यों कहा जाता है? ओह! देखो, सैडी—क्या वे हंस उड़ रहे हैं? हंस? कितना दिलचस्प! क्या नदी पर बहुत सारे हंस हुआ करते थे? क्या यह सच था कि इंग्लैंड के सभी हंस राजा के थे? क्या उस नाव पर एक हंस था? ओह, एक चील! कुछ नावों पर आगे की ओर प्रतीक चिन्ह क्यों होते थे और कुछ पर नहीं? क्या लड़के कभी नावों पर चाय पार्टी करते थे? क्या मिस वेन उन उछल-कूद वाली दौड़ के बारे में बता सकती हैं, क्योंकि सैडी के वर्णन से कोई भी समझ नहीं पाया था। क्या वह विश्वविद्यालय की नाव थी? ओह, यूनिवर्सिटी कॉलेज की नाव! क्या यूनिवर्सिटी कॉलेज ही वह जगह थी जहाँ सभी कक्षाएं लगती थीं?

और इसी तरह आगे बढ़ते हुए—पूरे टोइंग पथ पर, मीडो बिल्डिंग्स तक जाने वाले लंबे रास्ते पर और क्राइस्ट चर्च के चारों ओर, हॉल से किचन तक, कैथेड्रल से लाइब्रेरी तक, मर्करी से ग्रेट टॉम तक, इस दौरान आसमान में बादल छाते गए और मौसम और भी उमस भरा होता गया, जब तक कि हैरियट, जिसे शुरुआत में ऐसा लग रहा था जैसे उसकी खोपड़ी ऊन से भरी हो, अंत में एक भयंकर सिरदर्द से ग्रस्त हो गई।

हॉल के बाद तक तूफान थम गया, बस हल्की-हल्की गड़गड़ाहट और गरजने की आवाजें सुनाई दे रही थीं। ठीक 10 बजे आसमान में एक तेज बिजली चमकी, मानो सर्चलाइट से रोशनी की तरह, अंधेरे में छतों और पेड़ों की चोटियों को बैंगनी-नीले रंग में उजागर करते हुए, और उसके बाद एक ऐसी गड़गड़ाहट हुई जिससे दीवारें हिल गईं। हैरियट ने अपनी खिड़की खुली छोड़ दी और बाहर झुक गई। आने वाली बारिश की मीठी खुशबू थी। एक और बिजली चमकी और गड़गड़ाहट; हवा का एक तेज झोंका; और फिर गिरते पानी की सरसराहट और बहने की आवाज, उफनती नालियों की गड़गड़ाहट, और फिर शांति।

शांति हो, प्रियतम, अब मैं एक बातचीत चाहता हूँ, मुझे लगता है, ये युद्ध बहुत पहले शुरू हुए थे, न तो तुम और न ही मैं, इससे बेहतर कुछ पा सकते हैं: वह मुकाबला बुरा है जिसमें कोई भी पक्ष नहीं जीता। मैं निष्पक्ष शांति की शर्तें रखता हूँ, अपना हृदय बंधक के रूप में, ताकि वह बना रहे। हमारी सेनाओं को यहाँ उतार दो, द्वेष समाप्त हो जाए। इसलिए मेरी प्रतिज्ञा के बदले, तुम मुझे फिर से प्रतिज्ञा दो।

—माइकल ड्रेटन

डीन ने कहा, "यह एक अच्छा तूफान था।"

“फर्स्ट-क्लास,” बर्सर ने रूखेपन से कहा, “उन लोगों के लिए जो इसे पसंद करते हैं और जिन्हें उन लोगों से निपटना नहीं पड़ता जो इसे पसंद नहीं करते। स्काउट्स का क्वार्टर पूरी तरह से अफरा-तफरी में था; मुझे वहाँ जाना पड़ा। कैरी हिस्टीरिया में थी, कुक सोच रही थी कि उसका आखिरी समय आ गया है, और एनी चीख-चीखकर कह रही थी कि उसके प्यारे बच्चे डर जाएंगे और वह उन्हें दिलासा देने के लिए तुरंत हेडिंगटन भाग जाना चाहती थी—”

"मुझे आश्चर्य है कि आपने उसे तुरंत उपलब्ध सबसे अच्छी कार में वहां क्यों नहीं भेजा," मिस हिलयार्ड ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा।

“और रसोई की एक नौकरानी को धार्मिक उदासी छा गई,” मिस स्टीवंस ने आगे कहा, “और उसने अपने पापों को अपने प्रशंसकों के सामने स्वीकार किया। मुझे समझ नहीं आता कि लोगों में इतना कम आत्म-नियंत्रण क्यों होता है।”

"मुझे बिजली कड़कने से बहुत डर लगता है," मिस चिल्परिक ने कहा।

“बेचारी न्यूलैंड फिर से बहुत परेशान थी,” डीन ने कहा। “इन्फर्मेरियन उससे बहुत डरी हुई थी। उसने कहा कि इन्फर्मरी की नौकरानी लिनेन की अलमारी में छिपी हुई है और उसे न्यूलैंड के साथ अकेले रहना पसंद नहीं है! हालांकि, मिस शॉ ने बड़ी विनम्रता से स्थिति को संभाला।”

“वे चार छात्राएँ कौन थीं जो स्विमिंग सूट पहनकर मैदान में नाच रही थीं?” मिस पाइके ने पूछा। “उनका रूप-रंग बिल्कुल पारंपरिक था। मुझे तो पारंपरिक नृत्यों की याद आ गई।”

“मुझे डर था कि बीच के पेड़ गिर जाएँगे,” मिस बरोज़ ने कहा। “मैं कभी-कभी सोचती हूँ कि इमारतों के इतने पास उन्हें रखना सुरक्षित है या नहीं। अगर वे गिर गए तो—”

“बर्सर, मेरी छत में बहुत बड़ा रिसाव है,” श्रीमती गुडविन ने कहा। “बारिश का पानी बवंडर की तरह अंदर आ गया—ठीक मेरे बिस्तर के ऊपर तक। मुझे सारा फर्नीचर

हटाना पड़ा, और कालीन भी काफी..."
"खैर," डीन ने दोहराया, "यह एक अच्छा तूफान था, और इसने हवा को साफ कर दिया है। इसे देखो। इससे बेहतर और चमकदार रविवार की सुबह और क्या हो सकती है?"
हैरियट ने सिर हिलाया। गीली घास पर सूरज की रोशनी बहुत तेज थी और हवा ताजी और ठंडी बह रही थी।
"शुक्र है, इससे मेरा सिरदर्द दूर हो गया! मैं कुछ शांत, खुशनुमा और पूरी तरह से ऑक्सफ़ोर्डियन स्टाइल का काम करना चाहती हूँ। क्या हर चीज़ का रंग प्यारा नहीं है? जैसे किसी अलंकृत प्रार्थना पुस्तक में नीले, लाल और हरे रंग!"
डीन ने उत्साह से कहा, "मैं आपको बताता हूँ हम क्या करेंगे। हम दो अच्छे बच्चों की तरह धीरे-धीरे चलेंगे और विश्वविद्यालय का प्रवचन सुनेंगे। मुझे इससे ज़्यादा सुकून देने वाला और अकादमिक कुछ और नहीं सूझता। और डॉ. आर्मस्ट्रांग का प्रवचन... वह हमेशा ही रोचक होते हैं।"
"विश्वविद्यालय का प्रवचन?" हैरियट ने हंसते हुए कहा। "खैर, यह तो आखिरी चीज थी जिसके बारे में मैंने खुद सोचा होगा। लेकिन यह एक विचार है; बिल्कुल एक विचार। हम चलेंगे।"
हाँ; डीन सही थे; यहाँ महान एंग्लिकन समझौता अपने सबसे शांत और औपचारिक रूप में था। चोगे और वस्त्रों में सजे डॉक्टरों का गंभीर जुलूस; कुलपति का उपदेशक को प्रणाम करना, और उनके आगे-आगे नाचते हुए सहायक; काले गाउन पहने महिलाओं की भीड़ और प्रोफेसरों की गर्मियों के फ्रॉक पहने पत्नियों की शालीन खुशी; भजन और प्रार्थना; चोगे और हुड पहने उपदेशक, कसूक और पट्टियों में गंभीर; पतली, स्पष्ट, विद्वतापूर्ण आवाज में दिया गया शांत प्रवचन, जो ईसाई दर्शन और परमाणु भौतिकी के संबंधों को सौम्य ढंग से समझा रहा था। यहाँ विश्वविद्यालय और चर्च ऑफ इंग्लैंड धार्मिकता और शांति में एक-दूसरे को चूम रहे थे, जैसे बॉटिकेली की क्रिसमस पेंटिंग में देवदूत: बेहद सुंदर वस्त्रों में, गंभीर तरीके से बेहद खुश, थोड़े सलीकेदार, अपनी उत्कृष्ट पारस्परिक शिष्टाचार के प्रति थोड़े सचेत। यहाँ, बिना किसी गरमागरमी के, वे अपनी साझा समस्या पर चर्चा कर सकते थे, सुखद रूप से सहमत हो सकते थे या सुखद रूप से असहमति पर सहमत हो सकते थे। चित्र के तल पर फैली उन विकराल और बदसूरत शैतानी आकृतियों के बारे में इन देवदूतों के पास कहने के लिए एक शब्द भी नहीं था। अगर उन्हें चुनौती दी जाती, तो श्रूस्बरी समस्या का क्या समाधान वे निकाल पाते? अन्य संस्थाएँ अधिक साहसी होतीं: रोम के चर्च के

पास अपना जवाब होता, सहज, सक्षम और अनुभवी; नव मनोविज्ञान के विचित्र, कड़वे और विरोधाभासी संप्रदायों के पास एक और जवाब होता, बदसूरत, अटपटा, अनिश्चित और जोशीले प्रयोगवाद से युक्त। एक फ्रायडियन विश्वविद्यालय की कल्पना करना मनोरंजक था जो एक रोमन संस्था से अटूट रूप से जुड़ा हुआ था: वे निश्चित रूप से एंग्लिकन चर्च और स्कूल ऑफ लिटरे ह्यूमनिओरेस की तरह सामंजस्यपूर्ण ढंग से एक साथ नहीं रह सकते थे। लेकिन यह मानना आनंददायक था, भले ही केवल एक घंटे के लिए, कि सभी मानवीय कठिनाइयों का समाधान इस तटस्थ और सौहार्दपूर्ण भावना से किया जा सकता है। "विश्वविद्यालय एक स्वर्ग है"—सच है, लेकिन—"तब मैंने देखा कि स्वर्ग के द्वार से भी नरक का रास्ता है"...

आशीर्वाद दिया गया; स्वैच्छिक संगीत शुरू हुआ—कुछ-कुछ फ्यूगल और बाख से पहले के संगीत जैसा; जुलूस फिर से बना और फिर बिखर गया, दक्षिण और उत्तर की ओर बढ़ता हुआ; सभा के लोग खड़े हो गए और एक व्यवस्थित अव्यवस्था में धीरे-धीरे जाने लगे। डीन, जिन्हें प्रारंभिक फ्यूग संगीत पसंद था, चुपचाप अपनी जगह पर बैठी रहीं और हैरियट उनके बगल में स्वप्निल रूप से बैठी रहीं, उनकी निगाहें क्रॉस-स्क्रीन में कोमल रंगों वाले संतों पर टिकी हुई थीं। अंत में वे दोनों उठीं और दरवाजे की ओर चल पड़ीं। डॉ. ओवेन के बरामदे के घुमावदार स्तंभों के बीच से गुजरते समय हवा का एक हल्का, साफ झोंका उनका स्वागत कर गया, जिससे डीन ने अपनी विद्रोही टोपी के शिखर को कसकर पकड़ लिया और उनके गाउन चौड़े चापों और घुमावदार आकृतियों में फैल गए। गोल बादलों के बीच आकाश हल्का और पारदर्शी एक्वामरीन नीले रंग का था।

कैट स्ट्रीट के कोने पर कुछ विद्वान खड़े थे, जो उत्साहपूर्वक बातें कर रहे थे—उनमें ऑल सोल्स के दो फेलो और एक गरिमापूर्ण व्यक्ति शामिल थे, जिन्हें हैरियट ने बैलिओल के मास्टर के रूप में पहचाना। उनके बगल में एक और एम.ए. थे, जो हैरियट और डीन के गुजरते ही, बातचीत के बीच अचानक मुड़े और अपनी ग्रेजुएशन कैप ऊपर उठाई।

कुछ देर तक हैरियट को अपनी आँखों पर विश्वास ही नहीं हुआ। पीटर विम्सी। भला, पीटर! पीटर, जिसे वारसॉ में होना चाहिए था, हाई स्कूल में ऐसे शांति से बैठा था मानो वह वहीं पला-बढ़ा हो। पीटर, किसी रूढ़िवादी मास्टर ऑफ आर्ट्स की तरह टोपी और गाउन पहने, विश्वविद्यालय के प्रवचन में श्रद्धापूर्वक उपस्थित होने का पूरा आभास

दे रहा था, और अब ऑल सोल्स के दो फेलो और बॉलियोल के मास्टर के साथ हल्की-फुल्की अकादमिक बातें कर रहा था।
“और क्यों नहीं?” हैरियट ने सदमे के पहले पल के बाद सोचा। “वह मास्टर ऑफ आर्ट्स हैं। उन्होंने बैलिओल से पढ़ाई की है। अगर उन्हें पसंद है तो वे मास्टर से बात क्यों नहीं करेंगे? लेकिन वे यहाँ कैसे आए? और क्यों? और वे कब आए? और उन्होंने मुझे क्यों नहीं बताया?”
वह असमंजस की स्थिति में परिचय प्राप्त कर रही थी और लॉर्ड पीटर को डीन से मिलवा रही थी।
“मैंने कल टाउन से फोन किया था,” विम्सी कह रहा था, “लेकिन आप बाहर थीं।” फिर और स्पष्टीकरण—वारसॉ से उड़ान भरने के बारे में, “हाउस में मेरे भतीजे” के बारे में, “मास्टर के सौहार्दपूर्ण आतिथ्य सत्कार” के बारे में, और कॉलेज को एक पत्र भेजने के बारे में। फिर, शिष्टाचार भरी बातों के इस जंजाल में से, एक वाक्य उसे स्पष्ट रूप से समझ में आया।
"अगर आप अगले आधे घंटे के दौरान खाली हों और कॉलेज में हों, तो क्या मैं आकर आपसे मिल सकता हूँ?"
“जी हाँ, ज़रूर,” हैरियट ने बेमन से कहा, “यह बहुत अच्छा होगा।” उसने खुद को संभाला। “मुझे लगता है कि आपको दोपहर के भोजन पर आमंत्रित करने का कोई फायदा नहीं है?”
ऐसा प्रतीत हुआ कि वह गुरु के साथ दोपहर का भोजन कर रहे थे, और ऑल सोल्स विश्वविद्यालय का एक व्यक्ति भी उनके साथ दोपहर का भोजन कर रहा था। वास्तव में, एक छोटे से दोपहर के भोजन समारोह में, उन्होंने कुछ ऐतिहासिक जानकारी जुटाई, जिसमें किसी के किसी पत्रिका के लिए लिखे गए लेख का उल्लेख था, जिसके बारे में विम्सी ने कहा था कि वह "ऑल सोल्स विश्वविद्यालय में जाकर उसे देखेंगे - इसमें दस मिनट भी नहीं लगेंगे", और सुधारवादी विवादास्पद पर्चों की छपाई और वितरण का जिक्र था - विम्सी के विशेषज्ञ ज्ञान का - दूसरे व्यक्ति के विशेषज्ञ ज्ञान का - और किसी अन्य विश्वविद्यालय के इतिहासकार के ज्ञान के अनाड़ी दिखावे का।
फिर पूरा समूह तितर-बितर हो गया। मास्टर ने अपनी टोपी उठाई और विम्सी और इतिहासकार को याद दिलाते हुए चले गए कि दोपहर का भोजन 1:15 बजे होगा; पीटर ने हैरियट से "बीस मिनट में आने" के बारे में कुछ कहा और फिर दोनों फेलो के साथ ऑल सोल्स चर्च में गायब हो गए, और हैरियट और डीन फिर से साथ चलने लगे।

“अच्छा!” डीन ने कहा, “तो यही वह आदमी है।”
“हां,” हैरियट ने कमजोर आवाज में कहा, “वही है।”
“मेरी प्यारी, वह बेहद आकर्षक है। तुमने कभी नहीं कहा था कि वह ऑक्सफोर्ड आ रहा है।”
“मुझे पता नहीं था। मुझे लगा कि वह वारसॉ में हैं। मुझे पता था कि उन्हें इस सत्र में कभी न कभी अपने भतीजे से मिलने आना था, लेकिन मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वह इतनी जल्दी निकल जाएंगे। दरअसल, मैं उनसे पूछना चाहता था—लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्हें मेरा पत्र मिला होगा—”
उसे लगा कि उसके स्पष्टीकरण के प्रयास केवल स्थिति को और बिगाड़ रहे हैं। अंत में उसने डीन के सामने सारा मामला साफ-साफ बता दिया।
मुझे नहीं पता कि उसे मेरा पत्र मिला है और उसे पहले से ही पता है, या अगर उसे नहीं पता है, तो मुझे उसे बता देना चाहिए। मुझे पता है कि वह बिल्कुल सुरक्षित है। लेकिन क्या वार्डन और एस.सी.आर.—मुझे उम्मीद नहीं थी कि वह इस तरह सामने आ जाएगा।
“मुझे लगता है कि आपने यही सबसे समझदारी भरा काम किया है,” मिस मार्टिन ने कहा। “कॉलेज में ज़्यादा कुछ मत बोलो। अगर वो आना चाहे तो उसे भी साथ ले आओ, और उसे हम सबको हैरान कर देने दो। ऐसे सलीके वाला आदमी तो पूरे कॉलेज को अपनी मुट्ठी में कर सकता है। कितनी अच्छी बात है कि वो इतिहासकार है—इससे मिस हिलयार्ड की नज़र में उसकी छवि अच्छी हो जाएगी।”
मैंने उन्हें कभी इतिहासकार के रूप में नहीं सोचा था।
"खैर, उसने तो फर्स्ट क्लास ही हासिल की... क्या तुम्हें पता नहीं था?"
उसे पता नहीं था। उसने इस बारे में सोचने की ज़हमत भी नहीं उठाई थी। उसने कभी भी विम्सी और ऑक्सफ़ोर्ड को आपस में नहीं जोड़ा था। यह विदेश मंत्रालय के मामले की ही तरह था। अगर उसे उसकी इस नासमझी का एहसास हो गया होता तो उसे ज़रूर दुख हुआ होता।
वह खुद को निर्मम कृतघ्नता का राक्षस समझती थी।
डीन ने आगे कहा, “मुझे बताया गया है कि उन्हें अपने बैच के सबसे प्रतिभाशाली विद्वानों में से एक माना जाता था। ए. एल. स्मिथ उनके बारे में बहुत अच्छी राय रखते थे। एक तरह से यह दुख की बात है कि उन्होंने इतिहास को अपना विषय नहीं बनाया—लेकिन स्वाभाविक रूप से, उनकी मुख्य रुचि अकादमिक विषयों में नहीं थी।”

“नहीं,” हैरियट ने कहा।
तो डीन पूछताछ कर रही थीं। स्वाभाविक ही था। संभवतः अब तक पूरा एस.सी.आर. उन्हें विम्सी के विश्वविद्यालयी करियर के बारे में विस्तृत जानकारी दे सकता था। यह बात समझ में आती थी: वे इसी तरह सोचते थे। लेकिन वह स्वयं भी कैलेंडर का दो मिनट का अध्ययन करने के लिए समय निकाल सकती थीं।
“जब वो आएगा तो मैं उसे कहाँ रखूँगी? मुझे लगता है अगर मैं उसे अपने कमरे में ले जाऊँगी तो छात्रों के लिए गलत उदाहरण बनेगा। और मेरा कमरा थोड़ा तंग भी है।”
“आप मेरा बैठक कक्ष इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आपको इस घिनौने मामले पर चर्चा करनी है, तो यह किसी भी सार्वजनिक कमरे से कहीं बेहतर है। मुझे हैरानी है कि क्या उसे वह पत्र मिला भी था। शायद उसकी उस पैनी नज़र के पीछे छिपी उत्सुकता मेरे प्रति उसके संदेह के कारण थी। और मैं इसे अपनी निजी जिज्ञासा का नतीजा मानती हूँ! वह आदमी खतरनाक है, भले ही वह दिखता न हो।”
“इसीलिए वह खतरनाक है। लेकिन अगर उसने मेरा पत्र पढ़ा, तो उसे पता चल जाएगा कि यह तुमने नहीं लिखा है।”
कॉलेज पहुँचने पर कुछ छोटी-मोटी गलतफहमियाँ दूर हो गईं जब उन्हें हैरियट के कबूतरखाने में पीटर का एक नोट मिला। उसमें लिखा था कि वह शनिवार दोपहर को जल्दी लंदन पहुँच गया था और विदेश कार्यालय में उसे हैरियट का पत्र मिला। “मैंने आपको फोन करने की कोशिश की, लेकिन अपना नाम नहीं बताया, क्योंकि मुझे नहीं पता था कि आप चाहती हैं कि मैं इस मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होऊँ।” उस दोपहर वह लंदन में व्यस्त था, फिर रात के खाने के लिए ऑक्सफोर्ड गया, वहाँ बैलिओल के कुछ दोस्तों ने उसे रोक लिया और मास्टर ने उसे रात रुकने के लिए सहर्ष आमंत्रित किया, और वह “कल किसी समय” उससे मिलने आएगा, इस उम्मीद में कि वह वहाँ मिलेगी।
इसलिए वह डीन के कमरे में बैठी रही, न्यू क्वाड में लगे चिनार के पेड़ की शाखाओं से छनकर आती गर्मी की धूप को देखती रही, जो चबूतरे पर नाचती हुई आकृतियाँ बना रही थी, तभी उसने डीन के दस्तक देने की आवाज़ सुनी। जब उसने कहा, "अंदर आओ!" तो यह साधारण सा वाक्य अचानक एक चौंकाने वाला अर्थ धारण कर बैठा। चाहे अच्छा हो या बुरा, उसने बाहरी दुनिया से कुछ विस्फोटक बुला लिया था, जिससे उस जगह की व्यवस्थित शांति भंग हो गई थी; उसने एक बाहरी शक्ति को रास्ता दिखा

दिया था; उसने ऑक्सफोर्ड के विरुद्ध लंदन का और मठ के विरुद्ध दुनिया का साथ दिया था।
लेकिन जब वह अंदर आया, तो उसे पता चल गया कि वह छवि झूठी थी। वह शांत कमरे में ऐसे आया मानो वह वहीं का रहने वाला हो, और कभी किसी और जगह का रहा ही न हो।
“हेलो-हेलो!” उसने अपने पुराने, हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा। फिर उसने अपना गाउन उतारकर उसके बगल में सोफे पर फेंक दिया और अपनी ग्रेजुएशन की टोपी मेज पर रख दी।
“वापस आने पर मुझे तुम्हारा नोट मिला। तो तुम्हें मेरा पत्र मिल गया था?”
जी हाँ; मुझे खेद है कि आपको इतनी परेशानी उठानी पड़ी। मुझे लगा कि चूंकि मैं वैसे भी ऑक्सफोर्ड आ रहा था, तो बेहतर होगा कि मैं जल्दी से आकर आपसे मिल लूँ। मेरा इरादा कल शाम को आने का था, लेकिन मैं कुछ लोगों के कामों में व्यस्त हो गया—और मैंने सोचा कि शायद पहले अपना परिचय दे देना बेहतर होगा।
आपका आना अच्छा लगा। बैठ जाइए।
उसने एक आरामकुर्सी आगे खींची, और वह उस पर भारी भरकम तरीके से बैठ गया। उसने थोड़ी सी घबराहट के साथ गौर किया कि कैसे साफ रोशनी में खोपड़ी के जबड़े और कनपटी के कोण स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे।
“पीटर! तुम तो एकदम थके हुए लग रहे हो। आजकल क्या कर रहे हो?”
“बातें करना,” उन्होंने असंतुष्ट भाव से कहा। “शब्द, शब्द, शब्द। ये सारे अंतहीन सप्ताह। मैं विदेश मंत्रालय का पेशेवर हास्यकार हूँ। आपको नहीं पता था? खैर, मैं हूँ। अक्सर नहीं, लेकिन ज़रूरत पड़ने पर हाज़िर रहता हूँ। कभी-कभी कुछ गड़बड़ हो जाती है—कोई अवर सचिव का सचिव, जिसे कम समझ है और फ्रेंच भी कम आती है, खाने के बाद के भाषण में कोई बेतुका वाक्य बोल देता है, और फिर वे मुझे हास्यकार के पास भेज देते हैं ताकि सबका मूड ठीक हो जाए। मैं लोगों को दोपहर के भोजन पर ले जाता हूँ और उन्हें मज़ेदार कहानियाँ सुनाकर उनका मूड ठीक कर देता हूँ। हे भगवान! क्या खेल है!”
“मुझे यह पता नहीं था, पीटर। मुझे अभी-अभी एहसास हुआ है कि मैं इतना स्वार्थी था कि मैंने कुछ जानने की कोशिश भी नहीं की। लेकिन तुम्हारा इतना निराश दिखना असामान्य है। तुम तो—”

"मुझे बख्श दो, हैरियट। यह मत कहो कि मैं अपनी उम्र का दिखने लगा हूँ। यह ठीक नहीं है। मेरा शाश्वत बचपना ही मेरी एकमात्र कूटनीतिक खूबी है।"
"तुम तो बस ऐसे दिख रहे हो जैसे हफ्तों से सोए ही न हो।"
“अब जब आपने इसका ज़िक्र किया है, तो मुझे यकीन नहीं है कि मैंने ऐसा किया है। मुझे लगा था—एक समय हम सभी को लगा था—कि कुछ होने वाला है। वही पुराना, गंदा हंगामा। एक रात मैंने बंटर से यहाँ तक कह दिया था: ‘यह आ रहा है; यह आ गया है; सार्जेंट, फिर से सेना में वापस जाना पड़ेगा।’... लेकिन अंत में, आप जानते हैं, इसने एक घेरे जैसी आवाज़ की और लुढ़क कर दूर चला गया—फिलहाल के लिए।”
"कॉमिक क्रॉस-टॉक की बदौलत?"
“अरे नहीं। बिलकुल नहीं। मेरा मामला तो बहुत मामूली था। सीमा पर एक छोटी-सी झड़प। यह मत सोचो कि मैंने ही साम्राज्य को बचाया है।”
“तो फिर किसने किया?”
पता नहीं। कोई नहीं जानता। कोई भी निश्चित रूप से नहीं जानता। पुरानी बस एक तरफ लड़खड़ाती है, और आप सोचते हैं, 'बस हो गया!' और फिर वह दूसरी तरफ लड़खड़ाती है और आप सोचते हैं, 'सब ठीक है'; और फिर, एक दिन, वह बहुत ज्यादा लड़खड़ा जाती है और आप मुसीबत में पड़ जाते हैं और आपको याद नहीं रहता कि आप वहां कैसे पहुंचे।
"यही वह चीज है जिससे हम सब अपने भीतर डरते हैं।"
“हाँ। यह मुझे डराता है। वापस आकर तुम्हें यहाँ देखकर राहत मिली है—और यह सब पहले की तरह चल रहा है। असली काम तो यहीं होते हैं, हैरियट—काश वे निकम्मे लोग चुप रहें और इसे चलने दें। हे भगवान! मुझे जल्दबाजी, हिंसा और वह सारी घिनौनी, चालाकी भरी धूर्तता से कितनी नफरत है। बेबुनियाद, गैर-विद्वत्तापूर्ण, बेईमान —सिर्फ प्रचार, अपनी बात मनवाने की कोशिश और ‘हमें इससे क्या मिलेगा?’ न समय, न शांति, न खामोशी; सिर्फ सम्मेलन, अखबार और सार्वजनिक भाषण, जब तक कि मन की आवाज़ ही सुनाई न दे... काश, यहाँ घास और पत्थरों के बीच बैठकर कुछ सार्थक काम कर पाते, भले ही वह सिर्फ काम के प्रति प्रेम के कारण खोई हुई साँस को वापस लाना ही क्यों न हो।”
उसे उसकी बातों में इतना जोश सुनकर आश्चर्य हुआ।
"लेकिन, पीटर, तुम बिल्कुल वही कह रहे हो जो मैं इतने समय से महसूस कर रहा हूँ। लेकिन क्या यह संभव है?"

“नहीं; ऐसा नहीं हो सकता। हालांकि, ऐसे क्षण भी आते हैं जब मन वापस लौटता है और सोचता है कि शायद ऐसा हो सकता है।”
“पुराने रास्तों के बारे में पूछो, अच्छा रास्ता कहाँ है, और उस पर चलो, और तुम्हें अपनी आत्माओं के लिए शांति मिलेगी।”
“हाँ,” उसने कड़वाहट से कहा, “और बात आगे बढ़ती है: ‘लेकिन उन्होंने कहा: हम उसमें नहीं चलेंगे।’ विश्राम? मैं तो भूल ही गया था कि ऐसा कोई शब्द भी होता है।”
“मैंने भी यही सोचा था।”
वे कुछ मिनट तक चुपचाप बैठे रहे। विम्सी ने उसे अपना सिगरेट का डिब्बा दिया और दोनों के लिए माचिस जलाई।
“पीटर, ये अजीब बात है कि हम यहाँ बैठकर इस तरह बातें कर रहे हैं। क्या तुम्हें विल्वरकोम्ब में वो भयानक समय याद है जब हमारे पास एक-दूसरे पर फेंकने के लिए घटिया मज़ाक और द्वेषपूर्ण टिप्पणियों के अलावा कुछ नहीं होता था? कम से कम, मैं तो द्वेषपूर्ण था: तुम कभी नहीं थे।”
“यह मौज-मस्ती की जगह का माहौल था,” विम्सी ने कहा। “मौज-मस्ती की जगहों पर इंसान हमेशा अभद्र हो जाता है। मेरे जीवन का एक ही डर सताता रहता है कि किसी दिन ब्राइटन या ब्लैकपूल में कोई बेहद आकर्षक समस्या सामने आ जाएगी, और मैं इतना कमजोर दिमाग वाला होऊंगा कि जाकर उसमें दखल दूंगा।” उनकी आवाज़ में हंसी लौट आई थी और उनकी आँखें शांत थीं। “भगवान का शुक्र है, ऑक्सफोर्ड में कंजूसी करना बहुत मुश्किल है—कम से कम दूसरे साल के बाद तो बिल्कुल नहीं। और इसी बात से मुझे याद आया कि मैंने सेंट-जॉर्ज के प्रति आपकी इतनी दयालुता के लिए अभी तक आपको ठीक से धन्यवाद नहीं दिया है।”
क्या आपने उसे अभी तक देखा है?
“नहीं; मैंने उसे सोमवार को घेरने और उसे संपत्ति से बेदखल करने का कड़ा विरोध जताने की धमकी दी है। वह आज दोस्तों के एक समूह के साथ कहीं चला गया है। मैं जानता हूँ इसका क्या मतलब है। वह हद से ज़्यादा बिगड़ रहा है।”
"खैर, पीटर, इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। वह वाकई बेहद आकर्षक है।"
“वह एक शरारती नन्हा बंदर है,” उसके चाचा ने बिना किसी उत्साह के कहा। “हालांकि मैं इसके लिए उसे दोष नहीं दे सकता; यह तो उसके खून में है। लेकिन यह उसकी धृष्टता का ही नमूना है कि उसने आपके साथ जबरदस्ती मुलाकात की, जबकि आपने मेरे किसी भी रिश्तेदार से मिलने से साफ इनकार कर दिया था।”

"मैंने उसे खुद ढूंढा है, पीटर।"
"सचमुच, या कम से कम वह ऐसा कहता है। मुझे लगता है कि उसने लगभग आपको टक्कर मार दी, आपकी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और कुल मिलाकर उपद्रव मचाया, और आपने तुरंत यह निष्कर्ष निकाला कि वह मेरा कोई रिश्तेदार होगा।"
"अगर उसने ऐसा कहा है, तो आपको इस पर विश्वास नहीं करना चाहिए। लेकिन मैं इस समानता को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था।"
“फिर भी, लोग मेरी शक्ल-सूरत के बारे में अपमानजनक बातें करते रहे हैं! मैं आपको शर्लक होम्स जैसी तीक्ष्ण बुद्धि के लिए बधाई देता हूँ।”
उसमें मौजूद बचकाने घमंड को देखकर उसे हंसी भी आई और दिल को भी छू गया। लेकिन वह जानती थी कि अगर उसने सच से ज्यादा चापलूसी भरी कोई बात कहकर उसे खुश करने की कोशिश की, तो वह तुरंत उसकी असलियत जान जाएगा।
“मैंने उसे देखे बिना ही उसकी आवाज़ पहचान ली थी। और उसके हाथ तुम्हारे जैसे हैं; मुझे नहीं लगता कि किसी ने कभी उनके बारे में कोई अपमानजनक बात कही होगी।”
“अरे, हैरियट! मेरी एक बेहद शर्मनाक कमजोरी। मेरा सबसे छिपा हुआ निजी घमंड। सबके सामने आ गया और बेरहमी से उजागर हो गया। मुझे विम्सी परिवार से विरासत में मिले हाथों पर मूर्खतापूर्ण गर्व है। मेरे भाई और बहन दोनों को उनकी कमी खलती है, लेकिन पारिवारिक तस्वीरों में वे तीन सौ साल पुराने हैं।” उनका चेहरा एक पल के लिए उदास हो गया। “मुझे आश्चर्य है कि अब तक उनमें से सारी ताकत खत्म क्यों नहीं हो गई; हमारी ज़मीन तेज़ी से सूख रही है। हैरियट, क्या तुम एक दिन मेरे साथ डेनवर चलोगी और उस जगह को देखोगी, इससे पहले कि नई सभ्यता जंगल की तरह उस पर छा जाए? मैं गाल्सवर्थी की तरह व्यवहार नहीं करना चाहता। लोग कहेंगे कि मुझे इस पूरे माहौल की कोई परवाह नहीं है, और मुझे नहीं पता कि सच में है भी या नहीं। लेकिन मेरा जन्म वहीं हुआ था, और मुझे बहुत दुख होगा अगर मैं उस ज़मीन को रिबन बनाने के लिए बिकते हुए और हॉल को किसी हॉलीवुड कलर-टॉकी किंग को सौंपे जाते हुए देखूँ।”
“लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ऐसा नहीं करेंगे, है ना?”
“मुझे नहीं पता, हैरियट। उसे क्यों नहीं परवाह करनी चाहिए? हमारे तरह के शो तो अब खत्म हो चुके हैं। आजकल ये शो किसी के लिए क्या काम के हैं? लेकिन शायद उसे जितना लगता है उससे कहीं ज्यादा परवाह हो।”
"तुम्हें परवाह है ना, पीटर?"

“मुझे परवाह करना बहुत आसान है, क्योंकि इस मामले में मेरी कोई भूमिका नहीं है। मैं एक आम अधेड़ उम्र का घमंडी आदमी हूँ, जिसमें भारी बोझ को बांधकर दूसरों के कंधों पर डालने की अद्भुत प्रतिभा है। यह मत सोचो कि मुझे अपने भतीजे की नौकरी से जलन है। मैं शांति से जीना और धरती में दफन होना पसंद करूँगा। बस मुझमें कुछ पुरानी दकियानूसी मान्यताओं के लिए एक अजीब सी लालसा है, जिसे मैं अपने नाम वाले बाइबिल के पात्र की तरह कायरतापूर्वक नकारता हूँ। अगर मुमकिन हो तो मैं कभी घर नहीं जाता, और यहाँ आने से भी बचता हूँ; मुर्गे बहुत देर तक और बहुत ज़ोर से बांग देते हैं।”

“पीटर, मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि तुम ऐसा महसूस करते हो। मैं तुम्हारा घर देखना चाहूंगा।”

“क्या तुम मानोगे? फिर हम किसी दिन चलेंगे। मैं तुम्हें अपने परिवार से नहीं मिलवाऊँगा, हालाँकि मुझे लगता है कि तुम्हें मेरी माँ पसंद आएगी। लेकिन हम ऐसा समय चुनेंगे जब वे सब बाहर हों—सिर्फ़ परिवार के मकबरे में रखे गए कुछ दर्जन निर्दोष ड्यूक को छोड़कर। बेचारे, उन सबको संरक्षित करके रखा गया है, कयामत के दिन तक धूल में पड़े रहने के लिए। है ना ये पारिवारिक परंपरा की खासियत, कि ये तुम्हें सड़ने तक नहीं देती।”

हैरियट के पास उससे कहने के लिए कुछ नहीं था। उसने पाँच साल तक उससे संघर्ष किया था और उसकी ताकत के अलावा कुछ नहीं पाया था; अब, आधे घंटे के भीतर ही, उसने अपनी सारी कमजोरियाँ एक-एक करके उजागर कर दीं। और वह ईमानदारी से यह नहीं कह सकती थी: "तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया?" क्योंकि वह अच्छी तरह जानती थी कि इसका जवाब क्या होना चाहिए। सौभाग्य से, ऐसा नहीं लग रहा था कि वह किसी टिप्पणी की उम्मीद कर रहा था।

“हे भगवान!” उसने अगली टिप्पणी की, “समय देखो! तुमने मुझे इतना लंबा-चौड़ा बोलने दिया, और हमने तुम्हारी समस्या के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा।”

"मैं इस बात को कुछ समय के लिए भूलने के लिए बेहद आभारी रहा हूं।"

“मुझे लगता है कि तुम ऐसा कर चुकी हो,” उसने हैरियट की ओर देखते हुए कहा। “सुनो हैरियट, क्या हम आज छुट्टी नहीं मना सकते? तुम इस झंझट से तंग आ चुकी हो। चलो, मेरे साथ थोड़ा समय बिताओ। तुम्हें राहत मिलेगी—जैसे दांत दर्द के बदले गठिया का दर्द सह लेना। दोनों ही बातें बुरी हैं, पर अलग हैं। मुझे लंच पार्टी में जाना है,

लेकिन ज्यादा समय नहीं लगेगा। दोपहर 3 बजे मैग्डेलन ब्रिज से नाव की सवारी कैसी रहेगी?”
"नदी पर बहुत भीड़ होगी। चेरवैल नदी अब वैसी नहीं रही जैसी पहले थी, खासकर रविवार को। मार्गेट में बैंक हॉलिडे जैसा माहौल होता है, ग्रामोफोन बजते रहते हैं, लोग स्विमिंग ड्रेस पहने होते हैं और एक-दूसरे से टकराते फिरते हैं।"
कोई बात नहीं। चलो, हम भी खुशमिजाज लोगों के साथ मिलकर थोड़ा-बहुत धक्का-मुक्की करते हैं। हाँ, अगर तुम चाहो तो कार से मेरे साथ दुनिया के आखिरी छोर तक उड़ सकते हो। पर सड़कें नदी से भी बदतर होंगी। और अगर हमें कोई शांत जगह मिल भी गई, तो या तो मैं हंगामा मचा दूँगा या फिर हम उस भयानक समस्या पर काम शुरू कर देंगे। प्रचार में ही सुरक्षा है।
“बहुत खूब, पीटर। हम बिल्कुल वैसा ही करेंगे जैसा आप चाहते हैं।”
“फिर हम तीन बजे मैग्डेलन ब्रिज कहेंगे। यकीन मानिए, मैं समस्या से मुंह नहीं मोड़ रहा। अगर हम मिलकर इसका हल नहीं निकाल सकते, तो हम किसी और को ढूंढ लेंगे। कोई भी समुद्र ऐसा नहीं है जो अगम्य हो और न ही कोई भूमि ऐसी है जो निर्जन हो।”
वह उठा और उसने हाथ आगे बढ़ाया।
“पीटर, तुम तो चट्टान की तरह मजबूत हो! थकी-हारी धरती पर एक महान चट्टान की छाया की तरह। मेरे प्यारे, क्या सोच रहे हो? ऑक्सफोर्ड में लोग हाथ नहीं मिलाते।”
“हाथी कभी नहीं भूलता।” उसने धीरे से उसकी उंगलियों को चूमा। “मैं अपने साथ औपचारिक शिष्टाचार लेकर आया हूँ। हे भगवान, शिष्टाचार की बात ही क्या करें—मुझे दोपहर के भोजन के लिए देर हो रही है।” उसने टोपी और गाउन उठाया और इतनी जल्दी चला गया कि उसे लॉज तक छोड़ने का ख्याल भी नहीं आया।
“लेकिन अच्छा ही हुआ,” उसने सोचा, उसे मैदान में किसी अंडरग्रेजुएट की तरह दौड़ते हुए देखकर, “उसके पास वैसे भी ज्यादा समय नहीं है। बेचारे पर भगवान की कृपा हो, कहीं उसने मेरा गाउन ही तो नहीं ले लिया! खैर, कोई बात नहीं। हम दोनों की लंबाई लगभग बराबर है और मेरा गाउन कंधों से काफी चौड़ा है, तो दोनों में कोई खास फर्क नहीं पड़ता।”
और फिर उसे यह बात अजीब लगी कि यह एक ही चीज है।
नदी में जाने से पहले कपड़े बदलते हुए हैरियट मन ही मन मुस्कुराई। अगर पीटर पुरानी परंपराओं को कायम रखना चाहता था, तो उसे युद्ध-पूर्व काल के जल-प्रबंधन,

शिष्टाचार और पहनावे के मानकों का पालन करने में भरपूर अवसर मिल सकते थे। खासकर पहनावे के मामले में। पुरुषों के लिए, गंदे शॉर्ट्स या कमर पर लापरवाही से लपेटा हुआ फीका सा सूट चेरवेल फैशन का आधुनिक रूप था; महिलाओं के लिए, धूप सेंकने का सूट और (नाजुक पैरों के लिए) रंग-बिरंगी सैंडल। हैरियट ने धूप को देखकर सिर हिलाया, जो अब तेज़ होने के साथ-साथ गर्म भी थी। पीटर को चौंकाने के लिए भी, वह अपनी झुलसी हुई पीठ और मच्छरों के काटे हुए पैरों का प्रदर्शन करने को तैयार नहीं थी। वह शालीन और आरामदायक कपड़े पहनेगी। बीच के पेड़ों के नीचे उससे मिलने पर डीन ने उसके चमकदार सफेद लिनेन और मिट्टी के कपड़ों को देखकर अतिशयोक्तिपूर्ण आश्चर्य से देखा।

"अगर यह बीस साल पहले की बात होती तो मैं कहता कि तुम नदी पर जा रहे हो।"

मैं हूँ। एक गौरवशाली अतीत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर।

डीन ने धीरे से आह भरी। “मुझे डर है कि तुम खुद को सबके सामने ला रहे हो। ऐसा करना ठीक नहीं है। तुमने कपड़े पहने हैं, साफ-सुथरे हो और ठंडक महसूस कर रहे हो। वो भी रविवार की दोपहर में। मुझे तुम पर शर्म आ रही है। उम्मीद है, कम से कम तुम्हारी बगल में जो पार्सल है, उसमें गायकों के रिकॉर्ड तो होंगे।”

“वो भी नहीं,” हैरियट ने कहा।

दरअसल, उसमें श्रूस्बरी कांड से संबंधित उसकी डायरी थी। उसने सोचा था कि सबसे अच्छा यही होगा कि पीटर उसे अपने साथ ले जाए और खुद उसका अध्ययन करे। फिर वह तय कर सकता था कि इस मामले में क्या करना उचित होगा।

वह पुल पर समय पर पहुँच गई, लेकिन पीटर उससे पहले ही वहाँ मौजूद था। इस मामले में पीटर की पुरानी शिष्टता मिस फ्लैक्समैन और एक अन्य श्रूस्बुरियन की उपस्थिति से और भी स्पष्ट हो गई, जो बेड़ा पर बैठी थीं, जाहिर तौर पर अपने सहायक का इंतजार कर रही थीं और काफी गर्मी और चिड़चिड़ी लग रही थीं। हैरियट को यह देखकर मज़ा आया कि विम्सी ने उसका पार्सल अपने हाथ में लिया, उसे पूरे सम्मान के साथ नाव में बिठाया और उसके लिए तकिए लगाए, और उसकी व्यंग्यात्मक आँखों से यह जान लिया कि वह उसकी असामान्य विनम्रता का कारण भली-भांति समझ गया था। "क्या आप ऊपर जाना चाहती हैं या नीचे?"

"ऊपर जाने पर ज्यादा दंगा होता है लेकिन नीचे का हिस्सा बेहतर होता है; नीचे जाने पर चौराहे तक तो सब ठीक रहता है, और फिर आपको गाढ़े कीचड़ और कॉर्पोरेशन के कचरे के ढेर में से किसी एक को चुनना होता है।"

“यह पूरी तरह से दो बुराइयों में से एक को चुनने जैसा प्रतीत होता है। लेकिन आपको केवल आदेश देना है। मेरा कान एक लालची शार्क की तरह दिव्य वाणी की मधुरता को सुनने के लिए खुला है।”
हे भगवान! यह तुम्हें कहाँ से मिला?
"भले ही आपको यकीन न हो, लेकिन यह कीट्स की एक सॉनेट का मार्मिक अंत है। सच है, यह युवावस्था का प्रयास है; लेकिन कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिन्हें युवावस्था भी माफ नहीं करती।"
“चलो नदी के बहाव की दिशा में चलते हैं। मुझे सदमे से उबरने के लिए एकांत चाहिए।” उसने नाव को नदी में मोड़ा और पुल पर सटीक निशाना लगाया। फिर:
“वाह, प्रशंसनीय स्त्री! आपने मुझे उन परित्यक्त एरिआडने जैसी महिलाओं के सामने अपनी अभिमान की पूंछ फैलाने की अनुमति दी है। क्या अब आप स्वतंत्र होकर कमान संभालना चाहेंगी? मैं मानता हूँ कि नाव चलाना, नाव से दौड़े जाने से कहीं अधिक आनंददायक है, और यह कि हर सुख का आनंद लेने की इच्छा ही शिष्टता के नियमों का नौ-दसवां हिस्सा है।”
“क्या यह संभव है कि आपका मन न्यायपूर्ण और उदार हो? मैं उदारता में किसी से पीछे नहीं रहूंगी। मैं एक आदर्श महिला की तरह बैठकर आपको काम करते हुए देखूंगी। किसी काम को अच्छे से होते देखना अच्छा लगता है।”
"अगर तुम ऐसा कहोगे, तो मैं अहंकारी हो जाऊंगा और कोई मूर्खतापूर्ण काम कर बैठूंगा।"
वास्तव में, वह देखने में काफी आकर्षक था, सहजता से काम करता था और असाधारण रूप से फुर्तीला था। वे भीड़भाड़ वाली और घुमावदार धारा में आश्चर्यजनक गति से आगे बढ़ते रहे, लेकिन फेरी के ऊपर संकरे हिस्से में, उन्हें एक दूसरी नाव ने रोक दिया, जो बीच धारा में बेतरतीब ढंग से घूम रही थी और दो डोंगियों को खतरनाक तरीके से किनारे से सटा रही थी।
“इस पानी में आने से पहले,” विम्सी चिल्लाया, उसने अपनी एड़ी से अपराधियों को धक्का दिया और प्रभारी युवक (कमर तक नंगा और धूप से झींगा-गुलाबी रंग का) को घूरते हुए गुस्से से कहा, “नदी के नियम सीख लो। उन डोंगियों को रास्ता देने का अधिकार है। और अगर तुम इससे बेहतर तरीके से एक डंडा भी नहीं चला सकते, तो मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि तुम पीछे के शांत इलाके में जाकर तब तक वहीं रहो जब तक तुम्हें यह समझ न आ जाए कि भगवान ने तुम्हें पैर किसलिए दिए हैं।”

तभी एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने, जिसकी नाव थोड़ी दूर आगे बंधी हुई थी, अचानक अपना सिर घुमाया और ऊँची आवाज़ में चिल्लाया:
हे भगवान! बैलिओल का विम्सी!
“वाह वाह वाह,” महाराज ने गुलाबी रंग के युवक को वहीं छोड़कर नाव के किनारे खड़े होते हुए कहा। “हे भगवान, ब्रासेनोस की चोटी! यहाँ क्या कर रहे हो?”
“छोड़ो भी,” श्री पीक ने कहा, “मैं यहीं रहता हूँ। असल मुद्दा तो यह है कि तुम यहाँ क्यों आए हो। तुम मेरी पत्नी से नहीं मिले हो—लॉर्ड पीटर विम्सी, मेरे प्रिय—वह क्रिकेट ब्लू वाली, तुम्हें पता ही है। बाकी सब मेरा परिवार है।”
उसने अपने हाथ को अस्पष्ट रूप से अपने कई बच्चों के समूह की ओर घुमाया।
“ओह, मैंने सोचा कि मैं उस जगह के बारे में पता कर लूँ,” पीटर ने परिचय पूरा होने के बाद कहा। “मेरा एक भतीजा यहाँ रहता है। आप क्या कर रहे हैं? ट्यूटर? फेलो? लेक्चरर?”
“ओह, मैं लोगों को कोचिंग देता हूँ। कुत्तों की ज़िंदगी, कुत्तों की ज़िंदगी। हे भगवान! जब हम आखिरी बार मिले थे तब से कितना समय बीत चुका है। लेकिन मैं तुम्हारी आवाज़ कहीं भी पहचान लेता। जैसे ही मैंने तुम्हारी वो घमंडी, बेपरवाह और बेपरवाह आवाज़ सुनी, मैंने कहा, ‘बैलिओल का विम्सी।’ क्या मैं सही नहीं था?”
विम्सी ने खंभा उठाया और बैठ गया।
“दया करो, मेरे बेटे, दया करो! मरे हुओं को अपने मुर्दों को दफनाने दो।”
श्री पीक ने दुनिया से कहा, “आप जानते हैं, जब हम साथ थे—कितने लंबे समय पहले की बात है—छोड़िए! अगर किसी के घर कोई देहाती रिश्तेदार या अमेरिकी मेहमान आ जाता और पूछता, जैसा कि ये लोग अक्सर पूछते हैं, ‘यह ऑक्सफोर्ड मैनर क्या होता है?’ तो हम उन्हें घुमाने ले जाते और उन्हें बैलिओल के विम्सी से मिलवाते। वह सेंट जॉन गार्डन और शहीद स्मारक के बीच बड़ी आसानी से घुल-मिल जाते थे।”
लेकिन मान लीजिए कि वह वहां नहीं होता, या प्रदर्शन नहीं करता?
“वह विपत्ति कभी घटी ही नहीं। विम्सी ऑफ बैलिओल को मैदान के बीचोंबीच बैठा हुआ और किसी को बड़ी धृष्टता के साथ नियम बताते हुए देखना हमेशा संभव था।”
विम्सी ने अपना सिर अपने हाथों के बीच रख लिया।
श्री पीक ने आगे कहा, “हम शर्त लगाने के आदी थे कि बाद में वे उसके बारे में क्या कहेंगे। ऐसा लगता था कि प्रथम वर्ष के छात्रों की मानसिकता के लगातार संपर्क के कारण उनमें हास्य की एक स्नातक-शैली अभी भी बरकरार थी। अमेरिकी ज्यादातर

कहते थे, 'वाह, वह तो बिल्कुल सही अंग्रेज अभिजात वर्ग का आदमी है!' लेकिन उनमें से कुछ कहते थे, 'क्या उसे आंख में उस शीशे की ज़रूरत है या यह सिर्फ पोशाक का हिस्सा है?'"
मिस शूस्टर-स्लैट के बारे में सोचकर हैरियट हंस पड़ी।
"मेरी प्यारी—" श्रीमती पीक ने कहा, जो स्वभाव से दयालु प्रतीत होती थीं।
श्री पीक ने निर्दयता से कहा, "देहाती चचेरे भाई-बहन हमेशा अवाक रह जाते थे और उन्हें बुओल के यहाँ कॉफी और आइसक्रीम खिलाकर होश में लाना पड़ता था।"
"मेरी परवाह मत करो," पीटर ने कहा, जिसका चेहरा अदृश्य था, सिवाय उसके लाल कान के सिरे के।
"लेकिन तुम तो बहुत अच्छे लग रहे हो, विम्सी," श्री पीक ने दयालुता से कहा। "तुम्हारी कमर तो अभी भी पतली है। विकेटों के बीच दौड़ने के लिए अभी भी एकदम फिट हो। अब मैं किसी काम का नहीं, सिवाय पेरेंट्स मैच के, है ना, जिम? शादी का यही हाल होता है आदमी का—मोटा और आलसी बना देती है। लेकिन तुम बिल्कुल नहीं बदले। ज़रा सा भी नहीं। बाल-बाल भी नहीं। एकदम पहले जैसे। और नदी पर बैठे उन बदतमीज़ों के बारे में तो तुमने बिल्कुल सही कहा। मैं तंग आ चुका हूँ उनकी नावों से टकराने और उनके गंदे लाठियों से। उन्हें माफ़ी माँगने की भी अक्ल नहीं है। मुझे तो ये बहुत मज़ेदार लगता है। बेवकूफ लोग। और कानों में बजते ग्रामोफोन। और उन्हें देखो! बस उन्हें देखो! देखकर ही उल्टी आ जाती है। चिड़ियाघर के बंदरों के बाड़े की तरह!"
"महान, नग्न और प्राचीन?" हैरियट ने सुझाव दिया।
"मेरा मतलब वो नहीं है। मेरा मतलब पोल पर चढ़ने से है। उस लड़की को देखो—हाथ पकड़कर ऊपर जा रही है! और फिर ऐसे घूम रही है जैसे नाली साफ़ कर रही हो। अगर वो सावधान नहीं रही तो गिर ही जाएगी।"
विम्सी ने कहा, "उसने इसके लिए उपयुक्त कपड़े पहने हैं।"
श्री पीक ने गोपनीय लहजे में कहा, "मैं आपको बताता हूँ, यही इस पोशाक का असली कारण है। उन्हें उम्मीद है कि आप अंदर आ जाएँगे। आपकी फ्लैनल शर्ट पर सुंदर सिलवटें हों तो कोई बात नहीं, लेकिन अगर आप अंदर चले जाते हैं तो यह और भी मज़ेदार हो जाता है।"
"यह बात बिल्कुल सही है। खैर, हम नदी को रोक रहे हैं। हमें अब चलना चाहिए। अगर श्रीमती पीक इजाज़त देंगी तो मैं आपसे एक दिन ज़रूर मिलूंगा। अलविदा।"

दोनों नावें अलग हो गईं।
“अरे वाह! पुराने दोस्तों से मिलकर कितना अच्छा लगा। और यह बहुत ही लाभकारी भी है।” पीटर ने तब कहा जब वे एक-दूसरे की सुनने की सीमा से बाहर चले गए।
“हाँ; लेकिन क्या आपको यह निराशाजनक नहीं लगता जब वे वही मजाक दोहराते रहते हैं जो वे लगभग सौ साल पहले दोहराते थे?”
"बेहद निराशाजनक। इस जगह पर रहने का यही एक बड़ा नुकसान है। यह आपको जवान बनाए रखता है। ज़रूरत से ज़्यादा जवान।"
"यह तो काफी दयनीय है, है ना?"
नदी यहाँ चौड़ी थी, और जवाब में उसने अपने घुटने मोड़कर नाव को चलाया, जिससे नाव झुक गई और पानी नाव के नीचे से खिलखिलाते हुए बहने लगा। "अगर तुम्हें मौका मिले, तो क्या तुम अपनी जवानी वापस पाना चाहोगी, हैरियट?"
"दुनिया के लिए भी नहीं।"
“न ही मैं। आप मुझे जो कुछ भी दे दें, उसके बदले में भी नहीं। शायद यह अतिशयोक्ति हो। एक बात जो आप मुझे दे दें, उसके बदले में मैं अपने जीवन के बीस साल वापस मांग सकता हूँ। लेकिन वही बीस साल नहीं। और अगर मैं अपने बीसवें दशक में वापस चला जाऊं, तो मैं वही चीज़ नहीं चाहूँगा।”
"आपको इस बात का इतना यकीन कैसे है?" हैरियट ने कहा, अचानक उसे मिस्टर पोम्फ्रे और प्रॉक्टर समर्थक की याद आ गई।
“अपनी ही मूर्खताओं की स्पष्ट याद... हैरियट! क्या तुम मुझे यह बताने जा रही हो कि बीस साल के सभी युवक मूर्ख नहीं होते?” वह डंडे को घसीटते हुए खड़ा था और उसे नीचे देख रहा था; उसकी उठी हुई भौहें उसके चेहरे को एक व्यंग्यचित्र जैसा रूप दे रही थीं।
“वाह, वाह, वाह... वैसे, मुझे उम्मीद है कि यह सेंट-जॉर्ज नहीं है। यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घरेलू समस्या होगी।”
नहीं, सेंट-जॉर्ज नहीं।
मुझे ऐसा नहीं लगा था; उसकी मूर्खताएँ इतनी भोली नहीं हैं। लेकिन कोई तो है। खैर, मैं घबराने से इनकार करता हूँ, क्योंकि आपने उसे उसके काम पर भेज दिया है।
मुझे आपके निष्कर्ष निकालने की तीव्र गति पसंद है।
“आप तो बेहद ईमानदार हैं। अगर आपने कुछ बड़ा कदम उठाया होता तो मुझे अपने पत्र में जरूर बताया होता। आप कहते, ‘प्रिय पीटर, मुझे आपके सामने एक मामला

रखना है; लेकिन इससे पहले मैं आपको यह बताना उचित समझती हूं कि मेरी सगाई जीसस के मिस्टर जोन्स से हो चुकी है।' क्या आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था?"
"शायद। क्या आपको फिर भी इस मामले की जांच करनी चाहिए थी?"
“क्यों नहीं? मामला तो मामला होता है। पुरानी नदी की तलहटी कैसी है?”
"गलती। आपके द्वारा किए गए प्रत्येक शॉट के लिए आपको दो शॉट की कटौती की जाएगी।"
“तो हम न्यू कट पर ही कायम रहेंगे। खैर, जीसस स्कूल के श्री जोन्स के प्रति मेरी हार्दिक सहानुभूति है। मुझे उम्मीद है कि उनकी परेशानियां उनकी कक्षा को प्रभावित नहीं करेंगी।”
वह अभी केवल दूसरे वर्ष में है।
"तब तक उसके पास इससे उबरने का समय होगा। मैं उससे मिलना चाहूंगा। वह शायद दुनिया में मेरा सबसे अच्छा दोस्त है।"
हैरियट ने कुछ नहीं कहा। पीटर की बुद्धिमत्ता हमेशा उसकी धीमी बुद्धि को मात दे सकती थी। यह सच था कि रेगी पोम्फ्रे के सहज स्नेह ने किसी तरह यह मानना आसान बना दिया था कि पीटर की भावनाएँ शायद किसी कलाकार की अपनी उपलब्धि के प्रति कोमलता से कहीं अधिक थीं। लेकिन पीटर का इतनी जल्दी इस निष्कर्ष पर पहुँच जाना अशोभनीय था। उसे इस बात से चिढ़ थी कि वह उसके मन में ऐसे आता-जाता था मानो वह उसका अपना फ्लैट हो।
“हे भगवान!” पीटर अचानक बोला। उसने घबराकर गहरे हरे पानी में झाँका। तेल के बुलबुलों की एक कतार धीरे-धीरे सतह पर तैर रही थी, जिससे पता चल रहा था कि डंडा कीचड़ के एक हिस्से से टकराया था; और उसी क्षण उनकी नाक में सड़न की घिनौनी बदबू घुस गई।
"क्या बात क्या बात?"
“मुझे कोई भयानक चीज़ मिल गई है। क्या तुम्हें उसकी गंध नहीं आ रही? जिस तरह लाशें मेरा पीछा कर रही हैं, वह शर्मनाक है। सच में, हैरियट...”
"मेरे प्यारे मूर्ख, यह तो सिर्फ कॉर्पोरेशन का कचरा डंप है।"
उसकी नजर उसके इशारे पर बने हाथ का पीछा करते हुए दूर किनारे पर गई, जहां मक्खियों का एक झुंड सड़न के एक भयानक ढेर के चारों ओर चक्कर लगा रहा था।
“अरे बाप रे! ये लोग ऐसा करके क्या मतलब निकालते हैं?” उसने अपना गीला हाथ माथे पर फेरा। “एक पल के लिए तो मुझे लगा जैसे मेरी मुलाकात मिस्टर जोन्स से हो

गई हो। मुझे पछतावा होने लगा था कि मैंने उस बेचारे के बारे में इतनी हल्के-फुल्के अंदाज़ में बात क्यों की। चलो! यहाँ से निकल चलते हैं!" उसने नाव को ज़ोर से आगे बढ़ाया।

"मेरे लिए तो यह आईएसआईएस है। इस नदी पर अब कोई रोमांस नहीं बचा है।"

## अध्याय 15

ज़रा सोचिए, नींद कितनी अनमोल चीज़ है: यह इतना अनमोल रत्न है कि अगर कोई अत्याचारी भी एक घंटे की नींद के लिए अपना ताज दे दे, तो भी इसे खरीदा नहीं जा सकता। इसका स्वरूप इतना सुंदर है कि अगर कोई पुरुष किसी महारानी के साथ भी लेटा हो, तो भी उसका दिल तब तक शांत नहीं होता जब तक वह उसके आलिंगन को छोड़कर दूसरे के साथ आराम न कर ले। जी हाँ, हम मृत्यु के इस सगे साथी के इतने ऋणी हैं कि हम अपने जीवन का आधा हिस्सा उसे समर्पित करते हैं। और ऐसा करने का एक ठोस कारण भी है: क्योंकि नींद वह सुनहरी कड़ी है जो हमारे स्वास्थ्य और शरीर को एक साथ बांधती है। सोते समय कौन अभाव, घावों, चिंताओं, बड़े लोगों के अत्याचारों या कैद की शिकायत करता है? भिखारी भी अपने बिस्तरों में उतना ही आनंद लेते हैं जितना राजा: तो क्या हम इस नाजुक अमृत का अत्यधिक सेवन कर सकते हैं? क्या हम उस चीज़ का अत्यधिक सेवन कर सकते हैं जिसका थोड़ा सा भी स्वाद हमें कब्रिस्तान में धकेल देता है, और जिसका लापरवाही से उपयोग हमें पागलखाने में डाल देता है? नहीं, नहीं, एंडिमियन को देखो, जो चंद्रमा का सेवक है, जिसने सत्तर वर्ष की नींद ली और उसे जरा भी नुकसान नहीं हुआ।

—थॉमस डेकर

"चाय की टोकरी आपको नाव के अगले हिस्से में, आपके पीछे मिलेगी," विम्सी ने कहा। वे आइसिस नदी के बाएँ किनारे से थोड़ा नीचे, एक झुके हुए विलो पेड़ की छनती हुई छाया के नीचे रुके थे। यहाँ भीड़ कम थी, और जो भी थी वो दूर से दिखाई दे रही थी। अगर कहीं और नहीं तो शायद यहीं उन्हें थोड़ी शांति की उम्मीद थी। इसलिए, हैरियट, जिसके हाथ में अभी भी थर्मस था, भारी भरकम नाव को पास आते देख सामान्य से कहीं अधिक चिढ़ गई।

"मिस शूस्टर-स्लैट और उनके साथी। हे भगवान! और वो कहती हैं कि वो आपको जानती हैं।"

नाव के दोनों सिरों पर खंभे मजबूती से गाड़ दिए गए थे; बचना नामुमकिन था। अमेरिकी टुकड़ी उनके आगे बढ़ती जा रही थी। वे उनके बगल में आ गए। मिस शूस्टर-स्लैट उत्तेजित होकर चिल्ला रही थीं। अब हैरियट की बारी थी अपने दोस्तों के लिए शरमाने की। अविश्वसनीय संकोच के साथ मिस शूस्टर-स्लैट ने अपने दखल के लिए माफी मांगी, परिचय कराया, उन्हें यकीन था कि वे बुरी तरह से बाधा बन रहे हैं, लॉर्ड पीटर को अपनी पिछली मुलाकात याद दिलाई, यह माना कि वह इतने खुश थे कि उनसे बात करना नहीं चाहते थे, फिट्स के प्रसार के बारे में उन्होंने उत्साह से अपनी बात रखी, फिर से अपनी बेअदबी की ओर ध्यान दिलाया, लॉर्ड पीटर को बताया कि हैरियट एक प्यारी और बेहद हमदर्द इंसान हैं, और उन सभी को अपनी नई प्रश्नावली की एक-एक प्रति दी। विम्सी ने शांत भाव से सुना और जवाब दिया, जबकि हैरियट, यह सोचते हुए कि काश आइसिस नदी में बाढ़ आ जाए और वे सब डूब जाएं, उनके संयम से ईर्ष्या कर रही थीं। जब अंततः मिस शूस्टर-स्लैट अपने और अपने साथियों के साथ वहां से चली गईं, तो उस कपटी पानी ने दूर से उनकी तीखी आवाज को वापस लौटा दिया:

“वाह, लड़कियों! क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि वह बिल्कुल आदर्श अंग्रेज़ कुलीन व्यक्ति था?”

इसी समय, काफी आजमाए हुए विम्सी चाय के कपों के बीच लेट गए और बेकाबू हो गए।

"पीटर," हैरियट ने मुर्गे की तरह बांग देने के बाद कहा, "तुम्हारा अदम्य मधुर स्वभाव बहुत शर्मनाक है। मुझे उस भोली-भाली औरत पर गुस्सा आ जाता है। थोड़ी और चाय पी लो।"

“मुझे लगता है,” उनके लॉर्ड ने उदास स्वर में कहा, “मुझे आदर्श अंग्रेज़ अभिजात बनने का सपना छोड़कर आखिरकार एक महान जासूस बन जाना चाहिए। लगता है किस्मत मेरे एक दिन के प्रेम प्रसंग को एक हास्यास्पद तमाशा बना रही है। अगर यही मामला है, तो मुझे बता दीजिए। देखते हैं,” उन्होंने हल्की सी हंसी के साथ कहा, “कि जब आप अकेले रह जाते हैं तो आप किस तरह के जासूस बनते हैं।”

हैरियट ने उसे कागज़ों वाली किताब और विभिन्न गुमनाम दस्तावेज़ों से भरा एक लिफाफा दिया, जिन पर जहाँ तक संभव हो प्रकाशन की तिथि और प्रकाशन का तरीका अंकित था। उसने पहले सभी दस्तावेज़ों को अलग-अलग और ध्यानपूर्वक देखा, बिना आश्चर्य, घृणा या किसी अन्य भावना को प्रकट किए, केवल ध्यानमग्न रुचि

के साथ। फिर उसने उन सभी को वापस लिफाफे में रख दिया, एक पाइप भरा और जलाया, तकियों के बीच आराम से बैठ गया और अपना पूरा ध्यान हैरियट की पांडुलिपि पर केंद्रित कर दिया। वह धीरे-धीरे पढ़ता रहा, बीच-बीच में तिथि या विवरण की पुष्टि करने के लिए पृष्ठ पलटता रहा। पहले कुछ पन्नों के अंत में उसने ऊपर देखकर टिप्पणी की:

जासूसी उपन्यास लिखने के बारे में मैं एक बात कहूंगा: आपको अपनी कहानी को एक साथ जोड़ना आना चाहिए; सबूतों को व्यवस्थित करना आना चाहिए।

“धन्यवाद,” हैरियट ने रूखेपन से कहा; “सर ह्यूबर्ट से प्रशंसा मिलना वाकई प्रशंसा के समान है।” वह आगे पढ़ता रहा।

उनकी अगली टिप्पणी यह थी:

"मुझे लगता है कि आपने एक बंद दरवाजे के दम पर स्काउट विंग के सभी नौकरों को हटा दिया है।"

“मैं इतना भोला नहीं हूँ। जब आप चैपल वाले प्रकरण पर आएंगे, तो आपको पता चलेगा कि यह उन सभी को एक अलग कारण से खारिज कर देता है।”

"मुझे क्षमा करें; मैं आंकड़ों से पहले सिद्धांत बनाने की घातक गलती कर रहा था।"

फटकार स्वीकार करते हुए वह फिर से चुप हो गया, जबकि वह उसके आधे झुके हुए चेहरे को निहार रही थी। सामान्य तौर पर, एक दिखावटी चेहरे के रूप में देखा जाए तो, यह अब तक उसके लिए काफी परिचित हो चुका था, लेकिन अब उसे कुछ बारीकियाँ दिखाई दे रही थीं, मानो उसके मन में किसी शीशे से बड़ी करके दिखाई दे रही हों। कान की सपाट बनावट और बारीक नक्काशी, और उसके ऊपर खोपड़ी की ऊँचाई। गर्दन की मांसपेशियों के सिर से जुड़ने वाले हिस्से में छोटे-छोटे बालों की चमक। बाईं कनपटी पर एक छोटा सा हंसिया के आकार का निशान। आँख के कोने पर हल्की हँसी की रेखाएँ और पलक का बाहरी छोर पर झुकाव। गाल की हड्डी पर सोने जैसी चमक। नथुने का चौड़ा उभार। ऊपरी होंठ पर पसीने की लगभग न के बराबर बूँदें और मुँह के संवेदनशील कोने को फड़कने वाली एक छोटी सी मांसपेशी, गोरी त्वचा का हल्का सा धूप से लाल होना और गले के नीचे अचानक सफेदी आना। कॉलरबोन के ऊपर छोटा सा गड्ढा।

उसने ऊपर देखा; और वह पल भर में लाल हो गई, मानो उसे उबलते पानी में डुबो दिया गया हो। उसकी धुंधली आँखों और बजते कानों के बीच, मानो कोई विशालकाय

आकृति उस पर झुकी हुई हो। फिर धुंध छट गई। उसकी निगाहें फिर से पांडुलिपि पर टिक गईं, लेकिन उसकी साँसें ऐसी चल रही थीं मानो वह दौड़ रहा हो।
तो, हैरियट ने सोचा, ऐसा हो चुका है। लेकिन यह बहुत पहले हुआ था। नई बात सिर्फ यह है कि अब मुझे इसे खुद स्वीकार करना होगा। मुझे यह कुछ समय से पता था। लेकिन क्या उसे पता है? इसके बाद, उसके पास इसे न जानने का कोई बहाना नहीं है। जाहिर तौर पर वह इसे देखने से इनकार कर रहा है, और यह शायद नई बात है। अगर ऐसा है, तो जो मैं करना चाहती थी, उसे करना आसान होना चाहिए।
वह दृढ़ता से लहरों वाले पानी के पार देखती रही। लेकिन उसे उसकी हर हरकत, उसके द्वारा पलटे गए हर पन्ने, उसकी हर साँस का एहसास था। मानो उसे उसके शरीर की हर हड्डी का अलग से एहसास हो रहा हो। आखिरकार उसने बोलना शुरू किया, और उसे आश्चर्य हुआ कि वह किसी दूसरे आदमी की आवाज़ को उसकी आवाज़ कैसे समझ बैठी।
"खैर, हैरियट, यह कोई अच्छी समस्या नहीं है।"
“ऐसा नहीं है। और यह बिल्कुल भी जारी नहीं रहना चाहिए, पीटर। हम और लोगों को डर के मारे नदी में जाने नहीं दे सकते। प्रचार हो या न हो, इसे रोकना ही होगा। अन्यथा, भले ही किसी और को चोट न लगे, हम सब पागल हो जाएंगे।”
"यही तो असली समस्या है।"
"पीटर, मुझे बताओ कि हमें क्या करना है।"
वह एक बार फिर उसके प्रति पूरी तरह से सचेत नहीं हो पाई थी, सिवाय उस परिचित बुद्धि के रूप में जो विचित्र रूप से मनोरंजक चेहरे के पीछे इतनी उत्सुकता से रहती और चलती थी।
“ठीक है—दो संभावनाएं हैं। आप हर जगह जासूस तैनात कर सकते हैं और अगले प्रकोप के होने पर इस व्यक्ति पर झपटने का इंतजार कर सकते हैं।”
लेकिन आपको नहीं पता कि यहाँ पुलिसिंग करना कितना मुश्किल है। और प्रकोप का इंतज़ार करना कितना भयावह है। और मान लीजिए कि हम उसे पकड़ नहीं पाए और कुछ भयानक हो गया।
मैं सहमत हूँ, दूसरा और मुझे लगता है कि बेहतर तरीका यह है कि हम इस पागल को चुप कराने के लिए हर संभव प्रयास करें, ताकि हम इस पूरे मामले के पीछे के मकसद का पता लगा सकें। मुझे यकीन है कि यह महज़ अंधाधुंध द्वेष नहीं है; इसके पीछे कोई न कोई रणनीति ज़रूर है।

"क्या मकसद बेहद स्पष्ट नहीं है?"
उसने चिंतनशील भाव से उसकी ओर देखा और फिर कहा:
“आप मुझे एक प्यारे से पुराने शिक्षक की याद दिलाते हैं, जिनका अब निधन हो चुका है। उनका शोध विषय इंग्लैंड में पोपशाही और चर्च के बीच के संबंधों पर केंद्रित था, उन कुछ निश्चित तिथियों के बीच जिन्हें मैं ठीक से याद नहीं कर पा रहा हूँ। एक समय इतिहास विद्यालय में इसी विषय पर एक विशेष पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया था, और उस विषय को पढ़ने वाले स्नातक छात्रों को स्वाभाविक रूप से उस पूर्व शिक्षक के पास कोचिंग के लिए भेजा जाता था और वे उसमें बहुत अच्छा प्रदर्शन करते थे। लेकिन यह देखा गया कि उनके अपने कॉलेज से कोई भी छात्र उस विशेष पाठ्यक्रम में दाखिला नहीं लेता था—इसका कारण यह था कि शिक्षक की ईमानदारी इतनी प्रबल थी कि वे अपने छात्रों को अपने ही विषय को लेने से सख्ती से मना करते थे, इस डर से कि कहीं उनकी प्रोत्साहन देने से उनके निर्णय पर असर न पड़े।”
“कितने आकर्षक बुजुर्ग सज्जन हैं! तुलना से मैं प्रसन्न हूं, लेकिन मुझे इसका कोई मतलब समझ नहीं आता।”
“क्या ऐसा नहीं है? क्या यह सच नहीं है कि ब्रह्मचर्य का लगभग निश्चय कर लेने के बाद आप मठ में बेवजह के रिश्तों को बढ़ा रहे हैं? अगर आप व्यक्तिगत संबंधों के बिना रहना चाहते हैं, तो रहिए। यह सोचकर खुद को उनमें मत घसीटिए कि आपको रिश्ते रखने ही हैं या फ्रायडियन केसबुक में शामिल होने के योग्य हैं।”
“हम मेरी और मेरी भावनाओं की बात नहीं कर रहे हैं। हम कॉलेज में हुए इस घिनौने मामले की बात कर रहे हैं।”
लेकिन आप अपनी भावनाओं को इससे अलग नहीं रख सकते। यह कहना बेकार है कि इन सभी घटनाओं की जड़ में यौन संबंध है—यह कहना उतना ही मददगार है जितना यह कहना कि मानव स्वभाव इसकी जड़ में है। यौन संबंध कोई अलग चीज नहीं है जो अपने आप काम करती हो। यह आमतौर पर किसी न किसी रूप में किसी व्यक्ति से जुड़ा होता है।
"यह तो काफी स्पष्ट है।"
चलिए, सबसे पहले स्पष्ट बातों पर गौर करते हैं। इन निकम्मे मनोवैज्ञानिकों का सबसे बड़ा गुनाह यही है कि उन्होंने स्पष्ट बातों को छिपा दिया है। ये उस आदमी की तरह हैं जो सप्ताहांत के लिए पैकिंग कर रहा है और अपने दराजों और अलमारियों से सब कुछ उलट-पुलट कर रहा है, यहाँ तक कि उसे अपने पायजामे और टूथब्रश भी नहीं

मिल रहे। शुरुआत में कुछ स्पष्ट बिंदुओं पर ही गौर कीजिए। आप और मिस डी वाइन पहली बार श्रूस्बरी में गौडी में मिले थे, और पहला पत्र उसी समय आपकी आस्तीन में डाला गया था; जिन लोगों पर हमला किया गया है, वे लगभग सभी प्रोफेसर या विद्वान हैं; युवा पोम्फ्रे के साथ आपकी चाय पार्टी के कुछ दिनों बाद, ज्यूक्स जेल चला जाता है; डाक से प्राप्त सभी पत्र या तो सोमवार या गुरुवार को आते हैं; हार्पी के उद्धरण को छोड़कर सभी संदेश अंग्रेजी में हैं; पुतले पर मिली पोशाक कॉलेज में कभी नहीं देखी गई थी: क्या इन सभी तथ्यों को एक साथ देखने पर आपको यौन दमन की सामान्य धारणा के अलावा कुछ और समझ नहीं आता?
"वे अलग-अलग रूप से कई बातें बताते हैं, लेकिन मैं उन्हें एक साथ मिलाकर कुछ भी नहीं समझ सकता।"
“आप आमतौर पर संश्लेषण में इससे कहीं बेहतर हैं। काश आप अपने मन से इस व्यक्तिगत चिंता को दूर कर पाते। प्रिय, आपको किस बात का डर है? ब्रह्मचर्य जीवन के दो सबसे बड़े खतरे हैं: एक मजबूरी में लिया गया निर्णय और एक खाली मन। शून्य में ऊर्जाओं का टकराव भ्रम पैदा करता है। लेकिन आपको कोई खतरा नहीं है। यदि आप शाश्वत शांति पाना चाहते हैं, तो यह आपको हृदय के जीवन की तुलना में मन के जीवन में कहीं अधिक आसानी से मिल जाएगी।”
"आप यह कहते हैं?"
“मैं यही कहता हूँ। हम आपकी ज़रूरतों का ध्यान रख रहे हैं, किसी और की नहीं। एक ईमानदार विद्वान के तौर पर, इस प्रश्न को अकादमिक दृष्टिकोण से और इसके गुणों के आधार पर देखते हुए, मेरी यही राय है।”
उसे फिर से वही एहसास हुआ कि उसे मात दे दी गई है। उसने चर्चा के मुख्य विषय को फिर से समझने की कोशिश की:
"तो क्या आपको लगता है कि हम मानसिक विशेषज्ञ को बुलाए बिना, सीधे निदान करके समस्या का समाधान कर सकते हैं?"
मुझे लगता है कि इसे थोड़ी सीधी और निष्पक्ष तर्कशक्ति से हल किया जा सकता है।
“पीटर। मैं बहुत मूर्खतापूर्ण व्यवहार कर रहा हूँ। लेकिन मैं लोगों और भावनाओं से दूर होकर बौद्धिक पक्ष की ओर लौटना चाहता हूँ, क्योंकि यही जीवन का एकमात्र ऐसा पक्ष है जिसके साथ मैंने विश्वासघात नहीं किया है और जिसे मैंने बर्बाद नहीं किया है।”
“मुझे पता है,” उसने नरमी से कहा। “और यह सोचकर दुख होता है कि यह बदले में तुम्हें धोखा दे सकता है। लेकिन तुम्हें ऐसा क्यों सोचना चाहिए? भले ही बहुत ज्ञान

किसी एक को पागल कर दे, इसका मतलब यह नहीं कि हर कोई पागल हो जाए। ये सभी औरतें तुम्हें असामान्य लगने लगी हैं क्योंकि तुम्हें समझ नहीं आ रहा कि किस पर शक करो, लेकिन असल में, तुम भी एक से ज़्यादा पर शक नहीं करते।"
"नहीं; लेकिन मुझे अब ऐसा लगने लगा है कि उनमें से लगभग कोई भी ऐसा करने में सक्षम हो सकता है।"
"मुझे लगता है कि यहीं पर आपके डर आपके फैसले को बिगाड़ रहे हैं। अगर हर निराश व्यक्ति सीधे पागलखाने की ओर जा रहा है, तो मैं कम से कम एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जो समाज के लिए खतरा है और जिसे बंद कर देना चाहिए।"
"पीटर, तुम पर लानत है। मुद्दे पर बने रहो!"
मतलब: हमें क्या कदम उठाने चाहिए? क्या आप मुझे इस पर विचार करने के लिए आज रात का समय देंगे? यदि आप मुझ पर भरोसा करेंगे, तो मुझे लगता है कि मुझे एक या दो ऐसे रास्ते दिख रहे हैं जिन पर आगे चलकर लाभ हो सकता है।
मैं किसी और के मुकाबले आप पर ज्यादा भरोसा करना पसंद करूंगा।
"धन्यवाद, हैरियट। क्या अब हम अपनी अधूरी छुट्टी फिर से शुरू करें? ओह, मेरी खोई हुई जवानी! देखो, बत्तखें हमारे सैंडविच के बचे हुए टुकड़ों के लिए आ रही हैं। तेईस साल पहले मैंने इन्हीं बत्तखों को इन्हीं सैंडविच खिलाए थे।"
"दस साल पहले, मैं भी उन्हें पेट भर खाना खिलाता था।"
"और दस और बीस साल बाद वही बत्तखें और वही स्नातक छात्र उसी रस्म के अनुसार भोज में शामिल होंगे, और बत्तखें स्नातक छात्रों की उंगलियों को वैसे ही काटेंगी जैसे उन्होंने अभी मेरी उंगलियों को काटा है। बत्तखों की विशाल निरंतरता के सामने सभी मानवीय भावनाएँ कितनी क्षणभंगुर हैं.... चलो, बत्तखों! बस इतना ही।"
उसने रोटी के आखिरी टुकड़े पानी में फेंक दिए, कुशनों के बीच लुढ़क गया और आधी बंद आँखों से लहरों को देखता हुआ लेट गया... एक छोटी नाव गुज़री, जो धूप से बेसुध चुपचाप लोगों से भरी थी, पानी में डंडा डालते और निकालते समय बारी-बारी से छप-छप और झनझनाहट की आवाज़ आ रही थी; फिर एक शोरगुल भरा समूह ग्रामोफोन पर "लव इन ब्लूम" बजा रहा था; फिर चश्मा पहने एक युवक अकेले डोंगी में था और जान बचाने के लिए जैसे चप्पू चला रहा था; फिर एक और डोंगी, जिसे एक फुसफुसाते हुए लड़के और लड़की धीमी गति से चला रहे थे; फिर एक जोशीली और ऊर्जावान लड़कियों का समूह एक छोटी डोंगी में था; फिर एक और डोंगी, जिसे काम में लगे दो कनाडाई स्नातक तेज़ी से चला रहे थे; फिर एक बहुत छोटी डोंगी, जिसे

स्विमिंग ड्रेस पहने एक हँसती हुई लड़की खतरनाक तरीके से चला रही थी, और डोंगी के आगे के हिस्से में एक चिढ़ाने वाला युवक बैठा था, जो वेशभूषा में था और स्पष्ट रूप से डूबने के लिए तैयार था; फिर एक शांत और पूरी तरह से कपड़े पहने हुए लोगों का समूह एक छोटी नाव में था—जिनमें स्नातक छात्र भी शामिल थे और वे एक महिला प्रोफेसर के प्रति विनम्रता दिखा रहे थे; फिर एक छोटी नाव में सभी लिंगों और उम्र के लोगों का एक समूह था, जिसमें एक और ग्रामोफोन पर "लव इन ब्लूम" बज रहा था—पूरा शहर मौज-मस्ती कर रहा था; फिर तीखी चीखों की एक श्रृंखला सुनाई दी, जिसने एक नौसिखिए को नाव चलाना सिखा रहे एक मज़ेदार समूह के आगमन की घोषणा की; फिर, हास्यास्पद रूप से विपरीत, नीले सूट और लिनेन की टोपी पहने एक बहुत मोटा आदमी, दो जोड़ी चप्पू वाली नाव में अकेले ही गंभीरता से खुद को चला रहा था, और एक पतला, बनियान पहने युवक दो चप्पू वाली छोटी नाव में तिरस्कारपूर्वक उसके पास से गुजर रहा था; फिर तीन नावें अगल-बगल थीं, जिनमें पतवार और चप्पू चलाने वालों को छोड़कर बाकी सभी सोए हुए प्रतीत हो रहे थे। इनमें से एक नाव हैरियट के बिल्कुल पास से गुजरी: एक बिखरे बालों वाला, थोड़ा तोंद निकला हुआ युवक अपने घुटने ऊपर उठाए, मुंह थोड़ा खुला और गर्मी से चेहरा लाल किए लेटा हुआ था; एक लड़की उसके कंधे से सटकर लेटी थी, जबकि सामने बैठा आदमी, जिसने टोपी अपने चेहरे पर रखी हुई थी और हाथ सीने पर बांध रखे थे, अंगूठे अपने ब्रेसेस के नीचे दबाए हुए, बाहरी दुनिया में अपनी सारी दिलचस्पी खो चुका था। चौथी यात्री, एक महिला, चॉकलेट खा रही थी। उस यात्री ने सिकुड़ी हुई सूती फ्रॉक पहनी हुई थी और उसके पैर नंगे थे, जिन पर काफी खरोंचें थीं। हैरियट को गर्मी के दिनों में किसी भ्रमण ट्रेन के तीसरे दर्जे के डिब्बे की याद आ गई; सार्वजनिक स्थान पर सोना घातक था; और उस मोटे पेट वाले युवक पर कुछ फेंकने का कितना मन कर रहा था। उसी क्षण, चॉकलेट खाने वाली ने अपनी बची हुई लॉलीपॉप को बैग में कसकर बंद किया और उसे उस मोटे पेट वाले युवक पर फेंक दिया। वह उसके पेट के बीचोंबीच लगी और वह जोर से खर्राटे लेते हुए जाग गया। हैरियट ने अपने सिगरेट के डिब्बे से एक सिगरेट निकाली और अपने साथी से माचिस मांगने के लिए मुड़ी। वह सो रहा था।

यह एक शांत और खामोश नींद थी; सोने की मुद्रा को आधा हेजहॉग कहा जा सकता है, और इससे मुंह या पेट पर किसी तरह के हमले का कोई खतरा नहीं था। लेकिन वह निश्चित रूप से सो रहा था। और यहाँ मिस हैरियट वेन थीं, जो अचानक सहानुभूति से भर उठी थीं, उन्हें जगाने के डर से हिलने से भी डर रही थीं और उन मूर्खों के झुंड के

आने से बुरी तरह नाराज़ थीं जिनका ग्रामोफोन (बदलाव के लिए) "लव इन ब्लूम" बजा रहा था।

कवि कहता है, “मृत्यु कितनी अद्‌भुत है, मृत्यु और उसका भाई नींद!” और यह पूछने के बाद कि क्या इयान्थे फिर से जागेगी और यह आश्वासन मिलने पर कि वह जागेगी, वह इयान्थे की नींद के बारे में कई सुंदर विचार बुनने लगता है। इससे हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वह (हेनरी की तरह, जो चुपचाप उसके पलंग के पास बैठा था) इयान्थे के प्रति कोमल भावना रखता था। क्योंकि किसी दूसरे व्यक्ति की नींद हमारी भावनाओं की असली परीक्षा होती है। जब तक हम बर्बर न हों, हम मृत्यु के प्रति दयालुता से पेश आते हैं, चाहे वह मित्र की हो या शत्रु की। यह हमें क्रोधित नहीं करती; यह हमें उस पर कुछ फेंकने के लिए उकसाती नहीं; हमें यह हास्यास्पद नहीं लगती। मृत्यु परम कमजोरी है, और हम उसका अपमान करने का साहस नहीं करते। लेकिन नींद केवल कमजोरी का भ्रम है और जब तक यह हमारी सुरक्षात्मक प्रवृत्ति को आकर्षित नहीं करती, तब तक यह हमारे भीतर एक क्रूर, धमकाने वाली भावना को जगा सकती है। अपनी सचेत श्रेष्ठता की ऊँचाई से हम सोते हुए व्यक्ति को नीचा देखते हैं, इस प्रकार उसकी सारी कमजोरियों को उजागर करते हैं, और उसकी शक्ल-सूरत, उसके तौर-तरीकों और (यदि अवसर सार्वजनिक हो) उस स्थिति की बेतुकीपन पर उपहासपूर्ण टिप्पणी करते हैं जिसमें उसने अपने साथी को रखा है, यदि कोई है, और विशेष रूप से यदि हम वह साथी हैं।

इस तरह बहला-फुसलाकर सोए हुए एंडिमियन के सामने फीबी की भूमिका निभाने को मजबूर हुई हैरियट को खुद का जायज़ा लेने का भरपूर मौका मिला। काफी सोच-विचार के बाद उसने फैसला किया कि उसे सबसे ज़्यादा माचिस की डिब्बी की ज़रूरत है। पीटर ने अपनी पाइप जलाने के लिए माचिस का इस्तेमाल किया था: वो कहाँ गईं? धिक्कार है उसे! वो तो पूरे कपड़ों पर ही सो गया था! लेकिन उसका ब्लेज़र तकियों पर उसके बगल में ही था; क्या किसी ने कभी किसी आदमी को अपनी जेब में सिर्फ एक माचिस की डिब्बी रखते देखा है?

ब्लेज़र पर कब्ज़ा करना बड़ा मुश्किल काम था, क्योंकि हर हरकत पर नाव हिलती थी और उसे कपड़े को उसके घुटनों के ऊपर उठाना पड़ता था; लेकिन वह गहरी नींद में था, शारीरिक थकान से बेहाल, और वह उसे जगाए बिना विजयी भाव से वापस लौट आई। अजीब से अपराधबोध के साथ उसने उसकी जेबें खंगालीं, जिसमें उसे माचिस की तीन डिब्बी, एक किताब और एक कॉर्कस्क्रू मिला। तंबाकू और साहित्य से किसी

भी स्थिति का सामना किया जा सकता था, बशर्ते कि किताब किसी अनजान भाषा में न लिखी हो। किताब की जिल्द पर कोई शीर्षक नहीं था, और जैसे ही उसने घिसे हुए चमड़े के कवर को पलटा, सबसे पहले उसे उत्कीर्ण पुस्तक-प्लेट दिखाई दी, जिस पर हथियारों का प्रतीक चिन्ह बना हुआ था: काले मैदान पर तीन चांदी के चूहे और हेलमेट-पुष्प पर धमकी भरे अंदाज़ में बैठी "पालतू बिल्ली"। दो सशस्त्र सारसेन ढाल को सहारा दे रहे थे, जिसके नीचे व्यंग्यात्मक और घमंडी आदर्श वाक्य लिखा था: "जैसा मेरा मन करे।" उसने शीर्षक पृष्ठ खोला। रेलिजियो मेडिसी। वाह!... वाह? क्या यह इतना अप्रत्याशित था?

वह इसे अपने साथ क्यों रखता था? क्या वह जासूसी और कूटनीति के खाली समय में रेशम के कीड़ों के "अजीबोगरीब और रहस्यमय" पुनर्जन्म और "रूपांतरित प्राणियों के करतब" पर चिंतन करता था? या इस बात पर विचार करता था कि "हम व्यर्थ ही बंदूकों के प्रकोप और मृत्यु के नए आविष्कारों को दोष देते हैं"? "निश्चित रूप से इस शरीर के घेरे में कोई सुख नहीं है; न ही इन आँखों की दृष्टि में सुख देखना संभव है। हमारे जयंती का पहला दिन मृत्यु है।" वह यह सोचना भी नहीं चाहती थी कि वह इसका कोई व्यक्तिगत उपयोग कर सकता है; वह उसे सुरक्षित और सुखी देखना चाहती थी ताकि वह उसकी खुशहाल सुरक्षा से ईर्ष्या कर सके। उसने पन्ने जल्दी-जल्दी पलटे। "जब मैं उससे दूर होती हूँ, तो मैं तब तक मृत होती हूँ जब तक मैं उसके साथ नहीं होती। एक आत्माएँ आलिंगन से संतुष्ट नहीं होतीं, बल्कि एक-दूसरे के सच्चे स्वरूप में होना चाहती हैं; जो असंभव होने के कारण, ये इच्छाएँ अनंत होती हैं, और संतुष्टि की कोई संभावना नहीं होती।" यह एक बेहद असहज अंश था, चाहे आप इसे किसी भी तरह से देखें। वह पहले पृष्ठ पर वापस लौटी और व्याकरण और शैली पर आलोचनात्मक ध्यान देते हुए लगातार पढ़ने लगी, ताकि वह अपने दिमाग के ऊपरी हिस्से को व्यस्त रख सके और सतह के नीचे क्या चल रहा है, उसमें बहुत गहराई से न उलझे।

सूरज ढल रहा था और पानी पर परछाइयाँ लंबी होती जा रही थीं। नदी पर अब नावें कम थीं; चाय पीने वाले लोग रात के खाने के लिए जल्दी घर लौट रहे थे और रात के खाने वाले अभी तक निकले नहीं थे। एंडिमियन रात के लिए आराम करने के मूड में लग रही थी; लेकिन असल में अब उसे अपना मन कठोर करके नाव समेटनी थी। वह पल-पल फैसला टालती रही, तभी एक ज़ोरदार चीख और नाव के उसके छोर पर एक झटका लगा और उसे परेशानी से बचा लिया। अनुभवहीन नौसिखिए अपने दल के

साथ लौट आई थी और नदी के बीच में अपना डंडा छोड़कर अपनी नाव को उनके ऊपर बहने के लिए छोड़ दिया था। हैरियट ने सहानुभूति से ज़्यादा ज़ोर से उन घुसपैठियों को धक्का दिया और मुड़कर देखा तो पाया कि उसकी मेज़बान उठ बैठी थी और थोड़ी शर्मिंदगी से मुस्कुरा रही थी।
क्या मैं सो रहा था?
"लगभग दो घंटे हो गए," हैरियट ने खुशी से हंसते हुए कहा।
हे भगवान, कितना घिनौना व्यवहार है! मुझे बहुत अफ़सोस है। तुमने मुझे आवाज़ क्यों नहीं दी? कितना समय हो गया है? मेरी बेचारी बच्ची, अगर हम जल्दी नहीं करेंगे तो तुम्हें आज रात का खाना नहीं मिलेगा। देखो, मैं तहे दिल से माफ़ी माँगता हूँ।
इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। तुम बहुत थके हुए थे।
“यह कोई बहाना नहीं चलेगा।” वह अब खड़ा हो गया था और नाव के डंडों को कीचड़ से निकाल रहा था। “हम शायद दो डंडों से काम चलाकर पहुँच जाएँ—अगर आप मेरी इस गुस्ताखी को माफ़ कर दें कि मैं आपसे मेरी आत्मा को नष्ट कर देने वाली सुस्ती की भरपाई के लिए काम करने को कह रहा हूँ।”
“मुझे तो जुआ खेलना अच्छा लगेगा। लेकिन, पीटर!” उसे अचानक पीटर बहुत पसंद आ गया। “इतनी जल्दी क्या है? मतलब, क्या मालिक आपका इंतज़ार कर रहे हैं या कुछ और?”
“नहीं; मैं मठ में चला गया हूँ। मैं स्वामी के आवास को होटल के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकता; इसके अलावा, वहाँ लोग आ रहे हैं।”
“तो क्या हम नदी के किनारे कहीं कुछ खाकर पूरा दिन नहीं बिता सकते? मतलब, अगर आपका मन करे तो। या फिर आपको ठीक से रात का खाना ही खाना है?”
“मेरी प्रिय, मैंने सूअर जैसा व्यवहार किया है, इसलिए मैं खुशी-खुशी भूसी खा लूँगा। या कांटेदार पौधे। कांटेदार पौधे ही बेहतर हैं। तुम तो बड़ी क्षमाशील स्त्री हो।”
"ठीक है, मुझे पतवार दे दो। मैं आगे की तरफ रहूंगा और तुम स्टीयरिंग संभाल लेना।"
और देखो तुम तीन बार में पोल को ऊपर उठा लेते हो।
मैं ऐसा करने का वादा करता हूँ।
फिर भी, वह इस बात से अवगत थी कि बैलिओल के विम्सी भारी डंडे को संभालने के उसके तरीके पर पैनी नजर रखे हुए हैं। क्योंकि या तो आप सुंदर दिखते हैं या आप भयंकर दिखते हैं; नाव चलाने में कोई बीच का रास्ता नहीं होता। उन्होंने इफ्ली की ओर अपना मार्ग निर्धारित किया।

कुछ समय बाद जब वे दोबारा नाव में सवार हुए, तो हैरियट ने कहा, "कुल मिलाकर, कांटेदार पौधे ज्यादा बेहतर होते।"
“इस तरह का खाना उन बहुत कम उम्र के लोगों के लिए होता है जिनका ध्यान कहीं और होता है। ऐसे लोग जिनमें जोश तो होता है लेकिन कोई समझदारी नहीं। मुझे खुबानी के फ्लान और कृत्रिम नींबू पानी का आनंद लेने में खुशी हुई; इससे अनुभव बढ़ता है। क्या मैं, तुम या हम नाव चलाएंगे? या हम अलगाव और श्रेष्ठता को त्यागकर सुंदरता में कंधे से कंधा मिलाकर नाव चलाएंगे?” उसकी आँखों में व्यंग्य था। “मैं शांत हूँ; बताओ।”
"जो भी आपको पसंद हो।"
उसने गंभीरता से उसे कुर्सी के निचले हिस्से की सीट पर बिठाया और खुद उसके बगल में बैठ गया।
मैं आखिर किस चीज पर बैठा हूँ?
"मुझे लगता है आप सर थॉमस ब्राउन हैं। मुझे खेद है कि मैंने आपकी जेबें खंगाली हैं।"
"चूंकि मैं एक बुरा साथी साबित हुआ, इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने आपको एक अच्छा विकल्प प्रदान किया।"
क्या वह आपका नियमित साथी है?
“मेरी पसंद काफी व्यापक है। यह आसानी से काई लूंग या एलिस इन वंडरलैंड या मैकियावेली भी हो सकती थी—”
“या बोकाचियो या बाइबिल?”
“लगभग उतनी ही संभावना है जितनी कि नहीं। या एपुलियस।”
या फिर जॉन डोने?
वह एक पल के लिए चुप रहा, और फिर बदली हुई आवाज़ में बोला:
"क्या वह किसी जोखिम भरे प्रयास में खींचा गया धनुष था?"
"अच्छा निशाना?"
"सोने में धमाका। लगाम के जोड़ों के बीच... अगर आप थोड़ा सा एक तरफ चप्पू चलाएंगे तो इसे चलाना आसान हो जाएगा।"
"माफ़ कीजिए... क्या आपको शब्दों के नशे में चूर होना आसान लगता है?"
"इतना आसान कि, सच कहूँ तो, मैं शायद ही कभी पूरी तरह से होश में रहता हूँ। इसी वजह से मैं इतना ज्यादा बोलता हूँ।"

और फिर भी, अगर किसी ने मुझसे पूछा होता, तो मैं कहता कि आपको संतुलन और व्यवस्था के प्रति जुनून था—बिना किसी सीमा के सुंदरता नहीं होती।
"किसी व्यक्ति में अप्राप्य चीजों के प्रति जुनून हो सकता है।"
लेकिन आप इसे हासिल कर लेते हैं। कम से कम, ऐसा प्रतीत होता है कि आपने इसे हासिल कर लिया है।
“एक आदर्श ऑगस्टन? नहीं; मुझे डर है कि यह अधिक से अधिक विरोधी शक्तियों का संतुलन है.... नदी फिर से भर रही है।”
"रात के खाने के बाद बहुत से लोग बाहर आते हैं।"
“हाँ—अच्छा, भगवान उनका भला करे, वे ऐसा क्यों न करें? आपको ठंड तो नहीं लग रही?”
"बिल्कुल भी नहीं।"
पांच मिनट के भीतर यह दूसरी बार था जब उसने उसे अपने निजी क्षेत्र से दूर रहने की चेतावनी दी थी। दोपहर के शुरुआती घंटों से ही उसका मिजाज बदल गया था और वह एक बार फिर पूरी तरह सतर्क हो गया था। वह "प्रवेश निषेध" के संकेत को फिर से अनदेखा नहीं कर सकती थी; इसलिए उसने उसे ही कोई नया विषय शुरू करने के लिए छोड़ दिया।
उन्होंने बड़ी विनम्रता से यह पूछकर ऐसा किया कि नए उपन्यास की प्रगति कैसी चल रही है।
"यह चिपचिपा हो गया है।"
“इसका क्या हुआ?”
इसमें डेथ ’ट्विक्स्ट विंड एंड वॉटर की कहानी का पूरा पूर्वाभ्यास शामिल था। यह एक जटिल कहानी थी, और समाधान तक पहुँचने से पहले नाव ने काफी पानी तय कर लिया था।
उन्होंने कहा, "इसमें मौलिक रूप से कुछ भी गलत नहीं है" और फिर उन्होंने कुछ बारीकियों के बारे में सुझाव दिए।
“पीटर, तुम कितने बुद्धिमान हो! बिल्कुल सही कह रहे हो। बेशक, समय की पाबंदी से निपटने का यही सबसे अच्छा तरीका होगा। लेकिन पूरी कहानी इतनी बेजान और जीवंत क्यों लग रही है?”
विम्सी ने कहा, "अगर मुझसे पूछो तो, ये विल्फ्रेड है। मुझे पता है कि वो लड़की से शादी करता है—लेकिन क्या उसे इतना नीच होना ज़रूरी है? वो सबूत क्यों छुपाता है

और इतने सारे बेवजह के झूठ क्यों बोलता है?"
"क्योंकि उसे लगता है कि लड़की ने ही यह किया है।"
“हाँ—पर वह ऐसा क्यों करेगा? वह उससे बेइंतहा प्यार करता है—वह उसे बेहद खूबसूरत मानता है—और फिर भी, महज़ इसलिए कि उसे बेडरूम में उसका रूमाल मिलता है, वह तुरंत इस बात पर यकीन कर लेता है, जबकि सबूत इतने पुख्ता नहीं हैं कि किसी को फांसी भी हो सके, कि वह न केवल विनचेस्टर की प्रेमिका है बल्कि उसने एक घिनौने और शैतानी तरीके से उसकी हत्या भी की है। प्यार का यह एक तरीका हो सकता है, लेकिन—”
लेकिन, आप यह बताना चाहेंगे कि यह आपका नहीं है—और वास्तव में, यह आपका था भी नहीं।
फिर वही पुरानी नाराजगी और उसे दर्द से कराहते हुए देखकर आनंद लेने के लिए बेरहमी से पलटवार करने की तीव्र इच्छा जाग उठी।
“नहीं,” उन्होंने कहा, “मैं इस प्रश्न पर निष्पक्ष रूप से विचार कर रहा था।”
"वास्तव में, अकादमिक दृष्टि से।"
"जी हां—कृपया... विशुद्ध रूप से संरचनात्मक दृष्टिकोण से, मुझे नहीं लगता कि विल्फ्रेड के व्यवहार का पर्याप्त स्पष्टीकरण दिया गया है।"
“खैर,” हैरियट ने खुद को संभालते हुए कहा, “शैक्षणिक दृष्टि से, मैं मानती हूँ कि विल्फ्रेड दुनिया का सबसे बड़ा बेवकूफ है। लेकिन अगर वह रूमाल नहीं छुपाता, तो मेरी कहानी का क्या होगा?”
“क्या आप विल्फ्रेड को उन अति-ईमानदार लोगों में से एक नहीं बना सकते, जिन्हें यह सिखाया गया है कि जो भी सुखद है वह गलत है—ताकि अगर वह लड़की को प्रकाश की परी मानता है, तो इसी कारण से उसके दोषी होने की संभावना और भी बढ़ जाती है। उसे एक कट्टरपंथी पिता और नरक की आग जैसी धार्मिक विचारधारा दें।”
"पीटर, यह एक अच्छा विचार है।"
"देखिए, उसके मन में एक निराशावादी धारणा है कि प्रेम अपने आप में पाप है, और वह केवल युवती के पापों को अपने ऊपर लेकर और उसके परोक्ष कष्ट में लिप्त होकर ही स्वयं को शुद्ध कर सकता है... वह तब भी एक सनकी और विकृत सनकी ही रहेगा, लेकिन वह थोड़ा अधिक सुसंगत होगा।"
“हाँ—वह दिलचस्प होगा। लेकिन अगर मैं विल्फ्रेड को वे सभी हिंसक और सजीव भावनाएँ दे दूँ, तो वह पूरी किताब का संतुलन बिगाड़ देगा।”

"आपको पहेली सुलझाने वाली शैली को छोड़कर, बदलाव के लिए इंसानों के बारे में एक किताब लिखनी होगी।"
"पीटर, मुझे ऐसा करने में डर लग रहा है। कहीं हड्डी के बहुत करीब न चला जाए।"
"यह आपके लिए सबसे बुद्धिमानी भरा कदम हो सकता है।"
"इसे लिखकर मिटा दें?"
"हाँ।"
मैं इस बारे में सोचूंगा। इससे बहुत दर्द होगा।
"अगर इससे एक अच्छी किताब बन जाए तो इससे क्या फर्क पड़ेगा?"
वह चौंक गई, उसकी कही बात से नहीं, बल्कि उसके ऐसा कहने के तरीके से। उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि वह उसके काम को इतनी गंभीरता से लेता है, और उसने उससे इस बारे में इतना कठोर रवैया अपनाने की उम्मीद तो बिलकुल नहीं की थी। क्या वह एक सुरक्षात्मक पुरुष था? वह तो बिल्कुल ही सुरक्षात्मक था, जैसे कोई कैन खोलने वाला औजार।
उन्होंने आगे कहा, “आपने अभी तक वह किताब नहीं लिखी है जो आप कोशिश करने पर लिख सकते थे। शायद आप तब नहीं लिख पाते जब आप घटनाओं के बहुत करीब होते। लेकिन आप अब लिख सकते हैं, अगर आपके पास वह—वह—”
“हिम्मत?”
"बिल्कुल।"
मुझे नहीं लगता कि मैं इसका सामना कर पाऊंगा।
“हाँ, तुम कर सकते हो। और जब तक तुम ऐसा नहीं करोगे, तुम्हें शांति नहीं मिलेगी। मैं बीस साल से खुद से भाग रहा हूँ, और इससे कोई फायदा नहीं। गलतियाँ करने का क्या फायदा अगर उनसे कुछ सीखा ही न जाए? एक कोशिश करो। विल्फ्रेड से शुरुआत करो।”
“धिक्कार है विल्फ्रिड पर!... ठीक है। मैं कोशिश करूंगा। मैं विल्फ्रिड की जमकर पिटाई करूंगा।”
उसने चप्पू से अपना दाहिना हाथ हटाया और तिरस्कारपूर्ण भाव से उसकी ओर बढ़ाया।
“‘हमेशा किसी पर बड़े ही अभद्र तरीके से नियम थोपना।’ मुझे खेद है।”
उसने हाथ मिला लिया और माफी स्वीकार कर ली, और वे सौहार्दपूर्ण ढंग से आगे बढ़ गए। लेकिन उसने सोचा कि यह सच था कि उसे इससे कहीं अधिक स्वीकार करना

पड़ा था। वह अपने भीतर आक्रोश की कमी देखकर काफी हैरान थी।
वे दरवाजे के पिछले हिस्से पर अलग हो गए।
शुभ रात्रि, हैरियट। मैं तुम्हारी पांडुलिपि कल वापस ले आऊंगा। क्या दोपहर का कुछ समय तुम्हारे लिए ठीक रहेगा? मुझे लगता है कि मुझे युवा गेराल्ड के साथ दोपहर का भोजन करना है और एक सख्त चाचा की भूमिका निभानी है।
"लगभग छह बजे तक आ जाना। शुभ रात्रि—और आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।"
मैं आपका ऋणी हूँ।
वह विनम्रतापूर्वक प्रतीक्षा करता रहा जबकि उसने भारी जाली को बंद करके उसके सामने ताला लगा दिया। “और सो-ओ-ओ” (मीठे लहजे में), “कॉन्वेंट के द्वार सो-ओनिया के पीछे बंद हो गए!”
उसने नाटकीय अंदाज में अपना माथा पीटा और दर्द भरी चीख के साथ लड़खड़ाते हुए लगभग डीन की बाहों में जा गिरा, जो अपनी सामान्य तेज चाल से सड़क पर आ रही थी।
"उसके साथ यही होना चाहिए था," हैरियट ने कहा और आगे क्या होगा यह देखने का इंतजार किए बिना रास्ते पर दौड़ पड़ी।
बिस्तर पर लेटते ही उसे एक नेक इरादे वाले लेकिन अस्पष्ट शब्दों वाले पादरी की तात्कालिक प्रार्थना याद आ गई, जिसे उसने एक बार सुना था और कभी नहीं भूली थी:
हे प्रभु, हमें सिखाओ कि हम अपने हृदय को संभालें और उसका सामना करें, चाहे यह कितना भी कठिन क्यों न हो।

## अध्याय 16

डरावनी आग के शोर से मुक्त रहो, हत्याओं से मुक्त रहो, सभी दुर्भाग्य से डरकर रात में तुम्हारी सुखद नींद को भंग करो: दया तुम सब की रक्षा करे, और सोते समय भूतों को तुमसे दूर रखे।

—रॉबर्ट हेरिक

“ओह, मिस!”
"हमें आपको परेशान करने के लिए बहुत खेद है, महोदया।"
"हे भगवान, कैरी, क्या बात है?"
जब आप एक घंटे या उससे अधिक समय तक जागते हुए यह सोच रहे हों कि अपनी कहानी में भयंकर गड़बड़ी पैदा किए बिना विल्फ्रिड का पुनर्निर्माण कैसे किया जाए,

और ड्यूकों के संरक्षित शवों से प्रेतवाधित एक बेचैन नींद में डूब गए हों, तो ड्रेसिंग-गाउन पहने दो उत्साहित और आंशिक रूप से उन्मादी नौकरानियों द्वारा आपको फिर से होश में लाना परेशान करने वाला होता है।
"ओह, मिस, डीन ने मुझे आकर आपको बताने के लिए कहा। मैं और एनी बहुत डर गए थे। हम लगभग इसकी चपेट में आ गए थे।"
“क्या पकड़ा?”
“जो भी हो, महोदया। विज्ञान के व्याख्यान कक्ष में, महोदया। हमने उसे वहीं देखा था। वह भयानक था।”
हैरियट अचंभित होकर उठ बैठी।
"और यह बेकाबू हो गया है, महोदया, भयानक उत्पात मचा रहा है, और किसी को नहीं पता कि यह क्या कर सकता है, इसलिए हमने सोचा कि हमें किसी को बताना चाहिए।"
"भगवान के लिए, कैरी, मुझे बताओ। तुम दोनों बैठ जाओ और शुरू से शुरू करो।"
लेकिन, महोदया, क्या हमें यह नहीं देखना चाहिए कि वह अपने साथ कहाँ गया है? वह अंधेरे कमरे की खिड़की से बाहर गया है, और हो सकता है कि वह इस समय लोगों की हत्या कर रहा हो। और कमरा बंद है और चाबी अंदर है—हो सकता है वहाँ एक लाश पड़ी हो, जो खून से लथपथ हो।
“मज़ाक मत करो,” हैरियट ने कहा। फिर भी वह बिस्तर से उठी और अपनी चप्पलें ढूंढने लगी। “अगर कोई फिर से शरारत कर रहा है, तो हमें उसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन खून और लाशों के बारे में कोई बकवास मत करो। आखिर वो सब कहाँ गया?”
हमें नहीं पता, महोदया।
हैरियट ने हष्ट-पुष्ट और उत्तेजित कैरी की ओर देखा, जिसका चेहरा सिकुड़ा हुआ और फड़क रहा था तथा उसकी आँखें हिस्टीरिया के प्रकोप से लाल हो रही थीं। उसने वर्तमान मुख्य स्काउट को कभी भी भरोसेमंद नहीं समझा था और उसकी अत्यधिक ऊर्जा का कारण थायरॉइड ग्रंथि की अधिकता को मानने की ओर उसका झुकाव था।
"तो फिर डीन कहाँ हैं?"
“मैं लेक्चर रूम के दरवाजे पर इंतजार कर रही हूँ, मिस। उन्होंने कहा था कि आपको बुला लाऊँ—”
"ठीक है।"

हैरियट ने अपनी टॉर्च को अपने ड्रेसिंग गाउन की जेब में रखा और अपने मेहमानों को जल्दी से बाहर निकाल दिया।
"अब मुझे जल्दी बताओ क्या बात है, और शोर मत करो।"
"जी मैडम, एनी मेरे पास आती है और कहती है—"
"ये कब था?"
"लगभग पंद्रह मिनट पहले, महोदया, या शायद इससे कम या ज्यादा समय पहले।"
“उस बारे में, महोदया।”
“मैं बिस्तर पर सो रही थी, सपने में कुछ भी नहीं देख रही थी, और एनी ने कहा, ‘कैरी, क्या तुम्हारे पास चाबियां हैं? लेक्चर रूम में कुछ अजीब हो रहा है।’ तो मैंने एनी से कहा—”
“बस एक मिनट। पहले एनी को अपनी बात कहने दीजिए।”
"महोदया, आपको न्यू क्वाड के पीछे वाला विज्ञान का लेक्चर रूम तो याद ही होगा, और वो हमारे विंग से दिखाई भी देता है। मैं सुबह करीब डेढ़ बजे उठा और खिड़की से बाहर देखा तो लेक्चर रूम में रोशनी दिखी। मुझे लगा, ये तो अजीब बात है, इतनी रात को भी। और मैंने पर्दे पर एक परछाई देखी, जैसे कोई हिल-डुल रहा हो।"
"तो फिर पर्दे लगे हुए थे?"
जी जी, महोदया; लेकिन ये तो बस हल्के पीले रंग के खिड़की के शीशे हैं, आप जानती हैं ना, इसलिए मुझे परछाईं एकदम साफ़ दिख रही थी। मैंने थोड़ी देर देखा, परछाईं तो गायब हो गई लेकिन रोशनी जलती रही और मुझे ये अजीब लगा। तो मैं गई और कैरी को जगाया और उससे चाबियाँ माँगीं ताकि मैं जाकर देख सकूँ कि कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं है। और उसने भी रोशनी देखी। तो मैंने कहा, ‘ओह, कैरी, मेरे साथ आओ; मुझे अकेले जाना अच्छा नहीं लगता।’ तो कैरी मेरे साथ नीचे आ गई।
"क्या आप हॉल से होकर गए थे या आंगन पार करके?"
“आंगन के उस पार, महोदया। हमने सोचा था कि यह जल्दी हो जाएगा। आंगन और लोहे के फाटक से होकर। और हमने खिड़की से अंदर देखने की कोशिश की, लेकिन वह कसकर बंद थी और पर्दे भी कसकर लगे हुए थे।”
अब वे ट्यूडर बिल्डिंग से बाहर निकल चुके थे; जब वे वहाँ से गुज़रे तो उसके गलियारे काफ़ी शांत लग रहे थे। पुराने चौक में भी कोई हलचल नहीं थी। पुस्तकालय विंग में अंधेरा था, सिवाय मिस डी वाइन की खिड़की में जलते एक दीपक और गलियारे की हल्की रोशनी के।

“जब हम लेक्चर रूम के दरवाजे पर पहुँचे, तो वह बंद था और चाबी अंदर ही थी, क्योंकि मैंने झुककर छेद से अंदर देखने की कोशिश की, लेकिन मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया। फिर मैंने देखा कि पर्दा दरवाजे पर पूरी तरह से नहीं लगा था—इसमें कांच के पैनल लगे हैं, आप जानती ही होंगी, महोदया। तो मैंने दरार से अंदर देखा और मुझे कुछ काला दिखाई दिया, महोदया। और मैंने कहा, ‘ओह, यह रहा!’ और कैरी ने कहा, ‘मुझे देखने दो,’ और उसने मुझे थोड़ा धक्का दिया और मेरी कोहनी दरवाजे से टकरा गई और शायद इसी वजह से दरवाजा डर गया, क्योंकि बत्ती बुझ गई।”

“जी हां, मिस,” कैरी ने उत्सुकता से कहा। “और मैंने कहा, ‘देखो, अब!’ और फिर अंदर एक बहुत भयानक धमाका हुआ—बहुत ही डरावना था, और कुछ टकराने की आवाज आई, और मैं चिल्लाई, ‘ओह, यह हमारे पीछे आ रहा है!’”

“और मैंने कैरी से कहा, ‘जाओ और डीन को ले आओ! वह यहीं अंदर है।’ तो कैरी डीन को लेने गई और मैंने सुना कि वह जो भी था, थोड़ा इधर-उधर हिल रहा था, और फिर मुझे कुछ और सुनाई नहीं दिया।”

“और डीन आए और हम थोड़ी देर इंतजार करते रहे, और मैंने कहा, ‘ओह! क्या आपको लगता है कि वह अंदर गला कटा हुआ पड़ा है?’ और डीन ने कहा, ‘देखो! हम कितने मूर्ख थे। वह खिड़की से बाहर चला गया होगा।’ और मैंने कहा, ‘लेकिन उन सभी खिड़कियों में सलाखें लगी हैं,’ मैंने कहा। और डीन ने कहा, ‘अंधेरे कमरे की खिड़की, वह वहीं गया होगा।’ अंधेरे कमरे का दरवाजा भी बंद था, इसलिए हम बाहर भागे और सचमुच, खिड़की खुली हुई थी। तो डीन ने कहा, ‘मिस वेन को बुलाओ।’ तो हम आपके लिए आते हैं, मिस।”

इस समय तक वे न्यू क्वाड के पूर्वी कोने पर पहुँच चुके थे, जहाँ मिस मार्टिन उनका इंतजार कर रही थीं।

“मुझे खेद है कि हमारा दोस्त गायब हो गया है,” डीन ने कहा। “हमें उस खिड़की के बारे में जल्दी सोचना चाहिए था। मैंने इस चौक का पूरा चक्कर लगा लिया है, लेकिन मुझे वहाँ कुछ भी गड़बड़ नहीं दिख रही है। उम्मीद है कि वह जीव वापस बिस्तर पर चला गया होगा।” हैरियट ने दरवाज़े की जाँच की। वह निश्चित रूप से अंदर से बंद था, और शीशे पर लगा पर्दा ठीक से फिट नहीं हो रहा था। लेकिन अंदर सब कुछ अंधेरा और सन्नाटा था।

“शर्लक होम्स अब क्या करता है?” डीन ने पूछा।

“मुझे लगता है हमें अंदर जाना चाहिए,” हैरियट ने कहा। “मुझे लगता है आपके पास लंबी नोक वाली प्लायर जैसी कोई चीज नहीं होगी? नहीं। खैर, शीशा तोड़ना शायद उतना ही अच्छा रहेगा।”

खुद को चोट मत पहुंचाओ।

हैरियट ने सोचा, उसके जासूस रॉबर्ट टेम्पलटन ने कितनी बार दरवाजे तोड़कर मारे गए फाइनेंसर का शव बरामद किया होगा! एक हास्यास्पद एहसास के साथ कि वह कोई नाटक कर रही है, उसने अपने ड्रेसिंग गाउन की एक तह दरवाजे के पैनल पर रखी और मुट्ठी से उस पर ज़ोरदार प्रहार किया। उसे आश्चर्य हुआ कि पैनल ठीक वैसे ही अंदर की ओर टूट गया जैसे टूटना चाहिए था, और कांच के टूटने की हल्की सी आवाज़ आई। अब—हाथ और कलाई की सुरक्षा के लिए और चाबी और हैंडल पर उंगलियों के निशान न पड़ने देने के लिए एक स्कार्फ या रुमाल लपेट लें। डीन ने कृपा करके यह ज़रूरी सामान लाकर दिया, और दरवाजा खुल गया।

टॉर्च की रोशनी में हैरियट की पहली नज़र स्विच पर पड़ी। वह "ऑफ" स्थिति में था, और उसने टॉर्च के हैंडल से उसे बंद कर दिया। कमरा खुल गया।

यह एक काफी खाली और असुविधाजनक जगह थी, जिसमें दो लंबी मेजें, कुछ सख्त कुर्सियाँ और एक ब्लैकबोर्ड था। इसे विज्ञान व्याख्यान कक्ष कहा जाता था, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि मिस एडवर्ड्स कभी-कभी इसका उपयोग उन प्रशिक्षण सत्रों के लिए करती थीं जिनमें कम उपकरणों की आवश्यकता होती थी, लेकिन मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि किसी दिवंगत दानदाता ने कॉलेज को एक बड़ी राशि, साथ ही कई वैज्ञानिक पुस्तकें, शरीर रचना संबंधी सांचे, दिवंगत वैज्ञानिकों के चित्र और भूवैज्ञानिक नमूनों से भरे कांच के बक्से दान में दिए थे; और इस पहले से ही काफी असुविधाजनक वसीयत के साथ यह शर्त भी जोड़ दी थी कि यह सारा सामान एक ही कमरे में रखा जाए। इसके अलावा, कमरे में वैज्ञानिक अध्ययन के लिए कोई विशेष उपयुक्तता नहीं थी, सिवाय इसके कि यह एक तरफ एक सिंक वाले कोठरी से जुड़ा हुआ था। उस कोठरी का उपयोग कभी-कभी फोटोग्राफी के शौकीन लोग डार्क रूम के रूप में करते थे, और इसलिए इसे डार्क रूम कहा जाता था। जैसे ही रोशनी जलाई गई, दोनों स्काउट्स द्वारा सुनी गई तेज आवाज और धमाकों का कारण स्पष्ट हो गया। ब्लैकबोर्ड ज़मीन पर पड़ा था और कुछ कुर्सियाँ अपनी जगह से हटी हुई थीं, मानो कोई अँधेरे में कमरे से जल्दी-जल्दी निकलते हुए फर्नीचर में उलझ गया हो। कमरे की सबसे दिलचस्प बात एक मेज़ पर बिखरी हुई चीज़ें थीं। वहाँ अख़बार का एक फैला हुआ पन्ना

था जिस पर ब्रश के साथ एक पेस्ट का डिब्बा, एक सस्ते से पेंसिल ब्लॉक का एक टुकड़ा और कटे हुए अक्षरों से भरे एक गत्ते के डिब्बे का ढक्कन रखा था। इसके अलावा, मेज़ पर पॉइज़न-पेन की जानी-पहचानी शैली में लिखे कई संदेश भी थे, जिन्हें हमेशा की तरह चिपकाया गया था; वहीं उसी शैली में बनी एक अधूरी कलाकृति ज़मीन पर गिरी हुई थी, जिससे पता चलता था कि पेन का काम बीच में ही रुक गया था।

“तो अब वो यहाँ पर अपना काम करती है!” डीन चिल्लाया।

“हाँ,” हैरियट ने कहा। “मुझे आश्चर्य है कि ऐसा क्यों है। यह बेवजह सबके सामने है। उसका अपना कमरा क्यों नहीं?... मैं कहती हूँ, डीन—अगर आपको बुरा न लगे तो इसे मत उठाओ। बेहतर होगा कि सब कुछ जैसा है वैसा ही रहने दो।”

अंधेरे कमरे का दरवाजा खुला था। हैरियट अंदर गई और सिंक और उसके ऊपर खुली खिड़की का मुआयना किया। धूल में बने निशानों से साफ पता चल रहा था कि कोई चीज खिड़की की चौखट से चढ़कर अंदर गई थी।

"बाहर इस खिड़की के नीचे क्या है?"

“यह एक चिह्नित रास्ता है। मुझे खेद है कि आपको वहां ज्यादा कुछ नहीं मिलेगा।”

“नहीं; और यह एक ऐसी जगह है जहाँ से गलियारे में बाथरूम की खिड़कियों के अलावा और कुछ भी दिखाई नहीं देता। उस व्यक्ति को बाहर निकलते हुए देखे जाने की संभावना बहुत कम है। अगर पत्रों को किसी व्याख्यान कक्ष में ही गढ़ना था, तो यह जगह किसी भी दूसरी जगह से बेहतर है। खैर! मुझे नहीं लगता कि हम अभी यहाँ कुछ कर सकते हैं।” हैरियट दोनों जासूसों की ओर तेज़ी से मुड़ी। “तुम कहती हो कि तुमने उस व्यक्ति को देखा था, एनी।”

"मैंने उन्हें ठीक से नहीं देखा, महोदया, पहचान नहीं पाई। उन्होंने कुछ काला पहना हुआ था और दरवाजे की ओर पीठ करके दूर वाली मेज पर बैठी थीं। मुझे लगा कि वह कुछ लिख रही थीं।"

"जब वह उठी और लाइट बंद करने के लिए आई, तो क्या आपने उसका चेहरा नहीं देखा?"

“नहीं, महोदया। मैंने कैरी को बताया कि मैंने क्या देखा और कैरी ने देखने की इच्छा जताई और दरवाजे से टकरा गई, और जब मैं उसे शोर न करने के लिए कह रही थी, तभी बत्ती चली गई।”

"क्या तुमने कुछ नहीं देखा, कैरी?"

"खैर, मुझे ठीक से पता नहीं है, महोदया, मैं बहुत घबराया हुआ था। मैंने रोशनी देखी, और फिर मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दिया।"
डीन ने कहा, "शायद वह रोशनी तक पहुंचने के लिए दीवार के चारों ओर रेंगकर गई होगी।"
“ज़रूर, डीन। क्या तुम अंदर जाकर उस कुर्सी पर बैठोगे जो थोड़ी बाहर खींची हुई है, जबकि मैं दरवाजे से जो देख सकता हूँ वो देखता हूँ। फिर, जब मैं शीशे पर दस्तक दूँ, तो क्या तुम जितनी जल्दी हो सके उठकर नज़र से ओझल हो जाओगे और स्विच तक जाकर उसे बंद कर दोगे? क्या पर्दा पहले जैसा ही है, एनी, या शीशा तोड़ते समय मैंने उसे अस्त-व्यस्त कर दिया?”
"मुझे लगता है कि यह काफी हद तक एक जैसा ही है, मैडम।"
डीन अंदर गए और बैठ गए। हैरियट ने दरवाजा बंद कर दिया और पर्दे के बीच की दरार से झाँका। यह दरार दरवाजे के कब्ज़े वाले हिस्से में थी, जिससे उसे खिड़की, दोनों मेजों के सिरे और खिड़की के नीचे जहाँ ब्लैकबोर्ड रखा था, वह जगह दिखाई दे रही थी।
"एक नज़र डालो, ऐनी; क्या यह ऐसा ही था?"
"जी मैडम। उस समय तो सिर्फ ब्लैकबोर्ड ही खड़ा था, बिल्कुल।"
“अब—वैसे ही करो जैसे तुमने तब किया था। कैरी से वही कहो जो तुमने कहा था, और कैरी, तुम दरवाजे पर दस्तक दो और फिर अंदर देखो जैसे तुमने पहली बार किया था।”
“जी मैडम। मैंने कहा, ‘वह रही! हमने उसे पकड़ लिया।’ और मैं इस तरह पीछे की ओर उछल पड़ा।”
"हां, और मैंने कहा, 'अरे बाप रे—चलो एक नज़र डालते हैं!'—और फिर मैं किसी तरह एनी से टकरा गई और गिर पड़ी—बस ऐसे ही।"
और मैंने कहा, ‘सावधान रहो—अब तुमने कर दिखाया है।’
“और मैंने कहा, ‘कू!’ या कुछ ऐसा ही, और मैंने अंदर देखा तो मुझे कोई नहीं दिखा—”
"क्या अब आपको कोई दिखाई दे रहा है?"
नहीं, मिस। और मैं देखने की कोशिश कर रहा था कि अचानक से बत्ती चली गई।
प्रकाश बाहर चला गया।
"वह कैसे फट गया?" डीन ने पैनल में बने छेद पर अपना मुंह रखते हुए सावधानी से पूछा।

“शानदार प्रदर्शन,” हैरियट ने कहा। “बिल्कुल समय पर।”
“जैसे ही मैंने दस्तक सुनी, मैं तुरंत दाईं ओर भागा और दीवार के चारों ओर छिपकर निकल गया। क्या आपने मुझे सुना?”
"बिल्कुल भी आवाज नहीं। तुमने मुलायम चप्पलें पहनी हुई हैं, है ना?"
"हमने दूसरी आवाज भी नहीं सुनी, मिस।"
“वो मुलायम चप्पलें भी पहने होगी। चलो, अब ये बात पक्की हो गई। हमें कॉलेज में एक नज़र डाल लेनी चाहिए कि सब ठीक है या नहीं और फिर वापस बिस्तर पर चले जाना चाहिए। अब तुम दोनों जा सकती हो, कैरी—मिस मार्टिन और मैं बाकी काम देख लेंगे।”
“बहुत बढ़िया, मिस। चलिए, एनी। हालांकि मुझे यकीन है कि मुझे नहीं पता कि कोई कैसे सोएगा—”
“क्या तुम यह गंदा शोर मचाना बंद करोगे!”
एक चिड़चिड़ी आवाज ने पायजामा पहने एक बेहद गुस्से में भरे छात्र के आने की सूचना दी।
“ध्यान रहे, कुछ लोग रात में आराम करना चाहते हैं। यह गलियारा... ओह, मुझे माफ़ करना, मिस मार्टिन। क्या कोई समस्या है?”
“कोई बात नहीं, मिस पेरी। हमें खेद है कि हमने आपको परेशान किया। किसी ने लेक्चर रूम में लाइट खुली छोड़ दी थी और हम देखने आए थे कि सब ठीक है या नहीं।” छात्रा ने अपना सिर झटकते हुए गायब हो गई, जिससे उसके बिखरे बालों का भाव स्पष्ट हो गया। दोनों नौकर अपने-अपने रास्ते चले गए। डीन ने हैरियट की ओर रुख किया।
"अपराध का पुनर्निर्माण करने की इतनी जद्दोजहद क्यों?"
“मैं यह पता लगाना चाहता था कि क्या एनी ने सचमुच वही देखा था जो उसने देखने का दावा किया था। ये लोग कभी-कभी अपनी कल्पनाओं में बहक जाते हैं। अगर आपको कोई आपत्ति न हो, तो मैं इन दरवाजों को बंद कर देता हूँ और चाबियाँ हटा देता हूँ। मुझे किसी दूसरे की राय लेना ज़्यादा अच्छा रहेगा।”
“आहा!” डीन ने कहा। “वही सज्जन जिन्होंने सेंट क्रॉस रोड पर मेरे पैर चूमे थे और रोते हुए कहा था, वेरा इनसेसु पटुइट डीन?”
“ये तो स्वाभाविक लगता है। वैसे, डीन, तुम्हारे पैर बहुत सुंदर हैं। मैंने भी देखा है।”

डीन ने आत्मसंतुष्टि से कहा, “उनकी प्रशंसा तो हुई है, लेकिन इतनी सार्वजनिक जगह पर या पाँच मिनट की जान-पहचान के बाद शायद ही कभी। मैंने उनके लॉर्डशिप से कहा, ‘आप एक नासमझ नौजवान हैं।’ उन्होंने कहा, ‘एक आदमी, बिल्कुल; और कभी-कभी इतना नासमझ कि जवानी का एहसास भी होता है।’ ‘अच्छा,’ मैंने कहा, ‘कृपया उठिए; आप यहाँ जवान नहीं रह सकते।’ तब उन्होंने बड़े ही विनम्रता से कहा, ‘मैं एक बाज़ीगर की तरह व्यवहार करने के लिए क्षमा चाहता हूँ; मेरे पास कोई बहाना नहीं है, तो क्या आप मुझे क्षमा करेंगे?’ तो मैंने उन्हें रात के खाने पर आमंत्रित किया।”
हैरियट ने अपना सिर हिलाया।
मुझे लगता है कि आप सुनहरे बालों और पतले शरीर को आसानी से आकर्षित कर लेते हैं। पतले लोगों के लिए यह बात एक मज़ाकिया शब्द है, जबकि मोटे लोगों के लिए यह सरासर अभद्रता है।
“यह बेहद गुस्ताखी भरा हो सकता था, लेकिन असल में ऐसा नहीं था। मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि आज रात की घटना के बारे में उसका क्या विचार है। बेहतर होगा कि हम जाकर देखें कि कहीं कोई और गड़बड़ तो नहीं हुई है।”
हालांकि, कुछ भी असामान्य देखने को नहीं मिला।
हैरियट ने नाश्ते से पहले मिट्रे को फोन किया।
"पीटर, क्या तुम शाम छह बजे के बजाय आज सुबह आ सकते हो?"
“पांच मिनट के भीतर, जब और जहाँ आप चाहें। ‘अगर वह उन्हें आदेश दे, तो वे नंगे पैर यरूशलेम, महान चाम के दरबार में, पूर्वी इंडीज जाएंगे, उसके लिए एक पक्षी लाने के लिए जिसे वह अपनी टोपी में पहनेगी।’ क्या कुछ हुआ है?”
“कुछ भी चिंताजनक नहीं है; मौके पर थोड़े से सबूत मिले हैं। लेकिन आप बेकन और अंडे खत्म कर सकते हैं।”
मैं आधे घंटे में जोवेट वॉक लॉज में पहुँच जाऊँगा।
वह बंटर और एक कैमरे के साथ आया था। हैरियट उन्हें डीन के कमरे में ले गई और मिस मार्टिन की मदद से उन्हें पूरी कहानी सुनाई। मिस मार्टिन ने पूछा कि क्या वह दोनों स्काउट्स का इंटरव्यू लेना चाहेंगे।
“अभी नहीं। लगता है आपने सारे ज़रूरी सवाल पूछ लिए हैं। हम जाकर कमरा देखते हैं। मुझे लगता है कि इस गलियारे के अलावा वहाँ जाने का कोई रास्ता नहीं है। बाईं ओर दो दरवाज़े हैं—शायद छात्रों के कमरे हैं। और दाईं ओर एक। बाकी सब बाथरूम वगैरह हैं। डार्करूम का दरवाज़ा कौन सा है? यह? दूसरे दरवाज़े के ठीक

सामने—तो खिड़की के अलावा भागने का कोई रास्ता नहीं था। ठीक है। लेक्चर रूम की चाबी अंदर थी और पर्दा ठीक वैसे ही लगा हुआ था? आपको यकीन है? ठीक है। क्या मैं चाबी ले सकता हूँ?"
उसने दरवाजा खोला और अंदर झांका।
"बंटर, इसकी एक तस्वीर ले लो। इस इमारत में बहुत ही बढ़िया, अच्छी तरह से फिट होने वाले दरवाजे हैं। ओक की लकड़ी के। उन पर कोई पेंट या पॉलिश नहीं है।"
उसने अपनी जेब से एक लेंस निकाला और उसे बड़ी लापरवाही से लाइट स्विच और दरवाजे के हैंडल पर घुमाया।
"क्या मैं सचमुच उंगलियों के निशान मिलते हुए देखने जा रहा हूँ?" डीन ने पूछा।
“क्यों नहीं, बिल्कुल,” विम्सी ने कहा। इससे हमें कुछ पता नहीं चलेगा, लेकिन यह देखने वाले को प्रभावित करता है और आत्मविश्वास जगाता है। बंटर, फूंक मारने वाला। अब आप देखेंगे,” उसने दरवाजे के फ्रेम और हैंडल पर तेज़ी से सफेद पाउडर छिड़का, “कि दरवाजे खोलते समय उसे पकड़ने की आदत कितनी पक्की होती है।” जैसे ही उसने अतिरिक्त पाउडर उड़ाया, ताले के ऊपर कई सारी आकृतियाँ उभर आईं। “इसीलिए उंगली रखने की पुरानी और बेहतरीन प्रथा है। क्या मैं बाथरूम से एक कुर्सी ले आऊं?... ओह, धन्यवाद, मिस वेन; मेरा मतलब आपको लाने के लिए कहना नहीं था।” उसने फूंक मारने की प्रक्रिया को दरवाजे के ऊपरी हिस्से और फ्रेम के ऊपरी किनारे तक बढ़ा दिया।
डीन ने कहा, "आप निश्चित रूप से वहां उंगलियों के निशान मिलने की उम्मीद नहीं करते हैं।"
“इससे ज़्यादा हैरानी की बात और क्या हो सकती है। ये तो बस दिखावटी सफ़ाई और कुशलता का प्रदर्शन है। जैसा कि पुलिसवाले ने कहा, ये तो रोज़मर्रा का काम है। आपका कॉलेज बहुत साफ़-सुथरा रखा जाता है; आपको बधाई। बस, अब हम अपनी ध्यान से देखती नज़रें डार्क-रूम के दरवाज़े पर डालते हैं और वहाँ भी यही करते हैं। चाबी? शुक्रिया। यहाँ कम निशान हैं, आप देख रहे हैं। मेरा अंदाज़ा है कि इस कमरे में आमतौर पर लेक्चर-रूम से होकर जाया जाता है। शायद इसी वजह से दरवाज़े के ऊपर धूल जमी है। कुछ न कुछ तो हमेशा छूट ही जाता है, है ना? लेकिन लिनोलियम को तो बड़ी ही अच्छी तरह से साफ़ और पॉलिश किया गया है। क्या मुझे घुटनों के बल बैठकर पैरों के निशान ढूंढने पड़ेंगे? ये पैंट के लिए बहुत बुरा है और शायद ही कभी काम आता है। चलिए, खिड़की की जाँच करते हैं। हाँ—लगता है कोई यहाँ से ज़रूर

निकला है। लेकिन ये तो हमें पहले से ही पता था। वो सिंक के ऊपर चढ़ी और उस बीकर को ड्रेनिंग बोर्ड से गिरा दिया।”
"उसने सिंक पर पैर रख दिया था," हैरियट ने कहा, "और खिड़की की चौखट पर गीला धब्बा छोड़ दिया था। अब तो वह सूख गया है, बेशक।"
“हाँ; लेकिन इससे यह साबित होता है कि वह सचमुच इसी रास्ते से और उसी समय बाहर निकली थी। हालाँकि इसे साबित करने की शायद ही ज़रूरत थी। बाहर निकलने का कोई और रास्ता नहीं है। यह पूरी तरह से सीलबंद कक्ष और शव वाली पुरानी समस्या नहीं है। बंटर, क्या तुमने अंदर अपना काम खत्म कर लिया है?”
"जी हां, मेरे स्वामी; मैंने तीन खुलासे किए हैं।"
“बस इतना काफी है। आप दरवाज़े साफ़ कर देंगे क्या?” वह मुस्कुराते हुए डीन की ओर मुड़ा। “देखिए, अगर हम उन सभी उंगलियों के निशान पहचान भी लें, तो भी वे उन लोगों के होंगे जिन्हें यहाँ रहने का पूरा अधिकार था। और वैसे भी, हमारा अपराधी, आजकल के बाकी लोगों की तरह, शायद इतना तो जानता ही होगा कि दस्ताने पहनना चाहिए।”
उन्होंने व्याख्यान कक्ष का आलोचनात्मक अवलोकन किया।
“मिस वेन!”
"हाँ?"
“इस कमरे को लेकर आपको कुछ चिंता थी। वह क्या थी?”
आपको बताने की जरूरत नहीं है।
“नहीं; मुझे पूरा यकीन है कि हमारे दोनों दिल एक साथ धड़कते हैं। लेकिन मिस मार्टिन को बता देना।”
“जब पॉइज़न-पेन ने लाइट बंद की, तो वह दरवाजे के पास ही रही होगी। फिर वह अंधेरे कमरे से बाहर निकली। उसने ब्लैकबोर्ड क्यों गिरा दिया, जो दोनों दरवाजों के बीच की रेखा से बिल्कुल बाहर है?”
"बिल्कुल।"
“अरे!” डीन चिल्लाया, “लेकिन ये तो कुछ भी नहीं है। अंधेरे कमरे में अक्सर रास्ता भटक जाते हैं। एक रात मेरी पढ़ने वाली बत्ती की फ्यूज निकल गई, और मैं दीवार पर लगे स्विच को ढूंढने के लिए उठा और अलमारी से नाक सटाकर खड़ा हो गया।”
“देखो!” विम्सी ने कहा। “समझदारी की ठंडी आवाज़ हमारे अनुमानों पर ऐसे गिरती है जैसे गर्म कांच पर ठंडा पानी, और उन्हें चकनाचूर कर देती है। लेकिन मुझे इस पर

विश्वास नहीं है। उसे बस दीवार के सहारे रास्ता ढूंढना था। कमरे के बीच में वापस जाने का उसका कोई कारण तो रहा ही होगा।”
"उसने मेजों में से एक पर कुछ छोड़ दिया था।"
“इसकी संभावना अधिक है। लेकिन क्या? कुछ ऐसा जिसकी पहचान की जा सके।”
"एक रूमाल या कोई ऐसी चीज जिसका इस्तेमाल वह अक्षरों को चिपकाते समय दबाने के लिए कर रही थी।"
“हम यही कहेंगे। मुझे लगता है कि ये कागज़ वैसे ही हैं जैसे आपको मिले थे। क्या आपने इन्हें जांच कर देखा कि पेस्ट अभी भी गीला था?”
“मुझे फर्श पर एक अधूरा सा कागज़ पड़ा हुआ महसूस हुआ। आप देख ही रहे हैं कि इसे कैसे बनाया जाता है। उसने कागज़ पर गोंद की एक सीधी रेखा खींची और फिर उस पर अक्षर चिपका दिए। अधूरी रेखा थोड़ी चिपचिपी थी, लेकिन गीली नहीं थी। लेकिन फिर, आप जानते हैं, हम उसके जाने के पाँच-दस मिनट बाद ही अंदर पहुँचे।”
“आपने बाकी किसी का परीक्षण नहीं किया?”
"मुझे डर नहीं लग रहा है।"
“मैं तो बस यही सोच रहा था कि वह यहाँ कितने समय से काम कर रही है। उसने काफी समय निकाल लिया है। लेकिन शायद हमें कोई और तरीका मिल जाए।” उसने उन चिट्ठियों वाले बक्से का ढक्कन उठाया।
“खुरदुरा भूरा कार्डबोर्ड; मुझे नहीं लगता कि हमें इस पर उंगलियों के निशान ढूंढने की ज़रूरत है। न ही इसका पता लगाने की; यह कहीं से भी आ सकता है। उसका काम लगभग पूरा हो चुका था; बस कुछ दर्जन अक्षर बचे हैं, और उनमें से बहुत सारे क्यू, के, जेड और ऐसे ही अटपटे व्यंजन हैं। मुझे आश्चर्य है कि इस आखिरी संदेश का अंत कैसे होना था।”
उसने फर्श से कागज उठाया और उसे पलट दिया।
"आपको संबोधित, मिस वेन। क्या यह पहली बार है जब आपको सम्मानित किया जा रहा है?"
"पहली बार—पहली बार के बाद से।"
“आह! ‘तुम्हें यह सोचने की ज़रूरत नहीं है कि तुम मुझे पा लोगे, तुम मुझे हंसाते हो, तुम...’ खैर, उपनाम अभी भी बॉक्स में मौजूद अक्षरों से खोजना बाकी है। अगर आपकी शब्दावली काफी बड़ी है तो शायद आप पता लगा सकें कि वह क्या होने वाला था।”
लेकिन... लॉर्ड पीटर—”

उसे इतने लंबे समय से उसके पदनाम से संबोधित नहीं किया था कि उसे थोड़ा असहज महसूस हुआ। लेकिन उसने उसकी औपचारिकता की सराहना की।
मैं यह जानना चाहता हूं कि वह आखिर इस कमरे में आई ही क्यों।
"यही तो रहस्य है, है ना?"
मेज पर एक शेडेड रीडिंग लैंप रखा था, और वह यूं ही लाइट को ऑन-ऑफ कर रहा था। "हां। वह अपने कमरे में ऐसा क्यों नहीं कर सकती थी? भला क्यों किसी को पता चलने देना?"
"क्षमा कीजिए, मेरे स्वामी।"
“जी हां, बंटर?”
"क्या इससे जांच में कोई योगदान मिलेगा?"
बंटर मेज के नीचे गोता लगाकर गया और एक लंबी काली हेयरपिन पकड़े हुए ऊपर आया।
“हे भगवान, बंटर! यह तो किसी भूली हुई कहानी के पन्ने जैसा है। इन चीजों का इस्तेमाल कितने लोग करते होंगे?”
“ओह, आजकल तो काफी चलन में हैं,” डीन ने कहा। “गर्दन में छोटे-छोटे बन्स फिर से चलन में आ गए हैं। मैं खुद भी इनका इस्तेमाल करता हूँ, लेकिन मेरे वाले कांसे के हैं। और कुछ छात्र भी। और मिस लिडगेट भी—लेकिन मुझे लगता है उनके वाले भी कांसे के ही हैं।”
"मैं जानती हूँ कि इस आकार के काले वाले कौन इस्तेमाल करता है," हैरियट ने कहा। "मुझे एक बार उनके लिए इन्हें लगाने का सौभाग्य मिला था।"
"मिस डी वाइन, बिल्कुल। हमेशा की तरह सफेद रानी। और वो तो हर जगह सफेद रंग बिखेर देती थीं। लेकिन मुझे लगता है कि वो कॉलेज में शायद इकलौती ऐसी शख्सियत थीं जो कभी गलती से भी इस कमरे में नहीं आती थीं। वो न तो कोई लेक्चर देती हैं, न ही कोई क्लास, और न ही कभी डार्क रूम का इस्तेमाल करती हैं और न ही वैज्ञानिक ग्रंथों से सलाह लेती हैं।"
"कल रात जब मैं वहां से गुज़री तो वह अपने कमरे में काम कर रही थी," हैरियट ने कहा।
"क्या तुमने उसे देखा?" विम्सी ने झट से कहा।
मुझे माफ़ करना। मैं बेवकूफ़ हूँ। मेरा मतलब सिर्फ़ इतना था कि उसकी पढ़ने वाली बत्ती जल रही थी, जो उसकी खिड़की के पास थी।

“सिर्फ़ एक लैंप की रोशनी के सहारे आप अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर सकते,” विम्सी ने कहा। “मुझे लगता है कि मुझे आखिर में खुद ही सबूत पेश करना पड़ेगा।”
डीन ने ही दूसरी हेयरपिन उठाई—उस जगह से जहाँ उसे मिलने की सबसे ज़्यादा उम्मीद थी—अंधेरे कमरे में सिंक के पास एक कोने से। वह खुद को जासूस समझकर इतनी खुश थी कि वह इस खोज के नतीजों को लगभग भूल ही गई थी, जब तक कि हैरियट की परेशान करने वाली चीख ने उसे इसका एहसास नहीं करा दिया।
“हमने अभी तक हेयरपिन की पहचान पक्के तौर पर नहीं की है,” पीटर ने दिलासा देते हुए कहा। “यह काम मिस वेन कर देंगी।” उसने कागज़ समेटे। “मैं इन्हें ले जाकर फ़ाइल में जोड़ देता हूँ। मुझे लगता है कि ब्लैकबोर्ड पर हमारे लिए कोई संदेश नहीं है?”
उसने उस बोर्ड को उठाया, जिस पर मिस एडवर्ड्स की लिखावट में चाक से कुछ रासायनिक सूत्र लिखे हुए थे, और खिड़की के दूसरी तरफ ईज़ल को सीधी स्थिति में वापस रख दिया।
“देखो!” हैरियट अचानक बोली। “मुझे पता है वो उस तरफ क्यों गई। वो लेक्चर रूम की खिड़की से बाहर निकलना चाहती थी, लेकिन सलाखों को भूल गई थी। जब उसने पर्दा हटाया और सलाखें देखीं, तभी उसे डार्क रूम याद आया और वो जल्दी से भाग गई, ब्लैकबोर्ड को गिराते हुए और कुर्सियों पर लुढ़कते हुए। वो खिड़की और ईज़ल के बीच में रही होगी, क्योंकि बोर्ड और ईज़ल दीवार की तरफ पीछे नहीं, बल्कि कमरे में आगे की ओर गिरे।”
पीटर ने उसे ध्यान से देखा। फिर वह वापस अंधेरे कमरे में गया और खिड़की का चौखट नीचे-ऊपर किया। वह आसानी से और लगभग खामोशी से हिल गया।
“अगर यह जगह इतनी मज़बूती से न बनी होती,” उसने डीन से लगभग इल्ज़ाम लगाते हुए कहा, “तो किसी ने खिड़की के खुलने की आवाज़ सुनकर समय रहते दौड़कर उस महिला को पकड़ लिया होता। अब तो मुझे हैरानी है कि एनी ने बीकर के सिंक में गिरने की आवाज़ क्यों नहीं सुनी... लेकिन अगर सुनी भी होगी, तो शायद उसने सोचा होगा कि लेक्चर रूम में कुछ था—कोई कांच का केस वगैरह। आपके आने के बाद आपने कुछ नहीं सुना, है ना?”
"कोई बात नहीं।"
“तो फिर वो तब बाहर निकली होगी जब कैरी तुम्हें बिस्तर से उठा रही थी। मुझे लगता है किसी ने उसे जाते हुए नहीं देखा होगा।”

"मैंने उन तीन छात्रों से पूछा जिनकी खिड़कियां उस दीवार की ओर खुलती हैं, और उन्होंने कुछ नहीं देखा," हैरियट ने कहा।
“अच्छा, तुम ऐनी से बीकर के बारे में पूछ सकते हो। और उन दोनों से भी पूछो कि जब वे वहाँ से गुज़रे तो उन्होंने ध्यान दिया था कि अंधेरे कमरे की खिड़की खुली थी या बंद। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कुछ देखा होगा, लेकिन कुछ कहा नहीं जा सकता।”
“इससे क्या फर्क पड़ता है?” डीन ने पूछा।
“ज़्यादा कुछ नहीं। लेकिन अगर यह बंद था, तो यह मिस वेन के ब्लैकबोर्ड वाले विचार का समर्थन करता है। अगर यह खुला था, तो इससे संकेत मिलता है कि उस दिशा में कोई पीछे हटने की योजना बनाई गई थी। सवाल यह है कि हम एक दूरदर्शी व्यक्ति से निपट रहे हैं या मानसिक रूप से दूरदर्शी व्यक्ति से। और आप साथ ही यह भी पूछ सकते हैं कि क्या स्काउट्स विंग की अन्य महिलाओं में से किसी ने व्याख्यान कक्ष में प्रकाश देखा, और यदि हाँ, तो जल्दी प्रणाम करें।”
हैरियट हंस पड़ी।
मैं आपको यह बात तुरंत बता सकता हूँ। उनमें से किसी ने भी नहीं। अगर उन्होंने ऐसा किया होता, तो वे हमें इसके बारे में बताने के लिए बेताब हो जाते। आप पूरी तरह से आश्वस्त हो सकते हैं कि आज सुबह नौकरों के हॉल में एनी और कैरी के कारनामे की ही चर्चा हो रही थी।
“यह बात बिलकुल सच है,” माननीय न्यायाधीश ने कहा।
कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। व्याख्यान कक्ष में आगे शोध के लिए कोई गुंजाइश नहीं दिख रही थी। हैरियट ने सुझाव दिया कि विम्सी कॉलेज का दौरा करना पसंद कर सकते हैं।
उन्होंने कहा, "मैं यही सुझाव देने वाला था, अगर आपके पास समय हो तो।"
“मिस लिडगेट आधे घंटे में मुझसे मिलने वाली हैं ताकि हम छंदशास्त्र पर फिर से चर्चा कर सकें,” हैरियट ने कहा। “मुझे इसमें दखल नहीं देना चाहिए, क्योंकि उनका समय बहुत कीमती है, और उन्होंने अचानक एक नया परिशिष्ट जोड़ने का विचार किया है।”
“अरे नहीं!” डीन चिल्लाया।
"अफसोस, हाँ! लेकिन हम घूमकर अधिक महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्रों का अवलोकन कर सकते हैं।"
"मैं विशेष रूप से हॉल और पुस्तकालय और उनके बीच के संबंध, ट्यूडर बिल्डिंग के प्रवेश द्वार को मिस बार्टन के पूर्व कमरे के साथ, चैपल के लेआउट को पोस्टर्न के

संदर्भ में और उस स्थान को देखना चाहूंगा जहां, ईश्वर की कृपा से, कोई दीवार के ऊपर से छलांग लगाता है, और क्वीन एलिजाबेथ से न्यू क्वाड तक जाने वाले रास्ते को देखना चाहूंगा।"

“हे भगवान!” हैरियट ने कहा। “क्या तुम पूरी रात फाइल लेकर जागते रहे?”

“चुप रहो! नहीं, मैं थोड़ा जल्दी उठ गया। लेकिन बंटर को पता न चलने देना, वरना वो चिंता करने लगेगा। लोग मरते हैं और कीड़े उन्हें खा जाते हैं, लेकिन जल्दी उठने की वजह से नहीं। बल्कि, कहते हैं कि जो कीड़ा जल्दी उठता है, उसे ही चिड़िया मिलती है।”

डीन ने कहा, “तुम मुझे याद दिला रहे हो कि मेरे कमरे में आधा दर्जन कीड़े इस पल पक्षी को पकड़ने के लिए घात लगाए बैठे हैं। तीन बिना छुट्टी लिए देर से आए, दो ग्रामोफोन तय समय के बाद बज रहे हैं, और एक अनियमित वाहन। हम रात के खाने पर फिर मिलेंगे, लॉर्ड पीटर।”

वह उन बदमाशों से निपटने के लिए तेज़ी से भाग गई, और पीटर और हैरियट को अपना दौरा जारी रखने के लिए छोड़ दिया। पीटर की बातों से हैरियट उसके मन की बात ठीक से समझ नहीं पाई; उसे लगा कि वह कुछ हद तक मौजूदा मामले से बेखबर है।

जब वे जोवेट वॉक लॉज पहुंचे, जहां उन्होंने कार छोड़ी थी, तो उन्होंने अंत में कहा, "मुझे लगता है कि रात में आपको बहुत कम परेशानी होगी।"

"क्यों?"

खैर, एक बात तो यह है कि रातें बहुत छोटी होती जा रही हैं, और जोखिम बहुत बढ़ गए हैं... फिर भी—अगर मैं आपसे पूछूं—कि आपको कुछ व्यक्तिगत सावधानियां बरतनी चाहिए, तो क्या आपको बुरा लगेगा?

“किस तरह की सावधानियां?”

“मैं तुम्हें अपने साथ बिस्तर पर ले जाने के लिए रिवाल्वर तो नहीं दूँगा। लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि अब से तुम और कम से कम एक और व्यक्ति हमले के खतरे में हो सकते हो। हो सकता है यह मेरा वहम हो। लेकिन अगर यह मज़ाकिया औरत घबराकर कुछ समय के लिए शांत हो गई—और मुझे लगता है कि वह घबरा गई है—तो अगला हमला गंभीर हो सकता है—जब वह होगा।”

"खैर," हैरियट ने कहा, "उसने खुद कहा है कि उसे मैं सिर्फ मजाकिया लगता हूं।"

डैशबोर्ड के फिटिंग्स में से किसी एक चीज़ ने उनका ध्यान आकर्षित किया और उन्होंने उसकी ओर नहीं बल्कि कार की ओर देखते हुए कहा:
“हाँ। लेकिन बिना किसी अहंकार के, मैं चाहता हूँ कि मैं तुम्हारा पति, तुम्हारा भाई, तुम्हारा प्रेमी, या कुछ भी होता, सिवाय इसके कि मैं अभी क्या हूँ।”
"तुम्हारा मतलब है, तुम्हारा यहाँ होना मेरे लिए खतरा है?"
"मुझे लगता है कि मैं अपनी ही तारीफ कर रहा हूँ।"
लेकिन इससे तुम मुझे नुकसान पहुंचाने से नहीं रुकोगे।
"हो सकता है कि वह इस बारे में स्पष्ट रूप से न सोचती हो।"
"खैर, अगर यह कोई जोखिम है तो मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। और मुझे नहीं लगता कि अगर आप मेरे रिश्तेदार होते तो यह जोखिम कम होता।"
“मेरी उपस्थिति का कोई निर्दोष बहाना तो होगा ही, है ना?... यह मत सोचिए कि मैं इसका फायदा उठाना चाहता हूँ। जैसा कि आपने शायद देखा होगा, मैं औपचारिकताओं का सावधानीपूर्वक पालन कर रहा हूँ। मैं बस आपको यह चेतावनी दे रहा हूँ कि कभी-कभी मुझसे जान-पहचान रखना खतरनाक हो सकता है।”
“पीटर, इस बात को स्पष्ट कर लो। तुम्हें लगता है कि तुम्हारे यहाँ होने से वह महिला हताश हो सकती है और मुझसे इसका फायदा उठाने की कोशिश कर सकती है। और तुम मुझे बड़ी ही नज़ाकत से यह बताने की कोशिश कर रहे हो कि अगर हम इस मामले में तुम्हारी दिलचस्पी को किसी और तरह की दिलचस्पी के रूप में छुपा लें तो शायद ज़्यादा सुरक्षित रहेगा।”
"आपके लिए अधिक सुरक्षित।"
“हाँ—हालाँकि मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप ऐसा क्यों सोचते हैं। लेकिन आपको यकीन है कि मैं इस तरह का शर्मनाक दिखावा करने से बेहतर मरना पसंद करूँगा।”
"अच्छा, क्या आप ऐसा नहीं करेंगे?"
और कुल मिलाकर, आप मुझे शर्मिंदा देखने की बजाय मरा हुआ देखना पसंद करेंगे।
“यह शायद अहंकार का ही एक और रूप है। लेकिन मैं पूरी तरह से आपकी सेवा में तत्पर हूं।”
"बेशक, अगर आप इतने खतरनाक सहयोगी हैं, तो मैं आपको चले जाने के लिए कह सकता हूँ।"
"मुझे लग रहा है कि आप मुझे काम अधूरा छोड़कर चले जाने के लिए उकसा रहे हैं।"

“खैर, पीटर, मैं तुम्हारे सामने या तुम्हारे बारे में किसी भी तरह का दिखावा करने से बेहतर मरना पसंद करूँगा। लेकिन मुझे लगता है कि तुम इस बात को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हो। तुम आमतौर पर इस तरह घबराते नहीं हो।”
“हाँ, मैं ऐसा करता हूँ; अक्सर करता हूँ। लेकिन अगर यह सिर्फ मेरा अपना जोखिम है, तो मैं इसे होने दे सकता हूँ। लेकिन जब बात दूसरों की आती है—”
"आपकी स्वाभाविक प्रवृत्ति महिलाओं और बच्चों को छत के नीचे सुरक्षित स्थान पर ले जाने की होती है।"
“खैर,” उन्होंने विनम्रतापूर्वक स्वीकार किया, “कोई भी अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति को पूरी तरह से दबा नहीं सकता; भले ही किसी का तर्क और स्वार्थ इसके बिल्कुल विपरीत हों।”
"पीटर, यह तो बहुत दुख की बात है। चलो मैं तुम्हें एक प्यारी सी महिला से मिलवाता हूँ जिसे सुरक्षा पाना बहुत पसंद है।"
“उसके साथ मेरा समय बर्बाद होगा। वैसे भी, वह हमेशा मुझे बड़े ही प्यार से, मेरे भले के लिए धोखा देती रहेगी; और यह मुझे बर्दाश्त नहीं होगा। मुझे ऐसे व्यक्ति द्वारा चतुराई से नियंत्रित किया जाना पसंद नहीं है जो मेरे बराबर का होना चाहिए। अगर मुझे चतुर आश्रित चाहिए, तो मैं उन्हें रख सकता हूँ। और अगर वे ज़्यादा ही चतुर हो जाएँ तो उन्हें निकाल भी सकता हूँ। मेरा मतलब बंटर से नहीं है। वह लगातार मौन आलोचनाओं की ठंडी बौछार से मुझे चुनौती देता है। मैं उसकी रक्षा नहीं करता; वह मेरी रक्षा करता है, और स्वतंत्र निर्णय लेता है... हालाँकि; सुरक्षात्मक होने का दिखावा किए बिना, क्या मैं फिर भी सुझाव दे सकता हूँ कि आपको उचित सावधानी बरतनी चाहिए? मैं आपको साफ-साफ बता दूँ, मुझे आपके दोस्त का चाकू और गला घोंटने के प्रति जुनून पसंद नहीं है।”
"क्या आप गंभीर हैं?"
“कम से कम एक बार के लिए।”
हैरियट उसे यह कहने ही वाली थी कि वह ऐसी बेवकूफी भरी बातें न करे; तभी उसे मिस बार्टन की वह कहानी याद आ गई जिसमें उन्होंने बताया था कि किसी ताकतवर हाथ ने उन्हें पीछे से पकड़ लिया था। यह कहानी शायद सच ही थी। रात में लंबे गलियारों में घूमने का ख्याल अचानक उसे अप्रिय लगने लगा।
“बहुत अच्छा; मैं सावधान रहूंगा।”

“मुझे लगता है यही समझदारी होगी। मुझे अब निकलना चाहिए। मैं रात के खाने पर हाई टेबल के सामने उपस्थित होने के लिए समय पर पहुँच जाऊँगा। सात बजे?”
उसने सिर हिलाया। उसने सुबह छह बजे के बजाय आज सुबह आने के उसके निर्देश का सख्ती से पालन किया था। वह थोड़ी झिझक महसूस करते हुए मिस लिडगेट के प्रूफ़ को हल करने के लिए चली गई।

## अध्याय 17

जो व्यक्ति बहुत प्रश्न पूछता है, वह बहुत कुछ सीखता है और संतुष्ट रहता है; विशेषकर तब जब वह अपने प्रश्नों को उन व्यक्तियों की कुशलता के अनुरूप पूछे जिनसे वह प्रश्न पूछ रहा है; क्योंकि इससे उन्हें बोलने का अवसर मिलेगा और स्वयं भी निरंतर ज्ञान प्राप्त करता रहेगा। परन्तु उसके प्रश्न कष्टदायक नहीं होने चाहिए, क्योंकि ऐसा प्रश्न पूछना उचित नहीं है; और उसे यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि अन्य व्यक्तियों को भी बोलने का अवसर मिले।

—फ्रांसिस बेकन

डीन ने कहा, "आप एक ऐसे घबराए हुए माता-पिता की तरह दिख रहे हैं जिनका छोटा लड़का स्कूल के संगीत कार्यक्रम में 'द रेक ऑफ द हेस्परस' की कहानी सुनाने वाला है।"
हैरियट ने कहा, "मुझे डैनियल की मां जैसा महसूस होता है।"
राजा दारियस ने शेरों से कहा: “दानियल को काटो। दानियल को काटो। उसे काटो। उसे काटो। उसे काटो।”
“ग्रर्र!” डीन ने कहा।
वे सीनियर कॉमन रूम के दरवाजे पर खड़े थे, जहाँ से जोवेट वॉक लॉज का नजारा दिखता था। ओल्ड क्वाड में चहल-पहल थी। देर से आने वाले लोग रात के खाने के लिए कपड़े बदलने में जल्दी कर रहे थे; कुछ लोग कपड़े बदलकर समूहों में टहल रहे थे और घंटी बजने का इंतजार कर रहे थे; कुछ लोग अभी भी टेनिस खेल रहे थे; मिस डी वाइन लाइब्रेरी बिल्डिंग से निकलीं, अभी भी बालों में पिन ठूँस रही थीं (हैरियट ने उन पिनों की जाँच की थी और उन्हें पहचान लिया था); न्यू क्वाड एंगल की तरफ से एक आकर्षक महिला उनकी ओर बढ़ती हुई दिखाई दी।
“मिस शॉ के पास एक नई फ्रॉक है,” हैरियट ने कहा।
“हाँ, उसने ऐसा किया! कितनी शानदार बात है!”

और वह खेत में खिले तरबूज की तरह सुंदर थी।
समुद्र पर तैरते जहाज की तरह सहज और सुंदर।
"मेरे प्रिय, यह डेनियल के लिए है।"
"डीन, प्यारे, तुम बिल्ली की तरह व्यवहार कर रहे हो।"
“खैर, क्या हम सब ऐसे नहीं हैं? सबका इतनी जल्दी आना बेहद अशुभ संकेत है। मिस हिलयार्ड भी अपनी सबसे खूबसूरत काली गाउन में सजी-धजी हैं, जिसके पीछे लंबा ट्रेल है। हम सबको लगता है कि भीड़ में सुरक्षा होती है।”
गर्मियों के सुहावने दिन में खाने से पहले सीनियर कॉमन रूम के छात्रों का अपने घर के बाहर इकट्ठा होना कोई असामान्य बात नहीं थी, लेकिन हैरियट ने चारों ओर नज़र घुमाते हुए माना कि उस शाम सात बजे से पहले वहाँ सामान्य से ज़्यादा लोग मौजूद थे। उसे लगा कि वे सभी आशंकित लग रहे थे और कुछ तो शत्रुतापूर्ण भी। वे एक-दूसरे से नज़रें मिलाने से बच रहे थे; फिर भी वे ऐसे इकट्ठा हुए थे मानो किसी आम खतरे से खुद को बचा रहे हों। उसे अचानक यह बात बेतुकी लगी कि कोई पीटर विम्सी से क्यों डरेगा; उसे वे सब किसी दंत चिकित्सक के प्रतीक्षालय में बैठे घबराए हुए मरीज़ों के एक हानिरहित समूह की तरह लगे।
मिस पाइक की कर्कश आवाज उसके कान में गूंजी, "ऐसा लगता है कि हम अपने मेहमान के लिए कुछ ज्यादा ही भव्य स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। क्या वह डरपोक स्वभाव का है?"
"मुझे कहना चाहिए कि वह बिल्कुल कठोर स्वभाव का था," हैरियट ने कहा।
“यह मुझे याद दिलाता है,” डीन ने कहा। “शर्ट के सामने के हिस्से के मामले में—”
"बेशक, सख्त," हैरियट ने गुस्से से कहा। "और अगर वह फट जाए या फूल जाए, तो मैं तुम्हें पाँच पाउंड दूंगी।"
मिस पाइक ने कहा, "मैं आपसे पूछना चाहती थी। यह चटकने की आवाज़ किस कारण से आती है? मैं डॉ. थ्रीप से इतना निजी सवाल नहीं पूछना चाहती थी, लेकिन मेरी जिज्ञासा बहुत बढ़ गई थी।"
"बेहतर होगा कि आप लॉर्ड पीटर से पूछें," हैरियट ने कहा।
"अगर आपको लगता है कि उन्हें बुरा नहीं लगेगा," मिस पाइक ने पूरी गंभीरता से जवाब दिया, "तो मैं ऐसा ही करूंगी।"
न्यू कॉलेज की घंटियाँ, जो कुछ हद तक बेसुरी थीं, ने चारों चौथाई घंटे बजने के बाद घंटा बजाया।

“समय की पाबंदी,” डीन ने लॉज की ओर देखते हुए कहा, “लगता है इस सज्जन के गुणों में से एक है। बेहतर होगा कि आप जाकर उनसे मिलें और इस कठिन परीक्षा से पहले उनका मन बहला लें।”
“क्या तुम्हें ऐसा लगता है?” हैरियट ने सिर हिलाया। “तुम कोई चंचल टैमस योनी नहीं हो।”
कॉलेज की छात्राओं की निगाहों के बीच एक अकेले आदमी के लिए चौड़े मैदान को पार करना शायद शर्मनाक हो सकता है, लेकिन इसकी तुलना लॉर्ड्स के पवेलियन से पिच के दूसरे छोर तक की लंबी यात्रा से की जाए, जहाँ पाँच विकेट गिर चुके हों और फॉलो-ऑन से बचने के लिए नब्बे रन चाहिए हों, तो यह कुछ भी नहीं है। उस समय जीवित हजारों लोग उस सहज और शांत चाल और आत्मविश्वास से भरे सिर को पहचान सकते थे। हैरियट ने उसे तीन-चौथाई दूरी अकेले तय करने दी और फिर उससे मिलने के लिए आगे बढ़ी।
"क्या आपने अपने दांत साफ कर लिए हैं और प्रार्थना कर ली है?"
“जी माँ; और मैंने अपने नाखून काटे, कानों के पीछे धोए और एक साफ रुमाल लिया।”
उस समय वहाँ से गुज़र रहे कुछ विद्यार्थियों को देखकर हैरियट को लगा कि काश वह उनके बारे में भी ऐसा ही कह पाती। वे मैले-कुचले और अस्त-व्यस्त थे और मिस शॉ ने पहनावे पर जो ध्यान दिया था, उसके लिए वह अनजाने में ही आभारी महसूस कर रही थी। जहाँ तक उसके साथ चल रहे विद्यार्थी की बात है, उसके चिकने पीले बालों से लेकर उसके जूतों तक, उसे उस पर शक हो रहा था; सुबह वाला उसका मूड गायब हो चुका था, और वह शरारत करने के लिए बंदरों के झुंड की तरह तैयार था।
“तो चलिए, और अच्छे से पेश आइए। क्या आपने अपने भतीजे को देखा है?”
मैंने उसे देखा है। मेरी दिवालियापन की घोषणा शायद कल हो जाएगी। उसने मुझसे कहा कि मैं उसका प्यार तुम्हें दे दूँ, शायद उसे लगा होगा कि मैं अब भी उस चीज़ को खुलकर लुटा सकती हूँ। हालाँकि वह सब कुछ उससे तुम्हारे पास लौट आया, पर पहले वह मेरा ही था। वह रंग तुम पर बहुत जँच रहा है।
उनका लहजा सहज और तटस्थ था, और हैरियट को उम्मीद थी कि वह उसके पहनावे के बारे में बात कर रहे होंगे; लेकिन वह निश्चित नहीं थी। उसे डीन को उन्हें सौंपने में खुशी हुई, जो उन्हें लेने और परिचय की प्रक्रिया से मुक्त करने के लिए आगे आए। हैरियट कुछ मजे से यह सब देख रही थी। मिस लिडगेट, जो इतनी सहज थीं कि उन्होंने कोई औपचारिकता नहीं दिखाई, ने उनका अभिवादन ठीक वैसे ही किया जैसे

वह किसी और का करतीं, और मध्य यूरोप की स्थिति के बारे में उत्सुकता से पूछा; मिस शॉ ने एक ऐसी शालीनता से मुस्कुराया जिसने मिस स्टीवंस के रूखे "हाउ-डी-डू" और मिस एलिसन के साथ कॉलेज के मामलों पर तुरंत ही गरमागरम चर्चा में वापस चले जाने को और भी पुख्ता कर दिया; मिस पाइके ने उनसे हाल ही में हुई हत्या के बारे में एक बुद्धिमानी भरा सवाल पूछा; मिस बार्टन, मृत्युदंड के बारे में उन्हें सही जानकारी देने के स्पष्ट दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ीं, लेकिन उनके चेहरे पर दिखाई देने वाली सरल और सौम्यता को देखकर वह स्तब्ध रह गईं और इसके बजाय कहा कि आज का दिन वाकई बहुत अच्छा था।

"हास्य कलाकार!" हैरियट ने सोचा, क्योंकि मिस बार्टन ने पाया कि वह उससे कुछ भी नहीं कर सकतीं, इसलिए उन्होंने उसे मिस हिलयार्ड को सौंप दिया।

“आह,” विम्सी ने तुरंत मुस्कुराते हुए इतिहास के शिक्षक की रूठी हुई आँखों में देखा, “यह तो बहुत ही बढ़िया है। तलाक के कूटनीतिक पहलुओं पर हिस्टोरिकल रिव्यू में आपका लेख...”

(हे भगवान! हैरियट ने सोचा, मुझे उम्मीद है कि उसे अपने काम की अच्छी जानकारी होगी।)

“...वास्तव में उत्कृष्ट। दरअसल, मुझे लगा कि आपने क्लेमेंट पर पड़ने वाले दबाव को थोड़ा कम करके आंका है...”

“...के पास मौजूद असंपादित संदेशों से परामर्श किया...”

“...आप इस तर्क को थोड़ा और आगे बढ़ा सकते थे। आपने बिल्कुल सही कहा है कि सम्राट...”

(जी हां, उसने लेख सही पढ़ा था।)

“... पूर्वाग्रह से ग्रस्त, लेकिन विधि साहित्य पर एक महत्वपूर्ण विशेषज्ञ...”

“...इसमें पूरी तरह से सुधार और संपादन की आवश्यकता है। इसमें अनगिनत गलत प्रतिलेख और कम से कम एक जानबूझकर की गई चूक है....”

“...यदि आपको कभी भी संपर्क की आवश्यकता हो, तो मैं संभवतः आपको आधिकारिक चैनलों के माध्यम से संपर्क करा सकता हूँ... व्यक्तिगत परिचय के माध्यम से... कोई कठिनाई न करें...”

डीन ने हैरियट से कहा, "मिस हिलयार्ड ऐसी लग रही हैं जैसे उन्हें जन्मदिन का उपहार मिला हो।"

“मुझे लगता है कि वह उसे किसी गुप्त सूचना स्रोत तक पहुँच प्रदान कर रहा है।” (आखिरकार, उसने सोचा, वह कोई खास व्यक्ति तो है, हालाँकि ऐसा लगता है कि उसे कभी याद रखना मुश्किल होता है।)
“...राजनीतिक से अधिक आर्थिक।”
“अहा!” मिस हिलयार्ड ने कहा, “जब राष्ट्रीय वित्त का सवाल आता है तो मिस डी वाइन ही असली विशेषज्ञ हैं।”
उन्होंने स्वयं परिचय कराया और चर्चा जारी रही।
डीन ने कहा, "खैर, उसने मिस हिलयार्ड को पूरी तरह से जीत लिया है।"
और मिस डी वाइन उन्हें पूरी तरह से अपने वश में कर रही हैं।
"मुझे लगता है कि यह आपसी है। खैर, उसके पीठ के बाल नीचे आ रहे हैं, जो खुशी और उत्तेजना का पक्का संकेत है।"
"हां," हैरियट ने कहा। विम्सी मठ के कोष के विनियोजन के बारे में बुद्धिमत्ता से बहस कर रहा था, लेकिन उसे इसमें कोई संदेह नहीं था कि उसके दिमाग में पेचीदा विचार भरे हुए थे।
“देखो, वार्डन आ रहे हैं। हमें इन्हें जबरदस्ती अलग करना होगा। उन्हें डॉ. बेरिंग का सामना करना होगा और उन्हें रात के खाने पर ले जाना होगा... सब ठीक है। उन्होंने उसे पकड़ लिया है। शाही विशेषाधिकार का वह दृढ़ दावा!... क्या आप उनके बगल में बैठना और उनका हाथ पकड़ना चाहेंगे?”
मुझे नहीं लगता कि उसे मेरी किसी सहायता की आवश्यकता है। आप ही उसके लिए सही व्यक्ति हैं। आप संदिग्ध नहीं हैं, लेकिन आपके पास कई महत्वपूर्ण जानकारियां हैं।
“ठीक है; मैं जाकर उससे बकवास करता हूँ। तुम हमारे सामने बैठो और अगर मैंने कुछ भी अनुचित कहा तो मुझे लात मार देना।”
इस व्यवस्था के चलते, हैरियट खुद को मिस हिलयार्ड (जिनके प्रति उसके मन में हमेशा एक तरह की शत्रुता रहती थी) और मिस बार्टन (जो जाहिर तौर पर विम्सी के जासूसी शौक को लेकर चिंतित थीं) के बीच थोड़ी असहज स्थिति में पा रही थी, और उन दो लोगों के आमने-सामने थी जिनकी निगाहें उसकी गंभीरता को भंग कर सकती थीं। डीन के दूसरी ओर मिस पाइके बैठी थीं; मिस हिलयार्ड के दूसरी ओर मिस डी वाइन थीं, जो विम्सी की नजरों के बिल्कुल सामने थीं। मिस लिडगेट, जो एक सुरक्षित

किले की तरह थीं, मेज के दूसरे छोर पर बैठी थीं, और किसी भी तरह की पनाह नहीं दे रही थीं।
न तो मिस हिलयार्ड और न ही मिस बार्टन ने हैरियट से कुछ खास कहा, जिससे वह वार्डन के विम्सी को परखने के सीधे-सादे इरादे और विम्सी के कूटनीतिक रूप से छिपे हुए लेकिन उतने ही हठी इरादे को आसानी से समझ सकी; यह मुकाबला दोनों पक्षों की ओर से अटूट शिष्टाचार के साथ जारी रहा।
डॉ. बेरिंग ने यह पूछकर अपनी बात शुरू की कि क्या लॉर्ड पीटर को कॉलेज का दौरा कराया गया था और वे इसके बारे में क्या सोचते हैं, और उन्होंने उचित विनम्रता के साथ कहा कि वास्तुकला की दृष्टि से, निश्चित रूप से, यह अधिक प्राचीन संस्थानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद शायद ही कर सकता है।
“यह देखते हुए,” उनके लॉर्डशिप ने दुख भरे स्वर में कहा, “कि मेरी अपनी प्राचीन संस्था की वास्तुकला महत्वाकांक्षा, विचलितता, कुरूपता और उपहास से गणितीय रूप से मिश्रित है, यह टिप्पणी व्यंग्य जैसी लगती है।”
वार्डन, लगभग इस भ्रम में पड़ गई कि उसने शिष्टाचार का उल्लंघन किया है, और उसने पूरी गंभीरता से उसे आश्वस्त किया कि उसका इरादा किसी भी तरह का व्यक्तिगत संकेत देने का नहीं था।
“कभी-कभार याद दिलाना हमारे लिए अच्छा होता है,” उन्होंने कहा। “हम उन्नीसवीं सदी की गोथिक शैली में सिमटे हुए हैं, कहीं अपनी अति-उत्साही भावना में हम ईश्वर को न भूल जाएं। हमने बुराई के लिए रास्ता बनाने के लिए अच्छाई को गिरा दिया; इसके विपरीत, आपने शून्य से संसार का निर्माण किया है—यह एक अधिक दिव्य प्रक्रिया है।”
मज़ाक और गंभीरता के बीच इस फिसलन भरी ज़मीन पर बड़ी मुश्किल से संतुलन बनाते हुए वार्डन ने आखिरकार अपना पैर जमा लिया:
"यह बिलकुल सच है कि हमें बहुत कम संसाधनों में से ही काम चलाना पड़ा है - और यह, जैसा कि आप जानते हैं, यहां हमारी पूरी स्थिति की खासियत है।"
“जी हां; आपके पास व्यावहारिक रूप से कोई विशेष संसाधन नहीं हैं?”
प्रश्न इस प्रकार पूछा गया था कि उसमें डीन भी शामिल हो जाएं, जिन्होंने प्रसन्नतापूर्वक कहा: "बिल्कुल सही। सब कुछ मितव्ययिता से किया गया है।"
“ऐसी स्थिति में,” उन्होंने गंभीरता से कहा, “इसकी प्रशंसा करना भी एक प्रकार की धृष्टता प्रतीत होती है। यह एक बहुत ही सुंदर हॉल है—इसका वास्तुकार कौन है?”

वार्डन ने उन्हें स्थानीय इतिहास के बारे में थोड़ी जानकारी दी और फिर रुकते हुए कहा: "लेकिन शायद आपको महिलाओं की शिक्षा के इस पूरे मुद्दे में विशेष रुचि नहीं है।"
“क्या यह अब भी एक सवाल है? ऐसा नहीं होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आप मुझसे यह नहीं पूछेंगे कि क्या मैं महिलाओं के इस और उस काम को स्वीकार करता हूँ या नहीं।”
"क्यों नहीं?"
"आपको यह संकेत नहीं देना चाहिए कि मुझे अनुमोदन या अस्वीकृति का कोई अधिकार है।"
वार्डन ने कहा, "मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि ऑक्सफोर्ड में भी हमें अभी भी कुछ ऐसे लोग मिलते हैं जो असहमति जताने के अपने अधिकार को बरकरार रखते हैं।"
और मुझे उम्मीद थी कि मैं सभ्यता में लौट रहा हूँ।
मछली की थालियाँ हटाए जाने से थोड़ी देर के लिए ध्यान भटक गया, और वार्डन ने इस अवसर का लाभ उठाकर यूरोप की स्थिति के बारे में पूछताछ शुरू कर दी। यहाँ अतिथि अपने ही क्षेत्र में थे। हैरियट ने डीन की ओर देखा और मुस्कुराई। लेकिन असली चुनौती तो अभी आने वाली थी। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति इतिहास की ओर ले जाती है, और डॉ. बेरिंग के मन में इतिहास दर्शन की ओर। शब्दों के जंजाल से अचानक प्लेटो का अशुभ नाम उभरा, और डॉ. बेरिंग ने एक दार्शनिक विचार को मोहरे की तरह आगे बढ़ाया और उसे लुभावने ढंग से दांव पर लगा दिया।
वार्डन के दार्शनिक मोहरे के कारण कई लोग अपूरणीय विपत्ति में फंस गए थे। इसे लेने के दो तरीके थे: दोनों ही विनाशकारी। एक था ज्ञान का दिखावा करना; दूसरा, शिक्षा के लिए झूठी उत्सुकता का प्रदर्शन करना। उनके लॉर्डशिप ने सौम्य मुस्कान के साथ इस चाल को अस्वीकार कर दिया:
“यह मेरे बस की बात नहीं है। मेरे पास दार्शनिक बुद्धि नहीं है।”
"और आप दार्शनिक मन को कैसे परिभाषित करेंगे, लॉर्ड पीटर?"
“मैं ऐसा नहीं करूंगा, परिभाषाएँ खतरनाक होती हैं। लेकिन मैं जानता हूँ कि दर्शनशास्त्र मेरे लिए एक बंद किताब है, जैसे संगीत उन लोगों के लिए होता है जिन्हें सुर की समझ नहीं होती।”
वार्डन ने उस पर सरसरी नजर डाली; उसने एक मासूम चेहरा पेश किया, अपनी थाली पर झुका हुआ और चिंतनशील, जैसे कोई बगुला तालाब के किनारे बैठा हो।

“बहुत ही सटीक उदाहरण है,” वार्डन ने कहा; “संयोग से, मैं खुद भी सुर-ताल पहचानने में असमर्थ हूँ।”
“क्या आप हैं? मुझे लगा था कि आप हो सकते हैं,” उन्होंने शांत भाव से कहा।
“यह तो बहुत दिलचस्प है। आपको कैसे पता चला?”
“आवाज की गुणवत्ता में कुछ तो खास है।” उन्होंने अपनी स्पष्ट, धूसर आँखों को जांच के लिए आगे बढ़ाया। लेकिन यह निष्कर्ष निकालना बहुत सुरक्षित नहीं है, और जैसा कि आपने शायद गौर किया होगा, मैंने यह निष्कर्ष नहीं निकाला। यही तो धोखेबाज की कला है—किसी से कबूलनामा करवाना और उसे तर्क के परिणाम के रूप में प्रस्तुत करना।”
“मैं समझ गया,” डॉ. बेरिंग ने कहा। “आप अपनी तकनीक को बहुत स्पष्ट रूप से प्रकट करते हैं।”
“वैसे भी तुम इसे समझ जाते, इसलिए बेहतर है कि खुद को उजागर कर दो और स्पष्टवादिता के लिए अनुचित प्रतिष्ठा हासिल कर लो। सच बोलने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि कोई उस पर विश्वास नहीं करता—यही झूठे ईश्वरीय दिखावे का मूल है।”
“तो क्या कोई ऐसा दार्शनिक है जिसकी किताबें आपके लिए बंद नहीं हैं? अगली बार मैं अरस्तू से शुरुआत करूंगा।”
वह अपने बाईं ओर बैठे पड़ोसी की ओर मुड़ी और उसे छोड़ दिया।
डीन ने कहा, "मुझे खेद है, हमारे पास आपको देने के लिए कोई तेज़ पेय नहीं है।" उनके चेहरे पर आशंका और शरारत का मिलाजुला भाव स्पष्ट था।
हल के नीचे बैठा मेंढक जानता है कि उसके हर दांत का सिरा कहाँ जाता है। क्या आप हमेशा अपने मेहमानों को कठिन सवालों से ही परखते हैं?
“जब तक वे स्वयं को सुलेमान साबित न कर दें, तब तक आप इस परीक्षा में बड़ी सफलता के साथ उत्तीर्ण हो चुके हैं।”
"चुप रहो! सामाजिक महत्व रखने वाली बुद्धिमत्ता का केवल एक ही प्रकार है, और वह है अपनी सीमाओं का ज्ञान।"
"इससे पहले भी कई बार घबराए हुए युवा प्रोफेसर और छात्र यह कहने से डरते हुए कि उन्हें नहीं पता, कंपकंपी के दौरे का शिकार हो चुके हैं।"
डीन के सामने बैठी मिस पाइक ने कहा, "वे खुद को सुकरात से कम बुद्धिमान साबित कर रहे हैं, जो अक्सर इस बात को स्वीकार करते थे।"

विम्सी ने कहा, "भगवान के लिए, सुकरात का नाम मत लो। नहीं तो सब कुछ फिर से शुरू हो जाएगा।"
डीन ने कहा, "अभी नहीं। वह अभी निर्देश के अलावा कोई प्रश्न नहीं पूछेगी।"
"एक सवाल है जिसके बारे में मैं जानकारी लेना चाहती हूं," मिस पाइक ने कहा, "अगर आपको बुरा न लगे तो।"
मिस पाइके, ज़ाहिर है, अभी भी डॉ. थ्रीप की कमीज़ के बारे में चिंतित थीं और सच्चाई जानने के लिए दृढ़ थीं। हैरियट को उम्मीद थी कि विम्सी उनकी जिज्ञासा को समझेंगे: यह कोई झिझक नहीं, बल्कि सटीक जानकारी प्राप्त करने की वह ललक थी जो विद्वान मन की विशेषता होती है।
“वह घटना,” उन्होंने सहजता से कहा, “मेरे ज्ञान के दायरे में आती है। यह इसलिए होती है क्योंकि मानव धड़ में रेडीमेड शर्ट की तुलना में परिवर्तनशीलता का कारक अधिक होता है। जिस विस्फोटक ध्वनि का आप ज़िक्र कर रहे हैं, वह तब उत्पन्न होती है जब शर्ट का अगला हिस्सा पहनने वाले के लिए थोड़ा लंबा होता है। शरीर के झुकाव के कारण कड़े किनारे थोड़े अलग हो जाते हैं और एक तेज़ क्लिक के साथ फिर से संपर्क में आते हैं, जो कुछ भृंगों के पंखों से निकलने वाली ध्वनि के समान होती है। हालाँकि, इसे डेथ-वॉच की टिक-टिक से भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए, जो अपने जबड़ों से टैप करके की जाती है और जिसे प्रेम-पुकार माना जाता है। शर्ट के अगले हिस्से की क्लिक का कोई प्रेमपूर्ण अर्थ नहीं है, और वास्तव में, यह कीट के लिए शर्मिंदगी का कारण है। चयन में अधिक सावधानी बरतकर या, चरम मामलों में, कपड़े को नाप के अनुसार बनवाकर इसे टाला जा सकता है।”
"बहुत-बहुत धन्यवाद," मिस पाइके ने कहा। "यह एक अत्यंत संतोषजनक स्पष्टीकरण है। दिन के इस समय, पुराने जमाने के कोर्सेट का उदाहरण देना शायद अनुचित नहीं होगा, जिसमें इसी तरह की असुविधा होती थी।"
विम्सी ने आगे कहा, "प्लेट आर्मर के मामले में असुविधा और भी अधिक थी, जिसे हिलने-डुलने की अनुमति देने के लिए बहुत अच्छी तरह से सिला जाना आवश्यक था।"
इसी समय, मिस बार्टन ने किसी न किसी बात से हैरियट का ध्यान अपनी ओर खींच लिया और मेज के दूसरी ओर चल रही बातचीत पर उनका ध्यान भटक गया। जब उन्होंने दोबारा ध्यान दिया, तो मिस पाइके अपने पड़ोसियों को प्राचीन मिनोअन सभ्यता के बारे में कुछ रोचक बातें बता रही थीं और वार्डन जाहिर तौर पर उनके खत्म होने का इंतजार कर रही थीं ताकि पीटर पर फिर से झपट सकें। दाईं ओर मुड़कर,

हैरियट ने देखा कि मिस हिलयार्ड समूह को बड़े ध्यान से देख रही थीं। हैरियट ने उनसे चीनी देने को कहा और वह थोड़ा चौंककर होश में आईं।
"ऐसा लगता है कि वे लोग वहां बहुत अच्छे से रह रहे हैं," हैरियट ने कहा।
"मिस पाइके को श्रोता पसंद हैं," मिस हिलयार्ड ने इतने गुस्से से कहा कि हैरियट काफी हैरान रह गई।
उन्होंने सुझाव दिया, "कभी-कभी पुरुष को भी सुनने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, यह अच्छी बात है।"
मिस हिलयार्ड ने अनमने भाव से सहमति जताई। थोड़ी देर के विराम के बाद, जिसके दौरान भोजन बिना किसी घटना के चलता रहा, उन्होंने कहा:
“आपके मित्र ने मुझे बताया है कि वह फ्लोरेंस में ऐतिहासिक दस्तावेजों के कुछ निजी संग्रहों तक मेरी पहुँच सुनिश्चित कर सकता है। क्या आपको लगता है कि वह जो कह रहा है, वह सच है?”
"अगर वह ऐसा कहता है, तो आप निश्चिंत हो सकते हैं कि वह ऐसा कर सकता है और करेगा।"
"यह एक प्रशंसा पत्र है," मिस हिलयार्ड ने कहा। "मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई।"
इसी बीच, वार्डन ने उसे पकड़ लिया था और पीटर से धीमी आवाज़ में, कुछ गंभीरता से बात कर रही थी। पीटर ध्यान से सुन रहा था, साथ ही वह एक सेब छील रहा था, जिसके पतले-पतले छिलके उसकी उंगलियों पर धीरे-धीरे फिसल रहे थे। उसने कुछ सवाल पूछकर अपनी बात समाप्त की; और पीटर ने अपना सिर हिला दिया।
“इसकी संभावना बहुत कम है। मैं तो कहूंगा कि इसकी कोई उम्मीद ही नहीं थी।”
हैरियट सोच रही थी कि क्या आखिरकार जहरीली कलम का मुद्दा सामने आ गया है; लेकिन तभी उसने कहा:
“तीन सौ साल पहले इसका महत्व अपेक्षाकृत कम था। लेकिन अब जब राष्ट्रीय आत्म-बोध का युग, औपनिवेशिक विस्तार का युग, बर्बर आक्रमणों का युग और पतन का युग, ये सभी समय और स्थान में एक साथ समाए हुए हैं, सभी जहरीली गैसों से लैस हैं और एक उन्नत सभ्यता के दिखावे में लगे हुए हैं, तो सिद्धांत भावनाओं से कहीं अधिक खतरनाक हो गए हैं। बड़ी संख्या में लोगों को मारना असामान्य रूप से आसान होता जा रहा है, और एक सिद्धांत का पहला काम—यदि वह वास्तव में एक सिद्धांत है—किसी को मारना ही होता है।”

"असली त्रासदी अच्छाई और बुराई के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि अच्छाई और अच्छाई के बीच का संघर्ष है; इसका मतलब है एक ऐसी समस्या जिसका कोई समाधान नहीं है।"
“हाँ। बेशक, यह संभ्रांत मन के लिए कष्टदायक है। कोई या तो अपरिहार्य का स्वागत करे और उसे रक्तपिपासु प्रगतिवादी कहा जाए; या कोई समय बचाने की कोशिश करे और उसे रक्तपिपासु प्रतिक्रियावादी कहा जाए। लेकिन जब उनका तर्क रक्तपात पर आधारित होता है, तो सभी तर्क केवल रक्तपातपूर्ण ही प्रतीत होते हैं।”
वार्डन ने उस विशेषण को उसके शाब्दिक अर्थ में ही पारित कर दिया।
"मैं कभी-कभी सोचता हूँ कि समय हासिल करने से हमें कुछ लाभ होता भी है या नहीं।"
“खैर—अगर कोई पत्रों का जवाब लंबे समय तक न दे, तो उनमें से कुछ का जवाब खुद ही मिल जाता है। ट्रॉय के पतन को कोई नहीं रोक सकता, लेकिन एक मंदबुद्धि, सावधान व्यक्ति लारेस और पेनेट्स को चुपके से बाहर निकालने में कामयाब हो सकता है—भले ही इसके लिए उसे अपने नाम के साथ 'पवित्र' की उपाधि जुड़वाने का जोखिम उठाना पड़े।”
विश्वविद्यालयों को हमेशा प्रगति की राह में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
लेकिन महाकाव्य युद्ध तो हमेशा ही रक्षात्मक मोर्चे द्वारा लड़े जाते हैं—जैसे कि रोंसेवॉक्स और थर्मोपाइले में हुए युद्ध)।
“बहुत खूब,” वार्डन ने हंसते हुए कहा, “चलो यहीं मर जाते हैं, बिना कुछ हासिल किए सिवाय एक महाकाव्य रचने के।”
उसने अपनी नज़र से हाई टेबल को देखा, उठी और शान से बाहर निकल गई। पीटर ने पैनलिंग के पीछे विनम्रता से खुद को छिपा लिया, जबकि विद्वान उसके पास से गुज़रते रहे, और वह मंच के किनारे पर ठीक समय पर पहुँच गया ताकि मिस शॉ के कंधों से फिसलते हुए उनके स्कार्फ को उठा सके। हैरियट ने खुद को मिस मार्टिन और मिस डी वाइन के बीच सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए पाया, जिन्होंने टिप्पणी की:
आप एक साहसी महिला हैं।
“क्यों?” हैरियट ने हल्के से कहा। “अपने दोस्तों को यहाँ लाकर उनसे ये सवाल क्यों पूछना?”

“बकवास,” डीन ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “हम सबने बहुत अच्छा व्यवहार किया। डैनियल अभी तक शेरों का शिकार नहीं हुआ है—दरअसल, एक समय तो उसने शेर को काट भी लिया था। वैसे, क्या वह सच में हुआ था?”
"सुर-बेसुरी होने की बात करें तो? शायद यह उससे कहीं ज़्यादा वास्तविक था जितना उसने बताया।"
"क्या वह पूरी शाम हमारे लिए जाल बिछाएगा ताकि हम उसमें फंस जाएं?"
हैरियट को एक पल के लिए एहसास हुआ कि पूरी स्थिति कितनी विचित्र थी। एक बार फिर, उसे विम्सी एक खतरनाक अजनबी लगा और वह खुद को उन महिलाओं के पक्ष में महसूस करने लगी, जो इतनी अजीब उदारता के साथ उस पूछताछकर्ता का अपने बीच स्वागत कर रही थीं। हालाँकि, उसने कहा:
"अगर वह ऐसा करता है, तो वह अत्यंत विनम्र तरीके से सारी प्रक्रिया का प्रदर्शन करेगा।"
"अंदर पहुँचने के बाद, बहुत सुकून मिलता है।"
“यह एक ऐसा व्यक्ति है जो अपने स्वार्थों के लिए खुद को वश में करने में सक्षम है,” मिस डी वाइन ने इन सतही टिप्पणियों को दरकिनार करते हुए कहा। “मुझे उस व्यक्ति के लिए खेद होगा जो उसके सिद्धांतों के विरुद्ध खड़ा हो—चाहे वे सिद्धांत कुछ भी हों, और यदि उसके कोई सिद्धांत हैं भी तो।”
वह बाकी दोनों से अलग हो गई और गंभीर चेहरे के साथ सीनियर कॉमन रूम में चली गई।
"अजीब बात है," हैरियट ने कहा। "वह पीटर विम्सी के बारे में बिल्कुल वही कह रही है जो मैं हमेशा अपने बारे में सोचती आई हूँ।"
"शायद वह किसी हमसफ़र को पहचानती है।"
"या फिर एक ऐसा शत्रु जो इसके योग्य हो—मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए।"
यहां पीटर और उसका साथी उनके पास आ गए, और डीन, मिस शॉ के साथ अंदर चले गए। विम्सी ने हैरियट की ओर एक अजीब, प्रश्नवाचक मुस्कान के साथ देखा।
आपको किस बात की चिंता है?
"पीटर—मुझे बिल्कुल जूडास जैसा महसूस हो रहा है।"
“यहूदा जैसा महसूस करना इस काम का हिस्सा है। मुझे लगता है कि यह काम किसी सज्जन व्यक्ति के लिए नहीं है। क्या हम पिलातुस की तरह अपने हाथ धोकर पूरी तरह से सम्माननीय बन जाएँ?”

उसने अपना हाथ उसकी बांह के नीचे सरका दिया।
“नहीं; अब तो हम सब फंस गए हैं। हम सब एक साथ अपमानित होंगे।”
“ये तो बढ़िया रहेगा। स्ट्रोहेम की उस फिल्म के प्रेमियों की तरह, हम भी जाकर सीवर पर बैठेंगे।” वह पतले कपड़े के नीचे उसकी हड्डियों और मांसपेशियों को महसूस कर सकती थी, जो उसे तसल्ली दे रही थीं कि वह इंसान है। उसने सोचा: “हम दोनों एक ही दुनिया के हैं, और ये सब अजनबी हैं।” और फिर: “धिक्कार है! ये तो हमारी निजी लड़ाई है—इन्हें इसमें क्यों दखल देना चाहिए?” लेकिन ये सोचना बेतुका था।
"पीटर, तुम मुझसे क्या करवाना चाहते हो?"
"अगर गेंद वृत्त से बाहर चली जाए तो उसे वापस मेरी तरफ फेंक देना। जाहिर तौर पर नहीं। बस अपनी बात पर कायम रहने और सच बोलने की अपनी अद्भुत प्रतिभा का इस्तेमाल करो।"
"यह तो आसान लगता है।"
“यह तुम्हारे लिए है। इसीलिए तो मैं तुमसे प्यार करता हूँ। क्या तुम्हें पता नहीं था? खैर, अब हम इस बारे में बहस करने के लिए रुक नहीं सकते; उन्हें लगेगा कि हम किसी बात की साजिश रच रहे हैं।”
उसने उसका हाथ छोड़ा और उससे पहले कमरे में चली गई, अचानक शर्मिंदा महसूस करते हुए और परिणामस्वरूप अड़ियल दिखते हुए। कॉफ़ी पहले से ही मेज पर रखी थी, और एस.सी.आर. उसके चारों ओर इकट्ठा होकर कॉफ़ी ले रहे थे। उसने देखा कि मिस बार्टन पीटर की ओर बढ़ रही थीं, उनके होठों पर जलपान का विनम्र प्रस्ताव था लेकिन उनकी आँखों में दृढ़ निश्चय की चमक थी। हैरियट को उस क्षण पीटर के साथ क्या होगा, इसकी कोई परवाह नहीं थी। उसने उसे चिंता करने का एक नया कारण दे दिया था। उसने अपने लिए कॉफ़ी और सिगरेट ली, और उन्हें और उस कारण को लेकर एक कोने में चली गई। उसने अक्सर एक तटस्थ भाव से सोचा था कि पीटर उसमें क्या महत्व देता है और जाहिर तौर पर उस पहले दिन से ही महत्व देता रहा है जब वह कटघरे में खड़ी होकर अपने जीवन के लिए बोली थी। अब जब उसे पता चल गया था, तो उसने सोचा कि इससे अधिक अप्रिय गुणों का जोड़ा शायद ही कभी भक्ति के बहाने के रूप में पेश किया जा सकता था।
"लेकिन क्या आप वाकई इस बारे में सहज महसूस करते हैं, लॉर्ड पीटर?"
नहीं—मैं इसे एक आरामदायक पेशा नहीं मानूंगा। लेकिन क्या आपका, मेरा या किसी और का आराम इतना महत्वपूर्ण है?

मिस बार्टन ने शायद इसे हल्के में लिया होगा; हैरियट ने उस निर्मम आवाज़ को पहचान लिया जिसने कहा था, "अगर दर्द हो तो क्या फर्क पड़ता है...? उन्हें आपस में लड़ने दो...." अप्रिय; लेकिन अगर उसने जो कहा उसका मतलब वही था, तो इससे बहुत सी बातें स्पष्ट हो जाती हैं। ये ऐसे गुण थे जिन्हें सबसे घिनौनी परिस्थितियों में भी पहचाना जा सकता था.... "अनासक्ति... अगर आपको कभी कोई ऐसा व्यक्ति मिले जो इसी वजह से आपको पसंद करे, तो वह पसंद सच्ची है।" ये मिस डी वाइन थीं; और मिस डी वाइन ज़्यादा दूर नहीं बैठी थीं, उनके मोटे चश्मे के पीछे उनकी आँखें पीटर पर एक जिज्ञासु, हिसाब-किताब लगाने वाली नज़र से टिकी हुई थीं।

समूहों में चल रही बातचीत लड़खड़ाने लगी और धीरे-धीरे खामोशी में तब्दील होने लगी। लोग बैठ रहे थे। मिस एलिसन और मिस स्टीवंस की आवाज़ें तेज़ हो उठीं। वे किसी कॉलेज से जुड़े सवाल पर चर्चा कर रही थीं, और वे इसे पूरी गंभीरता और बेचैनी से कर रही थीं। उन्होंने मिस बरोज़ से राय मांगी। मिस शॉ ने मिस चिल्परिक की ओर मुड़कर "स्पिनस्टर्स स्प्लैश" में नहाने के बारे में कुछ कहा। मिस चिल्परिक ने विस्तार से जवाब दिया—बहुत ज़्यादा विस्तार से; उनका जवाब बहुत लंबा हो गया और सबका ध्यान आकर्षित किया; वे हिचकिचाईं, उलझन में पड़ गईं और बोलना बंद कर दिया। मिस लिडगेट, परेशान चेहरे के साथ, श्रीमती गुडविन द्वारा अपने छोटे बेटे के बारे में सुनाई जा रही एक कहानी सुन रही थीं; कहानी के बीच में ही, मिस हिलयार्ड, जो पास ही खड़ी थीं, अचानक उठीं, दूर रखी ऐशट्रे पर अपनी सिगरेट बुझाई और धीरे-धीरे, मानो अपनी इच्छा के विरुद्ध, उस खिड़की के पास वाली सीट पर चली गईं जहाँ मिस बार्टन अभी भी खड़ी थीं। हैरियट देख सकती थी कि उसकी गुस्से से भरी, धधकती निगाहें पीटर के झुके हुए सिर पर टिक गईं और फिर चौक के उस पार हट गईं, और फिर लौट आईं। मिस एडवर्ड्स, हैरियट के पास और उससे थोड़ा आगे एक नीची कुर्सी पर बैठी थीं, उनके हाथ घुटनों पर सीधे और कुछ मर्दाना ढंग से रखे हुए थे, और वह आगे की ओर झुकी हुई थीं; ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी चीज़ का इंतज़ार कर रही हों। मिस पाइके, खड़ी होकर सिगरेट जला रही थीं, जाहिर तौर पर पीटर का ध्यान आकर्षित करने का मौका ढूंढ रही थीं; वह उत्सुक और दिलचस्पी दिखा रही थीं, और बाकी लोगों की तुलना में ज़्यादा सहज थीं। डीन, एक छोटी सी झोपड़ी पर सिमटकर बैठे थे, और पीटर और मिस बार्टन की बातें ध्यान से सुन रहे थे। वे सभी वास्तव में सुन रहे थे, और साथ ही उनमें से ज़्यादातर यह दिखावा करने की कोशिश कर रहे थे कि वह वहाँ एक आम मेहमान के रूप में हैं—कि वह दुश्मन नहीं हैं—जासूस नहीं हैं। वे

उन्हें खुलेआम ध्यान का केंद्र बनने से रोकने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि वह पहले से ही सबकी चेतना का केंद्र थे।
चिमनी के पास एक गहरी कुर्सी पर बैठा वार्डन किसी की मदद नहीं कर रहा था। एक-एक करके बातचीत के झटके थमते गए और शांत होते चले गए, जिससे केवल एक ही गायक की आवाज़ हवा में तैरती रह गई, मानो कोई एकल वाद्य यंत्र ऑर्केस्ट्रा के शांत हो जाने पर कैडेंज़ा बजा रहा हो।
“दोषियों को फांसी देना अप्रिय है—लेकिन निर्दोषों का नरसंहार उससे कहीं अधिक भयावह है। यदि तुम मेरा खून चाहते हो, तो क्या तुम मुझे कोई अधिक उपयोगी हथियार सौंपने की अनुमति नहीं दोगे?”
उसने चारों ओर नजर डाली और पाया कि मिस पाइक और उनके अलावा बाकी सभी लोग चुपचाप बैठे थे, तो उसने एक संक्षिप्त, प्रश्नवाचक विराम लिया, जो देखने में तो शिष्टाचार जैसा लग रहा था, लेकिन हैरियट ने मन ही मन इसे "अच्छा नाटक" मान लिया।
मिस पाइक, मिस हिलयार्ड की खिड़की के पास स्थित एक बड़े सोफे की ओर आगे बढ़ीं और उसके कोने में बैठते हुए बोलीं।
"क्या आपका मतलब हत्यारे के पीड़ितों से है?"
“नहीं,” पीटर ने कहा, “मेरा मतलब मेरे अपने पीड़ितों से था।”
वह मिस पाइक और मिस बार्टन के बीच बैठ गया और एक सुखद बातचीत के लहजे में बोलने लगा:
उदाहरण के लिए; मुझे पता चला कि एक युवती ने पैसों के लिए एक बूढ़ी औरत की हत्या कर दी थी। इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ा: बूढ़ी औरत तो वैसे भी मर रही थी, और लड़की (भले ही उसे यह पता नहीं था) को तो वैसे भी पैसे मिलने ही थे। जैसे ही मैंने दखल देना शुरू किया, लड़की फिर से हरकत में आ गई, अपने अपराध को छिपाने के लिए दो निर्दोष लोगों को मार डाला और तीन अन्य पर जानलेवा हमला किया। अंत में उसने खुद को मार डाला। अगर मैंने उसे अकेला छोड़ दिया होता, तो शायद चार लोगों की जगह सिर्फ एक ही मौत होती।
“हे भगवान!” मिस पाइक ने कहा। “लेकिन वह महिला तो अब तक फरार हो चुकी होती।”
“ओह, हाँ। वह अच्छी महिला नहीं थी, और कुछ लोगों पर उसका बुरा प्रभाव था। लेकिन उन दो निर्दोषों को किसने मारा—उसने या समाज ने?”

मिस बार्टन ने कहा, "उनकी मौत मौत के डर से हुई। अगर उस दुर्भाग्यपूर्ण महिला का चिकित्सकीय इलाज हो गया होता, तो वे और वह आज भी जीवित होते।"
मैंने तुमसे कहा था कि यह एक अच्छा हथियार है। लेकिन बात इतनी सरल नहीं है। अगर उसने उन लोगों को न मारा होता, तो शायद हम उसे कभी पकड़ ही न पाते, और चिकित्सकीय इलाज के बजाय वह खुशहाल जीवन जी रही होती—और संयोगवश एक-दो लोगों के दिमाग को भ्रष्ट कर रही होती, अगर तुम इसे कोई महत्व देते हो तो।"
जब मिस बार्टन विद्रोही भाव से इस समस्या से जूझ रही थीं, तब वार्डन ने कहा, "मुझे लगता है कि आप यह सुझाव दे रही हैं कि वे निर्दोष पीड़ित जनता के लिए मरे; एक सामाजिक सिद्धांत के लिए बलिदान हुए।"
"खैर, आपके सामाजिक सिद्धांतों के लिए," मिस बार्टन ने कहा।
"धन्यवाद। मुझे लगा था कि आप मेरी जिज्ञासा के जवाब में यही कहेंगे।"
"मैं ऐसा कर सकती थी," मिस बार्टन ने स्पष्टवादिता से कहा। "लेकिन आप एक सिद्धांत का दावा कर रही हैं, इसलिए हम उसी पर कायम रहेंगे।"
“हमला किए गए अन्य तीन लोग कौन थे?” हैरियट ने पूछा। (वह मिस बार्टन को इतनी आसानी से बरी नहीं होने देना चाहती थी।)
“एक वकील, मेरा एक सहकर्मी और मैं खुद। लेकिन इससे यह साबित नहीं होता कि मेरे कोई सिद्धांत हैं। मैं मजे के लिए अपनी जान देने में पूरी तरह सक्षम हूं। कौन नहीं है?”
“मुझे पता है,” डीन ने कहा। “यह अजीब बात है कि हम हत्याओं और फाँसी जैसी घटनाओं को लेकर इतने गंभीर हो जाते हैं और मोटरबाइक चलाने, तैरने, पहाड़ चढ़ने आदि जैसे जोखिम भरे कामों में इतनी बेपरवाही बरतते हैं। शायद हम मजे के लिए मरना पसंद करते हैं।”
मिस पाइक ने सुझाव दिया, "सामाजिक सिद्धांत यह प्रतीत होता है कि हमें अपनी खुशी के लिए मरना चाहिए, न कि दूसरों की खुशी के लिए।"
मिस बार्टन ने कुछ गुस्से में कहा, "मैं बिल्कुल मानती हूँ कि हत्या को रोकना और हत्यारों को और नुकसान पहुँचाने से रोकना ज़रूरी है। लेकिन उन्हें सज़ा नहीं दी जानी चाहिए और निश्चित रूप से उन्हें मार नहीं डाला जाना चाहिए।"
“मुझे लगता है कि इन्हें अन्य अयोग्य नमूनों के साथ भारी खर्च पर अस्पतालों में रखा जाना चाहिए,” मिस एडवर्ड्स ने कहा। “एक जीवविज्ञानी होने के नाते, मुझे कहना होगा कि सार्वजनिक धन का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। जिस तरह से हम

इतने सारे मंदबुद्धि और शारीरिक रूप से कमजोर लोगों को अपनी प्रजाति बढ़ाने की अनुमति दे रहे हैं, उससे अंततः हम पूरे राष्ट्रों को ही नष्ट कर रहे हैं।”
डीन ने कहा, "मिस शूस्टर-स्लैट नसबंदी की वकालत करती थीं।"
"मुझे लगता है कि वे जर्मनी में इसे आजमा रहे हैं," मिस एडवर्ड्स ने कहा।
मिस हिलयार्ड ने कहा, "इसके साथ ही, महिलाओं को घर में उनके उचित स्थान पर धकेल दिया गया है।"
विम्सी ने कहा, "लेकिन वे वहां काफी संख्या में लोगों को मौत की सजा देते हैं, इसलिए मिस बार्टन उनके संगठन का पूरी तरह से अधिग्रहण नहीं कर सकतीं।"
मिस बार्टन ने इस तरह के किसी भी सुझाव का जोरदार विरोध किया और अपनी इस बात पर जोर दिया कि उनके सामाजिक सिद्धांत हर प्रकार की हिंसा के खिलाफ हैं।
“बकवास!” मिस एडवर्ड्स ने कहा। “किसी भी सिद्धांत को लागू करने के लिए किसी न किसी पर हिंसा करनी ही पड़ती है। चाहे प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष। प्रकृति का संतुलन बिगाड़ने से हिंसा को बढ़ावा मिलता है। और अगर प्रकृति को अकेला छोड़ दिया जाए तो हिंसा तो होनी ही है। मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि हत्यारों को फाँसी नहीं देनी चाहिए—यह फिजूलखर्ची और क्रूरता है। लेकिन मैं इस बात से सहमत नहीं हूँ कि भले लोग भूख से तड़पते रहें और उन्हें आराम से खाना-पीना और रहने की जगह मिले। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो उन्हें प्रयोगशाला प्रयोगों के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए।”
"अयोग्य लोगों के संरक्षण में सहायता करने के लिए?" विम्सी ने रूखेपन से पूछा।
"वैज्ञानिक तथ्यों को स्थापित करने में सहायता करने के लिए," मिस एडवर्ड्स ने और भी रूखेपन से उत्तर दिया।
विम्सी ने कहा, "हाथ मिलाइए। अब हमें एक साझा आधार मिल गया है जिस पर हम खड़े हो सकते हैं। चाहे परिणाम कुछ भी हो, तथ्यों को स्थापित कीजिए।"
“इस आधार पर, लॉर्ड पीटर,” वार्डन ने कहा, “आपकी जिज्ञासा एक सिद्धांत बन जाती है। और एक बहुत ही खतरनाक सिद्धांत।”
“लेकिन यह तथ्य कि ए ने बी की हत्या की, पूरी सच्चाई नहीं है,” मिस बार्टन ने जोर देकर कहा। “ए की उकसाहट और उसकी स्वास्थ्य स्थिति भी तथ्य हैं।”
“इस बात पर कोई विवाद नहीं है,” मिस पाइके ने कहा। “लेकिन जांचकर्ता से उसके काम से आगे बढ़ने की उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर हम इस डर से कोई निष्कर्ष

नहीं निकाल पाते कि कोई इसका गलत इस्तेमाल कर सकता है, तो हम गैलीलियो के ज़माने में वापस चले जाएंगे। खोज का सिलसिला ही खत्म हो जाएगा।"
डीन ने कहा, "काश हम जहरीली गैस जैसी चीजों की खोज करना बंद कर पाते।"
"खोजों को करने पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती," मिस हिलयार्ड ने कहा; "लेकिन क्या उन्हें प्रकाशित करना हमेशा उचित होता है? गैलीलियो के मामले में, चर्च—"
"कोई भी वैज्ञानिक इस बात से सहमत नहीं होगा," मिस एडवर्ड्स ने बीच में ही कहा। "तथ्य को दबाना झूठ को प्रकाशित करने के बराबर है।"
कुछ मिनटों के लिए हैरियट चर्चा की मुख्य बात से भटक गई, जो अब सामान्य हो गई थी। उसे समझ आ रहा था कि इसे जानबूझकर इस बिंदु तक खींचा गया था; लेकिन पीटर इससे क्या मतलब निकालना चाहता था, यह उसे बिल्कुल समझ नहीं आ रहा था। फिर भी, वह स्पष्ट रूप से रुचि दिखा रहा था। उसकी आधी बंद पलकों के नीचे उसकी आँखें चौकस थीं। वह किसी चूहे के बिल पर इंतज़ार कर रही बिल्ली की तरह था। या क्या वह अचेतन रूप से उसे उसके अपने प्रतीक चिन्ह से जोड़ रही थी?
"काला: तीन चूहे दौड़ते हुए चांदी के; अंतर के लिए एक अर्धचंद्र। शिखर पर एक घरेलू बिल्ली..."
"बेशक," मिस हिलयार्ड ने कठोर, व्यंग्यात्मक स्वर में कहा, "अगर आपको लगता है कि निजी निष्ठाएं नौकरी के प्रति निष्ठा से पहले आनी चाहिए...."
("बसंत की तरह सजी हुई, बिल्कुल सही।") यही तो वह इंतज़ार कर रहा था। रेशमी फर की लहरें लगभग साफ़ दिखाई दे रही थीं।
"बिल्कुल, मैं यह नहीं कह रही कि निजी कारणों से किसी को अपने काम के प्रति बेवफा होना चाहिए," मिस लिडगेट ने कहा। "लेकिन निश्चित रूप से, यदि कोई व्यक्ति व्यक्तिगत जिम्मेदारियाँ लेता है, तो उसका उस दिशा में कर्तव्य बनता है। यदि नौकरी उन जिम्मेदारियों में बाधा डालती है, तो शायद उसे नौकरी छोड़ देनी चाहिए।"
"मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ," मिस हिलयार्ड ने कहा। "लेकिन मेरी निजी जिम्मेदारियाँ बहुत कम हैं, और शायद मुझे बोलने का कोई अधिकार भी नहीं है। श्रीमती गुडविन, आपकी क्या राय है?"
वहाँ एक बेहद अप्रिय सन्नाटा छा गया।
"अगर आपका मतलब व्यक्तिगत रूप से है," सचिव ने उठकर ट्यूटर की ओर मुँह करते हुए कहा, "मैं आपकी बात से इतना सहमत हूँ कि मैंने डॉ. बेरिंग से मेरा इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध किया है। ऐसा मेरे ऊपर लगे किसी भी भयानक आरोप के

कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि मुझे एहसास है कि इन परिस्थितियों में मैं अपना काम उतनी अच्छी तरह से नहीं कर सकता जितना मुझे करना चाहिए। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि इस कॉलेज की सारी परेशानी की जड़ मैं हूँ, तो आप सब बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। मैं अब जा रहा हूँ, और आप मेरे बारे में जो चाहें कह सकते हैं—लेकिन मैं यह कहना चाहूँगा कि तथ्यों के प्रति जुनून रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए निष्पक्ष स्रोतों से जानकारी जुटाना बेहतर होगा। मिस बार्टन कम से कम यह तो मानेंगी कि मानसिक स्वास्थ्य भी अन्य तथ्यों की तरह ही एक तथ्य है।”
इसके बाद छाए भयावह सन्नाटे में, पीटर ने बर्फ के टुकड़ों की तरह तीन शब्द कहे।
कृपया मत जाइए।
श्रीमती गुडविन दरवाजे पर हाथ रखकर अचानक रुक गईं।
वार्डन ने कहा, “आम बातचीत में कही गई किसी भी बात को व्यक्तिगत रूप से लेना बहुत खेदजनक होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि मिस हिलयार्ड का ऐसा कोई इरादा नहीं था। स्वाभाविक रूप से, कुछ लोगों को किसी भी प्रश्न के दोनों पहलुओं को समझने का बेहतर अवसर मिलता है। लॉर्ड पीटर, आपके काम में भी इस तरह के निष्ठा संघर्ष अक्सर होते होंगे।”
“ओह, हाँ। एक बार मुझे लगा था कि मेरे पास अपने भाई या बहन में से किसी एक को फांसी देने का सुखद विकल्प है। सौभाग्य से, ऐसा कुछ नहीं हुआ।”
"लेकिन मान लीजिए कि बात आगे बढ़ जाती?" मिस बार्टन ने बड़े चाव से व्यक्तिगत हमले का तर्क देते हुए पूछा।
अच्छा, तो फिर एक आदर्श जासूस क्या करता है? मिस वेन?
हैरियट ने कहा, "पेशेवर शिष्टाचार के अनुसार, जबरन कबूलनामा करवाना चाहिए, और फिर पुस्तकालय में दो लोगों को जहर देकर मार देना चाहिए।"
“देखा आपने, नियमों का पालन करना कितना आसान है,” विम्सी ने कहा। “मिस वेन को ज़रा भी संकोच नहीं होता। वो मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने के बजाय मुझे सख्ती से बाहर कर देती हैं। लेकिन सवाल हमेशा इतना सरल नहीं होता। उस प्रतिभाशाली कलाकार के बारे में क्या कहेंगे जिसे अपने परिवार को भूखा मरने देने और उनका पेट पालने के लिए घटिया कहानियाँ लिखने के बीच चुनाव करना पड़ता है?”
"उसे पत्नी और परिवार रखने का कोई हक नहीं है," मिस हिलयार्ड ने कहा।

“बेचारा! फिर उसके सामने दमन और अनैतिकता के बीच एक और दिलचस्प विकल्प है। मुझे लगता है कि श्रीमती गुडविन दमन का विरोध करेंगी और कुछ लोग अनैतिकता का विरोध कर सकते हैं।”
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता,” मिस पाइके ने कहा। “आपने पत्नी और परिवार की परिकल्पना की है। खैर—वह चित्रकारी करना छोड़ सकते हैं। अगर वह सचमुच प्रतिभाशाली हैं, तो यह दुनिया के लिए एक क्षति होगी। लेकिन उन्हें खराब चित्र नहीं बनाने चाहिए—यह तो सचमुच अनैतिक होगा।”
"क्यों?" मिस एडवर्ड्स ने पूछा। "कुछ खराब तस्वीरों से क्या फर्क पड़ता है?"
“बेशक वे मायने रखते हैं,” मिस शॉ ने कहा। उन्हें चित्रकला का अच्छा ज्ञान था। “एक अच्छे चित्रकार द्वारा बनाया गया खराब चित्र सत्य के साथ विश्वासघात है—उसके स्वयं के सत्य के साथ विश्वासघात।”
"यह तो केवल एक सापेक्षिक प्रकार का सत्य है," मिस एडवर्ड्स ने आपत्ति जताई।
डीन और मिस बरोज़ इस टिप्पणी पर बुरी तरह भड़क उठे, और हैरियट ने देखा कि बहस बेकाबू होने वाली है, इसलिए उसने गेंद वापस लेने और उसे वापस भेजने का फैसला किया। अब उसे पता था कि क्या चाहा जा रहा है, हालांकि यह नहीं पता था कि क्यों चाहा जा रहा है।
"अगर आप चित्रकारों के बारे में सहमत नहीं हो सकते, तो किसी और को बना दीजिए। किसी वैज्ञानिक को बना दीजिए।"
मिस एडवर्ड्स ने कहा, "मुझे वैज्ञानिक विषयों पर आधारित मनोरंजक पुस्तकों से कोई आपत्ति नहीं है। मेरा मतलब है, कोई लोकप्रिय पुस्तक जरूरी नहीं कि अवैज्ञानिक हो।"
विम्सी ने कहा, "जब तक यह तथ्यों को गलत साबित नहीं करता, तब तक ठीक है। लेकिन यह एक अलग तरह की बात हो सकती है। एक ठोस उदाहरण लें—किसी ने 'द सर्च' नाम का उपन्यास लिखा—"
“सी. पी. स्नो,” मिस बरोज़ ने कहा। “यह मज़ेदार बात है कि आपने इसका ज़िक्र किया। यह वही किताब थी जिसके बारे में—”
“मुझे पता है,” पीटर ने कहा। “शायद इसीलिए यह बात मेरे दिमाग में थी।”
“मैंने वह किताब कभी नहीं पढ़ी,” वार्डन ने कहा।
“ओह, मैंने पढ़ा है,” डीन ने कहा। “यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो वैज्ञानिक बनने की राह पर निकलता है और खूब तरक्की करता है, लेकिन जब उसे एक

महत्वपूर्ण कार्यकारी पद पर नियुक्त किया जाने वाला होता है, तभी उसे पता चलता है कि उसने एक वैज्ञानिक शोध पत्र में लापरवाही से एक गलती कर दी है। उसने अपने सहायक के परिणामों की जाँच नहीं की थी, या कुछ और गड़बड़ थी। किसी को इस बारे में पता चल जाता है, और उसे नौकरी नहीं मिलती। इसलिए वह आखिरकार तय कर लेता है कि उसे विज्ञान में कोई दिलचस्पी नहीं है।”
"बिल्कुल नहीं," मिस एडवर्ड्स ने कहा। "उन्हें सिर्फ पद की परवाह थी।"
"लेकिन," मिस चिल्परिक ने कहा, "अगर यह सिर्फ एक गलती थी तो—"
विम्सी ने कहा, “इसकी अहम बात यह है कि एक बुजुर्ग वैज्ञानिक ने उनसे क्या कहा। उन्होंने कहा: ‘एकमात्र नैतिक सिद्धांत जिसने विज्ञान को संभव बनाया है, वह यह है कि हमेशा सच बोला जाए। अगर हम गलती से बोले गए झूठे बयानों को दंडित नहीं करते, तो हम जानबूझकर झूठे बयान देने का रास्ता खोल देते हैं। और जानबूझकर दिया गया झूठा तथ्यात्मक बयान, एक वैज्ञानिक द्वारा किया जाने वाला सबसे गंभीर अपराध है।’ कुछ इसी तरह के शब्द थे। हो सकता है कि मैं पूरी तरह से सही उद्धृत न कर रहा हूँ।”
“हाँ, यह बिल्कुल सच है। जानबूझकर की गई जालसाजी को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।”
कोषाध्यक्ष ने कहा, "जानबूझकर गलत जानकारी देने का कोई मतलब नहीं है। इससे किसी को क्या फायदा हो सकता है?"
मिस हिलयार्ड ने कहा, "ऐसा अक्सर किया जाता है। किसी बहस में जीत हासिल करने के लिए। या महत्वाकांक्षा के कारण।"
“किस चीज़ की महत्वाकांक्षा?” मिस लिडगेट चिल्लाईं। “जिस प्रतिष्ठा के आप हकदार नहीं हैं, उससे भला किसी को क्या संतुष्टि मिल सकती है? यह तो भयानक होगा।”
उसके भोले-भाले आक्रोश ने सबकी गंभीरता को भंग कर दिया।
"जाली फरमानों के बारे में क्या ख्याल है... चैटरटन... ओसियन... हेनरी आयरलैंड... उन्नीसवीं सदी के वो पर्चे जो कुछ दिन पहले आए थे...?"
“मुझे पता है,” मिस लिडगेट ने हैरानी से कहा। “मुझे पता है लोग ऐसा करते हैं। लेकिन क्यों? वे ज़रूर पागल होंगे।”
डीन ने कहा, "उसी उपन्यास में, कोई जानबूझकर परिणाम में हेरफेर करता है—मेरा मतलब है, बाद में—ताकि उसे नौकरी मिल सके। और जिस व्यक्ति ने मूल गलती की

थी, उसे इसका पता चल जाता है। लेकिन वह कुछ नहीं कहता, क्योंकि दूसरा व्यक्ति बहुत बुरी हालत में है और उसे अपनी पत्नी और परिवार का भरण-पोषण करना है।"
“ये पत्नियां और परिवार!” पीटर ने कहा।
“क्या लेखक इसे स्वीकार करते हैं?” वार्डन ने पूछा।
“खैर,” डीन ने कहा, “किताब यहीं खत्म होती है, इसलिए मुझे लगता है कि वह भी यहीं खत्म होता है।”
लेकिन क्या यहाँ कोई इसे मंज़ूर करता है? एक झूठा बयान प्रकाशित होता है और जो व्यक्ति इसे सुधार सकता था, वह दयालुता के नाम पर इसे नज़रअंदाज़ कर देता है। क्या यहाँ कोई ऐसा करेगा? मिस बार्टन, यही है आपका उदाहरण, जिसमें किसी व्यक्ति विशेष का ज़िक्र नहीं है।
“बेशक कोई ऐसा नहीं कर सकता,” मिस बार्टन ने कहा। “दस पत्नियों और पचास बच्चों के लिए भी नहीं।”
“सुलेमान और उसकी सभी पत्नियों और रखेलों के लिए नहीं? मिस बार्टन, इतनी सटीक और गैर-नारीवादी बात कहने के लिए आपको बधाई। क्या कोई महिलाओं और बच्चों के लिए एक शब्द भी नहीं कहेगा?”
(“मुझे पता था कि वह शरारत करेगा,” हैरियट ने सोचा।)
"आप इसे सुनना चाहेंगे, है ना?" मिस हिलयार्ड ने कहा।
डीन ने कहा, "आपने हमें एक मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। अगर हम ऐसा कहते हैं, तो आप कह सकते हैं कि स्त्रीत्व हमें सीखने के लिए अयोग्य बनाता है; और अगर हम ऐसा नहीं कहते हैं, तो आप कह सकते हैं कि सीखना हमें स्त्रीत्वहीन बनाता है।"
विम्सी ने कहा, "चूंकि मैं दोनों ही तरह से आपत्तिजनक बातें कह सकता हूं, इसलिए सच न बोलने से आपको कुछ भी हासिल नहीं होगा।"
श्रीमती गुडविन ने कहा, "सच तो यह है कि जिसका बचाव करना असंभव है, उसका बचाव कोई नहीं कर सकता।"
“वैसे भी, यह एक मनगढ़ंत मामला लगता है,” मिस एलिसन ने तेज़ी से कहा। ऐसा बहुत कम ही हो सकता है; और अगर हुआ भी तो—”
“ओह, ऐसा होता है,” मिस डी वाइन ने कहा। “ऐसा हुआ है। मेरे साथ हुआ है। मुझे आपको बताने में कोई आपत्ति नहीं है—बेशक, बिना नाम लिए। जब मैं फ्लैम्बोर कॉलेज में यॉर्क विश्वविद्यालय में प्रोफ़ेसर पद के लिए थीसिस की जाँच कर रही थी, तब एक व्यक्ति ने इतिहास विषय पर एक बहुत ही दिलचस्प शोध पत्र भेजा। यह तर्क का

एक अत्यंत प्रभावशाली नमूना था; लेकिन मुझे पता था कि यह सारा दावा बिल्कुल झूठ था, क्योंकि एक पत्र जो इसका पूरी तरह खंडन करता था, वास्तव में एक विदेशी शहर के एक बहुत ही गुमनाम पुस्तकालय में मौजूद था। मुझे यह पत्र तब मिला जब मैं कुछ और पढ़ रही थी। वैसे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन आंतरिक साक्ष्य से पता चला कि उस व्यक्ति की उस पुस्तकालय तक पहुँच अवश्य रही होगी। इसलिए मुझे जाँच करनी पड़ी, और मुझे पता चला कि वह वास्तव में वहाँ गया था और उसने पत्र देखा होगा और जानबूझकर उसे छिपाया होगा।”

"लेकिन आपको इतना यकीन कैसे है कि उसने चिट्ठी देखी थी?" मिस लिडगेट ने चिंता से पूछा। "हो सकता है उसने लापरवाही से उसे नज़रअंदाज़ कर दिया हो। वह बिल्कुल अलग बात होगी।"

“उसने न केवल उसे देखा था,” मिस डी वाइन ने उत्तर दिया, “बल्कि उसने उसे चुराया था। हमने उससे यह बात कबूल करवा ली। उसे वह पत्र तब मिला जब उसका शोध प्रबंध लगभग पूरा हो चुका था, और उसके पास उसे दोबारा लिखने का समय नहीं था। इसके अलावा, यह उसके लिए एक बड़ा झटका था, क्योंकि वह अपने सिद्धांत से इतना मोहित हो गया था कि उसे छोड़ना उसके लिए असहनीय था।”

"मुझे डर है कि यह एक अस्वस्थ विद्वान की निशानी है," मिस लिडगेट ने शोकपूर्ण स्वर में कहा, जैसे कोई लाइलाज कैंसर के बारे में बात कर रहा हो।

“लेकिन यहाँ एक अजीब बात है,” मिस डी वाइन ने आगे कहा। “वह इतने बेईमान थे कि उन्होंने गलत निष्कर्ष को कायम रहने दिया; लेकिन वह इतने अच्छे इतिहासकार थे कि उन्होंने पत्र को नष्ट नहीं किया। उन्होंने उसे संभाल कर रखा।”

मिस पाइक ने कहा, "आपको लगेगा कि यह किसी दर्द वाले दांत पर काटने जितना ही दर्दनाक होगा।"

"शायद उनके मन में कभी इसे फिर से खोजने और अपने अंतरात्मा को शांत करने का विचार रहा होगा। मुझे नहीं पता, और मुझे नहीं लगता कि उन्हें खुद भी इसका ठीक-ठीक पता था।"

“उसके साथ क्या हुआ?” हैरियट ने पूछा।

“खैर, यही तो उनके करियर का अंत था। स्वाभाविक रूप से, उन्होंने प्रोफेसर का पद खो दिया और उनकी एम.ए. की डिग्री भी छीन ली गई। यह बहुत दुख की बात है, क्योंकि वे अपने तरीके से प्रतिभाशाली थे—और दिखने में भी बहुत आकर्षक थे, अगर इससे कोई फर्क पड़ता है तो।”

“बेचारा आदमी!” मिस लिडगेट ने कहा। “उसे इस पद की बहुत सख्त जरूरत रही होगी।”
“आर्थिक दृष्टि से यह उसके लिए बहुत मायने रखता था। वह शादीशुदा था और आर्थिक रूप से संपन्न नहीं था। मुझे नहीं पता उसका क्या हुआ। यह लगभग छह साल पहले की बात है। उसने पढ़ाई पूरी तरह से छोड़ दी। मुझे इस बात का दुख हुआ, लेकिन यही सच्चाई थी।”
"आप इसके अलावा और कुछ कर ही नहीं सकती थीं," मिस एडवर्ड्स ने कहा।
“बिल्कुल नहीं। इतना अविश्वसनीय व्यक्ति न केवल बेकार है, बल्कि खतरनाक भी है। वह कुछ भी कर सकता है।”
मिस हिलयार्ड ने कहा, "आपको लगेगा कि इससे उसे सबक मिलेगा। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ, है ना? मान लीजिए कि उसने उन महिलाओं और बच्चों के लिए अपनी पेशेवर प्रतिष्ठा का बलिदान दिया जिनके बारे में हम इतना सुनते हैं—लेकिन अंत में इससे उसकी हालत और खराब हो गई।"
“लेकिन,” पीटर ने कहा, “ऐसा सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि उसने पकड़े जाने का अतिरिक्त पाप किया था।”
"मुझे तो ऐसा ही लगता है," मिस चिल्परिक ने झिझकते हुए कहना शुरू किया और फिर रुक गईं।
“जी?” पीटर ने कहा।
“अच्छा,” मिस चिल्परिक ने कहा, “क्या महिलाओं और बच्चों का भी अपना दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए? मेरा मतलब है—मान लीजिए कि पत्नी को पता चले कि उसके पति ने उसके लिए ऐसा कुछ किया है, तो उसे कैसा लगेगा?”
"यह बहुत महत्वपूर्ण बात है," हैरियट ने कहा। "आपको लगेगा कि वह इतनी बुरी तरह से शर्मिंदा होगी कि शब्दों में बयान नहीं कर पाएगी।"
डीन ने कहा, "यह निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि दस में से नौ महिलाओं को इससे कोई फर्क पड़ेगा।"
"यह कहना तो बहुत ही घिनौनी बात है," मिस हिलयार्ड चिल्लाईं।
"क्या आपको लगता है कि एक पत्नी अपने पति के सम्मान को लेकर संवेदनशील हो सकती है—भले ही उसकी खातिर उसका सम्मान कुर्बान कर दिया गया हो?" मिस स्टीवंस ने कहा। "खैर—मुझे नहीं पता।"

"मुझे लगता है," मिस चिल्परिक ने अपनी गंभीरता में थोड़ा हकलाते हुए कहा, "उसे ऐसा लगेगा जैसे वह किसी पुरुष की तरह जी रही हो—मेरा मतलब है, क्या यह किसी के अनैतिक कमाई पर जीने जैसा नहीं होगा?"

“देखिए,” पीटर ने कहा, “अगर मैं कहूँ तो, मुझे लगता है आप अतिशयोक्ति कर रही हैं। जो व्यक्ति ऐसा करता है—अगर वह इतना ज़्यादा मानसिक रूप से विक्षिप्त नहीं है कि उसमें कोई भावना ही न बची हो—तो उसे अन्य बातों का भी सामना करना पड़ता है, जिनमें से कुछ का नैतिकता से कोई लेना-देना नहीं होता। लेकिन यह बहुत दिलचस्प है कि आपने यह तुलना की।” उसने मिस चिल्परिक को इतनी ध्यान से देखा कि वह शर्म से लाल हो गईं।

"शायद ऐसा कहना मूर्खतापूर्ण था।"

“नहीं। लेकिन अगर कभी लोगों के मन में शरीर के सम्मान के बराबर ही मन के सम्मान को महत्व देने का विचार आए, तो हमें एक अभूतपूर्व सामाजिक क्रांति देखने को मिलेगी—जो इस समय हो रही क्रांति से बिल्कुल अलग होगी।”

मिस चिल्परिक सामाजिक क्रांति को बढ़ावा देने के विचार से इतनी घबराई हुई लग रही थीं कि कॉमन रूम के दो कर्मचारियों के समय पर आकर कॉफी के कप हटाने और उन्हें जवाब देने की आवश्यकता से मुक्त करने से ही वह फर्श में धंसने से बच पाईं।

“खैर,” हैरियट ने कहा, “मैं मिस चिल्परिक से पूरी तरह सहमत हूँ। अगर कोई व्यक्ति कोई अपमानजनक काम करे और फिर कहे कि उसने यह अपने स्वार्थ के लिए किया, तो यह सबसे बड़ा अपमान होगा। भला कोई उसके प्रति दोबारा पहले जैसा भाव कैसे रख सकता है?”

मिस पाइक ने कहा, "बिल्कुल, इससे पूरा रिश्ता खराब हो जाएगा।"

“अरे, बकवास!” डीन चिल्लाई। “कितनी औरतें किसी की बौद्धिक ईमानदारी की परवाह करती हैं? सिर्फ़ हम जैसी ज़्यादा पढ़ी-लिखी औरतें। जब तक आदमी ने चेक में हेराफेरी न की हो, या तिजोरी न लूटी हो, या कोई सामाजिक रूप से अपमानजनक काम न किया हो, ज़्यादातर औरतें उसे पूरी तरह जायज़ समझेंगी। कसाई की पत्नी मिसेज़ बोन्स या दर्जी की बेटी मिस टेप से पूछो कि वे किसी पुरानी, घिसी-पिटी ऐतिहासिक थीसिस में किसी तथ्य को छिपाने को लेकर कितनी चिंतित होंगी।”

"वे हर हाल में अपने पतियों का साथ देती थीं," मिस एलिसन ने कहा। "मेरा पति, चाहे सही हो या गलत, हमेशा मेरा साथ देता था। चाहे उसने तिजोरी ही क्यों न लूट ली हो।"

"बेशक वे ऐसा ही करेंगे," मिस हिलयार्ड ने कहा। "आखिरकार वो आदमी यही तो चाहता है। वो चूल्हे पर बैठे किसी आलोचक को धन्यवाद भी नहीं कहेगा।"
“तुम्हें लगता है कि उसके पास कोई स्त्री जैसी स्त्री होनी चाहिए?” हैरियट ने कहा।
“क्या बात है, ऐनी? मेरी कॉफ़ी का कप? ये लो... कोई ऐसा जो कहेगा, ‘जितना बड़ा पाप, उतना बड़ा बलिदान—और परिणामस्वरूप उतनी ही बड़ी भक्ति।’ बेचारी मिस शूस्टर-स्लैट!... मुझे लगता है कि यह सुनकर तसल्ली मिलती है कि चाहे कुछ भी करो, प्यार किया जाता है।”
“अहा, हाँ,” पीटर ने अपनी सबसे कर्कश, कर्कश आवाज़ में कहा:
और ये कहते हैं: ‘अब और नहीं मेरे योद्धा, न ही अब और ईश्वर के योद्धा—तुम, इन सबसे कहीं अधिक श्वेत, कहीं अधिक पवित्र, अच्छे और सच्चे हो’
“वह हमेशा के लिए मुझसे लिपट जाएगी—”
विलियम मॉरिस के जीवन में ऐसे क्षण भी आए जब वे शत प्रतिशत मर्दाना व्यक्ति थे।
“बेचारा मॉरिस!” डीन ने कहा।
पीटर ने नरमी से कहा, "उस समय वह जवान था। ज़रा सोचिए, यह अजीब बात है कि 'मर्दाना' और 'औरत जैसा' जैसे शब्द अपने विपरीत शब्दों से ज़्यादा आपत्तिजनक क्यों माने जाते हैं। ऐसा लगता है मानो यौन संबंध में भी कुछ अभद्रता हो।"
“यह सब इस शिक्षा का परिणाम है,” डीन ने कहा, जैसे ही कॉफी परोसने वाले आखिरी व्यक्ति के पीछे दरवाजा बंद हुआ। “हम यहाँ एक घेरे में बैठे हैं, खुद को दयालु श्रीमती बोन्स और उस प्यारी लड़की, मिस टेप से अलग कर रहे हैं—”
“और तो और,” हैरियट ने बीच में कहा, “उन शानदार, मर्दाना लोगों, तैप्स और बोनेस जैसे पुरुषों का भी जिक्र करना जरूरी है—”
और बौद्धिक ईमानदारी के बारे में बेहद गैर-औरतपन भरे तरीके से अपनी राय व्यक्त करती रही।
पीटर ने कहा, "जबकि मैं बीच में अकेला बैठा हूँ, जैसे खीरे के बगीचे में एक झोपड़ी।"
"तुम बिल्कुल वैसे ही दिखते हो," हैरियट ने हंसते हुए कहा। "एक ठंडे, कड़वे और अपचनीय वीरान इलाके में मानवता का एकमात्र अवशेष।"
हंसी की आवाज गूंजी, और पल भर के लिए सन्नाटा छा गया। हैरियट कमरे में एक बेचैनी और तनाव महसूस कर सकती थी—चिंता और उम्मीद के छोटे-छोटे धागे आपस में उलझ रहे थे, मिल रहे थे, एक-दूसरे को पार कर रहे थे, कांप रहे थे। अब, वे सब मन ही मन कह रहे थे, अब इसके बारे में कुछ कहा जाने वाला है। सारी तैयारी हो

चुकी है, सड़क से कॉफी हटा दी गई है, लड़ने वाले तैयार हैं—अब, यह विनम्र सज्जन, जिनकी जुबान सधी हुई है, एक पूछताछकर्ता के रूप में अपने असली रंग में सामने आएंगे, और यह सब बहुत असहज होने वाला है।

लॉर्ड पीटर ने अपना रूमाल निकाला, अपने मोनोकल को ध्यान से पॉलिश किया, उसे ठीक किया, वार्डन को काफी सख्ती से देखा और कॉर्पोरेशन के कचरा डंप के बारे में अपनी आवाज को जोरदार, पीड़ादायक और शिकायतपूर्ण ढंग से उठाया।

वार्डन ने सीनियर कॉमन रूम में मेहमाननवाज़ी के लिए मिस लिडगेट को धन्यवाद देते हुए और लॉर्डशिप को ऑक्सफ़ोर्ड में अपने प्रवास के दौरान किसी भी सुविधाजनक समय पर अपने घर आने का निमंत्रण देते हुए विदा ली। कई प्रोफेसर उठे और धीरे-धीरे चले गए, यह कहते हुए कि सोने से पहले उन्हें अपने निबंध पढ़ने हैं। बातचीत कई विषयों पर सुखद ढंग से आगे बढ़ी। पीटर ने बातचीत को अपने हाथों से छोड़ दिया और उसे अपने हिसाब से चलने दिया, और हैरियट ने यह समझते हुए, शायद ही उसका अनुसरण करने की जहमत उठाई। अंत में, वहाँ केवल हैरियट और पीटर, डीन, मिस एडवर्ड्स (जो पीटर की बातचीत में काफी रुचि लेती हुई प्रतीत हो रही थीं), मिस चिल्परिक, जो चुपचाप एक अस्पष्ट स्थिति में आधी छिपी हुई थीं, और हैरियट के आश्चर्य के लिए, मिस हिलयार्ड ही रह गईं।

घड़ी में ग्यारह बज चुके थे। विम्सी उठा और बोला कि उसे अब चलना चाहिए। सब लोग उठ गए। ओल्ड क्वाड में अंधेरा छाया हुआ था, सिवाय रोशन खिड़कियों की हल्की रोशनी के; आसमान में बादल छा गए थे और तेज़ हवा बीच के पेड़ों की डालियों को हिला रही थी।

“शुभ रात्रि,” मिस एडवर्ड्स ने कहा। “मैं देखूंगी कि आपको रक्तसमूहों के बारे में उस अखबार की एक प्रति मिल जाए। मुझे लगता है कि आपको उसमें रुचि होगी।”

“जी हां, जरूर,” विम्सी ने कहा। “बहुत-बहुत धन्यवाद।”

मिस एडवर्ड्स तेजी से आगे बढ़ गईं।

शुभ रात्रि, लॉर्ड पीटर।

"शुभ रात्रि, मिस चिल्परिक। मुझे बता देना जब सामाजिक क्रांति शुरू होने वाली हो और मैं बैरिकेड्स पर मरने के लिए आऊंगा।"

"मुझे लगता है कि आप मान जाएंगे," मिस चिल्परिक ने आश्चर्य से कहा और परंपरा की अवहेलना करते हुए उन्हें अपना हाथ दे दिया।

"शुभ रात्रि," मिस हिलयार्ड ने दुनिया को संबोधित करते हुए कहा और सिर ऊंचा करके तेजी से उनके पास से गुजर गईं।
मिस चिल्परिक एक फीके पतंगे की तरह अंधेरे में उड़ गईं, और डीन ने कहा, "अच्छा!" और फिर, प्रश्नवाचक स्वर में, "अच्छा?"
"पास हो जाओ, सब ठीक है," पीटर ने शांत भाव से कहा।
“एक-दो बार तो ऐसी स्थिति आई थी, है ना?” डीन ने कहा। “लेकिन कुल मिलाकर सब कुछ उम्मीद के मुताबिक ठीक रहा।”
"मुझे बहुत मजा आया," पीटर ने शरारती लहजे में कहा।
“मुझे पूरा यकीन है तुमने ऐसा किया होगा,” डीन ने कहा। “मैं तुम पर ज़रा भी भरोसा नहीं करूँगा। बिलकुल भी नहीं।”
“ओह, हाँ, तुम करोगे,” उसने कहा। “चिंता मत करो।”
डीन भी जा चुका था।
"कल तुम अपना गाउन मेरे कमरे में छोड़ गई थी," हैरियट ने कहा। "बेहतर होगा कि तुम आकर उसे ले जाओ।"
“मैं तुम्हारा दस्तावेज़ अपने साथ वापस ले आया था और उसे जोवेट वॉक लॉज में छोड़ दिया था। साथ ही तुम्हारी फाइल भी। मुझे उम्मीद है कि उन्हें ले जाया गया होगा।”
“तुमने फाइल को यूं ही पड़ा नहीं छोड़ा था!”
“तुम मुझे क्या समझते हो? यह तो लिपटा हुआ और सीलबंद है।”
वे धीरे-धीरे मैदान पार कर गए।
"पीटर, मैं तुमसे बहुत सारे सवाल पूछना चाहता हूँ।"
“ओह, हाँ। और एक सवाल है जो मैं आपसे पूछना चाहता हूँ। आपका उपनाम क्या है? वो नाम जो 'डी' से शुरू होता है?”
“डेबोरा, मुझे यह कहते हुए खेद है। क्यों?”
“डेबोरा? अरे बाप रे! ठीक है। मैं तुम्हें उस नाम से नहीं पुकारूंगी। मुझे लगता है, मिस डी वाइन अभी भी काम कर रही हैं।”
इस बार फेलो के घर की खिड़की के पर्दे हटे हुए थे, और वे उसका काला, अस्त-व्यस्त सिर देख सकते थे, जो एक किताब पर झुका हुआ था।
“वह मुझे बहुत दिलचस्प लगती है,” पीटर ने कहा।
मुझे वो पसंद है, तुम्हें पता है।
"मैं भी।"

"लेकिन मुझे डर है कि ये उसी तरह की हेयरपिन हैं जो उसे पसंद हैं।"
“मुझे पता है वे हैं,” उसने कहा। उसने जेब से हाथ निकालकर आगे बढ़ाया। वे ट्यूडर के ठीक नीचे थे, और पास की खिड़की से आती रोशनी में उसकी हथेली पर एक उदास, फैली हुई टांगों वाली हेयरपिन दिखाई दे रही थी। “उसने इसे खाने के बाद मंच पर गिरा दिया था। आपने मुझे इसे उठाते हुए देखा था।”
मैंने तुम्हें मिस शॉ का स्कार्फ उठाते हुए देखा।
“आप हमेशा की तरह सज्जन हैं। क्या मैं आपके साथ आ सकता हूँ, या यह नियमों के विरुद्ध है?”
आप ऊपर आ सकते हैं।
कई विद्यार्थी अधनंगे होकर गलियारों में इधर-उधर भाग रहे थे, जो पीटर को झुंझलाहट से ज़्यादा जिज्ञासा से देख रहे थे। हैरियट के कमरे में, उन्हें मेज पर उसका गाउन और दस्तावेज़ मिले। पीटर ने दस्तावेज़ उठाया, कागज़, धागे और उन्हें सुरक्षित रखने वाली मुहरों की जाँच की, जिन पर बैठी हुई बिल्ली का निशान और विम्सी का घमंडी आदर्श वाक्य छपा हुआ था।
"अगर इसे खोला गया है, तो मैं गर्म सीलिंग वैक्स को खा जाऊंगा।"
वह खिड़की के पास गया और बाहर खुले मैदान में देखने लगा।
“अपने तरीके से यह एक बुरा अवलोकन बिंदु नहीं है। धन्यवाद। मैं बस यही देखना चाहता था।”
उसने आगे कोई जिज्ञासा नहीं दिखाई, बल्कि उसने वह गाउन ले लिया जो उसने उसे दिया था और उसके पीछे-पीछे फिर से नीचे चला गया।
वे मैदान के आधे रास्ते में ही थे कि उसने अचानक कहा:
“हैरियट। क्या तुम सचमुच ईमानदारी को बाकी सब चीजों से ऊपर मानती हो?”
मुझे लगता है कि मैं करता हूँ। मुझे उम्मीद है ऐसा ही हो। क्यों?
“अगर तुम ऐसा नहीं करोगे, तो मैं ईसाई जगत का सबसे बड़ा मूर्ख हूँ। मैं अपनी ही डाली को काटने में व्यस्त हूँ। अगर मैं ईमानदार हूँ, तो शायद मैं तुम्हें पूरी तरह खो दूँगा। अगर मैं ईमानदार नहीं हूँ—”
उसकी आवाज अजीब तरह से कर्कश थी, मानो वह किसी चीज को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा हो; उसने सोचा, यह शारीरिक दर्द या जुनून नहीं था, बल्कि कुछ अधिक मौलिक था।

"अगर तुम नहीं हो," हैरियट ने कहा, "तो मैं तुम्हें खो दूंगी, क्योंकि तुम वही इंसान नहीं रहोगे, है ना?"
“मुझे नहीं पता। मेरी छवि एक लापरवाह और बेईमान व्यक्ति की है। क्या आपको लगता है कि मैं ईमानदार हूँ?”
मुझे पता है तुम हो। मैं तुम्हारी कल्पना भी नहीं कर सकता कि तुम कुछ और हो सकते हो।
“और फिर भी इस समय मैं अपनी ईमानदारी के परिणामों से खुद को बचाने की कोशिश कर रहा हूँ। ‘मैंने यह संकल्प लेने की कोशिश की है कि मैं स्वर्ग या नरक की परवाह किए बिना ईमानदार रहूँ।’ हालाँकि, ऐसा लगता है कि मुझे हर हाल में नरक ही मिलेगा; इसलिए मुझे संकल्प लेने की कोई ज़रूरत नहीं है। मुझे विश्वास है कि आप जो कह रहे हैं, उसका मतलब वही है—और मुझे उम्मीद है कि अगर मैं इस बात पर ज़रा भी विश्वास न करता, तो मैं भी यही करता।”
"पीटर, मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो।"
“और भी अच्छा। चिंता मत करो। मैं फिर कभी ऐसा व्यवहार नहीं करूँगा। ड्यूक ने ब्रांडी और पानी का एक घड़ा खाली किया और फिर से एक आदर्श अंग्रेज सज्जन बन गए। मुझे अपना हाथ दो।”
उसने वह वस्तु उसे दे दी, और उसने उसे एक पल के लिए मजबूती से थामे रखा, फिर उसका हाथ अपने हाथ में ले लिया। वे चुपचाप, हाथ में हाथ डाले, न्यू क्वाड की ओर बढ़ गए। हॉल की सीढ़ियों के नीचे बने मेहराब से गुजरते हुए, हैरियट को लगा जैसे अंधेरे में किसी की हलचल हुई हो और उसे किसी के चेहरे की हल्की सी झलक दिखाई दी; लेकिन पीटर का ध्यान आकर्षित करने से पहले ही वह गायब हो गई। पैजेट ने उनके लिए गेट का ताला खोला; विम्सी, ख्यालों में खोया हुआ, दहलीज पार करते हुए, उसे बेपरवाही से शुभ रात्रि कह गया।
शुभ रात्रि, मेजर विम्सी महोदय!
"हैलो!" पीटर ने सेंट क्रॉस रोड में पहले से मौजूद पैर को वापस खींच लिया और कुली के मुस्कुराते चेहरे को ध्यान से देखा।
“हे भगवान! एक मिनट रुकिए। मुझे मत बताइए। कॉड्री—1918—मुझे याद आ गया! नाम पैजेट है। कॉर्पोरल पैजेट।”
"बिल्कुल सही, महोदय।"

वाह वाह वाह! आपको देखकर बहुत खुशी हुई। आप एकदम तंदुरुस्त लग रहे हैं। आप कैसे हैं?
“ठीक है, धन्यवाद, महोदय।” पैजेट का बड़ा और रोएँदार पंजा पीटर की लंबी उंगलियों पर गर्मजोशी से बंद हो गया। “जब मैंने सुना कि आप यहाँ हैं, तो मैंने अपनी पत्नी से कहा, ‘मैं आपके लिए जो चाहें रखूँगा,’ मैंने कहा, ‘मेजर भूले नहीं होंगे।’”
“अरे वाह! आपको यहाँ देखकर मुझे आश्चर्य हुआ! पिछली बार जब मैंने आपको देखा था, तब मुझे स्ट्रेचर पर ले जाया जा रहा था।”
"जी हां, महोदय। मुझे आपको बर्फ से बाहर निकालने में मदद करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।"
मुझे पता है तुमने ऐसा किया था। तुम्हें अब देखकर मुझे खुशी हो रही है, लेकिन तब तुम्हें देखकर मुझे कहीं ज्यादा खुशी हुई थी।
जी हाँ, महोदय। अरे वाह! हमें लगा था कि आप चले गए। मैंने हैकेट से कहा - छोटे हैकेट को याद है ना, महोदय?
“वो छोटा लाल बालों वाला बदमाश? हाँ, बिल्कुल। उसका क्या हुआ?”
“रीडिंग में एक लॉरी चला रहा था, महोदय, विवाहित और तीन बच्चे। मैंने हैकेट से कहा, ‘अरे वाह!’ मैंने कहा, ‘देखो, बूढ़ा विंडरपेन चला गया’—माफ़ कीजिए, महोदय —और उसने कहा, ‘अरे! क्या किस्मत है!’ तो मैंने कहा, ‘वहाँ खड़े होकर रोना मत—शायद वह गया ही नहीं।’ तो हम—”
“नहीं,” विम्सी ने कहा। “मुझे लगता है कि मुझे चोट से ज़्यादा डर लगा था। जिंदा जलने का अनुभव बहुत ही अप्रिय था।”
“खैर, महोदय! जब हमने आपको उस पुराने जर्मन बंकर के तल में, आपके ऊपर एक बड़ी सी बीम के साथ पाया, तो मैंने हैकेट से कहा, ‘खैर,’ मैंने कहा, ‘वह तो यहाँ है ही।’ और उसने कहा, ‘जेरी का शुक्र है!’ उसने कहा—मतलब, अगर वह बंकर न होता तो —”
“हां,” विम्सी ने कहा, “मुझे वहां थोड़ी किस्मत का साथ मिला। हालांकि, हमने बेचारे श्री डैनबरी को खो दिया।”
“जी हाँ, महोदय। यह बहुत बुरी बात थी। एक नेक नौजवान। क्या आपने आजकल कैप्टन सिडगविक को कहीं देखा है, महोदय?”
“ओह, हाँ। मैंने उसे कुछ दिन पहले ही बेलौना क्लब में देखा था। मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि आजकल वह बहुत फिट नहीं है। उसे गैस की समस्या हो गई है।

फेफड़े सुस्त हैं।"
"यह सुनकर बहुत दुख हुआ, महोदय। याद है उस सुअर को लेकर वह कितना परेशान था—"
"चुप रहो, पैजेट। उस सूअर के बारे में जितना कम कहा जाए, उतना ही अच्छा है।"
"जी हाँ, जनाब। उस सुअर पर बड़े चाव से मांस चटक रहा था। वाह!" पैजेट ने पुरानी यादों में खोते हुए होंठ सिकोड़े। "क्या आपने सुना सार्जेंट-मेजर टूप का क्या हुआ?"
"टूप? नहीं—मैंने उसे बिल्कुल नज़रों से ओझल कर दिया है। उम्मीद है कुछ अप्रिय नहीं हुआ होगा। वह अब तक का सबसे बेहतरीन सार्जेंट-मेजर था।"
"अरे वाह, वो तो कमाल का था।" पैजेट की मुस्कान और चौड़ी हो गई। "जी हाँ, जनाब, उसे अपना सच्चा साथी मिल ही गया। बस थोड़ा सा पतला-दुबला—ज़्यादा लंबा नहीं, पर, वाह!"
"आगे बढ़ो, पैजेट। तुम ऐसा कह नहीं सकते।"
जी हाँ, महोदय। जब मैं चिड़ियाघर में ऊँटों के बाड़े में काम कर रहा था—"
हे भगवान! पैजेट!
जी हाँ, महोदय—मैंने उन्हें वहाँ देखा और हमने कुछ देर बातें कीं। बाद में उनसे मिलने गए। वाह! उसने उसे सार्जेंट-मेजर की तरह सबक सिखाया। उसे ठीक से सबक सिखाया। आपको वो पुराना गाना तो याद ही होगा: छह फुट तीन इंच लंबे आदमी को परेशान करना—"
"और वो सिर्फ चार फुट दो इंच की! वाह! बड़े-बड़े लोग कैसे गिर जाते हैं! वैसे, मैं आपको बताता हूँ कि मैं उस दिन किससे मिला था—अब, यह सुनकर आपको आश्चर्य होगा—"
पुरानी यादों का सिलसिला बेरोकटोक चलता रहा, जब तक कि विम्सी को अचानक अपनी मर्यादा का एहसास नहीं हुआ, उसने हैरियट से माफी मांगी और पुराने दिनों की बातें करने के लिए वापस आने का वादा करते हुए जल्दी से बाहर निकल गया। पैजेट, अब भी मुस्कुरा रहा था, उसने भारी गेट को बंद किया और ताला लगा दिया।
"आह!" पैजेट ने कहा, "मेजर में ज़रा भी बदलाव नहीं आया है। बेशक, तब वो काफ़ी जवान थे—अभी-अभी पदभार ग्रहण किया था—लेकिन फिर भी वो एक बेहतरीन अधिकारी थे—और आँखों पर लगाने वाले मेकअप से उन्हें बहुत डर लगता था। और शेविंग तो कमाल की थी!"

पैजेट, लॉज की ईंटों की दीवार पर एक हाथ से सहारा लिए हुए, मानो बहुत पुराने समय में खोया हुआ प्रतीत हो रहा था।
"'अब, दोस्तों,' जब हम गोलीबारी की आशंका में होते थे, तो वो कहता था, 'अगर तुम्हें अपने ईश्वर का सामना करना ही है, तो भगवान के लिए, साफ चेहरे के साथ उसका सामना करो।' और! हम उसे चश्मे की वजह से विंडरपेन कहते थे, लेकिन हमारा इरादा किसी का अपमान करने का नहीं था। हममें से कोई भी उसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं सुनना चाहता था। अब, एक आदमी दूसरी यूनिट से हमारे पास आया—बदतमीज़, बदतमीज़, जिसे कोई पसंद नहीं करता था—उसका नाम था, उगिंस। खैर, इस आदमी को लगा कि वो मज़ाक करेगा—और उसने मेजर को लिटिल पर्सी कहना शुरू कर दिया, और अपमानजनक गालियों का इस्तेमाल करने लगा—"
यहां पैजेट एक महिला के लिए उपयुक्त विशेषण चुनने के लिए रुके, लेकिन असफल होने पर उन्होंने दोहराया:
"अपमानजनक विशेषण, महोदया। और मैंने उससे कहा—ध्यान रहे, यह तब की बात है जब मुझे अभी तक वर्दी नहीं मिली थी; मैं तब एक साधारण सिपाही था, बिल्कुल उग्गिन्स की तरह—मैंने उससे कहा, 'बस बहुत हो गया।' और उसने मुझसे कहा—खैर, अंत में बात यह है कि हमारे बीच खूब लड़ाई हुई, चारों ओर।"
"हे भगवान!" हैरियट ने कहा।
जी हाँ, महोदया। उस समय हम आराम कर रहे थे, और अगली सुबह जब सार्जेंट-मेजर ने हमें परेड के लिए बुलाया—वाह! हम दोनों एक पारिवारिक तस्वीर जैसे लग रहे थे। सार्जेंट-मेजर—सार्जेंट-मेजर टूप, वही जिनकी शादी हुई थी, जैसा कि मैं बता रही थी—उन्होंने कुछ नहीं कहा—उन्हें सब पता था। और एडजुटेंट को भी सब पता था, और उन्होंने भी कुछ नहीं कहा। और तभी अचानक हमने मेजर को टहलते हुए आते देखा। तो एडजुटेंट ने हमें लाइन में खड़ा किया, और मैं वहाँ सावधान मुद्रा में खड़ी रही, उम्मीद कर रही थी कि उगिंस का चेहरा मेरे चेहरे से ज़्यादा खराब न हो। 'सुप्रभात,' मेजर ने कहा; और एडजुटेंट और सार्जेंट मेजर टूप ने कहा, 'सुप्रभात, महोदय।' तो वह सार्जेंट-मेजर से अनौपचारिक बातचीत करने लगे, और मैंने देखा... उसकी नज़रें लाइन में ऊपर-नीचे घूम रही थीं। अचानक उसने कहा, 'सार्जेंट-मेजर!' सार्जेंट-मेजर ने कहा, 'सर!' उसने कहा, 'वो आदमी क्या कर रहा है?' उसका मतलब मुझसे था। सार्जेंट-मेजर ने मुझे ऐसे घूरते हुए कहा, 'सर?' जैसे मुझे देखकर वह हैरान हो गया हो। मेजर ने कहा, 'लगता है उसका कोई भयानक एक्सीडेंट हो गया है।' 'और

उस दूसरे आदमी का क्या? मुझे इस तरह की चीज़ें देखना पसंद नहीं है। ठीक नहीं है। इन्हें बाहर निकालो।' तो सार्जेंट-मेजर ने हम दोनों को बाहर निकाल दिया। मेजर ने कहा, 'हम्म, मैं समझ गया। इस आदमी का नाम क्या है?' सार्जेंट-मेजर ने कहा, 'पैजेट, सर।' 'ओह,' उसने कहा। 'अच्छा, पैजेट, तुमने ऐसा क्या किया कि तुम इस मुसीबत में पड़ गए?' 'एक पेड़ से गिर गया था।' "बाल्टी, महोदय," मैंने उनकी पीठ पीछे से, अपनी एकमात्र आँख से जो देख पा रहा था, घूरते हुए कहा। "बाल्टी?" उन्होंने कहा, "बाल्टी बहुत अजीब चीज़ें होती हैं। और ये दूसरा आदमी—मुझे लगता है कि उसने पोछे पर पैर रख दिया होगा, है ना, सार्जेंट-मेजर?" "मेजर जानना चाहते हैं कि क्या तुमने पोछे पर पैर रखा था," सार्जेंट-मेजर टूप ने कहा। "जी हाँ," उगिंस ने ऐसे कहा जैसे उसके मुँह में दर्द हो रहा हो। "अच्छा," मेजर ने कहा, "जब तुम इन सबको छुट्टी दे दो, तो इन दोनों आदमियों को एक-एक बाल्टी और एक-एक पोछा दे देना और उन्हें थकावट पर रख देना। इससे उन्हें इन खतरनाक औजारों को संभालना सीख मिल जाएगी।" "जी हाँ," सार्जेंट-मेजर टूप ने कहा। "जारी रखो," मेजर ने कहा। तो हम काम करते रहे। उगिंस ने बाद में मुझसे कहा, "क्या तुम्हें लगता है कि उसे पता था?" मैंने कहा, 'जानता था? बिल्कुल जानता था। ऐसा कुछ भी नहीं है जो वह न जानता हो।' इसके बाद, 'उग्गिंस ने अपने विशेषण अपने तक ही सीमित रखे।'

हैरियट ने बड़े उत्साह से सुनाए गए इस किस्से की सराहना की और पैजेट से विदा ली। पता नहीं क्यों, पोछे और बाल्टी की इस घटना ने पैजेट को पीटर का जीवन भर का गुलाम बना दिया था। मर्द बड़े अजीब होते हैं।

जब वह लौटी तो हॉल के मेहराबों के नीचे कोई नहीं था, लेकिन जैसे ही वह चैपल के पश्चिमी छोर से गुजरी, उसे लगा कि कोई काली सी चीज परछाई की तरह फेलो गार्डन में चली गई। वह उसके पीछे गई। उसकी आँखें गर्मी की रात के धुंधलेपन की आदी हो रही थीं और वह उस आकृति को तेजी से ऊपर-नीचे चलते हुए देख सकती थी और घास पर उसके लंबे स्कर्ट की सरसराहट सुन सकती थी।

उस शाम कॉलेज में केवल एक ही व्यक्ति था जिसने लंबी फ्रॉक पहनी थी, और वह थीं मिस हिलयार्ड। उन्होंने फेलो गार्डन में डेढ़ घंटे तक सैर की।

## अध्याय 18

जाओ, मेरे धर्मपुत्र, उस चतुर लड़के से कहो कि घर वापस आ जाए। यहाँ उसे बेवकूफ बनाने का समय नहीं है!

— महारानी एलिजाबेथ

“लॉर!” डीन ने कहा।

वह चाय का कप हाथ में लिए सीनियर कॉमन रूम की खिड़की से उत्सुकतापूर्वक देख रही थी।

“क्या बात है?” मिस एलिसन ने पूछा।

“वह बेहद खूबसूरत युवक कौन है?”

"मुझे लगता है कि वह फ्लैक्समैन की मंगेतर है, है ना?"

“एक खूबसूरत युवक?” मिस पाइक ने कहा। “मैं उसे देखना चाहूंगी।” वह खिड़की की ओर बढ़ीं।

“मज़ाक मत करो,” डीन ने कहा। “मुझे फ्लैक्समैन का बायरन मुंह ज़बानी याद है। यह तो हाउस ब्लेज़र पहने एक सुनहरे बालों वाली लड़की है।”

“अरे वाह!” मिस पाइक ने कहा। “अपोलो बेल्वेडेरे एकदम साफ-सुथरे फलालैन में हैं। लगता है वे अविवाहित हैं। कमाल है!”

हैरियट ने अपना प्याला नीचे रखा और सबसे बड़ी कुर्सी से उठी। "शायद वह टेनिस खेलने वाले उस समूह का सदस्य है," मिस एलिसन ने अंदाज़ा लगाया। "छोटे कुक के निकम्मे दोस्तों का समूह? अरे वाह!"

"आखिर इतनी हलचल क्यों?" मिस हिलयार्ड ने पूछा।

डीन ने कहा, "खूबसूरत नौजवान हमेशा ही आकर्षक होते हैं।"

"वह," हैरियट ने आखिरकार मिस पाइक के कंधे के ऊपर से उस अद्भुत युवक की एक झलक पाते हुए कहा, "विस्काउंट सेंट-जॉर्ज हैं।"

"क्या वह भी आपके कुलीन मित्रों में से एक हैं?" मिस बार्टन ने पूछा।

"उसका भतीजा," हैरियट ने जवाब दिया; हालांकि उसका लहजा बहुत स्पष्ट नहीं था।

“ओह!” मिस बार्टन ने कहा। “खैर, मुझे समझ नहीं आता कि आप सभी को स्कूल की लड़कियों की तरह उसे घूरने की क्या ज़रूरत है।”

वह मेज की ओर बढ़ी, अपने लिए केक का एक टुकड़ा काटा और दूर वाली खिड़की से लापरवाही से बाहर देखा।

लॉर्ड सेंट-जॉर्ज, मानो उस जगह के मालिक हों, पुस्तकालय विंग के कोने पर बेपरवाही से खड़े थे और दो नंगे पीठ वाले छात्रों और दो ऐसे युवकों के बीच टेनिस का खेल देख रहे थे जिनकी कमीज़ें बार-बार उनकी बेल्ट से निकल रही थीं। इससे ऊबकर वे खिड़कियों के पास से होते हुए महारानी एलिजाबेथ की ओर बढ़ गए, उनकी नज़र बीच

के पेड़ों के नीचे आराम कर रहे श्रूस्बरीवासियों के एक समूह पर पड़ी, मानो कोई युवा सुल्तान सर्कसियन गुलामों की किसी कमज़ोर खेप का निरीक्षण कर रहा हो।
“बड़ा घमंडी छोटा जानवर!” हैरियट ने सोचा; और उसे आश्चर्य हुआ कि क्या वह उसे ढूंढ रहा था। अगर वह ढूंढ रहा था, तो वह इंतज़ार कर सकता था, या लॉज में जाकर ठीक से पूछ सकता था। “अरे वाह!” डीन ने कहा। “तो इस तरह नारियल में दूध गया!”
लाइब्रेरी विंग के दरवाजे से धीरे-धीरे मिस डी वाइन निकलीं, और उनके पीछे, गंभीर और विनम्र भाव से, लॉर्ड पीटर विम्सी आए। वे टेनिस कोर्ट के किनारे-किनारे गंभीरता से बातचीत करते हुए चले। लॉर्ड सेंट-जॉर्ज, उन्हें दूर से देखते हुए, उनसे मिलने के लिए आगे बढ़े। वे रास्ते पर एक साथ हो गए। वे थोड़ी देर खड़े होकर बातें करते रहे। फिर वे लॉज की ओर चल पड़े।
“हे भगवान!” डीन ने कहा। “पेरिस और हेक्टर द्वारा हेलेन डी वाइन का अपहरण।”
“नहीं, नहीं,” मिस पाइक ने कहा। “पेरिस हेक्टर का भाई था, भतीजा नहीं। मुझे नहीं लगता कि उसके कोई चाचा थे।”
“चाचाओं की बात करें तो,” डीन ने कहा, “क्या यह सच है? मिस हिलयार्ड, वह रिचर्ड तृतीय—मुझे लगा था कि वह यहाँ हैं।”
“वह यहाँ थी,” हैरियट ने कहा।
डीन ने कहा, “हेलेन को हमारे पास वापस लाया जा रहा है। ट्रॉय की घेराबंदी स्थगित कर दी गई है।”
तीनों वापस उसी रास्ते से लौट रहे थे। आधे रास्ते में मिस डी वाइन ने दोनों पुरुषों से विदा ली और अपने कमरे की ओर लौट गईं।
उस क्षण, एस.सी.आर. में मौजूद दर्शक एक अपशगुन देखकर भयभीत हो गए। मिस हिलयार्ड हॉल की सीढ़ियों के नीचे से निकलीं, चाचा और भतीजे की ओर बढ़ीं, उनसे बात की, लॉर्ड पीटर को उनके काफिले से अलग कर दिया और उन्हें मजबूती से न्यू क्वाड की ओर खींच ले गईं।
“जय हो! हालेलुया!” डीन ने कहा। “क्या तुम्हें जाकर अपने युवा मित्र को बचाना नहीं चाहिए? उसे फिर से छोड़ दिया गया है।”
"आप उन्हें एक कप चाय पिला सकती हैं," मिस पाइक ने सुझाव दिया। "यह हमारे लिए एक सुखद मनोरंजन होगा।"
“मुझे आप पर आश्चर्य हो रहा है, मिस पाइके,” मिस बार्टन ने कहा। “आप जैसी महिलाओं से कोई भी पुरुष सुरक्षित नहीं है।”

“मैंने यह बात पहले कहाँ सुनी है?” डीन ने कहा।
"उन विषैले पत्रों में से एक में," हैरियट ने कहा।
“अगर आप यह सुझाव दे रहे हैं कि—” मिस बार्टन ने कहना शुरू किया।
डीन ने कहा, "मैं तो बस यह सुझाव दे रहा हूं कि यह एक घिसा-पिटा जुमला है।"
“मैंने तो मज़ाक में कहा था,” मिस बार्टन ने गुस्से से जवाब दिया। “कुछ लोगों में हास्यबोध बिल्कुल नहीं होता।”
वह बाहर निकली और दरवाजा जोर से बंद कर दिया। लॉर्ड सेंट-जॉर्ज वापस आ गए थे और पुस्तकालय की ओर जाने वाले बरामदे में बैठे थे। जब मिस बार्टन अपने कमरे की ओर जाते हुए उनके पास से गुजरीं, तो वे विनम्रतापूर्वक उठे और कुछ टिप्पणी की, जिसका फेलो ने संक्षिप्त लेकिन मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
“ये विम्सी लोग तो बड़े ही भड़काऊ इशारे करते हैं,” डीन ने कहा। “ये एस.सी.आर. को दाएं-बाएं से गुमराह कर रहे हैं।”
हैरियट हँसी, लेकिन सेंट-जॉर्ज की मिस बार्टन पर सरसरी नज़र में उसने फिर से देखा कि उसके चाचा एक पल के लिए कहीं और देख रहे थे। ये पारिवारिक समानताएँ उसे बेचैन कर रही थीं। वह खिड़की के पास वाली सीट पर सिमट गई और लगभग दस मिनट तक देखती रही। विस्काउंट चुपचाप बैठे सिगरेट पी रहे थे और पूरी तरह सहज दिख रहे थे। मिस लिडगेट, मिस बरोज़ और मिस शॉ अंदर आईं और चाय परोसने लगीं। टेनिस खेलने वाले लोग सेट खत्म करके चले गए। तभी बाईं ओर से बजरी के रास्ते पर तेज़, हल्के कदमों की आहट सुनाई दी।
"हैलो!" हैरियट ने सीढ़ी के मालिक से कहा।
“हैलो!” पीटर ने कहा। “आपको यहाँ देखकर अच्छा लगा!” वह मुस्कुराया। “आइए और गेराल्ड से बात कीजिए। वह लॉजिया में हैं।”
"मैं उसे बिल्कुल स्पष्ट रूप से देख सकती हूँ," हैरियट ने कहा। "उसके चेहरे की बनावट की बहुत प्रशंसा हुई है।"
"एक अच्छी दत्तक चाची होने के नाते, आपने जाकर उस बेचारे लड़के पर दया क्यों नहीं दिखाई?"
मैं कभी दूसरों के मामलों में दखल नहीं देता था। मैं अपने आप में ही रहता था।
अच्छा, चलो अब।
हैरियट खिड़की वाली सीट से नीचे उतरी और विम्सी के साथ बाहर चली गई।

पीटर ने कहा, "मैं उसे यहाँ इसलिए लाया था ताकि देख सकूँ कि क्या वह किसी की पहचान कर सकता है। लेकिन ऐसा लगता है कि वह ऐसा करने में सक्षम नहीं है।"
लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने हैरियट का उत्साहपूर्वक अभिवादन किया।
“एक और महिला मेरे पास से गुजरी,” उसने पीटर की ओर मुड़ते हुए कहा। “उसके बाल बुरी तरह से कटे हुए थे, भूरे रंग के थे। उसका व्यवहार गंभीर था। उसने बोरी जैसे कपड़े पहने थे। उसमें संस्थागत झलक थी। मुझे उसकी बोलने की शैली समझ में आ गई।”
“मिस बार्टन,” हैरियट ने कहा।
“आंखें तो ठीक थीं, लेकिन आवाज ठीक नहीं थी। मुझे नहीं लगता कि वो वही है। शायद वही हो जिसने तुम्हें पकड़ा था, अंकल। उसकी आंखों में एक अजीब सी भूख और दुबली-पतली सी चमक थी।”
“हम्म!” पीटर ने कहा। “पहले वाले के बारे में क्या ख्याल है?”
मैं उसे बिना चश्मे के देखना चाहूँगा।
"अगर आपका मतलब मिस डी वाइन से है," हैरियट ने कहा, "तो मुझे संदेह है कि वह उनके बिना बहुत दूर तक देख पाएंगी।"
“यह एक महत्वपूर्ण बात है,” पीटर ने सोच-समझकर कहा।
“मुझे खेद है कि मैं इतना अस्पष्ट बोल रहा हूँ,” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने कहा। “लेकिन कर्कश फुसफुसाहट और चांदनी में एक बार देखी गई आँखों के जोड़े में अंतर करना आसान नहीं है।”
“नहीं,” पीटर ने कहा, “इसके लिए काफी अभ्यास की जरूरत है।”
“अभ्यास की तो ऐसी तैसी,” उसके भतीजे ने पलटकर जवाब दिया। “मैं इसे अभ्यास नहीं बनाने वाला।”
पीटर ने कहा, "यह कोई बुरा खेल नहीं है। आप इसे तब तक खेल सकते हैं जब तक आप दोबारा खेल शुरू नहीं कर सकते।"
"कंधे की हालत कैसी है?" हैरियट ने पूछा।
"ओह, इतना बुरा भी नहीं है, शुक्रिया। मसाज करने वाला तो कमाल कर रहा है। अब मैं अपनी बांह कंधे तक उठा सकता हूँ। कुछ कामों के लिए तो यह काफी काम की है।"
प्रदर्शन के तौर पर उसने अपनी घायल बांह हैरियट के कंधों पर डाल दी और इससे पहले कि वह उससे बच पाती, उसने तेजी से और कुशलता से उसे चूम लिया।

“बच्चों, बच्चों!” उसके चाचा ने दुख भरी आवाज में कहा, “याद रखो तुम कहाँ हो।”
“मुझे कोई आपत्ति नहीं है,” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने कहा। “मैं गोद लिया हुआ भतीजा हूँ। है ना, आंटी हैरियट?”
"एससीआर की खिड़कियों के ठीक नीचे नहीं," हैरियट ने कहा।
“तो फिर कोने से घूमकर आओ,” विस्काउंट ने निर्भीकता से कहा, “और मैं फिर से वही करूंगा। जैसा कि अंकल पीटर कहते हैं, इन चीजों के लिए खूब अभ्यास की जरूरत होती है।” वह अपने चाचा को परेशान करने पर तुला हुआ था, और हैरियट को उस पर बहुत गुस्सा आया। हालांकि, नाराजगी दिखाना उसके जाल में फंसने जैसा था। उसने उस पर दया भरी मुस्कान बिखेरी और ब्रासेनोस पोर्टर की मशहूर फटकार लगाई:
“शोर मचाना ठीक नहीं है, सज्जनों। डीन आज रात नीचे नहीं आ रहे हैं।”
इससे वह कुछ पल के लिए चुप हो गया। उसने पीटर की ओर देखा, जिसने कहा:
"क्या आपके पास शहर में कोई कमीशन वाला काम है?"
“क्यों, क्या तुम वापस जा रहे हो?”
मैं आज रात दौड़कर जाऊंगा और सुबह यॉर्क के लिए रवाना हो जाऊंगा। मुझे उम्मीद है कि मैं गुरुवार को वापस आ जाऊंगा।
यॉर्क?
"हां; मैं वहां एक आदमी को देखना चाहता हूं—एक कुत्ते के बारे में, और इसी तरह की बातों के बारे में।"
“अच्छा, मैं समझ गया। ठीक है—अगर आपको कोई परेशानी न हो तो मेरे फ्लैट पर आकर मेरी सचिव को पांडुलिपि के कुछ अध्याय दे दीजिएगा। मुझे डाक से ज़्यादा आप पर भरोसा है। क्या आप यह कर सकते हैं?”
विम्सी ने औपचारिक रूप से कहा, "मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।"
वह कागजात लेने के लिए अपने कमरे में भागी और खिड़की से देखा कि विम्सी परिवार आपस में इस मामले पर बहस कर रहा था। जब वह पार्सल लेकर नीचे आई, तो उसने देखा कि भतीजा ट्यूडर के दरवाजे पर खड़ा उसका इंतजार कर रहा था, जिसका चेहरा काफी लाल था।
"कृपया, मुझे माफी मांगनी है।"
“मुझे तो ऐसा ही लगता है,” हैरियट ने सख्ती से कहा। “मैं अपने ही परिसर में इस तरह अपमानित नहीं हो सकती। सच कहूँ तो, मैं ऐसा बर्दाश्त नहीं कर सकती।”

“मुझे बेहद खेद है,” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने कहा। “यह मेरी बहुत बड़ी गलती थी। सच कहूँ तो, मैं अंकल पीटर को चिढ़ाने के अलावा और कुछ नहीं सोच रहा था। और अगर इससे आपको थोड़ी तसल्ली मिले,” उन्होंने पछतावे भरे स्वर में कहा, “मैंने उन्हें चिढ़ा दिया।”
"अच्छा, उसके साथ अच्छा व्यवहार करो; वह तुम्हारे साथ बहुत अच्छा व्यवहार करता है।"
"मैं अच्छा बच्चा बनूंगा," पीटर के भतीजे ने उससे पार्सल लेते हुए कहा, और वे सौहार्दपूर्ण ढंग से एक साथ आगे बढ़े जब तक कि पीटर लॉज में उनसे दोबारा नहीं मिल गया।
"उस लड़के को धिक्कार है," विम्सी ने कहा, जब उसने सेंट-जॉर्ज को कार स्टार्ट करने के लिए आगे भेज दिया था।
"ओह, पीटर, हर छोटी बात को लेकर इतना परेशान मत हो। इससे क्या फर्क पड़ता है? वह तो बस तुम्हें चिढ़ाना चाहता था।"
"यह अफसोस की बात है कि वह इसे करने का कोई और तरीका नहीं ढूंढ सकता। मैं तुम्हारे गले में बंधी एक चक्की के पत्थर की तरह प्रतीत होती हूं, और जितनी जल्दी मैं यहां से निकल जाऊं उतना ही अच्छा है।"
“अरे, भगवान के लिए!” हैरियट ने चिढ़कर कहा। “अगर तुम इस बारे में इतनी उदास रहने वाली हो, तो बेहतर होगा कि तुम यहाँ से चली जाओ। मैंने तुम्हें पहले भी कहा है।”
अपने बड़ों को सुस्त देखकर लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने तुरही पर प्रसन्नतापूर्वक "ही-टिडिलीही-टी, पोम, पोम" बजाया।
“धिक्कार है!” पीटर बोला। वह झट से गेट और रास्ते की ओर मुड़ा, अपने भतीजे को गुस्से से ड्राइविंग सीट से बाहर धकेल दिया, डेमलर का दरवाजा जोर से बंद किया और गर्जना करते हुए सड़क पर निकल पड़ा। हैरियट को अचानक बहुत गुस्सा आ गया और वह वापस लौट गई, इस घटना का पूरा आनंद लेने के लिए दृढ़ संकल्पित थी; इस प्रयास में उसे बहुत मदद मिली जब उसे पता चला कि लॉजिया पर हुई उस छोटी सी घटना ने सीनियर कॉमन रूम में काफी हलचल मचा दी थी, और हॉल के बाद मिस एलिसन से यह भी पता चला कि मिस हिलयार्ड ने जब इसके बारे में सुना था, तो उन्होंने कुछ बहुत ही अप्रिय टिप्पणियां की थीं, जिनके बारे में मिस वेन को जानना ही चाहिए था।

हाय भगवान्! हैरियट अपने कमरे में अकेली बैठी सोच रही थी, मैंने ऐसा क्या किया है जो हज़ारों लोगों से ज़्यादा है, सिवाय इसके कि मेरी बदकिस्मती है कि मुझ पर जान का मुकदमा चलाया जाए और इस पूरे घिनौने मामले को सबके सामने घसीटा जाए?... कोई भी सोचेगा कि मुझे काफ़ी सज़ा मिल चुकी है... लेकिन कोई इसे एक पल के लिए भी नहीं भूल सकता... मैं इसे नहीं भूल सकती... पीटर इसे नहीं भूल सकता... अगर पीटर बेवकूफ़ न होता तो वह इसे छोड़ देता... उसे ज़रूर समझ आ रहा होगा कि यह सब कितना निराशाजनक है... क्या उसे लगता है कि मुझे उसे दूसरों की तकलीफ़ों में तड़पते देखना अच्छा लगता है?... क्या उसे सच में लगता है कि मैं उससे सिर्फ़ उसे तकलीफ़ों में तड़पते देखने के लिए शादी कर सकती हूँ?... क्या उसे नहीं दिख रहा कि मेरे लिए बस एक ही रास्ता है कि मैं इन सब से दूर रहूँ?... मुझे किस बात ने उकसाया कि मैं उसे ऑक्सफ़ोर्ड ले आई?... हाँ—और मैंने सोचा था कि ऑक्सफ़ोर्ड में रिटायर होना कितना अच्छा होगा... मिस हिलयार्ड द्वारा मेरे बारे में "अप्रिय टिप्पणियाँ" सुनना, जो मेरे हिसाब से आधी पागल है... किसी न किसी का तो दिमाग़ खराब है ही... ऐसा लगता है। अगर कोई प्यार, शादी और बाकी सारी उलझनों से दूर रहे तो उसका क्या होगा... खैर, अगर पीटर को लगता है कि मैं उसके नाम की सुरक्षा स्वीकार कर लूंगी और उसकी आभारी रहूंगी, तो वह सरासर गलतफहमी में है... उसके लिए यह एक अच्छा, लेकिन दुखद मामला होगा... उसके लिए भी यह एक अच्छा, लेकिन दुखद मामला होगा, अगर वह सच में मुझे चाहता है—अगर वह चाहता है—और उसे वह नहीं मिल सकता जो वह चाहता है क्योंकि मेरी बदकिस्मती से मुझ पर उस हत्या का मुकदमा चल रहा है जो मैंने नहीं की... ऐसा लगता है कि उसे हर हाल में नरक ही मिलना था... खैर, उसे नरक मिलने दो, यह उसकी जिम्मेदारी है... यह दुख की बात है कि उसने मुझे फांसी से बचा लिया—शायद अब तक वह सोच रहा होगा कि काश उसने मुझे अकेला छोड़ दिया होता... मुझे लगता है कि कोई भी सभ्य और आभारी व्यक्ति उसे वह दे देगा जो वह चाहता है... लेकिन उसे दुखी करना कोई कृतज्ञता नहीं होगी... हम दोनों को ही बहुत दुखी होना चाहिए, क्योंकि हम दोनों में से कोई भी कभी नहीं भूल सकता... मैं उस दिन नदी पर लगभग भूल ही गई थी... और मेरे पास था आज दोपहर मैं यह बात भूल गई थी, लेकिन सबसे पहले उसे ही याद आई... धिक्कार है उस ढीठ छोटे शैतान पर! युवा लोग अधेड़ लोगों के प्रति कितने क्रूर हो सकते हैं! मैं खुद भी कोई बहुत दयालु नहीं थी... और मुझे पता था कि मैं क्या कर रही थी... अच्छा हुआ पीटर चला गया... लेकिन काश वह न जाता और मुझे इस भयानक जगह पर न छोड़ता

जहाँ लोग पागल हो जाते हैं और भयानक चिट्ठियाँ लिखते हैं... "जब मैं उससे दूर होती हूँ तो मैं तब तक मरी हुई होती हूँ जब तक मैं उसके साथ न हो जाऊँ।"... नहीं, ऐसा सोचना ठीक नहीं है... मैं फिर कभी इस तरह की चीज़ों में नहीं पड़ूँगी... मैं इससे दूर रहूँगी... मैं यहीं रहूँगी... जहाँ लोग पागल हो जाते हैं... हे भगवान, मैंने ऐसा क्या किया है कि मैं अपने और दूसरों के लिए इतनी तकलीफ का कारण बन गई हूँ? हज़ारों महिलाओं से ज़्यादा कुछ नहीं...

पिंजरे में बंद गिलहरी की तरह गोल-गोल घूमती रही, आखिरकार हैरियट को खुद से दृढ़ता से कहना पड़ा: ये ठीक नहीं है, वरना मैं पागल हो जाऊंगी। मुझे अपना ध्यान काम पर ही रखना चाहिए। पीटर यॉर्क क्यों गया है? मिस डी वाइन? अगर मैंने अपना आपा न खोया होता तो मुझे पता चल जाता, झगड़ने में समय बर्बाद करने की बजाय। मुझे आश्चर्य है कि क्या उसने फाइल पर कोई नोट्स बनाए हैं।

उसने कागज़ और धागे में लिपटी और विम्सी के प्रतीक चिन्ह से सील की हुई कागज़ की किताब उठाई। "जैसा मेरा मन करता है"—पीटर की सनक ने उसे कई बार मुसीबत में डाल दिया था। उसने अधीरता से सील तोड़ी; लेकिन नतीजा निराशाजनक था। उसने कुछ भी नहीं लिखा था—शायद उसने जो चाहा था, लिख लिया था। उसने पन्ने पलटे, कुछ हल निकालने की कोशिश की, लेकिन इतनी थकी हुई थी कि ठीक से सोच नहीं पा रही थी। और फिर—हाँ; उसकी लिखावट थी, बिल्कुल, लेकिन दस्तावेज़ के पन्ने पर नहीं। यह अधूरा सॉनेट था—और कितनी बेवकूफी वाली बात है, आधे-अधूरे सॉनेट को अपने जासूसी काम के साथ मिला देना ताकि दूसरे लोग देख सकें! एक स्कूली बच्ची की हरकत, किसी को भी शर्मिंदा करने के लिए काफी। खासकर इसलिए क्योंकि, सॉनेट के बारे में उसे जो याद था, उसके भाव उसकी मौजूदा स्थिति के लिए बिल्कुल अनुपयुक्त हो गए थे।

लेकिन यह यहीं था: और इस अंतराल में इसने एक छह पंक्तियों का गीत रच दिया था और थोड़ा असंतुलित सा खड़ा था, ऊपर उसका अपना फैला हुआ हाथ और नीचे पीटर की देखने में साफ-सुथरी लिखावट, एक छोटे तकुए पर रखे एक बड़े लट्टू की तरह।

यहाँ घर पर, अब और तूफ़ानों से विचलित नहीं, मेहनत से हाथ समेटे बैठे हैं, पंख समेटे; यहाँ घनी सुगंध में गुलाब की पत्तियाँ लिपटी हुई हैं, यहाँ सूर्य खड़ा है और न पूरब न पश्चिम, यहाँ कोई ज्वार नहीं चलता; हम आ गए हैं, अंतिम और सर्वश्रेष्ठ,

चक्करदार वृत्तों में घूमते हुए विशाल क्षेत्र से उस शांत केंद्र तक जहाँ घूमती दुनिया; अपनी धुरी पर सोती है, विश्राम के हृदय तक।
हे प्रेम, अपने कोड़े बरसाओ, ताकि हम सीधे खड़े होकर, खतरनाक मोड़ पर स्थिर होकर, किसी ढीले बिस्तर पर न सो सकें, जैसे संगीत के जीवंत मूल में तनाव सोता है; क्योंकि यदि तू प्रहार करने से बच जाए, तो हम लड़खड़ाते हुए झुकेंगे, और चुपचाप गिरकर मर जाएंगे, और इस प्रकार मरकर, अपनी मीठी नींद फिर कभी नहीं सो पाएंगे।
यह हासिल करने के बाद, कवि का चेहरा उतर गया प्रतीत हुआ; क्योंकि उसने यह टिप्पणी जोड़ दी:
“यह तो बहुत ही अहंकारपूर्ण और दार्शनिक निष्कर्ष है!”
तो, आखिरकार उसे वो मोड़ मिल ही गया जिसकी वो षष्ठम के लिए व्यर्थ ही तलाश कर रही थी! उसका सुंदर, विशाल, शांत, मधुर स्वर अचानक एक लट्टू की तरह हो गया, मानो मजबूरी में सो रहा हो। (और, धिक्कार है उसे! उसकी हिम्मत कैसे हुई उसके शब्द "नींद" को उठाकर चार पंक्तियों में चार बार इस्तेमाल करने की, और हर बार अलग स्वर में, मानो उच्चारण में बदलाव करना बच्चों का खेल हो? और आखिरी आधी पंक्ति को उन भारी, मदहोश कर देने वाले, सुस्त एकअक्षरों से खींचकर अर्थ का खंडन करने की कोशिश की, मानो अपने ही विरोधाभास को नकार रहे हों? यह दुनिया के महान षष्ठमों में से एक तो नहीं था, लेकिन उसके अपने सप्तम से कहीं बेहतर था: जो कि बहुत ही शर्मनाक था।)
लेकिन अगर उसे पीटर के बारे में अपने सवालों का जवाब चाहिए था, तो वह बिल्कुल स्पष्ट और भयावह रूप से सामने था। वह न तो भूलना चाहता था, न चुप रहना चाहता था, न ही किसी बात से बख्शा जाना चाहता था, और न ही स्थिर रहना चाहता था। वह बस किसी तरह की केंद्रीय स्थिरता चाहता था, और जाहिर तौर पर वह हर उस चीज को स्वीकार करने के लिए तैयार था जो उसे उस नाजुक संतुलन को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती रहे। और बेशक, अगर वह सचमुच ऐसा महसूस करता था, तो उसकी हर कही और की गई बात, जहाँ तक उसका सवाल था, पूरी तरह से सुसंगत थी। "मेरा काम तो बस विरोधी शक्तियों का संतुलन है।"... "अगर इससे एक अच्छी किताब बन जाए तो क्या फर्क पड़ता है, चाहे कितनी भी तकलीफ क्यों न हो?"... "गलतियाँ करने का क्या फायदा अगर आप उनसे कुछ सीखते नहीं?"... "यहूदा जैसा महसूस करना काम का हिस्सा है।"... "एक सिद्धांत सबसे पहले किसी को मारता

है।"... अगर यही उसका रवैया था, तो उसे नरम लहजे में यह कहना कि वह पैर पर लात पड़ने के डर से पीछे हट जाए, सरासर हास्यास्पद था।
उसने किनारे खड़े रहने की कोशिश की थी। “मैं बीस साल से खुद से भाग रहा हूँ, और इससे कोई फायदा नहीं होता।” उसे अब विश्वास नहीं था कि इथियोपियाई अपनी त्वचा को गैंडे की खाल में बदल सकता है। यहाँ तक कि लगभग पाँच वर्षों में, जब से हैरियट उसे जानती थी, उसने उसे धीरे-धीरे अपने सुरक्षात्मक आवरणों को उतारते हुए देखा था, जब तक कि अंत में नग्न सत्य के अलावा कुछ भी नहीं बचा था।
तो यही वह कारण था जिसके लिए वह उसे चाहता था। किसी अज्ञात कारण से, जो शायद उसे और उसे भी स्पष्ट नहीं था, उसमें उसे अपने बचाव से बाहर निकालने की शक्ति थी। संभवतः, उसे परिस्थितियों के जाल में फंसा देखकर, वह जानबूझकर उसकी सहायता के लिए आगे बढ़ा था। या शायद उसके संघर्ष को देखकर उसे आगाह हो गया था कि अगर वह अपने ही बनाए जाल में फंसा रहा तो उसका क्या अंजाम हो सकता है।
फिर भी, इन सब बातों के बावजूद, वह उसे मन की सीमाओं में वापस लौटने देने के लिए तैयार प्रतीत होता था, बशर्ते—हाँ, आखिरकार वह अपने रुख पर कायम रहा—वह अपने काम के माध्यम से बचने का अपना रास्ता खुद बना ले। वास्तव में, वह उसे अपने और विल्फ्रेड के बीच चुनाव करने का विकल्प दे रहा था। वह यह मानता था कि उसके पास एक ऐसा रास्ता था जो उसके पास नहीं था।
और शायद इसीलिए वह इस नाटक में अपनी भूमिका को लेकर इतना संवेदनशील था। उसकी अपनी ज़रूरतें (जैसा कि वह समझता था) उसके और उसके जायज़ बचाव के रास्ते में आ रही थीं। ये ज़रूरतें उसे ऐसी मुश्किलों में फंसा रही थीं जिनमें वह उसका साथ नहीं दे सकता था, क्योंकि उसने लगातार उसे उन मुश्किलों में शामिल होने का अधिकार देने से इनकार कर दिया था। उसमें अपने भतीजे की तरह सब कुछ लेने और पाने की तत्परता नहीं थी। हेरियट (जिसका मतलब विस्काउंट से था) ने सोचा, "लापरवाह, स्वार्थी छोटा जानवर! क्या वह अपने चाचा को अकेला नहीं छोड़ सकता?"
...वैसे, यह बिल्कुल संभव था कि पीटर अपने भतीजे से स्पष्ट रूप से, सरलता से और मानवीय रूप से ईर्ष्या करता था - निश्चित रूप से, हैरियट के साथ उसके संबंधों से नहीं (जो घृणित और हास्यास्पद होता), बल्कि उस लापरवाह युवा अहंकार से जिसने उन संबंधों को संभव बनाया था।

और आखिरकार, पीटर सही ही था। लॉर्ड सेंट-जॉर्ज की धृष्टता का कारण बताना मुश्किल था, क्योंकि ऐसा करने से लोग यह मान सकते थे कि उसके पीटर से अच्छे संबंध थे, जिससे इस तरह की बातें समझ में आ जातीं। इससे निश्चित रूप से एक अजीब स्थिति पैदा हो गई थी। यह कहना आसान था, "हाँ, मैं उसे थोड़ा-बहुत जानती थी और जब वह एक मोटर दुर्घटना के बाद बीमार पड़ा था, तब मैं उससे मिलने गई थी।" मिस हिलयार्ड को इस बात से कोई खास आपत्ति नहीं थी कि उनकी संदिग्ध प्रतिष्ठा वाले व्यक्ति के साथ हर तरह की मनमानी की जा सकती है। लेकिन उन्हें पीटर के बारे में निकाले जा सकने वाले निष्कर्ष की चिंता थी। पाँच साल की धैर्यपूर्ण दोस्ती के बाद, अपने भतीजे को सार्वजनिक रूप से मौज-मस्ती करते हुए देखने का अधिकार मिलना, उसे मूर्ख साबित करने जैसा था। लेकिन इसके अलावा कुछ और सच नहीं हो सकता था। उसने ही उसे ठीक उसी मूर्खतापूर्ण स्थिति में डाल दिया था, और उसने स्वीकार किया कि यह कोई अच्छा व्यवहार नहीं था।

वह अपने बारे में सोचने से ज़्यादा किसी और के बारे में सोचते हुए सो गई। इससे यह साबित होता है कि मामूली कविता के भी व्यावहारिक उपयोग हो सकते हैं।

अगली रात एक अजीब और भयावह घटना घटी।

हैरियट अपनी सोमरविले स्थित सहेली के साथ भोजन करने और मध्य-विक्टोरियन काल के एक प्रतिष्ठित लेखक से मिलने के लिए पहले से तय समय पर गई थी, जिनसे उसे ले फानू के बारे में कुछ उपयोगी जानकारी मिलने की उम्मीद थी। वह सहेली के कमरे में बैठी थी, जहाँ लगभग आधा दर्जन लोग उस प्रतिष्ठित लेखक का सम्मान करने के लिए एकत्रित थे, तभी टेलीफोन की घंटी बजी।

“ओह, मिस वेन,” उनकी मेज़बान ने कहा। “श्रेव्सबरी से किसी को आपकी ज़रूरत है।”

हैरियट ने विशिष्ट अतिथि से माफी मांगते हुए बाहर उस छोटी सी लॉबी में चली गई जहाँ टेलीफोन रखा था। उसे एक ऐसी आवाज सुनाई दी जिसे वह ठीक से पहचान नहीं पाई, "हैलो!"

"क्या वह मिस वेन हैं?"

“जी हां—कौन बोल रहा है?”

“यह श्रूस्बरी कॉलेज है। कृपया जल्दी से इधर आइए। यहाँ फिर से कोई गड़बड़ी हुई है।”

हे भगवान! क्या हुआ? कृपया बताएं कि कौन बोल रहा है?

मैं वार्डन की ओर से बोल रहा हूँ। क्या आप कृपया—?”
"क्या ये मिस पार्सन्स हैं?"
"नहीं, महोदया। यह डॉ. बेरिंग की नौकरानी हैं।"
लेकिन हुआ क्या है?
“मुझे नहीं पता, महोदया। वार्डन ने कहा था कि मैं आपको तुरंत आने के लिए कहूँ।”
“बहुत अच्छा। मैं लगभग दस या पंद्रह मिनट में वहाँ पहुँच जाऊँगा। मेरे पास कार नहीं है। मैं लगभग ग्यारह बजे तक वहाँ पहुँच जाऊँगा।”
“बहुत बढ़िया, महोदया। धन्यवाद।”
संपर्क टूट गया। हैरियट ने जल्दी से अपनी दोस्त से संपर्क किया, बताया कि उसे अचानक कहीं जाना पड़ा है, अलविदा कहा और जल्दी से बाहर निकल गई।
वह गार्डन क्वाड पार कर चुकी थी और ओल्ड हॉल और मैटलैंड बिल्डिंग्स के बीच से गुजर ही रही थी कि अचानक उसे एक अजीब सी बात याद आ गई। उसे याद आया कि पीटर ने एक दिन उससे क्या कहा था:
थ्रिलर फिल्मों की नायिकाओं को जो कुछ भी मिलता है, वे उसकी हकदार होती हैं। जब कोई रहस्यमयी आवाज उन्हें फोन करती है और कहती है कि यह स्कॉटलैंड यार्ड है, तो वे कभी भी वापस फोन करके कॉल की पुष्टि करने के बारे में नहीं सोचतीं। इसीलिए अपहरण की घटनाएं इतनी आम हैं।
उसे पता था कि सोमरविले में सार्वजनिक कॉल बॉक्स कहाँ है; संभवतः वह वहाँ से कॉल कर सकती थी। वह अंदर गई; कोशिश की; पता चला कि कॉल एक्सचेंज से कनेक्ट हो रही है; उसने श्रूस्बरी का नंबर डायल किया, और कॉल लगने पर वार्डन के आवास से कनेक्ट करने का अनुरोध किया।
एक आवाज़ ने उसे जवाब दिया; यह उस व्यक्ति की आवाज़ नहीं थी जिसने उसे पहले फोन किया था। "क्या यह डॉ. बेरिंग की नौकरानी है?"
जी महोदया। कृपया बताएं कि कौन बोल रहा है?
(“मैडम”—दूसरी आवाज़ ने “मिस” कहा था। हैरियट को अब समझ आ गया था कि उसे उस कॉल से थोड़ी बेचैनी क्यों हुई थी। उसे अवचेतन रूप से याद था कि वार्डन की नौकरानी “मैडम” कहती थी।)
“मैं मिस हैरियट वेन बोल रही हूँ, सोमरविले से। क्या अभी आपने ही मुझे फोन किया था?”
नहीं, महोदया।

“किसी ने मुझे फोन किया, वार्डन की तरफ से बोल रहा था। क्या वह कुक था या घर में कोई और?”
"मुझे नहीं लगता कि यहां से किसी ने फोन किया है, महोदया।"
(कुछ गलती हो गई। शायद वार्डन ने कॉलेज में कहीं से संदेश भेजा था और उसने बोलने वाले को गलत समझा या बोलने वाले ने उसे गलत समझा।)
"क्या मैं वार्डन से बात कर सकता हूँ?"
“मैडम, वार्डन कॉलेज में नहीं हैं। वह मिस मार्टिन के साथ थिएटर गई हैं। मुझे उम्मीद है कि वे किसी भी पल वापस आ जाएँगी।”
“ओह, धन्यवाद। कोई बात नहीं। शायद कोई गलती हो गई होगी। क्या आप कृपया मुझे वापस लॉज में पहुँचा देंगे?”
जब उसने पैजेट की आवाज दोबारा सुनी तो उसने मिस एडवर्ड्स के बारे में पूछा, और जब संपर्क स्थापित हो रहा था, तो उसने तेजी से सोचा।
यह फर्जी कॉल जैसा लगने लगा था। लेकिन आखिर क्यों? अगर वह सीधे श्रूस्बरी वापस चली जाती तो क्या होता? चूंकि उसके पास कार नहीं थी, इसलिए वह निजी गेट से, फेलो गार्डन के पास घनी झाड़ियों से होकर जाती—वही फेलो गार्डन, जहां लोग रात में टहलते थे—
"मिस एडवर्ड्स अपने कमरे में नहीं हैं, मिस वेन।"
"ओह! मुझे लगता है कि सभी स्काउट सो रहे हैं।"
जी हाँ, महोदया। क्या मैं श्रीमती पैजेट से पूछूँ कि क्या वह उसे ढूंढ सकती हैं?
"नहीं—देखो, क्या तुम मिस लिडगेट को ला सकते हो।"
एक और ठहराव। क्या मिस लिडगेट भी अपने कमरे से बाहर थीं? क्या कॉलेज के सभी विश्वसनीय प्रोफेसर बाहर थे, या अपने कमरे से बाहर थे? हाँ—मिस लिडगेट भी बाहर थीं; और फिर हैरियट को याद आया कि, बेशक, वे सोने से पहले कॉलेज का नियमित निरीक्षण कर रही थीं। हालाँकि, पैजेट भी वहाँ था। उसने उसे यथासंभव समझाने की कोशिश की।
“बहुत अच्छा, मिस,” पैजेट ने दिलासा देते हुए कहा। “जी मिस—मैं श्रीमती पैजेट को लॉज में छोड़ सकता हूँ। मैं नीचे निजी गेट पर जाकर एक नज़र डाल लेता हूँ। आप चिंता न करें, मिस। अगर कोई आपका इंतज़ार कर रहा है, मिस, तो मुझे उनके लिए खेद है, बस इतना ही। नहीं, मिस, जहाँ तक मुझे पता है, आज रात कोई गड़बड़ी नहीं

हुई है; लेकिन अगर मुझे कोई घात लगाए हुए मिला, मिस, तो गड़बड़ी तय समय पर होगी, मिस, मुझ पर भरोसा रखें।"
"जी पैजेट; लेकिन इस पर हंगामा मत करना। चुपचाप नीचे जाओ और देखो कि कोई आसपास तो नहीं है—पर ध्यान रखना कि कोई तुम्हें देख न ले। अगर अंदर आते ही कोई मुझ पर हमला करे, तो तुम मेरी मदद के लिए आ सकते हो; लेकिन अगर नहीं, तो नज़रों से दूर रहना।"
"बहुत बढ़िया, महोदया।"
हैरियट ने फिर से फोन रखा और कॉल बॉक्स से बाहर निकली। प्रवेश कक्ष में बीच की बत्ती मंद जल रही थी। उसने घड़ी देखी। ग्यारह बजने में सात मिनट बाकी थे। उसे देर हो जाएगी। हालांकि, अगर कोई हमलावर था, तो वह उसका इंतज़ार कर रहा होगा। वह जानती थी कि जाल कहाँ बिछा होगा—ज़रूर बिछा होगा। कोई भी infirmary या वार्डन के आवास के ठीक बाहर दंगा नहीं करेगा, जहाँ लोग सुन सकते हैं और बाहर आ सकते हैं। न ही कोई रास्ते के उस तरफ की दीवारों के नीचे या पीछे छिपेगा। छिपने की एकमात्र उचित जगह फेलो गार्डन में झाड़ियाँ थीं, गेट के पास, ऊपर जाते समय रास्ते के दाहिनी ओर।
तैयारी तो रहती, और यही फायदा था; पैजेट भी कहीं आस-पास ही होता; लेकिन एक ऐसा अप्रिय क्षण भी आता जब पीठ फेरकर अंदर से निजी द्वार बंद करना पड़ता। हैरियट को पुतले में रखे ब्रेड-चाकू का ख्याल आया और वह कांप उठी।
अगर उससे कोई गलती हो जाती और उसकी जान चली जाती—हालाँकि यह थोड़ा नाटकीय है, पर मुमकिन है, क्योंकि लोग मानसिक रूप से ठीक नहीं होते—तो पीटर को इस बारे में कुछ कहना ही पड़ता। शायद पहले से ही माफ़ी मांग लेना ही बेहतर होता। उसे खिड़की के पास किसी की नोटबुक पड़ी मिली, उसने उसमें से एक पन्ना लिया, अपने बैग की पेंसिल से आधा दर्जन शब्द लिखे, नोट को मोड़कर उस पर पता लिखा और पेंसिल के साथ रख दिया। अगर कुछ हुआ भी तो वह मिल जाएगी।
सोमरविले के कुली ने उसे वुडस्टॉक रोड पर उतार दिया। उसने सबसे तेज़ रास्ता चुना: सेंट जाइल्स चर्च, ब्लैकबॉल रोड, म्यूज़ियम रोड, साउथ पार्क्स रोड, मैन्सफील्ड रोड से होते हुए, तेज़ी से, लगभग दौड़ते हुए। जब वह जोवेट वॉक पर मुड़ी, तो उसने अपनी गति धीमी कर दी। उसे सांस लेने और होश में आने के लिए समय चाहिए था।
वह सेंट क्रॉस रोड पर मुड़ी, गेट तक पहुंची और अपनी चाबी निकाली। उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था।

और फिर, सारा नाटकीय घटनाक्रम एक शालीन हास्य में तब्दील हो गया। उसके पीछे एक कार आकर रुकी; डीन ने वार्डन को उतारा और अपनी ऑस्टिन कार को गैरेज में पार्क करने के लिए व्यापारियों के प्रवेश द्वार की ओर चली गईं, और डॉ. बेरिंग ने प्रसन्नतापूर्वक कहा:
“अरे! आप हैं, मिस वेन? अब मुझे अपनी चाबी नहीं ढूंढनी पड़ेगी। क्या आपकी शाम दिलचस्प रही? डीन और मैं थोड़ी मौज-मस्ती कर रहे थे। हमने रात के खाने के बाद अचानक फैसला कर लिया...”
वह हैरियट के साथ रास्ते पर आगे बढ़ती गई और बड़ी ही दोस्ताना अंदाज़ में उस नाटक के बारे में बातें करने लगी जो उसने देखा था। हैरियट ने उसे अपने गेट पर ही छोड़ दिया और अंदर आकर कॉफ़ी और सैंडविच खाने का न्योता ठुकरा दिया। क्या उसने झाड़ियों के पीछे कुछ हलचल सुनी थी या नहीं? खैर, अब मौका हाथ से निकल चुका था। उसने खुद को पनीर की तरह पेश किया था, लेकिन जाल बिछाने में थोड़ी सी देरी के कारण वार्डन ने अनजाने में उसे पकड़ लिया था।
हैरियट फेलो गार्डन में दाखिल हुई, टॉर्च जलाई और चारों ओर देखा। बगीचा खाली था। उसे अचानक अपनी मूर्खता का एहसास हुआ। फिर भी, अंततः उस टेलीफोन कॉल के पीछे कोई न कोई कारण तो रहा ही होगा।
वह सेंट क्रॉस लॉज की ओर चल पड़ी। न्यू क्वाड में उसकी मुलाकात पैजेट से हुई।
“आह!” पैजेट ने सावधानी से कहा। “वह वहीं थी, महोदया।” उसका दाहिना हाथ बगल में हिला, और हैरियट को लगा कि उसमें कुछ डंडे जैसा कुछ है। “द्वार के पास उन लॉरेल के पेड़ों के पीछे बेंच पर बैठी थी। मैं रात में जासूसी करते हुए धीरे-धीरे रेंगता हुआ गया, महोदया, और बीच की झाड़ियों के पीछे छिप गया। वह मेरे पास नहीं गिरी, महोदया। लेकिन जब आप और डॉ. बेरिंग बात करते हुए द्वार से अंदर आए, तो वह गोली की तरह उठकर भाग गई।”
“वह कौन था, पैजेट?”
"जी महोदया, सीधे शब्दों में कहें तो, वह मिस हिलयार्ड थीं। वह बगीचे के ऊपरी छोर से निकलीं और अपने कमरों की ओर चली गईं। मैंने उनका पीछा किया और उन्हें ऊपर जाते देखा। वह बहुत तेज़ी से जा रही थीं। मैं फाटक से बाहर निकला और मैंने उनकी खिड़की में रोशनी जलती देखी।"
“ओह!” हैरियट ने कहा। “देखो, पैजेट। मैं नहीं चाहती कि इस बारे में कुछ भी कहा जाए। मुझे पता है कि मिस हिलयार्ड कभी-कभी रात में फेलो गार्डन में टहलने जाती

हैं। शायद जिसने फोन किया था उसने उन्हें वहाँ देखा होगा और फिर चला गया होगा।"
जी हां, महोदया। उस टेलीफोन कॉल के बारे में एक अजीब बात है। वह कॉल लॉज के माध्यम से नहीं आई थी, महोदया।
"शायद अन्य साधनों में से एक एक्सचेंज के माध्यम से था।"
“नहीं, ऐसा नहीं था, महोदया। मैंने जाँच की थी। रात 11 बजे सोने से पहले, मैं वार्डन, डीन, infirmary और पब्लिक बॉक्स को रात के लिए चेक कर देता हूँ, महोदया। लेकिन 10:40 बजे तक उनका काम खत्म नहीं हुआ था, महोदया, मैं कसम खाकर कहता हूँ।"
"तो फिर कॉल बाहर से ही आई होगी।"
"जी हां, महोदया। सुश्री इलयार्ड 10:50 बजे आ जाइए, महोदया, आपने फोन करने से ठीक पहले ही बता दिया था।"
“क्या उसने ऐसा किया? क्या आपको यकीन है?"
“मुझे अच्छी तरह याद है, महोदया, क्योंकि ऐनी ने उसके बारे में एक टिप्पणी की थी। उसके और ऐनी के बीच कोई मेल-मिलाप नहीं है," पैजेट ने हंसते हुए कहा। “दोनों तरफ से गलतियां हैं, मैं यही कहता हूं, महोदया, और एक गुस्सैल स्वभाव भी—"
"उस समय एनी लॉज में क्या कर रही थी?"
“बस अपनी आधे दिन की छुट्टी से वापस आ गई हैं, मिस। वह मिसेज पैजेट के साथ लॉज में थोड़ी देर बैठी थीं।"
“क्या उसने ऐसा किया? तुमने इस बारे में उससे कुछ नहीं कहा, है ना, पैजेट? उसे मिस हिलयार्ड पसंद नहीं है, और अगर मुझसे पूछो तो मुझे लगता है कि वह एक शरारती है।"
“मैंने एक शब्द भी नहीं कहा, महोदया, श्रीमती पैजेट से भी नहीं, और फोन पर मेरी बात कोई सुन भी नहीं सकता था, क्योंकि जब मुझे मिस लिडगेट और मिस एडवर्ड्स नहीं मिलीं और आप मुझे बताने लगीं, तो मैंने बैठक कक्ष से अपना दरवाजा बंद कर लिया। फिर मैंने बस अपना सिर अंदर डाला और श्रीमती पैजेट से कहा, ‘कृपया गेट का ध्यान रखें?’ मैंने कहा, ‘मुझे बस थोड़ा सा आगे जाकर मुलिन्स को एक संदेश देना है।’ तो यह बात आप और मेरे बीच ही गोपनीय रहेगी, महोदया।"
“ठीक है, पैजेट, ध्यान रखना कि यह बात गुप्त रहे। हो सकता है मैं कुछ बेतुकी बात सोच रहा था। फ़ोन कॉल तो निश्चित रूप से एक धोखा था, लेकिन इस बात का कोई

सबूत नहीं है कि किसी ने शरारत करने की कोशिश की थी। क्या 10:40 और 11 बजे के बीच कोई और आया था?"
"श्रीमती पैजेट को पता होगा, मिस। मैं आपको नामों की सूची भेज दूंगी। या अगर आप चाहें तो अभी लॉज में आ सकती हैं—"
"ऐसा न करना ही बेहतर है। नहीं—मुझे सूची सुबह दे देना।"
हैरियट चली गई और मिस एडवर्ड्स को ढूंढ निकाला, जिनकी समझदारी और सामान्य ज्ञान के बारे में उसकी बहुत अच्छी राय थी, और उन्हें उस फोन कॉल की पूरी कहानी सुनाई।
"देखो," हैरियट ने कहा, "अगर कोई गड़बड़ी हुई होती, तो शायद फोन करके अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश की गई होती, हालांकि मुझे समझ नहीं आ रहा कि कैसे। वरना मुझे ग्यारह बजे वापस बुलाने की क्या ज़रूरत थी? मतलब, अगर गड़बड़ी उसी समय शुरू होने वाली थी और मुझे गवाह के तौर पर वहाँ लाया गया था, तो वह व्यक्ति कुछ बहाना बनाकर यह जता सकता था कि वह उस समय कहीं और था। लेकिन मुझे गवाह के तौर पर बुलाना ज़रूरी क्यों था?"
"हाँ—और जब गड़बड़ी हुई ही नहीं थी, तो ऐसा क्यों कहा गया कि गड़बड़ी हो चुकी थी? और जब वार्डन आपके साथ था, तो आपने गवाह के तौर पर काम क्यों नहीं किया?"
"बिल्कुल," हैरियट ने कहा, "उनका इरादा गड़बड़ी पैदा करना और मुझे घटनास्थल पर इस तरह लाना हो सकता था कि मुझ पर खुद यह काम करने का संदेह पैदा हो जाए।"
"यह तो बेवकूफी होगी; सबको पता है कि आप पोल्टरजिस्ट नहीं हो सकते।"
अच्छा, तो फिर हम मेरे पहले विचार पर वापस आते हैं। मुझ पर हमला होना था। लेकिन आधी रात को या किसी और समय मुझ पर हमला क्यों नहीं हो सकता था? मुझे ग्यारह बजे वापस क्यों लाया गया?
"क्या ऐसा नहीं हो सकता था कि यह घटना ठीक ग्यारह बजे घटित होने के लिए निर्धारित की गई हो, जबकि उस समय निर्दोष होने का प्रमाण प्रस्तुत किया जा रहा था?"
"सोमरविले से श्रूस्बरी आने में मुझे कितना समय लगेगा, यह कोई भी एक पल के लिए भी नहीं बता सकता। हां, अगर आप किसी बम या ऐसी ही किसी चीज़ के बारे में सोच

रहे हैं जो गेट खुलने पर फट जाए, तो बात अलग है। लेकिन वह स्थिति किसी भी समय उतनी ही सटीक हो सकती है।"
लेकिन अगर ग्यारह बजे के लिए अलीबी तय की गई थी—"
"तो फिर बम क्यों नहीं फटा? सच तो यह है कि मैं बम जैसी किसी चीज पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं कर सकता।"
"मैं भी नहीं बता सकती—सच में नहीं," मिस एडवर्ड्स ने कहा। "हम तो बस सैद्धांतिक बातें कर रहे हैं। मुझे लगता है पैजेट को कुछ भी संदिग्ध नहीं दिखा होगा?"
"केवल मिस हिलयार्ड," हैरियट ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, "जो फेलो गार्डन में बैठी हैं।"
"ओह!"
"वह कभी-कभी रात में वहाँ जाती है; मैंने उसे देखा है। शायद उसने किसी चीज़ को डराकर भगा दिया हो।"
"शायद," मिस एडवर्ड्स ने कहा। "वैसे, आपकी सम्मानित मित्र ने अपने पूर्वाग्रहों पर उल्लेखनीय ढंग से काबू पा लिया है। मेरा मतलब उस मित्र से नहीं है जिसने चौक में आपको सलाम किया था, बल्कि उस मित्र से है जो रात के खाने पर आई थी।"
"क्या तुम कल दोपहर की घटना को रहस्य बनाने की कोशिश कर रही हो?" हैरियट ने मुस्कुराते हुए पूछा। "मुझे लगता है कि यह इटली के एक पुस्तकालय के मालिक से परिचय का मामला मात्र था।"
"तो उन्होंने हमें बताया," मिस एडवर्ड्स ने कहा। हैरियट को एहसास हुआ कि जब उनकी पीठ मुड़ी हुई थी, तब इतिहास के ट्यूटर के कानों में खूब अफवाहें उड़ रही होंगी। "खैर," मिस एडवर्ड्स ने आगे कहा, "मैंने उनसे रक्त समूहों पर एक शोध पत्र लिखने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने अभी तक इसके लिए मुझे परेशान करना शुरू नहीं किया है। वह एक दिलचस्प आदमी हैं, है ना?"
"जीवविज्ञानी के लिए?"
मिस एडवर्ड्स हंस पड़ीं।
"हाँ, बिल्कुल—एक उत्कृष्ट नस्ल के जानवर के नमूने के रूप में। चौंकाने वाली हद तक अतिप्रजनन किया गया, लेकिन तीव्र बुद्धि से परिपूर्ण। लेकिन मेरा मतलब यह नहीं था।"
तो फिर महिला को?
मिस एडवर्ड्स ने हैरियट पर एक स्पष्ट दृष्टि डाली।

"मुझे लगता है कि कई महिलाओं के लिए ऐसा ही होगा।"
हैरियट ने सीधी निगाहों से उसकी आंखों में देखा।
मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।
“आह!” मिस एडवर्ड्स ने कहा। “आपके उपन्यासों में, आप मनोविज्ञान की तुलना में भौतिक तथ्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, है ना?”
हैरियट ने तुरंत स्वीकार कर लिया कि यह सच था।
“खैर, कोई बात नहीं,” मिस एडवर्ड्स ने कहा और कुछ रूखेपन से शुभ रात्रि कह दी।
हैरियट ने खुद से पूछा कि आखिर ये सब क्या है। अजीब बात ये थी कि उसे कभी ये ख्याल ही नहीं आया था कि दूसरी औरतें पीटर के बारे में क्या सोचती होंगी, या वो उनके बारे में क्या सोचता होगा। इससे या तो उसमें बहुत ज़्यादा आत्मविश्वास झलकता होगा या फिर उसकी ओर से बहुत ज़्यादा उदासीनता; क्योंकि, अगर गौर से देखा जाए तो, योग्यता तो उसकी पहचान ही थी।
अपने कमरे में पहुँचकर उसने अपने बैग से वह लिखा हुआ नोट निकाला और बिना दोबारा पढ़े ही उसे फाड़ दिया। इस बात का ख्याल आते ही उसे शर्म आ गई। नाकामयाब बहादुरी ही तो बरलेस्क का असली सार है।
गुरुवार का दिन मुख्य रूप से हॉल के बाद फेलो गार्डन में मिस हिलयार्ड और मिस चिलपरिक के बीच हुए हिंसक, लंबे और पूरी तरह से समझ से परे झगड़े के लिए उल्लेखनीय था। यह झगड़ा कैसे शुरू हुआ या किस बारे में था, बाद में किसी को याद नहीं रहा। किसी ने पुस्तकालय की एक मेज पर रखी किताबों और कागजों के ढेर को अस्त-व्यस्त कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप इतिहास स्कूल की एक छात्रा कोचिंग के लिए आई और उसने अपने कुछ नोट्स खो जाने या गुम हो जाने की कहानी सुनाई। मिस हिलयार्ड, जिनका स्वभाव दिन भर बेहद चिड़चिड़ा था, इस मामले को व्यक्तिगत रूप से लेने पर उतारू हो गईं और रात के खाने के दौरान लगातार घूरने के बाद, वार्डन के जाते ही, दुनिया के प्रति आक्रोश के तूफान में फूट पड़ीं।
“मुझे समझ नहीं आता कि दूसरों की लापरवाही का खामियाजा हमेशा मेरे विद्यार्थियों को ही क्यों भुगतना पड़ता है,” मिस हिलयार्ड ने कहा। मिस बरोज़ ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उन्हें दूसरों से ज़्यादा तकलीफ होती है। मिस हिलयार्ड ने पिछले तीन सत्रों में इतिहास के विद्यार्थियों के ऐसे कई उदाहरण दिए, जिनके काम में जानबूझकर की गई छेड़छाड़ जैसी हरकतें की गई थीं।

उन्होंने आगे कहा, "यह देखते हुए कि इतिहास विभाग कॉलेज का सबसे बड़ा विभाग है और निश्चित रूप से सबसे कम महत्वपूर्ण नहीं है—"
मिस चिल्परिक ने बिल्कुल सही बताया कि उस विशेष वर्ष में इंग्लिश स्कूल के लिए अन्य किसी भी वर्ष की तुलना में अधिक उम्मीदवार थे।
“बेशक आप यही कहेंगी,” मिस हिलयार्ड ने कहा। “इस साल शायद दो-तीन और छात्र आ जाएं—मुझे लगता है आ सकते हैं—लेकिन हमें उनसे निपटने के लिए एक अतिरिक्त अंग्रेजी शिक्षक की क्या ज़रूरत है, जबकि मुझे अकेले ही उनसे निपटना पड़ता है—”
इसी समय झगड़े की जड़ अलग-अलग व्यक्तित्वों के बीच उलझ गई, जिसके चलते मिस चिलपरिक पर उद्दंडता, अहंकार, काम के प्रति लापरवाही, सामान्य अक्षमता और ध्यान आकर्षित करने की लालसा जैसे आरोप लगाए गए। इन आरोपों की बेतुकी प्रकृति ने बेचारी मिस चिलपरिक को पूरी तरह से स्तब्ध कर दिया। वास्तव में, शायद मिस एडवर्ड्स को छोड़कर, जो गंभीर मुस्कान के साथ रेशमी स्वेटर बुन रही थीं, किसी को भी इस बात का कुछ समझ नहीं आया। अंततः यह हमला मिस चिलपरिक से बढ़कर उनके मंगेतर तक पहुँच गया, जिनकी विद्वत्ता की कड़ी आलोचना की गई।
मिस चिल्परिक कांपते हुए उठीं।
“मुझे लगता है, मिस हिलयार्ड,” उसने कहा, “आप पागल हो गई हैं। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप मेरे बारे में क्या कहती हैं, लेकिन मैं यहाँ चुपचाप नहीं बैठ सकती जब आप जैकब पेप्परकॉर्न का अपमान कर रही हैं।” वह इस दुर्भाग्यपूर्ण नाम के अक्षरों पर थोड़ा लड़खड़ा गई, और मिस हिलयार्ड निर्दयता से हंस पड़ीं। “श्री पेप्परकॉर्न एक बहुत ही प्रतिभाशाली विद्वान हैं,” मिस चिल्परिक ने एक चिढ़े हुए मेमने की तरह बढ़ते गुस्से के साथ कहा, “और मैं इस बात पर जोर देती हूँ कि—”
“मुझे यह सुनकर खुशी हुई,” मिस हिलयार्ड ने कहा। “अगर मैं आपकी जगह होती, तो मैं उसी से काम चला लेती।”
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रही हैं," मिस चिल्परिक चिल्लाईं।
"शायद मिस वेन आपको बता सकती हैं," मिस हिलयार्ड ने पलटवार किया और बिना कुछ और कहे चली गईं।
“हे भगवान!” मिस चिल्परिक ने हैरियट की ओर मुड़ते हुए कहा, “ये क्या बकवास कर रही है?”
"मुझे इस बारे में ज़रा भी जानकारी नहीं है," हैरियट ने कहा।

“मुझे नहीं पता, लेकिन मैं अनुमान लगा सकती हूँ,” मिस एडवर्ड्स ने कहा। “अगर लोग बारूद के कारखाने में डायनामाइट लाते हैं, तो उन्हें विस्फोट की उम्मीद तो रखनी ही चाहिए।” जब हैरियट अपने मन में इन शब्दों से जुड़ी कोई बात ढूंढने की कोशिश कर रही थी, तब मिस एडवर्ड्स ने आगे कहा:
“अगर अगले कुछ दिनों में इन गड़बड़ियों की तह तक कोई नहीं पहुंचा, तो खून-खराबा हो जाएगा। अगर हम अभी ऐसे ही रहे, तो टर्म खत्म होने पर हमारा क्या होगा? पुलिस को तो शुरू से ही बुला लेना चाहिए था, और अगर मैं यहां होता, तो यही कहता। काश, मुझे भी एक अच्छे, बेवकूफ पुलिस सार्जेंट से निपटना पड़े।”
फिर वह भी उठी और गुस्से में चली गई, बाकी के प्रोफेसर एक-दूसरे को देखते रह गए।

## अध्याय 19

हे सुगठित सैमसन! बलवान सैमसन! मैं तलवारबाजी में तुझसे उतना ही श्रेष्ठ हूँ जितना तू द्वार ढोने में मुझसे श्रेष्ठ था। मैं भी प्रेम में हूँ।

—विलियम शेक्सपियर

विल्फ्रिड के बारे में हैरियट की सोच बिलकुल सही थी। उसने विल्फ्रिड को बदलने और उसे मानवीय रूप देने में चार दिन बिताए थे, और आज, उसके साथ एक कष्टदायक सुबह बिताने के बाद, वह इस निराशाजनक निष्कर्ष पर पहुँची थी कि उसे पूरी कहानी शुरू से लिखनी होगी। विल्फ्रिड की पीड़ादायक मानवता अब अन्य पात्रों की सक्षम शून्यता के बीच एक घाव की तरह उभर रही थी। इसके अलावा, विल्फ्रिड के उद्देश्यों को मनोवैज्ञानिक रूप से विश्वसनीय बनाने के प्रयास में, कथानक का एक बड़ा हिस्सा गायब हो गया था, जिससे एक ऐसा अंतराल बन गया था जिसके माध्यम से साज़िशों के नए और रोमांचक जंगलों की झलक मिल सकती थी। वह प्राचीन वस्तुओं की दुकान की खिड़की में व्यर्थ ही टकटकी लगाए खड़ी रही। विल्फ्रिड उन बहुमूल्य हाथीदांत के शतरंज के मोहरों में से एक बनता जा रहा था। आप उसके भीतर झाँकते हैं और संवेदनाओं का एक जटिल और नाजुक नक्काशीदार गोला पाते हैं, और जैसे ही आप उसे अपनी उंगलियों में घुमाते हैं, आपको उसके अंदर एक और गोला मिलता है, और उसके भीतर एक और।
जिस मेज पर शतरंज के मोहरे रखे थे, उसके पीछे काले ओक की लकड़ी की एक जैकोबियन शैली की अलमारी थी, और जैसे ही वह उसे घूरने लगी, अंधेरे पृष्ठभूमि के

खिलाफ कुछ चेहरे धुंधले ढंग से उभर आए, मानो पेपर का भूत हो।
“यह क्या है?” पीटर ने उसके कंधे के ऊपर से पूछा; “टोबी के जग हैं या पीतल के बर्तन हैं या ब्रुमैगम हैंडल वाला वह संदिग्ध संदूक है?”
“शतरंज के मोहरे,” हैरियट ने कहा। “मैं उनके जाल में फंस गई हूँ। मुझे नहीं पता क्यों। मुझे उनकी कोई ज़रूरत नहीं है। यह बस एक तरह का जादू है।”
“‘कारण कोई नहीं जानता, इतना ही काफी है कि जो हम देखते हैं, हमारी आंखें ही उसकी निंदा करती हैं।’ किसी चीज पर अधिकार होना, अधिकार रखने का एक प्रशंसनीय कारण है।”
मुझे आश्चर्य है कि वे उनके लिए क्या चाहेंगे?
"अगर वे पूरी तरह से सही और असली हैं, तो उनकी कीमत चालीस से अस्सी पाउंड के बीच हो सकती है।"
“बहुत ज्यादा। तुम कब वापस आए?”
"दोपहर के भोजन से ठीक पहले। मैं तुमसे मिलने आ रहा था। क्या तुम कहीं जा रहे थे?"
“नहीं—बस यूँ ही घूम रहा था। क्या आपको कुछ उपयोगी जानकारी मिली?”
मैं आर्थर रॉबिन्सन नाम के एक व्यक्ति की तलाश में पूरे इंग्लैंड में छानबीन कर रहा हूँ। क्या यह नाम आपके लिए कुछ मायने रखता है?
"कुछ भी नहीं।"
“न ही मुझे। मैंने इस मामले को पूर्वाग्रह से मुक्त होकर देखा। क्या कॉलेज में कोई नई प्रगति हुई है?”
“हाँ, बिल्कुल। पिछली रात कुछ अजीबोगरीब घटना घटी। लेकिन मुझे वह पूरी तरह समझ नहीं आई।”
“क्या तुम मेरे साथ दौड़ने आओगी और मुझे इसके बारे में बताओगी? मेरे पास कार है, और आज दोपहर का मौसम भी बढ़िया है।” हैरियट ने चारों ओर देखा और उसे सड़क के किनारे खड़ी डेमलर कार दिखाई दी।
"मुझे पसंद है।"
"हम गलियों में धीरे-धीरे टहलेंगे और कहीं चाय पिएंगे," उसने उसे पुलिस के हवाले करते हुए पारंपरिक ढंग से कहा।
"पीटर, यह तो आपकी मौलिक सोच है!"

“है ना?” वे सलीके से भीड़भाड़ वाली हाई स्ट्रीट पर आगे बढ़े। “चाय शब्द में कुछ सम्मोहक सा है। मैं आपसे इंग्लैंड के ग्रामीण इलाकों की सुंदरता का आनंद लेने, अपने कारनामों को बताने और मेरे किस्से सुनने, दो सौ लोगों के आराम और प्रतिष्ठा से जुड़ी एक योजना बनाने, अपनी उपस्थिति से मुझे सम्मानित करने और मुझे स्वर्ग का भ्रम प्रदान करने का आग्रह कर रहा हूँ—और मैं ऐसे बोल रहा हूँ मानो मेरी सारी इच्छाओं का सर्वोच्च लक्ष्य पुराने जमाने की ट्यूडर चाय की दुकान में उबले पानी का एक बर्तन और कृत्रिम पेस्ट्री से भरी एक प्लेट हो।”
"अगर हम खुलने के समय के बाद तक देर करते रहे," हैरियट ने व्यावहारिक ढंग से कहा, "तो हमें गांव के पब में ब्रेड-चीज़ और बीयर मिल जाएगी।"
अब आपने कुछ कह दिया है।
क्रिस्टल के झरने, जिनका स्वाद परिष्कृत आँखों को शाश्वत दृष्टि से प्रकाशित करता है, परखे हुए चाँदी की तरह स्वर्ग में बहते हैं, दिव्य ज़ेनोक्रेट का मनोरंजन करने के लिए।
हैरियट को इसका कोई उचित जवाब नहीं सूझा, लेकिन वह स्टीयरिंग व्हील पर हल्के से रखे उसके हाथों को देखती रही। कार लॉन्ग मार्स्टन से होते हुए मार्स्टन और एल्सफील्ड की ओर बढ़ी। थोड़ी देर बाद उसने कार को एक साइड रोड पर मोड़ा और फिर एक गली में ले जाकर रोक दिया।
एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति को विचारों के विचित्र सागरों में अकेले यात्रा करना बंद कर देना चाहिए। क्या आप पहले बोलेंगे, या मैं बोलूँ?
“आर्थर रॉबिन्सन कौन है?”
“आर्थर रॉबिन्सन वही सज्जन हैं जिन्होंने शोध प्रबंध के मामले में इतना अजीब व्यवहार किया। वे यॉर्क विश्वविद्यालय से एम.ए. थे, विभिन्न शिक्षण संस्थानों में समय-समय पर ट्यूटरशिप करते रहे, यॉर्क विश्वविद्यालय में आधुनिक इतिहास के प्रोफेसर पद के लिए आवेदन किया, और वहाँ उनका सामना मिस डी वाइन की अद्भुत स्मृति और जासूसी क्षमता से हुआ, जो उस समय फ्लैम्बोर कॉलेज की प्रमुख और परीक्षा समिति की सदस्य थीं। वे गोरे, आकर्षक व्यक्ति थे, उस समय लगभग पैंतीस वर्ष के थे, बहुत मिलनसार और लोकप्रिय थे, हालाँकि एक कमजोर क्षण में अपनी मकान मालकिन की बेटी से शादी करने के कारण उनके सामाजिक जीवन में थोड़ी बाधा आई थी। शोध प्रबंध की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, वे अकादमिक जगत से गायब हो गए, और उनके बारे में फिर कभी कुछ पता नहीं चला। उनके गायब होने के समय उनकी एक दो साल की बेटी थी और दूसरी होने वाली थी। मैं उनके एक पुराने मित्र को ढूंढने में कामयाब

रहा, जिसने कहा कि उसने उस घटना के बाद से रॉबिन्सन के बारे में कुछ नहीं सुना है, लेकिन उसे लगता है कि वे विदेश चले गए हैं और अपना नाम बदल लिया है। उन्होंने मुझे नॉटिंघम में रहने वाले सिम्पसन नामक एक व्यक्ति के बारे में बताया। मैंने सिम्पसन से संपर्क किया, और पाया कि मुझे सूचना मिली कि पिछले साल उनका अत्यंत अप्रिय तरीके से निधन हो गया था। मैं लंदन लौट आया और मिस क्लिम्पसन के ब्यूरो के कई सदस्यों को श्री आर्थर रॉबिन्सन के अन्य मित्रों और सहकर्मियों की तलाश में भेजा, साथ ही समरसेट हाउस में विवाह और जन्म रजिस्टरों की छानबीन करने के लिए भी भेजा। दो दिनों की गहन गतिविधि के बाद बस इतना ही पता चला है—सिवाय इसके कि मैंने आपका पांडुलिपि आपके सचिव को सम्मानपूर्वक सौंप दिया।

“बहुत-बहुत धन्यवाद, आर्थर रॉबिन्सन। क्या आपको लगता है कि उनका इससे कुछ लेना-देना हो सकता है?”

“खैर, यह तो कुछ ज़्यादा ही दूर की बात है। लेकिन यह सच है कि मिस डी वाइन के यहाँ आने से पहले कोई अशांति नहीं थी, और उन्होंने व्यक्तिगत दुश्मनी का संकेत देने वाली एकमात्र बात आर्थर रॉबिन्सन की कहानी ही बताई है। इसलिए इस मामले की छानबीन करना उचित लगा।”

"हां, मैं समझ गया... मुझे उम्मीद है कि आप यह सुझाव नहीं देने जा रहे हैं कि मिस हिलयार्ड, आर्थर रॉबिन्सन का ही भेस है, क्योंकि मैं उन्हें दस साल से जानता हूं।"

“मिस हिलयार्ड क्यों? वह क्या कर रही थीं?”

"ऐसा कुछ भी नहीं जिसे साबित किया जा सके।"

"मुझे बताओ।"

हैरियट ने उसे टेलीफोन कॉल की पूरी कहानी सुनाई, जिसे उसने गंभीर चेहरे के साथ सुना।

"क्या मैं तिल का ताड़ बना रहा था?"

“मुझे नहीं लगता। मुझे लगता है कि हमारे दोस्त को एहसास हो गया है कि आप एक खतरा हैं और वह पहले आपसे निपटना चाहता है। जब तक कि यह कोई बिल्कुल अलग झगड़ा न हो—जो कि संभव है। कुल मिलाकर, यह अच्छा हुआ कि आपने वापस फोन करने के बारे में सोचा।”

"इसका श्रेय आप ले सकते हैं। थ्रिलर फिल्म की नायिका और स्कॉटलैंड यार्ड के फर्जी संदेश के बारे में आपकी तीखी टिप्पणियां मैं भूली नहीं थी।"

“क्या ऐसा नहीं था?... हैरियट, अगर कभी हमला होता है तो क्या तुम मुझे उससे निपटने का तरीका सिखाने दोगी?”
“किसी से मिलना—? हाँ, मैं जानना चाहूँगा। वैसे तो मैं काफी मजबूत हूँ। मुझे लगता है मैं ज्यादातर चीजों का सामना कर सकता हूँ, सिवाय पीठ में छुरा घोंपने के। मुझे तो इसी की उम्मीद थी।”
“मुझे शक है कि ऐसा होगा,” उसने शांत भाव से कहा। “इससे गंदगी फैलती है और निपटान के लिए एक गंदा हथियार बच जाता है। गला घोंटना ज़्यादा साफ़-सुथरा और तेज़ तरीका है और इसमें कोई शोर भी नहीं होता।”
“येउह!”
“तुम्हारा गला इसके लिए बिल्कुल ठीक है,” लॉर्ड ने सोच-विचार करते हुए कहा। “इसमें एक तरह की मिठास है जो अपने आप में हिंसा की ओर उकसाती है। मैं नहीं चाहता कि पुलिस मुझे मारपीट के आरोप में पकड़ ले; लेकिन अगर तुम कृपा करके मेरे साथ इस सुविधाजनक खेत में आ जाओ, तो मुझे तुम्हें अलग-अलग तरीकों से गला घोंटकर मारने में बहुत आनंद आएगा।”
"एक दिन की सैर के लिए तुम एक भयानक साथी हो।"
“मैं बिल्कुल गंभीर हूँ।” वह कार से बाहर निकलकर उसके लिए दरवाज़ा खोल रहा था। “आओ, हैरियट। मैं बड़ी विनम्रता से दिखावा कर रहा हूँ कि मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि तुम किस खतरे में हो। तुम नहीं चाहती कि मैं तुम्हारे पैरों पर गिरकर रोऊँ, है ना?”
“तुम मुझे अज्ञानी और असहाय महसूस कराओगे,” हैरियट ने कहा और फिर भी उसके पीछे-पीछे निकटतम द्वार तक चली गई। “मुझे यह पसंद नहीं है।”
“यह खेत बिल्कुल ठीक रहेगा। इसे घास के लिए नहीं काटा गया है, इसमें कांटेदार झाड़ियाँ और गोबर काफी हद तक नहीं हैं, और सड़क से हमें बचाने के लिए एक ऊँची बाड़ भी है।”
“और इस पर गिरना नरम है, और अगर आप उत्साह में बह जाएं तो लाश फेंकने के लिए एक तालाब भी है। बहुत खूब। मैंने अपनी प्रार्थना कर ली है।”
"तो कृपया मुझे एक बदसूरत चेहरे वाला बदमाश समझिए, जिसकी नज़र आपके बटुए, आपकी इज़्ज़त और आपकी जान पर है।"
अगले कुछ मिनट काफी सांस रोक देने वाले थे।

“इधर-उधर हाथ-पैर मत मारो,” पीटर ने नरमी से कहा। “तुम सिर्फ खुद को थका लोगे। मेरे वजन का इस्तेमाल मुझे परेशान करने के लिए करो। मैं अपना वजन पूरी तरह तुम्हारे हवाले कर रहा हूँ, और मैं इसे एक साथ दो दिशाओं में नहीं फेंक सकता। अगर तुमने मेरी बेकाबू महत्वाकांक्षा को हद से ज्यादा बढ़ने दिया, तो मैं न्यूटन के सेब की तरह सटीक रूप से दूसरी तरफ गिर जाऊँगा।”
मुझे यह बात समझ नहीं आई।
"एक बार मेरी गर्दन दबाकर देखो, मैं तुम्हें दिखा दूंगा।"
“क्या मैंने कहा था कि यह मैदान नरम है?” हैरियट ने कहा, जब उसके पैरों तले से अपमानजनक ढंग से हुक खींच लिया गया था। उसने नाराज़गी से खुद को रगड़ा। “बस मुझे तुम्हारे साथ ऐसा करने दो, बस इतना ही।”
और इस बार, चाहे कुशलता से हो या कृपा से, उसने उसे असंतुलित करने में कामयाबी हासिल कर ली, जिससे वह खुद को गिरने से बचाने के लिए एक जटिल मोड़ लेने में कामयाब रहा, जो किसी कांटे में फंसी मछली के समान था।
“हमें अब रुक जाना चाहिए,” पीटर ने उसे आगे से कूदने वाले गुंडे, पीछे से झपटने वाले गुंडे और रेशमी स्कार्फ से हमला शुरू करने वाले शातिर गुंडे को हटाने का तरीका बताते हुए कहा। “कल तुम्हें ऐसा लगेगा जैसे तुम फुटबॉल खेल रही थी।”
मुझे लगता है मेरा गला खराब हो जाएगा।
मुझे खेद है। क्या मैंने अपनी पशु प्रवृत्ति को खुद पर हावी होने दिया? यही इन क्रूर खेलों की सबसे बुरी बात है।
“अगर इसे गंभीरता से किया जाता तो मामला कहीं ज़्यादा गंभीर होता। मैं अंधेरी रात में किसी संकरी गली में आपसे मिलना नहीं चाहूँगा, और मुझे बस यही उम्मीद है कि ज़हर-कलम ने इस विषय पर कोई शोध नहीं किया होगा। पीटर, तुम सच में ऐसा नहीं सोचते—”
मैं गंभीर विचारों से इतना दूर भागता हूँ जैसे किसी बीमारी से। लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैंने आपको सिर्फ मजे के लिए नहीं पीटा है।
“मैं आपकी बात पर यकीन करता हूँ। कोई भी सज्जन व्यक्ति इतनी निर्ममता से किसी महिला का गला नहीं घोंट सकता।”
“आपके अनुभव के लिए धन्यवाद। सिगरेट?”
हैरियट ने सिगरेट उठाई, जिसे वह अपनी हक़दार समझती थी, और घुटनों पर हाथ रखकर बैठ गई। वह मन ही मन पिछले एक घंटे की घटनाओं को एक किताब के दृश्य

में ढालने की कोशिश कर रही थी (जैसा कि उपन्यासकार की बुरी आदत होती है) और सोच रही थी कि कैसे दोनों तरफ से थोड़ी अश्लीलता मिलाकर इसे पुरुष के लिए एक बढ़िया प्रदर्शन और महिला के लिए उत्तेजना का रूप दिया जा सकता है। थोड़ी चालाकी से इसे उस अध्याय में शामिल किया जा सकता था जहाँ मस्सेदार एवरार्ड को ग्लैमरस लेकिन उपेक्षित पत्नी शीला को बहकाना था। वह उसे अपने घुटने से घुटने और सीने से सीने मिलाकर एक अटूट पकड़ में जकड़ सकता था और उसके लाल चेहरे पर चुनौती भरी मुस्कान बिखेर सकता था; और शीला बेजान हो सकती थी—जिसके बाद एवरार्ड या तो उसके होंठों पर ज़ोरदार चुंबन बरसा सकता था, या कह सकता था, "हे भगवान! मुझे उकसाओ मत!" जिसका अंत में मतलब एक ही होता। "यह उन कंजूसों को खूब जंचेगा," हैरियट ने सोचा! और उसने अपनी उंगली को उसके जबड़े के कोने के नीचे घुमाकर जांच की, जहां एक निर्दयी अंगूठे के दबाव ने अपनी छाप छोड़ी थी।

“खुश हो जाओ,” पीटर ने कहा। “यह भावना कुछ समय बाद दूर हो जाएगी।”

"क्या आप मिस डी वाइन को आत्मरक्षा के पाठ पढ़ाने का प्रस्ताव रखते हैं?"

मुझे उसकी चिंता सता रही है। उसका दिल कमजोर है, है ना?

"उसे ऐसा करना चाहिए था। वह मैग्डलेन टॉवर पर नहीं चढ़ेगी।"

और शायद वो कॉलेज में इधर-उधर भागकर फ्यूज नहीं चुराती होगी या खिड़कियों से अंदर-बाहर नहीं आती-जाती होगी। अगर ऐसा है तो वो हेयरपिन जानबूझकर रखी गई होंगी। और यहीं से बात रॉबिन्सन के सिद्धांत पर लौट आती है। लेकिन दिल की हालत को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना आसान है। क्या तुमने कभी उसे दिल का दौरा पड़ते देखा है?

"अब जब आपने इसका जिक्र किया है, तो मैंने ऐसा नहीं किया है।"

“देखो,” पीटर ने कहा, “उसी ने मुझे रॉबिन्सन के बारे में बताया। मैंने उसे कहानी सुनाने का मौका दिया और उसने सुना दी। अगले दिन मैं उससे मिलने गया और नाम पूछा। उसने आनाकानी का अच्छा नाटक किया, लेकिन नाम बता दिया। जिन लोगों से दुश्मनी हो, उन पर शक करना आसान होता है, और वो भी बिना झूठ बोले। अगर मैं चाहता कि तुम मानो कि कोई मुझसे दुश्मनी कर रहा है, तो मैं तुम्हें दुश्मनों की एक लंबी सूची दे सकता था।”

“मुझे लगता है ऐसा ही है। क्या वे कभी तुम्हें मारने की कोशिश करते हैं?”

“बहुत बार नहीं। कभी-कभार वे डाक से बेवकूफी भरी चीजें भेज देते हैं। जैसे गंदे कीटाणुओं से भरी शेविंग क्रीम वगैरह। और एक सज्जन थे जिनके पास सुस्ती और कमजोरी दूर करने वाली गोली थी। मेरा उनसे काफी लंबा पत्राचार चला, सब सादे लिफाफों में। उनकी प्रणाली की खूबी यह थी कि वे गोली के लिए आपसे पैसे लेते थे, जो मुझे आज भी बहुत अच्छा लगता है। असल में, उन्होंने मुझे पूरी तरह से बेवकूफ बना दिया; उन्होंने बस एक छोटी सी गलती की थी कि मुझे गोली चाहिए थी—और मैं इसके लिए उन्हें दोष नहीं दे सकता, क्योंकि मैंने उन्हें जो लक्षणों की सूची दी थी, उसे देखकर कोई भी यही सोचता कि मुझे सारी दवाइयाँ चाहिए। फिर भी, उन्होंने मुझे एक हफ्ते की सात गोलियाँ बहुत महंगे दामों पर भेजीं; तो मैं उन्हें लेकर गृह मंत्रालय में अपने उस दोस्त के पास गया जो धोखेबाजों और अनैतिक विज्ञापनों वगैरह से निपटता है, और वह इतना जिज्ञासु था कि उसने उनका विश्लेषण किया। ‘हम्म,’ उसने कहा, ‘इनमें से छह गोलियां न तो आपको फायदा करेंगी और न ही नुकसान; लेकिन एक गोली आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी; 'दूसरा वाला सुस्ती को ज़रूर दूर कर देगा।' तो मैंने स्वाभाविक रूप से पूछा कि उसमें क्या है। 'स्ट्राइकिन,' उसने कहा। 'पूरी जानलेवा खुराक। अगर आप कमरे में गोल-गोल घूमना चाहते हैं और आपका सिर आपकी एड़ियों को छू रहा हो, तो मैं परिणाम की गारंटी देता हूँ।' तो हम उस सज्जन को ढूंढने निकल पड़े।

"क्या तुम्हें वह मिला?"

“ओह, हाँ। मेरा एक पुराना दोस्त। उसे पहले कोकीन के आरोप में कटघरे में खड़ा किया था। हमने उसे जेल में डाल दिया था—और मुझे पक्का यकीन है कि जब वह बाहर आया, तो उसने गोलियों से जुड़े पत्रों के आधार पर मुझे ब्लैकमेल करने की कोशिश की। मुझे उससे ज़्यादा पसंद आने वाला बदमाश कभी नहीं मिला... क्या आप थोड़ी और कसरत करना चाहेंगे, या हम फिर से सड़क पर चलें?”

जब वे एक छोटे से कस्बे से गुजर रहे थे, तभी पीटर की नजर चमड़े और लगाम की एक दुकान पर पड़ी और उसने अचानक गाड़ी रोक दी।

“मुझे पता है तुम क्या चाहते हो,” उसने कहा। “तुम्हें कुत्ते का पट्टा चाहिए। मैं तुम्हें एक दिला दूंगा। पीतल के हैंडल वाला।”

“कुत्ते का पट्टा? किसलिए? मालिकाना हक के प्रतीक के रूप में?”

"भगवान न करे। शार्क के काटने से बचाव के लिए। बदमाशों और गला काटने वालों से भी बेहतरीन सुरक्षा प्रदान करता है।"

“मेरे प्यारे आदमी!”
"सच कहूं तो, इसे दबाना बहुत मुश्किल है और यह किसी भी ब्लेड की धार को मोड़ देगा - और अगर कोई आपको इससे लटका भी दे, तो भी यह आपको रस्सी की तरह गला नहीं घोंटेगा।"
मैं गले में पट्टा बांधकर नहीं घूम सकता।
“खैर, दिन में तो नहीं। लेकिन रात में गश्त करते समय इससे आत्मविश्वास मिलेगा। और थोड़ी सी प्रैक्टिस से आप इसमें सो भी सकते हैं। अंदर आने की ज़रूरत नहीं है—मैंने आपकी गर्दन पर कई बार हाथ रखा है, इसलिए मुझे अंदाज़ा है कि इसका साइज़ क्या है।” वह दुकान के अंदर चला गया और खिड़की से दुकानदार से बात करते हुए दिखाई दिया। थोड़ी देर बाद वह एक पार्सल लेकर बाहर आया और फिर से गाड़ी चलाने लगा।
“उस आदमी को मेरी बुलटेरियर कुतिया में बहुत दिलचस्पी थी,” उसने बताया। “वह बहुत साहसी जानवर है, लेकिन साथ ही बेपरवाह और जिद्दी लड़ाकू भी। उसने कहा कि उसे व्यक्तिगत रूप से ग्रेहाउंड पसंद हैं। उसने मुझे बताया कि मैं अपने नाम और पते को पट्टे पर कहाँ लिखवा सकता हूँ, लेकिन मैंने कहा कि यह बाद में भी हो सकता है। अब हम शहर से बाहर हैं, आप इसे पहनकर देख सकते हैं।”
इसके लिए वह गाड़ी सड़क के किनारे रोककर, हैरियट की मदद करने लगा (हैरियट को लगा कि उसे थोड़ी आत्मसंतुष्टि भी हो रही थी), ताकि वह भारी हार का पट्टा बांध सके। यह एक बहुत बड़ा हार था और आश्चर्यजनक रूप से असुविधाजनक था। हैरियट ने अपने बैग से एक छोटा सा दर्पण निकाला और उसका हाल देखा।
“काफी अच्छा लग रहा है, है ना?” पीटर ने कहा। “मुझे नहीं लगता कि इससे कोई नया फैशन ट्रेंड शुरू होने में कोई दिक्कत है।”
“हाँ,” हैरियट ने कहा। “क्या आपको इसे दोबारा उतारने में कोई आपत्ति है?”
"क्या तुम इसे पहनोगे?"
"मान लीजिए कि कोई इसे पीछे से पकड़ लेता है।"
"छोड़ दो और उन पर ज़ोर से गिरो। तुम धीरे से गिरोगे, और अगर किस्मत अच्छी रही तो उनकी खोपड़ी फट जाएगी।"
“खून का प्यासा राक्षस। ठीक है। अगर तुम इसे अभी उतार दोगे तो मैं तुम्हारी हर इच्छा पूरी करूँगा।”

“यह मेरा वादा है,” उसने कहा और उसे छोड़ दिया। “उस पट्टे को,” उसने दोबारा लपेटते हुए और उसके घुटने पर रखते हुए कहा, “कांच के बक्से में रख देना चाहिए।”
"क्यों?"
"यह एकमात्र ऐसी चीज है जो तुमने मुझे तुम्हें देने की अनुमति दी है।"
"मेरी जिंदगी के अलावा—मेरी जिंदगी के अलावा—मेरी जिंदगी के अलावा।"
“धिक्कार है!” पीटर ने गुस्से से कहा और कार की विंडस्क्रीन से बाहर घूरने लगा। “अगर तुम हम दोनों को यह बात भूलने नहीं दे रहे हो, तो यह तो वाकई बहुत कड़वा तोहफा रहा होगा।”
"मुझे माफ करना, पीटर। मैंने जो किया वह बहुत ही अनुचित और निर्दयी व्यवहार था। अगर तुम चाहो तो मुझे कुछ दे सकते हो।"
“क्या मैं ले सकता हूँ? मैं आपको क्या दूँ? आज रोके के अंडे सस्ते हैं।”
एक पल के लिए उसका दिमाग सुन्न हो गया। वह उससे जो भी मांगेगी, वह उचित ही होना चाहिए। तुच्छ, साधारण या महज़ महंगी चीज़ें, सब उसके लिए एक समान अपमानजनक होंगी। और वह पल भर में समझ जाएगा कि कहीं वह उसे खुश करने के लिए झूठ तो नहीं मांग रही है...
"पीटर—मुझे हाथीदांत के शतरंज के मोहरे दो।"
वह इतना प्रसन्न दिख रहा था कि उसे पूरा यकीन था कि उसने सात शिलिंग और छह पेंस की किसी चीज के लिए अनुरोध करके ठुकराए जाने की उम्मीद की होगी।
“मेरी प्यारी—बेशक! क्या तुम इन्हें अभी लेना चाहोगी?”
“अभी इसी वक्त! कोई बेचारा अंडरग्रेजुएट इन्हें खरीद सकता है। मैं हर दिन बाहर जाता हूँ और यही उम्मीद करता हूँ कि ये गायब हो चुके होंगे। जल्दी करो।”
“ठीक है। मैं तीस मील की सीमा को छोड़कर, सत्तर से नीचे गति न छोड़ने का वचन देता हूँ।”
“हे भगवान!” हैरियट ने गाड़ी स्टार्ट होते ही कहा। तेज़ रफ़्तार से गाड़ी चलाना उसे बहुत डराता था, जैसा कि वह अच्छी तरह जानता था। पाँच मील की रोमांचक यात्रा के बाद, उसने एक नज़र हैरियट की ओर डाली, यह देखने के लिए कि वह इसे कैसे सहन कर रही है, और फिर एक्सीलरेटर से अपना पैर हटा लिया।
“वो मेरा विजय गीत था। क्या वो चार मिनट खराब थे?”
“मैंने ही तो यह मांगा था,” हैरियट ने दांत भींचते हुए कहा। “आगे बढ़ो।”

मैं ये सब नहीं करूँगा। हम एक सामान्य गति से चलेंगे और स्नातक की जान जोखिम में डालेंगे, चाहे उसकी हड्डियाँ ही क्यों न खराब हो जाएँ!
लेकिन जब वे पहुँचे तो हाथीदांत के मोहरे अभी भी खिड़की में ही थे। पीटर ने उन्हें एक कठोर और तिरछी नज़र से देखा और कहा:
वे ठीक-ठाक दिखते हैं।
“ये बहुत प्यारे हैं। मान लीजिए कि जब मैं कोई काम करता हूँ, तो उसे बड़े ही शानदार तरीके से करता हूँ। मैंने आपसे एक साथ बत्तीस उपहार मांगे हैं।”
“यह तो 'थ्रू द लुकिंग-ग्लास' जैसा लग रहा है। क्या तुम आओगे, या मुझे अकेले ही इस लड़ाई को लड़ने के लिए छोड़ दोगे?”
“बेशक मैं आ रहा हूँ। क्यों?—ओह! क्या मैं कुछ ज्यादा ही उत्सुक दिख रहा हूँ?”
"कुछ ज्यादा ही उत्सुक।"
मुझे परवाह नहीं है। मैं आ रहा हूँ।
दुकान अंधेरी थी और अजीबोगरीब किस्म के बेहतरीन सामान, कबाड़ और भोले-भाले लोगों को फंसाने वाले जाल से भरी हुई थी। हालांकि, दुकानदार पूरी तरह से होश में था और शुरुआती बातचीत में यह समझ जाने के बाद कि उसका सामना एक जिद्दी, अनुभवी और जानकार ग्राहक से है, वह बड़े उत्साह के साथ उससे बातचीत करने में जुट गया। हैरियट को पहले कभी यह ख्याल नहीं आया था कि कोई शतरंज के मोहरों का एक सेट खरीदने में एक घंटा चालीस मिनट बिता सकता है। बत्तीस मोहरों में से प्रत्येक की अलग-अलग नक्काशीदार गेंद को उंगलियों, नंगी आंखों और घड़ीसाज के लेंस से बारीकी से जांचना पड़ा ताकि किसी भी तरह की क्षति, मरम्मत, प्रतिस्थापन या दोषपूर्ण कारीगरी के संकेत मिल सकें; और सेट की उत्पत्ति के बारे में तीखे सवालों और चीन में व्यापार की स्थितियों, आम तौर पर प्राचीन वस्तुओं के बाजार की स्थिति और अमेरिकी मंदी के कीमतों पर प्रभाव के बारे में लंबी चर्चा के बाद ही किसी आंकड़े का जिक्र किया गया। जब इसका ज़िक्र हुआ, तो तुरंत इसका विरोध किया गया और आगे चर्चा हुई, जिसके दौरान सभी मोहरों की फिर से बारीकी से जाँच की गई। अंततः पीटर उस सेट को बताई गई कीमत पर खरीदने के लिए सहमत हो गया (जो उसकी न्यूनतम कीमत से काफी अधिक थी, हालांकि उसके अधिकतम अनुमान के भीतर थी), बशर्ते कि बोर्ड भी शामिल हो। मोहरों के असामान्य आकार के कारण यह आवश्यक था कि उनके लिए एक अलग बोर्ड हो; और डीलर ने बड़ी अनिच्छा से सहमति दी, जब उसे दृढ़ता से बताया गया कि बोर्ड सोलहवीं शताब्दी का स्पेनिश है—

उस काल का बिल्कुल नहीं—और इसलिए खरीदार द्वारा इसे उपहार के रूप में स्वीकार करना लगभग एक तरह का अपमान है।
लड़ाई का अब सम्मानजनक अंत हो जाने पर, व्यापारी ने प्रसन्नता से मुस्कुराते हुए पूछा कि पार्सल कहाँ भेजा जाना चाहिए।
“हम इसे अपने साथ ले जाएंगे,” पीटर ने दृढ़ता से कहा। “अगर आप चेक के बजाय नोट लेना पसंद करते हैं तो—”
डीलर ने विरोध करते हुए कहा कि चेक तो ठीक रहेगा, लेकिन पार्सल बड़ा होगा और उसे तैयार करने में कुछ समय लगेगा, क्योंकि सभी टुकड़ों को अलग-अलग लपेटना होगा।
“हमें कोई जल्दी नहीं है,” पीटर ने कहा। “हम इसे अपने साथ ले जाएंगे”; इस प्रकार उसने नर्सरी में अच्छे व्यवहार के पहले नियम का पालन किया, जिसके अनुसार उपहार हमेशा दुकान से ही लिए जाने चाहिए, न कि दुकान द्वारा दिए जाने चाहिए।
डीलर एक उपयुक्त डिब्बा ढूंढने के लिए ऊपर चला गया, और पीटर ने माफी मांगते हुए हैरियट की ओर रुख किया।
माफ़ करना, मैंने इतनी लंबी बात कर दी। आपने जितना सोचा था, उससे कहीं बेहतर चुनाव किया है। मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूँ, लेकिन अगर मैं गलत हूँ, तो यह बहुत ही बढ़िया और प्राचीन सेट है, और इसकी कीमत उससे कहीं ज़्यादा है जितना वह इसके लिए चाहता है। इसीलिए मैंने इतनी मोलभाव की। जब कोई चीज़ सस्ती लगती है, तो अक्सर उसमें कोई न कोई कमी होती है। अगर उन टूटे हुए मोहरों में से एक भी असली नहीं होता, तो पूरा सेट बेकार हो जाता।
“मुझे लगता है ऐसा ही है।” हैरियट के मन में एक बेचैन कर देने वाला विचार आया।
“अगर सेट बिल्कुल सही नहीं होता, तो क्या आपको इसे खरीदना चाहिए था?”
“किसी भी कीमत पर नहीं।”
"अगर मैं अब भी इसे चाहता हूँ तो नहीं?"
“नहीं। यही तो मेरे बारे में दिक्कत है। वैसे भी, आप ऐसा नहीं चाहेंगे। आपका दिमाग विद्वान जैसा है और आपको हमेशा यह जानकर असहज महसूस होगा कि यह गलत है, भले ही किसी और को पता न हो।”
“यह सच है। जब भी कोई इसकी तारीफ करता, तो मुझे कहना पड़ता, ‘हाँ, लेकिन इनमें से एक मोहरा आधुनिक है’—और यह बहुत उबाऊ हो जाता था। खैर, मुझे खुशी

है कि वे सब ठीक हैं, क्योंकि मैं उनसे बेतहाशा प्यार करता हूँ। वे हफ्तों से मेरे सपनों में आते रहे हैं। और अब तक मैंने उन्हें धन्यवाद भी नहीं कहा है।”
"हां, आपने किया है—और वैसे भी, मुझे बहुत खुशी हुई... मुझे आश्चर्य है कि क्या वह स्पिनेट ठीक है।"
वह अंधेरे, संकरे और गहरे प्राचीन वस्तुओं की दुकान के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ा, रास्ते में आने वाली चरखी, जॉर्जियाई वाइन कूलर, पीतल का दीपक और बर्मा की मूर्तियों के छोटे-छोटे ढेर को हटाता हुआ, जो उसके और वाद्य यंत्र के बीच में खड़े थे। "संगीत-बॉक्स पर विभिन्नताएँ," उसने चाबियों पर उंगलियाँ फेरते हुए कहा, और अपने आस-पास से एक ताबूतनुमा स्टूल को अलग करके बैठ गया और बजाने लगा, पहले बाख के एक सुइट से मिनुएट और फिर एक जिग, उसके बाद उसने ग्रीन्सलीव्स की धुन बजानी शुरू कर दी।
“हाय! मेरी प्रियतमा, तुमने मेरे साथ अन्याय किया है, मुझे असभ्य तरीके से त्याग कर, और मैंने तुम्हें इतने लंबे समय तक प्यार किया है, तुम्हारी संगति में आनंदित होते हुए।”
हैरियट ने सोचा, "वह देख लेगा कि मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है," और उसने प्रसन्नतापूर्वक स्वर में गीत गाया।
“ओ ग्रीन्सलीव्स ही मेरी सारी खुशी थी, और ओ ग्रीन्सलीव्स ही मेरा आनंद था—”
उसने तुरंत खेलना बंद कर दिया।
“तुम्हारे लिए यह सुर सही नहीं है। भगवान ने तुम्हें कॉन्ट्राल्टो के लिए बनाया है।” उन्होंने धुन को ई माइनर में बदल दिया, सुरों की झंकार के साथ। “तुमने मुझे कभी नहीं बताया कि तुम गा सकती हो... नहीं, मैं समझ गया कि तुमने प्रशिक्षण नहीं लिया है... कोरस गायिका? बाख कोरस?... बिल्कुल—मुझे अंदाज़ा हो गया होगा... ‘और ओ ग्रीन्सलीव्स मेरा सुनहरा दिल था और मेरी लेडी ग्रीन्सलीव्स के सिवा कौन’... क्या तुम मॉर्ले के दो आवाज़ों वाले कैनज़ोनेट जानती हो?... चलो फिर, ‘जब देखो! सुबह होते ही’... जो भी हिस्सा तुम्हें पसंद हो—वे बिल्कुल एक जैसे हैं... ‘मेरी प्रेमिका खुद सजी हुई... जी नेचुरल, मेरे प्रिय, जी नेचुरल...।”
पैकिंग सामग्री से भरे हाथों के साथ नीचे उतरते हुए व्यापारी ने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया। वह ग्राहकों की सनक से भलीभांति परिचित था; और संभवतः उन्हें स्पिनेट बेचने की आशा भी रखता था।

पीटर ने कहा, “इस तरह की चीज़ें ही संगीत का सार हैं। अगर कोई हमें काउंटरपॉइंट दे दे, तो सामंजस्य तो कोई भी कर सकता है। आगे क्या?... ‘सो जाओ, प्यारी देवी’? अरे, अरे! क्या यह सच है? क्या यह दयालुता है? क्या यह ज़रूरी है?... ‘प्रेम एक कल्पना है, प्रेम एक उन्माद है’... ठीक है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ,” और शरारती नज़रों से देखते हुए उन्होंने “स्वीट क्यूपिड, राइपन हर डिज़ायर” के शुरुआती सुर बजाए।
"नहीं," हैरियट ने कहा, उसका चेहरा लाल हो गया था।
नहीं। यह ठीक नहीं है। दोबारा कोशिश कीजिए।
वह हिचकिचाया; एक धुन से दूसरी धुन पर भागा; फिर अंत में एलिजाबेथ काल के सबसे प्रसिद्ध प्रेम गीत पर आकर रुका।
“काश मैं उस स्वर को बदल पाता जो मुझे प्रेम से मोहित कर चुका है....”
हैरियट, अपनी कोहनियों को मोमबत्तीदान के ढक्कन पर टिकाए और ठुड्डी को हाथों पर रखे, उसे अकेले गाने देती रही। दो युवक, जो भटकते हुए अंदर आ गए थे और दुकान के सामने वाले हिस्से में ज़ोर-ज़ोर से बातें कर रहे थे, पीतल के मोमबत्ती स्टैंड की अपनी अधूरी खोज को छोड़कर अंधेरे में लड़खड़ाते हुए यह देखने आए कि शोर कौन मचा रहा है।
“आनंद और परमानंद का सच्चा घर, जहाँ सबसे मधुर सुख है, मैं तुम्हारी आराधना करता हूँ; मैं तुम्हें उसी रूप में देखता हूँ, मैं तुम्हें अपने हृदय में प्रेम करता हूँ और तुम्हारे सामने नतमस्तक होता हूँ।”
टोबियास ह्यूम की उत्कृष्ट गायन शैली अंतिम पंक्ति से पहले एक ऊँची और विजयी चुनौती में तब्दील हो जाती है, फिर मुख्य स्वर तक पहुँचते-पहुँचते बेतरतीब ढंग से गिर पड़ती है। बहुत देर हो चुकी थी, हैरियट ने गायक को अपनी आवाज़ को संयमित करने का इशारा किया।
“लो, तुम!” दोनों युवकों में से लंबे वाले ने आक्रामक लहजे में कहा। “गंदगी मचा रहे हो। चुप रहो!”
पीटर स्टूल पर घूम गया। "महोदय?" उसने बड़ी सावधानी से अपना मोनोकल चमकाया, उसे ठीक किया और अपनी नज़र अपने ऊपर खड़े विशालकाय ट्वीड जैकेट पहने व्यक्ति पर डाली। "माफ़ कीजिएगा। क्या वह विनम्र टिप्पणी मुझसे ही की गई थी?"
हैरियट बोलने लगी, लेकिन तभी वह युवक उसकी ओर मुड़ गया।

उसने जोर से पूछा, "यह जनानापन दिखाने वाला बदमाश कौन है?"
विम्सी ने दिलचस्पी दिखाते हुए कहा, "मुझ पर कई आरोप लगे हैं, लेकिन स्त्रीत्व का आरोप मेरे लिए नया है। क्या आप इस बारे में कुछ समझा सकते हैं?"
“मुझे तुम्हारा गाना पसंद नहीं आया,” युवक ने अपने पैरों पर थोड़ा सा हिलते हुए कहा, “और मुझे तुम्हारी आवाज भी पसंद नहीं आई, और मुझे तुम्हारा नकली चश्मा भी पसंद नहीं आया।”
"संयम से, रेगी," उसके दोस्त ने कहा।
“तुम इस महिला को परेशान कर रहे हो,” युवक ने ज़िद करते हुए कहा। “तुम उसे सबके सामने ला रहे हो। यहाँ से चले जाओ!”
“हे भगवान!” विम्सी ने हैरियट की ओर मुड़ते हुए कहा। “क्या ये संयोग से जीसस के मिस्टर जोन्स हैं?”
“तुम किसे वेल्शमैन कह रहे हो?” युवक ने बेहद चिढ़कर कहा। “मेरा नाम पोम्फ्रे है।”
“मेरा नाम विम्सी है,” पीटर ने कहा। “काफी पुराना है, हालांकि उतना मधुर नहीं है। चलो बेटा, बेवकूफी मत करो। वरिष्ठ सदस्यों और महिलाओं के सामने इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए।”
“वरिष्ठ सदस्य भाड़ में जाए!” श्री पोम्फ्रे चिल्लाए, जिनके लिए इस दुर्भाग्यपूर्ण वाक्यांश का अर्थ बहुत गहरा था। “क्या आपको लगता है कि आप मेरा उपहास करेंगे? उठो, धिक्कार है तुम पर! तुम अपने लिए खड़े क्यों नहीं हो सकते?”
“पहला कारण,” पीटर ने विनम्रता से उत्तर दिया, “क्योंकि मैं तुमसे बीस साल बड़ा हूँ। दूसरा कारण यह है कि तुम मुझसे छह इंच लंबे हो। और तीसरा कारण यह है कि मैं तुम्हें चोट नहीं पहुँचाना चाहता।”
“तो फिर,” श्री पोम्फ्रे ने कहा, “ले लो, तुम बैठे-बैठे खरगोश!”
उसने पीटर के सिर पर एक जोरदार प्रहार किया, और खुद को लोहे की पकड़ में कलाई से जकड़ा हुआ पाया।
“अगर तुम चुप नहीं रहे,” लॉर्ड ने कहा, “तो कुछ तोड़ दोगे। लीजिए, महोदय। अपने इस चंचल दोस्त को घर ले जाइए, क्या आप नहीं ले जा सकते? आखिर इस समय यह इतना नशे में कैसे हो गया?”
दोस्त ने लंच पार्टी और उसके बाद कॉकटेल पार्टी के बारे में उलझन भरी व्याख्या दी। पीटर ने सिर हिलाया।

“एक के बाद एक घटिया जिन,” उसने उदास स्वर में कहा। “अब, महोदय। बेहतर होगा कि आप इस महिला से माफी मांगें और यहाँ से चले जाएं।”
श्री पोम्फ्रे, जो काफी शांत और आंसू बहाने की प्रवृत्ति वाले थे, ने बुदबुदाते हुए कहा कि उन्हें हंगामा करने का अफसोस है।
"लेकिन तुमने मेरा मजाक क्यों उड़ाया?" उसने हैरियट से नाराज़गी भरे लहजे में पूछा।
“मैंने ऐसा नहीं किया, श्रीमान पोम्फ्रेट। आप पूरी तरह से गलत हैं।”
“तुम्हारे वरिष्ठ सदस्यों को धिक्कार है!” श्री पोम्फ्रेट ने कहा।
“अब, फिर से शुरू मत कीजिए,” पीटर ने विनम्रता से आग्रह किया। वह उठा, उसकी आँखें लगभग श्री पोम्फ्रे की ठोड़ी के स्तर पर थीं। “यदि आप चर्चा जारी रखना चाहते हैं, तो आप मुझे सुबह मिट्रे में पाएंगे। बाहर निकलने का रास्ता इधर है।”
“चलो, रेगी,” दोस्त ने कहा।
डीलर, जो यह सुनिश्चित करने के बाद अपनी पैकिंग में लौट आया था कि पुलिस या निरीक्षकों को बुलाने की आवश्यकता नहीं होगी, उसने मदद के लिए दरवाजा खोला और कहा, "शुभ दोपहर, सज्जनों," मानो कुछ भी असामान्य नहीं हुआ हो।
"अगर मेरा उपहास उड़ाया गया तो मैं धिक्कार खाऊंगा," श्री पोम्फ्रे ने दरवाजे पर पलटवार करने की कोशिश करते हुए कहा।
“बिल्कुल नहीं, मेरे दोस्त,” उसके दोस्त ने कहा। “कोई तुम्हारा मज़ाक नहीं उड़ा रहा है। चलो! आज दोपहर के लिए तुमने काफ़ी मज़ा कर लिया है।” दरवाज़ा बंद हो गया और वे बाहर ही रह गए।
“वाह वाह!” पीटर ने कहा।
“युवक तो जोश से भरे रहेंगे,” डीलर ने कहा। “मुझे खेद है कि यह थोड़ा भारी है, महोदय। मैंने बोर्ड अलग से लगाया है।”
“इन्हें गाड़ी में बिठा दो,” पीटर ने कहा। “ये ठीक रहेंगे।”
ऐसा ही किया गया; और दुकानदार, अपनी दुकान खाली होने से काफी खुश होकर, अपने शटर लगाने लगा, क्योंकि अब दुकान बंद होने का समय काफी पहले ही बीत चुका था।
"मैं अपनी युवा मित्र की ओर से माफी मांगती हूं," हैरियट ने कहा।
"लगता है उसे यह बात बुरी लगी है। आखिर मेरे सीनियर होने में ऐसी क्या बात थी जो उसे इतनी बुरी लगी?"

"ओह, बेचारा! उसे लगा कि मैं तुम्हें उसके, मेरे और निरीक्षक के बारे में बता रही थी। मुझे लगता है कि अब तुम्हें बता देना ही बेहतर होगा।"
पीटर ने सुना और थोड़ा उदास होकर हँसा।
“मुझे खेद है,” उसने कहा। “उसकी उम्र में ऐसी बातें बहुत तकलीफ देती हैं। मुझे उसे एक संदेश भेजकर मामला सुलझा लेना चाहिए। मैं यही कहता हूँ!”
"क्या?"
“हमने वो बियर कभी नहीं पी। आओ मेरे साथ मिट्रे में एक बियर पीते हैं, और हम मिलकर कुछ ऐसा बनाएंगे जिससे हमारे दुखी मन को शांति मिलेगी।”
उनके सामने मेज पर रखे दो आधे पाइंट के मगों के बीच, पीटर ने अपना पत्र निकाला।
द मिट्रे होटल,
ऑक्सफ़ोर्ड
रेजिनाल्ड पोम्फ्रे, एस्क्वायर को।
महोदय,
मुझे मिस वेन से पता चला है कि आज दोपहर हमारी बातचीत के दौरान मैंने अनजाने में एक ऐसा शब्द इस्तेमाल कर दिया जिसे आपके निजी मामलों के संदर्भ में गलत समझा जा सकता है। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि ये शब्द पूरी तरह से अनजाने में बोले गए थे, और मेरा इरादा किसी भी तरह का आपत्तिजनक संकेत देने का नहीं था। आपके द्वारा किए गए इस व्यवहार की मैं कड़ी निंदा करता हूँ, और अनजाने में आपको पहुँचाई गई किसी भी पीड़ा के लिए मैं अपना हार्दिक खेद व्यक्त करता हूँ, और आपसे निवेदन करता हूँ कि आप बने रहें।
आपका आज्ञाकारी सेवक,
पीटर डेथ ब्रेडन विम्सी
"क्या यह काफी आडंबरपूर्ण है?"
“बहुत सुंदर,” हैरियट ने कहा। “तीन अक्षरों से कम का शायद ही कोई शब्द हो और इतने सारे नाम लिखे हैं। जिसे तुम्हारा भतीजा ‘अंकल पीटर का सबसे अकड़ू रूप’ कहता है। बस इसमें प्रतीक चिन्ह और सीलिंग वैक्स की कमी है। बच्चे को एक प्यारा सा, दोस्ताना पत्र क्यों नहीं लिख देते?”
“उसे दोस्ती नहीं चाहिए,” लॉर्ड ने मुस्कुराते हुए कहा। “उसे तो बस संतुष्टि चाहिए।” उन्होंने घंटी बजाई और वेटर को बंटर और सीलिंग-वैक्स लाने को भेजा। “लाल मुहर के लाभकारी प्रभावों के बारे में आप सही कह रहे हैं—उसे लगेगा कि यह एक चुनौती

है। बंटर, मेरी मुहर की अंगूठी ले आओ। अब सोचो, यह अच्छा विचार है। क्या मैं उसे सुबह-सुबह पोर्ट मीडो पर तलवारों या पिस्तौलों में से किसी एक को चुनने का विकल्प दूं?"

"मुझे लगता है अब तुम्हारे बड़े होने का समय आ गया है," हैरियट ने कहा।

"क्या सच में?" पीटर ने लिफाफे पर हाथ रखते हुए कहा। "मैंने कभी किसी को चुनौती नहीं दी। मज़ा आएगा। मुझे तीन बार चुनौती मिली और मैंने दो बार लड़ाई लड़ी; तीसरी बार पुलिस बीच में आ गई। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मेरे विरोधी को मेरा हथियार पसंद नहीं आया... शुक्रिया, बंटर... गोली कहीं भी जा सकती है, लेकिन स्टील तो कहीं न कहीं जाकर ही रहेगा।"

हैरियट ने पीटर की ओर गंभीरता से देखते हुए कहा, "पीटर, मुझे लगता है कि तुम दिखावा कर रहे हो।"

"मुझे लगता है मैं हूँ," उसने मोम पर भारी अंगूठी को ठीक से रखते हुए कहा। "हर मुर्गा अपने गोबर के ढेर पर बांग देता है।" उसकी मुस्कान आधी चिड़चिड़ी और आधी तिरस्कारपूर्ण थी। "मुझे विशालकाय स्नातक छात्रों द्वारा घेर लिया जाना और अपनी उम्र का एहसास कराया जाना बिल्कुल पसंद नहीं है।"

## अध्याय 20

संक्षेप में कहें तो, ईर्ष्या और कुछ नहीं बल्कि दूसरों की भलाई के लिए दुख है, चाहे वह वर्तमान हो, अतीत हो या भविष्य में हो; और उनकी हानि पर खुशी है... टैसिटस के अनुसार, दूसरों की समृद्धि से ईर्ष्या करना एक आम बीमारी है, और लगभग स्वाभाविक है।

—रॉबर्ट बर्टन

कहते हैं कि प्यार और खांसी को छुपाया नहीं जा सकता। बत्तीस विशाल हाथीदांत के शतरंज के मोहरों को छुपाना भी आसान नहीं है; जब तक कि कोई इतना निर्दयी न हो कि उन्हें रूई में लपेटकर लकड़ी के ताबूत के चारों ओर दफना दे। दिल की ख्वाहिश हासिल करने का क्या फायदा अगर कोई उसे छू न सके, उस पर गर्व न कर सके, उसे अपने दोस्तों को न दिखा सके और ईर्ष्या और प्रशंसा का संग्रह न कर सके? उपहार देने वाले के बारे में चाहे जो भी अटपटे अनुमान लगाए जाएं—और आखिर, क्या इससे किसी को कोई लेना-देना था?—हैरियट जानती थी कि उसे उपहार दिखाना ही होगा, वरना वह अकेले में आनंद से फट पड़ेगी।

तदनुसार, उसने साहस का परिचय देते हुए, हॉल के बाद खुलेआम अपनी सेना को सीनियर कॉमन रूम में ले जाकर, प्रोफेसरों की उत्सुक सहायता से उन्हें मेज पर तैनात कर दिया।

“लेकिन आप इन्हें कहाँ रखेंगे?” डीन ने पूछा, जब सभी लोग नक्काशी की बारीकी की तारीफ कर चुके थे और बारी-बारी से गोलाकार आकृतियों के समूह को घुमाकर देख चुके थे। “आप इन्हें ऐसे ही डिब्बे में नहीं छोड़ सकते। उन नाजुक छोटे भालों और शाही मुकुटों को देखिए। इन्हें कांच के बक्से में रखना चाहिए।”

“मुझे पता है,” हैरियट ने कहा। “बिल्कुल मेरी ही आदत है कि मैं कुछ ऐसा चाहूँ जो पूरी तरह से अव्यावहारिक हो। मुझे उन सबको फिर से लपेटना पड़ेगा।”

"तभी," मिस चिल्परिक ने कहा, "आप उन्हें देख नहीं पाएँगे। मुझे पता है, अगर वे मेरे होते, तो मैं एक पल के लिए भी उनसे अपनी नज़रें नहीं हटा पाती।"

"अगर आप चाहें तो आप एक कांच का डिब्बा ले सकते हैं," मिस एडवर्ड्स ने कहा। "विज्ञान व्याख्यान कक्ष के बाहर।"

“बिल्कुल वही बात,” मिस लिडगेट ने कहा। “लेकिन वसीयत की शर्तों का क्या? मेरा मतलब है, कांच के बक्से—”

“अरे, वसीयत को छोड़ो!” डीन चिल्लाया। “एक-दो सप्ताह के लिए कोई चीज़ उधार तो ली ही जा सकती है। हम उन भयंकर भूवैज्ञानिक नमूनों को एक साथ रख सकते हैं और एक छोटा सा बक्सा आपके कमरे में भिजवा सकते हैं।”

“बिल्कुल,” मिस एडवर्ड्स ने कहा। “मैं इसका इंतजाम कर दूंगी।”

"धन्यवाद," हैरियट ने कहा; "यह बहुत अच्छा होगा।"

"क्या आप नए खिलौने से खेलने के लिए बेताब नहीं हैं?" मिस एलिसन ने पूछा। "क्या लॉर्ड पीटर शतरंज खेलते हैं?"

"मुझे नहीं पता," हैरियट ने कहा। "मैं कोई बहुत अच्छी खिलाड़ी नहीं हूँ। मुझे बस इन खिलौनों से प्यार हो गया।"

“अच्छा,” मिस डी वाइन ने विनम्रता से कहा, “चलिए एक खेल खेलते हैं। ये इतने सुंदर हैं, इनका उपयोग न करना दुख की बात होगी।”

"लेकिन मुझे लगता है कि तुम मुझे बुरी तरह हरा सकते हो।"

“ओह, इनके साथ जरूर खेलो!” मिस शॉ ने भावुक होकर कहा। “सोचो, दुकान की खिड़की में इतने समय तक बैठे रहने के बाद ये लोग थोड़ी सी जिंदगी और हलचल के लिए कितने तरस रहे होंगे।”

"मैं आपको एक मोहरा दूंगी," मिस डी वाइन ने सुझाव दिया।
इस लाभ के बावजूद, हैरियट को लगातार तीन अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा: पहली, क्योंकि वह एक कमजोर खिलाड़ी थी; दूसरी, क्योंकि उसे यह याद रखना मुश्किल हो रहा था कि कौन सा मोहरा कौन सा है; तीसरी, क्योंकि एक ही झटके में पूरी तरह से हथियारों से लैस योद्धा, एक उछलते घोड़े और हाथीदांत की गेंदों के पूरे घोंसले से अलग होने का दर्द इतना गहरा था कि वह एक प्यादे को भी खतरे में डालने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी। मिस डी वाइन, लंबी मूंछों वाले एक वस्त्रधारी सलाहकार या योद्धाओं से भरे एक किले को ले जा रहे हाथी के गायब होने को भी पूर्ण शांति से देखते हुए, जल्द ही हैरियट के राजा को उसके अपने रक्षकों के बीच असहाय रूप से घेर लिया। मिस हिलयार्ड की उपहास भरी निगाहों के नीचे खेले जा रहे इस खेल ने कमजोर पक्ष के लिए स्थिति को और भी बदतर बना दिया। मिस हिलयार्ड शतरंज को दुनिया का सबसे उबाऊ मनोरंजन बताती थीं, फिर भी वह वहां से जाने और अपना काम करने के बजाय बोर्ड को ऐसे घूरती रहती थीं मानो मोहित हों और (इससे भी बुरा) पकड़े गए मोहरों से खेलती रहती थीं, जिससे हैरियट को इस बात का डर सताता रहता था कि कहीं वह कोई मोहरा गिरा न दे।
इसके अलावा, जब खेल समाप्त हो गए और मिस एडवर्ड्स ने घोषणा की कि एक काँच का बक्सा साफ करके एक सहायक द्वारा हैरियट के कमरे में ले जाया गया है, तब भी मिस हिलयार्ड ने मोहरों को ले जाने में मदद करने की ज़िद की, विशेष रूप से सफेद राजा और रानी को, जिनके सिर पर एंटीना जैसे नाजुक लहराते आभूषण लगे थे और जो आसानी से क्षतिग्रस्त हो सकते थे। यहाँ तक कि जब डीन को पता चला कि मोहरों को बक्से में सीधा खड़ा करके ले जाना अधिक सुरक्षित है, तब भी मिस हिलयार्ड उन्हें मैदान के पार ले जाने वाले दल के साथ शामिल हो गईं और बिस्तर के ठीक सामने काँच के बक्से को सुविधाजनक स्थान पर रखने में मदद करने में तत्पर रहीं, "ताकि," जैसा कि उन्होंने कहा, "अगर आप रात में जागें तो आप उन्हें देख सकें।"
अगले दिन डीन का जन्मदिन था। नाश्ते के तुरंत बाद हैरियट बाज़ार से गुलाबों का गुलदस्ता खरीदने गई और हेयरड्रेसर से अपॉइंटमेंट लेने के इरादे से हाई स्ट्रीट पर निकली, तभी उसे एक अप्रत्याशित दृश्य दिखाई दिया: दो पुरुषों की पीठें मिट्रे से निकलकर पूर्व दिशा की ओर जा रही थीं, मानो वे पूरी मित्रता में हों। उनमें से छोटे और दुबले-पतले व्यक्ति को वह लाखों पीठों में से कहीं भी पहचान सकती थी; और श्री रेजिनाल्ड पोम्फ्रे के विशाल कद-काठी को पहचानना भी आसान नहीं था। दोनों पाइप

पी रहे थे, और इससे हैरियट ने अनुमान लगाया कि पोर्ट मीडो में उनका उद्देश्य तलवार या पिस्तौल चलाना तो बिल्कुल नहीं था। वे नाश्ते के बाद आराम से टहल रहे थे, और हैरियट ने उनसे मिलने की कोशिश नहीं की; उसे उम्मीद थी कि लॉर्ड सेंट-जॉर्ज द्वारा प्रसिद्ध पारिवारिक आकर्षण कहे जाने वाले इस व्यवहार का कोई अच्छा उद्देश्य होगा; वह इतनी बूढ़ी हो चुकी थी कि उसे किसी के द्वारा झगड़ा किए जाने का एहसास अच्छा नहीं लगता था—इससे वे तीनों ही हास्यास्पद लगते। दस साल पहले, शायद उसे अच्छा लगता; लेकिन ऐसा लगता था कि सत्ता की लालसा एक ऐसी चीज है जो समय के साथ खत्म हो जाती है। हेयरड्रेसर की घुटन भरी खुशबू के बीच खड़ी होकर उसने सोचा कि असल में इंसान को शांति और गुस्सैल व उत्तेजित लोगों के दबाव से मुक्ति चाहिए। उसने दोपहर के लिए अपॉइंटमेंट बुक किया और अपने रास्ते पर चल पड़ी। जब वह क्वीन्स के पास से गुजरी, तो पीटर अकेले सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था।

“हैलो!” उसने कहा। “ये पुष्प चिन्ह क्यों?”

हैरियट ने समझाया।

“वाह!” लॉर्ड ने कहा। “मुझे तुम्हारा डीन पसंद है।” उन्होंने उससे गुलाब ले लिए। “मुझे भी एक उपहार के साथ वहाँ रहने दो।”

उसके लिए नीले रंग के कोलंबाइन का एक सुंदर मुकुट बनाओ, और उसके मुकुट को सबसे मधुर एग्लांटाइन से सजाओ, सफेद और लाल दमिश्क गुलाबों से, और सबसे सुंदर डेलीस फूल से, यरूशलेम के काउस्लिप से, और स्वर्ग के लौंग से।

हालांकि ये कौन से काउस्लिप हैं, यह मुझे नहीं पता, और शायद ये अभी मौसम में नहीं हैं।

हैरियट उसके साथ बाजार की ओर वापस मुड़ गई।

“आपका युवा मित्र मुझसे मिलने आया था,” पीटर ने बात जारी रखते हुए कहा।

“तो मैंने देखा। क्या तुमने ‘खाली निगाहों से उसे घूरकर अपनी कुलीनता से उसे मार डाला’?”

“और वो मेरे सगे रिश्तेदार हैं, मेरे पिता की माँ की तरफ से सोलहवें दर्जे के? नहीं; वो एक अच्छा लड़का है, और उसके दिल तक पहुँचने का रास्ता ईटन के खेल के मैदानों से होकर जाता है। उसने मुझे अपने सारे दुख बताए और मैंने बड़ी सहानुभूति से उससे कहा कि गम भुलाने के इससे बेहतर तरीके भी हैं, जैसे शराब के एक बड़े घड़े में डुबो देना। लेकिन, हे भगवान, ब्रह्मांड को वापस मोड़ दो और मुझे कल का दिन लौटा दो!

वो कल रात खूब नशे में था, बाहर आने से पहले उसने एक नाश्ता किया और फिर मेरे साथ मिट्रे में दूसरा नाश्ता किया। मैं जवानी के दिल से नहीं, बल्कि उसके दिमाग और पेट से ईर्ष्या करता हूँ।"
"क्या आपने आर्थर रॉबिन्सन के बारे में कोई नई खबर सुनी है?"
“बस इतना पता है कि उन्होंने शार्लेट एन क्लार्क नाम की एक युवती से शादी की थी और उनसे उनकी एक बेटी, बीट्रिस मौड हुई थी। यह तो आसान था, क्योंकि हमें पता है कि वे आठ साल पहले कहाँ रह रहे थे और हम स्थानीय रजिस्टरों की जाँच कर सकते थे। लेकिन वे अभी भी रजिस्टरों में उनकी मृत्यु का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं—यह मानते हुए कि वे मर चुके हैं, जिसकी संभावना कम है—या फिर उनके दूसरे बच्चे के जन्म का, जो—अगर कभी हुआ भी हो—तो हमें बता सकता है कि यॉर्क में हुई परेशानी के बाद वे कहाँ गए थे। दुर्भाग्य से, रॉबिन्सन नाम के लोग बहुत अधिक संख्या में हैं, और आर्थर रॉबिन्सन नाम के लोग भी दुर्लभ नहीं हैं। और अगर उन्होंने सचमुच अपना नाम बदला था, तो हो सकता है कि रॉबिन्सन नाम का कोई रिकॉर्ड ही न हो। मेरे एक खोजी दल ने उनके पुराने किराए के मकान में जाकर पूछताछ की है—जहाँ, आपको याद होगा, उन्होंने बड़ी नासमझी से मकान मालकिन की बेटी से शादी कर ली थी; लेकिन क्लार्क परिवार वहाँ से चला गया है, और उन्हें ढूँढना थोड़ा मुश्किल होगा। एक और तरीका है शैक्षणिक एजेंसियों और छोटे और निम्न स्तर के निजी स्कूलों में पूछताछ करना, क्योंकि ऐसा लगता है कि—आप वहाँ नहीं जा रहे हैं।”
“जी हां, मैं ही हूं,” हैरियट ने अस्पष्ट स्वर में कहा। “उनकी पत्नी का नाम शार्लेट था और आप उन्हें एक निजी स्कूल में ढूंढ रहे हैं।” जैसे ही वे बाज़ार की ओर मुड़े, एक तेज़, नम खुशबू उन पर छा गई और हैरियट को असाधारण सुख का अनुभव हुआ। “मुझे यह खुशबू बहुत पसंद है—यह बॉटनिकल गार्डन में कैक्टस हाउस जैसी है।”
उसके साथी ने बोलने के लिए अपना मुंह खोला, उसकी ओर देखा, और फिर, भाग्य में हस्तक्षेप न करने वाले व्यक्ति की तरह, रॉबिन्सन का नाम अपने होठों पर ही मिटने दिया।
"मैंड्रेक के पौधों से एक खास तरह की सुगंध आ रही थी।"
“पीटर, तुम्हारा क्या कहना है?”
“कुछ नहीं। अपोलो के गीतों के बाद मरकरी के शब्द कठोर लगते हैं।” उसने अपना हाथ धीरे से उसके हाथ पर रखा। “चलिए शराब में भीगे हुए साबुन के व्यापारी से बात करते हैं।”

और जब गुलाब और कार्नेशन दोनों को—इस बार एक संदेशवाहक द्वारा—उनके गंतव्य तक पहुँचा दिया गया, तो वनस्पति उद्यानों का ज़िक्र होने के कारण वहाँ जाना स्वाभाविक लगा। क्योंकि, जैसा कि बेकन कहते हैं, एक बगीचा मानवीय सुखों का सबसे शुद्ध रूप है और मनुष्य की आत्मा को सबसे अधिक ताज़गी देता है; और यहाँ तक कि आलसी और अज्ञानी लोग भी, जो लेप्टोसिफ़ोन हाइब्रिडस और कौलफ़ुसिया एमेलोइड्स में अंतर नहीं कर सकते और निराई-गुड़ाई में कमर तोड़ने के बजाय किसी सुनसान जगह में समय बिताना पसंद करते हैं, वहाँ काफी सुखद बातचीत कर सकते हैं, खासकर यदि वे आम फूलों के पुराने नामों को जानते हों और एलिज़ाबेथ काल के कुछ छोटे-मोटे गीतकारों से अच्छी तरह परिचित हों।
जब वे बगीचों का चक्कर लगाकर नदी के किनारे आराम से बैठे थे, तभी पीटर ने अपना ध्यान वापस वर्तमान की घिनौनी स्थिति की ओर खींचते हुए अचानक कहा:
मुझे लगता है मुझे आपके एक दोस्त से मिलने जाना पड़ेगा। क्या आपको पता है कि ज्यूक्स को उस सामान के साथ कैसे पकड़ा गया?
मुझे बिल्कुल भी जानकारी नहीं है।
पुलिस को एक गुमनाम पत्र मिला।
"नहीं-?"
“हाँ। उनमें से एक वहाँ है। वैसे, क्या आपने कभी यह जानने की कोशिश की कि उस संदेश का आखिरी शब्द क्या था जो आपको भेजा गया था? वह संदेश जो हमें विज्ञान व्याख्यान कक्ष में मिला था?”
“नहीं—वैसे भी वह इसे पूरा नहीं कर सकती थी। उस बॉक्स में एक भी स्वर नहीं बचा था। यहाँ तक कि एक 'ब' और एक डैश भी नहीं!”
“वो एक चूक थी। मुझे ऐसा ही लगा था। खैर, हैरियट, जिसे हम ढूंढ रहे हैं उसका नाम पता लगाना आसान है, है ना? लेकिन सबूत एक अलग बात है। हमने मामले को पूरी तरह से सुलझा लिया है। लेक्चर रूम वाली घटना रात के उन छलाँगों का आखिरी जरिया होनी थी, और शायद ऐसा ही होगा। और सबसे अहम सबूत तब तक नदी की तलहटी में मिल चुका होगा। अब दरवाजे बंद करके पहरा बिठाने का कोई मतलब नहीं।”
“किस पर?”
“अब तक तो तुम्हें पता चल ही गया होगा, हैरियट, अगर तुम इस बारे में सोच ही रही हो तो। अवसर, साधन, मकसद—क्या ये सब कुछ साफ-साफ नहीं दिख रहा? भगवान

के लिए, अपने पूर्वाग्रहों को एक तरफ रख दो और सोचो। तुम्हें क्या हो गया है कि तुम दो और दो को एक साथ नहीं जोड़ पा रही?"
"मुझें नहीं पता।"
“खैर,” उसने रूखेपन से कहा, “अगर आपको सचमुच नहीं पता, तो यह बताना मेरा काम नहीं है। लेकिन अगर आप एक पल के लिए इस मामले पर ध्यान दें और अपने केस फाइल को ध्यान से पढ़ें—”
"क्या रास्ते में मिलने वाली किसी भी आकस्मिक कविता से आप विचलित नहीं होंगे?"
“निराशाजनक व्यक्तिगत बातों से बेपरवाह,” वह लगभग क्रोध से भड़क उठा। “नहीं; तुम बिल्कुल सही हो। वह मूर्खता थी। अपनी ही शान में खड़े रहने की मेरी प्रतिभा प्रतिभा के बराबर है, है ना? लेकिन जब तुम इस सब पर किसी निष्कर्ष पर पहुँच जाओ, तो याद रखना कि मैंने ही तुमसे निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने को कहा था और मैंने ही तुमसे कहा था कि दुनिया में जितने भी शैतान खुले घूम रहे हैं, उनमें से समर्पित प्रेम जैसा कोई शैतान नहीं है... मेरा मतलब जुनून से नहीं है। जुनून एक अच्छा, मूर्ख घोड़ा है जो रविवार को खुली छूट देने पर सप्ताह में छह दिन हल खींचेगा। लेकिन प्रेम एक बेचैन, अनाड़ी, हद से ज़्यादा हावी होने वाला जानवर है; अगर तुम उसे काबू में नहीं रख सकते, तो उससे कोई वास्ता न रखना ही बेहतर है।”
"यह तो बहुत ही उलटा-पुल्टा लग रहा है," हैरियट ने हल्के स्वर में कहा। लेकिन उसका अप्रत्याशित उत्साह पहले ही थम चुका था।
“मैं तो बस मसखरों की तरह सिर के बल चल रहा हूँ। अगर हम अभी श्रूस्बरी चले जाएँ, तो क्या आपको लगता है कि वार्डन मुझे देख पाएगा?”
बाद में उसी दिन, डॉ. बेरिंग ने हैरियट को बुलवाया।
“लॉर्ड पीटर विम्सी मुझसे मिलने आए थे,” उसने कहा, “एक अजीब प्रस्ताव लेकर, जिस पर थोड़ा विचार करने के बाद मैंने मना कर दिया। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें अपने मन में अपराधी की पहचान का लगभग पूरा यकीन है, लेकिन इस समय वे पूरी तरह से सबूत देने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके विचार से उस व्यक्ति को चेतावनी मिल गई है और अब से वह पकड़े जाने से बचने के लिए दोगुनी सावधानी बरतेगा। दरअसल, यह चेतावनी सत्र के अंत तक आगे की घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त हो सकती है; लेकिन जैसे ही हमारी सतर्कता कम होगी, समस्या शायद और भी हिंसक रूप में फिर से भड़क उठेगी। मैंने कहा कि यह बहुत ही असंतोषजनक होगा, और वे सहमत हो गए। उन्होंने पूछा कि क्या वे मुझे उस व्यक्ति

का नाम बता सकते हैं, ताकि उसकी गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी जा सके। मैंने कहा कि मुझे इसमें दो आपत्तियां हैं: पहली, कि वह व्यक्ति यह जान सकता है कि उस पर जासूसी की जा रही है और वह और भी सतर्क हो जाएगा, और दूसरी, कि अगर अपराधी की पहचान के बारे में उन्हें कोई गलतफहमी हुई, तो जिस व्यक्ति पर जासूसी की जा रही है, उसे सबसे असहनीय संदेहों का सामना करना पड़ेगा। मैंने कहा, मान लीजिए कि उत्पीड़न अचानक बंद हो जाए, और हम इस व्यक्ति पर संदेह करने लगें —जो शायद पूरी तरह निर्दोष हो—बिना किसी सबूत के। उन्होंने जवाब दिया कि ठीक यही आपत्तियां उनके मन में भी आई थीं। क्या आप उस व्यक्ति का नाम जानते हैं जिसका वे जिक्र कर रहे हैं? मिस वेन?

“नहीं,” हैरियट ने कहा, जो बीच में काफी सोच-विचार कर रही थी। “मुझे कुछ समझ में आ रहा है; लेकिन मैं इसे सही ढंग से समझा नहीं पा रही हूँ। असल में, मुझे इस पर विश्वास ही नहीं हो रहा है।”

“बहुत खूब। लॉर्ड पीटर ने तब एक बहुत ही उल्लेखनीय प्रस्ताव रखा। उन्होंने पूछा कि क्या मैं उन्हें इस व्यक्ति से निजी तौर पर पूछताछ करने की अनुमति दूंगा, इस उम्मीद में कि वह कुछ कबूल कर लेगी। उन्होंने कहा कि अगर यह चाल, जैसा कि उन्होंने इसे कहा, कामयाब हो जाती है, तो अपराधी मेरे सामने अपना जुर्म कबूल कर सकती है और उसे चुपचाप जाने दिया जा सकता है, या हम जो भी उचित समझें, उसका चिकित्सकीय उपचार किया जा सकता है। लेकिन, अगर यह चाल कामयाब नहीं होती और वह व्यक्ति सब कुछ नकार देता है, तो हम बहुत ही अप्रिय स्थिति में पड़ सकते हैं। मैंने जवाब दिया कि मैं यह बात अच्छी तरह समझता हूं और इस कॉलेज में किसी पर भी इस तरह के तरीके इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दे सकता। जिस पर उन्होंने कहा कि उन्हें मुझसे यही उम्मीद थी।

“फिर मैंने उनसे पूछा कि इस व्यक्ति के खिलाफ उनके पास क्या सबूत हैं, यदि कोई हैं तो। उन्होंने कहा कि उनके सभी सबूत परिस्थितिजन्य हैं; उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में उन्हें और सबूत मिल जाएंगे, लेकिन अगर कोई नया घटनाक्रम नहीं हुआ और अपराधी को रंगे हाथों नहीं पकड़ा गया, तो उन्हें संदेह है कि इस स्तर पर कोई प्रत्यक्ष सबूत पेश किया जा सकेगा। मैंने पूछा कि क्या कोई कारण है कि हम कम से कम अतिरिक्त सबूत पेश होने का इंतजार न करें।”

डॉ. बेरिंग रुक गए और उन्होंने हैरियट को ध्यान से देखा।

उन्होंने जवाब दिया कि इसका केवल एक ही कारण हो सकता है, और वह यह कि अपराधी सतर्क होने के बजाय, सारी सावधानी को दरकिनार कर हिंसा का सहारा ले सकती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे में, हम उसे पकड़ तो लेंगे, लेकिन किसी की मौत या गंभीर चोट की कीमत पर।' मैंने पूछा कि किन लोगों को जान से मारने या चोट पहुँचाने की धमकी दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे संभावित शिकार आप, मिस डी वाइन और एक अन्य व्यक्ति हैं, जिसका नाम वे नहीं बता सकते, लेकिन जिसके अस्तित्व का उन्होंने अनुमान लगाया है। उन्होंने मुझे यह कहकर भी चौंका दिया कि आप पर पहले ही एक असफल हमला किया जा चुका है। क्या यह सच है?

“मुझे इतनी सख्ती से नहीं बोलना चाहिए था,” हैरियट ने कहा। उसने संक्षेप में टेलीफोन कॉल की पूरी कहानी बताई। मिस हिलयार्ड का नाम सुनते ही वार्डन ने ऊपर देखा:

"क्या मैं यह समझूं कि आपको मिस हिलयार्ड पर पक्का संदेह है?"

“अगर मैंने ऐसा किया होता,” हैरियट ने सावधानी से कहा, “तो मैं ऐसा करने वाली अकेली नहीं होती। लेकिन मुझे यह कहना ही पड़ेगा कि जहाँ तक मुझे पता है, लॉर्ड पीटर की जाँच-पड़ताल की दिशा में वह बिल्कुल भी फिट नहीं बैठती।”

“यह सुनकर मुझे खुशी हुई,” डॉ. बेरिंग ने उत्तर दिया। “मुझे कुछ ऐसी बातें बताई गई हैं जिन्हें—सबूतों के अभाव में—मैं सुनने को बिल्कुल तैयार नहीं था।”

तो डॉ. बेरिंग एस.सी.आर. में चल रही भावनाओं से अवगत थे। मिस एलिसन और श्रीमती गुडविन ने शायद आपस में बात की होगी। अच्छा!

“अंत में,” वार्डन ने आगे कहा, “मैंने लॉर्ड पीटर को सूचित किया कि मुझे लगता है कि आगे के सबूतों का इंतजार करना बेहतर होगा। लेकिन यह निर्णय निश्चित रूप से आप और मिस डी वाइन की इसमें शामिल जोखिमों का सामना करने की तत्परता पर निर्भर करेगा। अज्ञात तीसरे पक्ष की तत्परता का पता लगाना स्वाभाविक रूप से संभव नहीं है।”

“मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं क्या जोखिम उठाती हूँ,” हैरियट ने कहा। “लेकिन मुझे लगता है कि मिस डी वाइन को चेतावनी देना जरूरी है।”

“मैंने भी यही कहा था,” लॉर्ड पीटर ने सहमति जताते हुए कहा।

तो, हैरियट ने सोचा, किसी बात ने उन्हें मिस डी वाइन को बरी करने का फैसला लेने पर मजबूर कर दिया है। मुझे खुशी है। कहीं यह उन्हें बेखबर करने की कोई शातिर चाल तो नहीं है।

"क्या आपने मिस डी वाइन से कुछ कहा है, वार्डन?"
“मिस डी वाइन शहर में हैं और कल शाम तक नहीं लौटेंगी। मैं उनसे तब बात करना चाहता हूँ।”
इसलिए इंतज़ार करने के अलावा कोई चारा नहीं था। इसी बीच, हैरियट ने सीनियर कॉमन रूम के माहौल में एक अजीब बदलाव महसूस किया। ऐसा लग रहा था मानो वे अपने आपसी अविश्वास और आम आशंकाओं को भूलकर, किसी दूसरे तरह के संघर्ष को देखने के लिए अखाड़े में बैठे दर्शकों की तरह इकट्ठा हो गए हों, जिसमें हैरियट भी मुख्य किरदारों में से एक थी। इस अजीब तनाव को डीन द्वारा कुछ चुनिंदा लोगों के सामने यह घोषणा करने से और भी मुश्किल से कम किया जा सका कि उनकी राय में, फ्लैक्समैन के प्रेमी ने उसे छोड़ दिया था और उसे यही मिलना चाहिए था; जिस पर मिस फ्लैक्समैन की ट्यूटर ने कड़वे लहजे में जवाब दिया कि काश लोग ग्रीष्मकालीन सत्र में इस तरह के उथल-पुथल न झेलते, लेकिन सौभाग्य से, मिस फ्लैक्समैन की अंतिम स्कूली परीक्षा अगले साल तक नहीं है। इससे हैरियट ने मिस शॉ से पूछा कि मिस न्यूलैंड कैसी हैं। ऐसा प्रतीत हुआ कि मिस न्यूलैंड अच्छा कर रही थीं, चेरवैल में डूबे रहने के सदमे से पूरी तरह उबर चुकी थीं, इसलिए प्रथम श्रेणी प्राप्त करने की उनकी संभावना काफी अच्छी लग रही थी।
“शानदार!” हैरियट ने कहा। “मैंने अपनी जीती हुई रकम पहले ही अलग रख दी है। वैसे, मिस हिलयार्ड, हमारा युवा मित्र कैटरमोल कैसा है?”
उन्हें ऐसा लगा मानो कमरा बेसब्री से जवाब का इंतज़ार कर रहा हो। मिस हिलयार्ड ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि मिस कैटरमोल ने अपनी पुरानी तंदुरुस्ती फिर से हासिल कर ली है, और उनकी समझ से इसका श्रेय मिस वेन की अच्छी सलाह को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि हैरियट का अपनी तमाम व्यस्तताओं के बीच इतिहास के छात्रों में दिलचस्पी लेना बहुत ही सराहनीय है। हैरियट ने कुछ अस्पष्ट सा जवाब दिया और उन्हें लगा मानो कमरे ने चैन की सांस ली हो।
दिन में बाद में, हैरियट डीन के साथ नदी में एक छोटी नाव लेकर गई और उसे आश्चर्य हुआ जब उसने मिस कैटरमोल और मिस्टर पोम्फ्रे को एक ही नाव में देखा। उसे मिस्टर पोम्फ्रे का "पश्चाताप पत्र" मिल चुका था, और नावों के गुजरते समय उसने शांति बहाल होने के संकेत के रूप में खुशी से हाथ हिलाया। अगर उसे पता होता कि मिस्टर पोम्फ्रे और मिस कैटरमोल के बीच उसके प्रति प्रेम के कारण सहानुभूति का बंधन बन गया है, तो वह सोच सकती थी कि उन ठुकराए हुए प्रेमियों का क्या हाल होता होगा जो

अपनी परेशानियाँ सुनने वाले किसी व्यक्ति को बताते हैं; लेकिन यह विचार उसके मन में नहीं आया, क्योंकि वह सोच रही थी कि उस सुबह मिट्रे में वास्तव में क्या हुआ था; और उसके विचार बॉटनिकल गार्डन की ओर भटक गए थे, इससे पहले कि डीन ने कुछ तीखे शब्दों में बताया कि वह बहुत ही अनियमित और धीमी गति से चप्पू चला रही थी।

यह मिस शॉ ही थीं जिन्होंने अनजाने में इस विवाद को जन्म दिया।

“यह स्कार्फ बहुत ही खूबसूरत है,” उसने मिस हिलयार्ड से कहा। प्रोफेसर हमेशा की तरह हॉल के लिए एस.सी.आर. के बाहर इकट्ठा हो रहे थे; लेकिन शाम धुंधली और ठंडी थी और ऐसे में रेशम का मोटा स्कार्फ शाम की पोशाक के साथ बहुत अच्छा लग रहा था।

“जी हां,” मिस हिलयार्ड ने कहा। “दुर्भाग्य से यह मेरा नहीं है। किसी लापरवाह व्यक्ति ने इसे कल रात फेलो गार्डन में छोड़ दिया था और मैंने इसे उठा लिया। मैं इसे पहचान के लिए साथ लाई थी—लेकिन मैं यह स्वीकार करने को तैयार हूं कि आज शाम मुझे इसकी जरूरत पड़ सकती है।”

“मुझे नहीं पता ये किसका हो सकता है,” मिस लिडगेट ने कहा। उन्होंने उसे प्रशंसा से छूते हुए कहा, “ये तो किसी पुरुष के स्कार्फ जैसा दिखता है।” हैरियट, जो ज्यादा ध्यान नहीं दे रही थी, पश्चाताप से मुड़ गई।

“हे भगवान!” उसने कहा, “यह तो मेरा है। कम से कम, पीटर का तो है। मुझे याद ही नहीं आ रहा था कि मैंने इसे कहाँ रख दिया था।” दरअसल, यह वही स्कार्फ था जिसका इस्तेमाल शुक्रवार को गला घोंटने के प्रदर्शन के लिए किया गया था, और शतरंज के मोहरों और कुत्ते के पट्टे के साथ गलती से श्रूस्बरी वापस आ गया था। मिस हिलयार्ड का चेहरा शर्म से लाल हो गया और उन्होंने उसे ऐसे झटक कर उतार दिया जैसे वह उनका गला घोंट रहा हो।

"माफ़ कीजिए, मिस वेन," उसने इसे आगे बढ़ाते हुए कहा।

कोई बात नहीं। मुझे अभी इसकी ज़रूरत नहीं है। लेकिन मुझे यह जानकर खुशी हुई कि यह कहाँ है। अगर यह खो जाता तो मैं मुसीबत में पड़ जाता।

"क्या आप कृपया अपनी संपत्ति ले जाएंगी?" मिस हिलयार्ड ने कहा।

हैरियट, जिसने पहले से ही अपना स्कार्फ पहन रखा था, ने कहा:

“धन्यवाद। लेकिन क्या आप वाकई ऐसा नहीं करेंगे?”

"मैं ऐसा नहीं करूंगी," मिस हिलयार्ड ने गुस्से में स्कार्फ को सीढ़ियों पर पटकते हुए कहा।
“अरे बाप रे!” डीन ने उसे उठाते हुए कहा। “लगता है किसी को यह सुंदर स्कार्फ चाहिए ही नहीं। मैं इसे उधार ले लूँगा। आज शाम बहुत ही खराब और ठंडी है, और मुझे समझ नहीं आ रहा कि हम सब अंदर क्यों नहीं जा सकते।”
उसने आराम से अपने गले में स्कार्फ लपेट लिया और, उसी क्षण वार्डन के आने से, वे रात के खाने के लिए अंदर चले गए।
पौने दस बजे, हैरियट ने मिस लिडगेट के साथ अपने प्रूफ पर लगभग एक घंटा बिताने के बाद—जो अब वास्तव में प्रिंटिंग प्रेस के लिए भेजे जाने के करीब थे—ओल्ड क्वाड को पार करके ट्यूडर बिल्डिंग की ओर प्रस्थान किया। बाहर निकलते ही सीढ़ियों पर उसकी मुलाकात मिस हिलयार्ड से हुई।
"क्या तुम मुझे ढूंढ रहे थे?" हैरियट ने थोड़ी आक्रामक लहजे में पूछा।
“नहीं,” मिस हिलयार्ड ने कहा, “मैं नहीं थी। बिलकुल नहीं।” उन्होंने जल्दी-जल्दी बात की, और हैरियट को लगा कि उनकी आँखों में कुछ छिपा हुआ और द्वेषपूर्ण भाव था; लेकिन मई के मध्य में शाम काफी अंधेरी थी, इसलिए वह निश्चित नहीं हो सकीं।
“ओह!” हैरियट ने कहा। “मुझे लगा था कि आप ही होंगे।”
“खैर, मैं नहीं थी,” मिस हिलयार्ड ने फिर कहा। और जब हैरियट उनके पास से गुजरी तो वह पीछे मुड़ी और लगभग जबरदस्ती मुंह से निकली बातों से बोलीं: “अपने खूबसूरत शतरंज के मोहरों की प्रेरणा से काम पर जा रही हो?”
"लगभग," हैरियट ने हंसते हुए कहा।
"मुझे उम्मीद है कि आपकी शाम सुखद रहेगी," मिस हिलयार्ड ने कहा।
हैरियट ऊपर गई और अपने कमरे का दरवाजा खोला।
कांच का केस चकनाचूर हो गया था, और फर्श पर टूटे हुए कांच के टुकड़े और लाल और सफेद हाथीदांत के कुचले और रौंदे हुए टुकड़े बिखरे पड़े थे।
लगभग पाँच मिनट तक, हैरियट उस तरह के मूक क्रोध की शिकार रही, जिसे व्यक्त करना या नियंत्रित करना असंभव था। अगर वह सोच पाती, तो उस क्षण उसका मन भूत और उसके सभी कृत्यों के प्रति सहानुभूति जताने का कर रहा था। अगर वह किसी को पीट या गला घोंट सकती, तो वह ऐसा कर देती और उसे अच्छा लगता। सौभाग्य से, पहले विनाशकारी क्रोध के बाद, उसे अपशब्दों से राहत मिली। जब उसने

पाया कि वह अपनी आवाज़ को स्थिर रख सकती है, तो उसने अपने शयनकक्ष का दरवाजा बंद कर लिया और टेलीफोन के पास चली गई।
फिर भी, शुरू में उसकी बातें इतनी अस्पष्ट थीं कि पीटर को उसकी बात समझ में ही नहीं आई। जब उसे समझ में आया, तो उसने बड़े ही शांत भाव से पूछा कि क्या उसने किसी चीज को छुआ है या किसी को बताया है। जब उसे यकीन हो गया कि उसने ऐसा नहीं किया है, तो उसने खुशी-खुशी जवाब दिया कि वह कुछ ही मिनटों में आ जाएगा।
हैरियट बाहर निकली और न्यू क्वाड में तब तक बेकाबू होकर इधर-उधर भटकती रही जब तक उसे उसकी घंटी सुनाई नहीं दी—क्योंकि गेट अभी-अभी बंद हुए थे—और आत्मसंयम का बस आखिरी अंश ही उसे उस पर झपटने और पैजेट के सामने अपना सारा गुस्सा निकालने से रोक पाया। लेकिन वह क्वाड के बीच में उसका इंतज़ार करती रही।
“पीटर—ओह पीटर!”
“खैर,” उन्होंने कहा, “यह तो काफी उत्साहजनक है। मुझे डर था कि कहीं हमने इन प्रदर्शनों को पूरी तरह से खत्म न कर दिया हो।”
"लेकिन मेरे मोहरे! मैं इसके लिए उसे जान से मार सकती हूँ।"
“मेरे प्रिय, यह बहुत दुखद है कि तुम्हारे मोहरे निकले। लेकिन हमें स्थिति को गंभीरता से लेना चाहिए। हो सकता है कि तुम्हारे साथ भी ऐसा हुआ हो।”
"काश ऐसा होता। मैं पलटवार कर सकता था।"
“टर्मगैंट। चलो जाकर नुकसान का जायजा लेते हैं।”
“यह भयानक है, पीटर। यह एक नरसंहार जैसा है। यह—यह किसी तरह से काफी डरावना है—उन पर बहुत बुरी तरह से हमला हुआ है।”
जब विम्सी ने कमरा देखा, तो उसका चेहरा काफी गंभीर हो गया।
“हाँ,” उसने मलबे के बीच घुटने टेकते हुए कहा। “अंधाधुंध, क्रूर द्वेष। न केवल टूटा हुआ, बल्कि चूर-चूर। यहाँ लोहे की छड़ के साथ-साथ किसी ने भी वार किया है; कालीन पर निशान दिख रहे हैं। वह तुमसे नफरत करती है, हैरियट। मुझे इसका एहसास नहीं था। मुझे लगा था कि वह सिर्फ तुमसे डरती है... क्या शाऊल के वंश का कोई बचा है?... देखो, एक बेचारा योद्धा कोयले की बाल्टी के पीछे छिपा है—एक शक्तिशाली सेना का अवशेष।”
उसने मुस्कुराते हुए इकलौते लाल मोहरे को ऊपर उठाया; और फिर जल्दी से अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

“मेरी प्यारी बच्ची, इसके बारे में रोओ मत। इससे क्या फर्क पड़ता है?”
"मुझे वे बहुत पसंद थे," हैरियट ने कहा, "और आपने ही मुझे वे दिए थे।"
उसने सिर हिलाया। “यह बहुत दुख की बात है कि मामला उल्टा है। ‘तुमने मुझे ये दिए और मैंने इन्हें प्यार किया’ कहना तो ठीक है, लेकिन ‘मैंने इन्हें प्यार किया और तुमने मुझे ये दिए’ कहना तो नामुमकिन है। पचास हज़ार रोक्स के अंडे भी इनकी जगह नहीं ले सकते। ‘वर्जिन चली गई और मैं भी चला गया; वो चली गई, वो चली गई और मैं क्या करूँ?’ लेकिन तुम्हें दराजों के सामने रोने की ज़रूरत नहीं है, जब तक मैं तुम्हारे लिए मौजूद हूँ, क्या तुम्हें ज़रूरत है?”
मुझे माफ करना। मैं बिलकुल बेवकूफ बन रहा हूँ।
मैंने तुमसे कहा था कि प्यार शैतान है। बत्तीस शतरंज के मोहरे, एक पाई में पके हुए। ‘और इस दुनिया के सभी शक्तिशाली राजा और सभी सुंदर रानियाँ फूलों के बिस्तर के समान थीं’..."
"शायद मुझमें इतनी तो शालीनता होती कि मैं उनकी देखभाल कर लेता।"
“ये तो बेवकूफी है,” उसने अपने मुंह को उसके बालों में छिपाते हुए कहा। “इतनी धीमी आवाज़ में बात मत करो, वरना मैं भी बेवकूफी करने लगूंगा। सुनो। ये सब कब हुआ?”
हॉल और पौने दस बजे के बीच।
“क्या हॉल में कोई अनुपस्थित था? क्योंकि इससे ज़रूर कुछ शोर हुआ होगा। हॉल के बाद, छात्र आसपास होते हैं, जो कांच टूटने की आवाज़ सुन सकते हैं या किसी असामान्य व्यक्ति के घूमने पर ध्यान दे सकते हैं।”
“हो सकता है कि पूरे हॉल में छात्र हों—उनके कमरों में अक्सर अंडे होते हैं। और—हे भगवान!—वहाँ कोई असामान्य व्यक्ति भी था—उसने शतरंज के मोहरों के बारे में भी कुछ कहा। और कल रात वह उनके बारे में अजीब व्यवहार कर रही थी।”
“वह कौन था?”
"मिस हिलयार्ड।"
"दोबारा!"
जब हैरियट अपनी कहानी सुना रही थी, तब वह बेचैनी से कमरे में इधर-उधर घूम रहा था, फर्श पर बिखरे टूटे कांच और हाथीदांत से बिल्ली की तरह फुर्ती से बचता हुआ, और काफी देर तक खिड़की पर उसकी ओर पीठ करके खड़ा रहा। जब वह उसे

ऊपर लाई थी, तब उसने पर्दे खींच दिए थे, और उसकी निगाहें मानो किसी और ही चीज़ में खोई हुई थीं।
“अरे बाप रे!” उसने थोड़ी देर बाद कहा। “ये तो बहुत बड़ी पेचीदगी है।” उसके हाथ में अभी भी लाल मोहरा था, और अब वो वापस आया और उसे बड़ी सावधानी से शेल्फ के बीचोंबीच रख दिया। “जी हाँ। खैर, मुझे लगता है कि आपको खुद ही पता लगाना होगा—”
किसी ने दरवाजे पर दस्तक दी और हैरियट दरवाजा खोलने गई।
"क्षमा कीजिए महोदया, लेकिन पैजेट ने सीनियर कॉमन रूम में यह पता लगाने के लिए संदेश भेजा था कि क्या लॉर्ड पीटर विम्सी वहां मौजूद हैं, और यह देखकर उन्हें लगा कि शायद आपको पता हो—"
“वह यहाँ है, एनी। यह तुम्हारे लिए है, पीटर।”
“जी?” पीटर ने दरवाजे पर आते हुए कहा।
"कृपया महोदय, मिट्रे से फोन आया है कि विदेश कार्यालय से एक संदेश आया है और क्या आप कृपया तुरंत फोन कर सकते हैं।"
“क्या? हे भगवान! ऐसा तो हो ही सकता था! बहुत खूब, धन्यवाद, एनी। अरे, एक पल रुकिए। क्या आपने ही उस—उह—उस व्यक्ति को देखा था जो लेक्चर रूम में शरारत कर रहा था?”
"जी जनाब। मैं उसे दोबारा नहीं जानना चाहता, जनाब।"
“नहीं; लेकिन आपने उसे देखा तो था, और शायद उसे पता न हो कि आप उसे पहचान नहीं पाए। मुझे लगता है कि अगर मैं आपकी जगह होता तो अंधेरा होने के बाद कॉलेज में घूमते समय थोड़ा सावधान रहता। मैं आपको डराना नहीं चाहता, लेकिन आपने देखा ही होगा कि मिस वेन के शतरंज के मोहरों का क्या हाल हुआ है?”
“जी हां, मैं समझ गया, महोदय। कितना अफसोस की बात है, है ना?”
“अगर आपके साथ कुछ भी अप्रिय घटित हो जाए तो यह बहुत ही दुखद होगा। अब, घबराइए मत—लेकिन अगर मैं आपकी जगह होता, तो सूर्यास्त के बाद बाहर जाते समय अपने साथ किसी को ले जाता। और मैं आपके साथ मौजूद स्काउट को भी यही सलाह देता।”
“कैरी को? ठीक है, मैं उसे बता दूंगी।”
“ये तो बस एहतियात के तौर पर है। शुभ रात्रि, एनी।”
शुभ रात्रि महोदय। धन्यवाद।

“मुझे कुत्तों के पट्टे का खास ध्यान रखना होगा,” पीटर ने कहा। “पता नहीं लोगों को चेतावनी देनी चाहिए या नहीं। कुछ लोग तो घबरा जाते हैं, लेकिन वह तो काफी शांत दिखती है। देखो, मेरी प्यारी, यह सब बहुत थकाने वाला है। अगर रोम से फिर बुलावा आया है, तो मुझे जाना ही पड़ेगा। (मुझे वह दरवाजा बंद कर देना चाहिए।) कर्तव्य पुकारता है तो मजबूरी में आना ही पड़ता है। अगर रोम से बुलावा आया है, तो मैं बंटर को कहूंगा कि वह मिट्रे में मेरे पास जितने भी नोट हैं, सब ले आए और मिस क्लिम्पसन के जासूसों को निर्देश दूंगा कि वे सीधे तुम्हें रिपोर्ट करें। खैर, जैसे ही मुझे पता चलेगा, मैं आज शाम तुम्हें फोन करूंगा। अगर रोम से नहीं आया है, तो मैं सुबह फिर आऊंगा। और इस बीच, किसी को भी अपने कमरे में मत आने देना। मुझे लगता है कि मैं आज रात कमरा बंद करके कहीं और सोऊंगा।”

मुझे लगा था कि आपको रात में और अधिक अशांति की उम्मीद नहीं थी।

“नहीं, मैं नहीं चाहता; लेकिन मैं नहीं चाहता कि लोग उस फर्श पर चलें।” वह सीढ़ियों पर रुककर अपने जूतों के तलवों को देखने लगा। “मैंने कोई टुकड़ा नहीं चुराया है। क्या आपको लगता है कि आपने चुराया है?”

हैरियट पहले एक पैर पर खड़ी हुई और फिर दूसरे पैर पर।

“इस बार नहीं। और पहली बार तो मैं उस गड़बड़ में बिल्कुल भी नहीं गया था। मैं दरवाजे पर खड़ा रहा और गालियां दीं।”

“शाबाश बच्ची। तुम्हें पता है, मैदान के रास्ते थोड़े गीले हैं, और शायद कुछ चिपक गया हो। असल में, अभी हल्की बारिश हो रही है। तुम भीग जाओगी।”

कोई बात नहीं। अरे पीटर! मेरे पास तुम्हारा वो सफेद स्कार्फ है।

“इसे संभाल कर रखना, जब तक मैं वापस न आ जाऊं—जो कल होगा, अगर किस्मत अच्छी रही तो, वरना पता नहीं कब। धिक्कार है! मुझे पता था कि मुसीबत आने वाली है।” वह बीच के पेड़ों के नीचे स्थिर खड़ा रहा। “हैरियट, मेरी पीठ पीछे ही खुद को बर्बाद करने का जोखिम मत उठाना—अगर हो सके तो; मेरा मतलब है, तुम कीमती सामान की रखवाली करने में अच्छी नहीं हो।”

“क्या मुझमें थोड़ी सी भी समझदारी होगी? ठीक है, पीटर। इस बार मैं पूरी कोशिश करूंगा। वचन की कसम।”

उसने उसे अपना हाथ दिया और उसने उसे चूमा। एक बार फिर हैरियट को लगा कि उसने अंधेरे में किसी को हिलते हुए देखा है, जैसा कि पिछली बार हुआ था जब वे छायादार चौक से गुज़रे थे। लेकिन वह उसे रोकना नहीं चाहती थी, इसलिए उसने फिर

कुछ नहीं कहा। पैजेट ने उसे फाटक से बाहर जाने दिया और हैरियट, मुड़कर, खुद को मिस हिलयार्ड के सामने पाया।
"मिस वेन, मैं आपसे बात करना चाहूंगी।"
“ज़रूर,” हैरियट ने कहा। “मैं आपसे बात करना चाहूँगी।” मिस हिलयार्ड बिना कुछ कहे अपने कमरे की ओर चल पड़ीं। हैरियट उनके पीछे सीढ़ियों से चढ़कर बैठक में गई। उनके पीछे दरवाजा बंद करते हुए ट्यूटर का चेहरा पीला पड़ गया था और उन्होंने हैरियट को बैठने के लिए कहे बिना कहा:
"मिस वेन, उस आदमी और आपके बीच क्या संबंध हैं?"
"तुम्हारा इससे क्या मतलब है?"
“आप अच्छी तरह जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है। अगर कोई और आपके व्यवहार के बारे में आपसे बात नहीं करेगा, तो मुझे ही करना होगा। आप उस आदमी को यहाँ लाए हैं, यह जानते हुए कि उसकी प्रतिष्ठा कैसी है—”
मुझे पता है कि एक जासूस के रूप में उनकी क्या प्रतिष्ठा है।
“मेरा मतलब है उसकी नैतिक प्रतिष्ठा। आप भी मेरी तरह जानते हैं कि वह पूरे यूरोप में बदनाम है। वह दर्जनों महिलाओं को अपने पास रखता है—”
“क्या सब एक साथ होगा या एक-एक करके?”
“बेशर्मी दिखाने का कोई फायदा नहीं है। मुझे लगता है कि आपके अतीत को देखते हुए, इस तरह की बातें आपके लिए महज मनोरंजक होंगी। लेकिन आपको थोड़ा और शालीन व्यवहार करना चाहिए। जिस तरह से आप उसे देखती हैं, वह शर्मनाक है। आप दिखावा करती हैं कि आप उसकी सिर्फ एक परिचित हैं और सार्वजनिक रूप से उसे उसके पदनाम से और निजी तौर पर उसके नाम से पुकारती हैं। आप उसे रात में अपने कमरे में ले जाती हैं—”
"सचमुच, मिस हिलयार्ड, मैं इसकी अनुमति नहीं दे सकता—"
मैंने तुम्हें देखा है। दो बार। वह आज रात वहीं था। तुमने उसे अपने हाथों को चूमने दिया और तुमसे प्रेम करने दिया—”
"तो तुम ही थे, बीच के पेड़ों के नीचे ताक-झांक कर रहे थे।"
"तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ऐसे शब्द का इस्तेमाल करने की?"
“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ऐसी बात कहने की?”
“ब्लूम्सबरी में आप कैसा व्यवहार करते हैं, इससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन अगर आप अपने प्रेमियों को यहाँ लाते हैं—”

“तुम अच्छी तरह जानती हो कि वह मेरा प्रेमी नहीं है। और तुम यह भी अच्छी तरह जानती हो कि वह आज रात मेरे कमरे में क्यों आया।”
मैं अनुमान लगा सकता हूँ।
और मैं अच्छी तरह जानता हूं कि आप वहां क्यों आए थे।
“मैं वहां आया था? मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपका क्या मतलब है।”
“हाँ, तुम्हें पता है। और तुम यह भी जानते हो कि वह मेरे कमरे में तुम्हारे द्वारा किए गए नुकसान को देखने आया था।”
मैं कभी तुम्हारे कमरे में नहीं गया।
"तुम मेरे कमरे में घुसकर मेरे मोहरों को तोड़ तो नहीं दिया?"
मिस हिलयार्ड की गहरी आंखों में एक झिलमिलाहट आई।
“बिल्कुल नहीं। मैंने आपको बताया था कि मैं आज रात आपके कमरे के आसपास कहीं नहीं था।”
“तो फिर,” हैरियट ने कहा, “तुमने झूठ बोला।”
वह इतनी गुस्से में थी कि डरने की कोई गुंजाइश नहीं थी, हालांकि उसके मन में यह ख्याल जरूर आया कि अगर वह गुस्से से सफेद चेहरे वाली औरत उस पर हमला कर दे, तो इस सुनसान सीढ़ी पर मदद मांगना मुश्किल हो सकता है, और उसे कुत्ते के पट्टे की याद आ गई। "मुझे पता है यह झूठ है," हैरियट ने कहा, "क्योंकि तुम्हारी लिखने की मेज के नीचे कालीन पर हाथी दांत का एक टूटा हुआ टुकड़ा पड़ा है और दूसरा तुम्हारे दाहिने जूते के तलवे पर चिपका हुआ है। मैंने उसे ऊपर आते हुए देखा था।"
इसके बाद वह किसी भी स्थिति के लिए तैयार थी, लेकिन उसे आश्चर्य हुआ जब मिस हिलयार्ड थोड़ा लड़खड़ा गईं, अचानक बैठ गईं और बोलीं, "हे भगवान!"
"अगर आपका उन शतरंज के मोहरों को तोड़ने में या इस कॉलेज में की गई अन्य शरारतों में कोई हाथ नहीं था," हैरियट ने आगे कहा, "तो आपको उन हाथीदांत के टुकड़ों के बारे में स्पष्टीकरण देना होगा।"
(क्या मैं मूर्ख हूँ, उसने सोचा, इस तरह अपना राज़ खोलकर? लेकिन अगर मैंने ऐसा नहीं किया, तो सबूतों का क्या होगा?)
मिस हिलयार्ड ने अचंभित होकर अपनी चप्पल उतारी और एड़ी से चिपके हुए सफेद रंग के उस छोटे से टुकड़े को देखा, जो गीली बजरी के एक छोटे से हिस्से में धंसा हुआ था।
"मुझे दे दो," हैरियट ने कहा और चप्पल समेत ले ली।

उन्हें इनकार की जोरदार प्रतिक्रिया की उम्मीद थी, लेकिन मिस हिलयार्ड ने धीमी आवाज में कहा: "यह सबूत है... अकाट्य...."
हैरियट ने गंभीर हंसी के साथ ईश्वर को इस विद्वतापूर्ण पोशाक के लिए धन्यवाद दिया; कम से कम, अब इस बात पर बहस नहीं करनी पड़ती थी कि क्या सबूत है और क्या नहीं। "मैं तुम्हारे कमरे में गई थी। मैं तुम्हें वही कहने गई थी जो मैंने अभी कहा। लेकिन तुम वहाँ नहीं थे। और जब मैंने फर्श पर फैली गंदगी देखी तो मैंने सोचा—मुझे डर था कि तुम सोचोगे—"
मैंने ऐसा सोचा था।
"उसने क्या सोचा?"
"लॉर्ड पीटर? मुझे नहीं पता उन्होंने क्या सोचा होगा। लेकिन अब शायद वे कुछ सोचेंगे।"
"आपके पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मैंने यह किया," मिस हिलयार्ड ने अचानक जोश में आकर कहा। "सिर्फ इतना सबूत है कि मैं कमरे में थी। जब मैं वहाँ पहुँची, तब तक यह सब हो चुका था। मैंने इसे देखा, मैं इसे देखने गई थी। आप अपने प्रेमी को बता सकती हैं कि मैंने इसे देखा और मुझे देखकर खुशी हुई। लेकिन वह आपसे कहेगा कि इससे यह साबित नहीं होता कि मैंने यह किया है।"
"देखिए, मिस हिलयार्ड," हैरियट ने क्रोध, संदेह और एक भयानक दया भाव से भरी आवाज़ में कहा, "आपको एक बार और हमेशा के लिए यह समझना होगा कि वह मेरा प्रेमी नहीं है। क्या आप सचमुच सोचती हैं कि अगर वह होता, तो हम—" यहाँ उसका हास्यास्पद भाव उस पर हावी हो गया और उसकी आवाज़ पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो गया—"हम श्रूस्बरी में आकर इतना बुरा बर्ताव करते? भले ही मुझे कॉलेज के लिए कोई सम्मान न हो—इसका क्या मतलब होता? जब हमारे पास पूरी दुनिया और सारा समय है, तो हम यहाँ आकर मूर्खता क्यों करते? यह बेवकूफी होती। और अगर आप अभी सचमुच उस चौक में होतीं, तो आपको पता होता कि प्रेमी एक-दूसरे के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते। कम से कम," उसने कुछ कठोर लहजे में कहा, "अगर आपको इसके बारे में कुछ भी पता होता, तो आपको यह पता होता। हम बहुत पुराने दोस्त हैं, और मैं उसकी बहुत ऋणी हूँ—"
"बकवास मत करो," शिक्षक ने कठोर स्वर में कहा। "तुम जानती हो कि तुम उस आदमी से प्यार करती हो।"

"भगवान की कसम!" हैरियट ने अचानक ज्ञान प्राप्त करते हुए कहा, "अगर मैं नहीं हूँ, तो मुझे पता है कि कौन है।"
आपको ऐसा कहने का कोई अधिकार नहीं है!
“यह सच है,” हैरियट ने कहा। “ओह, धिक्कार है! मुझे लगता है कि मेरा यह कहना बेकार है कि मुझे बहुत अफ़सोस है।” (बारूद की फैक्ट्री में डायनामाइट? जी हाँ, मिस एडवर्ड्स, आपने इसे सबसे पहले देखा। जैविक रूप से दिलचस्प!) “इस तरह की चीज़ें तो शैतान जैसी होती हैं।”
(“ये तो बहुत बड़ी पेचीदगी है,” पीटर ने कहा था। उसने ये सब देखा था, ज़ाहिर है। ज़रूर देखा होगा। इतना अनुभव तो था ही कि न देख पाए। यूरोप भर में शायद दर्जनों बार—कई महिलाओं के साथ—ऐसा हुआ होगा। हे भगवान! हे भगवान! और क्या ये आरोप यूँ ही लगाया गया था, या मिस हिलयार्ड अतीत में झाँककर वियना की गायिकाओं के बारे में पता लगा रही थीं?)
“भगवान के लिए,” मिस हिलयार्ड ने कहा, “चले जाओ!”
"मुझे लगता है कि मुझे ऐसा करना चाहिए," हैरियट ने कहा।
उसे समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति से कैसे निपटा जाए। अब वह आक्रोश या क्रोध महसूस नहीं कर पा रही थी। वह घबराई नहीं थी। उसे जलन भी नहीं हो रही थी। वह बस दुखी थी, और ऐसी कोई सहानुभूति व्यक्त करने में असमर्थ थी जो अपमान न हो। उसे एहसास हुआ कि वह अभी भी मिस हिलयार्ड की चप्पल पकड़े हुए है। क्या उसे इसे वापस कर देना चाहिए? यह किसी बात का सबूत था। लेकिन किस बात का? भूत-प्रेत का सारा मामला मानो क्षितिज के पार चला गया था, अपने पीछे एक पीड़ित महिला का खोखला शरीर छोड़ गया था जो बिजली की तेज रोशनी में खालीपन में अंधाधुंध घूर रही थी। हैरियट ने लेखन मेज के नीचे से हाथीदांत का दूसरा टुकड़ा उठाया—लाल मोहरे का छोटा सा भाले का सिरा।
खैर, किसी की भी निजी भावनाएँ कुछ भी हों, सबूत तो सबूत ही होता है। पीटर—उसे याद आया कि पीटर ने कहा था कि वह मिट्रे से फोन करेगा। वह चप्पल हाथ में लिए नीचे गई और न्यू क्राउन में उसकी मुलाकात श्रीमती पैजेट से हुई, जो उसी की तलाश में आ रही थीं।
कॉल को क्वीन एलिजाबेथ स्थित बॉक्स में ट्रांसफर कर दिया गया।
“आखिरकार, ये इतना बुरा भी नहीं है,” पीटर की आवाज़ सुनाई दी। “बस इतना ही है कि ग्रैंड पंजंद्रम अपने निजी घर में एक सम्मेलन बुलाना चाहते हैं। बिल्कुल जंगली

वारविकशायर में सुहावनी रविवार दोपहर जैसा। इसके बाद शायद लंदन या रोम जाना पड़े, लेकिन हम यही उम्मीद करते हैं। खैर, अगर मैं साढ़े ग्यारह बजे तक वहाँ पहुँच जाऊँ तो ठीक है, तो मैं नौ बजे के आसपास आपसे मिलने आ जाऊँगा।"
"ज़रूर बताइए। कुछ हुआ है। चिंताजनक तो नहीं, लेकिन परेशान करने वाला है। मैं आपको फ़ोन पर नहीं बता सकती।"
उसने दोबारा आने का वादा किया और शुभ रात्रि कहा। हैरियट ने चप्पल और हाथीदांत के टुकड़े को सावधानीपूर्वक ताला लगाकर सुरक्षित रख दिया और कोषाध्यक्ष के पास गई, जहाँ से उसे अस्पताल में एक बिस्तर मिल गया।

## अध्याय 21

इस प्रकार वह शाम तक वहीं प्रतीक्षा करती रही, फिर भी उसे कोई जीवित प्राणी दिखाई नहीं दिया। और अब उदास परछाइयों ने दुनिया को नश्वर दृष्टि से छिपाना शुरू कर दिया, और उसे भयानक अंधकार में लपेट लिया; फिर भी वह अपने थके हुए हथियार नहीं उतार सकी, क्योंकि उसे गुप्त खतरे का डर था, और न ही नींद को उसकी भारी आँखों पर प्रकृति के भारी बोझ को दबाने दिया, बल्कि उसने खुद को बीमारी में एक तरफ कर लिया, और अपने सुस्पष्ट हथियारों को अपने वस्त्रों में लपेट लिया।

—एडमंड स्पेंसर

हैरियट ने लॉज में यह संदेश छोड़ा था कि वह फेलो गार्डन में लॉर्ड पीटर विम्सी का इंतजार करेगी। उसने सुबह जल्दी नाश्ता कर लिया था, जिससे वह मिस हिलयार्ड से बच गई, जो पैजेट से बात करते हुए एक गुस्सैल परछाई की तरह न्यू क्वाड से गुजरी।
पीटर से उसकी पहली मुलाकात उस समय हुई थी जब परिस्थितियों की क्रूरता ने उसके सारे शारीरिक अहसास को चकनाचूर कर दिया था; इस संयोग से वह शुरू से ही उसे एक शरीर में समाहित मन और आत्मा के रूप में जानती थी। नदी पर उन बाद के मोहक पलों में भी उसने उसे कभी मुख्य रूप से एक पुरुष प्राणी के रूप में नहीं देखा था, न ही उसकी नकाबपोश आँखों, लंबे, लचीले मुँह और अनोखे जीवंत हाथों में छिपी संभावना का आकलन किया था। और चूंकि उसने उससे हमेशा पूछा था, कभी कुछ माँगा नहीं था, इसलिए उसने उसमें बौद्धिक प्रभुत्व के अलावा कोई और प्रभुत्व महसूस नहीं किया था। लेकिन अब, जैसे ही वह फूलों से सजे रास्ते पर उसकी ओर बढ़ा, उसने उसे नई आँखों से देखा - उन महिलाओं की आँखों से जिन्होंने उसे जानने

से पहले देखा था - उसे गतिशील रूप से देखा। मिस हिलयार्ड, मिस एडवर्ड्स, मिस डी वाइन, यहाँ तक कि डीन ने भी, हर किसी ने अपने-अपने तरीके से एक ही बात पहचानी थी: छह शताब्दियों का अधिकार भाव, जो शिष्टता के बंधन में जकड़ा हुआ था। उसने स्वयं, भतीजे में इसे धृष्ट और अनियंत्रित देखकर, तुरंत ही समझ लिया था कि यह क्या है; उसे इस बात पर आश्चर्य हुआ कि इतने लंबे समय तक वह उस वृद्ध व्यक्ति के प्रति इस बात से अनजान कैसे रही और अब भी इसके प्रति उसका इतना मजबूत बचाव कैसे बना हुआ है। और उसने सोचा कि क्या यह महज़ एक संयोग था जिसने उसकी आँखें तब तक बंद रखीं जब तक कि सच्चाई का पता चलने और तबाही आने में बहुत देर हो चुकी थी।

वह वहीं बैठी रही जब तक कि वह खड़ा होकर उसे नीचे नहीं देखने लगा।

“तो?” उसने हल्के से कहा, “मेरी मालकिन कैसी हैं? क्या हाल है, प्यारी?... हाँ, कुछ हुआ है; मुझे दिख रहा है। क्या बात है, मालकिन?” हालाँकि लहजा थोड़ा मज़ाकिया था, फिर भी उस युग के 'हम' (शैक्षणिक उपाधि) ने उन्हें इतना आश्वस्त कर दिया। उन्होंने ऐसे कहा जैसे कोई पाठ सुना रही हों:

“जब आप कल रात चले गए, तो मिस हिलयार्ड मुझसे न्यू क्राड में मिलीं। उन्होंने मुझे अपने कमरे में बुलाया क्योंकि वह मुझसे बात करना चाहती थीं। ऊपर जाते समय, मैंने देखा कि उनकी चप्पल की एड़ी पर सफेद हाथीदांत का एक छोटा सा टुकड़ा चिपका हुआ था। उन्होंने कुछ अप्रिय आरोप लगाए; उन्होंने स्थिति को गलत समझा था—”

“इसे ठीक किया जा सकता है और किया जाएगा। क्या आपने चप्पल के बारे में कुछ कहा?”

मुझे अफसोस है कि मैंने ऐसा किया। फर्श पर हाथीदांत का एक और टुकड़ा पड़ा था। मैंने उस पर मेरे कमरे में घुसने का आरोप लगाया, और उसने तब तक इनकार किया जब तक मैंने उसे सबूत नहीं दिखाए। फिर उसने स्वीकार किया; लेकिन उसने कहा कि जब वह वहाँ पहुँची तब तक नुकसान हो चुका था।

क्या आपने उसकी बात पर विश्वास किया?

"हो सकता है मैंने ऐसा किया होता... अगर... अगर उसने मुझे अपना मकसद न बताया होता।"

“मैं समझ गया। ठीक है। आपको मुझे बताने की ज़रूरत नहीं है।”

उसने पहली बार ऊपर देखा तो उसका चेहरा सर्दियों की तरह उदास था, और वह हिचकिचा उठी:

“मैं चप्पल अपने साथ ले आया। काश मैं ऐसा न करता।”
“क्या तुम तथ्यों से डरोगे?” उसने कहा। “और तुम एक विद्वान हो?”
मुझे नहीं लगता कि मैंने यह दुर्भावना से किया। मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं था। लेकिन मैं उसके प्रति बेहद निर्दयी था।
उन्होंने कहा, "खुशी की बात यह है कि तथ्य तो तथ्य ही होता है, और आपकी मनस्थिति इसे रत्ती भर भी नहीं बदल सकती। चलिए अब चलते हैं और हर हाल में सच्चाई का सामना करते हैं।"
वह उसे अपने कमरे में ले गई, जहाँ सुबह की धूप फर्श पर बिखरे हुए हिस्से पर एक लंबी आयताकार चमक बिखेर रही थी। दरवाजे के पास रखी पेटी से उसने चप्पल निकाली और उसे दे दी। वह सीधा लेट गया और तिरछी नज़रों से कालीन पर उस जगह को देखने लगा जहाँ न तो उसने और न ही उसने पिछली रात कदम रखा था। उसका हाथ उसकी जेब में गया और उसने तिरछी नज़रों से उसके परेशान चेहरे की ओर देखा।
“अगर कवियों द्वारा पकड़ी गई सभी कलमों में उनके गुरुओं के विचारों की अनुभूति होती, तो भी वे उतने ठोस तथ्य नहीं बता पाते जितना एक कैलिपर में समाया होता है।” उन्होंने चप्पल की एड़ी को दोनों दिशाओं में नापा, और फिर कालीन पर ध्यान दिया। “वह यहाँ एड़ी जोड़कर खड़ी थी, देख रही थी।” धूप से जगमगाते उस आयताकार कालीन पर कैलिपर की चमक दिखाई दी। “और यह वह एड़ी है जिसने सुंदरता को रौंद डाला, कुचल दिया और चूर-चूर कर दिया। एक फ्रांसीसी एड़ी थी और एक क्यूबा की एड़ी—क्या जूते के विशेषज्ञ उन्हें यही कहते हैं?” वह उठ बैठे और कैलिपर से चप्पल के तलवे को हल्के से थपथपाया। “वहाँ कौन है? फ्रांस—पास, फ्रांस, और सब ठीक है।”
“ओह, मुझे खुशी है,” हैरियट ने उत्साहपूर्वक कहा। “मुझे खुशी है।”
“हाँ। नीचता आपकी उपलब्धियों में से एक नहीं है, है ना?” उसने अपनी नज़रें फिर से कालीन पर डालीं, इस बार किनारे के पास एक जगह पर।
“देखो! अब जब सूरज निकल आया है तो तुम इसे देख सकते हो। क्यूबन हील ने जाने से पहले यहीं अपने तलवे पोंछे थे। क्यूबन हील पर बहुत कम मक्खियाँ हैं। अच्छा, इससे हमें कॉलेज में राजाओं और रानियों की धूल ढूंढने की कमरतोड़ मेहनत बच गई।” उसने फ्रेंच हील से हाथीदांत का टुकड़ा उठाया, खाना अपनी जेब में रखा और

खड़ा हो गया। “इसे निर्दोषता के प्रमाण पत्र के साथ इसके मालिक को वापस कर देना चाहिए।”
मुझे दे दो। मुझे इसे लेना ही होगा।
“नहीं, ऐसा नहीं होगा। अगर किसी को अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ेगा, तो इस बार वह आप नहीं होंगे।”
लेकिन, पीटर—तुम ऐसा नहीं करोगे—”
“नहीं,” उसने कहा, “मैं ऐसा नहीं करूंगा। इस बात पर मेरा भरोसा रखें।”
हैरियट टूटी हुई शतरंज की बिसात को देखती रह गई। थोड़ी देर बाद वह गलियारे में गई, एक स्काउट की पेंट्री में झाड़ू और डंडा ढूंढा और मलबा साफ करने के लिए उन्हें लेकर वापस आ गई। पेंट्री में झाड़ू और डंडा वापस रखते समय उसकी मुलाकात एनेक्स के एक छात्र से हो गई।
“वैसे, मिस स्विफ्ट,” हैरियट ने कहा, “क्या आपने कल रात मेरे कमरे में कांच टूटने जैसी कोई आवाज़ सुनी थी? हॉल के दौरान या उसके बाद किसी समय?”
“नहीं, मैंने नहीं किया। मिस वेन। मैं पूरी शाम अपने कमरे में ही थी। लेकिन एक पल रुकिए। मिस वार्ड लगभग साढ़े नौ बजे मेरे साथ मॉर्फोलॉजी का कुछ पाठ पढ़ाने आईं और”—लड़की के होंठों पर हंसी की एक हल्की सी बूंदा-बांदी हुई—“उन्होंने पूछा कि क्या आप छुपकर टॉफी खाती हैं, क्योंकि ऐसा लग रहा था जैसे आप लोहे की छड़ से टॉफी तोड़ रही हों। क्या कॉलेज का भूत आपसे मिलने आया था?”
“हाँ, ऐसा ही है,” हैरियट ने कहा। “धन्यवाद; यह बहुत मददगार है। मुझे मिस वार्ड से मिलना चाहिए।”
हालांकि, मिस वार्ड इससे ज्यादा मदद नहीं कर सकीं कि उन्होंने समय को थोड़ा और निश्चित रूप से "निश्चित रूप से साढ़े नौ बजे से बाद का नहीं" बता दिया।
हैरियट ने उसे धन्यवाद दिया और बाहर चली गई। उसकी हड्डियाँ तक बेचैनी से दुख रही थीं—या शायद किसी अपरिचित बिस्तर पर ठीक से न सो पाने और अशांत मन के कारण। सूर्य की किरणें मैदान की गीली घास पर हीरे की तरह चमक रही थीं और हवा बीच के पेड़ों से बारिश की बूँदों को फूँक रही थी। छात्र आते-जाते रहे। किसी ने एक लाल तकिया रात भर बारिश में बाहर छोड़ दिया था; वह भीगा हुआ और उदास दिख रहा था; उसकी मालकिन आई और हँसी और घृणा के मिले-जुले भाव से उसे उठाया; उसने उसे धूप में सुखाने के लिए एक बेंच पर रख दिया।

कुछ न करना असहनीय था। सीनियर कॉमन रूम के किसी भी सदस्य से बात करना तो और भी असहनीय होता। वह ओल्ड क्वाड में ही सिमटी हुई थी, क्योंकि न्यू क्वाड के आस-पास का इलाका भी उसे उतना ही संवेदनशील लगता था जितना किसी टीका लगवाए हुए व्यक्ति को अपने शरीर के दर्द वाले हिस्से पर लगी हर चीज से। बिना किसी खास उद्देश्य या इरादे के, वह टेनिस कोर्ट के किनारे से गुजरी और लाइब्रेरी के प्रवेश द्वार पर मुड़ गई। उसका इरादा ऊपर जाने का था, लेकिन मिस डी वाइन के सेट का दरवाजा खुला देखकर उसने अपना इरादा बदल दिया; वह वहाँ से एक किताब उधार ले सकती थी। छोटा सा लॉबी खाली था, लेकिन बैठक में एक कर्मचारी रविवार की सुबह राइटिंग टेबल को झाड़ू से साफ कर रहा था। हैरियट को याद आया कि मिस डी वाइन शहर में आई हुई हैं, और उनके लौटने पर उसे सूचित किया जाना था।
“मिस डी वाइन आज रात कितने बजे वापस आएंगी? क्या तुम्हें पता है, नेली?”
मुझे लगता है कि वह 9:39 बजे तक पहुँच जाएगी, मिस।
हैरियट ने सिर हिलाया, अलमारियों से बेतरतीब ढंग से एक किताब उठाई और लॉजिया की सीढ़ियों पर जाकर बैठ गई, जहाँ एक डेक-चेयर रखी थी। उसने मन ही मन कहा, सुबह ढल रही है। अगर पीटर को 11:30 बजे तक अपने गंतव्य पर पहुँचना है, तो अब उसके जाने का समय हो गया है। उसे अच्छी तरह याद था कि कैसे वह एक नर्सिंग होम में अपनी एक दोस्त के ऑपरेशन के दौरान इंतज़ार कर रही थी; वहाँ ईथर की गंध थी और प्रतीक्षा कक्ष में डेल्फ़िनियम से भरा एक बड़ा काला वेजवुड जार रखा था। उसने बिना कुछ जाने एक पन्ना पढ़ा और पास आते कदमों की आहट सुनकर मिस हिलयार्ड के चेहरे से जा टकराई।
मिस हिलयार्ड ने बिना किसी भूमिका के कहा, “लॉर्ड पीटर ने मुझसे आपको यह भाषण देने के लिए कहा था। उन्हें अपनी नियुक्ति के लिए जल्दी निकलना पड़ा।”
हैरियट ने कागज़ लिया और कहा, “धन्यवाद।”
मिस हिलयार्ड ने दृढ़ता से आगे कहा: “कल रात जब मैंने आपसे बात की थी, तब मुझे गलतफहमी थी। मुझे आपकी स्थिति की कठिनाई का पूरी तरह से एहसास नहीं था। मुझे खेद है कि मैंने अनजाने में आपके लिए इसे और कठिन बना दिया है, और मैं इसके लिए क्षमा चाहती हूं।”
“कोई बात नहीं,” हैरियट ने औपचारिकता का सहारा लेते हुए कहा। “मुझे भी खेद है। मैं कल रात बहुत परेशान थी और ज़रूरत से ज़्यादा बोल गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने सब कुछ बहुत असहज बना दिया है।”

“जी हां, ऐसा ही है,” मिस हिलयार्ड ने अधिक स्वाभाविक स्वर में कहा। “हम सब कुछ बहुत तनावग्रस्त महसूस कर रहे हैं। काश हम सच्चाई जान पाते। मुझे पता चला है कि अब आप पिछली रात की मेरी गतिविधियों के विवरण को स्वीकार कर रहे हैं।”
“बिल्कुल। मेरे लिए अपने डेटा को सत्यापित न करना अक्षम्य गलती थी।”
"दिखावा बहुत भ्रामक हो सकता है," मिस हिलयार्ड ने कहा।
कुछ देर का विराम रहा।
अंत में हैरियट ने कहा, "अच्छा, मुझे उम्मीद है कि हम यह सब भूल जाएंगे।" बोलते समय वह जानती थी कि कम से कम एक बात तो कही जा चुकी है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता: वह उसे याद करने के लिए बहुत कुछ देने को तैयार थी।
“मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी,” मिस हिलयार्ड ने उत्तर दिया। “शायद मैं अपने अनुभव से परे की चीजों के बारे में बहुत कठोर राय रखने की आदी हूं।”
"यह कहने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद," हैरियट ने कहा। "कृपया विश्वास करें कि मैं भी अपने बारे में बहुत आत्मसंतुष्ट नहीं हूं।"
“शायद नहीं। मैंने देखा है कि जिन्हें अवसर मिलते हैं, वे अक्सर गलत अवसरों को चुन लेते हैं। लेकिन इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। सुप्रभात।”
वह जितनी अचानक आई थी, उतनी ही अचानक चली गई। हैरियट ने उसकी गोद में रखी किताब पर नज़र डाली और पाया कि वह 'द एनाटॉमी ऑफ मेलानकोली' पढ़ रही थी।
“क्या मैं हेराक्लिटस की उपहास करूँ और डेमोक्रिटस पर सवार होऊँ? इन लक्षणों के बारे में बात करने की कोशिश में, क्या मैं डेमोक्रिटस के साथ हँसूँ या हेराक्लिटस के साथ रोऊँ? वे एक तरफ इतने हास्यास्पद और बेतुके हैं, तो दूसरी तरफ इतने दुखद और त्रासदीपूर्ण हैं।”
दोपहर में हैरियट कार लेकर निकली और मिस लिडगेट और डीन को हिंक्सी के पड़ोस में पिकनिक पर ले गई। जब वह रात के खाने के समय वापस लौटी, तो उसे लॉज में एक ज़रूरी संदेश मिला, जिसमें उससे कहा गया था कि वापस आते ही वह लॉर्ड सेंट-जॉर्ज को हाउस में फोन करे। जब उन्होंने फोन उठाया, तो उनकी आवाज़ घबराहट भरी लग रही थी।
“अरे, यहाँ देखो! अंकल पीटर से मेरा संपर्क नहीं हो पा रहा है—वह फिर गायब हो गए, धिक्कार है उन पर! सच कहूँ तो, मैंने आज दोपहर तुम्हारा भूत देखा था, और मुझे लगता है कि तुम्हें सावधान रहना चाहिए।”

“आपने उसे कहाँ देखा? कब?”
लगभग ढाई बजे—दिन के उजाले में मैग्डेलन ब्रिज पर पैदल चल रहा था। मैं इफ्ली की तरफ कुछ दोस्तों के साथ दोपहर का खाना खाकर लौटा था, और हम उनमें से एक को मैग्डेलन पर छोड़ने के लिए गाड़ी रोक ही रहे थे कि तभी मेरी नज़र उस पर पड़ी। वह बड़बड़ाती हुई चल रही थी, और बहुत अजीब लग रही थी। अपने हाथों को जकड़ रही थी और आँखें घुमा रही थी। उसने भी मुझे देख लिया था। उसे पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी। मेरा एक दोस्त गाड़ी चला रहा था और मैंने उसका ध्यान खींचने की कोशिश की, लेकिन वह एक बस के पीछे मुड़ रहा था और मैं उसे समझा नहीं पाया। खैर, जब हम मैग्डेलन गेट पर रुके, तो मैं गाड़ी से उतरा और वापस भागा, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। ऐसा लगा जैसे वह गायब हो गई हो। मुझे यकीन है कि उसे पता चल गया था कि मैं उसका पीछा कर रहा हूँ और वह भाग गई। मैं डर गया था। मुझे लगा कि वह किसी पर भी शक कर सकती है। इसलिए मैंने तुम्हारे घर फोन किया और पता चला कि तुम बाहर हो, फिर मैंने मिट्रे में फोन किया और वहाँ से भी कोई फायदा नहीं हुआ, इसलिए मैं पूरी शाम यहाँ एक भयानक जगह पर बैठा रहा। स्टू। पहले मैंने सोचा था कि एक नोट छोड़ दूँ, फिर मुझे लगा कि बेहतर होगा कि मैं तुम्हें खुद बता दूँ। कुछ ज़्यादा ही प्यार भरा व्यवहार है, है ना? मैंने डिनर पार्टी इसलिए कैंसिल कर दी ताकि मैं तुम्हें मिस न करूँ।
"आपने बहुत ही दयालुता दिखाई," हैरियट ने कहा। "भूत ने क्या पहना था?"
“ओह—वो गहरे नीले रंग की फ्रॉक, जिस पर कुछ-कुछ डिज़ाइन बने हों, और किनारे वाली टोपी। कुछ ऐसा ही जो आपके ज़्यादातर विद्वान दोपहर में पहनते हैं। साफ़-सुथरा, भड़कीला नहीं। स्मार्ट नहीं। बस साधारण। लेकिन मैंने उसकी आँखें पहचान लीं। मुझे रोंगटे खड़े हो गए। सच में। वो औरत सुरक्षित नहीं है, मैं कसम खाकर कह सकता हूँ।”
“मुझे चेतावनी देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद,” हैरियट ने फिर कहा। “मैं पता लगाने की कोशिश करूंगी कि यह कौन हो सकता है। और मैं एहतियात बरतूंगी।”
“ज़रूर कीजिए,” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज ने कहा। “मेरा मतलब है, अंकल पीटर बुरी तरह से परेशान हो रहे हैं। बिलकुल बेहाल हैं। मुझे पता है कि वो एक चिड़चिड़े बूढ़े हैं और मैं उन्हें शांत करने की पूरी कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन मुझे लगने लगा है कि उनके पास कोई बहाना है। भगवान के लिए, आंटी हैरियट, कुछ कीजिए। मैं अपने प्यारे अंकल

को अपनी आँखों के सामने बर्बाद होते नहीं देख सकता। वो बिल्कुल लॉर्ड ऑफ बर्ले की तरह हो रहे हैं, आप जानते हैं ना—चलते-फिरते इधर-उधर घूमते रहते हैं—और यह ज़िम्मेदारी बहुत थकाने वाली है।"
"मैं आपको एक बात बताती हूँ," हैरियट ने कहा। "कल कॉलेज में खाना खाने आना और उस महिला को देखने की कोशिश करना बेहतर होगा। आज शाम तो कोई फायदा नहीं, क्योंकि रविवार के खाने पर बहुत से लोग नहीं आते।"
"बिल्कुल!" विस्काउंट ने कहा। "यह तो बहुत बढ़िया विचार है। अगर मैं अंकल पीटर की समस्या हल कर दूं, तो मुझे उनसे जन्मदिन का बहुत अच्छा तोहफा मिलेगा। अलविदा, अपना ख्याल रखना।"
"मुझे इसके बारे में पहले ही सोच लेना चाहिए था," हैरियट ने डीन को यह खबर सुनाते हुए कहा; "लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि वह उस महिला को केवल एक बार देखने के बाद ही इस तरह पहचान लेंगे।"
डीन, जिनके लिए लॉर्ड सेंट-जॉर्ज के भूतिया मुठभेड़ की पूरी कहानी एक नई बात के रूप में आई थी, संशयवादी होने की प्रवृत्ति रखते थे।
"व्यक्तिगत तौर पर, मैं अंधेरे में एक झलक देखकर किसी की पहचान करने का जोखिम नहीं उठाऊँगी—और मैं उस जैसे अनाड़ी नौजवान पर तो बिलकुल भी भरोसा नहीं करूँगी। यहाँ मुझे सिर्फ़ मिस लिडगेट ही ऐसी पोशाक में नज़र आती हैं, और मैं इस बात पर बिल्कुल भी यकीन नहीं करती! लेकिन उस नौजवान को ज़रूर डिनर पर बुलाइए। मुझे रोमांच बहुत पसंद है, और वह तो दूसरे से भी ज़्यादा आकर्षक है।"
हैरियट को एहसास हो गया था कि हालात गंभीर होते जा रहे हैं। "सावधानी बरतो।" गले में पट्टा पहने वह बड़ी मूर्ख लगेगी। और इससे पोकर वगैरह से भी बचाव नहीं होगा... हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चल रही होगी, क्योंकि जब वह ओल्ड क्राड पार कर रही थी, तो टॉम की 101 की घंटी की तेज़ आवाज़ उसके कानों में साफ सुनाई दी। "साढ़े नौ बजे से पहले नहीं," मिस वार्ड ने कहा था। अगर खतरा रात में घूमना बंद कर देता, तो भी शाम का समय होता।
वह ऊपर गई और अपने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया, फिर एक दराज खोलकर पीतल और चमड़े का भारी पट्टा निकाला। मैग्डेलन ब्रिज पर उन्मादी आँखों से चलती और "हाथों से जकड़ी हुई" उस महिला के वर्णन में कुछ ऐसा था जिसके बारे में सोचना बहुत अप्रिय था। अब वह अपने गले पर पीटर की पकड़ को लोहे के बंधन की तरह

महसूस कर सकती थी, और उसे शांत स्वर में, किसी पाठ्यपुस्तक की तरह, यह कहते हुए सुन सकती थी:
“यही खतरनाक जगह है। वहां की बड़ी रक्त वाहिकाओं के दबने से लगभग तुरंत बेहोशी आ जाएगी। और फिर, आप समझ ही गए होंगे, आपका काम तमाम हो जाएगा —”
और उसके अंगूठों के क्षणिक दबाव से ही उसकी आँखों में आग सी दौड़ गई थी।
दरवाजे के हैंडल के खड़कने से वह चौंककर मुड़ी। शायद गलियारे की खिड़की खुली थी और हवा अंदर आ रही थी। वह बेवजह घबरा रही थी। दरवाज़े का बकल उसकी उंगलियों में अकड़ा हुआ था। (क्या तेरी नौकरानी कुतिया है जो ऐसा कर रही है?) जब उसने शीशे में खुद को देखा, तो वह हंस पड़ी। “एक ऐसी कोमल, कोमल और हिंसा को उकसाने वाली खूबी।” धुंधली शाम की रोशनी में उसका अपना चेहरा उसे चौंका गया—नरम, भयभीत और रंगहीन, घनी काली भौहों के नीचे आंखें असामान्य रूप से बड़ी लग रही थीं, और होंठ थोड़े खुले हुए थे। ऐसा लग रहा था जैसे किसी का सिर गिलोटिन से काट दिया गया हो; काली पट्टी ने उसे शरीर से ऐसे अलग कर दिया जैसे जल्लाद के लोहे का प्रहार।
वह सोचती थी कि क्या उसके प्रेमी ने भी इसे इसी तरह देखा होगा, उस गर्म और दुख भरे साल में जब उसने समर्पण में सुख का विश्वास करने की कोशिश की थी। बेचारा फिलिप—अपने ही अहंकार से व्याकुल, जिसने उसके लिए अपने प्रेम को मिटाने तक उससे कभी प्रेम नहीं किया, और फिर भी मृत्यु के दलदल में डूबते हुए भी उसे बड़ी मुश्किल से थामे रहा। उसने फिलिप के सामने समर्पण नहीं किया था, बल्कि जीवन के एक सिद्धांत के सामने किया था। युवा हमेशा सैद्धांतिक होते हैं; केवल अधेड़ ही सिद्धांतों की घातकता को समझ सकते हैं। अपने स्वार्थों के लिए स्वयं को समर्पित करना खतरनाक हो सकता है, लेकिन दूसरों के स्वार्थों के लिए स्वयं को समर्पित करना धूल और राख के समान है। फिर भी कुछ ऐसे भी थे, जो और भी दुखी थे, जो उन मृत समुद्री सेबों की राख जैसी खारेपन से भी ईर्ष्या करते थे।
क्या बुद्धि और शरीर के बीच कभी कोई संबंध हो सकता है? सवाल पूछने और हर चीज़ का विश्लेषण करने की यही आदत सभी भावनाओं को निष्फल और जड़ बना देती है। शायद अनुभव के पास इस मुश्किल से निकलने का एक तरीका था: कड़वे, पीड़ादायक दिमाग को दीवार के एक तरफ और सुस्त, मीठे शरीर को दूसरी तरफ रखना, और उन्हें कभी मिलने न देना। ताकि अगर आप ऐसे बने हों, तो आप

ऑक्सफोर्ड के कॉमन रूम में वफादारी पर बहस कर सकें और कहीं और—जैसे—वियना के गायकों के साथ खुद को तरोताज़ा कर सकें, अपने दोनों पक्षों पर एक शांत छवि पेश करते हुए। एक पुरुष के लिए यह आसान था, और एक महिला के लिए भी संभव था, अगर वह हत्या के मुकदमे जैसी मूर्खतापूर्ण दुर्घटनाओं से बच जाए। लेकिन असंगत चीजों को समझौता करने के लिए मजबूर करना पागलपन था; न तो ऐसा करना चाहिए और न ही इसमें शामिल होना चाहिए। अगर पीटर प्रयोग करना चाहता था, तो उसे हैरियट की मिलीभगत के बिना करना होगा। छह शताब्दियों के अधिकारवादी रक्त को केवल पैंतालीस वर्षों की अति संवेदनशील बुद्धि द्वारा निर्देशित नहीं किया जा सकता था। नर को मादा के साथ रहने दो और संतुष्ट रहने दो; व्यस्त दिमाग शायद मैन एंड सुपरमैन के हीरो की तरह "बातें करता रह जाए"। बेशक, एक लंबे एकालाप में; क्योंकि मादा केवल सुन सकती है, कुछ बोल नहीं सकती। अन्यथा, हमें प्राइवेट लाइव्स में दिखाए गए उस जोड़े जैसा दृश्य देखने को मिलेगा, जो प्रेम न करने पर ज़मीन पर लोटते और एक-दूसरे को पीटते रहते हैं, क्योंकि उनके पास (स्पष्ट रूप से) बातचीत करने के साधन नहीं होते। दोनों ही स्थिति में, भयानक ऊब का माहौल होगा।

दरवाजा फिर से खड़खड़ाया, मानो याद दिला रहा हो कि अलार्म की आवाज़ से राहत पाने के लिए थोड़ी सी बोरियत भी सुखद हो सकती है। शेल्फ पर रखा एक अकेला लाल मोहरा सारी सुरक्षा का मज़ाक उड़ा रहा था... एनी ने पीटर की चेतावनी को कितनी खामोशी से लिया था। क्या उसने इसे गंभीरता से लिया था? क्या वह अपना ख्याल रख रही थी? उस रात जब वह कॉमन रूम में कॉफी लेकर आई थी, तो वह हमेशा की तरह सभ्य और संयमित थी—शायद थोड़ी ज़्यादा चमकदार दिख रही थी। ज़ाहिर है, उसने बीटी और कैरोला के साथ दोपहर की छुट्टी बिताई थी... हैरियट ने सोचा, बच्चों पर अधिकार जमाने और उनकी पसंद-नापसंद तय करने की यह इच्छा कितनी अजीब है, मानो वे किसी के ही अंश हों, न कि अलग-अलग व्यक्ति। भले ही पसंद मोटरबाइक की हो... एनी ठीक थी। मिस डी वाइन का क्या हुआ, जो शहर से बेखबर होकर आ रही थीं?—हैरियट चौंक गई और देखा कि पौने दस बज रहे थे। ट्रेन आ गई होगी। क्या वार्डन को मिस डी वाइन को चेतावनी देना याद आ गया था? उसे बिना सुरक्षा के भूतल के कमरे में सोने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए था। लेकिन वार्डन कभी कुछ नहीं भूलता था।

फिर भी, हैरियट बेचैन थी। अपनी खिड़की से वह यह नहीं देख पा रही थी कि पुस्तकालय वाले हिस्से में कोई बत्ती जल रही है या नहीं। उसने दरवाजा खोला और बाहर कदम रखा (हाँ—पैसेज की खिड़की खुली थी; हवा के अलावा किसी ने भी हैंडल नहीं हिलाया था)। जब वह टेनिस कोर्ट के किनारे से गुज़री, तो चौक के दूसरे छोर पर कुछ धुंधली आकृतियाँ अभी भी हिल रही थीं। पुस्तकालय वाले हिस्से में, भूतल की सभी खिड़कियाँ अंधेरी थीं, सिवाय पैसेज की तंग खिड़की की हल्की रोशनी के। मिस बार्टन, कम से कम, अपने कमरे में नहीं थीं; और न ही मिस डी वाइन अभी तक लौटी थीं। या—हाँ, उन्हें लौटना ही चाहिए; क्योंकि उनके बैठक कक्ष में खिड़की के पर्दे लगे हुए थे, हालाँकि अभी तक उनके पीछे कोई रोशनी नहीं आ रही थी।

हैरियट इमारत में दाखिल हुई। मिस बरोज़ के कमरे का दरवाज़ा खुला था और लॉबी में अंधेरा था। मिस डी वाइन का दरवाज़ा बंद था। उसने दस्तक दी, पर कोई जवाब नहीं आया—और अचानक उसे अजीब लगा कि पर्दे लगे हैं और कोई बत्ती नहीं जल रही। उसने दरवाज़ा खोला और लॉबी में दीवार पर लगे स्विच को दबाया। कुछ नहीं हुआ। बढ़ती बेचैनी के साथ वह बैठक के कमरे के दरवाज़े की ओर बढ़ी और उसे खोला। और फिर, जैसे ही उसकी उंगलियां स्विच की ओर बढ़ीं, एक ज़ोरदार जकड़न ने उसका गला पकड़ लिया।

उसके पास दो फायदे थे: वह कुछ हद तक तैयार थी, और हमलावर को कुत्ते के गले में बंधे पट्टे की उम्मीद नहीं थी। उसने अपने चेहरे पर एक तेज़ सिसकी महसूस की और सुनी, जब उन मज़बूत, क्रूर उंगलियों ने सख्त चमड़े पर पैर रखे। जैसे ही उन्होंने अपनी पकड़ बदली, उसे वह याद करने का समय मिला जो उसे सिखाया गया था—कलाई पकड़कर झटक कर अलग करना। लेकिन जैसे ही उसके पैर दूसरे के पैरों को महसूस करने लगे, उसकी ऊंची एड़ियाँ लकड़ी के फर्श पर फिसल गईं—और वह गिर रही थी—वे दोनों एक साथ गिर रहे थे और वह सबसे नीचे थी; ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें गिरने में सालों लग गए हों; और उसी समय कर्कश, गंदी गालियों की बौछार उसके कानों में गूंज रही थी। फिर दुनिया आग और गरज के साथ अंधेरी हो गई।

चेहरे—दर्द की लहरों में उलझे हुए—बेचैनी से फूलते और सिकुड़ते हुए—फिर एक हो जाते हैं—मिस हिलयार्ड का चेहरा, विशाल और उसके अपने चेहरे के करीब। फिर एक आवाज़, असहनीय रूप से तेज़, किसी कोहरे के हॉर्न की तरह अस्पष्ट रूप से गूंजती हुई। फिर, अचानक और बिल्कुल स्पष्ट रूप से, किसी थिएटर के रोशन मंच की तरह, कमरा, जिसमें मिस डी वाइन, संगमरमर की तरह सफेद, सोफे पर लेटी हुई थीं

और वार्डन उनके ऊपर झुके हुए थे, और बीच में, फर्श पर, लाल रंग से भरा एक सफेद कटोरा था और डीन उसके बगल में घुटनों के बल बैठे थे। फिर कोहरे का हॉर्न फिर से गूंजा, और उसने अपनी ही आवाज़ सुनी, अविश्वसनीय रूप से दूर और पतली: "पीटर को बताओ,"—फिर कुछ नहीं।

किसी को असहनीय सिरदर्द हो रहा था। अस्पताल का सफ़ेद, चमकदार कमरा बहुत सुखद होता, अगर वहाँ सिरदर्द से पीड़ित व्यक्ति की घुटन भरी आवाज़ न होती, जो बहुत ही अप्रिय ढंग से कराह रहा था। खुद को संभालकर यह पता लगाना मुश्किल था कि उस परेशान करने वाले व्यक्ति को क्या चाहिए। जैसे दरियाई घोड़ा दलदल से बाहर निकलता है, उसी तरह हैरियट ने खुद को संभाला और पाया कि सिरदर्द और कराहें उसकी अपनी थीं, और अस्पताल की नर्स उसकी परेशानी समझ गई थी और मदद करने आ रही थी।

“ये सब क्या हो रहा है?” हैरियट ने कहा।

“आह!” अस्पताल के कर्मचारी ने कहा, “अब बेहतर लग रहा है। नहीं—उठने की कोशिश मत करो। तुम्हारे सिर पर ज़ोर से चोट लगी है, और जितना शांत रहोगे उतना ही अच्छा होगा।”

“ओह, मैं समझ गई,” हैरियट ने कहा। “मुझे बहुत तेज़ सिरदर्द हो रहा है।” थोड़ा सोचने पर उसे सिरदर्द का सबसे बुरा हिस्सा दाहिने कान के पीछे कहीं महसूस हुआ। उसने हाथ बढ़ाकर टटोला और देखा कि वहाँ पट्टी बंधी है। “क्या हुआ?”

“हम सभी यही जानना चाहते हैं,” अस्पताल के कर्मचारी ने कहा।

"मुझे तो कुछ भी याद नहीं है," हैरियट ने कहा।

कोई बात नहीं। इसे पी लो।

हैरियट ने सोचा, "जैसे कोई किताब हो। वे हमेशा कहते थे, 'इसे पियो।'" कमरा उतना रोशन नहीं था; वेनेशियन शटर बंद थे। उसकी अपनी आँखें ही रोशनी के प्रति असाधारण रूप से संवेदनशील थीं। बेहतर होगा कि उन्हें बंद कर ले।

“इसे पियो” में शायद कुछ ऐसा असर था जिससे उसे फायदा हुआ, क्योंकि जब वह दोबारा उठी तो उसका सिरदर्द ठीक हो गया था और उसे बहुत भूख लग रही थी। साथ ही, उसे कुछ बातें याद आने लगीं—कुत्ते का पट्टा और वो बत्तियाँ जो जल नहीं रही थीं—और वो हाथ जो अंधेरे से बाहर आए थे। वहीं पर उसकी याददाश्त अचानक रुक गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि सिरदर्द कहाँ से शुरू हुआ। फिर उसने सोफे पर लेटी हुई मिस डी वाइन की तस्वीर दोबारा देखी। उसने उनके बारे में पूछा।

“वह बगल वाले कमरे में हैं,” अस्पताल के कर्मचारी ने कहा। “उन्हें दिल का दौरा पड़ा था, लेकिन अब वह बेहतर हैं। वह बहुत ज्यादा काम करने की कोशिश करती थीं, और ज़ाहिर है, आपको उस हालत में देखकर उन्हें गहरा सदमा लगा।”
शाम होते-होते, जब डीन अंदर आए और उन्होंने देखा कि मरीज जिज्ञासा से बेहाल होकर बुखार की तरह व्यवहार कर रही है, तब जाकर हैरियट को रात भर की घटनाओं की पूरी कहानी पता चली।
“अब, अगर तुम चुप रहोगी,” डीन ने कहा, “मैं तुम्हें बता दूँगी। नहीं तो नहीं। और तुम्हारे प्यारे नौजवान ने तुम्हें फूलों से भरा एक छोटा सा बगीचा भेजा है और वह सुबह फिर आएगा। अच्छा, अब! बेचारी मिस डी वाइन लगभग 10 बजे यहाँ पहुँचीं—उनकी ट्रेन थोड़ी देर हो गई थी—और मुलिन्स ने उन्हें वार्डन से तुरंत मिलने का संदेश दिया। हालाँकि, उन्होंने सोचा कि पहले उन्हें अपनी टोपी उतार लेनी चाहिए, इसलिए वह जल्दी से अपने कमरे में चली गईं—ताकि डॉक्टर बेरिंग को इंतज़ार न करना पड़े। खैर, ज़ाहिर है, सबसे पहले तो बत्तियाँ नहीं जल रही थीं; और फिर उन्हें यह सुनकर बहुत डर लगा कि तुम, मेरी प्यारी, अंधेरे में ज़मीन पर खर्राटे ले रही हो। तो फिर उन्होंने मेज़पोश की बत्ती जलाकर देखी और वह जल गई—और तुम वहाँ थी, एक सम्मानित महिला प्रोफेसर के लिए अपने बैठक कक्ष में इस तरह की बुरी हालत में देखना। वैसे, तुम्हारे शरीर में दो सुंदर टाँके लगे हैं; किताबों की अलमारी के कोने से ऐसा हुआ था... तो मिस डी वाइन चिल्लाते हुए बाहर भागीं मदद के लिए पुकारा, लेकिन इमारत में कोई नहीं था, और फिर, मेरी प्यारी, वह गुस्से में बर्ली की ओर भागी और कुछ छात्र यह देखने के लिए बाहर निकल आए कि क्या हो रहा है और फिर किसी ने वार्डन को बुलाया और किसी ने अस्पताल के डॉक्टर को बुलाया और किसी ने मिस स्टीवंस और मिस हिलयार्ड और मुझे बुलाया जो मेरे कमरे में शांति से चाय पी रहे थे, और हमने डॉक्टर को फोन किया, और मिस डी वाइन का बेहोश दिल सदमे और भागदौड़ के कारण वापस आ गया, और वह हम सबके सामने नीली पड़ गई - हमने खूब मज़ा किया।"
“ज़रूर होगा। एक और रंगीन रात! मुझे लगता है कि आपको अभी तक पता नहीं चला कि यह किसने किया?”
"काफी लंबे समय तक हमें उस पहलू के बारे में सोचने का एक पल भी नहीं मिला। और फिर, जैसे ही हम थोड़ा शांत हुए, एनी को लेकर फिर से सारा हंगामा शुरू हो गया।"

“एनी? उसे क्या हुआ है?”
“अरे, तुम्हें पता नहीं था? हमने उसे कोयले की खान में पाया, मेरी प्यारी, उसकी हालत इतनी खराब थी, कोयले की धूल से सनी हुई और दरवाजे पर मुक्के मार रही थी; और मुझे आश्चर्य है कि बेचारी, इतने समय तक वहाँ बंद रहने के बाद कहीं उसका दिमाग ही खराब न हो गया हो। और अगर लॉर्ड पीटर न होते तो शायद हम अगली सुबह तक उसकी तलाश शुरू भी न कर पाते, क्योंकि उस समय चारों ओर इतना शोर-शराबा था।”
“हाँ—उसने उसे चेतावनी दी थी कि उस पर हमला हो सकता है... उसने कैसे—? क्या तुमने उससे फोन पर बात की, या क्या हुआ?”
“ओह, हाँ। खैर, जब हमने आपको और मिस डी वाइन को बिस्तर पर सुला दिया और यह तय कर लिया कि आप दोनों अभी कुछ देर तक नहीं मरेंगे, तो किसी को याद आया कि जब हम आपको लेने आए थे तो आपने सबसे पहले यही कहा था, ‘पीटर को बताओ।’ तो हमने मिट्रे को फोन किया, लेकिन वह वहाँ नहीं थे; फिर मिस हिलयार्ड ने कहा कि वह जानती हैं कि वह कहाँ हैं और उन्होंने फोन किया। यह आधी रात के बाद की बात थी। सौभाग्य से, वह सोए नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह तुरंत आ जाएँगे, और फिर उन्होंने पूछा कि एनी विल्सन का क्या हुआ। मुझे लगता है कि मिस हिलयार्ड को लगा कि सदमे से उनकी बुद्धि पर असर पड़ा है। हालाँकि, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उस पर नज़र रखनी चाहिए, इसलिए हम सब उसे ढूंढने लगे। खैर, आप जानते हैं कि इस जगह पर किसी को भी ढूंढना कितना मुश्किल काम है, और हमने बहुत ढूंढा, लेकिन किसी ने भी उसे नहीं देखा। और फिर, ठीक दो बजने से पहले, लॉर्ड पीटर आए, जो मौत के कगार पर लग रहे थे, और उन्होंने कहा कि अगर हम अपने हाथों में लाश नहीं चाहते तो हमें इस जगह को पूरी तरह से छान मारना होगा। और यह बात वाकई सुकून देने वाली थी!
"काश मैंने यह सब न देखा होता," हैरियट ने कहा। "उसे ज़रूर लगा होगा कि मैं कितनी बड़ी बेवकूफ थी कि मैंने खुद को इस तरह बेहोश होने दिया।"
डीन ने रूखेपन से कहा, "उन्होंने ऐसा नहीं कहा। वे आपसे मिलने आए थे, लेकिन ज़ाहिर है आपकी तबीयत ठीक नहीं थी। और उन्होंने कुत्ते के पट्टे के बारे में भी बताया, जिसने हम सबको बुरी तरह से उलझन में डाल दिया था।"
“हां। उसने मेरा गला पकड़ने की कोशिश की थी। मुझे याद है। मुझे लगता है कि उसका असली इरादा मिस डी वाइन को मारना था।”

“ज़ाहिर सी बात है। और उसके कमज़ोर दिल और गले में पट्टा न होने की वजह से उसके बचने की कोई उम्मीद नहीं थी, डॉक्टर ने तो यही कहा था। आपके वहाँ जाने से उसकी किस्मत बहुत अच्छी हो गई। या आपको पता था?”

“मुझे लगता है,” हैरियट ने कहा, उसकी याददाश्त अभी भी कुछ धुंधली थी, “मैं उसे पीटर की चेतावनी के बारे में बताने गई थी और—ओह, हाँ! खिड़की के पर्दों में कुछ गड़बड़ थी। और सारी बत्तियाँ बंद थीं।”

बल्ब निकाल लिए गए थे। खैर, करीब चार बजे पैजेट को एनी मिल गई। वह हॉल बिल्डिंग के नीचे, बॉयलर हाउस के आखिरी छोर पर बने कोयले के तहखाने में बंद थी। चाबी गायब थी और पैजेट को दरवाजा तोड़ना पड़ा। वह जोर-जोर से चिल्ला रही थी और शोर मचा रही थी—लेकिन ज़ाहिर है, अगर हम उसे ढूंढ नहीं रहे होते तो वह कयामत तक चिल्लाती रहती, खासकर जब रेडिएटर बंद थे और हम भट्टी का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। वह एक तरह से बेहोश थी और काफी देर तक हमें कुछ भी ठीक से नहीं बता पा रही थी। लेकिन उसे सदमे और चोटों के अलावा और कुछ नहीं हुआ था, क्योंकि वह कोयले के ढेर पर गिर गई थी। और ज़ाहिर है, दरवाजे पर जोर-जोर से मारने और वेंटिलेटर से बाहर निकलने की कोशिश में उसके हाथ और बांहें बुरी तरह छिल गई थीं।

उसने क्या बताया कि क्या हुआ था?

“शाम को लगभग साढ़े नौ बजे, वह लॉजिया में डेक कुर्सियाँ समेट रही थी, तभी किसी ने पीछे से उसकी गर्दन पकड़ ली और उसे घसीटते हुए तहखाने में ले गया। उसने बताया कि वह एक महिला थी, और बहुत ताकतवर थी—”

“वह थी,” हैरियट ने कहा। “मैं इसकी गवाह हूँ। लोहे जैसी मज़बूत पकड़। और बेहद गैर-स्त्री जैसी शब्दावली।”

“एनी कहती है कि उसने यह नहीं देखा कि वह कौन था, लेकिन उसे लगा कि उसके चेहरे के चारों ओर लिपटी बांह पर एक काली आस्तीन थी। एनी को लगा कि वह मिस हिलयार्ड थीं; लेकिन वह कोषाध्यक्ष और मेरे साथ थीं। लेकिन हमारे कई सबसे मजबूत लोगों के पास कोई पुख्ता सबूत नहीं है—खासकर मिस पाइके, जो कहती हैं कि वह अपने कमरे में थीं, और मिस बार्टन, जो दावा करती हैं कि वह फिक्शन लाइब्रेरी में 'पढ़ने के लिए एक अच्छी किताब' ढूंढ रही थीं। और श्रीमती गुडविन और मिस बरोज़ के बारे में भी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। उनकी अपनी कहानी के अनुसार, उन दोनों को एक ही समय पर घूमने की एक अजीब सी इच्छा हुई। मिस बरोज़ फेलो

गार्डन में प्रकृति से जुड़ने चली गईं और श्रीमती गुडविन चैपल में किसी उच्च शक्ति से जुड़ने चली गईं। आज हम एक-दूसरे को शक की नजरों से देख रहे हैं।"
"काश," हैरियट ने कहा, "मैं थोड़ी और कुशल होती।" उसने एक पल सोचा। "मुझे आश्चर्य है कि वह मुझे खत्म करने के लिए क्यों नहीं रुकी।"
"लॉर्ड पीटर को भी यही हैरानी हुई। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि या तो उसने तुम्हें मरा हुआ समझ लिया होगा, या फिर खून देखकर घबरा गई होगी और उसे लगा होगा कि उसने गलत व्यक्ति को पकड़ लिया है। जब तुम बेजान हो गए, तो उसने शायद टटोलकर देखा होगा और उसे पता चल गया होगा कि तुम मिस डी वाइन नहीं हो—छोटे बाल और बिना चश्मे के—और वह जल्दी से खून के धब्बे मिटाने के लिए भाग गई होगी, इससे पहले कि कोई और आ जाए। कम से कम, यही उसका सिद्धांत था। वह इस बारे में काफी अजीब लग रहा था।"
"क्या वह अभी यहाँ है?"
"नहीं; उन्हें वापस जाना पड़ा... क्रॉयडन से सुबह की फ्लाइट पकड़ने के बारे में कुछ कहा था। उन्होंने फोन किया और खूब हंगामा किया, लेकिन लगता है सब कुछ तय हो गया था और उन्हें जाना ही था। अगर उनकी कोई दुआ सुनी गई, तो मुझे नहीं लगता कि आज सुबह सरकार में किसी के शरीर में कोई जगह बची होगी। इसलिए मैंने उन्हें गर्म कॉफी पिलाकर तसल्ली दी और वे चले गए, साथ ही यह हिदायत भी दी कि न तो आपको, न मिस डी वाइन को और न ही एनी को एक पल के लिए भी अकेला छोड़ा जाए। और उन्होंने लंदन से एक बार और पेरिस से तीन बार फोन किया है।"
"बेचारा पीटर!" हैरियट ने कहा। "लगता है उसे कभी चैन की नींद नहीं आती।"
"इस बीच, वार्डन बड़ी बहादुरी से एक अविश्वसनीय बयान दे रहा है कि किसी ने एनी के साथ कोई मूर्खतापूर्ण मज़ाक किया, तुम गलती से फिसल गए और तुम्हारा सिर कट गया और मिस डी वाइन खून देखकर परेशान हो गईं। और कॉलेज के सभी द्वार बंद कर दिए गए हैं, इस डर से कि कहीं कोई भेस बदलकर न आया हो। लेकिन जासूसों को चुप नहीं कराया जा सकता—पता नहीं व्यापारियों के प्रवेश द्वार से क्या-क्या खबरें बाहर जा रही हैं। खैर, अच्छी बात यह है कि कोई मरा नहीं है। और अब मुझे जाना होगा, वरना अस्पताल मेरा खून बहा देगा और सचमुच एक जांच होगी।"
अगले दिन लॉर्ड सेंट-जॉर्ज आए। उन्होंने कहा, "अब मेरी बारी है बीमारों से मिलने की। मुझे नहीं लगता कि आप एक अच्छे और शांत स्वभाव की चाची हैं जिन्हें कोई अपना ले। क्या आपको एहसास है कि आपने मुझे रात के खाने से वंचित कर दिया है?"

“जी हां,” हैरियट ने कहा। “यह बहुत दुख की बात है—शायद मुझे डीन को बता देना चाहिए। आप शायद पहचान सकें—”
“अब तुम साजिशें रचने मत लगो,” उसने कहा, “वरना तुम्हारा गुस्सा बढ़ जाएगा। इसे अंकल पर छोड़ दो। वैसे, वो कह रहे हैं कि वो कल वापस आ जाएँगे, और सबूत अच्छे से मिल रहे हैं, इसलिए तुम्हें चुप रहना है और चिंता नहीं करनी है। ईमानदारी से कहो। आज सुबह उनसे फोन पर बात हुई थी। वो एकदम पागल हैं। कहते हैं कि पेरिस में उनका काम कोई भी कर सकता था, बस उनके दिमाग में बैठ गया है कि वही एकमात्र व्यक्ति हैं जो किसी अड़ियल बूढ़े आदमी को मना सकते हैं या शांत कर सकते हैं। जहाँ तक मुझे समझ आया है, किसी गुमनाम पत्रकार की हत्या कर दी गई है और कोई इसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। इसीलिए ये पिरामिड बनाए गए हैं। मैंने तुमसे कहा था कि अंकल पीटर में जन कर्तव्य की प्रबल भावना है; अब तुम इसे अमल में देख रहे हो।”
"हाँ, वह बिल्कुल सही कह रहा है।"
“तुम कितनी अस्वाभाविक महिला हो! उसे यहाँ होना चाहिए था, चादरों में सिर रखकर रोना चाहिए था और अंतरराष्ट्रीय हालात को अपने आप भड़कने देना चाहिए था।” लॉर्ड सेंट-जॉर्ज हँसे, “काश मैं सोमवार सुबह उसके साथ होता। वारविकशायर, ऑक्सफ़ोर्ड और लंदन के बीच की पूरी यात्रा में उसे पाँच समन मिले। मेरी माँ बहुत खुश होंगी। तुम्हारा सिर कैसा है?”
“मैं ठीक हूँ। मुझे लगता है कि चोट से ज़्यादा खरोंच की वजह से परेशानी हुई।”
“सिर पर लगे घावों से खून तो बहता ही है, है ना? बिलकुल सूअर की तरह। फिर भी, अच्छा हुआ कि तुम ‘दुखी, सूजे हुए चेहरे वाली लाश’ नहीं हो। टांके निकल जाने के बाद तुम ठीक हो जाओगी। बस सिर का वो हिस्सा थोड़ा कैदी जैसा लग रहा है। सब बराबर करने के लिए तुम्हारे बाल चारों तरफ से काटने पड़ेंगे और अंकल पीटर तुम्हारे कटे हुए बालों को अपने दिल के पास पहन लेंगे।”
“आओ, आओ,” हैरियट ने कहा। “वह सत्तर के दशक का नहीं है।”
“वह बहुत तेजी से बूढ़ा हो रहा है। मुझे लगता है कि अब तक वह लगभग साठ साल का हो चुका होगा। उसकी सुनहरी, खूबसूरत मूंछें हैं। मुझे सच में लगता है कि आपको उसे बचा लेना चाहिए, इससे पहले कि उसकी हड्डियां चरमराने लगें और मकड़ियां उसकी आंखों पर जाले बुनने लगें।”

हैरियट ने कहा, "तुम और तुम्हारे चाचा, दोनों को अपनी जुबान चलाने के लिए शब्दों का जादू चलाने में मजा आना चाहिए।"

## अध्याय 22

ओह नहीं, इसका कोई अंत नहीं है: अंत तो मृत्यु और पागलपन है! मैं पागल होने पर ही सबसे अच्छा होता हूँ: तब मुझे लगता है कि मैं एक बहादुर आदमी हूँ; तब मैं चमत्कार करता हूँ: लेकिन तर्क मुझे सताता है, और फिर यातना, फिर नरक। अंत में, महोदय, मुझे किसी हत्यारे के पास ले आइए: यदि वह हेक्टर जितना बलवान होता, तो मैं उसे भी ऐसे ही चीर-फाड़ कर इधर-उधर घसीटता।

—बेन जॉनसन

गुरुवार। एक भारी, उदास और निराशाजनक गुरुवार, आसमान से नीरस बारिश बरस रही थी, मानो आसमान किसी धूसर डिब्बे के ढक्कन जैसा हो। वार्डन ने ढाई बजे सीनियर कॉमन रूम की बैठक बुलाई थी—एक निराशाजनक समय। तीनों बीमार महिलाएं फिर से उठ-बैठ रही थीं। हैरियट ने अपनी पट्टियों की जगह कुछ बेहद भद्दी और बेढंगी पट्टियां बांध ली थीं, और उसे ठीक से सिरदर्द तो नहीं था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि किसी भी क्षण सिरदर्द शुरू हो सकता है। मिस डी वाइन भूत जैसी लग रही थीं। एनी, हालांकि शारीरिक रूप से दूसरों की तुलना में कम पीड़ित थी, फिर भी मानसिक भय से ग्रस्त लग रही थी, और दूसरी कॉमन रूम की नौकरानी के साथ दुखी मन से अपने काम कर रही थी।

यह समझा गया कि लॉर्ड पीटर विम्सी कर्मचारियों के समक्ष कुछ जानकारी प्रस्तुत करने के लिए एस.सी.आर. की बैठक में उपस्थित होंगे। हैरियट को उनसे एक संक्षिप्त और विशिष्ट संदेश प्राप्त हुआ था, जिसमें लिखा था:

“अभी तक ज़िंदा रहने पर बधाई हो। मैंने तुम्हारा कॉलर उतार लिया है ताकि उस पर अपना नाम लिखवा सकूँ।”

उसे कॉलर की कमी पहले ही खल रही थी। मिस हिलयार्ड से उसे पीटर की एक अजीब सी, सजीव तस्वीर मिली थी, जिसमें वह रात और सुबह के बीच उसके बिस्तर के पास चुपचाप खड़ा था और अपने हाथों में मोटी पट्टी को बार-बार घुमा रहा था। पूरी सुबह से वह उसे देखने की उम्मीद कर रही थी; लेकिन वह ठीक आखिरी क्षण में आया, इसलिए उनकी मुलाकात कॉमन रूम में, सभी प्रोफेसरों की निगाहों के सामने हुई। वह अपना सूट बदले बिना सीधे शहर से आया था, और गहरे रंग के कपड़े के

ऊपर उसका सिर एक धुंधले जलरंग की तरह फीका दिख रहा था। उसने वार्डन और वरिष्ठ प्रोफेसरों को विनम्रतापूर्वक प्रणाम किया, फिर पास आकर उसका हाथ थाम लिया।
"अच्छा, और आप कैसे हैं?"
"देखा जाए तो बुरा नहीं है।"
"अच्छी बात है।"
वह मुस्कुराया और वार्डन के पास जाकर बैठ गया। मेज के दूसरी ओर बैठी हैरियट डीन के बगल में आकर बैठ गई। उसके भीतर की सारी भावनाएँ उसके हाथ की हथेली में एक पके सेब की तरह थीं। डॉ. बेरिंग उसे शुरू करने के लिए कह रहे थे और वह एक कंपनी मीटिंग के मिनट्स पढ़ रहे सचिव की सपाट आवाज में शुरू कर रहा था। उसके सामने कागजों का एक गट्ठा था, जिसमें (हैरियट ने देखा) उसकी फाइल भी थी, जिसे वह सोमवार सुबह ले गया होगा। लेकिन वह बिना किसी नोट का सहारा लिए ही बोलता रहा, मेज पर रखे गेंदे के फूलों से भरे कटोरे को संबोधित करता रहा।
“इस उलझे हुए मामले की सारी बारीकियों में जाकर आपका समय बर्बाद करने की मुझे ज़रूरत नहीं है। मैं पहले उन मुख्य बिंदुओं को बताऊँगा जो मुझे पिछले रविवार को ऑक्सफ़ोर्ड आने पर नज़र आए, ताकि आपको वह आधार समझ में आ सके जिस पर मैंने अपना कार्य सिद्धांत बनाया है। फिर मैं उस सिद्धांत को स्पष्ट करूँगा और उसके समर्थन में सबूत पेश करूँगा, जिन्हें मुझे उम्मीद है और लगता है कि आप निर्णायक मानेंगे। मैं यह कह सकता हूँ कि सिद्धांत बनाने के लिए ज़रूरी लगभग सभी आंकड़े मिस वेन द्वारा मेरे लिए तैयार किए गए घटनाक्रम के बहुमूल्य सारांश में मौजूद हैं, जो मुझे मेरे आने पर दिया गया था। बाकी सबूत तो बस पुलिस का रोज़ाना का काम था।”
(हैरियट ने सोचा, ये तो हद से ज़्यादा अपनी संगति के अनुरूप ढलने जैसा है। उसने चारों ओर देखा। कॉमन रूम में प्रवचन सुनने के लिए सभा में बैठे लोगों जैसी खामोशी छाई हुई थी, लेकिन उसे हर जगह घबराहट महसूस हो रही थी। उन्हें नहीं पता था कि वे क्या सुनने वाले हैं।) पीटर ने आगे कहा, “बाहरी व्यक्ति को सबसे पहले जो बात चौंकाएगी, वो ये है कि ये प्रदर्शन गौडी में शुरू हुए। मैं कह सकता हूँ कि ये पहली बड़ी गलती थी जो इस घटना को अंजाम देने वाले ने की। वैसे, समय और परेशानी बचाने के लिए मैं इस घटना को अंजाम देने वाले को पुराने तरीके से 'X' कहूँगा। अगर X ने सत्र शुरू होने तक इंतज़ार किया होता, तो हमारे पास शक करने के लिए और भी ज़्यादा

गुंजाइश होती। इसलिए मैंने खुद से पूछा कि गौडी में X को ऐसी क्या बात ने इतना उत्तेजित कर दिया था कि वो शुरू करने के लिए ज़्यादा उपयुक्त समय का इंतज़ार नहीं कर सकी।"

"ऐसा प्रतीत होता था कि उपस्थित पूर्व छात्रों में से कोई भी X की शत्रुता को भड़का नहीं सकता था, क्योंकि प्रदर्शन अगले सत्र में भी जारी रहे। लेकिन लंबी छुट्टियों के दौरान वे जारी नहीं रहे। इसलिए मेरा ध्यान तुरंत उन सभी लोगों पर गया जिन्होंने गौडी कॉलेज में पहली बार प्रवेश लिया था और जो अगले सत्र में वहीं रह रहे थे। इन आवश्यकताओं को केवल एक ही व्यक्ति पूरा करता था, और वह थीं मिस डी वाइन।"

पहली हलचल मेज के चारों ओर ऐसे फैली जैसे हवा किसी खेत में दौड़ रही हो।

"पहले दो पत्र मिस वेन के हाथ लगे। उनमें से एक, जिसमें हत्या का आरोप लगाया गया था, उनके गाउन की आस्तीन में छिपा दिया गया था और संयोगवश, ऐसा लग सकता था कि यह उन्हीं पर लागू होता है। लेकिन मिस मार्टिन को याद होगा कि उन्होंने मिस वेन का गाउन सीनियर कॉमन रूम में मिस डी वाइन के गाउन के बगल में रखा था। मेरा मानना है कि X ने 'एच. डी. वेन' को 'एच. डी वाइन' समझकर नोट गलत गाउन में रख दिया। बेशक, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है; लेकिन यह संभावना संकेत देती है। अगर यह गलती थी, तो इसने शुरुआत में ही अभियान के मुख्य उद्देश्य से ध्यान भटका दिया।"

उसकी शांत आवाज़ में कोई बदलाव नहीं आया जब उसने उस पुरानी बदनामी को सामने लाया और अगली ही सांस में उसे भुला दिया, लेकिन जिस हाथ ने उसका हाथ थाम रखा था, वह एक पल के लिए कस गया और फिर ढीला पड़ गया। उसने खुद को उस हाथ को देखते हुए पाया जो अब कागजों के ढेर के बीच घूम रहा था।

"दूसरा संदेश, जो मिस वेन को गलती से चौक में मिला था, पहले संदेश की तरह ही नष्ट हो गया था; लेकिन विवरण से मुझे लगता है कि वह इसी तरह का एक चित्र था।" उसने क्लिप के नीचे से एक कागज निकाला और वार्डन को दे दिया। "यह एक नग्न महिला आकृति द्वारा दूसरी महिला पर दी गई सजा को दर्शाता है, जो अकादमिक पोशाक में है और उभयलिंगी है। यही इस स्थिति की प्रतीकात्मक कुंजी प्रतीत होती है। माइकलमास टर्म में, इसी तरह के अन्य चित्र दिखाई देते हैं, साथ ही किसी अकादमिक व्यक्ति को फांसी दिए जाने का भाव भी—यह भाव बाद में चैपल में लटकी हुई मिली पुतली की घटना में दोहराया गया है। कुछ अस्पष्ट रूप से अश्लील और धमकी भरे संदेश भी थे, जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। शायद सबसे दिलचस्प

और महत्वपूर्ण संदेश (मेरे विचार से) मिस हिलयार्ड को संबोधित है। 'तुम्हारे जैसी महिलाओं से कोई पुरुष सुरक्षित नहीं है'; और दूसरा संदेश मिस फ्लैक्समैन को भेजा गया था, जिसमें उनसे एक अन्य छात्र के मंगेतर को अकेला छोड़ने की मांग की गई थी। इनसे संकेत मिलता है कि X की शिकायत का आधार सामान्य प्रकार की यौन ईर्ष्या थी—एक सुझाव, जिसे मैं फिर से पूरी तरह से गलत मानता हूं और जिसने मामले को काफी अटपटे ढंग से पेश किया है।

"अब हम (चौक में गाउन जलाने की घटना को छोड़ते हुए) मिस लिडगेट की पांडुलिपि के अधिक गंभीर मामले पर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह कोई संयोग है कि पांडुलिपि के जिन हिस्सों को सबसे अधिक विकृत और नष्ट किया गया, वे वे थे जिनमें मिस लिडगेट ने अन्य विद्वानों, और उन विद्वानों, पुरुषों के निष्कर्षों पर हमला किया था। यदि मैं सही हूँ, तो हम देखते हैं कि X एक ऐसा व्यक्ति है जो विद्वतापूर्ण कार्य को पढ़ने और कुछ हद तक समझने में सक्षम है। इस अत्याचार के साथ-साथ हम 'द सर्च' नामक उपन्यास के उस सटीक बिंदु पर विरूपण को भी देख सकते हैं जहाँ लेखिका इस सिद्धांत का समर्थन करती है, या क्षण भर के लिए समर्थन करती हुई प्रतीत होती है, कि अमूर्त सत्य के प्रति निष्ठा सभी व्यक्तिगत विचारों से ऊपर होनी चाहिए; और साथ ही मिस बार्टन की उस पुस्तक को जलाना जिसमें वह नाज़ी सिद्धांत पर हमला करती है कि राज्य में महिलाओं का स्थान केवल 'महिलाओं के लिए' बने 'बच्चों', 'चर्च', 'कुक' जैसे कामों तक ही सीमित होना चाहिए।"

"व्यक्तियों पर इन व्यक्तिगत हमलों के अलावा, हमें आगजनी की घटना और दीवारों पर छिटपुट अश्लीलता के विस्फोट देखने को मिलते हैं। जब हम पुस्तकालय को विकृत करने की बात करते हैं, तो हमें एक व्यापक हमला अधिक भयावह रूप में दिखाई देता है। अभियान का उद्देश्य अधिक स्पष्ट रूप से सामने आने लगता है। X द्वारा एक व्यक्ति से शुरू हुई शिकायत पूरे कॉलेज तक फैल गई है, और इसका उद्देश्य एक सार्वजनिक बदनामी पैदा करना है, जिससे पूरे संस्थान की प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है।"

यहां पहली बार वक्ता ने गेंदे के फूलों से भरे कटोरे से अपनी निगाहें उठाईं, उन्हें धीरे-धीरे मेज के चारों ओर घुमाया और अंत में वार्डन के गंभीर चेहरे पर टिका दिया।

"क्या आप मुझे अभी और यहीं यह कहने की अनुमति देंगे कि इस पूरे हमले को शुरू से अंत तक विफल करने वाली एकमात्र चीज़ आपके कॉलेज द्वारा एक संस्था के रूप में प्रदर्शित की गई उल्लेखनीय एकजुटता और जनहित की भावना थी। मुझे लगता है

कि महिलाओं के समुदाय में X को यही आखिरी बाधा मिलने की उम्मीद थी। सीनियर कॉमन रूम की कॉलेज के प्रति अटूट निष्ठा और छात्रों द्वारा सीनियर कॉमन रूम के प्रति सम्मान ही आपके और एक बेहद अप्रिय बदनामी के बीच एकमात्र बाधा थी। यह मेरा मात्र दुस्साहस है कि मैं आपको वह बात बता रहा हूँ जो आप मुझसे कहीं बेहतर जानते हैं; लेकिन मैं यह न केवल अपनी संतुष्टि के लिए कह रहा हूँ, बल्कि इसलिए भी कह रहा हूँ क्योंकि इस विशेष प्रकार की निष्ठा एक साथ हमले का मनोवैज्ञानिक बहाना और इसके विरुद्ध एकमात्र संभव बचाव दोनों है।"

"धन्यवाद," वार्डन ने कहा। "मुझे पूरा विश्वास है कि यहाँ मौजूद हर कोई इस बात की सराहना करना जानता होगा।"

"अब हम आगे बढ़ते हैं," विम्सी ने गेंदे के फूलों पर नज़रें टिकाते हुए कहा, "चैपल में मिली पुतली वाली घटना पर। यह शुरुआती रेखाचित्रों के विषय को दोहराती है, लेकिन नाटकीय प्रभाव पर अधिक ध्यान देती है। इसका प्रमाणिक महत्व पुतली पर चिपके 'हार्पी' के उद्धरण में निहित है; एक रहस्यमय काली पोशाक का प्रकट होना जिसे कोई पहचान नहीं सका; बाद में पूर्व कुली ज्यूक्स को चोरी के आरोप में दोषी ठहराया जाना; और मिस डी वाइन के कमरे में कटा हुआ अखबार मिलना, जिसने घटनाओं के उस क्रम को पूरा किया। मैं इन बिंदुओं पर बाद में चर्चा करूँगा।"

"लगभग इसी समय मिस वेन की मुलाकात मेरे भतीजे सेंट-जॉर्ज से हुई, और उसने उन्हें बताया कि, कुछ ऐसी परिस्थितियों में जिनकी शायद हमें जांच करने की आवश्यकता नहीं है, एक रात आपकी फेलो गार्डन में उसकी मुलाकात एक रहस्यमय महिला से हुई थी, और उसने उसे दो बातें बताई थीं। पहली: कि श्रूस्बरी कॉलेज एक ऐसी जगह थी जहाँ उसके जैसे सुंदर लड़कों की हत्या कर उनके दिल खा जाते थे; दूसरी: कि 'दूसरी महिला के बाल भी सुनहरे थे'।"

यह जानकारी सीनियर कॉमन रूम में मौजूद अधिकांश लोगों के लिए नई थी, और इसने थोड़ी हलचल मचा दी।

"यहाँ हत्या के विषय पर ज़ोर दिया गया है, साथ ही पीड़ित के बारे में थोड़ी सी जानकारी भी दी गई है। वह एक गोरा, सुंदर और अपेक्षाकृत युवा पुरुष है। मेरे भतीजे ने तब कहा था कि वह उस महिला को दोबारा पहचानने की कोशिश नहीं करेगा; लेकिन बाद में एक अवसर पर उसने उसे देखा और पहचान लिया।"

एक बार फिर कंपन मेज के चारों ओर फैल गया।

"अगली महत्वपूर्ण गड़बड़ी लापता फ्यूजों का मामला था।"

यहां डीन खुद को और अधिक संयमित नहीं कर सकीं और फूट पड़ीं:
“थ्रिलर के लिए कितना प्यारा शीर्षक है!”
नकाबपोश आंखें तुरंत ऊपर उठीं, और हंसी की रेखाएं कोनों पर जमा हो गईं।
“बिल्कुल सही। और बस इतना ही था। एक्स ने रिटायरमेंट ले लिया, जिसने अच्छी पब्लिसिटी वैल्यू वाली एक रोमांचक कहानी के अलावा कुछ भी हासिल नहीं किया था।”
मिस डी वाइन ने कहा, "और उसके बाद ही मेरे कमरे में अखबार मिला था।"
“जी हां,” विम्सी ने कहा; “मेरा वर्गीकरण तर्कसंगत था, कालानुक्रमिक नहीं... इसी के साथ हिलरी सत्र समाप्त होता है। छुट्टियां बिना किसी घटना के बीत गईं। ग्रीष्मकालीन सत्र में, हमें एक संवेदनशील स्वभाव के विद्यार्थी पर लंबे और कपटपूर्ण उत्पीड़न के संचयी प्रभाव का सामना करना पड़ा। यह X की गतिविधियों का सबसे खतरनाक चरण था। हम जानते हैं कि मिस न्यूलैंड के अलावा अन्य छात्रों को भी उनके स्कूलों में दुर्भाग्य की कामना करते हुए पत्र मिले थे; सौभाग्य से, मिस लेटन और बाकी सभी अधिक दृढ़ थीं। लेकिन मैं विशेष रूप से आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि, कुछ महत्वहीन अपवादों को छोड़कर, सारा द्वेष प्रोफेसरों और विद्वानों के खिलाफ निर्देशित था।”
यहां कोषाध्यक्ष, जो कुछ समय से चिड़चिड़ापन दिखा रहे थे, ने बीच में ही बात काट दी:
“मुझे समझ नहीं आ रहा कि वे इस इमारत के नीचे इतना शोर क्यों मचा रहे हैं। वार्डन, क्या आपको कोई आपत्ति होगी अगर मैं किसी को भेजकर इसे बंद करवा दूं?”
“मुझे खेद है,” विम्सी ने कहा। “मुझे डर है कि इसके लिए मैं ही जिम्मेदार हूँ। मैंने पैजेट को सुझाव दिया था कि कोयले के तहखाने में खोज करना लाभदायक हो सकता है।”
“तो,” वार्डन ने कहा, “मुझे डर है कि हमें इसे बर्दाश्त करना ही पड़ेगा, बर्सर।” उन्होंने विम्सी की ओर सिर झुकाया, जो आगे बोले:
“यह घटनाओं का संक्षिप्त सारांश है जैसा कि मिस वेन ने मुझे बताया, जब आपकी सहमति से, वार्डन, उन्होंने यह मामला मेरे सामने रखा। मुझे लगा”—यहाँ दाहिना हाथ बेचैन हो गया और मेज पर एक खामोश थपथपाहट शुरू हो गई—“कि वह और आपमें से कुछ अन्य लोग इन अत्याचारों को ब्रह्मचर्य जीवन के साथ आने वाले दमन का परिणाम मानते थे, जिससे एक अश्लील और तर्कहीन द्वेष उत्पन्न हुआ, जो आंशिक रूप से उस जीवन की परिस्थितियों के विरुद्ध और आंशिक रूप से उन व्यक्तियों के

विरुद्ध निर्देशित था जिन्होंने व्यापक अनुभव का आनंद लिया था या ले सकते थे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस प्रकार का द्वेष मौजूद है। लेकिन इस मामले का इतिहास मुझे एक बिल्कुल अलग तरह का मनोवैज्ञानिक चित्र प्रस्तुत करता प्रतीत हुआ। इस कॉमन रूम के एक सदस्य का विवाह हो चुका है, और दूसरे की सगाई हो चुकी है; और इनमें से कोई भी, जो पहले शिकार होने चाहिए थे, (जहाँ तक मुझे पता है) बिल्कुल भी प्रताड़ित नहीं हुए। शुरुआती चित्र में नग्न महिला आकृति का प्रभुत्व भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिस बार्टन की पुस्तक का विनाश भी उतना ही महत्वपूर्ण है। साथ ही, X द्वारा प्रदर्शित पूर्वाग्रह स्पष्ट रूप से विद्वत्ता-विरोधी प्रतीत होता था, और इसके पीछे एक तर्कसंगत कारण था, जो X के अनुसार किसी पुरुष पर एक महिला विद्वान द्वारा किए गए कृत्य को हत्या के समान मानता था। मेरे विचार से, यह शिकायत मुख्य रूप से मिस डी वाइन के विरुद्ध थी, और उनसे यह पूरे कॉलेज और संभवतः सभी शिक्षित महिलाओं तक फैली हुई थी। इसलिए मुझे लगा कि हमें एक ऐसी महिला की तलाश करनी चाहिए जो या तो विवाहित हो या यौन अनुभव रखती हो, जिसकी शिक्षा सीमित हो लेकिन विद्वानों और विद्वत्ता से कुछ परिचय हो, जिसका अतीत किसी न किसी रूप में मिस डी वाइन से जुड़ा हो, और (यद्यपि यह एक अनुमान था) जो संभवतः पिछले दिसंबर के बाद कॉलेज में आई हो।

हैरियट ने पीटर के हाथ से अपनी नज़र हटाई, जो अब धीरे-धीरे थपथपा रहा था और मेज पर सपाट पड़ा था, ताकि वह यह अनुमान लगा सके कि इसका उसके श्रोताओं पर क्या प्रभाव पड़ा है। मिस डी वाइन भौंहें चढ़ाए खड़ी थीं, मानो उनका मन बीते वर्षों की घटनाओं पर निष्पक्ष रूप से विचार कर रहा हो और हत्या के अपने दावे पर गौर कर रहा हो; मिस चिल्परिक के चेहरे पर परेशानी भरी लाली थी, और श्रीमती गुडविन के चेहरे पर विरोध का भाव था; मिस हिलयार्ड की आँखों में जीत और शर्मिंदगी का एक असाधारण मिश्रण था; मिस बार्टन चुपचाप सहमति में सिर हिला रही थीं, मिस एलिसन मुस्कुरा रही थीं, मिस शॉ थोड़ी नाराज़ थीं; मिस एडवर्ड्स पीटर को ऐसी आँखों से देख रही थीं जो स्पष्ट रूप से कह रही थीं, "तुम उस तरह के व्यक्ति हो जिससे मैं निपट सकती हूँ।" वार्डन का गंभीर चेहरा भावहीन था। डीन के चेहरे से उनकी भावनाओं का कोई संकेत नहीं मिला, लेकिन उन्होंने राहत भरी एक छोटी सी आह भरी।

“अब मैं मुख्य सुरागों की बात करता हूँ,” पीटर ने कहा। सबसे पहले, छपे हुए संदेश। मुझे यह बेहद असंभव लगा कि कॉलेज की दीवारों के भीतर इतनी बड़ी मात्रा में ये

संदेश बिना किसी सुराग के तैयार किए गए हों। मेरा झुकाव किसी बाहरी स्रोत की ओर था। इसी तरह, पुतले पर मिली नक्काशीदार पोशाक के बारे में भी यही बात थी; यह बहुत अजीब लगा कि कई मौसमों पुरानी होने के बावजूद इसे पहले किसी ने नहीं देखा था। तीसरी बात, एक अजीब बात यह थी कि डाक से आने वाले पत्र हमेशा सोमवार या गुरुवार को ही मिलते थे, मानो रविवार और बुधवार ही ऐसे दिन हों जब किसी दूर के डाकघर या डाकघर से आसानी से पत्र भेजे जा सकते हों। इन तीनों बातों से यह संकेत मिल सकता था कि कोई दूर रहता होगा और सप्ताह में केवल दो बार ऑक्सफोर्ड आता होगा। लेकिन रात में होने वाली गड़बड़ियों से यह स्पष्ट हो गया कि वह व्यक्ति वास्तव में कॉलेज की दीवारों के भीतर ही रहता था, जिसके बाहर जाने के निश्चित दिन होते थे और बाहर कहीं कोई ऐसी जगह होती थी जहाँ कपड़े रखे जा सकें और पत्र तैयार किए जा सकें। इन शर्तों को सबसे अच्छी तरह पूरा करने वाला व्यक्ति स्काउट्स में से एक हो सकता है।"

मिस स्टीवंस और मिस बार्टन दोनों हिलने लगीं।

"हालांकि, अधिकांश स्काउट्स इस दौड़ से बाहर हो गए थे। जो रात में स्काउट्स विंग में बंद नहीं रहती थीं, वे यहाँ लंबे समय से सेवा दे रही भरोसेमंद महिलाएं थीं—जिनके अन्य शर्तों को पूरा करने की संभावना बहुत कम थी। स्काउट्स विंग में रहने वाली अधिकांश महिलाएं एक कमरे में दो-दो करके सोती थीं, और इसलिए (जब तक कि उनमें से दो आपस में मिलीभगत न कर रही हों) बिना संदेह के रात-रात भर कॉलेज में भाग जाना उनके लिए संभव नहीं था। इससे केवल वे ही बचीं जिनके अलग-अलग बेडरूम थे: कैरी, जो मुख्य स्काउट थीं; एनी, जो पहले मिस लिडगेट की सीढ़ियों से और बाद में सीनियर कॉमन रूम से जुड़ी स्काउट थीं, और तीसरी स्काउट, एथेल, एक बुजुर्ग और बेहद सम्मानित महिला। इन तीनों में से, एनी X के मनोवैज्ञानिक चित्रण से सबसे अधिक मेल खाती थीं; क्योंकि उनकी शादी हो चुकी थी और रविवार की दोपहर और बुधवार की दोपहर और शाम उनके पास खाली रहती थी; उनके बच्चे भी शहर में रहते थे और इसलिए उनके पास कपड़े रखने और पत्र तैयार करने की जगह थी।"

"लेकिन—" कोषाध्यक्ष ने आक्रोश से कहना शुरू किया।

"यह सब वैसा ही है जैसा मैंने पिछले रविवार को देखा था," विम्सी ने कहा। "तुरंत ही कुछ गंभीर आपत्तियां सामने आईं। स्काउट्स विंग को ताले लगे दरवाजों और फाटकों से बंद कर दिया गया था। लेकिन लाइब्रेरी वाली घटना के समय यह स्पष्ट हो गया था कि देर रात को सामान लेने के इच्छुक छात्रों की सुविधा के लिए कभी-कभी बटरी का

दरवाजा खुला छोड़ दिया जाता था। दरअसल, मिस हडसन को उस रात दरवाजा खुला मिलने की उम्मीद थी। जब मिस वेन ने उसे खोलने की कोशिश की, तो वह वास्तव में बंद था। लेकिन यह तब हुआ जब X लाइब्रेरी से जा चुकी थी, और आपको याद होगा कि X को हॉल बिल्डिंग में फंसा हुआ दिखाया गया था, एक तरफ मिस वेन और मिस हडसन और दूसरी तरफ मिस बार्टन ने। उस समय यह अनुमान लगाया गया था कि वह हॉल में छिपी हुई थी।"

उस घटना के बाद, यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक सावधानी बरती गई कि मक्खनखाने का दरवाज़ा हमेशा बंद रहे, और मुझे पता चला कि चाबी, जो पहले दरवाज़े के अंदर की तरफ रखी रहती थी, उसे निकालकर कैरी की चाबियों के गुच्छे में रख दिया गया था। लेकिन एक चाबी तो एक ही दिन में आसानी से बन सकती है। दरअसल, अगली रात्रिकालीन घटना होने में एक हफ़्ता लग गया, जो हमें अगले बुधवार तक ले जाती है, जब कैरी के गुच्छे से निकाली गई चाबी की नकल बनाकर उसे वापस कर दिया गया होगा। (मुझे पक्का पता है कि ऐसी ही एक चाबी उस बुधवार को कस्बे के निचले हिस्से में एक लोहार ने बनाई थी, हालाँकि मैं खरीदार की पहचान नहीं कर पाया हूँ। लेकिन यह महज़ एक सामान्य बात है।) एक बात थी जिसने मिस वेन को सभी स्काउट्स को बरी करने के लिए प्रेरित किया, और वह यह थी कि उस स्थिति में कोई भी महिला अपनी नाराजगी को ऐनीड के लैटिन उद्धरण में व्यक्त नहीं करेगी, जो पुतले से जुड़ा हुआ मिला था।

"इस आपत्ति में मुझे कुछ तो दम लगा, पर बहुत ज्यादा नहीं। यह एकमात्र संदेश था जो अंग्रेजी में नहीं था, और ऐसा संदेश था जिसे कोई भी स्कूली बच्चा आसानी से पढ़ सकता था। दूसरी ओर, अन्य लिपियों के बीच इसकी विशिष्टता ने मुझे यह विश्वास दिलाया कि इसका कोई विशेष महत्व है। मेरा मतलब है, ऐसा नहीं था कि X की भावनाएँ हमेशा लैटिन हेक्सामेटर्स में ही व्यक्त होती थीं। उस अंश में कुछ खास बात जरूर होगी, सिर्फ इसलिए कि वह उन अस्वाभाविक महिलाओं पर लागू नहीं होता जो पुरुषों के मुँह से मांस छीन लेती हैं। Nec saevior ulla pestis।"

"जब मैंने पहली बार इसके बारे में सुना," मिस हिलयार्ड ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "मुझे पूरा यकीन हो गया था कि इसके पीछे कोई पुरुष है।"

"शायद यह एक सही सोच थी," विम्सी ने कहा। "मुझे पूरा यकीन है कि किसी आदमी ने ही यह लिखा होगा... खैर, मुझे यह बताने में समय बर्बाद करने की ज़रूरत नहीं है कि रात में कॉलेज में घूमना और लोगों के साथ शरारतें करना कितना आसान था। दो

सौ लोगों के समुदाय में, जिनमें से कुछ एक-दूसरे को जानते भी नहीं, किसी को ढूंढना उसे खोने से ज़्यादा मुश्किल होता है। लेकिन उस समय ज्यूक्स का दखल X के लिए थोड़ा असहज था। मिस वेन ने ज्यूक्स के घरेलू जीवन के बारे में ज़रूरत से ज़्यादा पूछताछ करने की इच्छा ज़ाहिर की। नतीजतन, ज्यूक्स की छोटी-छोटी आदतों के बारे में अच्छी तरह से जानने वाले किसी व्यक्ति ने सूचना दी और ज्यूक्स को जेल भेज दिया गया। श्रीमती ज्यूक्स ने अपने रिश्तेदारों के पास शरण ली और एनी के बच्चों को हेडिंगटन भेज दिया गया। और यह सुनिश्चित करने के लिए कि ज्यूक्स परिवार का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं था, कुछ ही समय बाद मिस डी वाइन के कमरे में एक कटा-फटा अखबार मिला।"

हैरियट ने ऊपर देखा।

"मैंने आखिरकार इसका हल निकाल लिया था। लेकिन पिछले हफ्ते जो हुआ, उससे यह लगभग नामुमकिन सा लग रहा था।"

पीटर ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि आपने समस्या का सामना निष्पक्ष मन और पूर्ण एकाग्रता के साथ किया—मुझे ऐसा कहने के लिए क्षमा करें। तथ्यों तक पहुँचने में कुछ बाधा आ गई।"

"मिस वेन मेरी किताबों के काम में मेरी बहुत उदारता से मदद कर रही हैं," मिस लिडगेट ने पश्चाताप भरे स्वर में कहा; "उन्हें अपना काम भी करना था। हमें उनसे अपने कामों के लिए समय निकालने को नहीं कहना चाहिए था।"

"मेरे पास काफी समय था," हैरियट ने कहा। "मैं बस बेवकूफ थी।"

"खैर, मिस वेन ने X को यह महसूस कराने के लिए काफी कुछ किया कि वह खतरनाक है। इस सत्र की शुरुआत में, हम देखते हैं कि X और भी हताश और इरादों में और भी घातक होती जा रही है। शामें उजाला होने के साथ, रात में शरारतें करना और भी मुश्किल हो जाता है। मिस न्यूलैंड के जीवन और मानसिक संतुलन पर मनोवैज्ञानिक हमला किया जाता है, और जब वह विफल हो जाता है, तो कुलपति को पत्र भेजकर विश्वविद्यालय में हंगामा खड़ा करने का प्रयास किया जाता है। हालांकि, विश्वविद्यालय भी कॉलेज की तरह ही बेदाग साबित हुआ; महिलाओं को प्रवेश देने के बाद, वह उन्हें निराश करने के लिए तैयार नहीं था। इससे X की भावनाओं को निश्चित रूप से ठेस पहुंची होगी। डॉ. थ्रीप ने कुलपति और आप लोगों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई, और संभवतः इस मामले को सुलझा लिया गया।"

वार्डन ने कहा, "मैंने कुलपति को सूचित कर दिया था कि इस संबंध में कदम उठाए जा रहे हैं।"
“बिल्कुल सही; और आपने मुझे ये कदम उठाने के लिए कहकर मेरी प्रशंसा की। मुझे शुरू से ही X की पहचान के बारे में बहुत कम संदेह था; लेकिन संदेह सबूत नहीं होता, और मैं ऐसा कोई संदेह पैदा नहीं करना चाहता था जिसका कोई औचित्य न हो। मेरा पहला काम ज़ाहिर तौर पर यह पता लगाना था कि क्या मिस डी वाइन ने वास्तव में कभी किसी की हत्या या उसे चोट पहुँचाई थी। इस कमरे में रात के खाने के बाद हुई एक बहुत ही दिलचस्प बातचीत के दौरान, उन्होंने मुझे बताया कि छह साल पहले, उन्होंने एक आदमी की प्रतिष्ठा और आजीविका छीनने में अहम भूमिका निभाई थी—और हमने तय किया था, अगर आपको याद हो, कि यह एक ऐसा काम था जिसका कोई भी मर्दाना या स्त्रीशील व्यक्ति विरोध कर सकता है।”
डीन चिल्लाया, "क्या आपका मतलब यह है कि वह सारी चर्चा केवल उस कहानी को सामने लाने के उद्देश्य से की गई थी?"
“मैंने कहानी के प्रकाशन का अवसर दिया था, यह तो निश्चित था; लेकिन अगर यह तब प्रकाशित नहीं होती, तो मैं इसके लिए अनुरोध अवश्य करता। संयोगवश, मैंने उस बात को पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया, जिसके बारे में मैं शुरू से ही अपने मन में आश्वस्त था, कि इस कॉमन रूम में कोई भी महिला, विवाहित हो या अविवाहित, ऐसी नहीं थी जो पेशेवर सम्मान से ऊपर व्यक्तिगत निष्ठा को रखने के लिए तैयार हो। यह एक ऐसा बिंदु था जिसे स्पष्ट करना आवश्यक प्रतीत हुआ—न केवल मुझे, बल्कि आप सभी को।”
वार्डन ने मिस हिलयार्ड से श्रीमती गुडविन की ओर और फिर पीटर की ओर देखा।
“हां,” उसने कहा, “मुझे लगता है कि यह स्थापित करना बुद्धिमानी भरा कदम था।”
“अगले दिन,” पीटर ने कहा, “मैंने मिस डी वाइन से उस व्यक्ति का नाम पूछा, जिसके बारे में हम पहले से ही जानते थे कि वह सुंदर और विवाहित था। उसका नाम आर्थर रॉबिन्सन था; और इस जानकारी के साथ मैं यह पता लगाने निकल पड़ा कि उसका क्या हुआ। मेरा अनुमान था कि X या तो रॉबिन्सन की पत्नी थी या उसकी कोई रिश्तेदार: वह मिस डी वाइन की नियुक्ति की घोषणा के समय यहाँ आई थी, ताकि रॉबिन्सन की बदकिस्मती का बदला मिस डी वाइन, कॉलेज और आम तौर पर सभी अकादमिक महिलाओं से ले सके; और पूरी संभावना थी कि X ज्यूक्स परिवार से किसी करीबी रिश्तेदारी रखती थी। इस सिद्धांत को इस खोज से और बल मिला कि यहाँ

प्रसारित होने वाले गुमनाम पत्रों के समान एक गुमनाम पत्र के माध्यम से ज्यूक्स के खिलाफ जानकारी दी गई थी।"

"मेरे आने के बाद सबसे पहली घटना विज्ञान व्याख्यान कक्ष में X का प्रकट होना था। यह सोचना कि X सार्वजनिक और खतरनाक तरीके से पत्र लिखकर पकड़े जाने की कोशिश कर रहा था, सरासर बेतुका था। यह सब एक स्पष्ट धोखा था, जिसका मकसद गुमराह करना और शायद अपनी बेगुनाही साबित करना था। ये पत्र कहीं और तैयार किए गए थे और जानबूझकर वहाँ रखे गए थे—दरअसल, मिस वेन को लिखे जाने वाले संदेश को पूरा करने के लिए पत्र पेटी में पर्याप्त पत्र बचे ही नहीं थे। चुना गया कमरा स्काउट्स विंग के सामने था और छत की बड़ी बत्ती साफ दिखाई दे रही थी, जबकि कमरे में एक पढ़ने वाला लैंप भी था, जो ठीक से काम कर रहा था; एनी ने ही कैरी का ध्यान खिड़की की बत्ती की ओर दिलाया था; एनी ही एकमात्र ऐसी व्यक्ति थी जिसने X को देखने का दावा किया था; और यद्यपि दोनों स्काउट्स की बेगुनाही साबित हो गई थी, एनी ही वह थी जो X के लिए आवश्यक शर्तों से सबसे अधिक मेल खाती थी।"

"लेकिन कैरी ने कमरे में X की आवाज सुनी," डीन ने कहा।

"ओह, हाँ," विम्सी मुस्कुराते हुए बोला। "और कैरी को तुम्हें लाने के लिए भेजा गया था जबकि एनी ने दरवाज़े के दूसरी तरफ से लाइट बंद करने वाले तार और ब्लैकबोर्ड को उलट दिया था। मैंने तुम्हें बताया था, तुम्हें याद है ना, कि दरवाज़े के ऊपरी हिस्से को अच्छी तरह से साफ कर दिया गया था, ताकि तार का निशान न दिखे।"

"लेकिन अंधेरे कमरे की खिड़की की चौखट पर जो निशान हैं—" डीन ने कहा।

"बिल्कुल असली। वो पहली बार अंदर से दरवाजे बंद करके और मिस डी वाइन की कुछ हेयरपिन इधर-उधर बिखेर कर वहाँ से निकली ताकि यकीन हो जाए। फिर वो बटरी के रास्ते स्काउट्स विंग में घुस गई, कैरी को बुलाया और उसे भी मज़ा दिखाने के लिए साथ ले आई... वैसे, मुझे लगता है कि किसी न किसी स्काउट को शक ज़रूर हुआ होगा। शायद उसने कई बार एनी के बेडरूम का दरवाजा रहस्यमय तरीके से बंद पाया हो, या गलियारे में उससे गलत समय पर मिली हो। खैर, अब तो सबूत इकट्ठा करने का समय आ गया था। मैंने ये सुझाव दिया कि अब से रात में इधर-उधर घूमना बंद हो जाएगा; और ऐसा ही हुआ। और मुझे नहीं लगता कि हमें बटरी की वो अतिरिक्त चाबी कभी मिलेगी।"

"सब ठीक है," मिस एडवर्ड्स ने कहा। "लेकिन आपके पास अभी भी कोई सबूत नहीं है।"

नहीं। मैं उसे लेने गई थी। इसी बीच, X—अगर आपको मेरी पहचान पसंद नहीं है—ने यह तय किया कि मिस वेन खतरनाक हैं, और उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया। यह जाल नाकाम रहा, क्योंकि मिस वेन ने बड़ी समझदारी से कॉलेज में वापस फोन करके सोमरविले में मिले रहस्यमय संदेश की पुष्टि की। यह संदेश बुधवार रात 10:40 बजे एक बाहरी कॉल-बॉक्स से भेजा गया था। ग्यारह बजने से ठीक पहले, एनी अपनी छुट्टी से वापस आई और उसने पैजेट को मिस वेन से फोन पर बात करते सुना। उसने बातचीत तो नहीं सुनी, लेकिन शायद उसने नाम सुना होगा।

“यद्यपि यह प्रयास विफल रहा, मुझे पूरा विश्वास था कि ऐसा ही एक और प्रयास किया जाएगा, या तो मिस वेन पर, मिस डी वाइन पर या उस संदिग्ध जासूस पर—या तीनों पर। मैंने इस संबंध में चेतावनी जारी कर दी। इसके बाद जो हुआ वह यह था कि मिस वेन के मोहरे नष्ट कर दिए गए। यह काफी अप्रत्याशित था। यह घबराहट से ज़्यादा व्यक्तिगत घृणा प्रतीत हो रही थी। उस समय तक मिस वेन के साथ लगभग उतनी ही कोमलता से व्यवहार किया जाता था मानो वह एक सभ्य स्त्री हों। क्या आप कुछ ऐसा सोच सकती हैं जिससे X को ऐसा लगा हो, मिस वेन?”

“मुझे नहीं पता,” हैरियट ने उलझन में कहा। “जब मैं बच्चों से मिली तो मैंने उनके बारे में विनम्रता से पूछा और बीटी से बात की—हे भगवान, जी हाँ, बीटी से!—और मुझे याद है कि एक बार मैंने एनी से विनम्रतापूर्वक सहमति जताई थी कि अगर सही जीवनसाथी मिल जाए तो शादी एक अच्छी बात हो सकती है।”

“वह राजनीतिक चाल थी, भले ही सिद्धांतहीन थी। और यीशु के चौकस श्री जोन्स के बारे में क्या? यदि आप रात में युवकों को कॉलेज में लाएंगे और उन्हें चैपल में छिपाएंगे —”

“हे भगवान!” मिस पाइक ने हैरानी से कहा।

“—आपसे एक शिष्ट महिला समझे जाने की उम्मीद की जाती होगी। हालाँकि, यह कोई बहुत महत्वपूर्ण बात नहीं है। मुझे डर है कि यह भ्रम तब टूट गया जब आपने सार्वजनिक रूप से मुझे बताया कि व्यक्तिगत लगाव सार्वजनिक कर्तव्यों के आगे गौण होते हैं।”

लेकिन, मिस एडवर्ड्स ने अधीरता से कहा, "आर्थर रॉबिन्सन का क्या हुआ?"

“उनकी शादी शार्लेट एन क्लार्क नाम की एक महिला से हुई थी, जो उनकी मकान मालकिन की बेटी थी। उनकी पहली संतान, जो आठ साल पहले पैदा हुई थी, का नाम बीट्रिस था। यॉर्क में हुई परेशानी के बाद, उन्होंने अपना नाम बदलकर विल्सन रख

लिया और एक छोटे से प्रारंभिक विद्यालय में कनिष्ठ शिक्षक का पद संभाला, जहाँ उन्हें ऐसे व्यक्ति को लेने में कोई आपत्ति नहीं थी जिसे एम.ए. की डिग्री से वंचित कर दिया गया था, बशर्ते वह कम वेतन वाला हो। उनकी दूसरी बेटी, जो कुछ समय बाद पैदा हुई, का नाम कैरोला रखा गया। मुझे लगता है कि विल्सन परिवार का जीवन आसान नहीं था। उन्होंने अपनी पहली नौकरी खो दी—शायद शराब की वजह से—दूसरी नौकरी की—फिर से मुसीबत में पड़ गए और तीन साल पहले उन्होंने खुद को गोली मार ली। स्थानीय अखबार में कुछ तस्वीरें छपी थीं। ये रही तस्वीरें। लगभग अड़तीस साल का एक गोरा, सुंदर आदमी—अस्थिर, आकर्षक, कुछ-कुछ मेरे भतीजे जैसा। और ये रही विधवा की तस्वीर।"

"आप सही कह रहे हैं," वार्डन ने कहा। "वह एनी विल्सन है।"

"जी हां। अगर आप जांच रिपोर्ट पढ़ेंगे तो आपको पता चलेगा कि उसने एक पत्र छोड़ा था, जिसमें उसने कहा था कि उसे पीछा करके मार डाला गया था - यह एक काफी लंबा-चौड़ा पत्र था, जिसमें एक लैटिन उद्धरण भी था, जिसका कोरोनर ने सहर्ष अनुवाद किया।"

"हे भगवान!" मिस पाइक ने कहा। "क्या इससे भी दुखद कोई राक्षस नहीं है?"

"इटा। आखिरकार, यह एक आदमी ने लिखा था; इसलिए मिस हिलयार्ड बिल्कुल सही थीं। एनी विल्सन को अपने बच्चों और खुद का भरण-पोषण करने के लिए कुछ करना पड़ा, इसलिए वह नौकरानी बन गईं।"

कोषाध्यक्ष ने कहा, "मेरे पास उनके बारे में बहुत अच्छी सिफारिशें थीं।"

"निस्संदेह; क्यों नहीं? उसने किसी न किसी तरह मिस डी वाइन की गतिविधियों पर नज़र रखी होगी; और जब पिछले क्रिसमस पर नियुक्ति की घोषणा हुई, तो उसने यहाँ नौकरी के लिए आवेदन किया। वह शायद जानती थी कि दो छोटे बच्चों वाली एक दुर्भाग्यशाली विधवा होने के नाते, उसे सहानुभूतिपूर्ण विचार मिलेगा—"

"मैंने तुमसे क्या कहा था?" मिस हिलयार्ड चिल्लाईं। "मैंने हमेशा कहा था कि विवाहित महिलाओं के प्रति यह बेतुका भावुकतापूर्ण रवैया इस कॉलेज के अनुशासन को पूरी तरह से नष्ट कर देगा। उनका ध्यान काम पर नहीं होता, और हो भी नहीं सकता।"

"अरे बाप रे!" मिस लिडगेट ने कहा। "बेचारी उस शिकायत को लेकर इस तरह से परेशान है! काश हमें पता होता, तो हम ज़रूर कुछ कर सकते थे, कुछ ऐसा जिससे वह इस मामले को ज़्यादा तर्कसंगत ढंग से समझ पाती। क्या आपको कभी यह ख्याल

नहीं आया, मिस डी वाइन, कि उस बेचारे रॉबिन्सन का क्या हुआ, इसकी जानकारी लें?”
मुझे अफसोस है कि ऐसा नहीं हुआ।
"आपको ऐसा क्यों करना चाहिए?" मिस हिलयार्ड ने पूछा।
पिछले कुछ मिनटों में कोयले के तहखाने का शोर थम गया था। मानो सन्नाटे ने उनके मन में विचारों की एक श्रृंखला जगा दी हो। मिस चिल्परिक ने पीटर की ओर मुड़कर हिचकिचाते हुए कहा:
"अगर बेचारी एनी ने वाकई ये सब भयानक काम किए थे, तो उसे कोयले के गड्ढे में कैसे बंद कर दिया गया?"
“आह!” पीटर ने कहा। “उस कोयले के गड्ढे ने तो मेरी थ्योरी पर से मेरा भरोसा ही लगभग हिला दिया था; खासकर इसलिए क्योंकि मुझे अपने शोध दल से रिपोर्ट कल तक नहीं मिली थी। लेकिन ज़रा सोचिए, वो और क्या कर सकती थी? उसने मिस डी वाइन पर शहर से लौटते समय हमला करने की साज़िश रची थी—जासूसों को शायद पता था कि वो किस ट्रेन से आ रही है।”
“नेली को पता था,” हैरियट ने कहा।
“तब वह एनी को बता सकती थी। सौभाग्य से, हमला मिस डी वाइन पर नहीं हुआ, जो अचानक हमले की चपेट में आ जातीं और जिनका दिल इतना कमज़ोर है, बल्कि एक युवा और मज़बूत महिला पर हुआ, जो उस हद तक इसका सामना करने के लिए तैयार थी। फिर भी, यह हमला काफ़ी गंभीर था और आसानी से जानलेवा साबित हो सकता था। मुझे इस बात के लिए खुद को माफ़ करना मुश्किल लगता है कि मैंने सबूत के साथ या बिना सबूत के पहले ही क्यों नहीं बताया और संदिग्ध पर नज़र क्यों नहीं रखी।”
“अरे, बकवास!” हैरियट ने झट से कहा। “अगर तुमने ऐसा किया होता, तो वह पूरे सेमेस्टर के लिए सब कुछ रद्द कर सकती थी, और हमें अभी भी कुछ भी पक्का पता नहीं चल पाता। मुझे ज़्यादा चोट नहीं लगी।”
“नहीं। लेकिन यह आप नहीं हो सकते थे। मुझे पता था कि आप जोखिम उठाने के लिए तैयार थे; लेकिन मुझे मिस डी वाइन को बेनकाब करने का कोई अधिकार नहीं था।”
मिस डी वाइन ने कहा, "मुझे लगता है कि जोखिम उठाना सही और उचित था।"
“सबसे बड़ी जिम्मेदारी मेरी है,” वार्डन ने कहा। “शहर छोड़ने से पहले मुझे आपको फोन करके चेतावनी दे देनी चाहिए थी।”

“चाहे गलती किसी की भी हो,” पीटर ने कहा, “हमला मिस वेन पर हुआ था। शांत और सौम्य गला घोंटने के बजाय, बुरी तरह गिरना और बहुत सारा खून बहना हुआ था, जिसमें से कुछ खून निस्संदेह हमलावर के हाथों और कपड़ों पर भी लगा होगा। वह एक अजीब स्थिति में थी। उसने गलत व्यक्ति को पकड़ लिया था, वह खून से लथपथ और अस्त-व्यस्त थी, और मिस डी वाइन या कोई और किसी भी क्षण आ सकता था। अगर वह जल्दी से अपने कमरे में वापस भी भाग जाती, तो भी उसे देखा जा सकता था —उसकी वर्दी खून से सनी हुई थी—और जब शव मिलता (जिंदा या मुर्दा) तो वह एक निशाने पर होती। उसके पास एकमात्र उपाय था कि वह खुद पर हमले का नाटक करे। वह लॉजिया के पीछे से बाहर निकली, खुद को कोयले के तहखाने में फेंक दिया, दरवाजा अंदर बंद कर लिया और मिस वेन के खून के धब्बों को अपने खून से ढकने लगी। वैसे, मिस वेन, अगर आपको अपने पाठ की कुछ भी याद हो, तो आपने उसके कलाइयों पर निशान जरूर लगाए होंगे।”
“मैं कसम खाकर कहती हूँ कि मैंने ऐसा किया था,” हैरियट ने कहा।
लेकिन वेंटिलेटर पर चढ़ने की कोशिश में किसी भी तरह की चोट लग सकती है। खैर। सबूत अभी भी परिस्थितिजन्य हैं—भले ही मेरा भतीजा बुधवार को मैग्डेलन ब्रिज पार करती हुई महिला की पहचान उस महिला से करने को तैयार है जिससे वह बगीचे में मिला था। मैग्डेलन ब्रिज के दूसरी तरफ से हेडिंगटन की बस पकड़ी जा सकती है। इस बीच, क्या आपने तहखाने में उस आदमी की आवाज सुनी? अगर मैं गलत नहीं हूं, तो कोई प्रत्यक्ष सबूत लेकर आ रहा है।
गलियारे में भारी कदमों की आहट के बाद दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी; पैजेट अंदर आने के लिए कहे जाने से पहले ही दस्तक के पीछे-पीछे चला गया। उसके कपड़ों पर कोयले की धूल के निशान थे, हालांकि उसने जल्दबाजी में अपने हाथ और चेहरा धो लिया था।
“माफ़ कीजिए, मैडम वार्डन,” पैजेट ने कहा। “लीजिए, मेजर। बिल्कुल नीचे, खाई के तल में। मुझे तो सारा सामान इधर-उधर करना पड़ा।” उसने मेज पर एक बड़ी चाबी रख दी।
"क्या आपने इसे तहखाने में आजमाया है?"
जी हाँ, महोदय। लेकिन इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। ये रहा मेरा लेबल इस पर। 'कोयला तहखाना' देखिए?
“खुद को अंदर बंद करना और चाबी छिपाना आसान है। धन्यवाद, पैजेट।”

“एक पल रुकिए, पैजेट,” वार्डन ने कहा। “मैं एनी विल्सन से मिलना चाहता हूँ। क्या आप कृपया उसे ढूंढकर यहाँ ला सकते हैं?”
"ऐसा न करना ही बेहतर होगा," विम्सी ने धीमी आवाज़ में कहा।
“ज़रूर लाऊंगा,” वार्डन ने कड़े स्वर में कहा। “आपने इस बदकिस्मत महिला पर सार्वजनिक आरोप लगाया है और यह उचित ही है कि उसे इसका जवाब देने का अवसर दिया जाए। पैजेट, उसे तुरंत यहाँ लाओ।”
पैजेट के बाहर जाते ही पीटर के हाथों ने त्याग की एक आखिरी भावपूर्ण अभिव्यक्ति की।
कोषाध्यक्ष ने कहा, "मुझे लगता है कि यह बहुत आवश्यक है कि इस मामले को पूरी तरह और तुरंत सुलझा लिया जाए।"
“क्या आपको वास्तव में यह बुद्धिमानी भरा लगता है, वार्डन?” डीन ने पूछा।
“इस कॉलेज में बिना सुनवाई के किसी पर भी आरोप नहीं लगाया जाएगा। लॉर्ड पीटर, आपके तर्क अत्यंत ठोस प्रतीत होते हैं; लेकिन सबूतों से कुछ और भी अर्थ निकल सकते हैं। एनी विल्सन निस्संदेह शार्लोट एन रॉबिन्सन ही हैं; लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वही गड़बड़ी की सूत्रधार हैं। मैं मानता हूँ कि परिस्थितियाँ उनके खिलाफ हैं, लेकिन इसमें कुछ हेरफेर या संयोग भी हो सकता है। उदाहरण के लिए, चाबी पिछले तीन दिनों में कभी भी कोयले के तहखाने में रखी गई हो सकती है।”
“मैं ज्यूक्स से मिलने गया था,” पीटर ने कहना शुरू किया; तभी एनी के आने से उसकी बात अधूरी रह गई। हमेशा की तरह सलीके से और शांत भाव से एनी वार्डन के पास पहुंची:
“पैजेट ने कहा कि आप मुझसे मिलना चाहती हैं, महोदया।” फिर उनकी नज़र मेज़ पर फैले अख़बार पर पड़ी और उन्होंने एक लंबी, तीखी साँस ली, जबकि उनकी आँखें किसी शिकार किए गए जानवर की तरह कमरे में चारों ओर घूम गईं।
“श्रीमती रॉबिन्सन,” पीटर ने जल्दी और शांत स्वर में कहा। “हम अच्छी तरह समझ सकते हैं कि आपके मन में अपने पति की दुखद मृत्यु के लिए जिम्मेदार लोगों के प्रति आक्रोश क्यों उत्पन्न हुआ—शायद यह आक्रोश जायज़ भी था। लेकिन आपने अपने बच्चों को उन भयानक संदेशों को तैयार करने में मदद करने की अनुमति कैसे दी? क्या आपको यह एहसास नहीं था कि अगर कुछ भी हो जाता तो उन्हें अदालत में गवाही देने के लिए बुलाया जा सकता था?”

“नहीं, वे ऐसा नहीं करेंगे,” उसने झट से कहा। “उन्हें इसके बारे में कुछ पता नहीं था। उन्होंने तो बस अक्षर काटने में मदद की थी। क्या आपको लगता है कि मैं उन्हें कष्ट सहने दूँगी?... हे भगवान! आप ऐसा नहीं कर सकते... मैं कहती हूँ आप ऐसा नहीं कर सकते... तुम दरिंदों, मैं पहले खुद को मार डालूँगी।”
डॉ. बेरिंग ने कहा, “एनी, क्या हम यह समझें कि आप इन सभी घृणित गड़बड़ियों के लिए स्वयं को जिम्मेदार मानती हैं? मैंने आपको इसलिए बुलवाया था ताकि आप उन कुछ संदेहों से खुद को मुक्त कर सकें जो—”
“मैं खुद को बेगुनाह साबित करने की कोशिश नहीं करूंगी! मैं खुद को बेगुनाह साबित करने की जहमत नहीं उठाऊंगी। तुम घमंडी पाखंडी हो—देखना चाहूंगी कि तुम मुझे अदालत में लाते हो या नहीं। मैं तुम्हारे मुंह पर हंस दूंगी। जब मैं जज को बताऊंगी कि उस औरत ने मेरे पति की हत्या कैसे की, तो तुम वहां बैठे हुए कैसे दिखोगे?”
“यह सब सुनकर मैं बहुत परेशान हूँ। मुझे अभी तक इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था। लेकिन सच तो यह है कि मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मैं इसके परिणामों का अनुमान नहीं लगा सकती थी—और अगर लगा भी लेती तो—”
“तुम्हें कोई परवाह नहीं होती। तुमने उसे मार डाला और तुम्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। मैं कहती हूँ तुमने उसकी हत्या की। उसने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था? उसने किसी का क्या बिगाड़ा था? वह तो बस जीना और खुश रहना चाहता था। तुमने उसके मुँह से रोटी छीन ली और उसके बच्चों और मुझे भूखा मरने के लिए छोड़ दिया। तुम्हें इससे क्या फर्क पड़ता था? तुम्हारे कोई बच्चे नहीं थे। तुम्हारे पास कोई ऐसा आदमी नहीं था जिसकी तुम्हें परवाह हो। मैं तुम्हारे बारे में सब जानती हूँ। तुम्हारा भी एक आदमी था और तुमने उसे छोड़ दिया क्योंकि उसकी देखभाल करना बहुत झंझट भरा था। लेकिन क्या तुम मेरे आदमी को अकेला नहीं छोड़ सकती थीं? उसने किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठ बोला जो सैकड़ों साल पहले मर चुका था। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। क्या कागज का एक गंदा टुकड़ा हम सबकी जिंदगी और खुशी से ज्यादा महत्वपूर्ण था? तुमने उसे तोड़ दिया और मार डाला—सब व्यर्थ। क्या तुम्हें लगता है कि यही एक औरत का काम है?”
मिस डी वाइन ने कहा, "दुर्भाग्य से, यह मेरा काम था।"
“तुम्हें इस तरह की नौकरी से क्या मतलब था? एक औरत का काम पति और बच्चों की देखभाल करना होता है। काश मैंने तुम्हें मार डाला होता। काश मैं तुम सबको मार डालती। काश मैं इस जगह को और इसके जैसी सभी जगहों को जलाकर राख कर

देती—जहां औरतों को मर्दों की नौकरियां छीनना, पहले उन्हें लूटना और फिर मार डालना सिखाया जाता है।"
उसने वार्डन की ओर रुख किया।
"क्या तुम्हें पता नहीं कि तुम क्या कर रही हो? मैंने तुम्हें बेरोज़गारी पर रोते-बिलखते सुना है—लेकिन तुम ही हो, तुम जैसी औरतें ही हैं जो मर्दों से काम छीन लेती हैं और उनके दिल और ज़िंदगी तोड़ देती हैं। इसीलिए तो तुम्हें मर्द नहीं मिलते और तुम उन औरतों से नफ़रत करती हो जो मर्द पा सकती हैं। भगवान करे मर्द तुम्हारे हाथों से दूर रहें, मैं यही कहती हूँ। अगर तुम्हारे पति होते तो तुम उन्हें भी एक पुरानी किताब या किसी लेख के लिए बर्बाद कर देती... मैंने अपने पति से प्यार किया और तुमने उनका दिल तोड़ दिया। अगर वो चोर या कातिल भी होते, तो भी मैं उनसे प्यार करती और उनका साथ देती। उन्होंने वो पुराना कागज़ जानबूझकर नहीं चुराया था—उन्होंने बस उसे कहीं रख दिया था। इससे किसी को कोई फ़र्क नहीं पड़ता। इससे दुनिया के किसी भी मर्द, औरत या बच्चे को कोई फ़ायदा नहीं होता—यहाँ तक कि किसी बिल्ली की भी जान नहीं बचती; लेकिन तुमने इसके लिए उन्हें मार डाला।"
पीटर उठकर मिस डी वाइन के पीछे खड़ा हो गया और उसका हाथ उनकी कलाई पर था। उन्होंने अपना सिर हिलाया। हैरियट ने सोचा, ये तो अटल और अडिग हैं; इससे उनकी धड़कन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। कॉमन रूम में बाकी लोग बस स्तब्ध रह गए।
"अरे नहीं!" एनी ने हैरियट के विचारों को दोहराते हुए कहा। "उसे कुछ महसूस नहीं होता। उनमें से किसी को कुछ महसूस नहीं होता। तुम बेशर्म शैतानो—तुम सब एक साथ खड़े हो। तुम्हें बस अपनी जान और अपनी घटिया इज्जत का डर है। मैंने तुम सबको डरा दिया, है ना? हे भगवान! तुम सबको एक-दूसरे को देखते देखकर मुझे कितनी हंसी आई! तुम एक-दूसरे पर भरोसा तक नहीं करते। तुम सब सभ्य महिलाओं और उनके पुरुषों से नफरत करने के अलावा किसी बात पर सहमत नहीं हो सकते। काश मैंने तुम सबका गला काट दिया होता। वैसे, यह तुम्हारे लिए बहुत अच्छा होता। मैं तुम्हें हमारी तरह भूखा मरते देखना चाहती थी। मैं तुम्हें गटर में घसीटते देखना चाहती थी। मैं तुम्हें—तुम्हें—हमारी तरह उपहास का पात्र बनते, कुचले जाते, अपमानित होते और तिरस्कृत होते देखना चाहती थी। मेरे जैसे फर्श साफ करना सीख लेना तुम्हारे लिए अच्छा होता, अपने हाथों का कुछ काम करना सीख लेना, और बहुत से बदमाशों को 'मैडम' कहना सीख लेना... लेकिन मैंने तुम्हें डरा दिया, फिर भी। तुम

यह भी पता नहीं लगा पाए कि यह सब कौन कर रहा था—तुम्हारे शानदार दिमाग में बस यही एक बात है।" आपकी किताबों में जीवन, विवाह और बच्चों के बारे में कुछ भी नहीं है, है ना? हताश लोगों के बारे में कुछ भी नहीं—या प्रेम के बारे में—या घृणा के बारे में—या किसी भी मानवीय पहलू के बारे में। आप अज्ञानी, मूर्ख और असहाय हैं। आप सब बेवकूफ हैं। आप अपने लिए कुछ नहीं कर सकतीं। यहाँ तक कि आप, हे बुढ़िया, मूर्ख औरतें—आपको भी अपना काम करवाने के लिए एक आदमी की ज़रूरत पड़ी।

"तुम ही उसे यहाँ लाई हो।" वह अपनी तीक्ष्ण आँखों से हैरियट की ओर झुकी, मानो उस पर टूट पड़कर उसे टुकड़े-टुकड़े कर देगी। और तुम सबसे बड़ी पाखंडी हो। मैं तुम्हें जानती हूँ। तुम्हारा एक प्रेमी था, और उसकी मृत्यु हो गई। तुमने उसे इसलिए निकाल दिया क्योंकि तुम उससे शादी करने के लिए बहुत घमंडी थी। तुम उसकी रखैल थी और तुमने उसका सारा खून चूस लिया, और तुमने उसे इतना महत्व नहीं दिया कि उसे अपने साथ एक नेक औरत बनने दो। उसकी मृत्यु इसलिए हुई क्योंकि तुम उसकी देखभाल करने के लिए वहाँ नहीं थी। मुझे लगता है कि तुम कहोगी कि तुम उससे प्यार करती थी। तुम्हें प्यार का मतलब नहीं पता। प्यार का मतलब है हर सुख-दुख में अपने साथी का साथ देना और सब कुछ सहना। लेकिन तुम मर्दों को लेती हो, उनका इस्तेमाल करती हो और काम खत्म होने पर उन्हें फेंक देती हो। वे तुम्हारे पीछे ऐसे पड़ते हैं जैसे ततैया किसी डिब्बे के चारों ओर, और फिर उसमें गिरकर मर जाते हैं। तुम उस एक का क्या करोगी? जब तुम्हें उससे अपना गंदा काम करवाना होता है, तो तुम उसे बुलाती हो, और काम खत्म होने पर उससे छुटकारा पा लेती हो। तुम एक सभ्य औरत की तरह उसके लिए खाना नहीं बनाना चाहती, उसके कपड़े नहीं सिलना चाहती और उसके बच्चे नहीं पैदा करना चाहती। तुम उसका इस्तेमाल, किसी और औजार की तरह, मुझे तोड़ने के लिए करोगी। तुम मुझे जेल में और मेरे बच्चों को वृद्धाश्रम में देखना चाहते हो, क्योंकि तुममें दुनिया में अपना कर्तव्य निभाने का साहस नहीं है। तुम सब मिलकर भी इतने निर्धन नहीं हो कि एक पुरुष कहला सको। और तुम —"

पीटर अपने कमरे में लौट आया था और सिर हाथों में लिए बैठा था। वह उसके पास गई और उसे कंधे से पकड़कर ज़ोर से हिलाया, और जैसे ही उसने ऊपर देखा, उसने उसके चेहरे पर थूक दिया।

“तुम! तुम गंदे गद्दार! तुम सड़े हुए छोटे सफेद चेहरे वाले चूहे! तुम्हारे जैसे मर्द ही ऐसी औरतें बनाते हैं। तुम्हें बात करने के सिवा कुछ नहीं आता। अपनी हैसियत, पैसा, कपड़े और गाड़ियों के साथ ज़िंदगी के बारे में क्या जानते हो? तुमने कभी ईमानदारी से कोई काम नहीं किया। तुम जितनी चाहो उतनी औरतें खरीद सकते हो। पत्नियां और मांएं सड़कर मर जाएं, तुम्हें कोई परवाह नहीं, जबकि तुम कर्तव्य और सम्मान की बातें करते रहते हो। कोई तुम्हारे लिए कुछ भी कुर्बान नहीं करेगा—क्यों करेगा? वह औरत तुम्हें बेवकूफ बना रही है और तुम देख नहीं पा रहे। अगर वह तुम्हारे पैसे के लिए तुमसे शादी करती है, तो वह तुम्हें और भी ज्यादा बेवकूफ बनाएगी, और तुम इसके लायक होगे। तुम सिर्फ अपने हाथ सफेद करने और दूसरे मर्दों के बच्चे पैदा करने के लायक हो... अब तुम सब क्या करोगे? भाग जाओगे और मजिस्ट्रेट के पास शिकायत करोगे क्योंकि मैंने तुम सबको बेवकूफ बनाया? तुम्हारी हिम्मत नहीं होगी। तुम रोशनी में आने से डरते हो। तुम अपने प्यारे कॉलेज और अपने प्यारे मैं डरती नहीं। मैंने अपने खून के रिश्तों के लिए खड़े होने के अलावा कुछ नहीं किया। धिक्कार है तुम पर! मैं तुम सब पर हंस सकती हूँ! तुम्हारी हिम्मत नहीं मुझे छूने की। तुम मुझसे डरते हो। मेरा एक पति था और मैं उससे प्यार करती थी—और तुम मुझसे ईर्ष्या करते थे और तुमने उसे मार डाला। हे भगवान! तुमने उसे सबके बीच मार डाला, और हमारे जीवन में फिर कभी खुशी का पल नहीं आया।

वह अचानक फूट-फूट कर रोने लगी—आधा भयानक और आधा विचित्र, उसकी टोपी टेढ़ी हो गई थी और उसके हाथ उसके एप्रन को मरोड़कर एक गांठ बना रहे थे।

डीन ने हताशा से बुदबुदाते हुए कहा, "भगवान के लिए, क्या इसे रोका नहीं जा सकता?"

यहां मिस बार्टन उठ खड़ी हुईं।

“आओ, एनी,” उसने फुर्ती से कहा। “हम सब तुम्हारे लिए बहुत दुखी हैं, लेकिन तुम्हें इस तरह मूर्खतापूर्ण और उन्मादी व्यवहार नहीं करना चाहिए। अगर बच्चे तुम्हें इस हालत में देखेंगे तो क्या सोचेंगे? बेहतर होगा कि तुम आकर चुपचाप लेट जाओ और एस्पिरिन खा लो। कोषाध्यक्ष! क्या आप मेरी मदद करेंगे?

मिस स्टीवंस जोश से भर उठीं और एनी का दूसरा हाथ पकड़कर तीनों एक साथ बाहर चली गईं। वार्डन ने पीटर की ओर देखा, जो बेजान भाव से अपने रुमाल से चेहरा पोंछ रहा था और किसी की ओर नहीं देख रहा था।

“इस दृश्य को होने देने के लिए मैं क्षमा चाहता हूँ, मुझे बेहतर पता होना चाहिए था। आप बिल्कुल सही थे।”
“बेशक वो सही था!” हैरियट चिल्लाई। उसका सिर इंजन की तरह धड़क रहा था। “वो हमेशा सही होता है। उसने कहा था कि किसी की परवाह करना खतरनाक है। उसने कहा था कि प्यार एक क्रूर और शैतानी चीज़ है। तुम ईमानदार हो, पीटर, है ना? एकदम ईमानदार—हे भगवान! मुझे यहाँ से निकलने दो। मुझे उल्टी आ रही है।”
जब उसने उसके लिए दरवाजा खुला रखा तो वह लड़खड़ाकर उससे जा टकराई, और उसे मजबूती से हाथ पकड़कर उसे क्लोकरूम के दरवाजे तक ले जाना पड़ा। जब वह वापस आया, तो वार्डन उठ चुका था, और उसके साथ प्रोफेसर भी। सार्वजनिक रूप से इतनी सारी भावनाओं को नग्न अवस्था में देखकर वे सदमे से स्तब्ध थे।
“बिल्कुल, मिस डी वाइन,” वार्डन कह रहा था, “कोई भी समझदार व्यक्ति आपको दोषी ठहराने के बारे में सोच भी नहीं सकता।”
“धन्यवाद, वार्डन,” मिस डी वाइन ने कहा। “शायद मेरे अलावा और कोई नहीं।”
वार्डन ने कहा, "लॉर्ड पीटर, थोड़ी देर बाद, जब हम सब थोड़ा बेहतर महसूस कर रहे होंगे, तो मुझे लगता है कि हम सब कहना चाहेंगे—"
उन्होंने कहा, "कृपया ऐसा मत कीजिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"
वार्डन बाहर चली गई, और बाकी लोग उसके पीछे-पीछे ऐसे चले गए जैसे किसी अंतिम संस्कार में मूकदर्शक हों, केवल मिस डी वाइन खिड़की के नीचे अकेली बैठी रह गईं। पीटर ने उनके पीछे दरवाजा बंद किया और उसके पास आया। वह अब भी अपने मुंह पर रुमाल फेर रहा था। यह देखकर उसने रुमाल कूड़ेदान में फेंक दिया।
“मैं खुद को दोषी मानती हूँ,” मिस डी वाइन ने उनसे ज़्यादा खुद से कहा। “बहुत बुरी तरह। अपने पहले किए गए काम के लिए नहीं, जो टाला नहीं जा सकता था, बल्कि उसके नतीजों के लिए। आप मुझसे कुछ भी कह लें, मैं पहले से ज़्यादा ज़िम्मेदार महसूस नहीं कर सकती।”
उन्होंने कहा, "मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आप और इस कॉमन रूम के हर सदस्य की तरह, मैं भी इस सिद्धांत को मानता हूँ और इसके परिणाम भुगतने ही पड़ेंगे।"
“यह ठीक नहीं है,” फेलो ने स्पष्ट शब्दों में कहा। “हमें दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए। मिस लिडगेट भी वही करतीं जो मैंने किया; लेकिन वह यह देखना अपना कर्तव्य समझतीं कि उस अभागे आदमी और उसकी पत्नी का क्या हुआ।”

“मिस लिडगेट एक बहुत ही महान और असाधारण व्यक्तित्व हैं। लेकिन वे अपने सिद्धांतों के लिए दूसरों को कष्ट सहने से नहीं रोक सकीं। लगता है सिद्धांतों का यही उद्देश्य होता है... मैं यह दावा नहीं करता, आप जानते हैं,” उन्होंने अपनी जानी-पहचानी झिझक के साथ कहा, “कि मैं ईसाई हूँ या ऐसा कुछ और। लेकिन बाइबल में एक बात ऐसी है जो मुझे एक कड़वी सच्चाई का सीधा बयान लगती है—मेरा मतलब है, शांति नहीं बल्कि तलवार लाने के बारे में।”
मिस डी वाइन ने उत्सुकता से उसकी ओर देखा।
इसके लिए तुम्हें कितना कष्ट सहना पड़ेगा?
“भगवान ही जाने,” उसने कहा। “यह मेरी जिम्मेदारी है। शायद बिल्कुल भी नहीं। खैर, तुम जानते हो, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ।”
जब हैरियट क्लोकरूम से बाहर निकली, तो उसने मिस डी वाइन को अकेला पाया।
“भगवान का शुक्र है, वे चले गए,” हैरियट ने कहा। “मुझे डर है कि मैंने सबके सामने अपनी बेइज्जती करवा दी। यह काफी दिल दहला देने वाला था, है ना? पीटर को क्या हुआ?”
"वह चला गया है," मिस डी वाइन ने कहा।
वह हिचकिचाई, और फिर बोली:
"मिस वेन—मैं आपके मामलों में बेवजह दखलंदाजी नहीं करना चाहता। अगर मैं कुछ ज्यादा बोल रहा हूँ तो मुझे रोक दीजिएगा। लेकिन हमने सच्चाई का सामना करने के बारे में काफी बात की है। क्या अब समय नहीं आ गया है कि आप उस आदमी के बारे में सच्चाई का सामना करें?"
"मैं कुछ समय से एक सच्चाई का सामना कर रही हूँ," हैरियट ने चौक की ओर खाली आँखों से घूरते हुए कहा, "और वह यह है कि अगर मैंने एक बार पीटर के सामने हार मान ली, तो मैं तिनके की तरह बिखर जाऊँगी।"
मिस डी वाइन ने रूखेपन से कहा, "यह तो काफी स्पष्ट है। उसने आपके खिलाफ इस हथियार का इस्तेमाल कितनी बार किया है?"
"कभी नहीं," हैरियट ने उन पलों को याद करते हुए कहा जब उसने शायद इसका इस्तेमाल किया होगा। "कभी नहीं।"
तो फिर तुम्हें किस बात का डर है? खुद से?
"क्या दोपहर की यह चेतावनी काफी नहीं है?"

“शायद। आपको सौभाग्य से एक बेहद निस्वार्थ और ईमानदार व्यक्ति से मिलने का अवसर मिला है। उन्होंने बिना किसी परवाह के, चाहे उन्हें कितना भी नुकसान क्यों न उठाना पड़े, आपकी बात मानी है और न ही मामले से पल्ला झाड़ा है। उन्होंने तथ्यों को छिपाने या आपके निर्णय को प्रभावित करने की कोशिश नहीं की है। कम से कम आप यह बात तो मानते ही हैं।”
"मुझे लगता है कि उसे समझ आ गया होगा कि मुझे इस बारे में कैसा महसूस करना चाहिए?"
“समझ गए?” मिस डी वाइन ने थोड़ी झुंझलाहट के साथ कहा। “मेरी प्यारी बच्ची, उसकी बुद्धि की तारीफ करो। वह वाकई बहुत बुद्धिमान है। वह बेहद संवेदनशील है और अपनी क्षमता से कहीं ज़्यादा समझदार है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि तुम इस तरह से काम कर सकती हो। इससे उसका धैर्य, उसका संयम या उसका हौसला तो नहीं टूटेगा; लेकिन उसकी सेहत खराब हो सकती है। वह ऐसा लग रहा है जैसे उसकी सहनशक्ति की सीमा खत्म हो गई हो।”
“वह बहुत भागदौड़ कर रहा है और कड़ी मेहनत कर रहा है,” हैरियट ने बचाव करते हुए कहा। “मेरे साथ रहना उसके लिए बिल्कुल भी आरामदायक नहीं होना चाहिए। मेरा स्वभाव बहुत गुस्सैल है।”
"खैर, यह उसका जोखिम है, अगर वह इसे लेना चाहे तो। उसमें साहस की कमी नहीं दिखती।"
मुझे तो बस उसकी जिंदगी को दुखमय बना देना चाहिए।
“बहुत खूब। अगर आप यह तय कर चुके हैं कि आप उसके जूते पॉलिश करने के भी लायक नहीं हैं, तो उसे बता दीजिए और उसे भेज दीजिए।”
“मैं पिछले पांच सालों से पीटर को दूर भेजने की कोशिश कर रहा हूं। लेकिन इसका उस पर कोई असर नहीं होता।”
“अगर आपने सच में कोशिश की होती, तो आप उसे पाँच मिनट में ही भगा सकते थे... मुझे माफ़ कर दीजिए। मुझे नहीं लगता कि आपने खुद को आसानी से संभाला होगा। लेकिन उसके लिए भी यह आसान नहीं रहा होगा—यह सब देखते हुए और हस्तक्षेप करने में पूरी तरह असमर्थ होना।”
“हाँ। काश उसने इतना ज़्यादा बुद्धिमान होने के बजाय दखल दिया होता। बदलाव के तौर पर किसी के द्वारा बेरहमी से कुचले जाने से काफ़ी राहत मिलती।”

“वह ऐसा कभी नहीं करेगा। यही उसकी कमजोरी है। वह कभी भी आपके लिए फैसला नहीं करेगा। आपको अपने फैसले खुद लेने होंगे। आपको अपनी आजादी खोने से डरने की जरूरत नहीं है; वह हमेशा इसे आप पर थोप देगा। अगर आपको कभी उसके साथ किसी तरह का सुकून मिले, तो वह बहुत ही नाजुक संतुलन का सुकून होगा।”
"वह खुद भी यही कहता है। अगर तुम मेरी जगह होतीं, तो क्या तुम ऐसे आदमी से शादी करना पसंद करतीं?"
“सच कहूँ तो,” मिस डी वाइन ने कहा, “मैं ऐसा नहीं करूँगी। किसी भी कीमत पर नहीं। दो स्वतंत्र और समान रूप से चिड़चिड़े स्वभाव वाले व्यक्तियों का विवाह मुझे पागलपन की हद तक गैरजिम्मेदाराना लगता है। इससे एक-दूसरे को बहुत बुरी तरह चोट पहुँच सकती है।”
मुझे पता है। और मुझे नहीं लगता कि मैं अब और चोट सहन कर सकती हूँ।
“तो फिर,” मिस डी वाइन ने कहा, “मेरा सुझाव है कि आप दूसरों को चोट पहुँचाना बंद कर दें। तथ्यों का सामना करें और निष्कर्ष निकालें। समस्या पर एक विद्वान की तरह विचार करें और बात खत्म करें।”
“मुझे लगता है आप बिल्कुल सही कह रही हैं,” हैरियट ने कहा। “मैं ऐसा ही करूंगी। और हाँ, मुझे याद आया। मिस लिडगेट की 'हिस्ट्री ऑफ प्रोसोडी' पर आज सुबह उन्होंने खुद अपने हाथ से 'प्रेस' लिखा था। मैं उसे लेकर भागी और एक छात्र को साथ लेकर उसे प्रिंटर के पास ले गई। मुझे लगभग पक्का याद है कि खिड़की से किसी की धीमी आवाज़ आई थी जो पृष्ठ 97 पर एक फुटनोट के बारे में शिकायत कर रही थी—लेकिन मैंने अनसुना करने का नाटक किया।”
“वाह! शुक्र है, उस शोध कार्य का अंततः एक परिणाम निकल आया!” मिस डी वाइन ने हंसते हुए कहा।

## अध्याय 23

अंतिम उपाय और सबसे अचूक उपाय, जिसे तब अपनाया जाना चाहिए जब कोई अन्य उपाय कारगर न हो, वह है उन्हें एक साथ जाने देना और एक दूसरे का आनंद लेने देना; गुइनेरियस कहते हैं, "पोटिसिमा क्यूरा एस्ट उत हेरोस अमासिया सुआ पोटियाटुर..." एस्कुलैपियस स्वयं भी इस समस्या का इससे बेहतर उपाय नहीं बता सकते, "क्वैम उत अमांटी सेडेट अमातुम..." कि प्रेमी अपनी इच्छा का आनंद ले।

—रॉबर्ट बर्टन

सुबह पीटर की तरफ से कोई खबर नहीं आई। वार्डन ने कॉलेज को एक संक्षिप्त और गोपनीय घोषणा जारी की कि अपराधी का पता लगा लिया गया है और मामला सुलझ गया है। सीनियर कॉमन रूम, सदमे से थोड़ा उबरते हुए, शांतिपूर्वक सत्र के कामकाज में जुट गया। सब कुछ फिर से सामान्य हो गया था। वे पहले कभी ऐसे नहीं थे। अब जब संदेह का पर्दा हट गया था, वे दयालु, बुद्धिमान इंसान थे—शायद अपने हितों से बहुत आगे नहीं देख पाते थे, जैसे कोई आम आदमी अपने काम से या कोई आम औरत अपने घर-परिवार से आगे नहीं देख पाती—लेकिन उतने ही सहज और सुखद थे जितने कि रोज़मर्रा की रोटी।

मिस लिडगेट के प्रूफों के बारे में सोचना बंद करने के बाद, और यह महसूस करते हुए कि वह विल्फ्रेड से निपटने के लिए खुद को तैयार नहीं कर सकती, हैरियट ने ले फानू पर अपने नोट्स लिए और कैमरा में थोड़ा ठोस काम करने के लिए नीचे चली गई।

दोपहर से कुछ ही समय पहले, किसी ने उसके कंधे को छुआ।

“उन्होंने मुझे बताया कि आप यहाँ हैं,” पीटर ने कहा। “क्या आप थोड़ी देर के लिए समय निकाल सकते हैं? हम छत पर जा सकते हैं।”

हैरियट ने अपना पेन नीचे रख दिया और चुपचाप पढ़ने वाले पाठकों से भरी मेजों वाले उस गोलाकार कक्ष में उसके पीछे-पीछे चली गई।

"मैं समझता हूं," उसने घुमावदार सीढ़ी की ओर जाने वाले झूलते दरवाजे को खोलते हुए कहा, "कि इस समस्या का चिकित्सकीय रूप से समाधान किया जा रहा है।"

“हाँ, बिल्कुल। जब अकादमिक दिमाग किसी परिकल्पना को पूरी तरह समझ लेता है—जिसमें थोड़ा समय लग सकता है—तो वह बड़ी सटीकता और कुशलता से उससे निपटता है। किसी भी बात को नजरअंदाज नहीं किया जाता।”

वे चुपचाप चढ़े और अंततः छोटे बुर्ज से होते हुए कैमरा की गैलरी में आ पहुँचे। कल की बारिश थम चुकी थी और शहर पर सूरज की रोशनी पड़ रही थी। जालीदार फर्श पर सावधानी से कदम रखते हुए वे वृत्त के दक्षिण-पूर्व भाग की ओर बढ़े, तभी उन्हें मिस कैटरमोल और मिस्टर पोम्फ्रे दिखाई दिए, जो एक पत्थर के उभार पर अगल-बगल बैठे थे और उनके पास आते ही फड़फड़ाते हुए उठ खड़े हुए, मानो किसी घंटाघर से पंजे फड़फड़ा रहे हों।

विम्सी ने विनम्रतापूर्वक कहा, "हिलो मत। हम सबके लिए काफी जगह है।"

“कोई बात नहीं, महोदय,” श्री पोम्फ्रे ने कहा। “हम बस जा ही रहे थे। सचमुच। मुझे बारह बजे व्याख्यान देना है।”
“हे भगवान!” हैरियट ने उन्हें बुर्ज में गायब होते देख कहा। लेकिन पीटर की मिस्टर पोम्फ्रे और उनके मामलों में दिलचस्पी खत्म हो चुकी थी। वह अपनी कोहनियों को मुंडेर पर टिकाकर कैट स्ट्रीट की ओर देख रहा था। हैरियट भी उसके साथ झुक गई। वहाँ, पूर्व की ओर, कुछ ही दूरी पर, ऑल सोल्स के जुड़वां टावर खड़े थे, शानदार, ताश के पत्तों के घर की तरह अवास्तविक, धूप में स्पष्ट रूप से चमकते हुए, नीचे चौक में भीगा हुआ अंडाकार आकार किसी अंगूठी के खांचे में जड़े पन्ने की तरह दमक रहा था। उनके पीछे, काले और भूरे रंग में, न्यू कॉलेज एक किले की तरह गुस्से में खड़ा था, जिसकी घंटीघर की चौखटों के चारों ओर काले पंख घूम रहे थे; और क्वीन्स चर्च अपने हरे तांबे के गुंबद के साथ; और, जैसे ही नज़र दक्षिण की ओर मुड़ती है, मैग्डेलन, पीला और पतला, टावरों का लंबा लिली; स्कूल और विश्वविद्यालय का प्राचीरदार अग्रभाग; मर्टन, चौकोर शिखर वाला, सेंट मैरी के छायादार उत्तरी भाग और बढ़ते शिखर के पीछे आधा छिपा हुआ। फिर पश्चिम की ओर, क्राइस्ट चर्च, कैथेड्रल शिखर और टॉम टॉवर के बीच विशाल; पास ही में ब्रासेनोस; सेंट एल्डेट्स और कारफैक्स; शिखर, मीनार और चौक, ऑक्सफोर्ड की सभी इमारतें जीवंत पत्तों और टिकाऊ पत्थरों से ढकी हुई हैं, जो दूर-दूर तक नीली पहाड़ियों की अपनी मजबूत दीवार से घिरी हुई हैं।
मीनारों से घिरा शहर, और मीनारों के बीच फैली हुई शाखाएँ,
कोयल की गूंज, घंटियों का झुंड, लार्क पक्षियों का आकर्षण, कौवों की पीड़ा, नदी का चक्कर
नीचे चित्तीदार कान वाली लिली दिखाई गई है।
पीटर ने कहा, "हैरियट, मैं पिछले पांच वर्षों के लिए तुमसे माफी मांगना चाहता हूं।"
हैरियट ने कहा, "मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत होना चाहिए।"
मुझे नहीं लगता। जब मुझे याद आता है कि हम पहली बार कैसे मिले थे—
“पीटर, उस भयानक समय के बारे में मत सोचो। मैं तन और मन से खुद से तंग आ चुका था। मुझे पता ही नहीं था कि मैं क्या कर रहा हूँ।”
“और मैंने वही समय चुना, जब मुझे सिर्फ तुम्हारे बारे में सोचना चाहिए था, तुम पर अपना बोझ डालने का, तुमसे मांगें रखने का, एक घमंडी मूर्ख की तरह—जैसे कि मुझे बस मांगना था और मिल जाता। हैरियट, मैं तुमसे यह मानने को कहता हूँ कि चाहे जो

भी लगा हो, मेरी यह गलती घमंड और अपनी मनमानी करने की अंधी, बचकानी बेसब्री के अलावा कुछ नहीं थी।"
उसने सिर हिलाया, उसके पास कहने के लिए कोई शब्द नहीं थे।
"मैंने तुम्हें पा लिया था," वह थोड़ा शांत होकर बोला, "हर उम्मीद से परे, उस समय जब मुझे लगता था कि कोई भी औरत मेरे लिए सुख-सुविधाओं के बदले एक आसान सौदा से ज़्यादा कुछ नहीं हो सकती। और मैं तुम्हें पूरी तरह समझने से पहले ही खोने से इतना डरा हुआ था कि मैंने अपना सारा लालच और डर ऐसे उगल दिया जैसे, भगवान मेरी मदद करे, तुम्हारे पास मेरे और मेरे खोखले अहंकार के सिवा सोचने के लिए कुछ था ही नहीं। जैसे कि इससे कोई फर्क पड़ता हो। जैसे कि प्यार शब्द भी तुम्हारे लिए एक आदमी द्वारा दी जाने वाली सबसे घातक और अपमानजनक पेशकश न हो।"
नहीं, पीटर। ऐसा कभी नहीं होगा।
"मेरी प्यारी—तुमने मुझे दिखा दिया कि तुम मेरे बारे में क्या सोचती हो जब तुमने कहा कि तुम मेरे साथ रहोगी लेकिन मुझसे शादी नहीं करोगी।"
"नहीं। मुझे उस बात पर शर्म आती है।"
"मुझे इतनी बुरी तरह से शर्मिंदगी नहीं हुई जितनी पहले हुई थी। अगर तुम्हें पता होता कि मैंने इसे भुलाने की कितनी कोशिश की है। मैंने खुद को समझाया कि तुम सिर्फ शादी के सामाजिक परिणामों से डर रही थी। मैंने यह दिखावा करके खुद को तसल्ली दी कि इससे पता चलता है कि तुम मुझे थोड़ा पसंद करती हो। मैंने महीनों तक अपने इस भ्रम को कायम रखा, इससे पहले कि मैं उस शर्मनाक सच्चाई को स्वीकार करूँ जो मुझे शुरू से ही पता होनी चाहिए थी—कि तुम मेरे तंग आने से इतनी परेशान हो चुकी थी कि तुम मेरे सामने ऐसे टूट पड़ती जैसे कोई कुत्ते को भौंकने से रोकने के लिए हड्डी फेंकता है।"
"पीटर, यह सच नहीं है। मैं खुद से तंग आ गया था। मैं तुम्हें शादी के बदले में इतनी कम रकम कैसे दे सकता था?"
"कम से कम मुझमें इतनी तो तमीज़ थी कि मैं इसे कर्ज़ के बदले नहीं ले सकता था। लेकिन मैंने तुम्हें कभी यह बताने की हिम्मत नहीं की कि उस फटकार का मेरे लिए क्या मतलब था, जब आखिरकार मुझे उसकी असलियत समझ आई... हैरियट; मेरे पास धर्म या नैतिकता का कोई खास ज्ञान नहीं है, लेकिन मैं एक तरह के आचरण के नियम को ज़रूर मानता हूँ। मैं जानता हूँ कि वासना का सबसे बड़ा पाप—शायद इकलौता पाप—आनंदहीन होना है। उसे हँसी के साथ लेटना होगा या नरक में अपना

बिस्तर बनाना होगा—बीच का कोई रास्ता नहीं है... मुझे गलत मत समझो। मैंने इसे कई बार खरीदा है—लेकिन कभी भी ज़बरदस्ती या 'भारी बलिदान' देकर नहीं... भगवान के लिए, कभी यह मत सोचना कि तुम पर मेरा कोई एहसान है। अगर मुझे असली चीज़ नहीं मिल सकती, तो मैं नकली से काम चला सकता हूँ। लेकिन मैं आत्मसमर्पण या सूली पर चढ़ाने को स्वीकार नहीं करूँगा... अगर तुम्हारे मन में मेरे लिए ज़रा भी दया आई है, तो मुझे बता दो कि तुम मुझे फिर कभी ऐसा प्रस्ताव नहीं दोगी।"

"दुनिया में किसी भी कीमत पर नहीं। न अभी, न कभी बाद में। बात सिर्फ इतनी नहीं है कि मुझे खुद की कीमत समझ आ गई है। बल्कि जब मैंने आपको प्रस्ताव दिया था, तब मेरे लिए उसका कोई मतलब नहीं था—अब उसका मतलब होगा।"

"अगर तुमने अपना महत्व पहचान लिया है," उसने कहा, "तो यही सबसे बड़ी बात है... हैरियट, मुझे यह सबक सीखने में बहुत समय लगा। मुझे अपने स्वार्थ और मूर्खता से खड़ी की गई बाधाओं को धीरे-धीरे तोड़ना पड़ा। अगर इन वर्षों में मैं उस मुकाम पर वापस पहुँच गया हूँ जहाँ से मुझे शुरुआत करनी चाहिए थी, तो क्या तुम मुझे यह बताओगी और मुझे फिर से शुरू करने की अनुमति दोगी? पिछले कुछ दिनों में एक-दो बार मुझे लगा कि शायद तुम इस दुखद दौर को मिटाकर भुला देना चाहोगी।"

नहीं; ऐसा नहीं। लेकिन ऐसा लग रहा था मानो मुझे इसे याद करके खुशी हो सकती है।

"धन्यवाद। यह मेरी अपेक्षा से कहीं अधिक है और मैं इसके योग्य भी नहीं था।"

"पीटर—तुम्हें इस तरह बात करने देना ठीक नहीं है। मुझे माफी मांगनी चाहिए। अगर मैं तुम्हारा और कुछ नहीं ऋणी हूँ, तो कम से कम अपना आत्मसम्मान तो तुम्हें देना ही है। और मैं तुम्हें अपनी जान भी देना चाहता हूँ—"

"आह!" उसने मुस्कुराते हुए कहा। "लेकिन मैंने तुम्हें जोखिम उठाने की छूट देकर वह तुम्हें वापस दे दिया है। यही वह आखिरी धक्का था जिसने मेरे घमंड को चूर-चूर कर दिया।"

"पीटर, मैं उस बात की सराहना करने में कामयाब रहा। क्या मुझे इसके लिए आभारी नहीं होना चाहिए?"

मुझे आभार नहीं चाहिए—

"लेकिन अब जब मैं इसे तुम्हें देना चाहता हूँ, तो क्या तुम इसे नहीं लोगे?"

"अगर आपको ऐसा लगता है, तो मुझे मना करने का कोई अधिकार नहीं है। हैरियट, अब सारी बातें साफ हो गईं। आपने मुझे जितना दिया है, आप जानती भी नहीं हैं। जहाँ

तक मेरा सवाल है, आप अब और हमेशा के लिए आज़ाद हैं। आपने कल देखा कि निजी दावों का क्या अंजाम हो सकता है—हालाँकि मेरा इरादा आपको इसे इतने क्रूर तरीके से दिखाने का नहीं था। लेकिन अगर हालात ने मुझे मेरी इच्छा से थोड़ा ज़्यादा ईमानदार बना दिया, तो भी, मैं एक हद तक ईमानदार रहना चाहता था।"

"हां," हैरियट ने सोच-समझकर कहा। "मुझे नहीं लगता कि आप किसी तथ्य को छुपाकर अपने सिद्धांत का समर्थन करेंगे।"

"इससे क्या लाभ होता? झूठ को मन में बसाकर मैं क्या हासिल कर सकता था? मैंने तो बड़े ही शान से आपको स्वर्ग-धर्ता देने का वादा किया था। पर मुझे बस इतना ही देना है कि ऑक्सफोर्ड—जो पहले से ही आपका था। देखिए! इसके चारों ओर घूमिए और इसकी मीनारों के बारे में बताइए। आपकी इस संपत्ति को साफ-सुथरा करके चमकाना और चांदी की थाली में सजाकर आपके सामने पेश करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है। अपनी विरासत में प्रवेश कीजिए और जैसा कि दूसरे संदर्भ में कहा गया है, किसी भी तरह के आश्चर्य से भयभीत मत होइए।"

"प्यारे पीटर," हैरियट ने कहा। उसने चमकते शहर की ओर पीठ फेर ली, रेलिंग से टेक लगाकर खड़ी हो गई और उसकी ओर देखने लगी। "ओह, धिक्कार है!"

"चिंता मत करो," पीटर ने कहा। "सब ठीक है। वैसे, लगता है अगले हफ्ते मुझे फिर से रोम जाना पड़ेगा। लेकिन मैं सोमवार तक ऑक्सफोर्ड नहीं छोड़ूंगा। रविवार को बैलिओल का संगीत कार्यक्रम है। क्या तुम आओगे? हम एक और शानदार रात बिताएंगे और बाख के दो वायलिन के संगीत कार्यक्रम से अपने मन को सुकून देंगे। अगर तुम इतना धैर्य रखोगे तो। उसके बाद मैं चला जाऊंगा और तुम्हें यहीं छोड़ दूंगा —"

"विल्फ्रेड एंड कंपनी को," हैरियट ने कुछ झुंझलाहट भरे लहजे में कहा।

"विल्फ्रेड?" पीटर ने क्षण भर के लिए असमंजस में पड़कर कहा, उसका दिमाग खरगोशों के पीछे भाग रहा था।

"हां, मैं विल्फ्रेड के किरदार को फिर से लिख रहा हूं।"

"हे भगवान, हाँ। वो सनकी संशय वाला आदमी। उसका हाल कैसा चल रहा है?"

"मुझे लगता है वो अब बेहतर है। लगभग इंसान जैसा। मुझे लगता है मुझे ये किताब तुम्हें समर्पित करनी पड़ेगी। 'पीटर को, जिसने विल्फ्रेड को वो बनाया जो वो है'—कुछ इस तरह की बातें... ऐसे मत हंसो। मैं सच में विल्फ्रेड पर काम कर रहा हूँ।"

न जाने क्यों, उस चिंता भरी तसल्ली ने उसे इतना झकझोर दिया जितना पहले कभी नहीं झकझोरया था। "मेरी प्रिय—अगर मैंने कुछ कहा है... अगर तुमने मुझे अपने काम और जीवन तक आने दिया है... तो यहाँ! मुझे लगता है कि कुछ मूर्खतापूर्ण करने से पहले मुझे यहाँ से चले जाना चाहिए... विल्फ्रेड की पतलून के मोड़ में मेरा नाम अमर हो जाएगा... तुम रविवार को आओगी? मैं गुरुजी के साथ भोजन कर रहा हूँ, लेकिन मैं तुमसे सीढ़ियों के नीचे मिलूँगा?... तब तक के लिए।"

वह गैलरी से होते हुए चुपके से निकल गया और गायब हो गया। हैरियट मन के साम्राज्य का अवलोकन करने के लिए अकेली रह गई, जो मर्टन से बॉडली तक, कारफैक्स से मैग्डेलन टॉवर तक जगमगा रहा था। लेकिन उसकी निगाहें एक दुबली-पतली आकृति पर टिकी थीं, जो पत्थरों से बने चौक को पार करते हुए, सेंट मैरी चर्च की छाया में हल्के कदमों से हाई की ओर बढ़ रही थी। दुनिया के सारे साम्राज्य और उनकी शान।

स्नातकोत्तर, स्नातक, आगंतुक; वे बिना पीठ वाली ओक की बेंचों पर एक-दूसरे से सटकर बैठे थे, उनकी कोहनियाँ लंबी मेजों पर टिकी थीं, उनकी आँखें उंगलियों से ढकी थीं, या वे बुद्धिमानी से उस मंच की ओर मुड़े हुए थे जहाँ दो प्रसिद्ध वायलिन वादक डी माइनर कॉन्सर्टो की मधुर और सशक्त धुनों को एक साथ पिरो रहे थे। हॉल खचाखच भरा था; हैरियट का गाउन पहना कंधा उसके साथी के कंधे से छू रहा था, और उसकी लंबी आस्तीन का अर्धचंद्राकार हिस्सा उसके घुटने पर टिका था। वह उस स्थिर गंभीरता में डूबा हुआ था जिसके साथ सभी सच्चे संगीतकार सच्चे संगीत को सुनते हैं। हैरियट इतनी संगीतकार थी कि वह इस अलगाव का सम्मान करती थी; वह अच्छी तरह जानती थी कि सामने बैठे व्यक्ति के चेहरे पर दिख रही उमंग का मतलब केवल यह था कि वह संगीतज्ञ समझे जाने की उम्मीद कर रहा था, और सामने बैठी वह बुजुर्ग महिला, जो ताल पर अपनी उंगलियाँ हिला रही थी, संगीत की दृष्टि से मूर्ख थी। वह स्वयं इतनी समझदार थी कि अपने दिमाग से ध्वनियों को थोड़ा पढ़ सके, और मेहनत से धुन की गुंथी हुई कड़ियों को एक-एक करके सुलझा सके। उसे पूरा यकीन था कि पीटर उस पूरे जटिल पैटर्न को सुन सकता था, हर हिस्सा अलग-अलग और एक साथ, हर एक स्वतंत्र और बराबर, अलग होते हुए भी अविभाज्य, ऊपर, नीचे और बीच से गुजरता हुआ, दिल और दिमाग को एक साथ मंत्रमुग्ध कर देने वाला।

वह तब तक इंतजार करती रही जब तक कि आखिरी प्रस्तुति समाप्त नहीं हो गई और खचाखच भरे हॉल में मौजूद लोग तालियों की गड़गड़ाहट के साथ अपना ध्यान भंग

करने लगे।
"पीटर—जब आपने कहा था कि अगर कोई हमें काउंटरपॉइंट छोड़ दे तो कोई भी सामंजस्य प्राप्त कर सकता है, तो आपका क्या मतलब था?"
“क्यों,” उसने सिर हिलाते हुए कहा, “मुझे बहुध्वनिक संगीत पसंद है। अगर आपको लगता है कि मेरा मतलब कुछ और था, तो आप समझ गए होंगे कि मेरा मतलब क्या था।”
“बहुस्वर संगीत में बहुत अधिक वादन की आवश्यकता होती है। आपको केवल एक वायलिन वादक से कहीं अधिक होना चाहिए। इसके लिए एक संगीतकार की आवश्यकता होती है।”
"इस मामले में, दो वायलिन वादक—दोनों संगीतकार हैं।"
"मैं कोई बहुत अच्छा संगीतकार नहीं हूँ, पीटर।"
“जैसा कि मेरे बचपन में कहा जाता था: ‘सभी लड़कियों को थोड़ा-बहुत संगीत सीखना चाहिए—इतना कि वे साधारण संगत बजा सकें।’ मैं मानता हूँ कि बाख का संगीत किसी निरंकुश गुणी कलाकार और विनम्र संगतकार का मामला नहीं है। लेकिन क्या आप दोनों में से कोई बनना चाहते हैं? यहाँ एक सज्जन कुछ लोकगीत गाने आ रहे हैं। एकल गायक के लिए शांति बनाए रखें। लेकिन उन्हें जल्दी समाप्त होने दें, ताकि हम उस महान लयबद्ध संगीत को फिर से सुन सकें।”
अंतिम कोरस गाया गया और दर्शक बाहर निकलने लगे। हैरियट ब्रॉड स्ट्रीट के गेट से होकर निकली; पीटर उसके पीछे-पीछे चौक से होते हुए गया।
“यह एक खूबसूरत रात है—इतनी अच्छी कि इसे यूं ही बर्बाद नहीं करना चाहिए। अभी वापस मत जाओ। मैग्डेलन ब्रिज पर आओ और लंदन नदी को अपना प्यार भेजो।”
वे चुपचाप ब्रॉड के किनारे-किनारे चलने लगे, हल्की हवा उनके गाउन को लहरा रही थी।
“इस जगह में कुछ ऐसा है,” पीटर ने कुछ देर रुककर कहा, “जो इंसान के सारे मूल्यों को बदल देता है।” वह थोड़ा रुका और अचानक बोला, “मैंने तुमसे हाल ही में कई बार अलग-अलग बातें की हैं; लेकिन तुमने शायद गौर किया होगा कि जब से हम ऑक्सफोर्ड आए हैं, मैंने तुमसे शादी का प्रस्ताव नहीं रखा है।”
“हां,” हैरियट ने कहा, उसकी निगाहें शेल्डोनियन और क्लेरेंडन बिल्डिंग के बीच से उभरती हुई बोडलियन छत की गंभीर और नाजुक आकृति पर टिकी हुई थीं। “मैंने इसे

देखा था।”
“मैं डरा हुआ था,” उसने सरल स्वर में कहा; “क्योंकि मुझे पता था कि यहाँ तुमने मुझसे जो कुछ भी कहा, उसके बाद पीछे हटना नामुमकिन था... लेकिन अब मैं तुमसे पूछ रहा हूँ, और अगर तुम ना कहती हो, तो मैं वादा करता हूँ कि इस बार मैं तुम्हारा जवाब मान लूँगा। हैरियट; तुम जानती हो कि मैं तुमसे प्यार करता हूँ: क्या तुम मुझसे शादी करोगी?”
होलीवेल कॉर्नर पर ट्रैफिक लाइटें टिमटिमा रही थीं: हां; नहीं; रुको। कैट स्ट्रीट पार करने के बाद, न्यू कॉलेज की दीवारों की छाया ने उन्हें निगल लिया, इससे पहले कि वह कुछ बोल पाती:
"पीटर, मुझे एक बात बताओ। अगर मैं 'नहीं' कहूँ तो क्या तुम बहुत दुखी हो जाओगे?"
“बेहद बेताब?... मेरी प्यारी, मैं ऐसे शब्दों से न तो तुम्हारा और न ही अपना अपमान करूंगा। मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि अगर तुम मुझसे शादी करोगी तो मुझे बहुत खुशी मिलेगी।”
वे पुल के मेहराब के नीचे से गुजरे और एक बार फिर धुंधली लड़ाई में बाहर निकल आए।
“पीटर!”
वह स्थिर खड़ी रही; और वह भी मजबूरी में रुक गया और उसकी ओर मुड़ गया। उसने अपने दोनों हाथ उसके गाउन के सामने वाले हिस्से पर रखे और उसके चेहरे की ओर देखते हुए उस शब्द को खोजने लगी जो उसे इस आखिरी मुश्किल दौर से पार करा सके।
यह वही था जिसने उसके लिए इसे खोजा था। समर्पण भाव से उसने अपना सिर झुकाया और गंभीर मुद्रा में खड़ा हो गया, उसके हाथ में चौकोर टोपी लटक रही थी।
"क्या यह ठीक है, शिक्षक जी?"
"मैं सहमत हूं।"
प्रोक्टर, नज़रें झुकाए गंभीर भाव से आगे बढ़ते हुए, सोच रहे थे कि ऑक्सफ़ोर्ड अपनी सारी गरिमा खो रहा है। लेकिन वे क्या कर सकते थे? यदि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ सदस्य—अपने गाउन पहने हुए ही!—वार्डन की खिड़कियों के ठीक नीचे न्यू कॉलेज लेन में एक-दूसरे को गले लगा लें, तो वे इसे रोक नहीं सकते थे। उन्होंने सलीके से अपने सफेद बैंड ठीक किए और बिना किसी की नज़र में आए आगे बढ़ गए; किसी ने भी उनकी मखमली आस्तीन नहीं खींची।

***** समाप्त *****

sjeet